

्रप्राधिकार से प्रकाशित. ₹७८८ऽम€० ८७ ४०७ स०४८४

नई विस्ली, शनिवार, अप्रैल 6, 1985 ( चेत्र 16, 1907)

सं 0 1 4] No. 14]

NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 6, 1985 (CHAITRA 16, 1907)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संझलन के कर में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## माय ॥ - जन्म 1

# [PART III—SECTION 1]

्रिश्च न्यायालयों, नियम्ब्रह और महालेबाधरीश्वक, संब लोह सेवा भाषीत, रेन विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं [Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Rublic Service Commission, the Indian Government Ruiways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

# केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 14 मार्च 1985

सं० 2/5/85-प्रशासन—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतक् द्वारा केन्द्रीय सतर्कता आयोग के स्थायो निजी सहायक सर्वश्री महेन्द्र लाल जुनेजा तथा विश्वाम्बर दयाल नोमवाल, को इस आयोग में स्थानापन रूप से वरिष्ठ निजी सहायक के पद पर रु 650-1040 के वेतनमान में दिनांक 1-2-1985 (पूर्वाह) से अगले आदेश तक नियुक्त करते हैं।

#### दिनांक 16 मार्च 1985

सं० 2/4/84-प्रशासन—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद् द्वारा केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता (विद्युत) श्री ताराचन्द चोपड़ा को इस आयोग में स्थानापक रूप से सहायक तकनीकी परोक्षक (विद्युस्) के पद पर वेतनमान रु. 650-1200 के अतिरिक्त रु० 75/- विशेष वेतन प्रतिमाह में 1 मार्च, 1985 (प्रविह्न) से अगले आदेश तक नियुक्त करते हैं।

सं० 2/8/85-प्रशासन—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतष्ः द्वारा केन्द्रीय सतर्कता आयोग में श्रोमती तपती नियोगो (भारतीय डाक सेवा) को स्थानापन्नू रूप से विभागीय जीच आयुक्त के पद पर 1—6 GI/85 वेतनमान २० 1500--60--1800--160--2000 के अतिरिक्त रु. 300/-- विशेष वेतन प्रतिमाह में 1 मार्च, 1985 (पूर्वाह्र) से अगले आदेश तक नियुक्त करते हैं।

#### दिनांक 18 मार्च 1985

मं० 2/3/85-प्रशासन-क्रिम्बोय मतर्कता आयुक्त एतद् द्वारा केन्द्रीय सतर्कता आयोग के स्थायो निर्जा सहायक श्रो रक्षा पाल मारवाहा को स्थानापन्न वरिष्ठ निर्जा महायक के पद पर तदर्थ रूप से वेतनमान २० 650-1040 में दिनांक 13-3-85 (पूर्वाह्र) से 90 दिन की अवधि अथवा श्री प्याम लाल गर्ग, वरिष्ठ निजी सहायक के फिर से काम संमाल लेने तक जो भी पहले हो, के लिये नियुक्त करते हैं।

कृष्ण लाल मस्होत्रा अयर सर्चिय (प्रशासन) कृते केन्द्राय सनकेता आयुक्त

गृह मजालय समन्वय निदेशालय पुलिस कम्प्यूटर्स

नई दिल्ली-110066, दिनांक 13 मार्च, 1985

सं० 34/5/81-प्रणा०/डो०मा०पा०सो०--सीमा सुरका बल में उप-समादेशक के रूप में पदोन्नति होने के फलस्बरूप, श्रो

(11565)

ए० के० सूरी सीमा सुरक्षा बल से समन्वय निवेशालय पुलिस कम्प्यूटर्स, नई दिल्ली में प्रतिनियुक्ति पर कनिष्ठ स्टाफ अधिकारी, ने 29 दिसम्बर, 1984 (अपराह्र) से इस निवेशालय से कनिष्ठ स्टाफ अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

> एन० सी० पाधी निवेशक; डी०सी०पी०सी०

# पुलिस अपुर्तवान एवं विकास क्यूरो गई विल्ली, विनोक 16 मार्च 1985

सं 3/33/80-अभार-II--- नेन्द्रीय गुप्तचर प्रक्रिमण स्कूल कलकत्ता में पुलिस उप-अधीक्षक के पद पर प्रतिनियुक्ति श्री सुभाव कुमार हे पुलिस उप-अधीक्षक कलकत्ता ने, केन्द्रीय गुप्तचर प्रक्रिकण स्कूल कलकत्ता के अपने पुलिस उप अधीक्षक के पद का कार्यभार 18-2-85 (पूर्वाह्र) को सींप विधा है।

2. पुलिस उप अधीक्षक केन्द्रीय गुप्तचर प्रशिक्षण स्कूल कलकता के श्री एस० के० डे के 18 फरवरी, 1985 (पूर्वीह्र) से कार्यमुक्त हो जाने के कारण उनको सेवाएं पुलिस आयुक्त कलकता को सौंपी जाती हैं।

> एस० के० मस्लिक महानिवेशक

# का० एवं प्र०सु०वि०, कें०अ० ब्यूरी नई दिल्ली, दिनोक 15 मार्च 1986

सं० ए-20023/4/80-प्रशासन-5-प्रत्यावर्तन होने पर, श्री एस० वनवामलाई, लोक अभियोजक, केन्द्रोय अम्बेषण क्यूरो की सेवाएं दिनांक 28 फरवरी, 1985 के अपराह से तमिलनाडु सरकार को सौंपो जाती हैं।

सं० ए-20023/5/80-प्रशासन-5-प्रत्यावर्तन होने पर, श्री पी० सी० बन्धोपाध्याय, लोक अभियोजक, केन्द्रोय अन्वेवण ब्यूरो, जबलपुर की सेवाएं दिमांक 28 फरवरी, 1985 के अपराह्र से पुलिस महानिदेशक, मध्य प्रदेश को सौंपी जाती हैं।

## विनोक 16 मार्च 1985

संख्या 3/19/85-प्रशासन-5-निदेशक, केन्द्रीय अम्बेचण ज्यूरो एवं पुलिस महानिराक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्द्वारा श्री जाठ केठ हीरेमथ की दिनांक 28-2-1985 के अपराह्म से अगले आदेश होने तक केन्द्रोय अम्बेयण ब्यूरो में प्रतिनियुक्ति पर लोक अभियोजक के रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री जो • के • ही रेमण को तैनाती केन्द्रोय अत्वेषण ब्यूरो, बंगसूर शाका में की जाती है ।

> राम स्वक्ष्य नागपाल प्रशासमिक अधिकारी (स्थापना) केन्द्रीय अन्वेषण ब्युरी

महानिवेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नई दिल्ली, दिनांक 12 मार्च 1985

सं० ग्रो०-दो 1997/84-स्था०—राष्ट्रपति, श्री आर वस्थाम ; भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा सेवा अधिकारी की प्रतिनियुक्ति पर केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में उप वित्तीय सलाहकार के पद पर नियुक्त करते हैं।

 श्री आर० वस्थाम ने उपवित्तीय सलाहकार का कार्य-भार विमांक 6 मार्च, 1985 पूर्वीह से संभाला।

> महेश प्रसाद ज्वमीला, सहायक निवेशक (स्था०)

**महा**मि**रेशा**भय

केन्द्रीय भौधोगिक सुरक्षा वल मद्दे विस्ती-110003, विनांक 11 मार्च 1985

सं ई-32015(3)/4/85-कार्मिक-1—राष्ट्रपति, श्री एस० के० चड्ढा, की श्रोस्तित पर 21 फरवरी, 1985 के पूर्वीहरं से 26-3-1985 तक या इस अवधि में नियमित नियुक्तियां किए जाने तक जो भी पहले हो, के० श्री० सु० व० यूनिट, एक० एक० सी० एल० दुर्गीपुर, का पूर्णतया तदर्थ श्रीर अस्याई आधार पर उप कमांडेंट, नियुक्त करते हैं।

# दिनांस 13 मार्च 1985

सं० ६/32015(3)/1/85-कार्मिक-1---राष्ट्रपति, श्री के एस अहलुवालिया को, श्रोत्नित पर, 21 फरवरी, 1985 के पूर्वाह्र से, 26-3-1985 तक या इस अविधि में , नियमित नियुक्तियां, किए जाने तक, जो भो पहले हो, के भौ अ सु० व० यूनिट, एच० एफ० सो० एल०, नामरूप का पूर्णतया तवर्थं और अस्थाई आधार पर उप कमांडेंट नियुक्त करते हैं।

सं० ई-32015(3)/3/85-कार्मिक-I—राष्ट्रपति, श्री एल एम मोहला, को प्रोत्मति पर 17 फरवरी, 1985 के पूर्वीह से 26-3-1985 तक या इस अवधि में नियमित नियुक्तियां किए जाने तक जो भी पहले हो, के औं सु० ब० यूनिट कोचीन शिप्रवार्ड, लिमिटेड, का पूर्णतया तवर्ष और अस्थाई आधार पर छप कमांबेंट नियुक्त करते हैं।

हु०/अपठनीय महामिषेशक कें ग्री सु० ब०

(आर्थिक कार्य विभाग) प्रतिभृति कागज कारखाता ' होशंगायाय, दिनांक 18 फरवरी 1985 स्थापना कार्यालय आदेश

क्रमांक 2743—जबिक, श्रोमती राधाबाई, सफाई वाली को दिमांक 2-6-1984 से लगातार बिना किसी सूचना के कार्य से अनुपस्पित रहने के कदाचार के लिये आरोप पत्न कंठ ई० एस॰टो०/33/लिक/455, दिनांक 26-7-1984 का पंजीकृत डाक द्वारा, उनके स्यायो घर के पते पर एवं आखिरी ज्ञात पते भेजा गया था, जोकि कमणः इस अस्युक्ति के साथ कि तने धाली यहां पर नहीं है, कहीं बाहर चली, गई लिहाजा जिने बाले को बापिस" कार्यालय को बापिस कर दिया गया।

प्रयं जबिक, श्रीमती राधाबाई, सफाई वाली के विरुद्ध, हाये गये आरोपों की जांच करने के लिये आदेश क्रमांक ्रिएएस० टी० 33 लिक/926, दिनांक 30-11-84 द्वारा, जांच का आवेश दिया गया परन्तु वह दस्तावेज भी पोस्ट आफिस गरा ,वापिस कर दिया गया । कथित श्रीमती राधाबाई को भन्न अवसर प्रदान किये जाने के बावजूद भी वे जांच कार्यवाही में उपस्थित नहीं हुई। जांच अधिकारी द्वारा भी अने घर के स्थायी पते पर एवं आखिरी ज्ञात पते पर पंजीकृत के द्वारा, भेजे गये समस्त दस्तावेज भी पोस्ट आफिस द्वारा भी भूस कर दिये गये।

ं एवं जबकि, जांचकर्ता अधिकारी ने एक तरफा जांच है। कार्यवाही कर कथित श्रीमती राधाबाई को आरोपों का दोषी करार वेते हुए अपनी दिनाक: 15-2-85 की रिपोर्ट प्रस्तुत की।

एवं जबकि, अधोहस्ताक्षरकर्ती जांच रिपोर्ट एवं उस ामले से संबंधित अन्य समस्त दस्तावेजों के सावधानी-वंक अध्ययन करने के पश्चात् जांच अधिकारों के जांच रिणाम से सहमत है और इस निष्कर्ष पर पश्चेंच है कि यत श्रीमती राधाबाई, सफाईवालो शासकीय सेवा में रखने के लिये उपयुक्त नहीं है।

इसलिए अब अधोहस्ताक्षरकर्ता केन्द्रोय सिविल सेवा ट्रैं कि ति० एवं अपील" नियमावली 1965 के नियम 19 द्वारा प्रदत्त प्रक्तियों का उपयोग करते हुए श्रीमतो भगवाई को तुरन्त प्रभाव से प्रवकावकाव की सेवा से

> शर्ं रा० पाठक, महाप्र**बन्धक**

भारत सरकार टकसाल बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1985 बम्बई टकसाल का डायरी आवेश

कमांक 328—विभागोय पदोन्नति समिति (समूह ''ख'') की दिनांक 28—11—1984 के दिन हुई बैठक में को गई सिफारिश पर, महाप्रबंधक, भारत सरकार टकसाल, बम्बई, प्रसन्नतापूर्वक, श्रा एस० डो० दामले, सहायक धातु परोक्षण अधीक्षक को दिनांक 11—3—1985 से 30—4—1985 तक, तवर्ष आधार पर, धातु परोक्षण अधोक्षक (समूह 'ख'' राजपवित्त) के पद पर, वेतनमान रू० 840—40—1000—द०रो—40—1200 में पदोन्नति करते हैं।

श्री दामले की इस तदर्थ पदोन्नति से वरिष्ठता, स्थामीस्व ्रीर मविष्य में पदोन्नति के लिए दावा करने का अधिकार -त नहीं होता है।

> वि॰ रामपूर्ती, मुख्य लेखा एवं प्रशासन अधिकारी कृते महाप्रथम्बर

# भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग कार्यालय मिदेशक लेखा परीका केल्बीय राजस्व

नई दिल्ली, विनोक 11/14 मार्च, 1985

संव प्रशासन I काव आव संख्या 70—इस कायिलय के एक स्थायी लेखा परीक्षा अधिकारी श्री लक्ष्मी नारायण वार्धक्य आयु प्राप्त करने के परिणाम स्वरूप 31 मार्च, 1985 अपराह्न को भारत सरकार की सेवा से सेवानिकृत हो जायेंगे। उनकी जन्मतिथि 21 मार्च, 1927 है।

मोहन खुराना, उप निवेशक लेखा परीक्षा (प्रशासन)

# महालेखाकार का कार्यालय, बिहार (लेखा परीक्षा II)

रांची-2, विनांक 14 मार्च 1985

सं० एलं ० ए० प्रशा 1 स्थापना 01-43874-महालेखाकार (लेखा परोक्षा) II बिहार, रांचो, अपने कार्यालय के स्थानीय ग्रंकेक्षण शाखा के सहायक लेखा परोक्षा अधिकारों को 1-3-85 (अपराह्र) से अगले आदेश तक लेखा परोक्षा अधिकारों के पद पर स्थानापन्न रूप में सहवं पदोन्नत करते हैं।

# विनांक 16 मार्च 1985

सं० एल० ए० प्रशा० I-स्था० I/4427--महालेखाकार (लेखा परोक्षा)-2 बिहार, राचो, अपने कार्यालय के स्थानीय श्रंकेक्षण के सहायक लेखा परोक्षा अधिकारी को 13न3-85 (पूर्वाह्न) से अगले आदेण तक लेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर रू० 840-40-1000-द० अ०-40-1200 वेतनमान में सहर्ष पदोक्षत करते हैं।

देवव्रत मुखर्जी, स्थानोय लेखा परोक्षाक, बिहार

रझा लेखा विमाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक नई दिल्लो, दिनांक 11 मार्च 1985

सं० प्रधाः | 1/11/2 | 1/11 | -- राष्ट्रपति, भारतीय रक्षां लेखा सेवा के अधिकारों श्रा हंस राज की, उक्त सेवा के विष्ठ प्रधासनिक ग्रेड (स्तर-11) (वेतनमान रुपए 2250-125/2-2500) में, स्थानापत्र रूप में कार्य करने के लिए 11 फरवरों, 1985 (पूर्वाह्र) से आधामों आदेश पर्यन्त, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

दिनाक 13 मार्च 1985

सं० प्रशाः | 1 | 1908 | 5 | 1-- प्रा एल० डा० गम्मार आई० डो० ए० एस० (जिनको जन्म तिथि 10-01-1927 है) को 10-01-1985 को 58 वर्ष का मानुप्राप्त कर लेने पर 31-01-85 (अपराह्न) से पेंगन स्थापना को अंतरित कर दिया गया है और तदनुसार मूल नियम 56 को गर्ती के अनुसार उन्हें 01-02-85 (अपराह्न) से रक्षा लेखा विभाग के संख्याबल से हटा दिया गया है।

> ए० के० घोष रक्षा *नेषाः* अपर महानियंत्रक (प्रशासन)

चले जाने के कारण दिनांक- 15 फरवरो, 1985 के अपराह में उपरोक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

> पो० पो० वादो, प्रशासन अधिकारः कृते महानियंत्रक भारतोय खान ब्यूरो

# वाणिज्य मंत्राल्य मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्धात का कार्यालय आयात एवं निर्धात व्यापार नियंत्रण नई दिल्लो, दिनांक 12 मार्च 1985 (स्थापना)

, सं० 6/1435/85-प्रणाळ (राज०) 1458-इमं कार्यालय में श्री एच० सी० बत्रा, नियंत्रक अत्यात-निर्यात, सेवा निवृत्ति की आयु पूरी कर लेने पर 28-12-1985 के अपराह से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए है।

> एम० पा० अईसक, उप मुख्य नियंत्रक, आयात एवं नियत्ति **कृते** मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात

# उद्योग मंतालय श्रीद्योगिक विकास विभाग विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ला, दिनांक 11 मार्च, 1985

सं० ए०-19018 (740) ८४-प्रणा० (राज०)--विकास आयुक्त (लघु उद्योग) दिनांक 23-2-1985
(पूर्वाह्र) से अगले आदेशों तक, श्रा मन्तीय कृमार तिवारों
को विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय, नई दिल्जी
में सहायक सम्पादक (हिंदी) के पद पर नियुक्त करते हैं।
सी० सो० राय,

उपनिदेशक (प्रशासन)

# विज्ञानं एवं प्रद्योगिको मंत्रालयः भारत मौसम् विज्ञान विभाग

नई दिल्लों, दिनांक 15 मार्च 1985

सं० ई (1) 6172— मौसम विज्ञान के महा-निदेशक खेद सहित श्रो थीमस अज्ञाहम, भारतीय मौसम विज्ञान सेवा समूह "ख" के एक अधिकारी का दिनांक 4-2-1985 को हुई आकस्मिक मृत्यु की अधिमूचना जारो करते हैं। वह सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर मौसम केन्द्र तिवेन्द्रम में नियुक्त थे।

> के० मुखर्जी मौसम विज्ञानो (स्थापना) कृते मौसम विज्ञान के महानिदेशक

# आकाशवाणो महानिदेशालय '

नई दिल्लो, दिनांक 16 मार्च 1985

सं० 4/27/84—एस I— महानिदेशक, आकाशवाणो एतद्द्वारा श्रा मिलानसर अयर एहमद को कार्यक्रम निष्पादक से अगले आदेण तक 650-30-740-35-810 द० रो० 880-40-1000 द० रो० 40-1200 रुपा के वेतनमान में आकाशवाणा धारवाड़ में अस्थाई रूप में कार्यक्रम निष्पादन के पद पर नियुक्त करते हैं।

हर्राशाचन्द्र जयाल प्रशासन उपनिदेशक इतं महानिदेशक

# इस्पति, खान ग्रौर कोयला महालय (खान विभाग) भारतीय खान ब्यूरो

नागपूर, दिनांक 14 मार्च 1985

सं० ए०-19012 (117) 77-स्था० ए०--श्रा आर० मिनयन, सहायक प्रशासन अधिकारा, भारतीय खान ब्यूरी ने पेटेन्ट इन्कारमेशन सिस्टम, नागपुर में प्रतिनियुक्ति पर

# सूचना श्रीर प्रसारण मंत्रालय फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 14 मार्च 1985

सं० 6/97/54-ई-1-सेवा निवृत्ति को आयु पूरो हो जाने के फलस्वरूप श्रो प्रेम वैद्य ने अपराह्म 28 फरवरी 1985 को फिल्म प्रभाग बम्बई के निर्माता के पद का कार्य-भार त्याग दिया। सं० 6/62/56-ई-सेवा निवृत्ति को आयु पूरो हो जाने के फलसस्वरूप श्री० एम० वी० देवीदासन ने अपराह 28 फरवरी 1985 को, फिल्म प्रभाग बम्बई के ले आउट आर्टिस्ट के पद का कार्यभार त्याग दिया ।

ण्न० एन० शर्मा प्रशासनिक अधिकारो प्रशा० निदेशक के लिए

# स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ला, दिनांक 15 मार्च 1985

सं० ए.०31014/1/84-कें ० स्वा० यो०-1-स्वास्थ्य मेवा महानिदेशक ने इस निदेशालय के अधीन केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना में कार्य कर रहे निम्नलिखित होम्योपैधिक कार्य चिकित्मकों को उनके नाम के आगे लिखी तारीख से स्थायो आधार पर नियुक्त किया है।

* ক ে सं ০	कार्य चिकित्सक का नाम	स्थायी नियुक्ति की तारोख
1	2	3
1. ভাও 2. ভাও 3. ভাও 4. ভাও 5. ভাও 6. ভাও 7. ভাও 8. ভাও 10 ভাও 11. ভাও 12. ভাও 13. ভাও	आई० एम० मरचेन्ट (श्रीमता) लक्ष्मो वेंकटरामन (कुमारो) आर० डा० टण्डन (कुमारो) मधुर भटनागुर आर० एम० उकई (श्रीमता राजरानो ग्रोबर (कुमारो )आशालता कृष्णा अफाले एस० लिंगडोह (श्रीमता) राज लक्ष्मो राहेजा मैलाराम यादईया सामन्तराय सोरेन गुरू प्रसाद भार (श्रीमता) मंजुला पाण्डे (श्रीमता) संघ्या रे	24-5-1984 24-05-1984 24-05-1984 24-05-1984
उप निदेशक प्रसाशन (के०सं०स्वा०यो०)		

# कृषि एवं ग्रामोण विकास मंत्रालय कृषि एवं सहकारिता विभाग विस्तार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 1 मार्च 1985

मि॰ सं॰-2-12/84-स्थापना-1--श्या एस॰ एल॰  $\tau$ , को जिन्हें इस निदेशालय का अधितुवना सं $\sim 2-1284$ 

स्थापना-I दिनांक 14-11-1984 के द्वारा महायक प्रशासन अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप मे तदर्थ आधार पर नियुक्त किया गया था, उनके अधिक्षक (ग्रेड-I) के नियमित पद पर 1 मार्च 1985 के पूर्वाह्न से प्रत्यावर्तिन किया जाता है।

मि० सं० 2-12/84-एयापना-1--श्रा पो० बो० दता, को जिन्हें इस निदेशालय का अधिपूजना मं० 2-12-84 स्थापना-1 दिनांक 14-11-1984 के द्वारा महायह प्रदर्शनो अधिकारो (दृष्य) के पद पर स्थानापन्न रूप मे तदर्थ आधार पर निथुवन किया गया था, उनके कलाकार (विरिष्ठ) के नियमित पद पर 1 मार्च, 1985 के पूर्वाह्न से प्रत्यावर्तित किया जाता है।

> आर० जौ० बनर्जी निदेशक प्रशासन

## तेलहन विकास निदेशालय

# हैदराबाद, दिनांक 8 मार्च 1985

सं० एफ०-8-16/76-स्था०-निदेशक, तेलहन विकास निदेशालय,श्रो उदय मोहनलाल को सहुर्य तेलहन विकास निदेशालय, हैदराबाद में सहायक निदेशक के स्थायो पद पर स्थायो रूप से दिनांक 1-11-1983 में नियुक्त करते हैं।

> म० दा० वासनिक निदेशक

# (ग्रामोण विकास विनाग) विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

### फरोदाबाद, दिनांक 19 मार्च, 1985

मं० ए० 31014/4/84-प्र०-[--क्वीप विषणन सलाहकार, भारत सरकार द्वारा श्रा आर० बो० गुप्ता को विषणन एवं निराक्षण निदेणानय में 17-8-1984 से सांख्यिकाय अधि-कारों के स्थायों पद पर मूल रूप में नियुक्त किया गया है।

श्रा गुप्ता का निचले पद पर कोई ग्रहणाधिकार यदि है तो, सांख्यिकाय अधिकारो के पद पर मूल रूप से नियुक्त होने. सी तिथों से समाप्त माना जाएगा ।

#### विनांक 20 मार्च 1985

सं० ए० 19025/14/84-प्र०-III--इस निदेशालय के अधीन श्री जें० पी० मोना, सहायक विश्वपन अधिकारा द्वारा दियागया त्यागमत भारत सरकार के कृषि विश्वपन सलाहकार द्वारा स्वोक्कतकर लिया गया है श्रीर उन्हें 2-3-1985 (अपरान्ह) को काय मुक्त कर दिया गया है।

जे० कुष्णा निदेशक प्रशासन

# भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र कार्मिक प्रभाग

# थम्बई-400085, विनांक 15 मार्च 1985

सं० पो० ए/73(16) 83-आर 4-नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंघान केन्द्र, डॉ० जमीहल रवोन्द्र श्रीनिवास को भाभा परमाणु अनुसंघान केन्द्र के आयुनिज्ञान प्रभाग में निवासी चिकित्साधिकारी के रूप में 8 मार्च 1985 (पूर्वाह्र) से तीन वर्ष को अवधि के लिए नियुक्त करते हैं।

एन० एल० वैकटेश्वरन उप स्थापना अधिकारी

# परमाणु ऊर्जा विभाग नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना बुलन्दशहर, दिनांक 14 मार्च 1985

सं ० का ० नं ० पो० वि० प०/भर्ती/II(6)/85/एस/3247-नरीरा परमाणु विधुत परियोजना के परियोजना निर्वेशक
स्थायां लेखाकार तथा स्थानापन्न सहायक लेखा
अधिकारो आ गोविन्द सिंह को, श्री एम० श्रीनियासन, लेखा
अधिकारो-II के अवकाश जाने पर दिनांक 14 जनवरी 1985
से 28 फरवरी 1985 तक उनके स्थान पर नरीरा परमाणु
विद्युत परियोजना में तदर्थ आधार पर रू० 840-40-1000
द० रो०-40-1200 के वेतनमान में लेखा अधिकारी--II के
रूप में नियुक्त करते हैं।

श्चार० के० बाली मुख्य प्रशासन श्रधिकारी

#### कय और भंडार निवेशालय

# बम्बई-400001, विनांक 12 मार्च 1985

सं० क० भं० नि०/2/1 (26)/8 3-प्रणा०--परमाणु ऊर्जा विभाग, कय और भंडार निवेशालय के निवेशक ने श्री पी० एन० यू० नायर, स्थायी क्रय सहायक को इसी निवेशालय में 3-10-198 4 पूर्वाह्म से 1 मार्च 198 5 पूर्वाह्म तक तद्यं क्राधार पर तथा 1-3-198 5 पूर्वाह्म से ग्रामें श्रादेण तक नियमित ग्राधार पर रुपये 650-30-740-35-810 द० रो० 35-88 0-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में सहायक क्रय ग्राधकारी के पद पर नियुक्त किया है।

## दिनोकं 13 मार्च 1985

सं० ऋ० भ० भं भं नि०/2/1(25)/83-प्रशा०/7000--परमाणु ऊर्जा विभाग, ऋय और भंडार निवेशालय के निवेशक ने स्थायी भय महायक श्री श्रार० के० श्रय्यर की इसी निवेशालय में दिनांक 1 मार्च 1985 (पूर्वाह्म) से श्रगले श्रादेश होने तक रूपए 650-30-740-35-810 द० रो० 35-88 0-40-1000-द० रो०-40-1200 के वैतनमान में सहायक क्रय श्रिधकारी के पद परं नियमित श्राधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है ।

### दिनांक 15 मार्च 1985

सं० क० भं० नि०/41/2/8 5- प्रशा०/911-परमाणु ऊर्जा विभाग, क्रम और भंडार निदेशालय के निदेशालय में स्थायों भंडारों श्री पी० सी० मथाई को इसी निदेशालय में दिनांक 17-12-1984 (पूर्वाह्म) से 18-1-198 5 (अपराह्म) तक रुपए 650-30-740-35-810-द० रो-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में सहायक भंडार श्रीधकारी के पद पर तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है। यह नियुक्ति सहायक भंडार श्रीधकारी, श्री० वी० बी० प्रभु के स्थान पर की गई है जिन्हें भंडार श्रीधकारी (तदर्थ) के पद पर प्रदोन्नत किया है।

पी० गोपालन प्रमासन भ्रधिकारी

# महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, विनांक 16 फरवरी, 1985

सं० ए 32013/9/84-ई०ए—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री ए० कृष्णामूर्ति, उपनिदेशक, बम्बई को तत्काल और श्रन्य श्रादेश होने तक क्षेत्रिय नियंत्रक विमान क्षेत्र, बम्बइ क्षेत्र के पद पर नियुक्त किया है। इस कार्यालय की दिनांक 10 जनवरी 1985 को श्रधिमूचना सं० ए० 32013/9/83 ई० ए० को रदुद समझा जाए।

> जी० बी० लाल सहायक निदेशक प्रशासन कृते महानिवेशक नगर विमानन

# नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी, 1985

सं० ए० 380/12/18/5-ई० डब्ल्यू० -- क्षेत्रं।य निदेशक, मद्रास क्षेत्र के कार्यालय के श्री के० कुष्पूस्वामी, विद्युत एवं यांत्रिक ग्राधिकारो निवर्तन श्रायु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 30 नवम्बर 1984 को सरकारो सेवा से सेवा निवृत हो गए हैं।

> जी० बी० लाल सहायक निदेशक प्रशासन

# नई दिल्ली, दिनांक 14 मार्च 1985

सं० ए 19011/75/80-ाई--- नियर्तन श्रायु प्राप्त कर लेने पर श्री ए० एन० मुखर्जी, निदेशक उड़न योग्यता, नागर विमानन विभाग, कलकत्ता हवाई श्रद्डा, नागर विमानन विभाग, दिनांकः 31-1-1985 (ग्रपरांह्स) से सरकारो सेवा से सेवा निवृत्त हो गए हैं।

वीं ० जयचन्द्रन, सहायक निदेशक प्रशासन

वन ग्रनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय देहरादून, दिनांक 13 मार्ष 1985

सं० 16/434/84-स्थापना-I—संघ लोक सेवा आयोग
की सिफारिश पर अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून श्री आर० मुधुसामी की वन अनुसंधान
संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून के अन्तर्गत सहायक प्रवक्ता
। यांत्रिक एवं पैमायस के पद पर दिनाक 6-2-1985]
की पूर्वाह्न से आगामा आदेश होने तक अस्थाई का में सहर्ष
नियुक्त करते हैं।

भ० न० सक्सेना कुल सचिव वन प्रनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

उद्योग एवं कम्पनी कार्यालय मंद्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड कम्पनियो के रजिस्ट्रार के कार्यालय

े अप्तिनियम, 1956 और एव्हरेस्ट सिरामिकस् कार्परिशन लिभिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 6 मार्च 1985

सं० 670,12180,560,(3)-- कम्पनी श्रिष्ठिनियम
1956 की घारा 560 की उपधारा (3) के
श्रनुसरण में एतव्द्वारा यह सूचना दो जाती है कि इस तारीख
से तीन मास के श्रवसान पर एक्हरेस्ट सिरामिक्स कांपरिशन
लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशत न किया गया
हो तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी
विवटित कर दा जाएगी।

कम्पनी प्रधिनियम 1956 और प्रादित्यपुर रवर प्राह्मेक्टस् प्राह्मेट लिमटेड के विषय में श्रम्बई, दिनांक 6 मार्च 1985

सं० 691/19993/560(3)--कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुरसण में एतव्वारा यह सूचना दी जाती है की इस तारीख से तीन मास के अवसान पर ग्रादित्यपुर रकर प्रोडक्टस् प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया हो तो रिजस्टेर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दो जाएगी ।

> कम्पनो ग्रधिनियम 1956 के मामले में और

क्रेस्टल मारकेटिंग प्राइवेट लिमिटेड के मामले में बम्बई, विनांक 6 मार्च 1985

सं० 16138/445(2)। लिक्युडेशन—वर्ष में स्थित मान-ीय उच्च न्यायालय, बस्बई के श्रादेश दिनांक 8 श्रगस्त 1984 के द्वारा केस्टल मारकेटिंग प्राइवेट लिमिटेड का परिसमापन करने का श्रादेश प्रदान कर दिया है।

> ओ० पी० जैन, अप्तिरिक कस्पनी रजिस्ट्रार महाराष्ट्र, कस्बर्ध

कम्पनी श्रिधिनियम 1956 और जम्मू व कश्मीर बादर्स कारपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

श्रीनगर, दिनांक 11 मार्च 1985

सं० पी० सों०/256/5344—कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा(5) के ग्रनुसरण में एतद्दारा सूचना दी जाती हैं कि जम्मू व कश्मीर बादर्स कारपीरेशन प्राईवेट लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विश्वटित हो गई

> एस० के० सक्सेंना कम्पनी राजिस्ट्रार जम्मू व कक्सीर

कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 और मैसर्स इंण्डिया ट्रेडिंग (होलडिंग्स) लिमिटेड, के विषय में

शिलांग, दिनांक 15 मार्च 1985

सं० जी० पी० टिंक | आर | 560 (5) | 1257 | 5381 --- कम्पनी श्रिक्षित्रम 1956 की घारा 560 की उपधारा (5) के अनुसार में एतद्वारा सूचना दे जाती है कि मैसर्स इण्डिया ट्रेडिंग (होलंडिंग्स) लिमिटेड का नाम धाज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है ।

हस्ताक्षर अपठनीय कम्पनी का रिजस्ट्रार शिलांग प्ररूप बाइ टी.एन.एस.----

क्षायक्तर ब्रीभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निर्दाक्षण) अर्थन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 फरवरी 1985

निदेश म्ं० ग्राई०ए०सी०/ग्रर्जन/भोपाल/5624-अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं बुकान है तथा जो देवेन्द्र नगर, रायपुर में स्थित है (और इसमे जपाबड़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रायपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जलाई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूंल्य से कम के दृश्यमान दितिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह चिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित् बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और जंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत,, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कनी करने वा उसके बच्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिणाने में स्विधा के लिए;

कतः वय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नौलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--  श्री नरेण विषटाईस्टेम, श्रार० एस० श्राप्तला रोड, रायपुर हारा, : पार्टनर, श्री सामनदास जी व डीलालमल निवासी सिविल लाईन, रायपुर।

(ग्रन्तरक)

 नाबालिंग संदीप कुमार बल्द श्री ग्रासकरण बोथरा बि भिश्रीलाल बोथरा,
 निवासी हलवाई लाईन, रायपुर।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पृश्तिकत सम्पत्ति के वर्षन के रि कार्यवाहियां करता हुं।

उनत संपरित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों ' सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भ विभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख -45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्रुथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी -पास खिलित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरण :---इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्, प्रिकित्यम के अध्याय 20-क में परिभाषि है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया व्या हैं।

#### न्त्रवी

एक किता दुकान देवेन्द्र नगर, रायपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्वत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

> वी० कु० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोषाल

विनांक 8<u>च</u>2-1985 मोहर ु

## प्रक्ष बाइ . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा ४८५-घ (1) के मधीन सुचन

#### भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, भोपाल भोपाल, दिनांक 8 फरवरी 1985

निदेश सं० म्राई० ए० सी० /ग्रर्जन/भोषाल/5625---म्रतः मझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

भावकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उपन प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि व्यावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- क॰ में अधिक है

और जिसकी सं० तीन मंजिला मकान म्यू० पा० नं० 15/96 है, तथा जो जवाहर नगर वार्ड, रायपुर में स्थित है (और इससे उभावत अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रायपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई, 1984

का पूर्वोक्त संस्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) ग्रोर मन्तरिक्षी (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य । उनन भन्तरण लिखिन में बास्तिक का से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; जीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य अस्तियों का, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किन, गया था या किया जाना चाहिए पा छियाने में मृश्विता के लिए।

अन अब उक्त किथिनियम की भारा 269-ग के जनसरण मं, मंं उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, कथाँद १---  श्रीनती मीताबाई, पत्नी श्री समचन्द्र मठीजा, िवानी 302, नृतीय मंजिल, अभान्द्रसम्बीफ रोड. मदाल ।

(अन्तरक)

 शीला देवी गुप्ता, जीते, प्रकाण कुमार, निवासी फूल चौव', रायपुर।

(भ्रन्तिशती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

#### इक्त सम्पत्ति के कर्बन के सम्बन्ध मो कार्य भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 जिन की अर्थाध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ ५३ सूचना की तामील से 30 दिन की अर्वाध, को भी अत्रिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियाँ में से किमी स्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त बिधिनियम, के अध्याय 20-क मा यथा परिकाशिया है, वहीं बर्ध होगा को उस अध्याय भें किय गया है।

#### अनु सुची

तीन मंजिला मकान, स्यु० पा० नं० 15/96, जबाहर नगर बार्ड, रायपुर में स्थित हैं। यह वह स्थावर राम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण, अन्तरिती द्वारा, सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित हैं।

> वी० कु० वरनवाल सक्षमः प्राप्तिकारी सहायसः श्रायकरः श्रायुक्तः (निरीक्षण) श्रजन रेज, भोपाल

दिनांसः 8-2-1985 मोहरः : प्रस्प काइ' टी एन. एस. ----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 **का 43) की** धारा 269 ध (1) के अधीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) द्यर्जन रेजि, भीषाल

भोपाल, दिनां र 8 फरवरी, 1985

निवेश सं० ग्राई० ए०मी०/ग्रर्जन/मोपाल/5626---ग्रतः मुझे, वीरेन्द्रकुमार बरनवालः,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहु से अधिक है

और जिनकी में जिला मिलान म्युं पाठ नं 15/96, है तथा जो जवाहर नगर थार्ड राथपुर में स्थित है (और इस उपायद स्नुसूची में ऑर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीक्सी स्रधिकारी के कार्योक्य राथपुर में रिजस्ट्रीकरण स्रधिनिधम, 1908 (1908का 16) के स्रधीन दिनांत जनाई, 1984

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के देश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप् शेवन सपित का उचित बाजार मृन्य, उसके देश्यमान प्रतिफल से, ऐसे देश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निनियित उद्वेद्य से उवत अन्तरण लिखित में नास्नियिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण संश्रुंक किसी आम की बाबत, उचत गौंधनियम के जधीन कर दोने के सन्तरक के द्वित्व मों कमी कारने या उससे बचने ही अधिकार के लिए; और या/
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या लाइन अधिनियम, या धन-कार लिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अर्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिमिन व्यक्तियों, अर्थान् :---  श्रीमती सीताबाई पत्नी स्थ० रामघन्द्र साठिका, निवासी 302, त्रीय म्जिल, कमान्डर इन चीफ रोड, मद्रारं।

(ग्रन्तरक)

 श्री प्रकाश कुमार दशं(रा, फुल चीक, रायपुर।

(भ्रन्तरिती)

को बहु सुचना चारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्षन के निष्क कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जविध या तत्सम्बन्धी स्पिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन, की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हितबद्ध किसी. बन्म व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकर्गे।

स्माध्यीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों कीर पर्दों का, जो उक्त किंधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# जगुल की

तीन मंजिला मकान म्यु० पा० नं० 15/96, जबाहर नगर, रायपुर म स्थित है । यह वह स्थावर सम्पत्तिहै जिसका सम्पूर्ण विवरण प्रस्तरिती द्वारा, सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

> वी० कु० वरनवाल 'लक्षम प्राधिकारी महायक द्यायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज, भोपाल

दिनां है : 8-2-1985

प्रकल् नाइ. टी. एन. एस.-----

# भायकर मिथिनयम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269-म (1) से मधीन सूचना

#### भारत ब्रुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

बातपुर, दिनांक 14 मार्च 1985

निवेश सं० एम-1353/84-85-- अतः मुझे, जे० पी० हिलारी बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रकार 'उक्त अभिनियम' कहा गया है, की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

25,000/- रु. से अधिक हैं
और जिनकी सं० 60, 24 है, तथा जी सबी फैजाबाद, में स्थित है
(और इसमें उपाबड़ धृतुसूची में और जो पूर्ण रूप से बिणत र)
रिअस्ट्रीवर्ता अधिकारी के वायिलय एहारनपुर में रिजस्ट्रीवरण
अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन दिनांक 6-7-84
को प्रशेंकत सम्पत्ति के उणित बाजार मृस्य से कम के
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार
ब्रुख, उसके कश्यमान प्रतिफल सं, एसे कश्यमान प्रतिफल का पंत्रहं
बितकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
बितकत, निम्मलिकत उद्विषय से उक्त अन्तरण लिकित
में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुद्दें किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के जधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृजिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी नाम या किसी भन वा नन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय नाम-कर निभिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिन्यम, या भन-कर जीभिन्यम, या भन-कर जीभिन्यम, 1957 (1957 का 27) के इयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविभा के निए;

अतः अतः अकतः अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उकतं अधिनियम की भारा 269-य की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  पीहूमल पिराय कुन्दोमल बेह्थ फैजाबाद, सहारतपुर ।

(भन्तरकः)

जगदेव सिंह एवं ग्रन्थ
 ृ6, गौतम नगर, दिल्ली-49

(भ्रन्तरिती)

1. ऋतागण ।

(बह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. केतागण ।

(वह न्यम्ति जिसके बारे में मधोहस्ताः जानना है जि वह सम्पत्तिमें हितबढ़है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के क्षिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपर्ति के अर्जन के राज्ञध्र भी काञ्चय .-- :

- (क) इस स्थान में राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधिय, जा भी अवधि शद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी स्विन्त द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस स' 45 दिन के भीतर उत्रत स्थावर रुम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभाइस्ताकरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शक्यों नाँद पदाँ का, जो उपत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिट हूँ, वहीं नर्ज होगा, जो उस वध्याय में विया गया

# नम्सूची

्रिम् मि अवाग, नजरात, 60, 24, 86, 92, 93, 84/1 आदि ग्राम मेवी, परगना फैंगाबाद, सहारतपुर में स्थित है।

ग्रे० पी० हिलोरी सक्षम प्राधिकारी सहायक प्राप्तकार आयुक्त (निर्राक्षण) प्रजेत रेज, स्थानपुर

दिनांक : १-4-31985

n/€€ #

# त्ररूप **मार्ड**.टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के ब्योग सूचना

#### भारत सुरकार

# कार्णालय, तहायक भायकर नायुक्त (नि<u>र्</u>कालक) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 25 जनवरी, 1985

निदेश सं० के-151/84-85—अतः मुझे, जे० पी० हिलोरी, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), भी धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीरजिसकी सं० 166 है, तथा जो काकादेव कानपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रश्नी धकारी के कार्यालय कानपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 7-7-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल क्षं लिए अंतरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक हम से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की वासता, उक्त विधिनियस के अभीत कर दोने के बन्तरक की दायित्व में कभी करने या उत्तस वचन में सुविधा क लिए ब्रीट/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन चा अन्य आस्तियाँ को, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिक्ष व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्रीमती साविती देवी पत्नी स्व० आन्नद मार गुप्ता, निवासी 111ए, 397, अशोक नगर कानपुर।

(अन्तरक)

2. श्री वृन्दावन बिहारी लाल पुत्र श्री धम चल्द, श्री राधा किशन अर ल पुत्र श्री जीवन लाल निवासी 111,156, नगर, कानपुर।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है )

को सह सुचरा जारी करके पृतांक्त सम्मरित के वर्जन के निधः कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजए त्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीदर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिता- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो अध्याय में दिया गवा है।

धनुसूची

ष्साट नं ० 166, ब्लान 'एच, काकादेव

जे० पी० हिलोरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

दिनोक: 25-1-1985

माहर 🛭

प्रकप् भार्यः दीः एन्., इसः ----

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के नभीन सूचना

#### भारत सरुकार

कार्यालय, सहायक भायकर नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 25 जनवरी 1985

निर्वेश सं० के-152/84-85--अतः मुझे, जे०पी० हिलोरी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस् इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 86/30 औहै, तथा जो चिन्द्रका देवी रोड, में स्थित है (श्रीर इससे उपाध्य अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 5-7-1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्वेक्त संपरित का उचित बाजार करने का कारण है कि यभाप्वेक्त संपरित का उचित बाजार क्षिय उसके दृश्यमान प्रतिफल के, एक दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अन्तरितिवा) के बीच एक बन्तर्ज के बिए तय वाया गया प्रतिफल निम्निशिवित उद्वेक्य से उच्या बन्तर्ज निवित्त में शस्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तर्ण वे हुई किसी बाद की वाद्य, उक्त अधिनियंत्र के वधीन कर दोने के बन्तरक के दाक्तिय में कमी करने या उसके बजने में सुविधा के निए; और/वा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्लास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अभिनियम की भाष 269-ग के अनुसरण मो, मो उक्त अभिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन,, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री नवेदी शरन गर्ग बल्द लाला कन्हैया लाल गर्ग, निवासी 7/22, तिलक नगर, कानपुर।

(अन्सरक)

श्री माथुर वंश्य, जनहित भवन, समिति
 84/82, जी०टी० रोड, कानपुर ।
 इ।रा: श्री सतीश चन्द गुप्ता, सचिव, पुत्र रामचरन गुप्ता
 82/एच-2, किदवी नगर, कानपुर ।

(अन्सरिती)

3. अन्तरिती ।

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति। को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की वविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वाय अधाहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाद्धीकरण: ----इसमें प्रयुक्त कब्दों और पर्दों का, जो उक्त जिथितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकाम नं. 86/304, रायपुरवा विन्तिका देवी रोड, कानपुर ।

जे॰ पी॰ हिलोरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

ंदि<mark>त्रील 25-1-1985</mark> मोहर: प्रसन्य जार्ष . टी . एन . एस . -----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

#### 

कार्यालय, सहायक जानकर जायुक्त (निरीक्क)
अर्जन रेंज, कानपुर
कानपुर, दिनांक 25 जनवरी 1985

निदेश सं० के-165/84-85—अतः मुझे, जे०पी० हिलोरी, नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इट को अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. में अधिक हैं - ग्रौर जिसकी सं० 105,6950 है, तथाजो कानपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 9-7-84 को प्वांक्त सम्पत्ति के उभित गाजार मृस से कम के धरयमान श्रीतफेल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य इसके धर्यमान प्रतिफल से, एसे धर्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अतिरती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया व्यतिफल, निम्नसिखित उद्देश्यों से उक्त बन्तरण निक्ति में भास्तविक एप से कथित नहीं किया ग**रा है:---**

- (क) बन्तरण ये हुए कियी बाव कर बावस, अवस विधिनवस से वधीन कार दोने के बन्सरक से वधीनत्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; वरि/वा
- (का) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियनम, 1922 (1922 का 11) या ज्ञास अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, अधिनाने में सुविधा के सिए;

इत: जब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्थात् :--  श्रीमती रेखा रानी पस्नी रमेग्बर प्रसाद 6/25, पार्वती बाँगला रोड, कानपुर।

(अन्तरक)

श्री मोती लाल व टिकम चन्द,
 पुत्रगण खूब चन्द,
 निवासी 122,333, शास्त्री नगर, कानपुर।
 (अन्तरिती)

3. अन्तरिती

्(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षम के किए कार्यवाहियां करता हुं।

## उपत कम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में सोई जी नासंप:--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व दें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तिकों पर स्वान की मामील से 30 दिन की अवधि, वो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवक्षियों यें से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में दित्रध्युप किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोद्दस्ताक्षरी के पाव तिवित में किए जा सकेंगे।

स्वव्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उर्केट अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

105/693, 0-कानपुर।

जं० पी० हिसोरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 25-1-1985

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस. -----

बाथकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीत स्वता

भारत सरकार

कार्थाजर, सङ्गायक शायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 25 जनवरी 1985

निवेश सं ० के-166,84-85—-अत: मुझे, जे० पी० हिलोरी, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

षौर जिसकी सं० 235. ब्लाक मी है तथा जो स्कीम नं० 2 कानपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के कि बाधीन दिनाक 11-7-1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रममान प्रतिफल के लिए बन्तरेरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है, कि यथापुर्वाकत सम्पत्ति का उचित बाजार बृल्य, उसके ध्रममान प्रतिफल से, एमें ध्रममान प्रतिफल का प्रतिहास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पामा गमा प्रति-कस निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक कम से किथत नहीं किया गमा है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबस, उक्त जिस्तियम के जभीत कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में त्रिक्धा के निए; जर/बा
- (वा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों की जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना थाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए।

 अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म को अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (!)
 अते अधीन मिस्तिनियम व्यक्तियों अधीत :---  श्री रामसरूप बालिक पुत्र दौलत राम निवासी 87/110 भन्नाना पुर वा कानपुर ।

(अन्तरक)

कोठारी प्रोडक्ट
 24/19 माल रोड कानपुर
 द्वारा: एम० एम० कोठारी
 16/72 सिबिल लाइन्स कानपुर।

(अन्तरिती)

3 अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति को वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्क किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्तित में किए जा सकेंगे।

स्पंध्यीकरण :---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## नन्त्यी

प्लाट नं० 235/ब्लाक सी पी० स्की**म** नं० 2 कानपुर।

जि० पी० हिलोरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक: 25-1-1985

प्रकप बाई. टी. एन. एस. ----

शासकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 (भ) (1) के अभीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर बायुक्त (निर्देक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 25 जनवरी, 1985

निदेश मं०के-167/84-85—अतः मुझे, जे०पी० हिलोरी नायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विधवार प्रति का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं ० 113/126 है, तथा जो सक्य नगर, कानपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक 11-7-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रथमान धितफंस को लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित रिता (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए गय पाया गया प्रतिफल निम्निल्खत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) वंतरण सं हुइ किसी आग की बाबत, तक्त के विधिनियम के अधीन कर दीने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिहुए,

बत: बब, उक्त बीधिनियम की धारा 269-ग के बमुसरण में, में, उक्षत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन, निम्निविद्यत व्यक्तिकों, बचौद्य--

 श्री रामकुमार निगम पुत्र श्री गुर दयाल, निवासी 113/126, सरूप नगर, कानपुर ।

(अद्तरक)

 श्री पन्ना लाल गुप्ता, युत्र श्री बद्री प्रसाद आदि निवासी 74/224, धन कुर्ट्टा, कानपुर।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को बह सूचना बारी करके पृथींकत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितयों में से किसी स्थित द्वारा;
- (ब) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्द्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहन्ताक्षरी के प्रक्रिक्ट लिखित में किए जा सकेंग।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुस्ची

मकान नं ० 113/126, सरूप नगर, कानपुर।

जे० पी० हिलोरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्राक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 25-1-1985

# प्ररूप आई.टी.एन.एस-::----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायतिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, विनाध 25 जनवरी 1985 निवेश सं० के-170/84-85—अतः मुझे, जे ०पी ० हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हो

ग्रौरं जिसकी सं ० 127/पू ०/234 है, तथा जो जूही कला, कामपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विजत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 13-7-1984

को पूर्वोक्स सम्पृत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के एक्समान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पृत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके एक्समान प्रतिफल सं, ऐसे रवसमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निस्तित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्रियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) द्ध प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सुविधा के लिए;

 श्रीमती रामावेवी जापसवाल पत्नी राम सागर जापसवाल नि ० 8/44, आर्य नगर, कानपुर।

(अन्तरक)

 श्रीमती बेदबती देवी, गुप्ता, पत्नी बाबू राम गुप्ता निवासी 128/96, ब्लाक एफ, किदबई नगर, कानपुर ।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती ।

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाह्यां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख छें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्तक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### नन्स्यी

एक किता मकान जिसका नं ० 127/पु०/234, जो कि जूही कला, कानपुर में स्थित है।

> जे० पी० हिलोरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक: 25-1-1985

मोहर 🦫

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मैं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिश्चित काक्तियों, अर्थात :---- 3 ---6GI/85

## жантурга — кургаргантаци, ка малажантургання — <del>баланта правос пасадан</del> **Ява — 118°, 21°, 74°, 98°,** учинательна

# बाबकर जींप[निवय, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

## अरत बुड्कार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्णान रेंज, कामपुर कानपुर दिनांक 25 जनवरी 1985

निह्म सं ० वे-171/84-85—अतः, मुझे जे०पी०हिलोरी, भायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उनतं निधनियम' कहा गया ही, की वास 269-व के नवीन सक्षम प्राधिकारों को वह निध्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विस्का उचित वाकार नृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

मोंर जिसकी सं 48/151 है, तथा जो जनरल गंज, कानपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर को पूर्ण रूप से विजत है) रिजस्ट्रीकर्ता, अधिकारी के कार्यालय कानपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 7-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई हैं और अुके यह विश्वास करने का कारण हैं कि मधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल निम्मलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किशत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्यार्थ हो कृषी किसी बाब करी बाबक, उन्नर स्थितियम के तथीन कार बोने की अन्यारक के वाकिक में कामी कारने का सबसे देवने में सुविका को निए: बार/का
- (ण) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों हों. जिन्हों भारतीय, जाय-कार अधिनियम, 1922 को 11) या उपन्त अधिनियम, या अम-कार विधिनियम, या अम-कार विधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा जे लिए:

क्षतः कर, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अवस्तान में, में अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत, निम्तिनिसित व्यक्तियों, अर्थातः :——

- श्री लखन लाल पुत्र फुन्धन लाल निवासी 48/1187 जनरल गंज, कानपुर।
- 2. में ० पुत्तन लाल बलाल बारा पार्टनर कृष्ण कुमार कपूर, पुत्त श्री बद्रीनाथ कपूर, निवासी 22/73, फील खाना, कानपुर।

3. अम्तरिती ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्धन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के रावपन में प्रकाशन की शारीच से 45 दिन की व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी व्यक्तियों में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उच्च स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ निवास में किए जा सकेंगे।

न्याक्रीकरणः — इसमें प्रयुक्त इन्दों और पदौं का, वो उक्त विभिन्निया, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया बबा हैं।

### अनुसूची

एक मकान जिसका नं 0 48/151 जोकि जनरस गंज, कानपुर में स्थित है।

> जे० पी० हिलोरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक: 25-1-1985

मोहरः

# प्रकृत बार्ड . टी . एन . एस . ननकार ननकार नन

# आयुकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के सभीन स्वना

#### भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्ज न रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 25 जनवरी, 1985

निदेश सं०के-173/84 85—अतः मुझे जे०पी० हिलोरी आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह से अधिक है

धौर जिसकी सं० 44/435 है, तथा जो नई सड़क, कानपुर में स्थित है (श्रौर इसके उपाबद अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (19098 का 16) के अधीन दिनांक 9-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बीजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे तृश्यमान प्रतिफल को परद्र हे प्रतिशत से अधिक है पौर जन्तरित (अस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यारण के निए तय पाया स्या प्रतिफल, निम्नतिखित उद्देश्य में उस्त अस्तरण लिखित में बास्तविक रूप से स्थान नहीं किया स्था है:---

- (क) अन्तरण से हुन्द्र किसी आय की बाबत, उकत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर्/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह<sup>3</sup> भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

जतः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, जिल्लिकित व्यक्तियों, अधीत अ—  मैं० मुडन खान पुत हाजी, अहमच खान, नि० 40/221, नया चौक, कानपुर।

(अन्तरक)

श्री नियाज अहमद पुत्त इमाम बन्त्स,
 श्रीमती सगहीकन निया, पत्नी श्री नियाज अहमद
 44/435, नई सड़क, कानपुर।

(अन्सरिती)

3. अन्सरिती ।

(वह ब्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्तिहै)

को यह सुषना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

### उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाओप ३----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन को तारीश सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम,, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसुची

मकान नं ० ४४/४३५, नई सङ्क, कानपुर।

जे० पी० हिलोरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक 25-1-1985 मोहर:

# स**च्या बाह**्य **हो** ् एवं व सुख्<sub>य</sub> स्ट्रान्ट

आयकर अधि िनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

#### भारत बुडकाड

कार्यास्य, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 25 जनवरी, 1985 निवेश सं० के 0177,84~85—अतः मुझे जे० पी० हिंजोरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के सधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

सं० 105/502/ए है, तथा जो आनन्य बाग, कानपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूणं रूप से विणत है) राजस्त्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, राजस्त्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 9-7-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में में शास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) बजारण वे शुद्ध किली बाब की बाबत, शक्त शीधनियब के अधीव कर दोने के बन्तरक में दानित्य के कमी कारणे वा अवस्थे वचने में कृतिया के तिस: और/वा
- (क) एभी किती बाय वा किसी थन वा बन्य शास्तियी की, विन्हें भारतीय बाय-कड अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या थग-कर अधिनियम, या थग-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया वाना वाहिए था, कियान में स्विधा है लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के जन्सरंग में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्री सिद्धनाय पाठक,

नि॰ 105,502, प् आनन्द बाग, कानपुर।

(अन्सरक)

2. श्रीमती ईम्बरी देवी पत्नी श्री गुरमिक दास, निवासी 124 बी,239, गोविनद नगर, कानपूर ।

(अन्सरिती)

3. अन्तरिती

(बह व्यक्ति, जिसकं अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ध---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यक्ति स्
- (क) इस स्वना के राज्यक में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जा उभत्ते निभिनयम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं नर्थ होगा, जो उस जध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

105/502, 'ए', आमन्द बाग, कानपुर।

जे० पी० हिलोरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज, कानपुर

दिनांक 2,5-1-1985 मोहर:

# मक्प आई.टी.एभ.एस. -----

अध्यकार व्यथिनियम, 1961 (1961 का 43) की) भारा 269-म (1) के अभीन सुभना

#### भारत सरकार

# कार्यात्तय, सह।यक वायकर आयुक्तः (निरीक्षण) अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनाक 25 जनवरी, 1985

निवंश सं० के-178,84-85—अतः मुझे, जे० पी० हिलोरी, आंयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमके परचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 209-स के उदीन सकम प्राप्तिकारों को यह विश्वास करने का सारण है कि अधिक सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रुठ. से अधिक है

श्रीर जिस्की सं 128, के, 548, 122 है, तथा जो किदवई नगर, कानपुर में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से अणित है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 4-7-1984

का प्रवाकत सम्पत्ति क उचित बाजार मृत्य सं कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्बॉक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कृष्णित नहीं किया गया है क्र--

- (क) अभ्यरण सं हुन्दं कि जी आव काँ बाबस्, उत्तक अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्सहक की दायित्य में किमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; बीर/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अ अयोजनार्थ अन्तिरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए '।'

जतः जब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अभीत, निम्निसिक्त व्यक्तिवी, क्रमीत ध—  श्री चमन लाल साहनी पुत स्व० लाला करम चन्द साहनी नि० 127,530 ब्लाक, डब्ल्यू 1, जूही कला, कानपुर ।

(अन्तरक)

 श्री तीरथ दास भवानी व दशरथ दास भवनामी पुन्न गण श्री सामन दास निवासी 107,181, नेहरू नगर, कानपुर।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती ।

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को ग्रह स्चना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ट्स्वाडियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना वे राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है ते 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, धो भी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दश्च किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिकिश में किए जा सकेंगे.।

स्पद्धीकरण :---इसमें प्रश्नुबल शब्धों और पद्धों का, जो उत्तर बिधिनियम के बच्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

#### and the

एक किला म० नं० 128 के, 548, 122, जो कि जूहोकला कानपुर में स्थित है।

> जे० पी० हिलोरी सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अ**र्जन रेंज, कानपुर**

दिनांक 25-1-1985 मोहर ध प्ररूप बाई , टी. एन. एस. - - -

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कार्यकर आयुक्त (निरोक्तक)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 25 जनवरी, 1985

निवेश सं० के-183,84-85—अतः मुझे जे० पी० हिलोरी बायकर बिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है). की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाकार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 84,78 है, तथा जो फैक्ट्री एरिया, जूही खुर्द कानपुर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 7-7-1984

को पृविक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रशिक्षण के लिए अंतरित की गई है और मूके यह विश्वास करणे का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से एसे दृश्यमान प्रतिकाल के वन्द्रह प्रतिकात में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्निसित उद्देश्य से उयत्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- √(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबता, उक्त अभिनियम के अभीन कर∗योगे के अन्तरक के अभिन्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए॥ आऊ/का
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की अनुसरण कों, में उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभाग (1) को को अभीन, निम्निसिंखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती जिन्दो रानी, व कषण कुमारी, नि ० ए-16, जंग पुरा एक्सटेंशन, दिल्ली ब अमृत लता नि ० आर-7, निरंग पार्क, विल्ली, श्री हीरा नन्द भाटिया, नि० 8,5, कुंणा नगर, कानपुर ।

(अन्तरक)

 श्री प्रेम चन्द जैन, व प्रदीप कुमार जैन, नरेन्द्र कुमार जैन, सबके सब निवासी 53,8,नया गंज, कानपुर।

(अन्तरिती)

3. अस्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमी पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से निसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के शस लिखित में फिए जा सकोंगं।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त गर्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याव 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

#### समय ची

एक प्लाट जिसका नं० 84,78, जोकि फैक्ट्री, एरियो, जूही खुर्व, कानपुर में स्थित है।

जे० पी० हिलोरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

**दिनांक 25-1-1985** मो**हर**्छ

# प्रथम बार्ष्: टी.एन.एव ------

भाषकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषकर अभिनियम, 1961 (४) के अभीन मुचता

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 फरवरी, 1985

निदेश सं० ए-540,84-85-अतः मुझे जे० पी० हिलोरी, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० खं ं तं ० ६ है, तथा जो मौजा सराय अजमा बाद में स्थित है (श्रीर इससे उपावत अनुमूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मथुरा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 28-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उच्चित नावार मून्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित आजार मून्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, एसे ख्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्वे) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त- कि रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की अवस्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के सिए; जीरू/या
- (वा) प्रेसी किसी जाय जा किसी बन या अन्य आस्तिकाँ की, जिन्हें भारतीय आसकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अस, उस्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण की, मी, उस्त अधिनियम की धारा 289-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीतिश्वत व्यक्तियों, अर्थातः :---

 श्रीमती रमा देवी पत्नी श्री मथुरा प्रसाद , निवासी गोविन्द नगर, मथुरा ।

(अन्तरक)

2. मैं० बृजराज कैलेन्डरिंग वर्जस, मथुरा, द्वारा, पार्टनर, नवीन कुमार, व कन्हैया, लाल पुत्रगण, श्री किशन लाल निवासी डेनियर नगर, मथुरा ।

(अन्तरिती)

3. ऋतागण

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. फ़ीला गण ।

(बह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितकब है 🅕

को यह मृजना जारी करके प्रशिक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए जार्यमाधियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई नाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की टारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, अंभी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में में किसी स्थितस ध्वारा;
- (च) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य स्थावित ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्तित में किए जा सकोगें।

स्थवनीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही नर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका क्वा है।

#### अनुस्थी

खेत नं 6 स्थित मौजा सराय अजमाबाद, जिला मथुरा।
जै पी हिलोरी
सक्षम प्राधिकारी
सङ्ग्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

ं<mark>दिनकि 16-2-1985</mark> मोहर :

# प्रस्य भार्षे . टी . एम् . एस् , -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन स्थना

# भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयंकर आयंक्स (निरीक्षण) अर्जनरेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 फरव्री, 1985

निदेश सं० ए-547 84-85—अत: मुझे जय प्रकाश हिलोरी बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ५समें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है"),, की भारा 259-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं ०,2749 है, तथा जो नरायच आगरा, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रोर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एत्मादपुर आगरा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक 20-7-1984

को पूर्वों कत संपरित के उचित बाजार मृत्य भे कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई हैं और मृभे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वों कत सम्पर्तित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल भे, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अंन्तरण लिकित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया हैं —

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिभीनयज्ञ, को ज्यौन कर दोने को अन्तरक को वायित्व में कमी करने वा अससे बचने में सुविधा के लिए; जीर/वा
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के सिए;

बत: अब, उक्त निधिनियम की भारा 269-न के बम्सरन. में, में उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:---  सीताराम कथान मुपुन्न श्री गनपत राय निवासी माधौ किस्टो स्ट्रीट, लेन, कलकत्ता ।

(अन्तरक)

2. श्री जगदीण प्रसाद मुपुत्र स्व० श्री प्रभूलाल, दीन दयाल मुपुत्र स्व० श्री प्रभूलाल, निवासी 4/346, गली पूर्वियान, कचहरी श्राट, आगरा।

(अन्तरिता)

3. केतागण

(बहु व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. केता गण।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सुबना बारी कृरके पूर्विवत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुई।

उक्त संपृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्वना के त्राजपत्र में प्रकाशन की ारील से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धे व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि , को भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेचत व्यक्तियों में के किसी व्यक्तित द्यारा:
- (क) इस स्थान के राजपत्र में अकाकन की तारीच हैं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितनव्ध
  किसी बन्द स्थानत ब्यान स्थानस्तासाठी के पास
  निवित में किए वा सक्ति ।

#### बन्स्ची

खसरा नं 2749, मौजा, नरायण तहसील एत्मादपुर, जिला आगरा।

> जय प्रकाश हिलोरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक 16-2-1985 मोहर ; organisti ( <del>uni primi de la completa del la completa de la completa del la completa de la completa del la completa de la completa del la compl</del>

प्रक्ष्य भाष' टी (सा. एक. --- ---

मायकरु मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के प्रधीन मारता

अस्त सरकार

कार्यासक, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्तण) अर्जन रेज, कानभूर

कानपुर, दिनांक 16 फरवर, 1985

निदेण मं० ए-582/84-85—अतः मुझे, जे०पी० हिलोरी बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर स्थास, जिसका उजित आजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० है तथा जो मुख्य वाजार फतेहाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबंध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फतेहाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधितियम. 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 28-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह बिश्यास करने का कारण है कि यथापूर्धांक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एस दश्यमान प्रतिफल सा पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एगे अग्यपण के चित्र नेश यथा पठा प्रतिफल, निम्नीसित्त उद्शेष्य से उक्त बन्तरण जिल्लित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अनुसारभुसे सुद्दे किसी अन्य की बावक अवस्थ विधिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक की बाविक्य में कभी करने वा नपसे अवसे में प्रेमिश के मिए; बार/या
- (ल) एंसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर कांशांनयक, 192 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, क कन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

 श्रीमती राम तेडी, पत्नी श्री गोपीचनः, अहरोड, फतेहावाद, आगरा ।

(अन्तरक)

डा॰ सुशील कुमार गुप्ताः
 मपुत भो परनद देवः करवः फतेहावादः, भागरा ।

(अन्तरिती) (अह व्यक्ति जिसके अफिभोग में सम्पत्ति है)

अन्तरिती

को यह मूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां ११ करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अजन वह सम्बन्ध में कोर्ड भी बाक्षेप ----

- (क) इस मूलना के एकपण में उक्तणन करी, तर्तात स 45 विन की अविधिया गत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर मूलना की तामील म 30 विन की अविधि, को भी सर्वति भाव में समान्त को दिला, को भीत गुलां किए स्पब्तियों में से तिसी प्रावित हुए। गा.
- (ण) इस सम्मा के शबण्य मा प्रकाशन की नायीन सं 45 दिन के भीतर अगत स्थायर गया कि में दिन यह किसी मन्य व्यक्ति वृषाय अभागस्त क्षणी के एक निविद्या में किए का मुक्तियों।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

प्रनुस्त्री

एक दुक्तान पुक्ता दो मंजिला, कुल क्षेत्र फल. 78.53 वर्गमीटर, आगराबाद, मार्ग, भ्रत्य वाजार, क्रम्या फनेहाबाद, आगरा ।

> जे० पी० हिलोरी सदास प्रेडिंग तारी सडायक आसक्त आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, कानपूर

दिनांक 16-2-1985 मोहर प्ररूप आई. टी. एन. एस ------

# कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय , महादाः आयक्त आस्का (निरीक्षण)

वजंन रंज, कानपुर

वातम्पर, दिनाक 16 फरवरी, 1985

निदेश सं. ए-595/84-85—अतः मुझे जे० पी० हिलोरी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त जिलीनयमं भक्त गया हो), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/-रु. से अधिक हो

ग्रौर जिसकी सं 32 है, तथ जो मौजा, तेहरा तह धैरागढ़ में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध अनुमूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप में विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खैरागठ में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 27-7-1984

का पर्गोक्त संपत्ति के जिलत जाजार मध्य स कम के दश्यमान अतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्हें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान जिल्हाल है, एसे दश्यमान जिल्हाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरिका (अंतरकार्ग) और अंतरिकी (अन्तरितियार्ग) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया अतिकल, निम्तिसित उद्देश्य से उक्त अनारण निभिन्न में समाविक ल्प से कथिन पत्री किया गया है .——

- ंक) अस्तरण में हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन दर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करन या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (४) एमी किसी आय या किसी धंन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922-का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार अन्तरिती स्वारा प्रकार नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

णतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मूँ, भँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थातः :---

- श्री ज्ञान सिंह, एवं राजवीर सिंह, एवं रामवीर सिंह, पुत्रगण श्री राम सिंह, निवासी प्राम तेहरा, तह० खैरागढ़ जि० आगरा। (अन्तरक)
- श्रीमती इन्द्रा अग्रवाल, पत्नी श्री हरीश चन्द्र अग्रवाल एवं० श्री कृष्ण गोयल, पुत श्री राम जी लाल तिवासी कचहरी घाट, आगरा।

(अन्तरिती)

3. ऋतागण ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कीता गुण।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

तमत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी काक्षण :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की वारी से से 45 दिन की जनिय या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्कान की तामील से 30 दिन को अवधि, जो भी जनिय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी स्पिक्त द्वारा;
- (ब) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्तर स्थावर सम्पत्ति में हितबब् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, थो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुर अर्थ होगा को उस अध्याय में दिसा गया है।

#### क्यस्य

कृषि मूमि, गाँव गेरा जिला आगरा

जे० पी० हिलोरी **सक्षम प्राधिकारी** सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक 16-2-1985

## प्रकम् बाह्र . हो. एव. दश. ------

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सुधना

#### नारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेजि, कानपुर
कानपुर, दिनांक 16 फरवरी, 1985
निदेश सं ० ए-612/84-85—अतः मुझे जे ० पी० हिलोरी
नामकर निभिन्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृन्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 241-ख है, तथा जो कुआरसी तह० कोल, में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण मण में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, अलीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 27-7-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित को गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके स्थयमान प्रतिफल से एसे रवयमान प्रतिफल का जंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्सरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाथा मण प्रतिफल, निम्नतिचित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्स विभिनियम के बंधीन कर दोने के बन्दरक के द्यायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्; बार्/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या बन्ध वास्तियों कारे, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भनकर विभिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया या किया बाना बाहिए था स्थिपने में मुबिधा के निए;

शतः वदः, उक्त अधिनियमः कौ पार्य 269-त के अनुपरक को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के कधीन∴ निम्नतिश्वित व्यक्तियों, जर्धातः :----  श्रीमती जीवनाश सिंह पत्नी श्री बलवन्तसिंह, ग्रां दिनौटा, विज्यनाथपुर, तह० अनूपणहर, बुलन्द गहर ।

(अन्तरक)

2. अग्रोहा सहकारी आवास सीमीत लि०, 346, मामू भानजा, अलीगढ़, द्वारा, श्री राजपाल शर्मा सुपुव, श्री रेवती राम शर्मा, मसूदाबाद, अलीगढ़।

(अन्तरिती)

अन्तारती ।

(प्रह व्याक्त जिसके अधिमोग में सम्पत्तिहै)

को यह स्चना आरी करके पृषांक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उक्त संपरित को अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की त्मरीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्रांचित अधिकत्यों में में किसी व्यक्तियां द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत मा प्रकाशन की तारील मा 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मी हितमद्र्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पान लिखित मी किए जा सकींगे।

स्पव्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, बहुर अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा गठा है।

#### नगत की

नं 241'न्व' (3वीवा 15विश्वा), ग्राम कुआरमी,तह० कोन, अलीगढ में स्थित ।

> जि० पी० हिलोरी सक्षप प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक 16-2-1985

माहर ः

## प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

# वायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की नारा 269-भ (1) के बभीन स्भनः

AND CONTRACTOR OF CONTRACTOR O

कायासय, सहायक गायकर जागुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेज, कानपुर

कानपूर, दिनांक 16 फरवरी 1985

निदेश सं १ ए-618/84-85— जत. मुर्जे जें० पी० हिलोरी शायकर ऑधिनियम, 1961 (1961 क्रां 43) (जिसे इसमें एसके पश्चात् (एकत अधिनियम) क्रह्म गण हो), को भारा 269-ख के जधीन सक्षा ध्वीभागी गो प्रिकार करने का कारण ही कि स्थाप क्षापित् क्षिमका उनित जागर मल्य 25,000/- रुपयं से अधिक है

और जिसकी सं 785 है, तथा जो महराजपुर बिल्होर में स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूची में और जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बिल्होर में रिजस्ट्रीकरण अविनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 9-7-1984

को प्यांबित संपत्ति के जीवत ताजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिक । को लिए अन्तरित को गई है और पुष्टें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके द्वामान प्रतिकाल में ऐसे दश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रातकार ले जिथक ही और अन्तरका (अन्तरका) । और अन्तरिति (अन्तरितियां) के तीच अन्तरण के लिए तप प्रणा गाउ प्रतिकाल निम्नीलिक्ति उद्देश्य स उक्ते अन्तरण लिखित पे के स्विक रूप में कार्बित नहीं किया गया है :----

- ्यते अन्तरण से दुध् किसी आध की पहला बसाए की प निषम के अधीन कर वाने के असारक के बाधिक से एसी एएटर का उम्हा अटबे अ श्रीकार के लिएए श्रीकारण
- (ख) श्वां किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तिथी
  की, चिन्हों भारतीय आपछा अधिनयम . 1922
  (1922 का 11 वा उक्त बिधिनयम . या धनकर बिधिनियम . 1957 (1957 का 27) को
  प्रकोजनाथ असर्गियों ध्वारा प्रका नहीं किया गया
  भा दा चिन्ना जाना यार्गिया हुए, किएलो मो मुस्थि।
  के बिदा

सत: सब, उक्त सांधिनियम की धारा 269-म की सन्सरण हा, मैं, अका अधिनियम को धारा 269-म की उपधारा (1) के सुधीन, विस्तिनियम अजित्यों, अधीत ---  श्री विष्णु राव पुत्र श्री केशव राव निवासी तातिया गज महाराजपुर परगना जिल्हौर जिला कानपुर।

(भ्रन्तरक)

 भै० कानपुर डाइस्टिक्स एंड कैमिकलस डा० लि०,
 573 ब्लाक एन० न्यू ग्रलीपुर कप्तकता

(ग्रन्तरिती)

3. ऋतागण

(वह व्यक्ति जिसके श्रीविभीग में सम्पत्ति है)

4. केता गण

(बह व्यक्ति जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

की यह सुकना आरी करके वर्जनित सम्मोत्त के बर्जन के लिए कार्यवाहियों कारता हूं।

उक्त राम्मित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी साम्रोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी म्यानित मों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्भ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंने।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याम में दिया गया हैं।

#### state of

ंखेत नं० 785 स्थित ग्राम महाराजपुर परगना बिल्हौर, जिला कानपुर

जे पी० हिलोरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेज कानपूर

दिनांक 16-2-1985 मोहर : प्रकृप बाह्र', ही, एन, एस, -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वाना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 फरवरी 1985 निदेश सं० ए-632/84-85----प्रतः मुझे जे० पी० हिलोरी

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिनका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. स अधिक है

और जिसकी सं० 27/2 है तथा को बेलनगंज पथवारी में स्थित है (और इसमे उपाब अनुसूची में और को पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय, श्रागरा में रिजस्ट्रीकरण ग्राधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 22-8-84 को पूर्वोक्त संपरित के टिजम दाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गर्ब है और मुक्के यह विश्वाक करने का कारण है कि ग्रभाप्यों जित सम्परित का उपित बाजार मृत्य, उसके क्रयमान शितफल सं, एसे इस्त्यभान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (कन्तरकों) और वंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया एवा प्रतिक्त कत निम्नीनिष्क्ति उद्देश्य में उसन जन्तरण निष्क्ति में अप्रतिक्त करा में कथित नहीं किया गया ही:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरका, के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/भा
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियाँ करो, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ बन्तरितौ द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना घरहिए था, रिप्रपानं संस्थिया के निर्ह;

अतः अदः उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक भे, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के सधीन, निमित्तिकित व्यक्तियों, वर्धात् :--- श्रीमती निर्मला सरीन पत्नी स्व० श्री महेन्द्रनाथ सरीन, निवासी पथवारी बेलनगंज ग्रागरा।

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) श्री पदमचन्द जैन, सुपृत्त श्री बनारसीदास जैन,
  - (2) श्री सुशील कुमार जैन, मुनुब श्री पदमचन्द जैन, 27/2, बेलन गंज, श्रागरा।

(भ्रन्स(रती)

भ्रन्तरिती

(बह व्यक्ति, जिसके ग्रिश्भोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति को अजन् को सम्बन्ध में कोई भी बाह्मेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यित्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यिक्तियों में से किसी व्यक्ति वृक्षारा;
- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीं है से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शर्वे और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गर्मा है।

#### नग्जूना

जायदाद नं ० 27/2 एवं 27/2/1 पथवारी बेलन गंज, ग्रागरा में स्थित

जै० पी० हिलोरी सक्षम प्राधिकारी सहायक स्त्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज, कानपुर

दिनांक 16-2-1985

प्रश्नम् आर्थः टी. एव. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेज, कानपुर

कानपूर, दिनांक 16 फरवरी 1985

निदेश मं० ए-635/84-85—अतः मुझे जे० पी० हिलोरी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बन्धार मृस्य 25.000/- एक. से अधिक है

और जिसकी सं । 1-- है, तथा जो भीजा मऊ मुस्तिकल ग्रागरा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्या में ग्रीर पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकार: के कार्यालय श्रागरा में रजिस्हीकरण ग्रीधित्यम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 27-7-1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से,, ऐसे रूपमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के बधीन कर दान के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में तृतिधा के जिइ; और/वा
- (ण) ऐसी किसी कार वा किसी धन वा अन्य आस्तिको को जिन्हों भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के अवोजनार्थ जन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, जियाने में बुविधा, के सिए;

बतः वय, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री रियासत हुसैन, सुपुत्र श्री सद्दीक हुसैन, जित्रासी छम छम गली, श्रागरा

(अन्तरक)

- 2. ग्रागरा कैन्टोन्मेंट, सहकारी ग्रावास समिति लि० क्वारा, श्री महाबीर प्रमाद उपाध्याय, (सेकेटरी) । (ग्रन्तरिती)
- 3. फेला गण

(बह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. क्रेतागण

(वह व्यक्ति जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के मर्शन के सम्बन्ध मी कार्र भी आक्षंप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीए से 45 दिन की लगीं का तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की वामील में 30 दिन को वनिंध, को भी अवधि शह में अमान्त ताती हो, के भीतर प्रांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस स्थान को राजपत्र में प्रकाशन की वारीय वं 45 किन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवहुष िक्ति अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए वा सकींगे।

स्पष्टीकरणः—-इसमें प्रयुक्त कट्यों और पदों का, वा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही पर्य होगा जो उस ग्रध्याय में दिया क्या है

#### अन्यूचा

खेत स्थित भीजा मऊ, मुस्तिकल ग्रागरा।

जें० पी० हिसोरी सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक 16-2-1985

## प्ररूप बाइ , टी. एन. एस. ------

# बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतमर

अमृतसर, दिनांक '14 मार्च 1985

निदेश सं० ए आए/84-85/171 ---अतः मुझे एम० सी कपिल आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

घौर जिसकी सं० एक जायदाद हे तथा जो मिणन रोड़, पठानकोट में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुभूकी में ग्रौर पूर्ण रूप में विणित है ), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पठानकोट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जलाई 1984 को

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रेंतिफल के लिए और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिलित में वास्तिविक रूप में कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अंतरण से हुई िकसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की बायित्थ में कमी करने या उसमे बचने में मृथिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों की जिन्हीं भारतीय जायकर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी वृजारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में निवधा के सिए।

ुबत: बाब:, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री मुरेण कुमार पुत्र श्री मन्सा राम वासी पठानकोट जिला गुरदासपुर

(अन्तरक)

(2) डा० मिसडा स्वर्ण महाजन पत्नी डा० एस० केट महाजन, 11%-16, गाइंन कलोनी, निकट रामलीला ग्राउंड मिणन रोड़ पठानकोट

(अन्तरती)

(3) जैसा उपर सं० 2 में कोई किराएदार थें (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) थ्रौर कोई (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है )

का यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खनार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकरो।

स्पब्दीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक जायदाद नं० 115-16 जो गार्डन कलोनी रामलीला ग्राउंड मणत रोड़ पठान कोट में है जैसा सेल डीड नं० 793/3-7-84 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पठानकोट में दर्ज है।

एस० सी० कांपल सक्षम प्राधिकारी पहायक आसकः अध्युक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज अमुनसर

दिनांक :- 14-3-1985

प्रकप आहाँ, टी. एन. एस. - -

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की याचा १६० ५ (१) र क्षांत्र संयस

#### मारत सरकार

कार्यांसय, महायक आयकार आयक्त (नियोक्षण) अर्जन रेज, अस्तसर

अमृत्तसर, दिनांक 4 मार्च 1985

निदेश में एएम आर 84-85/173-अन: मझे, एस० सी० कपिल, आई अएर० एस,

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स्य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- क में अधिक ही

ग्रीर जिसकी सं० एक जाएदाद है तथा जो बटासा रोड अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) र्गजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अनुनमर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) मे अधीन दिनांक जुलाई 1984

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दायमान . प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्यक्ति मंगरित का उचित जाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिष्ठल से, एसे दश्यमान प्रतिष्ठल का पन्नह प्रतिगत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रति-मन निम्ननिष्यत उद्देषये से उपत अन्तरमा में लिखित उपराजिक क्य यो कथित नहीं किया गया है '--

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की शक्त अक्त वाधिनियम को वाधीन कर दोने की अन्तरक को द्यायित्व में कसी फरने वा तससे वचन में स्विधा के लिए; बीर/या
- · । (भी किसी काय या किसी धन गा अन्य वास्तियाँ अ िराह<sup>ा</sup> भारतीय वाय-कर वीधीनवव, 1922 । 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा <del>थन-कर अधिनियम,</del> 1957 (1957 का 27)

क प्रमाणकारको अन्तराज्ञा सन्तरा राक्षा नहीं। नहार। नहीं का वा रिकात काता नगंदा बा, रिक्काक का वर्णकर्मा को लिए:

बतः अब, उक्त अधिनियम की वारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) है अधीन, निम्नसिवित स्वित्यों, अधीरा :---

(1) श्रीमतो हरमना और जिल्ला श्री कर्म सिंह 42 नीडीयां भोठी, बटाला रोड,

(अस्पर्क)

(2) श्रा किरतपाल पिंह, राजनक सिंह पुत्र श्री अमरजीत सिंह पत श्री तारा सिंह, श्रीमती रघवीर कौर पत्नी श्री अमरजीत निह, विजय नगर, बटाला रोड अमतसर

(जन्मीरती)

- (3) जैमा ऊपर मं० 2 में कोई किराएदार है। (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पन्ति है)
- (4) और कोई (बह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्नाक्षरी जानना है कि वह समात्ति में हितवढ़ है )

को यह सुधना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए , कार्यवाद्विश करता हां।

उक्त सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षण ---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि अन्द में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोकतः न्यिक्तयों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त को शिराबद्वस किसी बन्य व्यक्ति द्वारा बधोइस्ताक्षरी कं गस निस्ति में किए बा मुकींगे।

स्पष्टीकरण:----इतमें प्रयुक्त सन्दों और पदां का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, बहुरी अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया नवा 🕊 🗓

#### नन्स्ची

एक जाएदाद जो बटाला रोड, अमृतसर में है जैसा मेल डीड नं० 2711 और 117-84 रोजस्ट्रीकर्ता जासकारी अमृतगर में दर्ज है।

> एम० मी० कपील, आई आर एस 🕟 सक्षम प्रतिबुकारी सहायक अध्यकर जायूका (निन्तिकाण) अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक : 4-3-1985

प्ररूप बाई. टी. एन, एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्पना

#### भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 4 मार्च 1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं। कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार भूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० एक जायदाव जो बटाला रोड, अमृतसर में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विजित हैं ), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 1984

को पूर्वीक्त सम्मित्त के उणित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि, यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उणित आजार मूस्य, उनके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) आर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निविद्य उद्वोद्य से अक्त बन्दरण विकित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाय की बावत, प्रक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक को वासित्व में कमी कारने या उससे बचने में सुविधा % तिए; वार/वा
- (ग) एसी किसी नाय वा किसी भन वा बन्य शास्तियां को जिन्हें भारतीय भाय-कर श्रीभिनयस, 1922 (1922 का 11) वा उक्का श्रीभीनयस, वा भनकर अभिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविभा के निए;

(1) श्रीमती हरनन्त कौर विधवा कर्म सिंह 42 जौडियां कोठी, बटाला रोड़, अमृतसर.

(अन्तरक)

- (2) श्री अमरजीत सिंह पूत्र श्री तारा सिंह श्रीमती रघुवीर कौर पत्नी अमरजीत सिंह वासी विजय नगर बटाला रोड, अमृतसर (अन्तरिती)
- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) ग्रांर कोई (यह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबढ़ है)

# को नह बुजना थारी करके पूर्वोक्त सम्बुट्टित के वर्षन के लिख कार्यवाहियां करता हूं।

इक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्थव्यीकरणः — इसमें प्रयुक्त धन्यों जीर पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया एया ही।

#### अनुसूची

एक जाएदाद जो बटाला रोड़ अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 2219 दिनांक 11→7—85 रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

(एस० सी० कपिल) आई आर एस सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमतसर

दिनांक : 4-3-1985

## प्रकृष् भाष् . दी . एन् . एच . .....

# नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्राक्षण)

अर्जन रेंज, कोचीन

एरणाकुलम दिनांक 4 मार्च 1985

निदेश सं० एल० सी०. 726 84~85—अतः मुझे, सच्चि चौधरी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं विजय पुरम विलेज में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है). रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय कोट्ट्यम में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 6 जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय काँ बाबत, उक्त जिस्कृतियम के अभीत कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करते या उसमे बचते में स्विक्षाः के जिल्हाः और/या
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1932 का 11) क उक्त मिलिल्स, को धन-कर बिलिल्स, 1987 (1957 का 27) के अपीजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जन्म जाहिए था, विश्वान में लाखा के सिद्धा

कतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिकत व्यक्तियों. अर्थातः— (1) श्री ए० ए० तोमस

(अन्तरक)

(2) वि० सि० जोसफ श्रौर आनसि जोसफ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के किस कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अजन क संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इत सूचना हे राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तस्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बढ़ किसी भन्य व्यक्ति क्षारा, मझोहस्ताक्षरी के पन्य विश्वित में किय जा सकेंगे।

श्याब्दीकरण 1 - इसमें प्रयुक्त अको त्रोर पर्छो का, जो उकत धांछ-नियम से अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही धर्य होगा, जो उस ध्याय में दिया गया है।

#### वयसर्थी

तारीख 6 जुलाई 1984, उपरजिस्ट्री क्वायित्य कोट्टयम के दस्तवेज सं० 1858 में सलंगत अनुसूची के अनुसार विजय पुरम विलेज में सर्वें सं० 18/10 में 24-937 1/2 सेन्ट भूमी के माथ एक मकान ।

> सच्चि **भौधरी** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीत्रण) अर्जन रेंज, एरणाकुलम

विनांक : 4 ~3~1985

मोहर 🤋

प्ररूप आहे.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

म्रजन रेंज एरण।कुल्म

एरणाकुल्म दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० के०-151/84-85---- प्रतः मुझे, जे०पी० हिलोरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 166 है तथा जो काकादेव कानपुर में स्थित है (और इससे उपाबदा ध्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणक्ष हैं), रिजस्ट्रेकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में रिजस्ट्र करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-7-84

कां पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाग गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; आर्रि/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृतिथा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) श्रीमती मागी जोण

(अन्तरक)

(2) श्री शोशाम्मा नैनान ग्रौर ग्रौर डाक्टर बिजु नैनान ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया सुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः - इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि -नियम के अध्याम 20-क में परिभाष्ति हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मनसर्वी

तारीख 30 जुलाई 1984 उपरिष्ठस्ट्री कार्यालय माबे-लिनेकरा के दस्तावेज सं० 2157 में संलगन अनुसूची के अनुसार माबेलिक्करा गांव सर्वे सं० 141/1बी, 141/1सी1 141/1सी 2, 141/1 ई०/1 और 141/1 ई० में 23 सेन्ट भूमि के साथ एक मकान ।

> िव रविधालन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, एरणाकुलम

दिनांक : 14-2-1985

मोहर 🕄

प्ररूप भाइ ., टी. एन. एस. ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायक र गायकत (निर्धामक)

एरणा तुल्म, दिनांक 8 फरवरी 1985

निदेश सं० एल० सी० 721 84-85---यतः, मुझे, बी० रविबालन

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं रनुसूचा के अनुसार है तथा जो एरणाकुलम में स्थित है (और इससे जिपाबब अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधकारी के कार्यालय एरणाकुलम में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 13 जुलाई 1984

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाज़ार मूल्य से कम के स्वयमान रिजस्ट्रीकृत किया गया है अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाज़ार मूल्य, असके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती रिती (अन्सरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है प्रान्ते

- (क) अन्तरक से हुई किसी आया की बाबस, उक्त जीधीनयम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्रीमती शारदम्भा

(अन्तरक)

(2) डाक्टर ी० आर० मास्कर कुमार ी० आर० लक्षी देवी , के० लता श्रीर के० गीता ।

(अन्तरिती)

कां यष्ट सूचना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### जनसची.

तारीख 13 जुलाई 1984 उपराजस्ट्री कार्यालय एरणाकुलम के दस्तवेज सं० 2267 में संलगन अनुसूची के अनुसार एरणाकुलम विलेज सर्व सं० 716 / 3 श्रौर 1557/3 में 7 केन्ट भूमि की 1/4 भाग ।

> वि० रविबालन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, एरणाकुलम

दिनांक : 8-2-1985

# प्रकृप भाइ", दी. एन. एच. ------

मागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, कोचीन

एरणाकुलम, दिनांक 8 फरवरी 1985 निदेश सं० एल० सी० 733/84-85---अतः, मुझे, वि० रविद्यालन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह तिश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं अनुसूची के अनुसार है तथा जो एरणाकुलम में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एरणालम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक 27 अगस्त 1985 की

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित्ति उद्देश्य से उन्त अन्तरण हिस्तित में नास्तिक रूप से कमित नहीं किया नवा है 5—

- (क) अन्तरण से हुइं किसी आय की बाबत, उबत अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वजने यें सुविधा के सिए; बीड़/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अस्य अस्तियाँ को जिन्हें भारतीय अध्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन्कर अधिनियम, या धन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपान में मुखिधा के निष्;

नतः वन, उन्त अभिनियम, की भारा 269-व के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तित्यों अर्थात् :--- (1) श्रीमती पार्वती अम्मा

(अन्तरक)

(2) डा० टी० आार भास्कर कुमार टी० आर० लक्ष्मीदेवी, के० लजा ग्रीर के० गीता।

(अन्तरिती)

की यह स्थाना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप 🤋

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीं के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में सांकिमी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी बन्य व्यक्तित द्वारा अभोहस्ताक्षरी के गक्ष सिवित में किए वा सकींगे।

स्पट्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में डिडा नवाहै।

## ननुसूची

तारीख 29 अगस्त 1984, उपरिजस्ट्री कार्यालय एरणाकुलम के दस्तावेज सं० 2754 में संलगत अनुसूची के अनुसार एरणाकुलम विलेज सर्वे सं० 716 / 3 श्रौर 1557 3 में 7 सेन्ट भूमि की 1/4 भाग ।

बी० रविवालन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, एरणाकुलम

दिनांक :- 8-2-1985

मोहर 🎨

प्ररूप नाइं.टी. एन . एस . -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुवना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 8 फरवरी 1985

निदेश सं० एला० सी० 723 84-85-अत:, मींसे, बि० रविबासन

आयक क्षिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके ध्रभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 जा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं अनुसूची के अनुसार है तथा जो एरणाकुलम में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एरणाकुलम में। रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 29 अगस्त 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं. एसं दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितयों) के बीच एसं अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में शास्त्रीबक रूप सं किथत नहीं किया गया है :---

- ुँक) वंतरण से हुई किसी अध की बाबत, उसस अभिनियम के अभीन कर दोने के श्रीतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविध। के सिए; और√या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1927 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या भन-कार अधिनियम, या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिथा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (१) वे अधीन भीन-मिनियम व्यक्तियों, अर्थात् ---- (1) जय शंकर

(अन्तरक)

(2) डाक्टर टी० आर० मास्करकुमार, टी० आर० लक्ष्मीदेवी, के० लता श्रौर के० गीता,।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (कं) इस स्चता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिमकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगां जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

तारीख 29 अगस्त 1984 उपरिजस्ट्री कार्यालय एरणाकुकम के दस्तावेज सं० 2755 में संलगन अनुसूची के अनुसार एरणाकुलम विलेज सर्वे सं० 716/3 और 1557/3 में 7 सेन्ट्रं भूमि की 1/4 भाग ।

बी० रविबालन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, एरणाकूकम

दिनांक : 8 फरवरी 1985

मोह्र 🖫

# प्रकप आई.टी.एम.एस.----

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाक्लम, दिनांक 8 फरबरी 1985

निदेश सं० एल० सी० 724/84-85---यत:, मुझे, बी० रिविबालन,

आग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो एरणाकुलम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एरणाकुलम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 14 सितम्बर 1984

को पूर्थिकत सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान । प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्विकत सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण यं, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीनः, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) कुमारी शैलजा

(अन्तरक)

(2) कुमारी के० गीता, के० लता टि० आर० लक्ष्मी देवी और डाक्टर टी० आर० भास्कर बुमार ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास

स्पव्हिकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

# अनुस्ची

तारीख 14 सितम्बर 1985 उपरिजस्ट्री कार्यालय एरणाकुलम के दस्तावेज मं० 2935 में संलग्न अनुसूची के अनुसार एरणाकुलम विलेज में सर्वे सं० 716/3 श्रीर 1557/3 में 7 सेन्ट भूमी की 1/4 भाग

> बी० रविद्यालन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, एरणाकृक्षम

दिनांक : 8 फरवरी 1985

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्थना

#### भारत तरकार

# कावीलय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज ,नागपुर<sup>े</sup>

नागपुर, दिनांक 12 फरवरी 1985

निर्देश सं० प्राय० ए० सी० प्रक्वी 62 23 84-85-यतः मुझे एम० सी० जोशी,
गायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके परवात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम पाधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित गाजार मृत्य

25,000/- रह. में अधिक **ह**ै

और जिसकी सं एस०- 2 है तथा जो फ्लैट नं पी- 2 पर बील्डिंग के दूसरे मंजले पर, लक्ष्मी नगर नागपुर में स्थित है (और इससे उपाबंद प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणत है ), रिजस्ट्रीकर्ती प्रधिकारी के कार्यालय नागपुर (डाकुमेंट सं 3234) में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 31 जलाई 1984 को

की पूर्वोकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफ़ेयह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निचित्त में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीर कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी कररे या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचत अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जे प्रयोजनार्थ अन्तरिती च्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुकिशा के लिए;

अतः अख, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, मनिलिखत व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) श्री लक्ष्मी केशव गृह निर्माण भहकारी मंस्था पी० नागपुर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रामचन्द्र विष्णु जी पारनेरकर पीठ टी० एस० रोड, लक्ष्मी नगर, नागपुर (भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियो करता हुं।

## उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारिश्व से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ध) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित मेक्ष हिनबस्थ किसी बन्य व्यक्ति व्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पर्धाकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>2</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस् अध्याय में दिया भया है।

## अनुसूची

पलौट नं ० एस- 2 जो फ्लौट नं ० पी- 2 पर विलिंड ग के दूसरे मंजले पर पी० टी० एफ० रोड़ पर, लक्ष्मीनगर नागपुर में स्थित हैं।

एम० सी० जोशी सक्षम प्रधिकारी महायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज, नागपुर

🥦 दिनांक :- 12-2-85 ंमोहर :

# प्ररूप भार् टी.एन.एस.,------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के सभीन सूचना

## भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज नागपूर

नागपुर, दिनांक 12 फरवरी 1985

निर्देण सं० भ्राय० जे० सी० /एक्यू०/63/2384→85→-श्रतः मुझे, एम० सी० जोशी,

काबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं मकान जो न्लाटनं 28/2 है जो पर प्रवहुस वाडी यवतवमा में स्थित है (और इससे उपाधद प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रस्जिट्रीकर्ता प्रधिकारी के काम्रीलय रूपवतमाल (डाक्स्मेंट सं 1543 में रिजस्ट्रीकरण] प्रधितियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 23 जुलाई 1984 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्च है जिसा गया है है—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की वानत, रुक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (म) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन. निम्मसिवित व्यक्तियों, वर्भात् क्ष्म--

- (1) 1. श्री सदाणिव एंकरराव वेणपांडे 2. श्री श्रीपाद ) पिता सदाणिव
  - 3. श्री विष्ण }देशपांड
  - उ.श्राबिष्णु ≻दशया
  - 4. श्री शरदचन्द्र ]
  - 5 श्री सुरेश दादा देशपान्डे

मौजा महागांव तह० नेर जिला यवतमाल

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती शोभाबाई शंकरराव मान कर श्रवहुलवाडी यवतमाल

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के हैंसए कार्यवाहियां शूरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ते 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस के बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त औध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

## अनुसूची

मकान जो ण्लाट नं० 28/2 पर भ्रवहुसवाडी, यवतमाल में स्थित है ।

> एम० सी० जोशी सक्षम प्रधिकारी यहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, नागपुर

ि चिन्तोक :- 12-2-1985 मो**डर** ध प्ररूप बार्च .दी .एन .एच ह अवन-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बभीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यासय, सहायक वायकर वायक्त (निद्धेक्षक)

म्रर्जन रेंज नागपुर

नागपुर, विनांक 14 विसम्बर 1984

दिर्देश स॰ शाय॰ ए॰ सी॰ |श्रवणी |56|21|84~85---श्रत: मृक्षे एम॰ सी॰ जोशी,

कायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त जिभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अभिक है

और जिसकी सं० नं० 1/1 है, जो 10-7 एकड़ खत जमीन मौजा बडालो ता० जिला० प्रमरावसी में स्थित है (और इससे उपावदा अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है ), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यीलय, प्रमरावती (डाड्रुमेंट सं० में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908

का 16) के प्रधीन दिनांक 26 जुलाई 1985 को का पूर्वोंक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अध्यितिकों) के धीच ऐसे प्रनित्त के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेद्य से उच्त कम्मुर्ल कि विश्व में कार्यां कराविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अमारण वे सुध् किसी नाम की बानतः वानतः अधिनयम के स्थीन कार दोने के अमारक के दावित्य के ककी करने वा एक्स क्यने में सुनिधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना पाहिए था, खिपाने में स्विधा के सिए;

अत: अत्र, उबल अधिनियम की धारा 269-ग औं अन्सरण में. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिलिखत व्यक्तियों, अधीत :---- (1) महादेव संस्थान बडाकी श्रमरावती ।

(भ्रन्सरक)

(2) मैं० राजेश्वर ट्रेडींग कं अंबापेठ अमरावती ।

(अन्तरिती)

को बहु सुचवा बारी कर्ड्युं पृत्रुंक्त सुम्पतित में अर्थन में जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति भी नर्धन के स्वयन्त्र में कार्द भी बाक्षेत्:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शब्द में सवाप्त होती हो, से भीतर प्रांकत व्यक्तियों में ते कियी व्यक्ति ह्वारा;
- (च) इस सूत्रना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, कथोहस्ताक्षरी के पास निवित में किये जा सकींगे।

स्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त अव्यां और पर्यो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

## बन्स्या

107 एकड़ खेत जमीन जिसका सं० नं० 1/1 है और मौजा बडाली तहसील जिला ग्रमरावती में स्थित है।

> एम० सी० जोशी सक्षम श्रीधकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज नागपुर

चिनांक - 14-12-1984 मोहर प्ररूप आई.टी.एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की धारा 2/69-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, नागपुर नागपुर, दिनांक 14 नवम्बर 1984

निर्देश सं० भ्राई० सी० एक्य/48/14/8 48-5--भ्रत: मुझे एम० सी० जोशी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समात्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट 3 और मकान नं० 102 है, जो नं० प्लौट नं० 95 डी० नं० 8 धार्मलैण्ड सी० नं० 20 कैनाल रोड रामदास पेठ नागपुर में स्थित है (और इससे उपाधद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विगित है) रिजस्द्रीकर्ता श्राधिकारी के कार्यालय नागपुर (डाक्मेंट सं० 5058/84) ग्रधिनियम, रजिस्ट्री अरण 1908 में य का 16) के प्रधीन दिनांक 🖊 13 जुलाई 1984 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के उध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वीक्त संपत्ति का बाजार मृल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल सं, दश्यमान प्रतिफल के पन्यह प्रतिशहः से और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक थे दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधान, निम्नलिश्चित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) 1. श्रीमती पुष्पा बेन जयंतीलाल शाह रा० लम्बेग्यर पौल रीफीक रोड श्रहमदाबाद (गुजरात)
  - 2. श्री श्रम्बिन कुमार पुत्र श्री जंबनतीलाल शाह रा० ए० एस० आयोजन नगर प्लैट पालदी श्रमहदाबाद । 3. श्री सनत पुत्र श्री जयंदीलाल शाह रा० 27,
  - उ. त्रा सन्त पुत्र त्रा जनवासास साह रा नीलकंड नगर भरूच (गुजरात )
  - 4. श्री शरतीक पृक्ष श्री जयतीलाल शाहं राज लम्बेश्यर पौल रीलीफ रोड़ श्रमहदाबाद गुजरत न० 1, 2 और 4 बारा श्रायोराइज एजट श्री सनत जयतीलाल शाह राज 27 नीलकंठ नगर भहच (गुजरात)

(धन्तरक)

(2) श्रीमती प्रमलिवैन पत्नीश्री महेश शाह रा० छिदवाङ्गरोड, नागपुर।

(धन्तरिती)

को यह सूपना जारी करके ब्रिक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया हत्संबंधी व्यक्तियों पर सूपना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्धों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

पलैंट नं० 3 जिसका घर नं० 102 हैं और जो नं० पलैंट नं० 95 के दक्षिण भाग में स्थित है जिसका डी० नं० 8 सी० नं० 20 वार्ड नं० 72 है और जो कैयाल राइ रामदा अपेट नागपुर में स्थित है जिसका कुल एरीया 762.00 स्केयर फीट हैं।

एम० सी० जोणी सक्षम अधिवारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नानपुर

दिनांक . 14-11-1984 मोहर : प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालयं, सहायक आयंकर आय<mark>्येत (निरीक्षण)</mark> श्रर्जन रेंज नागपुर

नागपुर, विनांक 14 नवम्बर 1984

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रवर्वः 49/19/84-85--भ्रतः मुझे, एम० सी० जोशी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी फ्लैट सं० 2 मकान नं० 102 है, जो प्लाटनं० 95, डी० नं० 8, फार्भ लेन्ड सी० नं० 20, केनाल रोड़, रामदास पेठ, नागपुर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ला अधिकारी के कार्यालय नागपुर (डाकुमेंट सं० 5057/84) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13 जुलाई 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूक्यमान प्रतिकस के लिए अन्तरित की गहुँ विद्यास करन का कारण कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का अचित बाजार मूल्य, उसके इध्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यभान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल. निम्नलिखित उद्वरम से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित **नहीं** किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुइं िकसी अाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा बायित्य के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

शतः अय, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्⊸—

- (1) 1. श्रीमती पुष्पावेन जयंतीलाल शाह ग्रहमदाबाद
  - 2. श्री अध्वन कुमार जयंतीलाल शाह श्रहमवाबाद
  - 3. श्री सनत जयंतीलाल गाह निवासी 27 नोलकण्ठ नगर, भरुच, गुजरात ।
  - 4. श्री श्रेनिक जयंतीलाल गाह, ग्रहमदाबाद । 1,2 और 4 के दि ग्राथराक्ष्जड एजेंट श्री सनत जयंतीलाल गाह 27, नीलकंठ नगर, भरुच (गुजरात) (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती हंसाबेन मगनलाल छेडा, सरदार पटेल टिम्बर मार्केट, नागपुर । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांध्रं भी आक्षेप ा

- (क) इस सूचना के राज्यक्त में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### जन्स्की

पलैट नं० 2 जिसका घर नं० 102 है और जो प्लाट नं० 95 दक्षिण भाग में स्थित है जिसका डी०, नं० 8 सी० नं० 20 वार्ड नं० 72 है और जो केनालरोड रामदासपेट नागपुर में स्थित है जिसका कुल एरिया 1350 वर्गफुट है।

एम० सी० जोशी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण) ग्रजन रेंज, नागपुर

विनांक : 14-11-1984

मोहर 🗉

प्ररूप आई.टी.एन.एस------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के अधीन स्वना

भार्रत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 26 जुलाई 1984

निदेश सं० जी० म्राई० म्रार० संख्या 19/37ईई/एक्यू/ 84-85--म्रतः मुझे ए० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे - इसमें सिके परिचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी मं० ग्राफिस नं० 21, 22, 23 व 24, 11 एम० जी० मार्ग ह्बीबउल्ला कम्पाउन्ड, लखनऊ में स्थित हैं (और इसमे उपाबड़ श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं) रजिस्ट्रीकर्ना ग्रिधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण ग्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ, भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनयम के

श्रधीन दिनांक 25 जुलाई 1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रित्तफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित कीगई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्यह प्रतिहात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्विषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया ग्या है :---

- (क) अन्तरण से हुद्दै किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय था किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैसर्स हलवासिया प्रापट्रींज प्रा० लि० हलवासिया कोर्ट हजरत गज, लखनऊ

(ग्रन्तरकः)

(2) श्रीमती दोपाश्री मोहन

(श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (कं) इस सूचना के राज्ञपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए आ सर्वोगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नगमकी

ग्राफिस नं० 21, 22, 23 वे 24 छटवे फिलोर पर (तल पर, पैमाइसी 425 वर्ग फीट कामर्स हाउस में स्थित 11 एम० जो० मार्ग हबीबउल्ला कम्पाउन्ड लखनऊ करारनामा जोकि जी० ग्राई० ग्रार० नं० 95/37 ईई/ ग्रर्जन में सक्षम प्राधिकारी लखनऊ द्वारा दिनांक 25 जुलाई 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 26 -7-1984

माहर:

प्ररूप आई. ट. एन. एस. - - ---

भरमकर सिंधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-वं(1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्याख्य, सहायक भायकर मायुक्त (निर्दाक्षण)

श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 26 जुलाई 1984

निदेश सं० जी० आई० आर० सं०20/37ईई/एक्यू 84-85--अतः मुझे ए० प्रसाद इसके पत्रवात् 'उक्तं अधिनियम' कहा गया ह'), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने

269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रह से अधिक है

और जिसकी सं० ग्राफिस नं० 21,22 23, व 24, 1 एम० जी० मार्ग लखनऊ हबोबउल्ला कम्पाउन्ड में स्थित है ( और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है ), रिजिम्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय ग्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ के ग्रिधीन दिनांक 25-7-1984

को पृथोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के उध्यमान प्रतिफल् के लिए कन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके उध्यमान प्रतिफल से, एसे उध्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारें) और बन्तरिती (अन्तरितियाें) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय श्रामा गया प्रतिफल, निम्निजिवित उद्विषय से उक्त अन्तरण लिखित में गस्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के जधीन कर क्रिने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: और/या
- (व) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को पिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा जा किया जाना चाहिए था; छिपाने में सुविधा के सिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण के अनुस्रक्त मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नुसिचित व्यक्तियों, अर्थात् हिन्स (1) मैसर्स हलवासिया प्रापर्टीज प्रा० लि० हलवासिया कोर्ट हजरतगंज लखनऊ

(ग्रन्तरक)

(2) मिस मिताली मोहन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां एक करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया पदा है।

#### वगस औ

श्राफिस नं० 21, 22, 23 और 24, छटने फिलोर पर (तल पर) पैमाइसी 125 वर्ग फीट कामर्स हाउस में स्थित 11 एम जी० मार्ग हबोबउल्ला कम्पाउन्ड लखनऊ करारनामा जोकि जो० श्राई० श्रार० नं० 96 /37 ईई/अर्जन में सक्षम प्राधिकारी लखनऊ द्वारा दिनांक 25 जुलाई 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है

> ए० प्रसाद सक्षम प्रधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ

वनांक 26-7-1984

माहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 26 जुलाई 1984

निदेशसं० जी० माई० मार० सं० 21/37 ईई०/एक्बी०---म्रतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं श्राफिस नं 21, 22, 23 व 24 है तथा जो 11 एम जी जा मार्ग, ह्बीब उल्ला कम्पाउण्ड, लखनऊ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ, भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम के दिनांक 25-7-84

- क्रो पूर्वीक्त संस्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विद्यास करने का कारण है कि यथा पूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूरयमान प्रतिकल के पढ़ह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निति उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :----
  - (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
  - (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैं० हलवासिया प्रापर्टीज (प्रा०) लि ०। हलवासिया कोर्ट, हजरत गंज, लखनऊ।

(भ्रन्तरक)

(2) मास्टर मानस मोहन।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्भ किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधाहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अमुस्पी

धाफिस नं० 21, 22, 23, श्रौर 24 सिक्स फ्लोर (छटवें तल) पूर, पैमाइशी 125 वर्ग फीट, कामर्स हाउस में, स्थित है। 11, एम० जी० मार्ग हबीबउल्ला 'कम्पाउण्ड, लखनऊ, करारनामा जो कि जी० झार० धार० नं० 97/37 ईई०/धर्जन में सक्षम प्राधिकारी, लिखनऊ द्वारा दिनांक 25-7-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाय, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 26-7-1984

मोहर :

प्ररूप नाईं. टी. एव. एस.-----

शायकर गणिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के गणीन स्पना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्ष) ग्रर्जन रेंज, 57 राम तीर्थ मार्ग, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 मार्च, 1985

निदेश सं० जी० ग्राई० ग्रार० सं० ए-165/एक्वी०--ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० धाराजी है तथा जो मोहल्ला विहारमान नगला, जिला बरेली में स्थित है (श्रौर इससे उपावत धनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बरेली में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसस अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किशा नहीं किया गया है है—

- (क) ब्यारण के हुई किसी बाव की वावत , उक्त विधिनियम के विधीप कर दोने के बन्दारक के दायित्य में कमी करने वा उससे व्यने में सुविधा के लिए; ब्रॉट/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भून या अन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था खिन्नाने में सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त जीधीनवमं की भारा 269-ग के अनुस्रक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बभीय, निम्नसिवित व्यक्तियों, जभीत प्र—

- (1) 1. श्री हरीशंचन्द्र भाटिया ।
  - 2. श्री वासुदेव भाटिया।
  - 3. श्री दर्णन लाल भाटिया।
  - 4. श्री मती बुद्धवन्ती ।

(मन्तरक)

- (2) 1. श्रीमती श्राशा ग्रग्रवाल।
  - 2. श्रीमती वीना प्रग्रवाल।
  - 3. श्रीमती शोभा श्रयवाल।

(भ्रन्तरिती)

(3) विकेता।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को बहु तुम्बा बारी करके पृश्वींकत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवरिहमी करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पड़ स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्था के राजपत्र में प्रकासन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए जा सकाँगे।

स्ववद्यीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## वन्त्र्यी

श्राराजी भूमि पैमाईगी 893 3/9 वर्ग गज, स्थित मोहल्ला बिहारमान नगला, परणना तहसीव व जिला बरेली (जैमा फार्म 37-जी सं० 5430 में वर्णित है) जिसका पंजीं-करण रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, बरेली के कार्यालय में जुलाई, 1984 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, लखनऊ

सारी ख: 13-3-1985

मोहर 🛚

प्रकृत बाह् देशी .....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक गायकर जायूक्त (निरीक्तण)

श्रर्जन रेंज, 57 रामतीर्थ मार्ग, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 12 मार्च, 1985

निदेण सं० जी० श्राई० झार० सं० ए-166/एक्वी०--स्रतः मुझे, ए० प्रसाध

बायकर अधिनियंस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियस' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रा. से अधिक है

शौर जिसकी सं शाराजी नं 939-ए श्रौर 940 है तथा जो ग्राम लांकडोफजलपुर, मुराबाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, मुरादाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृस्य से कम के स्थमान प्रिक्त के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाबार मृस्य उसके दृश्यमान प्रतिफल के। एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रया प्रतिफल, निम्नलिचित उच्चेष्य से उक्त अम्तरण लिचित में बास्त- विक रूप से कथित नहीं किया गया है ॥——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के खिए; और/वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियाँ जी, जिन्हें भारतीय जाब-कर जीभीनयम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त जीभीनयम, या धन-कर जिथिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

जत: सव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के नन्सरण मों, मीं., उक्षत अभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1)॰ प्रे जधीन निम्नतिस्ति व्यक्तियों, वर्षीत इ— 1—6GI/85 (1) श्री चाऊ।

(ग्रन्तरक)

(2) भ्रार्य नगर सहकारी भ्रावास समिति लि०, मुरादाबाद द्वारा प्रेजीक्टेंट : श्री राम मोहन भ्रौर श्री विजय शंकर मिश्रा।

(ग्रन्तरिती)

को कह कुलना कारी करके पुनानित कुम्महित् को अर्थन के हिन्द कार्यनाहियां करता हूं।

उच्य सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाह्मेप :---

- (क) इस त्या के राजपन में प्रकाशन की तारीज है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों प्र त्या की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख है 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पृत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए वा सकोंगे।

स्पष्टिकरण : --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि क नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही वर्ष होगा, को उस कथाय में दिया गवा

# **प्रनुसूची**

म्नाराजी नं० 939-ए पेमाईशी 0-50 डिसमिल नं० 940 पैमाईशी 0-52 डिसमिल टोटल 1-02 डिसमिल स्थित ग्राम लाकंडोफजलपुर, मुरादाबाद (जैसा फार्म 37-जी सं० 4983 में वर्णित है), जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्सा भ्रधिकारी, मुरादाबाद के कार्यालय में दिनांक जुलाई, 1984 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, लखनऊ

तारीख: 12-3-1985

मोह्द 🖫

प्रका नाहाँ, टी., एन., प्रस्,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत् तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज, 57 रामतीर्थ मार्गे लखनऊ लखनऊ, दिनांक 15 मार्च 1985

निर्देश सं० जी० मार्ड० मार० सं० के-149/एक्बी०---मतः मुझे, ए० प्रसाद

कायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (किसे क्समें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्सम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० मकान नं० 136 (पुराना) 240 (नया), है तथा जो आजाद स्ववायर, साउथ मलांका इलाहां वाव में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 13-7-84

का' पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूम्ब से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मिसिस उद्देश्य से उक्त अंतरण मिसित में बास्तिक स्पृत्ते किया नहीं किया नवा है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक को दावित्व में कभी करने वा उत्तरे वचने में सूविधा के सिए; बार/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के मिए;

अंतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) फ़ें अधीर, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती प्रमिया देवी चौधरी।

(श्रन्तरक)

(2) 1. श्री कुंज बिहारी धर।

2. श्रीमती सुधारानी धर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संस्थारित के अर्थन के लिक्-(कार्यवाहियां करता हुई).

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क), इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की जनिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अनिंध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बच्च किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पाक्षीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याम मं दिया गया है।

## वन्स्ची

मकान नं 136 (पुराना) 140 नया मय भूमि एरिया 138.4 स्के यार्ड मय याज-सामान व जुड़ी हुई वस्तु ग्राद्वि। स्थित ग्राजाद स्ववायर, साउथ मलाका, इलाहाबाद जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, इलाहाबाद के कार्यालय में विनांक 13-7-84 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

. तारीखा : 15—3—19/85

मोश्वर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयृक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, 57 रामतीर्थ मार्ग लखनऊ लखनऊ, दिनांक 12 मार्च, 1985

निदेण सं ्जी शाई शार सं एम-213/एक्वी ---मतः मुझे, ए प्रसाद

मायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उजित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान नं० 130/6-क मय भूमि है तथा जो जगदीण चन्द्र बोस मार्ग, लखनऊ में स्थित है (श्रीर इससे उपायत अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारा के कार्यालय, लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जुलाई, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरभ वे बुद्दे किसी भाव की वावतः, सक्तः विभिन्नियम वे नभीन कर दोने के अन्तर्रक की वास्तित्व में कभी करने या उससे बच्चने में सुविधा के सिए; जोर्/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी थन या अन्य जास्त्यों को, जिन्हें भारतीय नाय-कर वृधिनियम्, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम्, या धनकर अधिनियम्, या धनकर अधिनियम्, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत्ः— (1) श्रीमती गुरमीत कौर।

(मन्तरक)

(2) श्रीमती मनोरमा गुप्ता ।

(भ्रन्तरिती)

(3) केता।

(बहु व्यक्ति, जिसकें प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सपति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकीं।

स्पण्डीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्छ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मकान नं० 130/6-क मय भूमि पैमाईशी 2234 वर्ग फीट स्थित जगदीग चन्द्र बोस मार्ग, लखनऊ (जैसा फार्म 37-जीं सं० 8334 में विणित है), जिसका पंजीकरण रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, लखनऊ के कार्यालय में जुलाई,1984 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, लखनऊ

तारीख : 12-3-1985

मोहर :

# प्रकृत वार्षं . टी . एव . एवं . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-व (1) वे वयीन स्वा

### भारत वर्डकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, 57 राम तीर्थ मार्ग लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 15 मार्च 1985

निर्वेश सं० जी० ग्राई० ग्रार० सं० ग्रार०-243/एक्बी०----ग्रतः मुझे, ए. प्रसाद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर 'सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान नं० 134 है तथा जो श्राजाद स्ववायर, साउथ मलाका, हाउसिंग स्कीम, इलाहाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, इलाहबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 13-7-84

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के उपयमान अन्तरित प्रतिफल के लिए की गह्र\* विधवास करने का कारण है यथापूर्वीक्त सम्परित का उचित बाजार मृल्य, उसके इश्यमान प्रतिकेल से, एसे इक्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाॅ) और अंतरिती (अंतरितियाॅं) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दूदेश से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ब्रुक्तरण वे हुई किथी बाम की वाबत, बक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के बाबिरण में कभी करने वा उन्नते बचने में सुविभा के लिए; कॉर/या
- (क) एसी किसी बाय वा किसी बन या वस्य बास्तियों को, चिन्हें भारतीय जाय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उनत विधिनयम, वा धन-कर विधिनयम, वा धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ वन्तिरती ब्वास् प्रकट नहीं निया गया धा वा किया बाना चाहिए था, कियाने में सुविधा से निह:

भतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती श्रमिया देवी चौधरी।

(भन्तरक)

(2) श्रीराज कुमार भ्रग्रवाल।

(भ्रन्तरिती)

(3) विक्रोता।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधि-भोग में सम्पत्ति हैं )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिएं कार्यवाहियां करता हुं।

बन्दा बंदित के अर्थन के संबंध में कोई भी जाओप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकीं।

स्पव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अपूर्वी

प्लाट नं० 24 पर बना मकान नं० 134, एरिया 146 स्के० यार्ड, मय 4 कमरे स्थित श्राजाद स्के० साउथ मलाका हाउसिंग स्कीम, इलाहाबाद जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, इलाहाबाद में दिनांक 13-7-84 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद ' सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, लखनऊ

तारीख: 15-3-1985

मोहर:

# प्रकम नाह<sup>5</sup>्टी. **स्थ**्रप्स.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचमा

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, 57 राम तीर्थ मार्ग, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 13 मार्च, 1985

निर्देश सं० जी० भ्राई० भ्रार० सं० वी--78/एक्वी०---श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रा. में अधिक है

श्रौर जिनकी सं० मकान मय भूमि है तथा जो कंजरी सराय, मुरादाबाद में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, के कार्यालय, मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई, 1984

को पूर्नों कर सम्मित्त के उचित नाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और भूफे यह विद्यास करने का कारण है कि म्थापूर्वों कर सम्मित्त कर उचित नाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल सं, एसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशास से अधिक है और अंतरित (अन्तर्गें को बीच एसे कन्तरण के निस्म तब पावा ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तिवक रूप से किथत नहीं किया ग्या है:—

- (क). अंतरण से हूं की किसी, आय की वाब्त.. उक्त जिमित्यमं के जभीनं कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; और/बर
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी अन या बन्त बास्तियों की, जिन्हों भारतीय बागकत अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उसत अधिनियम, या धन-कर विविचयम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोचनार्थ अन्तिरती क्षारा प्रफट नहीं किया गया था या किया वाना वाहिए था. कियानी में कुषिया के किए;

अतः अब, उक्त अधित्यम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 26% - घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखितः व्यक्तियों । अधित् ः—

- (1) 1. श्री सत्य नारायण चौजर
  - 2. श्री प्रताप नरायण चौजर
  - 3: श्री इकबाल नरायण चौजर
  - 4. श्रीतंज नरायण चौजर
  - श्री शिव नरायण चौजर द्वारा संरक्षक :
     श्री सत्य नारायण चौजर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विश्व नाथ कपूर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप र---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की मनिभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की सबिध, जो भी अर्थाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शन्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मनुसूची

मकान मय भूमि पैमाईणी 333.67 वर्ग मीटर स्थित कंजरी सराय, मुरादाबाद (जैसा फार्म 37-जी सं० 5012 में वर्णित हैं), जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ती ग्रिधिकारी, मुरादाबाद के कार्यालय में जुलाई, 1984 को किया जा भुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निराक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 13-3-1985

मोहर 🤋

# प्ररूप भार्ष ती. एन . एस . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व् (1) के अधीन सुवना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्णन रेंज, 57 राम तीर्थमार्ग लखनऊ लखनऊ, 12 मार्च 1985

निदेश मं० जी० ग्राई० ग्रार० सं० एम→214/एक्बी०---श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हों), की धारा 269- का के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पृत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० धो मंजिला बंगला है तथा जो श्रयारपाटा, मल्लीताल नैनीताल में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नैनीताल में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1909 का 16) के श्रधीन तारीख 2-8-84

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तो पाया धर्मी प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत उक्त लिध-नियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दावित्व में कभी करने वा उत्तर्ध वचन में सुविधा के लिए, लिए,
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधोधनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियां, अर्थात् (1) श्रीमती दिव्य राजलक्ष्मी राना द्वारा घटानी :श्री नैनू शमणेर जंग बहादुर राना ।

(भ्रन्तरक)

(2) मैं० मोदी रबर लि०, मोदी नगर, उत्तर प्रदेश द्वारा श्री कें० के० गुप्ता, मैंनेजर फाइनेंस।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जा<u>दी करके पूर्वोक्त सम्परित</u> के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्श भी आक्षेप ू---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विंम की अवधि या तत्सम्बन्धी अवस्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की बर्गीं , जो भी वर्गीं वर्ग में सवास्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति तुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 4.5 दिन के जीतर उक्ष स्थायर संपत्ति में हिन-बव्ध किसी अन्य स्थित व्वारा अधोहस्ताक्षरी के शस लिखित में किए जा सकत्ये।

स्यष्टीकरणः— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बढ़ी अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया वदा है।

# वगुजुकी

दो मंजिला बंगला 9 कमरों का मय भूमि पैमाईशी 10964 वर्ग मीटर, बंगला भय कवर्ड एरिया व म्राउट हाउसेज. 8580 वर्ग फीट, स्थित श्रयारपाटा, मल्लीताल, नैनीताल, जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, नैनीताल के कार्यालय में बिनांक 2-8-84 को किया जा चुका है ग्रीर सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जोकि सेल डीड में वंणित है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 12-3-85

मोहर:

# प्रकृष बाहरें, ती. एवं, एवं .......

**षायकर मॅफिनियम, 1961 (1961 का 43) की** 

मायकर माभानयम, 1961 (1961 का 43) का <mark>भारा 269-म (1) के अधीन सूच्</mark>ना

#### भारत सरकार

कार्याजय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता

भलकसा दिनांक 14 मार्च 1985

कायकर क्रिशित्यम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्तम प्राधिकारी की, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं है तथा जो श्रीरामपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में और पूर्ण रूप से वांणत है) राजस्ट्रो— कर्ता ग्राधकारी के कार्यालय कलकत्ता में राजस्ट्रीकरण श्राध— नियम 1908 (1908 का 16) के श्राधीन तारीख 16 जून

को पूर्वोश्त संपत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम् के क्रयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार बृत्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ष का निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त- विक कप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) नन्तरण से इर्ड किसी नाम की नावत, जक्त निभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी गाय या किसी धन या अन्य आफ्नियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1.1) या उक्त अधिनियम या धनका अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

बतः बर, अस्तः श्रीधनियमं की धारा 269-ग के बनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियमं की धारा 269-व की जपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधितु :--- . (1) श्रीग्रम्बा लाल साराभाई प्रा०लि०

(ग्रन्तरक)

(2) श्री लक्स ईनोमेशन लि० 5

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनद्ध किसी ब्रन्थ व्यक्ति इवार अधाहस्ताक्षरी के पास जिया में किए वा स्कोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्बों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नन्सूची

जमीन---24 बीघा जमीन का साथ मकान। पता---महेश थाना श्रीरामपुर जिलाहुगली। दिलल सं०---1984 का 8287।

> शंकर के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4 कलकत्ता

तारीख : 14-3-1985

मोहर:

प्रकम बाह्र , दी , एन , पुस , ------

(1) श्री सोमनाथ मुखोपाध्याय ।

(भ्रन्तरक)

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की 269-व (1) के अधीन स्वना (2) श्री नित्यानन्द चक्रवर्ती ।

(भ्रन्तरिती)

## भारत पुरस्का

कायलिय, सहायक बायकार बायुक्त (निर्देशक)

ग्रर्जन रेंज-4, कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 14 मार्च 1985

निर्देश सं० 71/रेंज-4/कलकता/1984-85—- स्रतः मुझे, शंकर के० बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कर कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो सदपुर में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4-7-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, ससके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिचित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित व वास्तिविक रूप से कार्ष्य कहीं किया नवा है कि

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-रियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य हैं कमी करने का उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (खं) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना शाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

अप्तः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कर्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 विन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत स्विक्तमों में से किसी अविध बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्थारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिचित में किए जा सकोंगे !

स्वव्यक्ति र क ६ — ६ समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त -विभिनयमं के अध्याद 20-क में परिभावित ह<sup>5</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिया मया **ह**ै।

## वनुसूची

जमीन--- 3 काटा 8 छटाक जमीन का साथ मकान पता---मदपुर,थाना-खरदह, जिला 24-परगना दिलल सं०--- 1984 का 7680

> संकर के० बनर्जी मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-4, कलकसा

तारीख: 14-3-1985

मोहर 🖫

# प्रकृष बार्द . टी. एन. एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कायांतय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकता, दिनाँक 14 मार्च 1985

निर्देश मं० 73/रेज-4/कलकत्ता-- प्रतः मृक्षे, शंकर के० बनर्जी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिन पहला प्रवात (जिसे इसमें कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० कारिसया में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-7-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (कः) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाशत, उक्त अधिनिक्य के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के निक्ष और/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय बाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सियध के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिश्चित व्यक्तियों, अधीत :—
8—6GI/85

(1) मैं० कोमेन्द्री टी और ई० प्राइवेट लिमिटड ।

(भ्रन्तरक)

(2) मैं० बीक् टी० प्रा० लिमिटेड।

(भ्रन्तरिती)

को यह जूजना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की मनीभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जनभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीज वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में विका गवा है।

## अनुसूची

जमीन ~- 673 एकड़ जमीन के साथ मकान । पता--कारसिया, दार्जिलिंग । दिलल मं० 1984 का 37 ईडि 5 रेंज- 4/84-85।

> एस० के० **बनर्जी** सक्षम प्राधिकारी सहायक **प्रा**यकर **प्रा**युक्त (निरीक्षण) क्रर्जन रेंज-4, कलकत्ता

तारीख: 14-3-1985

मोहर:

# प्रकृप बार्ड , बींड प्रकृत प्रश्रिकणसम्बद्धाः

# भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन सुचनः

## नारत बरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज- कलकसा

कलकता, दिनोक 31 जनवरी 1985

निदेश सं० ए०सीं० 100/मार०--II/कलकसा/84-85----म्रतः मुझे एस० के० बनार्जी

कारकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इंसमें इसके परकार 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति जिसका उचित अजार मैस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 19 बी है तथा जो अलिपुर रोड कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 30-7-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मूल्य से काम के समयान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तम पाया गया प्रति-फल निम्नितिचत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से अधित नहीं किया गया है द

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उथत आध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए. वरि/वा
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन था अस्य जास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के किए:

नतः भव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) मैं स्भम प्रापर्टीज

(भ्रन्तरक)

(2) 1. श्री सुसिल कुमार झानयार

2. श्री ललित कुमार झानियार

(भ्रन्तरिती)

को वह बुधना बाड़ी करके पृत्रीयत सम्मृतित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां भूक करता हुं।

अवत सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में ओई ही आयोद:--

- (क) इस स्थान के राज्यम के प्रकारन की तार्डीक से 45 विन की नगींथ ना तरसम्बन्धी व्यक्तियों वर स्थान की तानीस से 30 दिन की शविंग, जो भी सबींथ नाद में समान्त होती हो, के भीतर प्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुनारा;
- (७) इन्न कुन्ना के सम्मान की सम्मान की राशी है के 45 दिन के भीतर करत स्थानर सम्मान्त में हितन कु किसी मन्य स्थानत द्वारा नभोहस्ताक्षरी के गढ़ जिस्त में किए जा सकोंगे।

स्यष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शन्यों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्वाय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगर जो उस अध्याय में विया गया है।

#### समसं की

जमीत—1000 वर्ग फीट प्लाट पता—19-बी,मलीपुर रोड यूनिट एफ०, कलकता-27, सक्षम प्राधिकारी के पास 30-7-84 में राजस्ट्री हुम्रा । क्रमिक सं० 14

> एस० के बनाजीं सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-II कलकत्ता

तारीख : 31-1-1985

मोहर :

# **मुक्त आर्थ**ा द्वीत प्रसात **प्रस**्थनसम्बद्धना

भाषकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन सुचना

#### भारत सङ्काङ

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, 🎛, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 31 जनवरी, 1985

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- रुपमें है अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं 19 बी है, तथा जो श्रालिपुर रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के के श्रधीन दिनांक 30-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कृम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उज्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की नावत, उक्त बर्टिशनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए बर्गर/वा
- (च) एती किसी नाय या किसी भन या अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया चा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ः—

1. सुभम प्रापर्टीज,

(अन्तरक)

2. प्रोदोश कुमार चटर्जी,

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के पिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

# उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप "---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए आ सकनें।

स्मच्छीकरणः --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम् के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिशा गया है।

# जनुसूची

जमीन 1230 वर्ग फुट, प्लाट।

पता: 19 वि, भ्रालिपुर रोड, भलकत्ता, 27, इडनिट बी, सक्षम प्राधिकारी के पास 30-7-84 तारीख में रजिस्ट्री हुआ। कंपन संख्या 13।

एस० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-II, कलकत्ता

दिनांक 31-1-1985 मोहर:

# प्रस्प नाइ . टी. एन. एस. ----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-श (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रार्जन रेंज, 196, बाबूजी नगर, भृवनेश्वर-751009, दिनांक 1 मार्च, 1985

निदेश सं० सी०टी० सी०/1-/84-85/217-72--- अतः मृत्ते भ्रांर० सी० सेठी

अग्यंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाबार मृस्य 25,000/न्तः से अधिक है

भौर जिसकी सं० 3759 है, तथा जो तुलसीपुर, में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय

कटक में रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित नाजार मूल्य असके ध्र्यमान प्रतिफल से, एसे ध्र्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिखत से निधक है और जन्तरक (जन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) बन्तुरम् से हुई किसी शाय की बाबता, उत्तर स्विधित्वम् के स्थीन कर देने के अन्तुरक के वाधित्व में कसी करने वा उससे वचने में जुनिभा के सिए: और/या
- (च) ऐसी किसी नाय या किसी भन या बन्य अस्तियों को चिन्हों भारतीय जाय-कर जभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जागा चाहिए था, कियाने में सविधा के जिए।

कतः जक, उक्त जीभीनयम की भारा 269-म को जन्तरक मों, मीं, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्री किशोर चन्द्र पुत्र श्री निरंजन **रा**स

(भ्रन्तरक)

2. पदमजा दास, उर्फ विरमानी, पुत्री श्री किशोर चन्त्र दास प्लाट नं० 122, सूर्य नगर, निक्क, कपटिल, भुवनेश्वर, जिला पूरी (उड़ीसा) ।

(अन्तरिती)

 श्रीमती मीता कानूनो, पुत्नी श्री सुरेत्द्रदाथ कानुनगो, राउसा पटना।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है) निऊ कालोनी, भाकराबाद, थानापुरी घाट, जिला कटक (उड़ीसा)।

> (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त स्थाति के नर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ब) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्याय अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यक्तीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों जीर पर्यों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं क्यें होगा को उस अध्याय में विया गुना हैं।

## वन्त्वी

जिला कटक, पी० एस० न'० 195, परगना, कटक हवेली नं० 1566, बी, रिजस्ट्री भाग- $\mathbf{I}^{\mathbf{I}}$ , खेवन्त नं० 1, मउजा, तुलसीपुर, खातानं० 1, खसरा नं० 722, क्षेत्र एकर 0.1.140 डेसी मी० 8.248 डेसी० मी० में से एवं मकान के साथ, होल्डिंग नं० 547, बार्ड नं० 1, कटक नगरपालिका।

श्रार० सी० सेठी, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण श्रर्जन रेंज 196, बाबुजी नगर,भुवनेण्वर

दिनांक 1-3-1985 मोहर

भारत सरकार

# कार्यालय, सञ्चयक जायकर नायुक्त (निरीक्सण)

म्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 16 फरवरी, 1985

निदेश सं० 37ईई/7812/84-85/1091—— अतः मुझ मुझे प्रनिल कुमार

न्नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के निधीन संक्षम प्राधिकारी को यह निश्नास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति, जिसका उचित भाजार मृस्य 25,000/- रु. से निधक हैं

श्रौर जिसकी सं० लाट नं० 2 बी, पहली मंर्जिल, सं० नं० 47/30 सी, परवती लाट नं० 8, श्ररण्यपुर रोड, पूणा-411009 है तथा जो पुणा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त, निरीक्षण श्रर्जन रेंज, पुणा में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन दिनांक - ज्ञायकर, 1984

को पूर्वीक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के अन्दृष्ट प्रतिज्ञत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण निस्तियों में बास्तिविक रूप से किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाय की वावत, उक्त जीभिनियम के जभीन कर देने में बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए: और/वा
- क) ऐसी किसी नाय या किसी भन या अन्य अस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आयकर खिभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उनत अभिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती प्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुनिधा के लिए,

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निकित व्यक्तियों, अर्थातः— मैसर्स भालचन्ध एंड डेवलेपर्स,
 2051, सदाशिव पेठ, पुणा-411030

(म्रन्तरक)

माधव श्रीपाद गुपचुप,
 488, कस्वा, पेठ पुणा-411011 ।

(ग्रन्तरिती≱)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी कन्य व्यक्ति ब्वारा नभोहस्ताक्षरी के पान विस्ति में किए वा संकी।

स्थव्होकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त जिमित्यम को अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, यही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

#### नन्त्र्यो

प्ताट नं॰ 2, बी, पहली मंजिल, ख॰ नं॰ 47/30,सी, परवती, प्लाट नं॰ 8, श्ररण्यपुर रोड, पुणा-411009

(जैसे कि रजिस्ट्रीक्ट्रत कि सं० 37ईई/7812/84-85 जो महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पुणा के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक 16-2-1985 मोहर :

# प्ररूप मार्च. टी. एन. एत. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक श्रायकर श्राय्वत (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 13 फरवरी, 1985

्निदेश सं० 37ईई/11235/84-85/1092—श्रतः मुझे धनिल कुमार

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उन्त अभिनियम', कह्म गया है, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रहा से अधिक है

श्रीर जिसकी सं श्राफिस नं 305, 3री मंजिल, जे व के वेम्बर, वासी, है, तथा जो नई बम्बई में स्थित है (श्रोर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में ग्रार जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन विनांक श्रक्तूबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्योत के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया-गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उपत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की. जिन्हें भीरतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट सहि किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारः (1) के अधीन, निम्नसिचित स्पिन्तयों, अर्थात् :--- जे० के० इन्टरप्राईजेस,
 किमर बिल्डिंग, 2 री मंजिल,
 38, कावसजी पटेल, स्ट्रीट,
 फोर्ट, बम्बई-1

(भ्रन्तरक)

वैशाली सुले,
 फ 2/1, हिस्मा 7,
 वाशी शापिंग सेन्टर,
 नई बम्बई-400703

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति दुगारा;
- (म) इस सूचना को राजपत्र मो प्रकाशन की तारी स 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हिल्ल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अक्षेत्रस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकींगे।

स्पच्छोकरण: — इसमों प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 को यथा परिभाषित । है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

श्राफिस नं० 305, 3 री मंजिल, जे० के० बेम्बर, ण्लाट नं० 76 नं० 76, हिस्सा 17, वाशी, नई बम्बई।

(क्षेत्र: 2510 मौ० फि०) ।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत ऋ० 11235 जो श्रक्त्बर, 85 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्भन रेंज, पुणे के दस्पत्तर में लिखा गया है।

भ्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, पूना

विनांक 13-2-1985 मोहर:

# प्र**कप् आर**्य टर्डि , एत . एस् . -------

# मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) कौं भारा 269 मा (1) के अभीत सुचना

## भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 16 फरवरी, 1985

निर्देश सं० 37ईई/4966/84-85/1093—श्रहः मुझे श्रनिल कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट नं० 5, ए० एस० बिल्डिंग, चितामन नगर, सं० नं० 128/1, भींध, पुणा-411007 में है, तथा जो पुना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पुणा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रसिक्त के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके इश्यमान प्रतिकत्त सं, एसे इश्यमान प्रतिकत का पन्तह प्रतिक्षत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरक (अन्तरकों निर्मालिकत सं मिकत में वस्त अन्तरक सम्मान प्रतिकत सं मिकत सं मिकत सं स्वाप्त सं उच्त अन्तरक (अन्तरकों) की बीच एसे अन्तरक अन्तरक (अन्तरकों) की बीच एसे अन्तरक अन्तरक (अन्तरकों) की बीच एसे अन्तरक अन्तरक अन्तरकों निर्मालिकत सं विश्वत में वस्त अन्तरक अन्तरक सम्मान प्रतिकत सं वस्त अन्तरक अन्तरक सम्मान प्रतिकत सं वस्त अन्तरक सम्मान प्रतिकत सं वस्त अन्तरक अन्तरक सम्मान सम्मान

- (क) नन्तरण से हुई किसी नाथ की वायत, अन्त अभिनियम के सभीन कह दोने के जन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; सौर/या
- (वा) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियान में भी न्या के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के कमीन जिम्मिलिकिन क्यक्तियाँ, अधित्तिस——

- निखिल इन्टरप्राइजेस,
   14, बोम्बे, पुना रोड, बजाज झाटो शो रूम के नजदीक बाकडेंवाडी, शिवाजी नगर, पुणे-3
  - (**भ**न्तरक) **भ्रादि**त्य सी० जोगी.

 श्री म्रादित्य सी० जोशी, दिव्या सी० जोशी, के० आ० दीपक पी० जोशी स०/आ०, चितरंजन, भ्रार० जी० मेहता, रोड, घाटकोपर, बम्बई

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके प्वोंक्त सम्प्रित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्परित के सूर्वन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 बिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त स्थिकता में से किसी स्थिकत बुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति बुवारा अधोहस्ताक्षरी औं पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सबस अधिनियम के बश्याय 20-क में परिभाधित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया नवा हैं।

# **प्रनुस्**ची

प्लाट नं० 5, ए० एस०, बिल्डिंग चिंतामन नगर, सं० नं० 128/1, भींध, पुणा-411007

(जैसे कि रजिस्ट्रीइट्स्त कि सं 37ईई/4966/84-85 जो महायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण), प्रर्जन रेंज, पुणा के दफ्तर में लिखा गया है।

> भ्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, पूना

विनाक 16-2-1985 मोहर : प्रक्य बाह्रै, दी, एत, एतं,-----

भायकर जिभिनिसस्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के जुभीन सूचना

#### भाउत सर्कार

कार्यांसय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज,पूना

पूना, विनांक 16 फरवरी, 1985

निर्वेश सं० 37ईई/5528/84-85/1094——ग्रतः मुझे, भ्रतिल कुमार

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- च के बधीन सक्षम प्राधिकारी को,, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपर्ति विसका उचित वाजार मूच्य 25,000/- से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 15, पाचवीं मंजिल, सं० टी० स० एस० नं० 1494, सवाशिव पेठ, पूणा-411030 में है, तथा जो पूणा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जुलाई, 84 कां पूर्वों क्त सम्पत्ति के उपित बाबार मृन्य सं कम के इत्यमान प्रतिपन्न के निए बन्तरित की गई है, और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपरित का उज़ित् बाबार मृन्य, उत्तके इत्यान प्रतिपन्न से एसे इत्यमान प्रतिपन्न का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और वंतरिती (बन्तरितयाँ) से बीच एसे बन्तरूज के सिए तब पाया गया प्रतिपन्न, निम्नुसिचित उज्जेका से उपत बन्तरूज निम्नुसिचित उज्जेका से उपत बन्तरूज निम्नुसिचित उज्जेका से उपत बन्तरूज निम्नुसिचित उज्जेका गया है ।——

- (क) बन्तरण वे हुई किवी शाव की शावत उक्त जीध-रिवाद की विधीद कर दोने के बन्तरक के दायित्य में कभी करणे या उससे वधने में शक्तिश को जिला बीर/वा
- (थ) ऐसी किसी आग या किसी अभि या अन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अधितियों ब्वारा प्रकट वहीं किया गया जा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

1. मैंसर्स भ्रक्षय कन्स्ट्रक्शन कंपनी, 1/2, 'सी' शांती भवन, खा० श्रार० पी० रोड, बम्बई-400080

(भ्रन्तरक)

श्री सुभाष प्रल्हाद, कवीटकर
 1393, शुक्रवार पेठ, पुणा-411002

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृंजों कर क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उच्त स्थावर मम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

न्यस्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का. वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### जनसंची

फ्ला ट नं० 15, पांचवीं मंजिल, सीटी० एस० नं० 1494, सदाशिव पेठ, पूणा-411030 ।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत ऋ० सं० 37ईई/5528/84-85 जो सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रर्जन रेंज, पुणा के दफ्तर में लिखा गया है।)

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

अंत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

दिनांक 16-2-1985 मोहर: प्ररूप बार्ड . टी . एन . एस . ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रजीन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 16 फरवरी, 1985

निवेश सं० 37 ईई/5255/84-85/1095—प्रतः मुझे प्रनिल कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्नाह् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 25, सं० नं० 137/4, कोशश्ख पुणा-411029 है तथा जो पूणा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण क्ष्प से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रार्जन रेंज, पूणा में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन बिनांक जुलाई, 1984 है

- को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विकास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल्न, मिम्नलिक्ति उक्केश्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—
  - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उत्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससं बचने में सुविधा के लिए; और/या
  - (च) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री नीलकंठ, भास्कर कडु,
 242/ए/2, कसबा, पेठ, पूणा-411011

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) प्रतीमा, नंदिकशोर, रोजेकर,
  - (2) नंदिकिशोर, श्रीधर रोजेकर, "पाखर" भ्रपार्टमेट, 70/3बी, एर**डव**णा, पुणा-411004

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुनं (a)

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षंप ह---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्रभ किसी अन्य अयक्ति व्वारा अधोहस्ताकारी के पाक सिसित में किये जा सकरी।

स्यक्ष्तीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वन्त्र

फ्लैट]नं ं 25 मंं ं नं ं 137/4, कोशकड, पूणा-411009 (जैसे कि रिजिस्ट्रीकृत कि सं 37ईई/5255/84-85 जो सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण), झर्जन रेंज, पूणे के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

विनाक 16-2-1985 क्यांक

मोहार 😲

प्ररूप आइ .टी.एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 16 फरवरी, 1985

निर्देश सं० 37ईई/6002/84-85—/1096—-श्रतः मुझे श्रिनल कुमार

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 2'69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समात्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रहे से अधिक है

श्रौर जिन्नि सं० प्लाट नं० 2, फ० प० नं० 473, स० ग्रा० नं० 37 बी/1, गुलटिकडी है, तथा जो पूणे में स्थित है (श्रौर इससे उनाबद्ध प्रनुस्ती में श्रौर जो पूर्ण रूप में विणत है) रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सहायक धायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 190 8 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक धागस्त, 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इक्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके इक्ष्यमान प्रतिफल से, एरें इक्ष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप में किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधान, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :——

 ह० व० बम्ब तथा धन्य, 1235, भवानी पेठ, पुणे-2

(भ्रन्तरक)

मैं० लड्ढा मंत्री,
 1482, सदाणिय पेठ,
 304, व्हाइट हाउस,
 पूणे-30

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्घन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जनस संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितबव्ध. किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिसित में किए जा संकोंगे।

स्पंद्धीकरणः — इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लाट नं० 2, फॅ॰ प० नं० 473, स० स० नं० 37/बी-1, गुलिटिकडी, पूणे।

(क्षेत्र 2)

(जैमे कि रजिस्ट्रीकृत क० 6002/84-85 जो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूणे के दफ्तर में लिखा गया है।

भ्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक 16-2-1985 मोहर: प्रकथ कार्य न द्वी . पुन . पुस ., -------

नायकाड निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) की नधीन स्थना

## भारत सरुकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरोक्षण)

भ्रजन रेंज, पूना,

पूना, दिनांक 16 फरवरी, 1985

निवेश सं० 37ईई/9712/84-85/1097—श्रतः मुझे श्रानिल कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्मारत, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं शिवम, बिल्डिंग, राणाजी रोड, माधवी सोसायटी के नजदीक, डोबीवली, जिला थाना है तथा जो डोबीवली, में स्थित है (औरइससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से बणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पूर्ण में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक सितम्बर, 1984

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उद्यत अन्तरण निचित में बास्तविक क्य से कियत नहीं किया गया है ध-

- (क) न्याडन वे हुई किवी नान् की नानत, उन्त् निपनियम ने अभीन कर बोने के अन्तरक के दायित्व में कसी कारने या लससे बनने में सुविधा के लिए; नार्/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करों जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

बतः भ्व, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, में, उक्त बोधनियम की भारा 269-श की उपधारा (1) के अभीन, निम्मिसिक्त व्यक्तिओं, अथित् स—

 जे० नारीयन, पटेल और कम्पनी
 उभीया, निवास भाडेकलाल ईस्स्टेट, घाटकोपर, बम्बई 400 086।

(भ्रन्तरक)

2. श्री एम० एल० कोलबे कर, के/आ सतीण पुंडलीक बोदो इकर, पारकर बिल्डिंग, पहली मंजिल कापर रस्ता, मारसीनगर संतोगी माता मंदिर, नजदीक, डोबीवली (डब्ल्यू), जिला थाना।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्याहियां करना हों।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप हन्नर

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पक्तीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

# वन्स्वी

णियम बिल्डिंग राणाजी रस्ता, माधवी सोसायटी के नजबीक, डोबीवली, जिला थाना।

(जैसे कि राजिस्ट्रोकृत कि 37ईई/9712/84-85 जी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा गया है।

म्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-पूना

दिनांक 16-2-198**5** मोहर ः प्रका बार्चा, टी.; एन. एक.------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अभीन सुमना भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जनर्ज, पूना

पूना, विनांक 13 फरवरी, 1985

निदेश सं० 37ईई/12013/84-85/1098—श्रतः मुझे श्रनिल कुमार

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी फ्लैट नं 8,2री मैजिल, घर नं 618 पुरना नवधर अम्बई घर नं 61 (पुराना), नवधर, बम्बई है तथा जो थाने में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्णरूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पेंद्र प्रतिकात से अधिक है और जन्तरक (जन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए इस पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्ला में बास्यविक रूप से अधिक नहीं किया गया है है

- (क) अंतरण से हुन्द किसी जान की बाबत, उक्स विभिन्नियम के अभीन कर दोने के बंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के तिए; और/बा
- (क) एसी किसी जाय या जि़सी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिनाने में सृषिधा वै सिद्द;

 गंडालाल कल्याण जी एंड कं०, नवघर मार्ग, बसई, थाने।

(ग्रन्सरक)

 श्री देवेन्द्र काशीनाथ घुरी तथा श्रन्य नयघर, बसई, मार्ग स्टेशन, तार बसई, थाने ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सभ्यत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में क्षेत्र भी वासरे हन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश्व से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्वक्तियों में से किसी स्वक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वना के स्वप्त में प्रकाशन की तारींब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मति में हितवद्रभ किसी अन्य स्थिकत द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए वा सकेंगे।

भ्यष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित्य हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# RIVER.

फ्लाट नं० 8, 2 री मंजिल, घर नं० 61 (पुराना), नवचर बसई, मार्ग, बसई, थाने ।

(क्षेत्र: 660 चौ० फि॰)

(जैसे कि र्राजस्ट्रीकृत कि सं 12019, जो नवस्वर, 1984 को सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पूणे के वफ्तर में लिखा गया है।)

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजम रेंज, पूना

वंतः नव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण वो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्मलिकित व्यक्तिक्यों, अर्थात ■—

विनांक : 13-2-1985

मोहर 🕄

प्रकम बाह्र . टी. एन . एस .----

नायकर नोधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) के नुधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक जायकर जायकर (जिह्नीक्षण) ग्रर्जम रोज, पूना

पूना, विनांक 16 फरवरी, 1985

निर्देश सं० 37ईई/6960/84-85/1099—म्ब्रतः, मुझे, भनिल कुमार

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके प्रशाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269-क के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विस्का उचित बाजार मून्य 25.000/- रहे. से अधिक हैं

और जिसकी सं ध्लाट नं. 502, पांचवीं मंजिल, नारायण चेम्बर्स, 555/1 2 और 4 नारायण पेठ, पूना-411030 है तथा जो पूणा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध प्रनुस्ची में और जो पूर्ण रूप से वाणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, पूमा में रिजस्ट्रीकरण ग्राधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक दिनांक ग्राव्वसर, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तद्भाया जवा प्रतिफल, निस्तिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में नास्तिक रूप से कृषित नहीं किया गवा है है—

- (क) जन्तरण ते हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिमियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निय; जरि/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को बाहु भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, कियाने में मृतिका के सिए:

बतः वयं, उक्त विधिनियमं की भाष 269-गृ के अनुसरण मा, की, उक्त विधिनियमं की भारा 269-में की उपधारा (1) इं अधीन, निम्नतिविद्य व्यक्तियों, व्यक्ति क्रास्त्र

- दोशी श्रोमोटर्स (नारायणवास कवलवास), (नवयुक) कर्ता पी० एन० दोशी,
   555, नारायग्र पेठ, पुणा-411030।
   (ग्रन्तरक)
- श्री पिसे चन्द्रकांन्त नारायण राय,
   426/1, नारायण पेठ, पूझा-411030 ।
   (अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के तिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

बक्त सम्मत्ति के सर्वन् के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबीध बाद के समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विविद्या में किए आ सकाँगे।

स्वष्ठीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

## वनुसूची

प्लाट नं० 502, पांचवीं मंजिल, नारायण चेम्बर्स, 555/1 2 और 4, नारायण पेठ, पूणा-411030 । (जैसे कि र्राजस्ट्रीकृत ऋ० सं० 37ईई/6960/84-85 जो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन र्रेज, पूणा के दपसर लिखा गया है

धनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 16-2-1985

मोहर 🛭

त्ररूप नार्द्, टी. <u>एत.</u> एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के जभीत सुमना

## भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज,पूना

पूना, दिनांक 16 फरवरी, 1985

निदेश सं० 37ईई/5280/84-85/1100—श्रतः मुझे श्रानल कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इतमें इसके पश्चात् 'स्वत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट, नं० 8, दूसरी मंजिल, कोनार्क प्रपार्ट-मेन्ट, 175, ढोले पाटिल रोड, पूणा-411001 है, तथा जो पूणा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्स (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 क 16) के श्रधीन दिनांक जुलाई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निवित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण किवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ब्र—

- (क) वंतरण ते हुइ किसी बाय की वावत, जक्त बिभिन्यम के अभीन कर दोने के वंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविभा के लिए; ब्रॉर/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरियी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया आना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए:

अतः जन, उस्त जिथिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण, में, में, उस्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभित् :---

- करीम्रा बिल्डर्स ।
   हरमेस नेष्ट,
   844, दस्तूर मेहर रोड, पूणा-411001 ।
   (भन्तरक)
- श्री कलपेश एस० शहा,
   पलेरीयाना, सोसायटी,
   बोट क्लब रोड, पूणा-411001 ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सुच्यृत्तिः, के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुएं।

उस्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी क्यस्तियों पर सूचना की तात्रील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वे क्य क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति सुवारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसं 45 विन् के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध् किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पव्दिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हर्भ अधिनियम के अध्याय 20-क के परिशावित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

फ्लैट नं० 8 दूसरी मंजिल, कोनार्क} ग्रपार्टमेन्ट, 175 ढोले, पाटील रोड, पूणा-411001 ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत ऋ० मं० 37ईई/5280/84-85 जो सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पूणा के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रीनल कुमार सक्षम प्राधिकारी : सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, पूना-411001

दिनांक- 16-2-1985

मोहर:

# प्रकल भाइ . टी. एन. एस: -----

# भाधकर विधितियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 2**69-व** (1) के मधीन सूचना

## भारत तरकार

भाषांत्रिय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 16 फरवरी 1985

निदेश सं० 37ईई, 5258, 84-85, 1101—अतः मुझे अनिस कुमार

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25, 00%/- रु. से जिथक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 9, तीसरी मंजिल, कोनार्क, अपार्ट-मेन्ट, 175, ढोले पाटील रोड, पूना-411001 है तथा जो पूना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण). अर्जन रेंज, में रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 84 कि पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान शृतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से, एसे दृश्यमान प्रतिकाल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया गित-क्षण निकति उद्दर्शन से उक्त कन्तरण निकति में वास्तीयक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे उचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी बाब या किसी धन या अन्य आरितवाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उत्तर्त आधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कें प्रयोगभार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गयः भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण मों, मीं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातृ:—— करीआ धिल्डर्स
 हरमेस नेस्ट,
 844, डी० एम० रोड, पूना-411001

(अन्तरक)

2. बकाड बोल्फ, इंडिया, लिमिटेड, 16, निर्मल, नरीमन बम्बई, प्याइंट बम्बई-21 (अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहिया कारता हूं।

## उन्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इब सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीय से 45-विन की जबीध या सत्सन्धन्थी व्यक्तियों पर सूचना की ताजीय से 30 दिन की जबीध, या भी जबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेशिक व्यक्तियों में भे किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संप्रीत में दिन विश्व स्थानर संप्रीत में दिन विश्व स्थानर संप्रीत के एक जिल्ला में किए जा सकती।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, बही अर्थ शोगा जी उस अध्याय में विया भवा है।

# अनुसूची

्रव्लाट नं० 9, तीसरी मंजिल, कोनार्क, अपार्टमेन्ट, 175 ढोले, पाटील रोड, पूना-411001 ।

(जसे कि रजिस्ट्रीकृत कि 37ईई, 5258/84-85 जो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार सक्षम प्राधिकरी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक 16-2-1985 मोहरः प्रकम बाहाँ, टी, एन, एस,------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 18 फरवरी 1985

निदेण सं० 37ईई, 6151, 84-85, 1102—अतः मुझे अनिल कुमार

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं),, की भारा 269-स के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 5, फ्लैट नं० 35, सं० नं० 129, आयडीयन कालोनी, कोयरुड, पूणे-411029 है, तथाजो पूणा में स्थित है (श्रीर इससे उपात्रक्ष अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 84

को पूर्वीत संस्पिति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने, का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य,, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिद्यात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नतिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक स्प से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जनसरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त जिथिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे जनने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (क) एसी किसी अाय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रतिप्रति देशारा प्रदेश नहीं किया गया आ या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

सतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) कै अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :≖ज

- एस० वाय० चोपर्ड, प्रोप्राइटर चोपर्ड, इंजीनियर्स, ग्रौर कास्यकूर, 1622, सदाशिव पेठ, पूणे-30 (अन्तरक)
- 2. श्रीमती एस० ष्ठी० वाचाल, 841 (नया), सदाणिय पेठ, पूणे-30 (अन्तरिती)

को यह सूचना जा<u>री करके पूर्वोक्स सम्पर्तित के</u> अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

# उभद सम्पृतित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप ----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिश की अवृधि या त्रसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तागील से 30 दिन की जबिध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इस्में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही़ अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फ्लॅंट नं. 5, प्लाट नं. 35, सं. नं. 129, आमङीयल कालोनी, किश्वरुङ ह्रेणे-411029।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत क. सं. 37र्हर्ह /6151/84-85 जो सहायक आयक आयक्त (निरीक्षण), वर्जन रंज, में लिखा गया है।

अनिल क्र्मार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज, प्ना

विनांक : 18-2-1985

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,पूना

पूना, धिनांक 18 फरवरी 1985.

निवेश सं० 37ईई, 530, 84-85, 1103—अतः मुझे अनिल कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 308, प्लाट नं० 4,5,11 एस० 21, वसई रोड, जिला थाना है, तथा जो थाना में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अमुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित के वास्तविक इप से कथित वहीं किया गया है अ

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में सुविधा के लिए;

अतः अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, डक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

मैसर्च रश्मी थिल्डर्स,
 23, होंगर्शी, रोड, 83, मलबार हिल,
 बम्बई-400006

(अन्तरक)

श्रीमती किरन थामस,
 6 रोक, व्हील, 8 पाटील हिल रोड,
 धम्बई-400052

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों;
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सो 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### बराम औ

फ्लाट नं० 308, प्लैंट नं० 4.5.11 एस 21, असई रोड, जिला थाना ।

(जैसे कि रिजिस्ट्रीकृत क॰  $37 \$ \$_1 530_1 84 \text{-} 85$  भी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूणा के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक 18-2-1985 मोंडर 3 प्रस्प आह", टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 16 फरवरी 1985

निदेश सं० 37ईई<sub>।</sub> 5257<sub>।</sub> 84-85<sub>।</sub> 1104--अतः **मुझे** अनिल कुमार

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं० पलाट नं० 17, तीसरी मंजिल, कोनार्क, अपार्टमेन्ट, 175 ढोले पाटील, रोड, पूमा-411001 है, सथा जो पूना में स्थित है (श्रीर इससे उपाध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण अधि नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जुलाई,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण जिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमे अवने में सुनिधा के लिए; और/या
- (च) ऐसे किसी बाब का किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, एर धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में पविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् :--- करीआ बिल्डर्स
 हरमेस नेस्ट,
 844, डी० एम० रोड, पूणे-411001

(अन्तरक)

 बकाळल्फ इंडिया, लिमिटेड, <sub>1</sub>16, निर्माण नरीमन प्वाइंट, धम्बई-21

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मस्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरी।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दियां गया है।

## बन्स्की

प्लाट नं 17, तीसरी मंजिल, कोनाकं, अपार्टमेन्ट, 175, होले पाटिल, रोड, पूणा-411001

(जैसे कि रिजिस्ट्रीकृत के० सं० 37ईई, 5257, 84-85 जो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूणा के क्पतर में लिखा गया है।

अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना,

दिनांक 16-2-1985 मोहर 🛭 प्र**भग जाहाँ**ह्य द्यीत एसत् एस<sub>्ट</sub>ड----

बायकर क्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन सुमना

#### मार्व बहुका है

कार्यालय, सहायक' आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज,पूना

पूना, दिनांक 18 फरवरी 1985

निदेश सं० 37ईई, 799/84-85/1221—अतः मुझे अनिल कुमार

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 26,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं० जमीन स० नं० 308, बी तलगांव तालुका, तुंलंगाव, जिला नासिक है तथा जो नासिक में स्थित है (म्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में मौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अभीन दिनांक जुलाई, 1984

- को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से ,, ऐसे इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उब्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक स्पू से कथित नहीं किया गया है :---
  - (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीत कहा दोने के बन्तरक के सामित्य में कभी कहाने वा उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
  - (क) एसे किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्तः अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया खाना जाहिए था, स्थिनने में स्विधा वे लिए%

जतः ज्या, उक्त विभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तिकों के वर्षात ः—  मसर्स बोम्बे, फोरगन्स, प्रायवेट लिमिटेड, महेन्द्र स्पायसर बिल्डिंग, 15, जे० एन० हरदीया मार्ग, बालाड इस्टेट, बम्बई-400 038 ।

(अन्तरक)

2. मैसर्स रत्नीस्टाईन होडन (एस०) प्राय० लिमिटेड, महीन्द्र स्पायसर बिल्डिंग, 15 जे० एन० हरवीया मार्ग, बालाड, इस्टेट, बम्बई-400 038।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सुम्पत्ति के जर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सुचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तार्रीच से 45 दिन की अविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्म्बद्धीक रण: ——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वनवर्षी

जंमीन स॰ नं॰ 308, बी, तलेगाब तह॰ इगतपुरी, जिला नासिक।

(जैसे कि रिजस्द्रीकृत कि संव 37ईई, 799, 84-85 जो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूणा के दफ्तर में लिखा गया है।

> अतिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना-411001

दिनांक: 18-2-1985

मोहर 🛭

## बक्य बाह् ही एन एस ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सुचना

#### शारत सरकाड

## कार्यांचय, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 22 फरवरी 1985

निदेश सं० 37ईई, 5226, 84-85, 1109—अतः मुझे अन्छि कुमार

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रः से अधिक हैं

म्रीर जिसकी सं० सं० नं० 27, प्लाट नं० 21, इहानुकर कालोनी, कोणरु , पूना-411029 है, तथा जो पूणा में स्थित है (मीर इससे उपावद अनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से बर्णित है) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1984

कक् पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित्र बाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) बन्तरण ते हुइ किसी आय की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अव, अक्त अधिनियम की भारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तित्यों, सुर्थात् ः—  श्रीमती नीला बाई, लक्ष्मन साने, 1058, शुक्रवार पेठ, सुभाषनगर, पूणे-411002

(अन्तरक)

 श्री सतीध नारायण वैध्यायन, 477,ए, परवती "सौरभँ", पूना-411009

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्ष्यन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

## उक्त संपरित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप 3--

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रवारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंह-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाचितरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-कं में परिभाषित हैं, शहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वम्स्ची

स० नं० 27, प्लाट नं० 21, डहानुकर कालोनी, कोशरुड, पूना-411029

जैसे कि रजिस्ट्रीकृत कः 37ईई, 5226, 84-85 जैसे, 84 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना में लिखा गया है।

अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक 22-2-1985 मोहर :

## प्ररूप बार्च .टी .एन .एस . -------

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के सधीय स्थना

भारत सरकार

## कार्यास्य, बद्दायक बावकर बावका (निर्देशका)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 20 फरवरी 1985

निवेश सं० 37ईई, 6206, 84-85, 1108-अत: अनिल कुमार

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसको उचित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से **अधिक ह**ै

भौर जिसकी सं० जमीन प्लाट नं० 65, स० नं० 134-1-ए, हिस्सा नं ० 9, भाबडी, शिवाजी नगर, पूणे-411016 सिटी स० नं० 27, 2, ए, 1, 65 है, तथा जो पूणा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाधन अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज,पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1984

क्ये पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के प्रयमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्येक्ति संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवात से जिथक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिक्कित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गड़ा है ह---

- (क) बन्तरम सं हुन्दं फिसी बाद की बादत्, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी कर्दने, या उससे वचने में सुविधा के जिए; और∕या
- (च) एसी किसी अगय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कौ प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुबारा प्रकट नहीं किया ग्या थाया किया भाना चाहिए था, शिवाने में स्विभाके लिए;

नतत्र अव उक्त निधिनियम की धारा 269-ग भी अनुसरम में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात :---

 डा० श्रीमती, मकुसल, नारायण राजवाडे, द्वारा क्ही० एस० घाटे. 326, शनवार पेठ, पूणा-411030

(अन्तरक)

2. युनाइटेड बिल्डर्स 326, शानिवार पेठ, पूर्ण-411030

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई आक्षोप :--

- (क) इस स्थाना को राजपत्र में प्रकाशन की तहरीय से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी व्यविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए पासकांगे।

स्पटकीक रण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### जन्स्ची

जमीन प्लाट नं० 65, सं० नं० 134,1,ए हिस्सा नं० 9, भावुडी, शिवाजी नगर, पूर्ण-16 सिटी स० नं० 27,12,ए,1,65

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत फ़ै॰ सं॰ 37ईई,6206,84-85, सितम्बर, 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना में लिखा गया है।

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सहायक अर्जन रेंज-पूना-411001

दिनांक 20-2-1985 :

मोहरः

# भूकप<sub>ः</sub> बाह्<sub>र</sub>्दी<sub>य</sub> एव*ः* ए**व्**ट वक्षत्र व

# आयकर निभित्तियम, 1961 (1961 का 43) की पाड़ा 269-म (1) के नभीत सूचना

#### गाँउ चंडकार

कार्यांशयः,, सहायक बायकर बायकः (निर्देशक)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनौक 20 फरबरी, 1985

निदेश सं० 37ईई, 6115, 84-85, 1107—अतः मुसे अभिल कुमार

नायकर मधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित नामार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ष्मौर जिसकी सं० फ्लाट नं० 2, निचली मंजिल, सं० नं० 25 हिस्सा नं० 20, फ्लैट नं० 44, हैप्पी कालोमी, कोथरूड, पूणा-29 है तथा जो पूणामें स्थित है (ग्रीर इससे उपाद्ध अनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफ्ते, यह विश्वास् करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित याजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्ग) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी नाय की बावत<sub>ा</sub> उत्तर वर्षित्यक के अभीत कर बने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुनिक्त के सिए; और्/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आहितयों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्क अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशासनार्थ अक्तरिसी द्वारा प्रकट, नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा औं किए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्चित व्यक्तिकारों, अर्थात् ॥—

- 1. बी॰ एस॰ कुलकर्णी, भीर कंपनी, रवी बिल्डिंग, ब्लाक नं॰ 12, अलका टाकीज के सामने, 8,2, सदाशिब पेठ, पूना-411030 (अन्सरक)
- 2. श्रीमती विभाषरी, विनायक नेसारीकर, द्वारा, जी० के० महाजन, 21, सुराना विल्डिंग कैंप्टन, चाफेकर मार्गे, मुकुन्द नगर पूणा-411037

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की व्यथि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (थ) इस त्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीथ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबव्ध किसी जन्म स्थाक्त व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

न्यव्द्रीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नन्स्ची

फ्लाट नं ० 2, निष्यमी मंजिल, स० नं ० 25, हिस्सा नं ० 20 पी, प्लाट नं ० 44, हैप्पी कालोनी, कोथरड, पूर्ण-29

(जैसे कि रिजिस्ट्रीकृत कम सं० 37ईई, 6115, 84-85 सितम्बर, 84 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, में लिखा गया है।

अमिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-पूना-411001

दिनांक : 20-2-1985

प्रकल बाही, द्वी. एवं, एकं, प्रचानन

जायकर स्थितियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-भ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यासय, सहायक आयकर बाव्यत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 20 फरवरी 1985

निर्देश सं • 37 ईई/12534/84-85-अतः मुझे अनिल कुमार

नायकार मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निविनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से निधक हैं

श्रीर जिसकी सं 0 401/402 फिरी हिरन स्टेशन रोड़, भाडार (वेस्ट) जिला थाना है तथा जो भागर जिला थाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है) रिजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार सूल्य., उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बंग्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया नया बतिफल, निम्मलिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण निचित्त में बास्तिथिक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एँसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह<sup>3</sup> भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिए।

कतः बस, उक्त अभिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरक भी, भी, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) को अभीन, निस्तिलिसित अ्यक्तियों, अभित् !--- (1) मेसर्स शिव शक्ति बिरुडर्स कांग्रेंस (आय) आफ़िस के बाजू में स्टशन रोड़ भांगर जिला थाना ।

(अन्सरक)

(2) जार्ज गोम्स भीर उषा गोम्स, जोसेफ गोम्स, 301, 302 मथुरा नगर, भोडार जिला थामा ।

(अन्तरिती)

की यह सुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की जनभि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनभि, जो भी अवधि बाद में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यव्यक्तिकरणः ---- इसमें प्रयुक्त खब्दों और वर्षों का, को उक्त विधितियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

## **मन्स्**ची

401-402, किटी विलिज, स्टेशम रोड़, भांडार (वेस्ट) जिला थामा

जैसा कि रिजस्ट्रीकृत संख्या 37ईई/12534/84-85 दिसम्बर 84 को सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज में किया गया है।

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक 20-2-1985 . मोहर: प्ररूप भाईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, विनांक 20 फरवरी 1985

निर्देश सं० 37ईई/6071/84-85—अतः मुझे, अनिल कुमार

अग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाप्ट नं० 308, तीसरी मंजिल, हाउस नं० 2416 इस्ट स्ट्रीट जनरल शोपया रोड़ पृणा 411011 है तथा जो पृणा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)अर्जन रेंज में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल के पन्न्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिव्क रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने यम उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के उनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) मेलर्स मकवाना ऋदर्स, 441 सोमवार पेठ पुणे-411011 (अन्तरक)
- (2) श्रीमती इंदुमती रामचन्द्र वाप श्रीर साथी 368 नया रास्ता पेठ, पृणा-411011

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हालेगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **जम्**स्ची

प्लाट नं ० 308 जो तीसरी मंजिल हिस्सा नं ० 2416, इस्ट स्ट्रीट, जनरल थीमय्या रोड़ पूणा-411001

(जैसे कि रिजिस्ट्रीकृत कं० 37ईई/6071/84-85 सितम्बर 84-85 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है)

> अतिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : '20-2-1985

## प्ररूप आइं.टी.एन.एस------

अवायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज़, हैदरावाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च 1985

निर्देश सं० आर०ये० सी०नं० ४19/84-85--अतः मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० घर है तथा जो रामचन्द्रापुरम इस्ट गोदावरी जिला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है ) रिजिस्ट्रीकर्त अधिकारी के कार्यालय रामचन्द्रापुरम में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1984

को प्वांकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल सं, एसे स्रथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अंतरण से हुई किसीं आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री इ० कार्सा विस्वनाथन पिता शेषायम, रामनन्द्रापुरम जिला इस्ट गोदावरी।

(अन्तरक)

(2) श्री के ० सीयच रामाराव पार्टनर श्री किशीर धाकीज, रामचन्द्रापुरम, जिला इस्ट गोदावरी।

(अन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी माओप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अधिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तित्यों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं \$5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

#### and and

घर नं ० 10-1-10, रामचन्द्रापुरम, इस्ट गोदावरी जिला रिजस्ट्रीकृत विलेख नं ० 2305/84 रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी रामचन्द्रापुरम ।

एम ० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 12-3-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

# भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के बुधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांवः 12 मार्च 1985

निर्देश सं० आप० ए०सी,०नं० 420/84—85—अत: मुझो, एम०जगन गोहरः

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के गथीन सक्षम गरियलारी को ग्रह िण्याम करने का कारण है कि स्थायर गंपरित जिसका उचित बाहार मून्य 25,000/- राज्यो में गरिया है

श्रीर जिसकी संस्था घर है तथा जो नगर एपस, इरट गेंदावर. जिला में स्थित है (श्रीप इससे उपायर अनुसूची में श्रीप पूर्ण म्या से बाणित है) 'जिस्ह्रे:कर्ता अधिकार' के कार्यालय नरसापुरस में पीजस्ट्रे:कर्राण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अर्थःन नारीख जुलाई 1984

को पूर्वीवा सम्पतित वे उचित बाजार म्स्य से कम के इरश्मान प्रतिफल के लिए अल्वरित की गई है और मुक्ते गह विश्वास करने का कारण है कि मधापूर्वीक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मुन्स, उभके दश्यमान प्रतिफल में, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के रिष् त्य पास प्रतिकाल कि निक्री कि त्यूर्यकेय से उच्हे अंतरण लिखित से बास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरक से हुइ किसी आम की बाबल उक्त सिपिनियम के सभीन कर दोने के सन्तरक की दायित्व में कभी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी बाय था किसी भन था अन्य आस्तियों का, जिन्हां भारतीय आय-कार प्रिन्थम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए.

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत :---

(1) श्री वाई० सस्यवेदम, जी०पी०ए०श्री के० विलसन, 11थ वार्ड, नरसापुरम, वेस्ट गोदावरी जिला।

(अन्तरक)

(2) श्री एन ० वेंकटा कृष्णा किशोर, वेलीवेन्यू, नरसापुरम, डी ० नं ० 9-11-14, इस्ट गोदावरी जिला

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है,

## **अनुसूची**

घर संपती, डी ० नं ० 9-11-14, नरसापुरम, म्यूनिसिपल एरिया, इस्ट गोदावरी जिला रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 1030/84, रजिस्ट्राकर्ता अधिकारी नरसापुरम ।

> एम ० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनां इ: 12-3-1985

प्रकृष् बाह्\*ु टी्ु एन . एस .------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

#### भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैबराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1985

निर्देश सं०े श्रार० ए० सी० नं० 421/84-85--श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह जिस्त्रास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रहे से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० घर है तथा जो वैद्याग में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से विश्वत है), रिजर्झीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, वैद्याग में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयग, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख जुलाई, 1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमाउ प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितों (अंतरितम) के बीच एस अन्तरण के लिए तय नाया गया प्रति-कल, मिम्नलिखित उद्देश्य स उच्च अन्तरण लिखित में बास्ट-क्कि रूप स किथित नहीं किया गया है:——

- (क) बण्तरभ से हुइ निस्तां नाय की बावस उक्त किया निसम के ब्राधिन कर वोचे के ब्रायितक में किया करने या उससे याने में सुविधा के सियं; बार मा/
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती युवारी प्रकट नहीं किया गया वा किया जाना वाहिए था, जिपाने म सुकिमा के लिए;

अत. बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनियन स्पिक्तयों, अर्थात् ा⊶

 (1) श्रीमती वाई० लीला बाबूपित श्री वाई० बाबू,
 डी ० नं० 50-101,
 2-ई, राजेन्द्र नगर,
 विशाखापटनम । ′

(भन्तरक)

(2) श्रीमती पी० मधुरा मीनाक्षी पति श्री पी० एस० राम कृष्णा, डी० नं० 50-81-72, विषाखापटनम ।

(श्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वीकत संपत्ति के अर्जन के लिए कायवाहियां शुरू करता हैं

उन्त सम्पत्ति हो अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूधना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारों को पास लिखित में किए जा सकींग।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रमुक्त कन्दों और पर्दों का, जो जनत अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **बन्स्ची**

घर सम्पत्ति डा॰ नं॰ 50-101-2 ई॰, रेजूलाबारी-पालेम, वैझाग, राजस्ट्रीकृत विलेख नं॰ 8764/84, रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी, वैझाग।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी नहायक श्रायकंर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12−3−1985

माहर 🛪

प्रकप् बाइ, टी. एन्. एप. ----

नायकड मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन स्थना

## भारत सहस्रार

कार्यालय, महायक जायकर जायक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1985

निर्देण सं० श्रार० ए० सी० नं० 422/84-85--श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम 1964 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अभीन सभाग प्राधिकारी को यह विश्वस करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उकित बाजार मृल्य 25,000/- सं ऑधक है

श्रीर जिसकी सं० घर है था जी गांधी नगर, श्रीकाकूलम में स्थित है (श्रीर इससे उपाधक अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित

- है), रजिस्ट्रीयर्ता श्रीविकारी के वार्यालय, जुलाई, 1984 की पूर्वीक्त सम्पोरत के उचित बाकार मृत्य से काम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की कि है जार मृत्रे यह विश्वाद्य करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान श्रीतिफल का, एमें श्रूपमान श्रीतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक ही और अंजरक (अंतरको) आर बंजरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तर्थ के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखित उद्दावप से उक्त अन्तरण जिखित में बास्टिरिक की ही की की मही विश्व, गया हुँ:--
  - (क) अन्तरम् धे हुके किसी आय की बोस्त, उश्वद्ध अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरम के दासिस्थ में कभी करने या उससे अभन में सुनिभा के लिए; और/भा
  - (क) एसी किसी आय मा किसी धन या अन्य आसिसयों को जिन्हों भारतीय आयकार जीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीधनियम, या धन-अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तिरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, स्थिपने में स्विधा की लिए;

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविधित अधिसत्त्रों, अधीत :~ ... (1) श्री के० वेंकटा लक्ष्मी नरसा कामूस्वरमा पति श्री व्ही० शिव प्रासाद राव, श्रीकाकूलम ।

(भ्रन्तरिती)

(2) श्रीमती पी० यक्षोद्या पति डा० विस्वनाधम, गांधी नगर, डी० नं० 7-3-98, श्रीकाकूलम ।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यक में अकाशन की तारीख में 45 दिन को अवधि या उत्पाक्तियां व्यक्तियां पर सूचना की तारीज से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद या समाध्य होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति ब्रावार;
- (क्ष) इस स्चना के राजपकृषे प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

## वन्त्र्यी

घर सम्पत्ति नं० 7–3–98, गांधीनगर, श्रीकाकूलम, टाऊन, र्रिनस्ट्रीकृत विलेख नं० 2007/84, रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी, श्रीकाकूलम ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख : 12-2-1985

मोहर 🛚

प्ररूप जाइ. टी. एन. एस...-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक, 12 फरवरी 1985

निदेश सं० भ्रार० ए० सी० नं० 423/84-85--- म्रतः भुक्ते, एम० जगन मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्रतिभकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका डाँचत बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० घर है तथा जो दानाबाइपेटा, राजमुड़ी में स्थित है (श्रीर इशसे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रार पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, राजमुंड़ी में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई, 1984

को पूर्विकत सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफलें के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यशाप्त्रिंकत सक्यिति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यभान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अत्रितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्यित में बास्तियक क्ष से किंचत नहीं किया गया है :---

- (क्ष) बग्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने की अन्तर्क को दायित्व में कभी करने या उससे बणने में सुविधा के निए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथों अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ;— (1) श्रीमती पी० विजय लक्ष्मी पति श्री भरतूडू, दानावाईपेटा, 46-7-47, वैझाग ।

(ग्रन्तरक)

(2) डा० ए० वेंकट रावू,
 एम० डी०, 46-12-21/ए,
 दानवाइपेटा, राजमुंड़ी ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अमुसूची

घर सम्पत्ति, डी० नं० 24/317, दानवाईपेटा, राजमुंड़ी, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 6602/84, रिजस्ट्रीकर्नी श्रिधिकारी, राजमुंड्री ।

मए० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, हैदरा**दाद** 

तारीख : 12-3-1985

मोहर 🔅

प्रस्प बाह्यं, दी. एष् प्रस् व 🗠 🕫

# भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुकना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्द्रीक्षण) प्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 424/84-85-श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० घर है तथा जो राजमुंड्री में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में ग्रौरपूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजमुंड्री में रिजस्ट्रीकरण ग्रिध-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख जुलाई, 1984

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का बारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके स्थमान प्रतिफल से एसे सब्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिशित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) कस्तरण से हुई किली बाव की बावत उक्त विश्व-नियम के अभीन कर बेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; सहि/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकार अधिनियन, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या चृद्ध-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया चा वा किया जाता सिंहए चा, स्थिपने में स्विधा जे लिए;

बतः सथ, उक्त विधिनयम की धारा 269-व से अनुवरण पैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीय, निम्निलिखित व्यक्तिसों, अर्थात् :---- (1) श्रीमती बी० शेषमम्बा पति श्री रामानुजय्या, गांधी पुरम नं० 2, राजमुंड्री ।

(धन्तरक)

(2) श्री वी० जीवथारम पिता श्री वासूमल, डी० नं० 13-113, जी० पी० नगर, राअमुन्ड्री ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारो करके पूर्वोच्छ उम्मोरित को खर्चन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्तु सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध् में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस दुवारा;
- (का) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस- बद्दम किसी अन्य स्थावत इवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सक्षी।

स्मब्दीकरण:--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकतः अधिनयम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया मया है।

#### जनसंची

घर सम्पत्ति डी० नं० 13-113, जी० पी० नगर, राजमुंड्री, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9692/84, रजिस्ट्रीकर्पा श्रिधकारी,राजमुंड्री ।

> एम० जगन मोहन / सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-3-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आह. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकाह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद,दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेशसं० धार०ए० मी० नं० 425/84-85—श्रत:मझे, एम० जगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका 'उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो काकीनाडा तालुक, ईस्ट गोदावरी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काकीनाडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 गा 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास का का का का है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जान की नावत, खबत जीभीनयम के अभीन कर दोने के जन्तरक की बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुनिभा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी बाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात क्र--- (1) श्री कोडीसेटी बाबूपिता श्री नरसीम्हम,काकीनाडा ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सुब्बा राया सोलवेंट ग्राइल एक्सटेंगन लिमिटेड । सरपावरम, काकीनाडा--533009।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर सम्पत्ति में हित-बष्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि विस्तीर्ण 2-29, एकड़ काकीनाडा तालुक, ईस्ट गोदावरी जिला, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ं 7537, 7538 7511/84, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, काकीनाडा।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाष

तारीख ; 12-3-1985

सोहर 🕆

## प्ररूप बार्ह. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 14 मार्च 1985

ह्यराबाद, विनास 14 मान 1985 रिकेट मंद्र स्ट्रांट के 10/104

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 426/84--85---ग्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो जावंतीपुरम, जग्गय्यापेटा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जगगाइपेट में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख जुलाई, 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत को लिए अन्तरित की गई है और भुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से एसे दृश्यमान प्रतिकृत के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया प्रतिकृत, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण के सिंह में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किती आय की आबित, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक को दामित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सृविभा के सिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अधीन,

(1) श्रीमती श्राडोधूपिकी पतिश्री कृष्णा, जयन्ती पुरम, जगयापेट तालुक, कृष्णा जिला।

(भ्रन्तरक)

(2) दी श्रांध्रा सं.मेंट कं० लि०, जग्गयपेट, वाई वी० बी० श्रार० सूर्यम, जनरल मैनेजर (प्रोजेक्ट)।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितवव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किये जा सकर्गी।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नवा हाँ।

### नन्त्र्या

भूमि विस्तीर्ण 18.63 एकड़ जयन्ती पुरम, जग्गयापेट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2470, 2471, 2475 और 2791/84, रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, जग्गयापेट ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद ह

तारीख : 14—3—1985

मोहर 🛭

प्रारुप बाइं. टी. एन. एस -----

ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, 14 मार्च 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 427/84-85-यतः मुझे, एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् (उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो पाटामाटा, विजयवाड़ा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी क्र कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई, 1984

का पूर्वेक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाकित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकेट नहीं किया गया था सा किया जाना चाहिए था, छिपाने में गृजिधा के लिए।

श्री टी० रमेश
 पिता श्री वॅकटाकुष्णया,
 पेनाकाकूर,
 विजयवाड़ा तालुक।

(भ्रन्तरकः)

(2) श्रीमती बाम्मा रेड्डी सीता महालक्ष्मी पित श्री राम कृष्णा रेड्डी, चन्द्र मौलीपुरम, विजयत्राडा ।

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इसं सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त क्षस्यों और पर्यों का ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा ओ उस अध्याय में दिया वया है।

## वन्स्पी

खुली जमीन, विस्तीर्ण 284 चौ० गज, पाटामाटा, विजयवाड़ा, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5100/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, विजयवाड़ा ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंग, हैदराबाद

तारीख : 14-3-19इ5

प्ररूप बाइ .टी.एन.एस.-----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) भर्जन रेंज, हैसराबाद

हैवराबाद, दिनांक 14 मार्च 1985

निदेशसं० भ्रार०ए०सी० नं० 428/84-85—श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से विधिक हैं

भौर जसकी सं० घर है था जो मोगलराजपुरम, विजयवाड़ा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबक अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता भविकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण भविनयम, 1908 (1908 का 16) के भवीन, तारीख जुलाई, 1994

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पांया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर वाने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/बा
- (क) ऐसी किसी अप या किसी थन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनायम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया मा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा सविधा के सिए;

अतः बनः, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मंं, अक्त अधिनियम की धारा 269-म भी उपधारा (1) के अधील, निम्नलिखिठ व्यक्तियों, अधीत् :— (1) मैं० श्रष्टणा बिल्डर्स, विजयवाड़ा ।

(मन्तरक)

(2) श्रीमती एम० सत्यवती, पति श्री पांडूरंगा राव, मोगल राज पुरम्, विजयवाड़ा ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन की अविधि ं या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पव्यक्तिरणः ----- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का वो उथत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नगरा मार्थी

फ्लैट विस्तीर्ण 800 चौ० फुट, मोगलराजपुरम, विजय-वाड़ा, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4661/84, रजिस्ट्रीकर्ता म्रधिकारी, विजयवाड़ा ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीखा : 14-3-1985

मोहरः

मुक्द बाइ. टी. एम. एस.--- = ----

बायकर् अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर जायक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 मार्च 1985

निवेश सं० मार० ए० सी० न० 42 **५**84-85--मतः मुसे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-स्त से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं घर है तथा जो पाटामाटा विजयवाड़ा में स्थित, है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिवित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निवित में बास्तविक रूप से कथिव नहीं किया गया है

- (4)) अन्तरुष से हुई किसी आय की वासत्, उक्त वृधिनियम् के वृधीन कर दोने के अन्तरक के समित्य में कमी करने या उससे उपने में सुन्धिम के सिए; और/बा
- (का) एसे किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्त्रियों को, जिन्हें भारतीय सायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कट्ट अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने की लिए;

कतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-प के अनुतरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अभीनः निम्नतिचित स्विचियों, वर्षात् ड---- (1) श्रीमती बी० लक्ष्मी देवी पति श्री बी० वेंकटसुब्बय्या, गायत्री नगर, पाटामाटा, विजयवाड़ा ।

(ग्रन्तरक)

(1) श्रीमती एन० भगवती पति श्री एन० वी० कृष्णा राव, सीताराम पुरम, विजयवाडा- 4।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्तः सम्पत्ति को खर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में काई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस हैं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीच है 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पच्दीकरण: --इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिमम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अगुसुची

इमारत विस्तीर्ण 1050 चौ० फीट, पाचामाटा, विजय-वाड़ा, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6132/84 रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी विजयवाड़ा ।

> एम० जगृत मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भ्राथुक्त (निरीक्षण) भ्रजेंन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 14-3-1985

# प्रकार बार्ड : दी : एक : एक :-----

नाथकर निभित्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन स्वना

#### नारव वरकार

कामा लय, तहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैसराबाद

हैदराधाद, विनाक 14 मार्च 1985

निवेश सं ं आर० ए० सी० नं० 430/84-85--अतः मुझे, एम० जगन मोहन

कायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिगायम' कहा गया हो), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हो , कि स्थावर सम्पत्ति,, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक ही

श्रौर जिसकी सं० घर है तथा जो पाटामाटा, विजयवाड़ा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबक अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण

म्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्रधीन, तारीख जुलाई, 1984

को पूर्वेक्त सम्बक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान असिफास के लिए अन्सरित की गई है कि मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विषय से उक्त बन्तरण निविद्य में अस्तिक क्य से कियत नहीं किया गया है

- (क) नन्तरण से हुई किसी शाय की बाबत, अक्स अभिनियस के अभीन कर दोने के बन्तरक के दासित्य में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के निष्; और/या
- (क) एंसी किसी जाव या किसी भन या अन्य नास्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना था, छिपाने में सविधा खे जिए;

मदाः मन, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण मो, मी उन्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा ﴿।' के अधीन, निस्तिजिखा व्यक्तियों, अर्थातु :---- (1) श्रीमती यू० स्वरूप राणी पति श्री राम लिंगेश्वर राव, पाटामाटा, विजयवाड़ा ।

(ग्रन्तरकः)

(2) श्रीमती बी० श्ररूणा कुमारी पति श्री रामाराव, पाटामाटा, विजयवाड़ा ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्धन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सं कंभी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **अन्स्**ची

इमारत विस्तीर्ण 1030 थौ० फीट, पाटामाटा, विजय-वाड़ा, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4881/84,रजिस्ट्रीकृत ग्रधिकारी, विजयवाड़ा।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 14-3-1985

प्ररूप बाइ .टी.एन.एस .-----

# भायकर निधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वता

भारत सरकार

## कार्यालय, सहार्यक आयकर आधुक्त (निरीक्षण)

• श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 मार्च 1985

निदेश सं० भार० ए० सी० नं० 431/84-85--भ्रतः

मुझे, एम० जगन मोहन

अगयकार अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सकाम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित जाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी मं० घर है तथा जो पाटामाटा, विजयवाड़ा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर, 1984

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित साबार मृत्य से कम के ध्रमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह, विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उप्रित बाजार मृत्य, उसके ध्रममान प्रतिफल हे एसे ध्रममान प्रतिफल के पम्बह प्रतिकात से अधिक है और संवरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-येज, निम्नलिबित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (व) एंसी किसी बाव या किसी धन या अन्य बास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय वायकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरी इवारा प्रकट नहीं किया क्या वाया वाहिए था, किया में स्विभा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्रीटी० सीतारमा प्रसाद पिता
श्री चन्द्रय्या,
पेनाकाकूर विलेज,
विजयवाड़ा तालुक।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मेहर सिंह नर्रासह, पिता श्री टी० मोहन सिंह, ब्रह्मा विधि, विजयवाडा- 1।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मों कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर मुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त स्पक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी जन्म व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीधनियम् के अध्याय 20-क में परिशाधित हैं, यही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिका गया है।

## अनुसूची

खुली जमीन, ग्रीर घर विस्तीर्ण 250 ची० गज ग्रीर 1130 ची० फीट, पाटामाटा, विजयवाड़ा, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6577/84, रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, विजयवाड़ा ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

नारी**ख** : 14-3-1985

## प्रक्षु वार्षे ् टी , ६न , एस . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक जायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 मार्च 1985

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 432/84-85--श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उन्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० घर है तथा जो पाटामाटा, विजयवा ड़ा मे स्थित (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख सितम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्सि का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, मिन्निसिवित चुक्केस से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कनी करने या उससे वचने में सुविधा को लिए; और/या.
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री के० भूषय्या पिताश्री कोटय्या, विजयवाड़ा ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एम० वेंकतेश्वर राव पिता श्री रोसय्या, जांद्रा सन्दू, शिवालयम स्ट्रीट, विजयवाड़ा – 1।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां जुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपुत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्भ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पस्स लिसित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा है।

## क्षपदर्श

इमारत पाटामाटा, विजयवाड़ा, विस्तीर्ण 255 चौ० गज, ग्रीर 1100 चौ० फुट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1772/84, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, विजयवाड़ा ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 14-3-1985

मोहर 🚁

# प्ररूप **बार्<u>ः टी.</u>एन**.्रस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 मार्च 1985

निदेश सं० आर०ए०सी० नं० 433/84-85--अत: मुझे, एम० जगन मोहन

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के जधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने को कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० घर है तथा जो पाटामाटा, विजयवाड़ा भें स्थित (भौर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बोद्य से उसते बन्तरण विश्वित में शास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अभि-नियम के अधीन कर देने के अंतरक के सामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख्) ऐसी किसी आय या किसी धन यो अन्य आस्तियों को चिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अंतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जीना चाहिए था, छिपाने में सुविधा में सिष्

बतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बनुतरण बो, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसिस स्थितियों, अर्थात ह— (1) श्रीमती ए० विजयलक्ष्मी पति श्री सुभाषचन्द्र बोस, चौतपल्ली विलेज, गृडीवाडा तालुक।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बीठ अन्नपूर्णा पति श्री सुभाष चन्द्र बोस, चापाराला नरसया विधि, सीतानगरम, विजयवाड़ा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आर्थै करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यक्रियां करता हो।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध िक्सी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पान ति**खित में किए जा सकोंगे**।

स्पव्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शक्वों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।]

# अनुसूची

इमारत विस्तीर्ण 288 चौ० गज, और 109 2 चौ० फुट, पाटामाटा, विजयवाड़ा, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5172/ 84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, विजयवाड़ा।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज-3, हैदराबाद

दिनांक : 12-2-1985

त्रकप कार्यः, टी., एम., एक.,-----

वासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के जभीन स्थाना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 मार्च 1985

निदेश सं० आर०ए०सी०नं० 434/84-85--अतः मझे, एम० जगन मोहन

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) ( जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० साइट है तथा जो कला नगर, पाटामाटा, विजयवाड़ा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्ति, रत की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्यों से उस्त अन्तरण निचित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाव की बाबत, उक्त जभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भणकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वी प्रयोजनार्थ अस्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने के स्विधा के लिए;

कतः, जब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, मी, स्वक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती एन० कृष्णा कुमारी पति श्री कुटुम्ब राव, कला नगर, पाटामाटा, विजयवाड़ा ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमर्ता वी ० वेंकटा पुन्नामाम्बा पति श्री वेंकट गंगाधार राव, सूर्या राव पेटा, विजयवाड़ा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस स्कृत के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 4/5 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि आद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्विकत स्थिकतयों में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्परित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्परक्रीकरणः — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मनसर्ची

खुली जमीन विस्तीर्थ 815 चौ० गज, कला नगर, पाटामाटा विजयवाड़ा, रिजस्ट्राकृत विलेख नं० 1384/84, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, विजयवाड़ा ।

> एम ० जगन मोहन मक्षम प्राधिकार सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 14-3-1985

मोहर 🕹

## प्ररूप बाई.टी.एन.एस. -----

अग्रायफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 मार्च 1985

निर्देश सं० आर०ए०सी०नं० 435/84—85—अतः मुझो,एम०जगन मोहन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० घर है तथा जो सूर्याराय पेट, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, कार्कानाडा में रिजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त,

को पूर्वोक्त संपर्ति के उच्ति बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथामूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

जतः अध-, उक्त यूधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन∴, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— 13—601/85 (1) श्री कोटा गोगाल कृष्णा गृप्ता पिता श्री लक्ष्मीमय्या सेट्टी, आरुड़दल पेटा, गृंटर ।

(अन्तरक)

(2 श्री एन० एस० बी० वी० चीधरी, 6—1—51∼ए, सूर्यारावपेट ए, जवाहर स्ट्रीट, काकीनाडा ।

(अन्सरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के जर्जन की जिल्ह कार्यनाहियां करता हुं।

## **उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोंड़ भी बाक्षेप** ू---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी च तें 45 बिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (त) इस सूधना के राजपत में प्रकासन का तारीं व के 45 दिन के भीतर उसत स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा नथोहस्ताकरी के पात निवित्त में किए जा सकी।

स्पष्डीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 - क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

घर विस्तीर्ण 1700 चौ० फुट, सूर्यारात्र पेट, काकीनाडा, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 7193/84, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, काकीनाडा।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 14-3-1985

माहर:

## प्रकृष कार्य : दौ : एवं : एस : -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के स्थीन शृचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, हैदराब।द

हैदराबाद, विनांक 12 मार्च 1985

निर्देण सं० आप० ए० सं:० नं० 1028/84-85---अतः -म्हो, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें अगन्दी प्रधान 'त्रका अधिनियम' कहा गया है), की धारा का पान्त का जाना, का कारण कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उधित आजार मृत्य 23,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिलको सं० घर है तथा जो शास्त्री नगर, यूसूफ गुड़ा, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण का वे विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय. खैरताबाद में रजिस्ट्रीकरणं अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंटरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखिक में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई कि में आब की बाबत, उक्त अधिनियद के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों हों। जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनते अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण भें, भें उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री टी ० एल ० आदिनारायण मेट्टी श्रीर अन्य, 15-2-708, सीदम्बर बाजार, हैवराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गोमती देवो पति श्री प्यारे लाल अग्रवाल, 7-1-215/डी-21, अमीपेट, हैदराबाद '

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

# उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में को**इं भी वाक्षेप्** प्र---

- (क) इस मूचना के उप्पाप में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बनार:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचिद्धत में किए वा सकोंगे।

स्पर्ध्योकरण: -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

घर नं ० 8-4-368/एम/180, शास्त्री नगर, युसूफगुडा, हैदराबाद, विस्तीण् 1000 चौ० गज और 840 चौ० फुट, प्लोंथ एरिया, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं ० 1585/84, रिजस्ट्रीकित कर्ता अधिकारी, खेरनाबाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारोख: 12-3-1985

मोहर 🖫

# प्र**क्ष बाह**्रं टों<u>. ए</u>न्. एस ु------

भायकर भाषिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भाग्र 269-म् (1) के अभीन सुमना

### भारत चरकाङ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च 1985

निर्देश सं० ग्रार० ये० सी० नं०1029/84-85---भ्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार स्म्य 25,00,000/-रा. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० प्लाट है, जो सईदाबाद, हैदराबाद में स्थित है (स्रोर इसमें उपायद श्रनुसूची में धीर पूर्ण रूप से विणित है ), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन दिलांक जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्यामान्त्रिकल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मृत्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरिक्त (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, भिम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बित् में वास्तरिक कप से किंगत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुए किसी बाय की गायत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के खन्तरक के दायित में कभी करने या उससे वजने में खूबिया के लिए; और/मा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन भा अन्य आफ्तियों का, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनयम, बा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकर नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा. स्थिपाने में नृतिय्था के निष्,

अतः अव, उत्रत अधिनियम की धारा 269-न के अनुगरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के स्थीन, निम्नलिखिङ व्यक्तियों स्थीह :---

- (1) श्री के० सत्यनारायणा, 8-54 रामकृष्णापुरम, हयातनगर, जीला रंगारेड्डी (भ्रन्तरक)
- (2) श्री जी॰ रामी रेड्डी श्रीर श्रन्य. बइरुमलगुडा, हयाङ्गनगर, रंगारेड्डी जिला (श्रन्तरिती)

को मह सूचना कारी करके प्रशिक्त सम्पृत्ति के वर्षन के तिषु कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जासेप्ररूप

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 रिक् की अवधि या उत्तरकारणी व्यक्तियों दर सूचना की सामील से 30 दिन की जनिए, को भी जुन्धि बाद में समाप्त होती हो, के भी हर पूर्वों कर व्यक्तियों में से दिस्सी व्यक्तिय द्वारक
- (छ) इस भूजना कं राज्यश्य में प्रकाशन की सार्धि से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्थाप मधोहस्तासद्भी को पास निस्ति में किए था सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इस में प्रमुवस शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया का हैं।

## मन्सूपी

प्लाट नं ०, 92, विजयतगर भालोनी सईदावाद, हैदराबाद विस्तीर्ण 947 चौ० गज० रिजस्ट्रीकृत विलेख नं ० 3896/ 84 रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जेन रेंज, हैदराबाद

हिसांक :- 12-3-1985

मोहर् 🖫

## प्रकश् बाद्, टी . युन् . एख . ------

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च 1985

निर्देश सं० धार० ये० सी० नं० 1030/84-85--भ्रतः मुझे, एम० जगत मोहन,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ए पे अधिक ही

भीर जिसकी मं० फ्लैट है, जो गांधीनगर, हैदराबाद में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में शौर पूर्ण रूप से विणत) है रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्यं से कम के एर्यमान प्रतिफल के लिए मंतिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके एर्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत विधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्वेष्य से उकत अन्तरण निम्निचत में बास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्दरण से हुए फिसी आय की बाबरा, उक्त विधिनियम् के अधीन कर बोने के अन्तरक के वादित्व में कमी करने या उससे ब्यूने में सुविष्धा के लिए; बीए/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ करो, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में पृविभा के लिए;

- 1. मैसर्स कामत बिल्डर्स बि-3, बिंदू णापिंग सेन्टर तीलक रोड णाता क्रूज बाम्बे-400054 (ग्रन्तरक)
- श्री तहसीन शसुद्दीन , 16--6-171, उस्मानपुरा, हैदराबाद ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना बारो करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविभ, को भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिसित में किए जा सकेंगे।

स्वव्हीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कव्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया. भया है।

## वनस्या

फ्लैट नं० बि~6, दूसरा मंजला, 1-1-524/ए, गांधीनगर, हैदराबाद, विस्तीर्ण 697 ची०फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5236/84 रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज हैदराबाद।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों. अर्थात :---

दिनांक :- 12-3-1985

# प्रकल बाह् हैं। दी ु एक ु एक ु-----

# शायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन भूचना

## भारत तरकार

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च 1985

निदेश सं० म्रार० ये० सी० नं० 1031/84-85---यतः मुझे एम० जगन मोहन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० घर है, जो मईदाबाद, हैदराबाध में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्राझमपूरा, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 7 जुन 84

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के स्ममान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल, से एोसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरितयों) के बीच एोसे अंतरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल निम्नलिचित उद्दोष्य से उक्त अंतरण लिखिए में वास्तिल क्य से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किती बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के वार्यपृत्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिय को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सृविधा के लिए।

जतः नथ, उक्त विधिनियम की भारा 269-न के. अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिस्त, व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) डा० के० व्ही चेलपती, प्रीन्सीपाल, रंगाराया मेडीकल कालेज काकीनाडा। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती यन० श्री लक्ष्मी घर नं० 27ए ए० पी० यच बि० सईदाबाद । हैदराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वयिष नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में रिया गया है।

## वन्स्ची

घर नं० 16-2-835/37, सईदाबाद, कालोनी, हैदराबाद विस्तीर्ण 325 चौ०मी० भूमि श्रोर 1000 चौ० फुट, प्लाथ एरीया रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2493/84 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी श्रास मपुरा ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक :- 12-3-1985

मोहर 🕄

# प्रकल् कार्यः, थीः, एतः, एवः, ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-वें (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायक द जामुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाध

हैयराबाद, दिनांक 12 मार्च 1985

निर्देश सं० धार० ये० सी० नं० 1032/84-85--यतः मुझे, एम जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं घर है जो धरमकरम रोड, हैसराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीरपूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त संपीरत के उच्चित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विध्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचाने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री एम० गोपालकृष्णा, 8-3-903/5-ए, नागारजूनननगर कालोनी हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती मूनि देवी जैन चौधरी, 16-11-19/2/1/1, सलीमनगर, कालोनी हैदराबाद। (अन्सरिती)

को वह स्वना बारी करके प्रॉक्त श्रम्मित के अर्थन के तिए कार्यवाहियां करता हूं।

## उक्त सम्प्रित के मुर्जन के सम्बन्ध में काई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी ब्राधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना- को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए पा सकींगे।

स्पष्टीकरण :--इसर्म प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्वा है।

अनुसूचो

घर नं० 7--1-30, धरम करम रोड, हैवराश्राद, विस्तीर्ण 1890 चौ. फुट, ग्रौर 400 ची० फुट, भूमि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4634/84 रजिस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी हैदराबाद।

> एम जगन मोहन सक्षम श्रविकारी गड़ायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्गन रेंज, हैदराबाद।

दिनाँक : 12-3-1985

मोक्षर :

## प्रक्ष आर्च दी एन एस . -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यानय, सहायक बायकर बायुक्त (नि<u>र्राक्षक</u>) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च 1985

निर्वेश सं० आ२० ए० सी० नं० 1033/84-85---यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

नायकर व्योभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त व्यभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के नधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पद्धित, जिसका उचित बाजार मुख्य 25.000/रा से विश्वास है

मीर जिसकी सं वर है, जो अमीरपेट, हैदराबाद में स्थित है (और इससे ल्पाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19 सितम्बर 1984

को पूर्धिक्त सम्पत्ति के उसित बाजार मृख्य से कम के इश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उधित बाजार मृन्य, उसके स्थ्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पासा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बार्क्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत अक्त ज़िश्मित्रण को लभीन कर दोने के जन्तरक के दारियद में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जाँद/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन वा जन्य आस्तियाँ की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के निए।

बतः अब, उक्त- अधिनियम की भारा 269-ग **कै अनुसरण** में, में, उक्त र्डाभनियम की धारा 269-गे की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् (1) श्री एम० गोपाल कृष्णा श्रीर अन्य, 8-3-903/5/ए, नागारजुननगर, कालोनी हैदराबाद,

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कांता देवी आगरवाल, 7-1-30, घरमकरम रोड, अमीरपेट, हैदराबाद। (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप उन्न

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उस्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त वय्यों और पवा का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या भगा है।

## नग्स्ची

भाग, घर नं ० 7-1-30, अमीरपेट, हैदराबाद, रिजस्ट्री-कृत विलेख नं ० 4635/84 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

> एम ० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक :- 12-3-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

बाय्कर ब्रीभनिय्म, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन स्वना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अध्यक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज , हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 12 मार्च 1984

निर्देश सं अार ० ए० सी ० नं ० 1034/84--85---यतः मझे एम ० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 25.000/ रु. से अधिक है

25,000/- रत. से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट है, जो गोलकोडा रोड हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है ), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालयं में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 का 16) के अधीन दिनांक 19 अक्ट्बर 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दरयमान स्तिफल के लिए रिजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय मंगलूर सिटी में धारा 269 ए. बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उपित वाजार म्ल्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के सिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मंतरण लिखित में बास्तविक **एप से कथित नहीं किया गया है:--**

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिस्तियम की अधीन कर दोने के बन्तरक के दामित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के बिए; जॉर/बा
- (क) एँसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तित्यों, अर्थीत् ः—-

- (1) मैससं तीरूमला टावर्स कन्स्ट्रवसन बाई श्री एम यस चंद्रया, गोलकोंडा रोड, हैंदराबाव (अन्तरक)
- (2) श्रो यच० वासूदेवा नारायणा, फ्लैंट नं० 35 , तीरुमला टावर्स कन्स्ट्रक्णन, गोलकोंडा क्रास रोड, हैदराबाद :

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्दित के वर्जन के संबंध में कोई भी वाश्रंप हु---

- (क) इस सूचना के राज्यम में प्रकाशन की तारीय वें 45 दिन की समिश या तत्सम्बन्धी स्पृत्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नविभ, को भी अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वित्वों में से किसी स्पृत्ति इसारा;
- (क) इत् सूचना के राष्प्रम् में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्मस्ति में हिश्यक्ष किया क्योहस्ताक्षरी के पास निश्चित में निश्च था सकरें।

स्पस्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त घट्यों आरि पदों का, जो उक्त अधिनियम दें अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में वियागवा

## वन्यूकी

प्लैंट नं ० 35, तीरुमला टायर कन्स्ट्रक्णन गोलकोंडा रोड, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1160 चौ० फूट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 748/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चीवकडपल्ली,

> एम० जगन मोहन ' सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज हैंपराबाद

दिनांक :- 12-3-1985

मोहर 🛮

श्र<u>क्</u>षप आर्<u>ष</u>े टी<u>.</u> पुन<sub>ः</sub> पुस<u>्</u>=-==---

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीन सुचना

#### सारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैपराबाद, विनांक 12 मार्च 1985

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 1035/84-85-यतः मुझे एम० जगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार भूल्य 25,000/- रह. से अधिक **ह**ै

श्रीर जिसकी सं ० फ्लैट है, जो दोमलगुडा, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है ), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय , चिक्कडपर्स्स् , में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19 ज्लाई 1984

को पुर्वोक्त सम्पक्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के धरयमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से मुधिक है और अंतरक (अंतरकों) मौर अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रति-फंस निम्नतिथित उद्देश्य से उक्त अंतर्ण निवित में शस्तविक रूप से कभित्र नहीं किया बबाहै 🦫 —

- (क) अन्तरम से हुई किसी जाय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर देने के जन्तरक दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा में किए; बर्रिं/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अगस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, बा भनकर अधिभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में त्रिभा के क्षिए।

भतः गव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण **में, में** उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) 躇 अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----14---6GI/85

(1) मैसर्स यस्के आसोमियटस, पार्टनर श्री व्ही, व्ही, कामत, 1-2-24 हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री मन्माहन रेड्डी पिता एम० पटेल रेड्डी बी-2, राघवेंद्रा कृपा, 1-2-593/3/1, दोमलगृडा, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना <u>जारी</u> करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाद्वियां करता 🐔 ।

उन्द हुन्दुस्ति के बुर्जन के बुम्बल्ल में कोई श्री नाक्षेप्≲ः-

- (क) इस स्वात के राज्यत्र में प्रकाशन की ता<u>डीच</u> ते 45 दिसुकी अवश्यिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की जनभि, जो भी व्यविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स क्युक्तियों में से किसी क्युक्ति दुवायु।
- (ख) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनुके भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्यवृथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास **सिचित में किए** जासके गं।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाष्टि हैं, वहीं क्यें होगा को उस अध्याय में, दिवा नवा है 🕕

## वनस्या

पलैंट बि-2 राघवेंद्राकपाट 1-2-593/2/1, दोमलगूडा, हैदाबाद , रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 558/784 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चिक्काडपरुली

> एम जगन मोहन सक्षम आधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीजण) अर्जन रेंज हैदराबाध

दिनांक :- 12-3-1985

मोहर ७

प्रकथ भार्षं ,दी. एव . एस . -----

नायक र निधित्यम, १९६१ (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के नधीन सुचमा

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जम रेंज, हैधराबाध

हैदराबाद, दिदांक 12 मार्च 1985

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 1036/83-85 ---अत: मुझे, एम० जगन मोहन,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा '269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000'-रा. से विधिक हैं

भौर जिसकी सं० घर है जो गीरमाजोवेंट वरंगल में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वरंगल, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 1985

को प्रवेशित क्षणांत के उचित आजार मृत्य से क्षण के एक्षण्य प्रितिफल के लिए रिजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्त-रित को गर्ह हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यक्ति संग्रील का उचित बाजार

भरत का कारण है कि यथापृत्तीकत संगत्ति का उचित बाजार मूल्य, उगके दश्यमान प्रतिफल से, एगि व्ययमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तम प्रथा गया प्रतिफल निम्नितिश्वित उद्देश्य से उच्छ अंतरण मिश्चित में नास्तिकक रूप से रुधित नहीं किया गया है :---

- हैंक) मंतरण में हुई किसी बाब की बाबत, जबस अधिनियम के कथीन फार दोने के अल्लारक के लिए में नोते निर्देश समये कथत में अधिकार के निर्देश और/बा
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या जन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय जाय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कार अधिनियम, १९५७ (1957 पर 27) के प्रयोदनार्थ अस्तिरिता दवारा प्रयाद नहीं किया १८३ का किया पर्याद नहीं किया १८३ का किया पर्याद नहीं किया के किए:

- (1) श्री टी सुंदरम और अन्य, जीपिया श्री एम • रामय्या, 16-360-ए, खम्मम रोड़, विद्यानगर कालोनी, खम्ममरोड वरंगल। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती एम० पिचम्मा पति एम० रामय्या, 16-360, विद्यानगर कालोनी, खम्ममरोड, वरंगल (अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके प्रविक्त संपरित के अर्थन के ।'लए कार्यवाहियां करता हों।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राष्यंत्र में प्रकाशन की लारीस से 45 दिन की अविध या तस्सवंधी व्यक्तियों वर स्थन की तामील से 30 दिन की सर्वाध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर स्थावर स्थावर में दिन व्यक्ति के पास किसी अन्य व्यक्ति व्यक्ति के पास विश्वित में किए का स्कारी।

स्पन्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और एवाँ का, जो उक्त अधिनियम, के अध्यास १०- में किस्सिल में, बही अर्थ क्षांत्र को का कारण में गुरा है।

## वप्स्की

भूमि विस्तीर्ण 2000 भी गज गीरमजी पूट वरंगल रिमस्ट्रीकर्ता विलेख नं० 1396/84 रिजस्ट्रोकर्ता अविकारी वरंगल

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयवार आयुक्त, (निर्दाक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबद

नेतः अस उक्त अधिनियम की धारा 269-म की अनुमरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधार (1) के अधीन निम्नलिमित व्यक्तियों, अधित :-->

- दिनां∵ः 12<del>-2</del>--1985

प्ररूप आहु . टी. एन. एस. ------

भाककार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा हरा १ (१) के अभीत सम्बा

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च 1985

निर्देश सं० श्रार० ए० सी. नं० 1037/84-85--यतः मुझे, एम जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण हुं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रतः में अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० घर है जो रेती बावली, हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) , रिनस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, खैरताबाद में भारतीय रजिस्दीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के म्रधीन दिनांक जुलाई 1984

कर पर्वोक्त सम्पन्ति सं उभित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रीतफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्त-रित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार

मुल्य, उसके ध्रथमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ध्रेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में

वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है है---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-निवम के लधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविभा के लिए मौर/या
- ((का) एंसी किसी आय या कि⊹ी धन या अन्य अगस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयंकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम बा धन कर मिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया ना मा किया भाषा ना**हिए था, छिपाने में सविधा** ने चित्रः

बत. अब, उन्तर अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्स अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) क्रे अभीन, निम्नेशिवित क्येंक्सियों, क्याँत् 🛭 —

- (1) मैसर्स रिलायबस अन्स्ट्रमगन कं० द्वारा पार्टनर श्री नासीर 10-2-347/3, ग्रसीफनगर, हैदराबाद । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती खैरूनिसा पति श्री रीयसत प्रली, 13-1-531, वीलावर गंज, मंगलहाट, हैदराबाध। (भ्रन्तरिती)

को यह स्थान कारी करके एवाँकर सम्परित को अर्जन, को जिए कार्यवाही करता हां।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अवधि, यो भी अवधि बाद में समाप्त होती हों. के भीतर पूर्वोक्त भागे सत्यों में में किसी व्यक्तिः बवासः
- (क) इस सुन्दरा के राजपण भी पनावान की तारीक से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बब्ध किसे अन्य व्यक्ति धुवारा अधिहस्ताक्षरी औ पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीक रण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ः अधितियमं के अध्याप 20-क में परिभाषित है, वहीं बर्ध होगा को उस अस्ताम में विका गया हु ।

## वनस्वी

घर संपत्ति नं० 9-4-86/68, सालारजंग कालोनी, रेती वाबली, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 1530/84 रजिस्ट्रोकत्ती अधिकारी खैरताबाद ।

> एम० जगन मोहन ेसक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रयुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, **हेवराबाद**

विनांक : 12-3-1985

प्रस्प आई.टी.एन.एस.-----

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-में (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर गायका (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैक्राबाद, दिनांक 12 मार्च 1985

निर्देश सं० भ्रार० ए० सी० नं० 1038 /84--85---यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आग्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० घर है, जो रेड हिलम, हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रुप से वेणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, खैरताबाद में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16)

के ग्रधीन दिनांक जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्त-रित की गर्ह है और मुफे यह विक्वास

करने का गई है आर मुक्त यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमाम प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय
पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
जिल्लित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अन, उक्त किंपिनियम की भारा 269-ग की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिशिंद कर्युक्तयों, अर्थात् म—

- (1) श्रीमती तायाबा बेगम पति जेमुल प्रबूदीन, 11-5-327/1, रेड हिलस, हैदराबाद।
- (2) श्री मीर ग्रजीजूला, शहा कादरी, घर नंंं 11-5-321/1, रेड हिलस, हैबराबाद । (ग्रन्तरिती)

को यह । सूचना जारी करके पृथाँकत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कॉर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

घर संपत्ति नंसे 11-5-389/से 392 रेड, हिलस, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 0.1587/84 रजिस्ट्रीकृती अधिकारी खैरताबाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्स (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, हैदराबाद

विनांक : 12-3-1985

मोहर 🛭

प्ररूप | आई. टी. एन. एस. -----

बावकड़ विभिन्निम्म, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुवना

### AIDS BREEK

### कार्यान्य, तहामक नामकार आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 12 भार्च 1985

निर्देश सं० धार० ए० सी० नं० 1039/84-85 — यतः मझे, एम० जगन मंहिन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार 'अक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपत्ति का उचित नाजार मृस्य 25.000/- रुप से अधिक है

और जिनको सं० प्लाट है जो मासाब टैन्क, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इपने उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रुप से वर्णित है ), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय,खैरताबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन

दिनां जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्यमान प्रित्तफल के लिए रिजस्ट्रोकर्ता विलेख के अनुसार अंतरित की गई हैं और मूके यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उन्द्रिया से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई जिल्ली जाव की बाबक, उस अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के बाजिए में कभी करने या उससे सबने में मुविधा के मिए; बीड़/बा
- (क) एसी किसी आम का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 :: () 22 की 1) या उन्ति अधिनियम, या भन- कर अधिनियम, 1957- (1957 का 27) को प्रवोजनार्थ जन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिक्ष;
- अतः अथ. अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)

के बधीन, निम्नलिसित व्युवितयों, वर्षात् ह---

- (1) श्रीमती सी० सरोजनी पति सी० के० नायडू, बि-47 एफ 3, विजयनगर कालोनी, हैदराबाद। (भ्रन्तरक)
- (2) श्री व्ही मुरेण फामत, पिता व्ही, एस, कामत 37, मारेडपल्ली, सिकंदराबाद।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 विश की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विस्त में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- हममी प्रवृहत शब्दी और पदी का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क मी परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मी दिया। नका ही।

### अनुसूची

ृष्लाट ए एम नं० 10+5-22 मासाबटैन्क हैदराबाद विस्तीर्ण 456 चौ० फुट गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 15188/84 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी हैदराबाद, खैरताबाद।

एम जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांक :- 12-3-1985

मांहर ;

प्ररूप बार्ड, टी. एन. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक सायकर आगुवत (निरक्षिण) श्रजीन रेंज, हैदरावाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च 1985

निर्देश सं० ग्राप्त ए० सी० नं० 1040 /84-85--यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उपत अधिनियम कहा गया है), को धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्बक्ति, जिसका अधित अवार गुरुष 25,000/- क. से अधिक हैं

श्रीर जिनकी तं० प्लाट है, जो मामाय टैन्कं हैवराबाद में स्थित है (श्रोर इतन उत्तनब श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है ),रजिस्ट्रीइती श्रधिकारी के कार्यालय, खैरताबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का

16) के भ्रधीन दिनांक जुलाई 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्त-

रित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि उथापवींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्ल्य, लमके रहणमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्व स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) वे दोच एस अंतरण के लिए तम पाया गया प्रति-फल जिम्निलिखित उद्दोश्य से उनत अन्तरण सिक्ति में वास्तविक हप स क्षित महीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी, जाव की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने यें सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या या जाना चाहिए था, ल्लिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अध उकतः आधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री रमेश गीर गोस्वामी पिता मोहन गीरजी गोस्वामी 1-2-41/1, गगन महल रोड हैदराबाद । (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमतो मोहीनीयस, कामत पति श्रीघरं एन कामत 1-2-24, दोमलगूडा, हैदराबाद। (ग्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करकी पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यकाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई जाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तन्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण :---इसमों प्रयुक्त शब्दों और प्रदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मो पी।भाषित ही, तहीं अर्थ होरा जो उस अध्याय से दिया गया है।

वन्स्यी

प्लाट नं० 10-5-22,(प्लाट बी) मसाब टैन्क हैदराबाद विस्तीर्ण 600 चो० नज रिजम्ट्रीकृत विलेख नं० 1517/84 रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी खैरताबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 12-3-1985

मांहर

प्ररूप मार्चु टी. एन. एस..----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-ध (1) के अधीन सुवना

#### भारत सरकार

### कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीत रेज, हैदराबाट स्वाह हिल्ला १२ स्वर्च 1

हैदराबाद, दिगांक 12 भार्च, 1985

निर्देश सं० आर० ए० मी० नं० 1041/84-85 -- यतः मुझो, एम० जगन मोहन,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहलाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित्त बाजार मृल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

जोर जि की संव पर्लंड है, जो भोनार्जागृडा, हैदराबाद में स्थित है (और इ से उभावड़ प्रतुस्ति में और पूर्णक्ष से वर्णित है), रिजिस्ट्री-कर्ता प्रक्रिकारी के लागी को, हैदराबार में रिजिस्ट्री-रिण प्रवितित्तन, 1908 (1908 का 16) के प्रवित्ति, तारीख जुलाई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्त-रित की गई है और मुफे यह विश्वास का का का प्रतिफल है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके श्रयमान प्रतिफल तो, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकार से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तिविधः) : तिल एक अन्तरण के निष्य गय प्रया प्रया प्रतिफल, निम्नितिखित उद्देश्य में उक्स अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्धरण से हुई किसी आय की शबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य मी कमी करने या उससे बचने मी मृविधा को निग्: और/गा
- (ख) एमे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कर जिल्हों कर के अस्त का अधिनियम, 1922 (1922 का 11) के जिल्हों के कि जिल्हों के मिर्ग जाना चाहिए था, स्थिपाने में मुविधा के लिए:

उतः अब, उबत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के नधीन, जिम्बीनिक्त व्यक्तियों, अर्थात :—

(1) मीनर्स लीन्डमार्क बिरुडर्,
 6-2-930,
 औरताधाद,
 हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एम० ए० व्ही० कामन, 6-3 --579, ओपोजिट जिला परिषद, खैरताबाद, हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्धन के कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप होती हों, के शीतर पूर्वीकत व्यक्तिमों में स किसी व्यक्तियों द्वारा;
- (स्त) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्गेख्स 4६ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यास अयोहस्ताक्षरी के पास निस्तिन में किये जा सकरी।

स्पष्टीकरण:--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

#### **भन्त्रको**

अपार्टमेंट नं ० 104, शिवास स्लेग, 6--3-986, वःपाडीया लेन, सोमाजीगुडा, हैदराबाद, गेरेज नं ० 15, रिजस्ट्रीइन्त विलेख नं ० 3937/84, रिट्टीइमी अधि स्थै हैदराबाद।

> एम० जगन सोहन पक्षम प्राप्तिराची, सहायक श्रायक्ष श्रायक्ष श्रायक्षण) श्रावित चेंज, हैवराबाद ।

तारीख : 12--3 -३,985.

मोहर

प्ररूप बाई व टी व एस व एस व —————

आयकार अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के ख्थीन सूचना

#### नगरत ब्रह्मकाह

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च, 1985

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 1042/84--85 --- यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

कायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रा. से अधिक हैं

और जिनकी मं० फ्तैट हैं क्लो सोमाजीगूडा, हैदराबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं). रिजस्ट्रीकर्ती प्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्री-

करण प्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक - जुलाई, 1984

को पुर्वोक्त समपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के करमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्त-रित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास

रित को गई है आर मुक्त यह विश्वास का कारण है कि यथ एवं कित संपरित का उचित बाजार मृत्य उसके दियमान प्रतिफल से एसे दियमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिसित उद्योषय से उसत अन्तरण सिवित में बास्तियक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/मा
- (श्व) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हों भारताय आयकार अधितितम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधितियम, या भनकार आधितियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्यस्ति व्वारा प्रकट नहीं किया त्या भा या किया जाना आहिए था, क्रियांच संस्थिम के लिए;

अत: अब, उक्त बिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के कभीन, निम्निविधित अधिनियमें, निर्धात (1) श्री सचदेव हारी राम हाटचंद, 3-ए, फेरीलेक श्रपार्ट में टेस सोमार्जागृङा, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

.(2) श्रीमती ऊमा देवी चलसानी, 6-3-907/12,(3-बी०) फेरी लेक, श्रपार्टमेंट्स, राजभवन रोड़, सोमजीगूडा, हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

### उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप हु---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामीन से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति युवारा;
- (क) इस, स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस नसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में क्रितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित सं किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त घट्यों और पर्यों का, जो उक्त विधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### नवर्ग

पर्लंट इन फेरी लेक, श्रपार्टमेंट्स, सोमजीग्डा, हैदराबाट, विस्तीर्ण 1400 चौ० फुट, रिजस्ट्रीयृत विलेख नं० 3932/84, रिजस्ट्रीयर्ता श्रिधकारी हैदराबार्ट।

> एम० जगत मोहन सक्षम प्रधिकारी, सहायक प्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख **।** 12-3-1985. मोहर ।

### प्र**क्ष्य बाह**ै, **डी., १व**., **एव**., ननस्पननस्थान

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयक्त (निरक्षिण)

ध्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैंदराबाद, दिनांक 12 मार्च, 1985

निर्देश सं० ग्रार० ए० मी० नं० 1043/84--85 ----यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की बारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-क. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट है, जो रेड हिल्स्, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री- कर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीवरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार म्ल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्त-रित की गई है और भूभे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूनोंक्त सम्पर्तित का उचित नाचार हुन्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से ऐसे क्रयमान प्रतिफल का बल्ग्ड प्रतिक्षत से निथक है और बंतरक (मंतरका) और नंतरिती (बंतरितियाँ) के नीच ऐसे क्लारण के निए तय पाना गना प्रति-क्स निम्मीनीचत उद्योच्य से क्यत नंतरण विश्वित में बास्त्रीयक रूप से कथित नहीं किया गना है है—

- (क) क्यारण में हुइ किसी बाय की बाबत उक्स प्रिष्टियम के अभीन कर दोने के अंतरेक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में म्विधा की लिए बीच/या
- (व) व्येके विकास नाम मा स्थिती धन ना सन्त आस्ति की, किन्ह नारतीय मामकर गिपिनमन, 1922 (1922 का 11) या उनते अधिनियन, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ जन्तिरती ब्लास प्रकट नहीं किया स्था था ना किया जाना चाहिए मा, क्रियाने में सुविद्धा में किय;

अतः अर्था, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---15--6GI/85  (1) मैंनर्स साम्यनगर वान्स्ट्रक्यन कं०, द्वारा श्री लक्ष्मीप्रसाद, 11--4-656, रेड हिल्न, हैसराबाद।

(भन्तरकः)

(2) श्री एम० जी० के० मूर्ति, पिता श्री एम० व्ही० राममूर्ति, एम० श्राई० जी० एच०, मेह्दीपटनम. कार्लानी, हैदराबाद।

(भ्रन्नरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया गुरू करता हुं।

उक्त संपर्तित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी ज्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के श्रीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति युनारा अधोहस्ताक्षरी के पाम तिस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होना की उस अध्याय में दिया गवा है।

#### नगतची

फ्लैट नं० 296, दूसरी मंजिल, 11-4-656, रेड हिल्स हैदराबाद, रिजस्ट्री झत विलेख नं० 3786/84 रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, हैदाराबाद।

> एम० जगन मोहन स्थान प्राधिनारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, हैदराबाद

दिनक : 12--3-1985

मोहर

प्रस्प बाइं.टी. एन. एस . ------

माभवार आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचन।

#### भारत तरकार

### कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्भन रेंच, हेसराबाद

हैदानवाद, विनाद 12 मार्च 1985

िदेण सं० चार्य ए० नी० न० 1044/84-85--म्रातः मुझे, एम० जगनमोहन

आएक र अितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाह 'एक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रतिकारों को यह निक्तास करने का कारण है कि स्थावर संगतित, जिसका प्रजित बाजार मूल्य 25.000/- रु.े. से अधिक है

और जिनकी तं पर्लंट है तथा जो रेख हीत्त, हैदराबाद में निधन है (और इनसे उपाबढ़ चनूसूची में और पूर्ण रूप से विभिन्न है) रिचिन्द्रीशर्म अधिकारी के कायलिय हैदराबाद में रिजिन्द्रीशरण अधितियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीय गुनाई 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम को इश्यमान प्रतिफल को लिए रिजिस्ट्रीकृत विलेख को अनुसार अन्तरित की गई ही अगेर मुक्ते यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित जाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्दह प्रतिकात से अधिक है और जन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अस्तरण के लिए तय प्रशा गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तिक रूप से कथितश्नृति किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिल्लामियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दारियल में क्यां करने या उक्त बचने थें मृजिया के सिए; और/का
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आश्रकर अधिनियम, 1922 (१९७२ का 11) या उनकत अधिनियम, या धनका अधिनियम, या धनका अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया थया धा किया जान, चाहिए भा, छिलाने में स्विध। के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्मीलियन व्यक्तियों, अथित :-- (1) मंद्धर्म भाग्यनगर कत्मद्रक्णन कम्पनी,
 11- 4- 656/1,
 रेड हील्प, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती उपा मालदी, पति श्री के० श्रार० मालदी 9 एम० श्राई० जी० एच०, मेहेदीपटनम, कालोती, हैसराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सृचना जारी करके पृथींबत सम्पत्ति के अर्जन के "लिए कार्यनाहिया शुरू करता हुई।

### उस्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबढ़ भी किसी कन्य क्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकींगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह", वहीं अर्थ होशा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

#### वरवर्ष

प्रलॅंट नं० 202, दूमरा मंजला, ब्लाक नं० ए, 11-4-656/1, रेड हीत्स, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1218 चौ० फुट रिजस्ट्री इत विलेख नं० 3784/84, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रामुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 12-3-1985

प्रकम बाह्रं. टी. एन. एव. ----

जायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के मधीन सुचना

भारत संग्कार

कार्यासय, सहायक सायकर भाष्ट्रका (निरीक्षण)

अर्ज न रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च 1985

आर०ए०सी०नं० 1045/84-85-अतः मुझे,एम० जगन मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित नावार मून्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी संख्या पर्लंड है, तथा जो रेड हील्स हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकर्रा अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 7-84

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उद्भित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रतिकल के लिए जन्तरित की गई हैं और मूके वह विद्वास करने का कारण हैं कि यमापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और जंतरक (जंतरका) और जंतरित (जन्तरितिकों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त निम्मलिबित सहयेश्य से उनत जंतरण लिखित में बास्तिक क्ष से किया नहीं किया गया है द—

- (क) बनाएण ते हुइ फिली बाय की बाधत, उक्त बीधिन्यम् के ब्यीन कार दोने के अंतुरक के यामित्यम् में कभी कर्डने या उद्धते बलने से सुद्विधा क निए; शॉर∕शा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या जन्य आस्तियां की, जिन्हों भारतीय आमकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जे प्रवोचनार्थ जंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपान में सुविधा के निए;

 मेसर्स भाग्यलक्ष्मः प कन्स्ट्रक्शन, को ० बाइ श्री मकुंदलाल, घर नं ० 11-4-656/1, रेड हील्स, हैदराबाद।

(अनारक)

श्रीमती मंजू मलादीपित ह्वी ० मलादी,
 एम ०आई ०जी ०एच ०, मेहदीपटनम,
 कालोनी, हैदराबाद ।

(अन्तरितंर)

को यह सूचना चादी करकं प्योंक्त सम्पात्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु !

जनत सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वार्धाय :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारांश से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां यर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रांवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्थार;
- (च) इस स्थाना के राजपन मा प्रकाशन की नारांच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति मां हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, जनोहरणकारों के पास निधित मां किए ना सकेंगे।

स्पथ्यीकरणः ----इसमा प्रमुवल् कल्यों और प्रयों का, जां उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क मां धरिशाधित इं., मही अर्थ होगा को उस अध्याय मां विद्या नया है।

#### वगृत्**यी**

प्लंड नं ० 102, ब्लाक नं ० ए०, विस्तार्ण 131के ची ० फुड, रजिस्ट्रीइत विलेख नं ० 3785/84, र्राजस्ट्रीकता अधिकारी, हैदराबाद ।

> ्रम ० जगन मोहन सक्षम श्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हृदराबाद

अतः अव, उक्तं अधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्तं अधिनियमं की धारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अधीत:——

दिनांक 12-3-1985

### प्ररूप बाह् , टी. एव., एस., -----

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के बधीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैसराबाद

हैक्राबाद दिनांक 12 म 1985

निर्देश सं ०ए ० सी ० नं ० 1046/84-85--अतः मुझे, एम ० जगन मोहन

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का करण हैं कि स्थावर सम्भत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,500/- रह. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या पलैंट है, जो रेड हील्स, हैदराबाद में स्थित है । (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खैरनाबाद में भारतीय रिजिट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 7-84

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित काबार मृष्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और किया गया है मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके सर्यमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, विम्नलिवित उद्वेष्य से उन्त अन्तरण निवित में वास्तिक रूप स कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइं किसी नाय की वावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्त में कमी करने या उससे वचने में सूनिका के लिए; बौर्/का
- (%) एसी किसी आय या किसी धन या जल्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था फिपाने में सुविभा के निष्;

अत: अब उयस अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिसिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- मेसर्स भाग्यनगर कन्स्ट्रक्शन को ०
 बाह श्री मृकुंदलाल, अग्रवाल,
 11-4-656/1, रेड हीस्स, हैयराबाद।

(अन्तरक)

 श्री आर ० श्रीनियास पिता आर ० रामचार, रोड नं ० 5, ज बली हास्स, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र मूं प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाध्त होती हो, के भीतर प्रविच व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (स) इस सूचना के राषपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, अं उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पीरभाषित है, वहीं अर्थ होगा, आं उस अध्याय में दिया गया है।

#### and the

फ्लैंट नं ० 309, ब्लाक नं ० बि ०, तिसरा मजला, 11-4-656/ i, रेडव्हील्स, हैदराबाद, विस्तीर्ण 816 ची ० फुट, रिजिट्रीकृत बिलेख नं ० 1653/84, रिजिस्ट्रीकृती अधिकारी, हैदराबाद।

> एम ० जगन मोहम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 12-3-1985

मोहर 🎨

### त्रक्ष् वार्डः टी., एत्, एक्, त्र व त व व लाव

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के निधीन सुचना

#### भारत् सरकार

### कार्यासम्, सञ्चयक नाय्कर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्ज न रें ज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च 1985

निर्देश सं० आर०ए०सी०नं० 1047/84—85——अतः मझे, एम० जगन मोहन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- अर्थ के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- रहे से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या श्रीर जिसकी संख्या फ्लैट है, जो पंजागृट्ट हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्व। में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदरीबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन, दिनांक 7-84

को पूर्वोक्त समपत्ति के उचित बाजार मूंल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूफे -यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकारें) और अंतरिती (अंतरितियांं) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाव की वावध, वक्त विधिनियम के अधीन कर दोने से अन्तरक के वायित्व में क्रमी करने वा उत्तरे वचने में सुविधा के ट्रेंबए; वॉर/शा
- (थ) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, वा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किया में सुविधा के लिए।

 मेसर्स विरगा कन्स्ट्रक्शन को ०, बाइ श्री नि ० एन ० रेड्डा, बंजारा हील्स, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती लता स्वामी पिति एम ० के ० स्वामी, 6-1-69-2-बी ०, सङ्काबाद, हैपराबाद।

(अन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पृथीक्तः सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य स्थिक्त क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: ----इसमें प्रयुक्त काब्यों और पदों का, जो उक्त जिस्मिनयम् के अध्याय 20-क में प्रिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया है।

#### अभृत्यी

पलैट नं ० 17, ब्लाक नं ०एफ ० विरगोअपार्ट मेंट्स, पंजगूट्ट हैदराबाद, विस्तीर्ण 600 चौ ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 3803/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद ।

> एम ० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैक्राबाद

अतः नव, उक्त सिधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिधित व्यक्तिकार, अर्थार

नारोख': 12-3-1985

प्रकृप भार्च. टी. एन. एस.-----

भावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सृपना

#### भारत सरकार

कार्आलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 12 मार्च 1985

निर्देश नं ० आर ०ए ०सी ० नं ० 1048/84—85—असः **मुहो**, एम ० जगन मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धाय 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

म्रीर जिसकी संख्या फ्लैट है, जो कं जागुट्टा, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची मम्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि कारी के कार्य लिय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 7-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्य-मान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरितों (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में स्विधा के सिष्ट; और/या
- (था) ऐसी किसी भाय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में श्विभा के लिए;

कतः जब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, में उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निस्नतिश्वित व्यक्तियों, अभीत :---  मेसर्स विरगो कन्स्ट्रमणन को ० बाइ श्री की ० एन ० रेड्डी, बंजारा हिल्स, हैदराबाद।

(अन्तरक)

 श्रीमती सी ० ह्वी ० एम ० मीनाक्षी पति सी ० सूर्य नारायण, 6-3-595/9, पश्चावर्तानगर, हैसराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्त्रस्वन्धी व्यक्तियों पद्ध स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय बुवाय;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिस्तवद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के वास निवित्त में किए जा सकोंने।

स्वष्ठीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनक अधिनियम से प्रथ्वाय 20-क में परिभावितः है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिंगा गया है।

#### समय जी

प्लॅंड नं० 93, पूलाक नं० एफ० तीसरा मजला, विरगो कस्ट्रक्शन को० पंजागुर्दी, हैदराबाद, विस्तीर्ण 600 चो० फुट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3804/84, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

> ए म ० जंगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज, हैदराबाद

तारीज: 12-3-1985

### प्रकप कार्, टी. एन. एस., ------

**कारफर मभिनियम, 1961 (1961 का 43)** की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

#### बारत बरकार

कार्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च 1985.

निर्वेश सं ० आर ०ए ०सी ० नं ० 1049/84—85—अतः मृझे, एम ० जगम मोहम

नायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसमें प्रवाद 'उन्ते अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अभिने सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृस्य 25,000/- रा. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० पलैट है, जो कं जागुट्टा, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद अनुसूची में श्रम्य एणं रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्दा अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक 7-84

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाबार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के तिए जन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्ब, उसके दश्यमान प्रतिफल से एमे दश्यमान प्रतिफल के उन्बद्ध प्रतिकत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकार) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे जन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्ट से उक्त अन्तरण किखित में बास्तिवक रूप में किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उच्च अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक वी दायित्य में अभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी जाब या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्दौरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा वै निहां।

बत: बब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, बनुबरण कें, में उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के बधीन, निम्नलिसिन व्यक्तियों, अर्थात् :---

 मेसर्स विरमकन्स्ट्र क्यान, को ० बाइ श्री बी ० एन ० रड्डा, बंजारा हिल्स, हैदशबाद।

(अन्तरक)

 कु० स०मीना पिता एस०क ०रंगानाथन, फ्लॅट नं ० 240-डी०, विष्णा काम्प्तैक्स, पंजागुट्टा, हैदशबाद ।

(अन्तरिर्ता)

को बहु सुचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गरू करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी विधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथांहस्ताधारी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त जीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

#### · servel

पनैट नं • 40, पलाक-डी, पांचमां मजला, विश्गो कन्स्ट्रम्यान, पंजागट्टा, हैयराबाद, विस्तीर्ण 800 चौ • फुट, रजिस्ट्राकृत विलेख नं • 3806/84, रजिस्ट्राकृती अधिकारी, हैयराबाद।

> एम ० जगन मोह्न सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराजाद

दिनांक 12-3-1980

प्रकार बाहें ही . एन् . एस् : : :----

बायफर अभिनियम 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) के अभीन न्यना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीकण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च 85

निदिंशि सं०आर०ए०सि:०नं०1050/84—85——अत: मुझे, एम० जमन मोहन

शासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (शिया इसमें इसमें प्रकार परवात अधिनियम काम गया हैं), की भारा 269-य के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण हैं कि स्थायर संपरित, विस्का उचित भाषार मूल्य 25,000/- रा. संगीधक हैं

मीर जिसकी संख्या पलैट है, जो पंजागुट्टा, हैदराबाद में स्थित है (मीर इससे उपाबद अनेसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 7-84

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिकल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार बूक्य, उसके दूरवमान प्रतिकल से, एसे दूरयमान प्रतिकल का बन्द्रह् प्रतिकत से अभिष्य है बौर अन्तरक (अंतरकार) और अंत्वरिती (अन्तरितियार) के बीच एसे बन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-कल निम्नोनिकत उद्देश्य से उचित अन्तरण निम्नोनिकत उद्देश्य से उचित अन्तरण निम्नोनिकत व्यवस्था

- (क) बन्धरण चंडूपं, किसी मान की शासत, उनकः अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वाक्रिय में कमी करने वा अवस्थे वचने में स्पेपभा चंडिए; व्याप/वा
- (च) एसी किसी झाय या किसी धन मा अन्य जास्तियाँ को, चिन्हीं भारतीय जाय-कर अधिनियज, 1922 (1922 को 11) या उत्तर अधिनियज, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अस्तरिक्षी क्वारा प्रकट नहीं किया गया जाया किया चाना बाहिए था कियाने में वृत्रिधा ले निए;

 मेसर्स विरगा कृत्स्ट्रक्शन को ० बाइ श्री बी ० एन ० रेड्डी, बजारा हिल्स, हैदराबाद।

(अन्तरक)

 श्री जी ० अपी रेड्डी, पिता जी ० वेंकट रेड्डी, त्वाडू विलेज, चीलकलरीपेटा, ताल्लुक जिला गंटूर।

(अन्तारता)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्मिरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उन्ह संस्कृति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाम्नेष् :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तानील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति श्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धिकरणः --इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्तु अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगर जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वपुष्यी

प्लैट नं ० 1, विरगो कन्स्ट्रक्शन को, पंजागुट्टा, हैदराबाद, विस्तीर्ण 790 बौ० फुट, रिजर्ट्यकृत विलेख नं ० 3805/84, रिजरट्रीकृती अधिकारी, हैदराबाद।

एम ० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारो महायक आमकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

शतः जब, उन्त श्रीभिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरक में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-श की उपभारा (1) की सभीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :---

तारीख: 12-3-1985

मोह**र**ः

### शास्य बार्ड . टी . एन . एस . ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च 1985

निर्वेश सं. आर०ए०सी०नं०1051/84—85——अतः म्झो, . एम०जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका विवत बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जितकी सं ० फ्लैट है, जो पंजागुट्टा, हैवराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्वा में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कर्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, (1908 1908 का 16) के अधीन दिनांक 7 जुलाई 1984 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार जूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिक्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिक्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिक्त से अधिक, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तारण से हुई फिसी शाय की बाबत, उक्त शोधीनयन थां जधीर कर दोने के बस्तारक के भाका ना नमा अन्य सामा उन्हा नवा साविधा के सिद्ध; बरि/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्हों भगरतीय आयष्टर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कहर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अह प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना चाहिए था कियाने में स्विधा के निए;

जतः अव, उक्त जिधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—  मेसर्स विरगो कन्स्ट्रक्शन का०, बाइ श्री बी०एन० रेड्डी, बंजारा हिल्स, हैदराबाद

(अन्तरक)

 श्री एम ०पी ०पुरुषोत्तम, 18/31, श्रीमगर, तीकमल गीरी, सिकन्दराबाद।

(अन्तरिर्ता)

स्रो यह सूचना भारी करके वृत्रोंक्स सम्पृतित के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वित्तयों में से किसी स्वित्त ब्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की क्षारीख सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थध्दीकरण:--६समें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उत्कर्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

प्लैट नं ० 47, प्लाक नं ० डी ०, छटवा मजला, विरगो काम्प्लेक्स, पंजागुट्टा, हैवराबाद, विस्तीर्ण 800 चौ ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 3807/84, रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी, हैवराबाद।

> एम ० जगन मोहन सक्षम अधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरंक्षण) अर्जन रेंज, हैदगबाद

दिनांक 12-3-1985

ब्रह्म<sub>ा</sub> बार्घा टी, एस<u>.</u> एत. -----

नायकर अभिनियभ्, 1961 (1961 का 43) की बाह्य 269-वृ (1) के वधीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च 1985

मिदेश सं० आर० ए० सी० नं० 1052/84-85-**→** अत: मुझे, एम० जगन मोहन

**भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें** इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रतिथकारी का, यह विस्वास कारते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- एत. से अधिक **ह**ै

भीर जिसकी सं० फ्लैंट है, जो पंजागुटटा हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के **पन्द्रह** प्रतिकात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पार्या गया फल निम्नलिखित उद्दर्वदेय से उर्कत अन्तरण लिखित में वास्तविक में बास्तविक रूप से कथित नहीं , किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आक्त, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (ज) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियंग, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए:

(1) मैसर्स विरगो कन्स्ट्रक्शन कं०, बाई श्री बी० एन रेड्डी, बंजारा हील्स हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री के० रमेश , 6-3-609/109, आनंद नगर, हैदराबाद

(अन्तरिती)

की वह सूचना बार्ी करके पूर्वीक्त संस्थीता से अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप 🖫

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 विन की अवधि, जो भी अविभ बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस स्चनाको राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकरेंगे।

स्पब्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं कर्ष द्वीगा, को उस अध्याय में विया गया है।

फ्लीट नं० 29, ब्लाक इति, चौथा मंजला पंजागुट्टा, हैप्दराबाद विस्तीर्ण 790 चौ० फुट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3808/84 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक :- 12-3-1985

महिर:

सतः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) फें अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

वक्ष्यः वाद्यः दीः एतः एत<sub>ः न</sub>----

नाथकर अभिनियमः, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) से सभीत स्चना

#### भारत सरकार

कार्यांसय, महायक मायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैवराबाद, विशांक 12 मार्च 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 1053/84--85--अतः, मुझे, एम० जगन मोहन

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है। , की भारा 269-स के अधीन सक्षण प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-स. से **अधिक है** 

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट है जो मारेडपल्ली, सिकदराबाद में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनसूर्च। में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्दीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मारेडपल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिमियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है जौर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकार) आहर अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिपाम निम्नसिक्ति उद्देश्य से उक्त मंतरण सिक्ति मं वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

- (क) मंतरण से हुइ किसीं माय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के सिए: और∕या
- (क्य) एंसी किसी अगय या किसी भग मः अन्य आस्तियाँ को, जिन्ही भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-**कर अधिनियम, 1957 (1957** का 27)। के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

क्तः बदः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, तक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) हे हथीत. निम्निविक्ति स्वित्वों, अर्थात् u--

(1) मैसर्स फशन बिल्डर्स, 10-2-267/132, वेस्ट मारेडपल्ली, सिकदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री सयद खाजा कमलुदीन 5-9-1037, हैवरगुडा, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उन्त सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :----

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय सं 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, भी और अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रशेवत भ्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवाहा;
- (स) इस स्चाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितपद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्टोकरण:--इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उपल अधिनियम के अभ्याय 20-क में परिकारिक है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विश गया है।

### वन्स्ची

प्लैंट नं० 1 बी- ब्लाक , 10-2-267, मारेडपल्ली सिकंदराबाद, विस्तीर्ण 916 चौ० फीट, रजिस्ट्रीकृत विलेख 1736/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मारेडपल्ली ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक :- 12-2-1985

### प्रकप आई. टी. एन. एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देक्षण) अर्जन रेंज, हैकराबाद

हैबराबाद, बिनांक 12 मार्च 1985

निवेश सं० आर० एं० सी० नं० 1054/84-85----अत:, मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

म्रोर जिसका सं ० प्लाट है, जो एस०पा० रोड़, सिकन्दराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण इप से बर्णित है ), रजिस्ट्राकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकंदरा-बाद में भारतीय रजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिश्वत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिश्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं के

- (क) अन्तरण से हुद्दें किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूरिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम, निम्नलिखित क्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रा व्ही ० एम ० सोमसेंघरम, 126 एम ० जी ० रोड़, सिकंदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री एन० णिवय्या ग्रीर अन्य 3-3-687, रंगराज बाजार, सिकंदराबाद ।

(अन्तरिर्ता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपक्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख स 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

खुली जमीन, विस्तीर्ण 710 ची० गज, एम० पी० रोड़, मिनंदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 335/84, रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी, सिनंदराबाद।

> एम ० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैक्राबाद

दिनांक : 12-3-1985

### प्ररूप बार्ड्, टी.एन. एस . ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च 1985

निवेश सं० आए० एं० सी० नं० 1055/84-85-अतः, मुझे, एम० जगन जोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं० कार्यालय है जो कान्ना काम्प्लेक्स, एम० जी ० रोड़, सिकंदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप में विणत है), रिजर्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकंदराबाद में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अर्धान दिनांक जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती /अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिस में वास्तिवक रूप से कथित नहीं कया गया है ...

- (क) अन्तरण से हुद्दें किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आहिंस्तरों को जिन्ह भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में,, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित, ब्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) डा० सी० रामकृष्णा रेड्डी, सिकंदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) मैससं वी० एम० फाइनास्सीयल एण्ड लिसिंग कं० बाइ प्रोपरायटर, श्रीमती व्ही० शारदा, 1-2-54/4, गगनमहल रोड़, दोमलगुडा, हैंदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्तीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### ्र अतसाची

कार्यालय नं ० 216, दूसरा मंजला, 2-2-132 से 139 कामा काम्प्लेक्स, सिकंदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 327/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सिकंदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

दिनांक : 12-3-1985

मोहर ः

प्ररूप मार्च. टी. एन. एस. अन्यत्व

बायकड विधिनियम, 1961 (1961 का 43) क्री धारा 269-च (1) के बंधीन सूचना

#### भारत बहुकाड

### कार्यास्य, स्हायक शासकर बायुक्त (नि<u>हा</u>क्षिण) धर्जन रेंज, हैयराबाय

हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च 1985

निवेश सं० म्रार० ये० सी० नं० 1056/84-85-म्रतः मुझे एम० जगन मोहन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित जाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट हैं जो एस पी० रोड़, सिकंदराबाध में स्थित हैं (और इससे उपाधक धनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकार्ती ग्राधिकारी के कार्यालय, मारेखपल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के ग्राधीन दिनांक जुलाई 1985

को प्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृष्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुफ्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यभाप्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे व्यथमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नितियों उद्वदेष से उक्त बंतरण सिचित में अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्सरण में हुई किसी आम की वाबत, उक्त अधिनियंत्र के अधीन कर देने के अन्तरक के ध्रायित्य में कमी कड़ूने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐती किसी नाथ या किसी भन या सम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त विभिन्यम की भारा 269-ग के वनुसरण क्रं, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) अधीन, निम्नतिश्वित व्यक्तियों, वर्धात् :--- (1) मेसर्स भानोदया विल्डर्स, 1218 जूबिसी हीलस, हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती बि० सूजाता देवी, 3--4-663/23, नारायण्णूडा, हैदराबाद ।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मित्ति के कर्पन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से
  45 विन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 विन की वविभ, जो भी
  वविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
  व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति स्वाराः
- (क) इस तृथना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्यक्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित के हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

### अनुसूची

पलेट नं० 14 2-11-30 यस० पी० रोङ, सिकंदरा बाद, विस्तीर्ण 842 ची० फूट, रजिस्ट्रीकृत विसेख नं० 1666/84, रजिस्ट्रीकृती श्रिधकारी मारेडपल्ली ।

एम० जगन मोहन सक्षम द्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रैंज, हैदराबाद

धिनांक - 12-3-1985 मोहर:

### श्रम्य बार्ड ,टी ,एन .एच ु =======

नायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के जधीन सूचना

#### भारत संद्रकार

कार्बासय, सहायक बायकर आयुक्त (निर्दाक्षण) श्रर्जन रेंज, हैयराबाद

हैवराबाद, दिनांक 12 मार्च 1985

निदेश सं० घार० ये० सी० नं० 1057/84-85 ग्रत: मुझे, एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उन्तर अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, विश्वका उचितं वाजार भ्रूष्य 25,000/- रा. सं अधिक हैं

और जिसकी सं० कार्यालय है, जो रानीगंज सिकंदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध मनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक जुलाई 1984

्को प्रवेक्त संपरित के उचित बाजार भूल्य से कम के क्यमान प्रविक्त के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विक्यास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से ऐसे क्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य हे उक्त वस्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया न्या हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वायत, उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अडि/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, (छपाने में स्थिधा को लिए।

(1) मैंसर्स बाबूखान बिल्डर्स5-4-86 से 92,रानीगंज, सिकंदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद ग्रहमद ग्रली खान , ग्राफिस नं. 633, 5-4-86 से 92 रानीगंज, सिकंदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जन्धि, जो भी अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुनारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए का सकतेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### धनुसूची

कार्यालय रूम नं० 633, रानीगंज, सिकंवराबाद विस्तीणें 384 चौ० फूट रिजस्ट्री हा जिल्हा नं० 3702/84, रिजस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी हैदराबाद !

एम जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकार श्रायुक्त (निर्क्षण) श्रजन रेज, हैदराबाद

अतः बन्न, उक्त विधिनियम की भारा 269-१ के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, वर्षात् :—

दिनोंक :- 12~3-·1985

प्ररूप आइ°.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज, हैदराबाद

हैपराबाद, दिनांक 12 मार्च 1985

निदेश सं० ग्रार० ये० मी० नं० 1058/84-85--ग्रतः मुझे एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० घर है जो ध्राणोक्षतगर, हैदरबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध ध्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्क्ट्रीशर्ती ध्रिश्विशोरी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजिस्ट्रीशरण ध्रिधितियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक जलाई 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि ग्रथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशत उद्देश्य से उक्त अंतरण निलित में वास्तिमक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सिविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) खा० एम० वेंदर राघ, घर नं० 1-10-7 श्रणोक नगर, हैसराबाद;

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती पारमी देवी और ग्रन्य 1-10-7, ग्रमोक नगर हैवराबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवीधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पूस विस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

घर नं० 1-10-7 श्रकोक नगर, हैंदराबाद विस्तीण 748 चौ० गत, भृमि और रिजस्ट्रीEत विलेख नं० 3996 84 रिजस्ट्रीकर्ता श्रिश्वारी, हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम द्वाधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, हैदराबाद

दिनांक :- 12-·3--19**8** 5

प्रकल् नाइं. टी., यम्., एवं.,-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत स्रकार

्थायलिय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैंदराबाद

हैदराबाद, विनांक 12 मार्च 1985

निदेश सं० श्रार० ये० सी० नं० 1059/84-85---श्रतः मझे एम० जगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ६सके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० फ्लेट हैं, जो बसीरबाग, हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपाबढ़ श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है ), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिआरी के कार्यालय, चिकडपल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक जुलाई 1984

भो पूर्वोक्स सम्मित्त के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण कि बित में वास्तविक रूप से किथ्त नहीं किया गया है द्व--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

भतः अत्र. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें में, उक्त अधिनियम की धारा-269-च की उपधारा (1) के धीन, निम्नलिश्चित व्यक्तियों, अधार्त हि——
17—601/85

(1) मृसर्स प्रोप्रसीव्ही बिल्डर्स, 3- 6- 30,9, बसीरवाग, हैपरावाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री व्ही, रामा वृष्णा ,
फ्लेट नं० 43, स्कायलार्क, श्रपार्टमेंट्स,
बसीरबाग,
हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह्र--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रांशर;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

#### ननुसूची

फ्लेट नं० 43 ए, ब्लाक, 3- 6- 309, बसीरबाग, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1635 चौ० फ्ट , रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 559/84, रजिस्ट्रीकृती अधिकारी चीक्खपल्ली ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन टेंज, हैदराबाद

दनांक :- 12-3-1985 मिहिर 🏻 प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांकः 12 मार्च 1985

निदेश सं० आए० यं० सी० नं० 1060/84-85---अतः मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट है, जो हीमायतनगर, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, के कार्यालय, बाक्कडपरली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

इत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) वंजारा कन्स्ट्रक्शन की बाई झीनाब खटूब, रोड़ नं० 12 , बंजारा हीलस् हैदराबाद !

(अन्तरक)

(2) श्रीमती नहीद महमूद खटून, फ्लैट नं० 102 3-6-782, हीमायतनगर, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध् या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्कू अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

फ्लैप्ट नं ० 102 पांचवा मंझला, हीमायतनगर, हैवराबाद, विस्तीर्ण 487 चौ ० फूट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 548/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी श्रीक्कडपल्ली ।

एम० जगन मोहन सक्षम **बधिकारी** स**हायक** आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक :- 12-3-1985 मोहर :- प्ररूप नार्षः टी, एन, एस<u>,</u> ---<u>--</u>-

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 1061/84-85-अतः मझे एम० जगन मोहन

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की 269- व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० घर है जो बसीरबाग, हैदराबाद में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), र्राजर्स्ट्रक्तां अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 दरा 16) के अधीन दिनांक जुलाई 1984

को पूर्वों क्त सम्पत्ति को उचित बाजार भूल्य से कम को रहयमान प्रैतिफल के लिए अन्तरित की गई है आर मुकेयह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वर्ग से उन्त अन्तरण निषित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को धायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए: और/या
- (स) एभी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय⊸कर अधिनिनन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर **बिधनियम,** 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ी। की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) अफ्लुनिसा जी० अहमद पति घौसददीन, अहमस, 3-5-874/13, हैदरगुडा, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रझीया सूलतान पति खाजा मौयनुद्दीन 3-5-807/1/ सीं , हैदरगुडा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

की यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के किए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हां, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और गदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया मया है।

#### मन्त्रको

फ्लैंट एम० नं० 5-9-60, बसीरवाग, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1435 ची० फुष्ट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3970/ 84 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद

> एम० जगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (नर्रक्षण) अजन रेंग ,हैदराबाद

दिनां o :- 12-3-1985

महिर:-

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैषराबाद, दिनांक 12 मार्च 1985

निदेश सं० आर० ये० सी० नं०1062/84-85--अतः मुझे एम० जगन मोहन ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं ० पलैट है, जो कांग कोठी, हैदराबाद में स्थित है (मौर इससे उपाबद्ध अनूसूची में घौर पूर्णरूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकर, अधिनियम 1908 (1908 का 17) के अधीन दिनांक जुलाई 1984

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बम्बह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्प से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में क्रमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिस्थित, व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमित पुष्ना सचिट्टी पति सूभाष सचिटी। 3-6-168/4. हैदरागूडा, हैदराबाद,

(अन्तरक)

(2) डा० मोहमद हुसन मूसा पिता जे० मूसा,
 4-1-872,
 तिलक रोड, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्षत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित, है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अमुस्ची

पलैंट नं० 105 , 3-5-784/15-1, कांग कोठी, हैदरादाब, विस्ती  $\sqrt{766}$  चौ ० फूट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 4013/84, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

एम ० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांक :- 12-3-1985 मोहर

### प्रस्प बाइ .टो एन एस .------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की नारा 269-न (१) के न्थीन स्पना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च 1985

कायकर अधिनियम, 1961 (196 1का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. सं अधिक है

ष्मौर जिसकी सं० घर है, जो हैदरगूडा, हैदराबाद में स्थित (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, के कार्यालय, चीक्नडपल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचिक उद्युवेक्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, तबल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा और लिए; बार/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तीरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

(1) श्रीमित महबूबू तिसा बेगम, 9/8, रामंतापूर, ऊप्पल रोड़, रंगा रेड्डी जीला

(अन्तरक)

(2) श्री बाई० एस० प्रकाश रेड्डी और अन्य, आपोजीट लक्ष्मी टाकीज, पूजीवेंदला, कडण्या जीला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

#### एक्स सम्परित को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में में किसी स्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिए हैं। वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विसा स्या है।

### मन्स्ची

घर नं० 3-5-855/6, हैदरगूडा, हैदराबाद, विस्तीर्ण 307 चौ० गज, आफ भूमी रिजस्ट्रोक्टत विलेख नं० 536/ 84 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी चोक्कडपल्ली, ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 12-3-1985

मोहर 🖫

### प्रका कर्रा टॉ. एन. एर्.-----

**बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की** धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैक्षराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च, 1985

निर्देश सं०आर०ए०सी०नं०1064/84--85---अतः मुझे, एम० जगन मोहन

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् जिक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-का को अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- हुर से अधिक है

भौर जिसकी संख्या भूमि है जो कल्लूरु, करनूल में स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनूल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 84

भन्ने पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मुख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गए हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण सिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कनी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाब वा किसी बन या अन्य आस्तियों को, विन्हीं भारतीय अयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ उपधारा (1) द अधीन, निम्नितिशित व्यक्तियों, अधीत क्षांत्र

 श्री टीं ० के ० बीसय्या और अन्य 40/436/ए, ईश्वर नगर, करनूल ।

(अन्तरक)

2. मेसर्स श्री गुरु राघवेद्रा ट्रेडर्स, श्री के ०गुरवय्या, 18/100 ए-29, श्रोफ बाजार, करनूल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सुम्पत्ति के नर्बन के सम्बन्ध कें आहे भी बालेंच अ---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी व वे 45 दिन की जनभिया तत्संबंधी व्यक्तियों पड़ सूचना की तामील से 30 दिन की जनभि, जो भी जनभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतड़ पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हित् बब्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

क्ष्मके रण: ---- इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित्र है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया व्याहै।

#### अनुसूची

भूमि, कलूरु विलेज, करनूल, विस्तीर्ण 1 एकड़, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 4433/84, रजिस्ट्रीकृती अधिकारी करनूल।

> एम ० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12-3-1985

प्रस्प आई. टी. एन . एस . -----

### बाव्यार मींभीतियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

### कार्यासम्, सहायक मायकर आयुक्त (निर्रोक्षण) अर्जम रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 12 मार्च 1985

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 1065/84—85—अतः म्झो, एम० जगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी संख्या घर है, जो नारायणगृडा, हैदराबाद में स्थित है (भीर इसमे उपाबद्ध अनुभूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 84

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-प्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रति-फल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं पाया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में स्विभा' के किए; और/बा
- (क) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के नितर.

बतः भव, उक्त अभिनियम का भारा 269-ग के अनुसरक को, मी, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री सीयका, बैंकट रत्नमिता लेट हनुमय्या, 3-5-115, नारायणगुडा, हैदराबाद।

(अन्तरक)

श्री ह्वी ० सत्यनारायण रेड्डी,
 3-5-115, नारायणगुडा, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के बिख् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त बिचिन्द्रम्, के मध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वहीं मर्थ होगा को उस मध्याय में दिवा गया है।

### अनुसूची

घर नं ० 3-5-115, नारायणगूडा, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1200 चौ ० गज, श्रौर 6085 घो ० फुष्ट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 4004/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद ।

एम ० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रोंज, हैरराबाद

तारी**ख**: 12-3-1985

मोहर 🕾

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- ज् (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैबराबाद, विनांक 12 नार्च 1985

निर्देश सं ० आर० ए० सी ० नं ० 1066/84-85--अतः मुझे, एम ० जगन मोहन

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख की अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या फ्लैष्ट है जो यडन बाग, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारीय रिजस्ट्री-"। करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 84

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार उसके पश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से विधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिधों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आहिस्तयों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त औधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा को जिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६---  मेसर्स ए० जे० बिल्डर्स, 3-5-121/इ० यडन बाग, कींग कोठी, हैदराबाद।

(अन्तरक)

 श्री एस०एम०हूशनि पिता एस० आर० हुशनि, 5-8-548/जं।० आबिद रोड, हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्धन को सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उकत सम्मत्ति में हितब वृथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी ।

स्यख्दीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित -है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### **मन्यूजी**

फ्लैट नं ० 4, 3 $-5-121/\pi$ , यडम बाग, हैदराबाय, विस्तीर्ण 1100 चौ ०फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेखत नं ०4040/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाय ।

एम ० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 12-3-1985 मा**हर** ॥ प्रस्प बाइ. टी. एन. एस. ------

बाय्कर विधिनियन्, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के अधीन सूचना

### नाइत तरकार

### कार्यांक्य, अकारक अधकर आधुक्त (निर्धिश्य)

म्रर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च 1985

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० 1067/84-85—श्रतः मुझे एम० जगन मोहन

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संवत्ति जिसका उचित्र वाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट है, जो हिमायत नगर, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबड़ प्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से यणित है रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद, में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक जुलाई 84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार बूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का क्रिचत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के एसे दश्यमान प्रतिफल का भन्द्रह प्रतिचात से विभक्त है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय शया गया प्रविक्त , निम्निशिव उद्देष्य से अन्तरण लिख्त में वास्त्रविक रूप से कियत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सुविधा के लिए; आहु/या
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी भन् वा अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धमकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ज्या था या किवा जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

जसः असः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) की अधीन निम्नलिभित ज्यक्तियों, अर्थात .---18—6GI/85  मैसर्स सरादव कन्स्ट्रक्शन लि०, 3-6-200 ∰्रीहंमायतनगर हैदराबाद ।

(अन्तरक)

डी० एस० लक्ष्मी,
 1-2-412/6/ए, दोमलगडा.
 हैदराबाद ।

(मन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के जिल् कार्यग्रहियां शुरू करता हुई।

### इन्स सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेष्:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की जविध, जो की अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीता पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे

स्पच्यक्तिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों भरि पर्वों का, जो उक्त अग्रीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

### मनुसूची

फ्लैंट नं० 206, घर नं० 3-6-200, हिमायत नगर, हैदराबाद, विस्तीर्ण, 1000 चौ० फुट, राजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3695/84, राजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

दिनांक : 12-3-1985

मोहर 🔅

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च, 1985

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 1068/84-85—ग्रतः मुझे एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट है तथा जो हिमायत नगर, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबक धनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) र्जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में र्जिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक जलाई 84

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उध्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विध्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उध्यमान प्रतिफल से, ऐसे उध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरका अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्तलिखित उद्दोध्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय जा किसी धेंने या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:——

मैसर्स सरदाव कन्स्ट्रक्शन प्रा० लि०,
 3-6-200, हिमायत नगर,
 हैवराबाद ।

(श्रन्तरक)

 श्रीमती ऊषा विजया गोपाल, वि० 13/एफ-3, विगनानापूरी कालोनी, हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवीधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्बों और पूर्वों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

प्लैट नं० 102, 3-6-200, हिमायत नगर, हैदराबाव विस्तीर्ण, 1302 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3968/84 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी, हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

ि विनांक 12-3-1985 मोहर ः

### 

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च, 1985

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 1069/84-85—श्रतः मुझे एम० जगन मोहन

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो जीडीमेंट्ला रंगारेड्डी जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय मेंडचेल, का भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्राधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन दिनांक जुलाई 84

को प्वांक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किरण गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की आजत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी थन या अन्य व्यक्तियों करों जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अवः., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

 श्री एम० एन० लक्ष्मीनरसय्यां और ध्रन्य 12, बाई श्री एम० एन० पद्मा राव ध्रलवाल, मिकन्दराबाद ।

(भ्रन्तरक)

2. मैंसर्म श्री वेंकटेश्वरा इन्डस्ट्रीयल, इस्टेट, वाइ श्री रतनलाल जैन, 23-6-58/5/6, हारीवबावली, हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तित्यों पर सूचना की त्रमील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्राख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बस्थ किसी अन्य स्थिकत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ग।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त झब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनसर्ची

भूमि विस्तीर्ण, 57-75, एकर, जीडीमेट्ला, मेडचंल, ताल्लुक, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4077/84, रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी, मेडचेल ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 12-3-1985

### प्रकम् का<u>र्ह्यः</u> ठी*ु एत्, एय्न*

### जायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की चारा 269-ण (1) के मधीन सूचना

#### बाइत बहुकार

## कार्याभय, सह्ययक वायकर वायुक्त (निर्देशिका) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च, 1985

निदेश सं० धार० ए० सी० नं० 1070/84-85—-धतः मुझे एम० जगन मोहन

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट है तथा जो हिमायत नगर, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद मानुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 7/84

को पूर्वेक्ति सम्मिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते नह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पिति का अविक साजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सें, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) औ बीच एसे अन्तरण के लिए उप पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण विश्वत में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है:---

- (अ) जन्तरण वे हुई जिल्ही साथ की वावत, अन्त प्रक्रितिक्षम के प्रधीन कर देने के प्रम्तरक के दानित्य भें कमी करने ना उसमें नचने में सुनिधा के सिए; और/कः
- िश्री किसी भाग या किसी धन के जिन्हों भारतीय भागकर अधिनियम, % 9.2.2 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ४.7.2.2 भग-कर अधिनियम, या भग-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया वाना चाहिए था खिपाने में स्विधा के निए।

जतः जयः, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित स्यक्तियों, अर्थात् :—  मैसर्स सरवाव कन्स्ट्रक्शन, प्रा० लि० 3-6-200, हिमायत नगर, हैदराबाद ।

(भन्तरक)

श्रीमती घौयसीया, खटून,
 20-4-318/3. खरीलवाट,
 हैदराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं अं 45 दिन की अविधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकालन की तारीच ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पारभार्षित हा, वहीं अर्थ कृष्ण जो उस अध्याय में दिया गया हो।

### **यन्स्यी**

फ्लेट नं० 302, 3-6-200, हिमायत नगर, हैदराबाद, विस्तीर्ण, 1403,चौ०फु०, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 39672/84 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैयराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 12-3-1985

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

हायकर व्यक्तियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक मायकर मायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च, 1985

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं ० फ्लैट है तथा जो हिमायत नगर, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्त अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 7/84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुर्फ यह विश्वाम करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उत्तसे बचनें में सुविधा के किए; और/या
- (च) ऐसी किसी नाय या किसी भग था अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया चाना चाहिए था, जियाने में स्विधा के सिए;

शतः अय उक्तः अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कों, जी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) को अभीन, निम्नतिचित व्यक्तियों, अधीत् ह——  मैसर्स सरदाध कन्स्ट्रक्शन प्रा० लि०, 3-6-200, हिमायत नगर, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

2. श्री प्रशोक कुमार, घीर और श्रन्य 3-6-200/501, 5थ पलोग्नर, ग्रावणोदया, श्रपार्टमेन्ट्स हिमायत नगर, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

### उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेत्र :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों यर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच लें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षाकी के पास चिचित्त में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### वर्ज्जी

फ्लैंट नं० 501, घर नं० 3-6-200, हिमायत नगर, हैदराबाद, विस्तीर्ण, 1600 चौ० फु०, रिजस्द्वीकृत विलेख नं० 3966/84 रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिांनक: 12-3-1985

मोहरः

### प्रकप आई.टी.एन.एस.------

# वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-वं (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च, 1985

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 1072/84-85—श्रतः मुझे एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्लका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० है, तथा जो हिमायत नगर हैवराभाव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से बॉणत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक 7/84

को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रांतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विद्या जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, मं, उथत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— मैसर्स सरदाव कन्स्ट्रक्शन प्रा० लि०,
 3-6-200, हिमायत नगर,
 हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

श्री विठल राव, फ्लैट नं० 405,
 3-6-200, हिमायत नगर,
 रदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वनुसूची

फ्लैट नं० 405, 3-6-200, हिमायत नगर, हैदराबाद विस्तीर्ण, 1000 चौ० फु०, रिजस्ट्रीकृत विलेख, नं० 3965/84 रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज,र हैदराबाद

दिनांक: 12-3-1985

मोहर

प्रसम् बाह् . टी. एन . एस . -----

### कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) भारा 269-थ (1) के अभीन सुपना भारत सहकाड

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 12 मार्च, 1985

निवेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 1074/84-85--- श्रतः मुझे एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पलैंट है तथा जो हिमायत नगर हैदराबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैवराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 7/84

को पूर्वोक्त सपित के उिचत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का जीवत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिश्वात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उटत अंतरण लिखित में बाल्तिक कप में किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करनेया उस्रक्षेत्रचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या फिसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

मैसर्स सरदाव कन्स्ट्रक्शन प्रा० लि०,
 3-6-200 हिमायत नगर, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

 श्री सैयद मगदूम पिता लेट सैयद म्रली, 16-8-244, मलकापेट, हैदराबाद।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविध मा तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मंं प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा, अधोहस्ताक्षरी के शास लिखित में किए जा सकांगे।

### पम्स्यी

फ्लैट नं० 503, 3-6-200 हिमायत नगर, हैदराबाद में विस्तीर्ण, 1153 चौ० फु०, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3963/84, रिजस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी, हैदराबाद।

एम० जगत मोहन सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 12-3-1985

मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— प्ररूपः नाइ", टी. एत्. एस्. - - - -

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जामुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च 1985

निदेश सं० मार० ए० सीं० नं० 1074/84-85—प्रतः मुझे एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट है तथा जो हिमायतनगर, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 7/84

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्त्रित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपरित का उचित् बाजार मृल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिकित उच्चेष्य से उक्त बन्तरण किवित में वास्तविक क्य से कविन नहीं किया गया है अ

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व. मैं कमी करने या उससे बचने में सृतिया के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी जाम या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सिवधा के लिए;

अतः सम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  मैसर्स सरदाव कन्स्ट्रक्शन प्रा० लि०, 3-6-200, हिमायत नगर, हैदराबाद, ।

(ग्रन्तरक)

श्रीमती सीता लालवानि,
 प्लाट नं० 403,
 एम० नं० 3-6-200, हिमायत नगर,
 हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह तुषमा जारी करको पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बबत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:---

- (क) इस सुवना के राजपत्र में प्रकासन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पळीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्ट अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

#### अनुसूची

फ्लैंट नं  $^{\circ}$  403, 3-6-200, हिमायत नगर, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1100 चौ  $^{\circ}$  फु  $^{\circ}$  रिजस्ट्रीकृत विलेख नं  $^{\circ}$  3964/84, रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी, हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम र्घाधकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराजाद

दिनांक: 12-3-1985

मोहर 🔞

प्रकप आई. टी. एन. एस . -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अभीन सुचना

#### धारत सरकार

कार्यालयं सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराखाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च 1985

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 1075/84-85-- श्रतः मुझे एम० जगन मोहन

कायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें पश्चात् 'उन्ता अधिनियम' कहा गया हैं). की भाष 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० घर है तथा जो लिंगोजीगुड़ा, हैवराबाद में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय हैवराबाद ईस्ट में रिजस्ट्री-करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 7/84

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के क्याबान अतिफल के लिए अंतरित की नह है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्वोंक्त सम्पत्ति का अचित बाबार मूल्य उसके दश्यमान अतिफल से, एसे क्यामान अतिफल का पन्त्रह ।तिशत मे अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तक पावा जवा अतिफल, निम्नतिचित उद्देशों से उक्त क्यारण किवित में वास्तविक रूप से काँचित नहीं किया नवा है:—

- (क) जन्तरण में हुइं किसी बाय की बावत, उक्त जिथानियक के अधीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/बा
- (क) एटेंसे दिल्ली अय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय सायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था. क्रियाने में मुलिधा जे किए;

 मैसर्स हैदराबाद पी० एस० ओ० फार्मस बाइ कमलुद्दीन रङ्गाव और ग्रन्य, हैदराबाद।

(श्रन्तरक)

 श्री सी० एच० बालकृष्णय्या और म्रन्य कलवाकूरती, महबूबनगर जिला।

(म्रन्तरिती)

को यह सूच्या पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं व वें 45 दिन की सर्वाध या तत्संबंधी व्यक्तियों कद स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक वं 45 विन के भीतर उक्स स्थावर सम्पत्ति में हिल-बव्ध किसी व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकारी।

स्पव्यक्ति रण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिन्। गया हैं।

#### धनुसुची

घर नं० 1-86, लिंगोजीगुडा रंगारेड्डी जिला रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7588/84 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी हैदराबाद ईस्ट ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, **है**वराबाद

दिनांक: 12-3-1985

भोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के नधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्योजय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च 1985

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 1076/84-85—म्प्रतः मुझे एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सन्यत्ति, विसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि है जो करमनथाट विलेज, हैदराधाद में स्थित हैं (और इससे उपायक अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता घधिकारी के कार्यालय हैदराबाद ईस्ट में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन विनाक 7/84

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाब की शावत उक्त औध-नियम के अभीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कामी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पर्योजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना जाहिए था स्थिपने में स्विधा के लिए;

अंतः अक, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्निल्सित व्यक्तियों, अधारतः——  श्री ए० व्ही० सुरेन्दर राव 2-1-1385 लालापेट, सिकन्दराबाद।

(भ्रन्तरक)

2. श्री एस० पंडरी श्रहटला और श्रन्य इकाहीम पट्नमं तालुक ।

(मन्तरिती)

की वह स्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्प्रति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के रायपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पाद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गशा हैं।

### वन्त्रची

भूमि करमनघाट गांव हैंदराबाव विस्तीर्ण 1 एकर, रिजस्ट्रीकृत विशेष नं 0 8529/84. रिजस्ट्रीकृति ब्रिधिकारी, हैदराबाव ईस्ट ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक - 12-3-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अधीन सुचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर नायुक्त (निर्दाक्षण)

धर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च 1985

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 1077/84-85--श्रतः मुझे, एम० जगन मोहम,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269 के के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी मं० घर तथा जो किंग कोठी, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 7/84

भाधानयम, 1908 (1908 को 16) क प्रक्षान दिनाक 7/84 को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार भूस्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गईं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पावा गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क)ः अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-बाँधनियम के ब्धीन कर देने के बन्दुरक कें श्वित्व में कड़ी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय वा किसी भन वा अन्य जारिसकों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धनकर विभिन्नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंसरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सृतिधा के लिए।

अतः अयं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री सैयद खाजा श्रममतुल्ला हुर्शान,।
 20-5-123, काझीपुरा,
 हैदराबाद।

(मन्तरक)

श्री मोहम्मद मदर, 3-5-782/51, किंग कोठी, हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को बहु स्वना बारी करके प्रवेक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिल् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कीई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीच से 45 दिन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वीध, को भी अव्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंगाय;
- (क) इस स्वना के एजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध फिसी मृन्य स्थावत इयारा जभाहस्ताक्षरी के पास् निकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त क्षम्यों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-कं में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### नन्स्ची

घर नं० 3-5-782/52/1/9, किंग कोठी, हैदराबाद विस्तीर्ण 340 चौ० गज, भूमि, राजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3879/84, राजस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी, हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर झायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाव

दिनांक: 12-3-1985

### **रक्ष्** वार्षे . दी . दन् . दस् <sub>.</sub> -------

बायकर अभिनियन, 1961 (1961 को 43) की चारा 269-च (1) के अभीन सूचना

#### शारत करनार

कार्यालक, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैबराबाद, दिनांक 12 मार्च 1985

निदेश सं० धार० ए० सी० नं० 1078/84-85—धतः मुझे, एम० जगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित जिसका छीचत नाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० घर है, जो जामबाग हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 7/84

क्ये पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अंतरिती (अंतरितियों) के नीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफ फल, निम्नलिकित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिकित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है है——

- (क) अस्तरण सी हुई किसी बाय की बावत, उसते वर्षि-नियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। वरि/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था खिपाने में सुनिधा के किए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरणं मों, मीं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्याष्ट्रितयों अधीत् :---

श्री नरेश व्ही० देशपांडे,
 5-2-123 और 124,
 जामबाग रोड, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

श्री श्री ए० शगय्या और श्रन्य,
 5-2-123, 124 और 125,
 जामवाग, हैवराबाव

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सुम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारी से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी स से 30 विन की अविध, वो भी जबिद बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति दवारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्मां का, ओ उक्द विभिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित ही, यही नर्थ होगा को उस नध्याय में दिया गया ही।

#### अगतची

घर नं० 5-2-123, 124 और 125, जामबाग, हैदराबाद रिजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3929/84 रिजिस्ट्रीकर्ता स्रिधकारी, हैदराबाद।

एम० जगत मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 12-3-1985

मांहर ह

धक्य बार्डः टी. एत<sub>ः</sub> एत<sub>ः</sub>-----

बायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-भ (1) के बभीन सुमना

#### मार्त सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च 1985

निदेश सं ० आर ० ए०सी ०नं ० 1079/84-85---अतः मुझे, एम ० जगन मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उकत अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने सा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० घर है, जो हिमायत नगर, हैदराबाद में स्थित है (और इस के उपाबद्ध अनुसूचों में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 7/84 को पूर्वोंक्त संपत्ति के उपाम विलिय हो लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विकास करने का कार्या है कि गुरुए जेंदित संपत्ति का कार्याल करने का कार्याल का कार्या है कि गुरुए जेंदित संपत्ति का कार्याल का जाया है कि गुरुए जेंदित संपत्ति का कार्याल का जाया है कि गुरुए जेंदित संपत्ति का कार्याल कार्याल का कार्याल का कार्याल कार्याल का कार्याल कार्

प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित सपित का उपित बाजार. मुल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंदह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिनित भे नास्तिक क्ष्य म किथत नहीं किया गया है र

- (क) अन्तरण ते हुई किसी बास की वाबस, उक्ट जीभीनबस के वभीन कुट दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिक्ट; और/बा
- (च) ऐसी किसी अाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिल्हें भारतीय आयक्त जिल्हें प्रिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भक्क अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के विषय।

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, की, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

 श्री के० कृष्णाचारी पिता रंगा चारी, डाक्टर, बाद जी०पी०ए०, श्री के०संपतकुमार, 3-6-467, हिमायत नगर, हैदराबाद।

(अन्तरक)

 श्रीमतं। आयणा सिर्द्दाकी, बेगम पति मोहम्मद सुल्तान अला, 3-6-492, हारडीकर बाग, हिमायत नगर, हैदराबाद ।

(अन्तरिर्ता)

को यह सूचला जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 विन की अविधि या त्रसंबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, आं भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपित्त में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकारी।

म्पच्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याप में दिया गया है।

#### धनुसूची

घर सम्पत्ति नं ० 3-6-492, हिमायत नगर, हैदराबाद रिजस्ट्रीकृत विलेख नं ० 3751/84, रिजर्स्ट्राकर्ती अधिकारी हैदराबाद ।

एम ० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 12-3-1985

मांहर :

### प्रकृषाद् . दी . एन . एव . ------

जानकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकारु

कार्याज्य, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च 1985

निदेश सं० आर० ए० सी ०/1080/84-85—अतः मुझे, एम० जगन मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निरुवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं ० भूमि है तथा जो कोडर तालुक, कडप्पा, जिला में स्थित है (म्रांर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में मौर जो पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चोटबेल, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम दिनांक 7/84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विध्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरममान प्रतिफल से, एसे दूरममान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है:——

- (क) बंतरण से हुए कियी बाव की शावत , उभव विभिन्दन के वभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने वा उससे दचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा भन-कर अधिनियम, वा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपने में सृत्या के लिए;

ब्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अगुसरण बों, बों. उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—— श्री एन० शेषाचलम और अन्य,
 १ वडलस रोड, मद्रास-600 010 ।

(अन्तरक)

2. श्री ई ० प्रदीप कुमार भौर अन्य, पिता ई ० सदाशिवरेड्डी, नं० 4, न्यू कुंदन बाग, बेगमपेट, हैदराबाब, -500 016 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिद्यबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिकरण: ----इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का, जो उक्त जीभीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित -हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया भूबा है।

### मन्स्ची

विस्तीर्ण 118 52 एकड, वासुवेबपुरम, गांव, तालुका कोडूर जिला कडपा, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 1100/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चोटबेल ।

एम० जगन मोहम सक्षम प्राधिकारी सह।यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 12-3-1985

मोहर 🕄

त्ररूप भार्दं .टी .एम .एस .,-----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैवराबाद हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च 1985

निर्वेश सं० आर० ए०सी ०नं० 1081/84-85—अतः, मुझे एम० जगन मोहन

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें एक्चात् 'जनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर समंचित्र, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह से अधिक है

भीर जिसकी सं० धर है, जो, अम्बरपेट, हैघराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबब अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद-ईस्ट, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 7/84

को पूर्वेक्सि संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (क) ऐसी किसी या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उच्च अधिनियस, या भन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा मा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्री व्ही० मधुसूदन रेड्डी श्रीर अन्य.
 3-5-110/बी, नारायणगूडा,
 हैदराबाद ।

(अन्तरक)

 मैससं प्रशांत इन्टरप्राइजेस पेव्दा अम्बरपेट, रंगारेड्डी, जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

### चक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वार्शप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकें में।

स्मव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्स्चर

घर नं ० 6-67, अम्बरपेट, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विश्लेख नं ० 7550, 8820 श्रोर 9268/84 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद ईस्ट।

> एम ० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निर्दक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

(1) दिनांक माहर :

दिनांक : 12-3-1985

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियां, अर्थात :---

प्ररूप धार्दः टी. एन. एस. - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च, 1985

निदेश सं० आर० ए० सी/1082/84-85—अतः मुझे, एम० जगन मोहन बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्णात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वान करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं प्रीर जिसकी सं० घर है, जो नारायणगुड़ा, हैदराबाद में स्थित है

श्रीर जिसकी सं ० घर है, जो नारायणगूडा, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप मे वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक 7/84 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य में कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का

मृत्य, उसके द्रियमान प्रातफल स, एस द्रियमान प्रातफल का पंक्रह प्रतिशत में अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिसी (अन्तरिसियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निसित में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण सं हुई किसी आय काँ वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व कें कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम दा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) हो प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुनिधा के जिया

- 1. श्री महीद खटून, पिता डा० मोहम्मद जाफर असी खान, 3-6-782, हिमायस नगर, हैदराबाद।
  - (अन्तरक)
- श्रीमती जी ० सुभाषिणी, पति जी ० नर्रासग राव, श्रीमती जी ० अमृता पति जी ० सुभाष, बि ० उमा राणी पति, बि ०, नर्रासग राव, 3~5-705, नारायणग्डा, हैदराबाद।

(अन्तरिर्तः)

को यह स्वना कारी करके पूर्वोक्त सभ्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया गुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी विधि साद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धांकरण:--इसमें प्रयुक्त कृष्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

#### जन्स सी

घर नं ० 3-5-705, नारारणगृङा, हैदराबाद रजिस्द्रीकृत विलेख नं ० 3709/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद।

दिनांक: 12-3-1985

मोष्ट्र :

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नजिखिस व्यक्तियों, अर्थात् :---

### प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 12 मार्च, 1985

निवेश सं० भार० ए० सी० नं० 1083/84-85--- भतः मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, जो पेददा, भ्रम्बरपेट, हैचराबाध में स्थित है (श्रीर इससे उपाबत श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैचराबाध-ईस्ट में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक 7/84

का पूर्वांकर सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गर्ह है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उधित बाजार मूस्य, उशके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त बन्तरण लिखित में सास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कुमी करने या उससे अचने में सुविभा के लिए; और या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-प्रयोजनार्थ अंतरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

 श्री एम० घाचय्या भौर प्रन्य, तोरसोर ।

(ग्रन्तरक)

 मैसर्स यूनायटेड टीचर्स को-श्रापरेटिव्ह हाउसिंग, सोसाईटी श्री डी० रामी रेड्डी, पेद्दा, भ्रम्बरपेट, हैदराबाद।

(भन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्रोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की क्विधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धपिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्यक्षय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### प्रनुसुची

भूमि विस्तीर्ण, 16.03 एकड़ पेहा भ्रम्चबरपेट, हैसराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 7504/84, रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी, हैसराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्रोधिकारी सहायक ग्रायकर शायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैदराबाद

विनांक: 12-3-1985

प्रकृप बार्ड . टी. एक. एख. -----

भायकर भाषिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-थ (1) को अभीत सम्मन

#### श्रारत सरकात

काया लय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, धिनांक 14 मार्च 1985 निदेश सं० ग्रार० ए० मी०नं० 1084/84-85—-ग्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परिता, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,009/- का से अधिक है

भौर जिसकी सं० भूमि है, जो मेडचेरला कोदाड ताल्लुक में हिंगत है (ग्रींर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, कोदाड में रिजस्ट्रीरकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन सिनांक 7/84

करं पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृस्य से कम को क्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य उसके ख्यमान प्रतिफल से, ऐसे ख्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने (अन्तरितियों) के बीच ऐसे उन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुन्द्रं किसी अध्यक्षी स्वयस जन्तरण से हुन्द्रं किसी अधि के अस्तरक के द्वासित्य में कमी करने या उसने बचने में सविधा के जिए; शीर/१३
- (क) ऐसी किसी जान वा किसी धन या यन्त्र जास्तियों कों, जिन्हें भारतीय आयंकर लिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के एयोजनार्थ अन्तरिसी देशारा प्रकट शहीं किया यया धा वा किया जाना चाहिए था. जिसाने में संविधा खे किए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री जी० सी० एच० कोटी रेड्डी ग्रीर भ्रन्य मेडचेरला ।

(भ्रन्तरक)

 मैसर्स सुवर्णा सीमेंट लि० 6-3-661/4/3, सोमाजीगूंडा, हैवराबाद ।

(धन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

इनक् सञ्चलित के सर्वन के संस्थान्य में कोई भी वाक्षीय :---

- (क) इस स्वना के राजपन के प्रकासन की तारीच वे 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि विस्तीर्ण, 36.00 एकर, मेडचेरला, कायाड, तालुक रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3315, 3316, 3099, 3094, 3145, 3307, 3308 श्रौर 3309/84 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी कोदाड ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैयराबाद

दिनांक 14-3-1985 मोहर : प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

### प्रर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14मार्च 1985

निदेश सं० म्रार० ए० सी० नं० 1085/84-85----म्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो दोडापाडू, श्रीर रेवेरु काँखाड़ तालुक में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कोदाडा, में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 7/84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—  श्री कें० रामा रेड्डी श्रीर श्रन्य, दोंडापाडू, कोदाडा तालुक, जिला, नलगोंडा।

(भ्रन्तरक)

 मैसर्स श्री विष्णु सीमेंट लि० 1-10-1/15, श्राणोक नगर, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समान्त हमें हों, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के जीगर स्थावर सम्पत्ति में हितडद्ध किसी अन्य का कित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

भूमि विस्तीर्ण, 49.32 एकर, दोंडापाडु, और रेउरु कोदाडा तालुक, रजिस्ट्रीकृत विलेखनं० 3312,3268,3269 3108, 3109, 3110, 3111, 3137, और 3142/84, रजिस्ट्रोकर्ता भ्रधिकारी, कोदाडा ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनोक : 14-3-1985

मोहर 🖫

### प्रकृष बार्षः हो। प्रकृत प्रकृतः ---

# कायक र अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वता

#### सार्व बुष्टकात

कार्यानय, सहायक आयकर नामृक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज, हैवरानाय

हैवराबाद, दिनांक 14 मार्च 1985

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं०/1086/84-85—श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहन से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो रामपुरम, कोबाड ताल्लुक, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कोबाड, में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन विनांक 7/84

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और भूभें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कृथित नहीं किया गया है:—

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के रायित्व में कभी करने या उत्तर्ध बचने में सुविका के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन- कर अधिनियम, या भन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अयं, उक्त अधिनियमं की भारा 269-गं के अनुसरणं में, मैं, उक्त अधिनियमं की भारा 269-वं की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् हु—  श्री जी० विरा रेड्डी घौर धन्य रामपुरम, कोदाड तालुक, नलगोंडा, जिला।

(मन्तरक)

मैसर्स प्रियंदर्शनी सीमेंट लि०,
 115, श्रीनगर मालनी, हैदराबाद-873 ।
 (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्णन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ध→

- (क) इस सुभना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सृभना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि साह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से कियी व्यक्ति द्वाराः
- (क) शास सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनव्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा, अधोहस्ताक्षरी
  के पास निस्तित में किए जा सकोंगे।

स्यव्दीकरण :---इसमें प्रयूक्त क्षव्यों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

#### नन्त्र्यो

भूमि, विस्तीणं 59.38 एकड़, रामपुरम, कोवाड तालुक, राजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3123, 3154, 3155, 3129, 3132, 3134, 3097, 3085, 3086, 3087, 3088, 3100, 3101, 3104, 3105, 3114, 3509 भीर 3471/84 राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी कोवाड ।

एम० **ज**गन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांक : 14-3-1985

मोहर 🗈

प्रकम कार्च . क्षेत्र एवं , एवं , न्यान्य न्या

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (भिरक्षिण) धर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, घिनांक 14 मार्च 1985

निवेश सं० भार० ए० सी०/भ्रक्ति०/37ईई-/144--- मतः सुमे, एम० जगन मोहन

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं प्रलेट है, जो बेगमपेट, हैंबराबाद में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भार० ए० सी० एक्वि०, हैंदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 5/84

को पूर्वोक्त सम्मिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान इतिफल के लिए बंसरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्ध्रह प्रतिशत अभिक है और अन्तरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण निखित मे वास्तिक रूप से अथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी जाय की बावत, उक्क अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वासिक में कमी करने या उससे यजने में तृतिधा के जिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचल अधिनियम सा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, च्छिपाने में सुविभा के निए.

जतः जब, उक्त जीभनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में. में उक्त अधिलियम की भारा 269-न की उपभारा (1) के अभीन: निम्निजित व्यक्तियों, अभीत ह—  मैसर्स, मान कन्स्ट्रक्शन प्रा० लि० ए-10, सत्याद्यपार्टमेन्टस, मासाब टैन्क, हैवराबाद ।

(भन्तरक)

श्री आर० नारायणा भीर भन्य
 2-2-647/273/ए,
 श्रीनिवासनगर, हार्क्सग कालोनी, बागधम्बरपेट,
 हैवराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक हैं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वावत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांश्व है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्रिय में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीक रण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-कं में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

#### अनुस्थी

फ्लैट नं० 11, दूसरी, मंजिल, शारान ग्रंपार्टमेन्टस, बेगमपेट, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1110 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 636/84, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी ग्रार० ए० सी० अक्वि०, रेंज, हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, हैदराबाद

विनांक : 14-3-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 मार्च, 1985

निदेश सं० माई०ए० सी०/एक्वि०/37ईई/145—मातः मुझे एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उदत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

धीर जिसकी सं० फ्लैंट हैं, जो हैदराबाद में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिशिकारी के कार्यालय धाई० ए० सी० धिक्य०, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण धिशियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीन दिनांक 5/84

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रम् प्रतिपत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में कास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसम बमने में स्विधा के पिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थातु:—  लैण्ड मोर्क बिल्डर्स , 6-2-930, खैरताबाद , हैदराबाद ।

(भन्तरक)

 श्री के० रिवन्द्रा, प्लाट नं० 266-ए, जुबिसी हिल्स, हैदराबाद।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवष्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

### जनुसुची

संपत्ति, श्रपार्टमेन्ट्स, नं० 204, शिभास ग्लेन, हैदराबाद, विस्तीर्ण, 1310, चौ० फु०, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 639/84, रिजस्ट्रीकर्ता मधिकारी, भाई० ए० सी० एक्वि० रेंज, हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैसराबाद,

दिनांक: 14-3-1985

मोहरः

### प्रकप बाई . दी . एत . एस . -----

### नायकर निधित्यम, 1981 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 मार्च 1985

निदेश सं० भ्राई०ए०सी०/एक्वि०/37ईई/146--- श्रतः मुझे एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खंके अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० फ्लैट है जो रेड हिल्स, हैदराधाद में स्थित हैं (धौर इससे उपाबत ध्रनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता ध्रिधिकारी के कार्यालय धाई०ए०सी० एक्वि०, हैंदराबाद में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन दिनांक 5/84

को प्लेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार म्ल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन, कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों काों जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ उन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था विया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा से लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उनत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसि**धित व्य**क्तियों, अर्थास् :—  भाग्यनगर कन्स्ट्रक्शन, फ्रं०, 11-4-656/1, रेड हिल्स, हैवराबाद ।

(भन्तरक)

 श्री एम० माधव राव, 6-26-9, सैकेंन्ड लेन, सलीपेट, गूंदूर ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाइन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्विध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वनुसूची

"फ्लैंट नं० 711 सातवाँ मंजला, बि-क्लाक रेड हीलस, हैदराबाद, विस्तीर्ण, 1321, चौ० फु०, रजिस्ट्रीक्कृत विलेख नं० 641/84, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, श्राई०ए० सी० एक्वि० रेंज, हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) ब्रर्जन रेंज, हैदराबाद

विनोक: 14-3-1985

प्रकल आहें . ही . इस . एस . \*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*

बावकर विभिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यासय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 मार्च, 1985

निवेश सं० **भाई**०ए०सी०/भिक्ति०/37ईई/147---अतः मुझे एम० जगन मोहन

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पहेंचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० पलैट है जो रेड हिल्म, हैदराबाद में स्थित है (भौर इससे उपाबद भनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता भिधकारी के कार्यालय, भाई०ए०सी० एविव० रेंज, हैदराबाद, में रिजस्ट्रीकरण, भिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भिधीन दिनांक 5/84

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विक्थास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित टाजार मृष्य उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में शास्त-विक रूप से क्षित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरक से हुए किसी नाय की बाबतः, उक्त विधिनियम के वधीन कर दोने की बन्तरक के बाबित्य में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/मा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

क्तः, ज्व, उक्त विभिनियम्, की भारा 269-न की वनुकरण्यं मं, जनत अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निस्तिविक्त व्यक्तियों, अर्थात् क्ष्म

- भाग्यनगर, कन्स्ट्रक्शन, क० 11-4-656/1, रेब हिल्स, हैदराबाद।
  - (मन्तरक)
- श्री एम० रघुबीर रेड्डी,
   1-8-435, चीनकडपल्ली,
   हैदराबाद।

(पन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेष ए---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिट-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकोंगे।

स्पट्टिकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौका, जो उक्त / अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गवा है।

### नन्स्ची

पलैट नं० 204, बूहरी मंजिल, ए-ब्लाक, रेंड हिल्स, हैबराबाब, विस्तीण, 919 चौ० फु०, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 642/84, रजिस्ट्री क्रती अधिकारी, माई० ए० सी०, एक्वि० रेंज, हैबराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैदराबाद

विनोक: 14-3-1985

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (मिर्डीक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 14 मार्च, 1985 निदेश सं० श्नाई० ए० सी०/एक्ष्वि०/ 37ईई/148--श्वतः मुझे, एम० जगन मोहन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार्य 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट है, जो रेड हिल्स, हैदराबाद में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भनुभूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधाकारी के कार्यालय भाई०ए०सी०/एक्वि० रेंज, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन विनांक 5/84

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नेलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वायत उनत अधि-प्रियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कहने या उससे बचने में सुविधा के लिए; वरि/वा
- (व) एसी किसी नाव या किसी वन वा नन्य वास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सूरिवधा के विष्हु;

कर: बन उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के जनसरण मं, मं, उनत जिथिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित ज्यक्तियों, अर्थात् :---- 21—6GI/85

1. भाग्यनगर, कन्स्ट्रक्शन, कं०, 11-4-656/1, रेड हिल्स, हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

 श्री टी० एस० प्रभाकर, केश्रर श्राफ सुन्दरम मोटर्स, एम० जी० रोड, सिकन्दराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन की हैं जब कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षोप 🏻 --

- (क) इस सूचना के उपजपन में प्रकाशन की तारीच धै 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वाम के श्वापन में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-गंद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्पब्दीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, ओ उस अध्याय में विया गया है।

### अमुसूची

फ्लैट नं० 404, चौथी, मंजिल, ब्लाक-ए, रेड हिल्स, हैदराबाद, विस्तीर्ण, 919, चौ० फु०, रजिस्ट्रीक्ट्रत विलेख नं० 643/84, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, श्राई०ए० सी०, एक्वि० रेंज, हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 14-3-1985 मोहर∶

### प्ररूप आहुर्\_टी...पुन, एस..-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 14 मार्च 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सी० /एववी०/37 ईई०/149——ग्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्पाति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट है तथा जो मासाब टौंक हैदराबाद में (और इससे उपाबद्ध प्रानुसूची में और पूर्ण रूप से स्थित हैं वीणत है रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय प्राई० ए० सी० एक्वी०, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1984

को पृत्रोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का फारण है कि यथाप्वेंक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हे और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्यायिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उस्त अधि-नियम के अभीन कर योने के जंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे कुषने में सुविधा के बिए; और था
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय जायक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शिहए था, कियान में सूर्विधा अंतिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती हारीयट रोकोन लायटॉन केयर आफ : श्री वेनुगोपाल एण्ड चेनॉय, सी एज० तिलक रोड, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रिव कपूर औरश्रीमती शोभा कपूर,72, पाली हिल्स,बम्बई-400054 ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (ख) इस स्चमा के राजपत्र में प्रकाझन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपृत्ति में हित्र के बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इ<sup>4</sup>, बही अर्थ होना, को उस् अध्याय में विका गया इ<sup>8</sup>।

#### वनस्थी

पलट नं० 309 10-3-307, मासान टैक हैदराबाद विस्तीर्ग 7760 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 646/84, रजिस्ट्रीकर्ना प्रधिकारी प्राई० ए० सी० एक्वी० रेंज, हैदरा-बाद।

एम० १८८ छाटू सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज हैदराबाद

तारीख : 14-3-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 14 मार्घ 1985

निदेश सं० म्राई० ए० सी० एक्वी०/37 ईई०/150---म्रतः मुझे एम० जगनमोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख़ के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कार्यालय है तथा जो पार्क लेन सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आई० ए० सी० एक्बी० हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अध्क है और अंतरक अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरक संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (।) में अधीत. निम्निकिषित व्यक्तितयों, अर्थात् :— (1) मैं व नटराज कन्स्ट्रवशन कम्पनी, 116,पार्क छेन, सिकन्दराबाद

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बीं० वर्धन रेड्डी और ग्रन्य, 24-143, ग्रानन्द बाग मलकाजिंगरी हैदराबाद-47।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अनीधि या तत्संबंधी न्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी अनिध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त न्यक्तियों। में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

कार्यलय नं० 510, छेटवा मजला चौनाय ट्रेड सेंटर, 116 पार्क लेन सिकन्दराबाद, विस्तीर्ण 635 चौ० फुट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 647/84, रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी श्राई० ए० मी० एक्बी० रेंज हैदराबाद

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज हैदराबाद

तारीख : 14—3—1985

माहर:

प्ररूप. अरहरे. टी. एन. एस्. - - - -

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीम स्वना

#### भारत सरकार

## कार्याभय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैंदराबाद विनांक 14 मार्च 1985

निदेश सं० श्राई० ए० सी० एक्यू० /37 ईई०/151—अतः मुझे, एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० पर्लैट है तथा जो ग्रशोक नगर, हैदराबाद में (और इससे उपाबक श्रमुंचची में और पूर्ण रूप से विणत है) राजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय ग्राई० ए० सी० एक्वी, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई, 1984

को प्राेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती 'अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रल निम्निसित तद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप के कथित नहीं किया गया हैं:—

- [क] बन्तरण से हुई किसी बाय की भावस, सबस अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक की वामित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के निष्ठ; बार/बा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कते, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जान चाहिए था, छिपाने मा द्विभा वै विदः

भतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्खित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मै० मेहता टावर्स,
 1-1~293/4,
 श्रशोक नगर,
 हैदराबाद

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ए० हनुमन्त राव डिप्टी सी पी० एम०, ए० पी० एस० ग्रार०टी० सी, करीम नगर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बनत सम्पत्ति के अर्जन के संपंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थाना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीं स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकती।

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त कट्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### बनस ची

फ्लैट नं० 406 चौथा मंजला श्रशोक नगर, हैदराबाद विस्तीर्ण 921 चौ फुट रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 648/84, रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, श्राई ए०सी० एक्बी० रेंज, हैदरा— बाद

> एम० जगन मोहन रिस्थम प्राधिकारी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 14-3-1985

मोहर 🗯

### शरूप नाइं.टी.एन्.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

### कार्यालय, सहायक अधकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदरायाद दिनांक 14 मार्च 1985

निदेश सं० म्राई० ए. सी० एक्बी/37 ईई०/152—म्रतः मुझे एम० जगन मोहन

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए. से अधिक है

और जिसकी स० फ्लैट है तथा जो रेड हिल्स हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुपूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, श्राई० ए० सी० एववी० रेंज, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, तारीख मई, 1984

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोदत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण सं हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, सा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अक्षः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन: निम्ननिस्ति व्यक्तियों, अर्थातः:—— (1) मैं भावनगर कन्स्ट्रवशन कम्पनी,
 11-4-656/1,
 रेड हिल्स,
 हैदराबाद

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एम० रघुवीर रेड्डी, बाई श्री एम० बूची रेड्डी, 1-8-435, चीक्कापल्ली, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिंती)

का यह सूचना जारी कर्के पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्था के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच स 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोचन व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति मो किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरण:—-इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया हैं।

### वन्सुची

पलैट न० 204, दूसरा मंजला, रेड हिल्स, हैदराबाद, हिल्स 919 चौ० पुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 650/84, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, श्राई० ए० सी० एक्वी० रेंज, हैदराबाद

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन <sup>ఫ</sup>ंज, हैदराबाद

तारीखा : 14-3-1985

प्रक्रम बाह् , टी., एन., एस.------

बायकर बांधनियम, 1964 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्वना

#### श्चारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 मार्च 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० सो० एक्वी/37 ईई०/153---श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

कायकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कार्ल है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा से अधिक है

और जिसकी मं० पलँट है तथा जो दोमलगुडा, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रोजनी अधिकारी के आयीलय, आई० ए० मी० एमबी, हैदराबाद में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 वरा16) के अबीस, नारीख मई, 1984

को पूर्वेक्स सम्परित के उचित बाजार मुख्य से कम के अध्यमान प्रतिफल के तिए अन्तरित की सुद्ध और मुभ्ते यह विश्वास करन का कारण पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल स्रे, एसे रूप्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है 🖫

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं को बाबत उपत अधि-वियम के अधीन कर दोरे के बन्तरक के वायित्व में ककी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए: सीर/या
- (च) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हां भगरतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितीः द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा औ जिहा:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, जिल्लानिशित व्यक्तिक्तें, अर्थात :--- (1) मैं ० एस्के एसोन्गिट्स, 1-2-240, दोमलगुडा, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरका)

(2) श्री के० ज्यशमन, साइटिस्ट, मी० टाइप चार, 47, लव म्बार्टर्म, कांचेन बाग, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप र-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 बिन की बबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 बिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-सद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया पया है।

#### वनस्वी

पर्लैट नं ० 506, 1--2--24, दोभनगुडा, हैदराबाद, विस्तीर्ण 600 चौ० फुट, रिजम्ट्रीकृत विलेख नं ० 651/84, रिजस्ट्रीकृती प्रविकारी, श्राई० ए० सी० एक्वी, रेंग, हैदराबाद।

> एम० जगा मोहन सक्षम प्राधिकारी पहासक ग्रायक्षर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, हैंदराबाद

नारीख : 14-3 ·1985

प्ररूप बार्ध दी.एन .एस .------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 मार्च 1985

निदेश मं० श्राई० ए० मी० /एक्बी०/37 ईई०/154---श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), का धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वार करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० फ्लैट है तथा जो राम कोटा, हैदराबाद में स्थित है (और इनमे उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीनती अधिकारी के वार्यालय, आई० ए० सी० एवडी० हैदराबाद में रिजस्ट्रीकारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीक मई, 1984

को प्रांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भ्रूष, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है ।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वान्त, उत्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की शामित्व में कभी करने या उत्तरसे व्यन में सुविधा औं लिए;
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के खिए;

कतः कव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैं विवेणी बिल्डर्म,
 4--2--1069,
 रामकीट, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती स्वर्माणी डब्ल्यू० निसार पति श्री हीरजी बी० निसार, 4--3-163, हनुमान टकड़ी, हैदशबाद ।

(अन्यरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

च बत संपर्णि को अर्जन की संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक्ष से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ग्रह्म किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भया है।

### **ध**नुमूची

पलैटनं ० 107 वैभव भ्रपार्टमेंट्स,  $4\sim2\sim1069$ , रामकोट, हैयरावाद, विस्तीर्ण 1109, चौ० फुट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं ० 659/84, रिजस्ट्रीकृती प्रधिकारी, श्राई० ए० सी० एक्बी० रेंज, हैदराबाद ।

एस० जगन मोहन सक्षम प्राधितारी सहायक सायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारोख : 14-3-1985

मोहर 😘

प्ररूप आहू. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत तरकाड

### कार्यालय, सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराधाद

हैसराबाद, दिनांवः 14 मार्च 1985

निदेश सं० श्राई० ए० सी० /एक्वी०/37 ईई०/155---श्रन: मुझे, एम० जगन मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,003/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० कार्यालय है तथा जो धर्मार बाग, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुभूची में और पूर्ण एप से वर्णित है), रिअर्ट्राइति अधिकारी के वार्यालय, आई० ए० सी०, एपवी०, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकॉ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिक कम निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिकित में बास्त्-विक इस में किश्त नहीं जिल्ला क्या है क्या

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-दिवय में अपीत कर दोने के अन्तरक के दायित्व में क्यी कर्य वा उक्च क्या में बृद्धिया के किए; बार्ट/या
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, का धन कर अधिनियम, का धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

बतः बद, उक्त विधिनियम की भाग 269-व कें. वन्तरक में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) मै० बाबूखान कन्स्ट्रेक्शन
 5--9--58/1--15,
 बसीर बाग,
 हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रोमती इफात झिकया पति
 श्रो मोहम्मद झुतुबुद्दीन,
 5-9-59/1-15,
 बसीरबाग, हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित्र बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित् में किए चा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

हार्यात्रय नं० 169, वसीरबाग, हैंदराबाद, विस्तीर्ण 380.94 चौ० फुट, 324 चौ० फुट रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 666 और 667/84, रिजस्ट्रीकर्ती प्रधिकारी, प्राई० ए० सी० एक्वी० रेंज, हैंदराबाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिआरी यहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीखा : 14-3-1985

मोहर 🕄

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. - - --

नामकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

भ्रजेन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 मार्च 1985

निदेश सं० आर्४० ए० सी० /एक्बी०/37 ईई ./156→-प्रतः मुसे, एम० जगन मोहन

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट है तथा जो श्रणोव नगर, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के वार्यालय, श्राई० ए० सी० एक्वी० रेंज, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के श्रधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उधित बाजार मूस्य से कम के दृष्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और बुके, यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उधित बाजार स्थूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफाल से, एसे दृष्यमान प्रतिफाल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित अंतरित नं अधिक है और अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फाल निम्निलिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक क्ष्म से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुइं किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के बधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसन अधिनियम, या धम-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती दवारा प्रकार नहीं किया गया आ या किया थाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी. ज्वास अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .—— 22—6 GI/85

(1) मृ० महता टावर्स, 1--1-293/4, श्रमोकः नगर, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरकः)

(2) श्री एल० चक्रपाणी, 5--5475/31, मूक्रमजाही रोड, हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहरूनाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पण्डीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं सभी होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अम्सूची

फ्लैट नं० 108, 1-1-293/4, भ्राक्षोक नगर, हैदराबाद, त्रिस्तीर्ण 1168 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 675/84, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, श्राई० ए० सी० एक्वी० रेंज, हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख : 14--3--1985

मोहर 🖫

प्ररूप आहु .टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैंदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 मार्च 1985

निदेश मं० श्राई० ए० मी० /एक्बी०/37 ईई०/157 श्रतः मुझे,एम० जगन मोहन

पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट तथा जो रेड हिन्स, हैद राबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, आई० ए० सी० एववी० रेंज, हैदराबाद में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; अरि/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण मा, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के विधन. निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अधित :—- (1) मै० भागा नगर कन्स्ट्रक्शन को०,
 11-4-656/1,
 रेड हिल्स,
 हैदराबाद।

(ग्रन्तरकः)

(2) श्रीमती पी० शिवस्पा राणी, पर्लंट नं० जी 4, ग्राउन्ड फ्लोर,
 11-4-656/1,
 रेड हिल्स, नामपल्ली,
 हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य विक्त द्वारा अथोहस्त्याक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>†</sup>, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया ह<sup>†</sup>।

### ध्रनुसूची

पलैट नं० जीच4, ग्राउन्ड पलोर, नामपल्ली, हैदराबाद, विस्तीर्ण 919 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 668/84, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, ग्राई० ए० सी० एक्वी० रेंज, हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायक्त (निरीक्षण) स्नर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख: 14-3-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### बाउद बरका

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 मार्च 1985

निवेश सं ० आई ०ए०सी ० /एक्वं । ०/27 ईई ०/158---अतः

मुझे, एम ० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्परित, जिसका उचित नाचार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं ० पलैट है तथा जो रेड हिल्स, हैदराबाद में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद अनुसूचों में भ्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, आई ० ए० सी ० एक्वी, हैदराबाद में रिजर्स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके ध्र्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितयों (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या भनकर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा जा वा किया जाना चाहिए था, जिनाने में सुनिधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अभिनियम की भारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ल की उपभारा (1) के अभीन, निस्तिशिक व्यक्तित्यों, अर्थात् कर-  (1) मैं ० भाभा नगर कन्स्ट्रक्शन को ०, 11-4-656/1, रेड हिल्स, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

(2) श्रांकि० एम० राव, एस० बी० आई० कालोनी, न० 85, न्यू बाकाराम, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में काई भी वाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना क राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनियम, के बभ्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया

अनुसूचा

फ्लैंट नं ० जी-4, 11-4-656/1, रेड हिल्स, हैदराबाद, विस्तीर्ण 973 चो ० फुट, रिजस्ट्रोक्टत विलेख नं ० 669/84, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी आई ०ए०सी ० एक्वी ० रेंज, हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारंख : 14-3-1985

मोहर 🛭

प्ररूप भाइं. टी. एन. एस.-----

ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर जायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 मार्च 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/एककी०/37 ईई०/159—अतः मुझे, एम० जगन मोहन

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित्र बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट है तथा जो सिजन्दराबाद में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद अनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, आई० ए० सी० एक्वी० रेज, हैंदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के खरमाग प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अंतरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुए किसी बाय की वाबत, उक्त जिथितियम के सभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1937 का 27) र प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा किया चांना आहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैं ० इनोवेशन एसोसिएट्स, 142/सी, पी० जी० रोड, सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री दयानन्द सीदाल, घरनं० 5930, सेंट फांसीस स्ट्रीट, 9-2-225/226, रेजीमेंटल बाजार, सिकन्दराबाद ।

(अन्तरिर्ता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकित में किये जा सकागे।

स्पष्टीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्थां का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

फ्लैटनं ० 202, 142/सी, पडार घाट रोड, सिकन्दराबाध, विस्तीर्ण 2300 चौ ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 673/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, आई ०ए०सी ०एक्वा ० रेंज, हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 14-3-1985

मोहर ः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 मार्च 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्बी०/37 ईई०/160—अतः मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं ० फ्लैंट है तथा जो कोंगू कोठी, हैदराबाद में स्थित है (भौर इसमें उपाबद अनुमूक्ती में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकार्रा के कार्यालय, आई ० ए ० सी ० एक्वी ० रेंज, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वेक्सि सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का नारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा केलिए;

अत: अब, उक्त अबिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रामता पुष्पा संचेट्टरी,3-6-168/4,हैदरगुडा, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) डाक्टर हासीमम्सा,4-3-872,तिलक रोड,हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इससूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच लिसित में किए जा सकर्षी।

स्पष्टीकरण : — इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पक्षों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है:

#### अनुसूची

पलैंट नं ० 105, कुमाल अपार्टमेंट्स, 3-5-684/15/1, कींगा कोठी, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1100 चौ ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 674/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, आई ० ए० सी ० एक्बी ० रेंज, हैदराबाद।

एम ० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

तारीख: 14-3-1985

मोहर 🦠

प्रकप बार्ड . दी. एत्. एत्.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीम क्षमा

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 14 मार्च 1985

निवेश सं ० आई ० ए० सी ० /एक्बी ०/36 ईई ०/161---अत: म झे,एम ० जगन मोहन

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चरत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं० फ्लैट है तथा जो वेस्ट माडेग्पल्ली, सिकन्दरा-बाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्व। में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्राकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आई०ए०सी० एक्वी०, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का भंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बायत उक्त अधि-ांत्रयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व मों कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कार अभिनियम, 1957 (1957 का 27, के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में स्विधा के निए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-- घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  मैं ०गीतांजिल अपार्ट मेंट्स, ए० स्रो० सी० सेन्टर, सिकन्दराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती टी० पद्मसीनी पति लेट श्री एस० ताताद्री, 16, जनरल कियप्पा मार्ग, किरकी, पूने-411003।

(अन्तरिती)

को सह सूचना जारी करक पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के किए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

बक्त सम्मारत के कर्पन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनी की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में लगाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिम के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिरा-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकार में किए या सकरेंगे।

स्थव्यक्तिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उन्हें अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्थ होगा जो उस अध्याय में विया प्या है।

### नग्रुची

फ्लैंट नं ० 6, दूसरा मजला, वेस्ट माडेरपल्ली, सिकन्दराबाद, विस्तीर्ण 950 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 640/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, आई ०ए०सी ०एक्वी० रेंज,हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : .14-3-1985

मोहर् :

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यां स्यापक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंग, जालन्धर जालन्धर,दिनांक 15 मार्च 1985

निवेश सं० ए० पी० नं० 5766/--अतः मुझे, जै० एल० गिरधर

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

स्मोर जिसकी सं ० जालन्धर है नथा जो जालन्धर में स्थित है (स्रोर इससे उपाधद्ध अनुसूच। में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1984

को प्रोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहसमान प्रतिफल के लिए बंतरित को गई है बौर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिसत्त से अभिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल कल निम्मलिखित उद्वदेश से उकन बंतरण लिखित में बास्त-विक हम से कथित नहीं किया गया है :—

- (२०) बंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उपत अधिनियम के अधीन कर दाने के अतरक की बाबित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत जिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाँधे अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा कै सिए;

बतः. बब, इक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) हे बधीन, निम्निलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री कंबर भान कपूर पुत्र श्री राधा कृष्ण, बार्सा 72, ग्रान पार्क, जगाधरा रोड, अम्बाला कैण्ट ।

(अन्तरक)

(2) श्रा विरेन्द्र पाल सिंह ग्रीर श्री इन्द्र पाल पुत श्री गुर बचन सिंह ग्रीर पुत्र श्री सुन्दर सिंह ग्रीर श्रीमती जगजीत कौर पत्नी श्री गुरबचन सिंह, वासी 122 एल, माइल टाउन। जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपश्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बक्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकोंगे।

स्पच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

#### अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख सं० 1359 दिनांक जुलाई, 1984 को रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी, जालन्धर ने लिखा है।

जे ० एल ० गिरधर मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निर्रक्षण) अर्जम रेंज, जालन्धर

तारी**ख** : 15-3-1985

#### प्रकृप आहें.टी.एर.एस. -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 मार्च 1985

निदेण सं० ए० पी० नं० 5767---अतः मुझे, जे०एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रह. से अधिक है

मौर जिसकी बस्ती दानिण मन्दा, जालन्धर में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्य। में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 18) के अधीन, तारीख जुलाई, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिश्वत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई कियी जाय की वायत, जनस विधिनियम के बचीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे वचने में सुविधा वो सिए; वॉर्/या
- (बा) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य बास्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर बिधिनियम या भन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया दा या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निस्थित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्रीकुलबीर सिंह पुत्र श्रीबत्तन सिंह, वासीबस्ती दानिणमन्दां, जीलन्धर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमर्ताः फिनो पत्नी श्री आत्मा सिंह, गोव वाए पोई, तहसील तरननारन, जिला अमृतसर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्त सभ्यत्ति को अर्थन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की बविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक तं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास्... सिवित में किए वा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शस्त्रों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

### **मन्स्**ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख सं० 1197 दिनांक जुलाई, 1984 को रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी, ज'लन्धर ने लिखा है ।

> जे ० एल,० गिरधर सक्षम प्राधि हारी सहायक आयकर आयुक्त (निरंक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 15-3-1985

प्ररूप कार्ड.टी.एन.एस. ------

### बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म(1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जंन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 15 मार्च, 1985

निदेश सं० ए० पी० सं० 5768—अतः मुर्झे, जें० एल० गिरधर

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उच्चित बांजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है"

भौर जिसकी सं व बस्सी दानशमंदा, जालन्धर में स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री— कर्ता अधिकारी, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरबमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि बथाप्बोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरबमान प्रतिफल से एसे दरबमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाना गुमा प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देक्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्स विभिन्नियंस के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बास या किसी वन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविध्य के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :——
23 — 6 GI/85

श्री कुलबीर सिंह पुत
 श्री बत्तन सिंह,
 वासी बस्ती दानिणमन्दां,
 जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री रत्तन सिंह पुन्न श्री आत्मा सिंह, वासी गांव वाए-पोई, तहसील तरनतारन, जिला अमृतसर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर ्निना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर एक स्थावर सम्पर्कित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निर्मित भी दिला हा सकेगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें अयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

#### ध्रभुसूची

सम्पत्ति तथा ध्यक्ति जैसा कि विलेख सं० 1198 दिनांक जुलाई, 1984 को रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी, जालन्धर ने लिखा है।

> जे ० एल ० गिरधर सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 15-3-1985

मोहर 🖫

namenta a la composição de composições de composições de composições de composições de composições de composiç

### प्रकार मार्च, टी. एव. एस. ----

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा ७,9-१ भि के अधीन स्थना

#### भारत सरकाह

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 15 मार्च 1985 निदेश सं०/ए० पी० नं० 5769—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की भार विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी र्सं० जैसा श्रनुसुची में लिखा है, तथा जो बस्ती बानशमन्दा, जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, बिनांक जुलाई, 1984,

को प्यांक्त संपत्ति के उपित बाजार मूल्य सं कम कं दिश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गईं है मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वेक्ति सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं,, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निभ्नलिखित उद्वदेश से उक्त अंतरण लिखित में वांसिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) सन्तरण तं हुर्द किसी जाम का बादत, तक्स जिम्मित्यम के जभीन कर दोने के अंशरक के दायित्व में कभी करने या उनके बणते में सुनिभा के निष्ट्र और/या
- (च) एसी किसी काम वा किसी धन या जन्म जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 को 14) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के याजनार्थ आजरिंदा देशारा प्रकट नहीं किया गया जा पा जिल्ला साना आहिए को जिल्ला में स्थिया के लिए:

वतः कवा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की भाग 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यंक्तियों, अर्थातः— (1) श्री कुलबीर सिंह पुत्र बत्तन सिंह, बस्तीः वानिशमन्दा, जालन्धर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ब्रात्मा सिंह पुत्र विशान सिंह वासी-वाएपोरी-तहसील-तरनतारन, जिला-श्रमृतसर ।

(ग्रन्सरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में है (बह व्यक्ति, जिसके प्रविभोग में सम्पत्ति है)
- (2) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्णन के निए कार्यवाहिक करता हुं।

उन्तं सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी व्यक्तियों में समाप्त होती हो, के भीतर प्राक्ति व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वाए;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध , किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकोंगे।

स्थिधीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>3</sup>, बहुी कर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा गया ह<sup>3</sup>।

### ग्रनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न० 1222, दिनाँक जुलाई, 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी ने लिखा जालन्धर।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुंक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 15-3-1985

प्रकप बाइ ं टी. एन ः एस : ------

शायकार अभिनिश्चम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन स्चना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, जालन्छर

जालन्धर, विनांक 15 मार्च 1985

निदेश सं० ए०पी० नं० 5770---अतः मुझे, जे०एल० गिरुघर,

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निस्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से विधिक हैं

भीर जिसकी सं ० वस्ती दानिशमन्दां, जालन्धर में स्थित है (भीर इसेसे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1984

को पूर्वीयत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के निए अंतरित की गई है और मृभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापृथेक्ति सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पढ़ह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त ब्रिंध-अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक थे दायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा से लिए; और/या
- क) ऐसी किसी बाय या किसी अन या जन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया, किया जाना बाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिक्स।

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—— (1) श्री कुलबीर सिंह पुत्र श्री बत्तन सिंह, वासी बस्ती दानिशमन्दां, जालन्धर।

(अन्तरक)

(1) श्रीमती अमर कीर पःनी श्री जग सिंह, वासी वाएपोडी, तहसील तरनतारन, जिला अमृतसर।

(प्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

### उक्त राज्यस्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप्र---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त प्रावित्तयों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारिस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए अस्ति हैं।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### नग्स्याँ

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख सं० 1221 दिनांक जुलाई, 1984 को रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी, जालन्धर ने लिखा है।

> जें एल ० गिरघर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख,: 15-3-1985

प्ररूप बाइ : टी., एन, एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 मार्च 1985

निदेश सं० ए० पी० नं० 5771--- ग्रतः मुझे, जे० एल०

गिरघर

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो वस्ती दानशमन्दा, जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन, तारीख जुलाई, 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के छ्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके छ्यमान प्रतिफल से ऐसे छ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिता (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उब्बेष्य से उक्त अन्तरण मिस्ति में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-बिभिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के बाबित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा कै किए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

(1) श्री कुलबीर सिंह पुत्र श्री बत्तन सिंह, वासी—बस्ती दानिशमन्दां, जालम्धर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जग सिंह पुत श्री रूड़ सिंह, गांव-वाएपोई, तहसील तरनतारन। जिला-भ्रमृतसर।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्ष्रेप :---

- (क) इन्तु सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विन की जनिय या त्रसम्बन्धी स्युक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की सर्वाभ, जो भी अनिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूनेंक्ति स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति कुनारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शन्दों और पर्दों का जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-कं में परिभाषित हैं, वहीं मर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया चना हैं।

### अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख सं० 1280, विनांक जुलाई, 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, जालन्धर

तारीख : 15-3-1985

## प्रसम्ब बाह्य हो । एन । एस ..-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्थना

## भारत सरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (गिर्काम)

. प्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 15 मर्चि 1985

निदेश सं० ए० पी० नं० 5772--- मृत- मुझे, जे० एंल० गिरधर

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं जालन्धर है तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री – कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधि – नियम, 1908 (1908 का 16) के भधीन, तारीख जुलाई, 1984

को पूर्वों कर सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विक्वास अक्ष्में का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिकाल से, एसे क्ष्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिकात से प्रधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित में बास्तविक रूप से क्रिया नहीं किया वया है :——

- (क) बन्तरम से हुई किसी बाय की बावत उक्त अधिनयम के बधीन कर दोने के अन्तरक के वावित्व में कभी कड़ने वा उत्तते बजते में सुविधा श्री अपूर्ध आर्डि/वा
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन ना अन्य श्रास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किया में सुविधा के निक्;

जतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुबरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अभीन, निम्निजिषक व्यक्तियों, अर्थात् ४(1) श्री राम कुर्मार पुत्र श्री मेला राम, वासी 26, झादर्श नगर, द्वारा मुख्तयार रूप किशन।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री परमजीत कुमार पुत्र श्री जयराम, वासी 201, गुर तेग बहादुर नगर, जालन्धर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सृचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन को संबंध में कोई भी बाक्षेप ---

(क) इत सूपना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी श्रं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;

क्स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 रिंग के भीवड उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकींगे।

स्पक्किक्षित्र :---इसमें प्रयुक्त कार्कों और पर्वो का, ओ उक्क अधिनियम, के सम्बाग 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा थी उस अध्याय में विया नया है।

# वन्तृत्वी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विशेख सं० 1334, दिनांक जुलाई, 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी, जालन्धर ने लिखा है ।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर झाँयुक्त (निरीक्षण) ज झर्जन रेंज, जालन्धर

· तारी**ख** : 15<del>-</del>3−1985

मोष्ठर 🖫

प्ररूप आहे. टी. एन ्एस.-----

भागकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-भ (1) के अभीन स्चना

## भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्तन)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 15 मार्च 1985

निदेश सं० ए० पी० नं० 5773—-ध्रतः मुझे, जे० एस० गिरधर

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वस करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से विधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा हे तथा श्रो जालन्धर में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई, 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अन्बरित क्वी गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोंकत सम्पर्त का उन्हित वाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल सं, एस क्यमान ब्रासिकल का पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे बंतरम के स्थिए सब् पाया प्राध्कल, जिम्मिसित वे क्या प्राधकल, जिम्मिसित वे कार्तिक रूप से किया प्राप्त हैं:--

- (क) बंदारण पंडार किसी वत्य की बावबा, उपल निविद्या के अपीन कर दोने के जल्लरक के दायित्य में किसी सारने ना क्याचे नुसूने में बुद्धिया के स्टिए; नीक्ष
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, धिन्हें भारतीय आयकर अधिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या चन्कर विधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंदिस्ती द्वारा प्रकट नहीं किया चना चा किया के स्वांतिया की सिए,

जर्तः गय, उक्त अधिनियम की भारा 269-न के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन ह निम्मलिखित व्यक्तियमें, संचित् है— (1) श्री गुलजार सिंह गरचा
पुत श्री लखा सिंह मुख्तवार
श्रीमती श्रजीत कौर विधवा
श्री गुरवचन सिंह,
वासी-92, मास्टर सारा सिंह नगर,
जालन्धर।

(ब्रन्तरक)

(2) श्रीमती मनजीत कौर पत्नी श्री दलबीर सिंह सन्धू, ई० एच० 211/92-ए, मास्टर तारा सिंह नगर, जालन्धर।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## सकत बम्मस्ति के वर्णन के बम्बन्ध में कोई भी बार्धण :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 सिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर तृष्या की सामीस से 30 दिन की संवधि, को मी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सुचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्नत त्यादर सम्मत्ति में हित-वद्ग किसी अन्य व्यक्ति सुवारा, अधोहस्ताकार्ी के पाव विश्वति वे विका का कर्यों है।

स्पष्पिकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिध-चित्रम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

## परवर्ष

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख सं० 1465 दिनांक जुलाई, 1984 को रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी, जालन्धर ने लिखा है ।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, जालन्धर

तारीख: 15-3-1985

मोहर 🛭

## प्ररूपः बार्षः टी. एन. एस. ------

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा धारा 269-५ (1) के अधीन सूचना

## भारत् सरकार

कार्यानय, सहायवं आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर **जालन्धर, दिनांक** 15 मार्च 1985

निदेश सं० ए० पी० नं० 5774--- अतः मुझै, जे० एल० गिरधर

बायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात् 'उक्त अप्रिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकरी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक **ह**ै

श्रीरजिसकी सं जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में अपौरपूर्ण रूप से र्वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 - का 16) के प्रधीन, तारीख ज्लाई, 1984

की पूर्वीक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य से कम को इत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्सि संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल्नीम्नलिखित उद्वेदेश से उन्तं अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क्) अन्तरण से हुक् किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक हो वायित्व में कमी केरने या उसमे बचाने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय यां किसी धन वा अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट<sup>ा</sup> नहीं किया गया था या किया `जाना चार्नेहरू ध्रः, फिक्क्पाने में मुविशः के लिए;

(1) श्री गुलजार सिंह गरचा पुत्र श्रीलखासिंह मुख्तयार श्रीमती श्रुजीत कौर विधवा श्री गुरचरन सिंह, वासी 92, मास्टर तारा सिंह नगर, जानन्धर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री दलबीर सिंह सन्धू पुत्र श्रीचनन सिंह, वासी ई० एच० 211/92-ए, मास्टर तारा सिंह नगर, जालन्धर ।

(श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करक पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ सचना केरी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्बुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकोंगे।

स्पन्धिकरणः --- इसभे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो स्वक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया 🗲 ।

## वप्स्था

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख सं० 1510 दिनांक जुलाई, 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 15-3-1985

में, मैं तक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के सभौतः, निज्नतिखितं स्थित्त्यां, अर्थात् ः---

मोहर 🤃

अत∷ अब, उक्त अधिनियम क<sup>क</sup>ी धारा 269-ग के अन्सरण

प्ररूप आइ रे.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज, जालन्त्रर

जालन्धर, दिनांक 15 मार्च 1985

निदेश सं० ए० पी० नं० 5775--- प्रतः मुझे, जे० एल० गिरधर

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

25,000/- रा. से अधिक है भीर जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिख है तथा जो जालन्धर है तथा जो जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबस अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम . 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन, तारीख जुलाई, 1984 को पर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के दृश्यमान लिए अन्तिरत ़ को की गर्द्रही यह विश्वास करने का कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की वारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री गुलजार सिंह गरचा
पुत श्री लखा सिंह,
मुख्तयार बग्रजीत कौर विश्रवा
श्री गुरवचन सिंह,
वासी 92, मास्टर तारा छिंह नगर,
जालन्धर।

(बन्तरक)

(2) श्री दलबीर सिंह नन्धू पुत श्री चनन सिंह, वासी ई० एच० 211/92-ए, भास्टर तारा सिंह नगर, जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूखना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अधाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ हक्षेगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मन्स् औ

#### श्रनसम्बी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख सं० 1675 विनांक जुलाई, 1984 को रजिस्ट्रीकर्ती प्रधिकारी जालन्धर ने लिखा है ।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक, श्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 15-3-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरौक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 15 मार्च 1985

आदेश सं० राज०/सहा० ग्रा० मार्जन/2542----ग्रतः मुमे, मोहन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 9 ए हैतथा जो कोटा में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है ), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याच्य कोटा में रजिस्ट्री-करसें अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 9 जुलाई 1984

को पृत्रंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
पृतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकॉ) और
अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब
पाग गया प्रतिफल, निम्हेलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम को भारा 269-ग के भन्तरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारर (1) के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीसुन्दर लाल पुत्र श्री चान्दमल निवामी कोटा (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती विमला देवी पत्नी श्री पी० एल० जैन एवं श्री निरमल कुमार सठी पुत्र श्री किशनलाल जी सेठी निवासी कोटा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई जाक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

## अनुसूची

ण्लाट नं० 9 ए स्थित सलवंडी स्कीम, कांटा जो उप पंजियक कोटा द्वारा कम संख्या 1020 दिनांक  $9-7\sim84$  पर पंजिबद विकय पन्न में ओर विस्तत रूप से विवरणित हैं।

मोहन सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायक्षर आयुक्षत (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज जक्ष्पर,

दिनांक : 15--3--1985

मोहर.

# प्रकप आई दी एन एस् .=-----

# मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के मभीन सूचना

#### भारत संरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 15 मार्च 1985 निदेश सं० राज/सहा० ग्रा० श्रर्जन/2543--- ग्रत मुझे मोहन सिंह

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान "नं० 1/857 है तथा जो प्रजमेर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, ध्रजमेर में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधिन दिनांक 20 जुलाई 1984

को पर्नोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अरि/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के िताः

अत: अब, उक्त अधिनिश्म की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, दिम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री बनवारीलाल पुक्त श्री केशर दास जी भाटिया निवासी मालवीया नगर, जयपुर वर्तमान निवासी जग्रजमेर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती कृष्णा गर्ग पत्नि श्री ग्रमरचन्दे निवासी चटाई मोहत्ला, केसर गंज ग्रजमेर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो।
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति संख्या ए० एम० सी० 1/875 का पश्चिमी भाग, माकडवाली रोड़, किश्चियनगंज अजमेर जो उप पंजियक, ग्रजमेर द्वारा कम संख्या 2686 दिनांक 20-7-84 पर पंजीबृद्ध विकय पत्न में ओर विस्तृत रूप से विवर णित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रैंज, जयपुर

दिनांक : 15-3-1985

प्रस्प बाह्ये टी. एन. एस. ==========

जायकद्र ज्भिनियमः, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के ज्भीन स्थना

#### भारत चरकाड

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (रिनरीक्षण) भर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 15 मार्च 1985

निदेश सं० राज/सहा०ग्रा० भ्रर्जन/2544-- ग्रत मुझे मोहन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का बीरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृस्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

आर जिसकी सं० मकान नं० 1/874 है तथा जो अजमेर में स्थित हैं ,(और इससे उपावक अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है ), रस्जिट्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अजमेर में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 ) के अधीन दिनांक 20 जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उशके दश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रांतशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के जिए तय पाया गया प्रति-फन निम्नितिथित उद्विषय से उक्त अंतरण निम्नितिथित अंतरित्र किया गया है हिन्स

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वासत, उभन् अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कामी करने या उसमें बनने में मुकिथा के सिए; और/या
- (स) एंसी किसी जाव वा किसी भून या जन्य जास्तिकी कारे, जिन्हें भारतीय जायकर जिम्हिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री बनवारी लाल पुत्र श्री केसरदांस जी भाष्टिया निवासी मालविया नगर, जयपुर वर्तमान निवासी मजमेर ।

(म्रन्तरकः)

(2) श्री ग्रमर चन्द पुत्र श्री श्रीकिशन निवासी कैसरगंज, चटाई मोहल्ला ग्रजमेरण।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आर्क्स अन्न

- (क) इस सूचना को राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध् या तत्सम्बन्धी क्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की स्विध, जो भी स्विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स, क्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन् के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

ह्युक्क किरण: — इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का, वो उनल विधिनयम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विश प्रया हैं।

#### वनस्य

सम्पत्ति संख्या 1/874 मक्र शावली रोड़, क्रिश्चियन गंज, ग्रजमेर का मध्यभाग जो उप पंजियक, ग्रजमेर द्वारा क० संख्या 2687 दिनांक 27-7-1984 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न में ओर विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> मोहन िंहि सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंग, जयपुर

मतः जन, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिमों, अर्थात् हि—

दिनांक :-- 15-3-1985

# प्ररूप काईं दी एन एस ,-----

# बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निर्दाक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 15 मार्च 1985

निदेण सं० राज० /महा० द्या० द्यर्जन/ 2547--धतः मुझे, मोहन सिह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं भगान नं 529/1 है तथा जो ध्रजमेर में स्थित हैं (और इससे उपावद ध्रनुसूची में और पूर्ण रुप से विणित हैं ), रिजस्ट्रीवर्ता ध्रधिकारी के वार्यालय ध्रजमेर में, रिजस्ट्रीवरण ध्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन दिनांक 21 जुलाई 1984

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का पन्म्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नेहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम को अभीन कर दोने को अंतरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा को लिए; और/या
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :---

(1) श्री राम सिंह राठौर पुत्र श्री अमर सिंह निवासी शान्तिपुरा श्रिष्चियन गंज अजमर ।

(अन्तरक)

(2) धर्मेन्द्र सिंह पुत्र श्री रामसिंह राठौड, शान्तीपुरा, किश्चियन गंज श्रजमेर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ु-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की ब्विभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य विकत द्वारा अधोहस्स्याक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पाक्रीकरण: -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मकान नं० 529/1 का भाग ऋिश्चियन गंज, ध्रजमेर जो उप पंजियक, ध्रजमेर द्वारा ऋम संख्या 2692 दिनांक 21-7-84 पर पंजिबद्ध विऋय पद्म में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रैंज , जयपुर

विनांक 15-3-198**5** 

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

बायका क्रिमिनन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्वालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 15 मार्च 1985

श्रादेश संख्या राज०/महा० श्रा० श्रर्जन/2548---श्रतः मुझे, मोहन सिंह

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), भी धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित नाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या प्लाट नं . 57/2 सी० हैं तथा जो उदयपुर में स्थित हैं (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधनः पो के वार्यालय, उदयपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 4-7-1984

को पूर्वोक्त संपरित के उपित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से कथित नहं किया गया है:---

- (क) अन्तर्भ सं हुई किसी बाय की वाबत, सक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में केनी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी नाय वा किसी भून या नय्य निस्तरों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त निभिन्यम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ क्यारिती कृषारा प्रकट नहीं किया ववा था वा किया थाना चाहिए था कियाने वें स्विभा के लिए;

नतः सन, उन्त निधिनियम की पारा 269-म की नन्तरण ने, मैं, सन्त निधिनियम की धारा 269-म की उपधादा (1) कै नधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, नर्धात् :--- (1) श्रीमती कुसुम त्रियदिशिनी, सुश्री श्रनुपम पुत्नी डा० जगमोहन एवं श्री जयशर्मा पुत्र डा० जगमोहन जी। 4/6 जुन्ता हाउस, पणजी, गोश्रा।

(भ्रन्तरक)

 श्री लक्ष्मण सिंह पुत्र भंबरलाल जी कनविष्ट नि० पंचवटी, उदयपुर ।

(श्रन्तरिती)

को वह बुजना चारी करके पृश्तिक कम्पृतित के वर्जन के लिए कार्यमहिंगुंकरता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ु--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, से भीतर प्रविच व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित्त में किए जा सकोंगे।

स्थाब्दीकरणं र म्हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

#### ननसची

प्लाट नं 57/2, बी० उदयपुर फतेहपुरा जो उप पंजीयक्ष, उदयपुर द्वारा क्रम संख्या 1451 दिनांक 4-7-84 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्न में और बिस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, जयपुर

दिनांक 15-3-85 मोहर ध प्रकृष् नाहुँ जुटी अपूर्व पुरुष । । । । । ।

# बायकड विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाडा 269-प (1) के मधीन सुप्ता

## प्रारव बरकार

# कार्याक्षय, सहायक नायकर भागुक्त (निर्दोक्षण)

श्चर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 15 मार्च 1985

निदेश सं० राज०/महा० भ्रा० श्रर्जन/2549--भ्रतः मुझे मोहन सिंह

नायकर मिमियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्नत मिमियम' नहा गया है), की धार्य 269- घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका जीवत बाजार मुक्व 1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 57/2 है तथा जो फतेहपुरा उदयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बॉणत है ), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 4 जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त कृषितिस्म के नभीन कर दोने के अन्तरक के सावित्य वो कनी करने या उन्ने वचने में सुविधा के मिए; कृष्ट्र/वा
- (क) होती किसी बाव वा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, जियाने में सुनिया है सिह;

जतत नव, उनते निर्मानयम की भारा 269-ग के अनुसरण के में, उनते निर्मानयम की भारा 269-म की उपभारा (1) के नभीन किम्मीलिकिट व्यक्तियों, नम्बि ह—

(1) श्रोमती कुमुम प्रियदिशिनी, कुमारी स्रनुपम पुत्री डा० जगमोहन एवं श्री जयशर्मा पुत्र डा० जगमोहन निवासी 4/6 जुन्ता हाउस, पणजी गोस्रा

(ग्रन्तरक)

(2) श्री भोषाल, प्रेम कुमार महेन्द्रकुमार पुत्रान वाद्मल जी हेमनानी निवासी उदयपुर, भोषाल पुरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में काई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितवक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरण :---इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त विश्वित्यम् के वध्याय 20-क में प्रिशायिक है, वहीं वर्ष होगा जो उस वध्याय में विदा वका है।

## **मन्**सूची

प्लाट नं० 57/2 डी फतेहपुरा उदयपुर जो उप पंजियक, उदयपुर द्वारा ऋम संख्या 1453 दिनांक 4-7-84 पर पंजिबद्ध विऋय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

विनांक: 15-3-19**8**5

मोष्ट्रण 💤

इस्प नार्दं टी एन एस ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुभाना

#### बाइव बरकाड

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज ,जयपुर

जयपुर, दिनांक 15 मार्च 1985

निदेश सं० राज्ञ०/सहा०आ०/प्रार्जन/2550-- प्रतः मुझे मोहन सिंह आयकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उस्त अधिनियमं' कहा गया हैं), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित गाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

1,00,000/- र. से अधिक हैं
और जिसकी सं० प्लाप्ट नं० 57/2 सी है तथा जो
फतेहपुरा, श्रद्धयपुर में स्थित है, (और इसमें उपाबद्ध
श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय उदयपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम,
1908 (1908 दा 16) के श्रधीन विनांक 4 जुलाई 1984
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
श्रतिकल के लिए अन्तरित की गृह है, और मुक्ते यह विद्यास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का
बन्तह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती
(अन्तरितियां) के बीन एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिकल, निम्निलिस्ति उद्देश्य में उकत अन्तरण निश्वित में
पास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—-

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की शक्तिस्व में कमी करने वा उससे वचने में बृदिधा के निष्; बीर/बा
- (ख) ऐसी किसी बाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित काक्तियों, अर्थात्ः— (1) श्रीमती कुसुम प्रियद्यशिनी, कुमति अनुपम पुत्री डा० जगमोहन एवं श्री जय शर्मा पुत्र श्री जगमोहन शर्मी, 4/6 जुन्ता हाउस पणजी, गोश्रा

(भ्रन्तरक)

(2) श्री दरियाव सिंह पुत्र भंवर लाल जी करनावत निवासी राजनगर

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्षन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हो,
- (क) इस सूचना के राजपण को प्रकारन की तारीय के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्दुभ किसी नन्य स्थावत स्वारा, अभाइस्ताकारी के पास निविद्य में किए का सकींचे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहाँ अर्थ डांगा, जो उस अध्याय में दिया गया डै।

## अमृस्ची

प्लाट नं० 57/2 सी स्थित उदय पुर (फतेहपुरा) जो उप पंजियक, उदयपुर द्वारा कम संख्या 1452 दिनांक, 4-7-84 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में ओर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह मक्षम प्राधिवारी सहायक भ्रायकार श्रायुक्त (निरीक्षण) भूर्जनरेंज, जयपुर

दिनांक : 15--3--85

मोहर 🗈

प्ररूप बाह्" ही, एन, एस,------

बायक उ अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

## भारत तरकार

कार्यांक्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्त्य)

म्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांकः 15 मार्च 1985

निदेश सं० राज०/सहा० श्रा०/श्रर्जन /2551--श्रतः मुझे मोहन सिंह

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात 'उसत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर संपति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी मं० प्लाट नं० 57/2 है तथा जो फतेहपुरा में स्थित है (और इससे उपायद प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है ), रिजस्ट्रीयती प्रधिकारी के कार्यालय उदयपुर में, रिजस्ट्रीयरण प्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 4 जुलाई 1984

का 16) के अधीन दिनांक 4 जुलाई 1984
को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के हरयमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूख्य, उसके हरयमान प्रतिकल से ऐसे हर्यमान प्रतिकल का
पम्द्रश प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंसरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिकल निम्तलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
गास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण ते हुई किसी बाव की बावत, उत्तर विभिन्निय के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी कारने वा उससे वचने में सुविधा के विष्; बांड/वा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अत उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, औं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) ■ अर्थीन, निम्मसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती कुमुम प्रियंदिशानी कुमारी श्रनुषम एवं श्री जयशर्मा पुत्री एवं पुत्र श्री डा जगमीहन शर्मा निवासी 4/6 जुन्ता हाउम, पणजी गोश्रा ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती पुष्पा पत्नि श्री लक्ष्मण सिंहजी करनावत निवासी 60 डी पंचवटी, उदयपुर ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

ं स्वया सम्पत्ति को जर्बन की संबंध में कोई जाक्षेप डे—

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि था तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि शव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति ब्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारी क से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबार संपरित में हितबब्ध किसी कन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पक्किरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा जो उस् अध्याय में दिया गवा है।

## Mary Service

प्लाट नं० 57 /2 ए स्थित फतेहपुरा, उदयपुर जो उप पंजियक, उदयपुर द्वारा कम संख्या 1450 दिनांक 4-7-84 पर पंजिबध विकय पक्ष में ओर विस्तृत रूप से विवर्णित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिनारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपूर

दिनांष : 15~3~1985

मोहर 🖫

प्रकम् बाइं.टी.एन्.एस्.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म(1) के बुभीन सूचमा

#### भारत सरकार

अधितय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 15 मार्च 1985

श्रादेश संख्या राज०/सहा० श्रा० श्रर्जन/2552—श्रतः सुझै, मोहन सिंह

बालकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित आजार मून्य 1,00,000/- रा. में अधिक है

और जिसकी संख्या दुकान है तथा जो भीनूमाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के वार्यालय, भीनमाल में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 16--7--84

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाषार मून्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-कर्ले से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के के लिए; और/या
- (ब) एसा किसी आय या किसी धन मा अन्य जारिस्तर्वों को चिन्हों भारतीय आयकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा उक्त अधिनियम, या ध्व-कर अधिनियम, या ध्व-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का वा किया धाना धानिए था, क्रियान वे बृविचा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 25-601/85

 श्रीमती समका देवी पत्नी श्री सुखराज ओसवाल भीनमाल

(**ग्रन्**तरकः)

 सर्वश्री मांगीलाल, सुरेश रमेश, नरेश, राजेश पुत्न श्री टीक्चन्द जोगा पी० भीनमाल

(श्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिमा करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविधि मा तत्सम्बन्धी स्पितित्यों पर सूचना की तासीक के 30 दिन की जविधि, को भी तविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति स्पित्वती में से किसी स्पित्त ह्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकोंगे।

ल्क्योकरण :---इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, जो उत्कत्त जीवित्रका के जभ्याय 20-क के परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस अभ्याय में द्विसा गया है।

#### बस संस्थित

दुशात स्थित गणेण चौक्त बाजार, भीनमाल जो उप पंजीयकः, भीनमाल द्वारा क्रम संख्या 840 दिनांवः 16--7--84 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिह् सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, जयपुर

नारीख 15-3-85

मोहर 🖫

प्ररूप बार्च. टी. एन. एस.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर,

जयपुर, दिनांक 15 मार्च 1985

निदेश मं० राज०/महा० आ० श्रर्जन/2553-- श्रतः मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), अते भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उनित बागार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 8 है तथा जो उदयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है ) रिजस्ट्रीकर्ती ध्रधिकारी के कार्यालय उदयपुर में, रिजस्ट्रीकरण ध्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन दिनांक 25 मार्च 1984 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्मान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास अरन का कारण है कि यथापूर्वोक्त पम्पत्ति का उचित का गार भून्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, एंडे वृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिश से प्रधिक है और वण्तरक (प्रस्तदर्को) और बण्तरिती (ब्रम्तरितियों) के बीच ऐसे अग्तरण के लिए तम पामा नया प्रविद्धल, निम्नसिवित उद्देश्य से खन्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक छप के लिखित नहां किया गथा है:---

- (क) अन्तरण संहुई निक्सी आय की बाबत, उपके अधिनियम के अधीन कर दोने भी अन्तरक बो दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के निए; आर/या
- िया त्या निर्मी आय या फिसी धन या उत्त्य आस्तियाँ को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट न्हीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सविधा के लिए; और/या

अपतः अद्यः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) श्री मुकेश राय पुत्र श्री बंगीलाल जी राय. िशामी फतेहपुरा, उदयपुर,

(भ्रन्तरकः)

(2) श्री राणां प्रताप , श्रणोक कुमार एवं सुरेण कुमार पुत्र श्री मोहन लाल जी मानिक, फतेहपुरा, उदयपुर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्थिक्तयों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (थ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य स्थक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया हैं।

#### बस सची

्लाट नं० 8 सेक्टर, नं० 5 हिरणमगरी ,उदयपुर जो उप पंजिक्य, उदयपुर द्वारा क्रम संख्या 1633 दिनांक 25-7-84 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्न में ओर विस्तृत रूप में विवरणित हैं।

मोहन सिह् सक्षम प्राधितारी सहायक स्नायकर श्रायुक्त (निरक्षिण) स्नर्जन रेंज, जयपुर

दिनों ः : 15·3··1985

मोहार 🥲

## प्रथम बाह् यु दी, एन , एस ,--------

# भायकर विभिन्नियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन स्मान

#### भारत सरकार

कार्यालय. सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 15 मार्च 1985

निदेश सं० राज०/सह० भ्रा० भ्रर्जन/2554--श्रत: मुझे, मोहन सिह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट नं० 8 है तथा जो उदयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रुप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ती अधिवारी के कार्यालय उदयपुर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 वा 16 ) के अधीन दिनांक 4 जुलाई 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं काम के एरयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपयमान प्रतिफाल से, एसे रूपयमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत कन्तरण मिचित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अनुसारण से हुई किसी आग की बाबत, उक्स अभिनियम के अभीन कर दोने की अन्तरक के दामित्व में कमी करने वा उत्तरी वचने में सुविधा के सिए; जीर्/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आय-कार अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम. या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-व को जन्सरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व को उपभारा (1) के अधीन, निम्निक्तिन व्यक्तियों, मुंबात ह— (1) श्रीमती चोसर देवी , ग्रम्बालाल, सम्पतलाल, बद्दीप्रसाद एवं राजकुमार पुत्र श्री गोरधनलाल जी शर्मा निवासी उदयपुर।

(भ्रन्तरकः)

(2) खोमराज पुत्र पृथ्वीराज डागलिया, नानालाल, रूपलाल व सागरमल पुत्रान खोमराज डागलिया निवासी नायद्वारा ।

(भ्रन्तरिती)

की यह सुचना बारी करके पृथींक्त संपत्ति के बजेन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

डक्त सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में की ही भी माक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तिमां दर स्थान की तामील से 30 दिन की वविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्साक्षरी के पाम लिखित में किए वा सकोंगे।

स्यब्शीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, को उक्य अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिगा गया है।

## भनुसूची

प्लाट नं० 8 स्थित हजारेश्वर कालोनी उदयपुर जो उप पंजियक, उदयपुर द्वारा ऋम संख्या 1458 दिनांक 4 जुलाई 1984 पर पंजिबद्ध विऋय पत्र में ओर बिस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 15--3--1985

मोहर 🖫

# प्ररूप नार्द, टी. एन. एस. ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के अधीन सुभना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक बायकर बाब्क्स (निर्देशक)

म्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 15 मार्च 1985

निदेण सं० राज० /सहा० म्रा० म्रर्जन/2556---म्रतः मुझे, मोहन, सिंह,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृ्ल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० भूमि हैं तथा जो जोधपुर में स्थित हैं (और इससे उपाबद प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 27 जुलाई 1984

को पूर्विक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की वाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) श्रेसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों कारें, चिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया औना जाहिए था, स्थिपने में सुविधा के सिए;

वराः बब्, उक्तः वृधिनियम् को धारा 269-ग के बनुसरण कों, ग्रीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को बधीन, निम्मकिकित ऋक्तिकों. अर्थात क्र— (1) श्री जय मारवाड कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड जोधपुर ।

(भ्रन्तरकः)

(2) नवीन गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड, जोधपुर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी न्यक्ति हवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और धर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## समुस्ची

रातानाड़ा, सिंकट हाउस के पास जमीन जो उप पंजियवः, जोधपुर द्वारा दिनाकः 27 जुलाई 1984 को पंजियद्व विक्रय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है ।

> मोहन सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 15-3-85

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुरः दिनो र 15 मार्च 1985

निदेश सं० राज०/नहा०/म्रा० म्रार्जन/2557--म्रतः मुझे, मोहन सिह.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. सं अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 42 है तथा जो जीधपुर में , स्थित है, (ऑर इसरें उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बाणत है), रिजस्ट्रीक्ती श्रीधकारी के कार्यालय जीधपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधितियम, 1908 (1908 का 16)के अधीत दिसांक 30 जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :—

 (1) श्री मुमेर चन्द पुत्र श्री तेजराज जी भण्डारी निवासी बाल निकेतन ,
 जोधपुर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मूल चन्द पुत्र श्री मेरामचन्द अंक्षिवाल, निवासी मोहन पुरा, जोधपुर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेगे।

स्पव्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो जकत अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हानेगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अमसची

मकान सम्पत्ति स्थित प्लाष्ट नं० 42 , श्रजीत कालोनी, रातानाड़ा, जोधपुर जो उप पंजियक, जौधपुर द्वारा कम संख्या 2119 दिनांक 30 जुलाई 1984 पर पंजिबद्ध विकथ पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, जयपुर

दिनां सः : 15-3-1985

प्ररूप आइ<sup>5</sup>.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंग, जथपुर

जयपुर, दिनांक 15 मार्च 1985

निदेश सं० राज० /सहा०/ श्रा० श्रर्जन/2558---श्रतः मुझे, मोहुन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को ग्रह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 42 है तथा जो जौधपुर में स्थित है (ऑर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्यालय जौधपुर में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन दिनांग 30 जुलाई 1984

कां पूर्वीक्त सम्पत्ति कं उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमार प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का एन्द्रह प्रतिशत में आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:— (1) श्री सुमेर चन्द भण्डारी पुत्र श्री तेजराज जी भंडारी, निवामी जौधपुर बाल निकेतन।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती चुकी देवी पत्नि श्री मूलचन्द जी ओसबाल हुण्डिया , निवासी मोहनपुरा, जौधपुर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लाट नं० 42, भ्रजीत कालोनी, रातानाड़ा, जोधपुर जो उप पंजियक , जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 2118 दिनांक 30 जुलाई 1984 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में ओर विस्तृत रूप से विवर्णित हैं।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज जयपूर

दिनांक : 15-3-1985

मोष्ठर :

## प्ररूप आई. टी. एन . एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनोक 15 मार्च 1985 निदेश सं० राज०/सहा श्रा० भ्रर्जन /2559—श्रतः

मुझे, मोहन सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- रु से अधिक हैं
और जिसकी सं० दुशान प्लाप्ट नोहरा नं० 92 हैं तथा
जो श्रीगंगानगर में स्थित हैं ,(और इससे उपाबढ़ प्रमुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्जित हैं ), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी
के कार्यालय श्री गंगानगर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम
1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 17 जुलाई
1984 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित्र बाजार मूल्या से कम के इष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुभ्ने यह दिश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल के पंद्रह् प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण जिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मिविध के लिए;

उतः अत उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री मनोज कुमार पुत्र दौलतराम जाट ग्राम साह्रवाला तहसील श्रीगंगानगर।

(ग्रन्तरकः)

(2) श्री मनीराम पुत्र श्री हेमराज जाट निवासी ग्राग साह्वाला तहसील श्री गंगागर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उद्भत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हमेती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिख्ति में किए जा सकोंगे।

## अनुसूची

दुकान के प्लाप्ट नोहरा नं० 92, लक्ष्क हु मंड़ी, श्रीगंगानगर जो उप पंजियक, श्रीगंगानगर द्वारा क्रम संख्या 1302 दिनांक 17 जुलाई 1984 पर पंजिबत विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप में विवरणित हैं।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, जयपुर

दिनांक : 15-·3-·198 5

## प्रकृष क्राक्र पी. एन. एस. -----

सायकार अधिनियह, 1961 (198, का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 25 मार्च 1985

निवेश मं० राज०/सहा० स्ना० स्नर्जन/2560---स्रतः मुझे, मोहन सिंह

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्व 25,000/रा. से अधिक है

और जिस्की सं०. दुकान प्लाट नं० 92 है तथा जो श्रीगंगानगर में स्थित हैं (और इसमें उपाबढ़ श्रनुसूर्वा में और पूर्ण रूप से बणित हैं ), रजिस्ट्रीवर्ता श्रीधवारी के कार्यालय श्रीगंगानगर में, रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 • (1908 का 16) के अधीन, ता ीखा 17 जुलाई 1984

को प्वांक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दरबमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) बौर अन्तरिती (अन्तरितियों) को त्रीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योदय से उक्त अन्तरण निक्तित में सस्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सविधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, मी उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सधीन, निम्नलिकित स्पिक्तियों, अधीत :--

(1) श्री मनोज कुमार पुत्र दौलतराम जाट निवासी प्राम साहवाला तहसील श्रीगंगातगर।

(भ्रन्तरकः)

(2) श्री यशपाल पुत्र श्री मनीराम जाट निवासी ग्राम साहूवाल, तहसील श्री गंगानगर

(अन्तरिती)

कों वह सूचना बारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंब के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबट्घ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्मच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के सभ्याम 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अभ्याय में विद्या नया है।

## अनुसूची

दुकान का प्लाट, नोहरा तं० 92, लक्कड मंड़ी, श्रोगंगातगर जो उप पंजियक, श्रीगंगातगर द्वारा कम संख्या 1301 दिनांक 17 जुलाई 1984 पर पंजियद्ध विकय पत्र में ओर विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> मोहन सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज ,जयपूर

दिनाकः : 15-3-1985

प्रकम् ः बाह् ः की ः प्रवाह प्रवाह -------

भायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

## भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 जनवरी 1985

निदेश सं० 70/जुलाई/84—अत: मुझे, प्रेम मालिनी धासन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण क्" कि स्थावर सम्यत्ति, जिसका उच्चित बाजार मुल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या टी ०एस ०सं ० 3536, 3537 है, जो सुबैय्या मुद्रालयापुरम सुतु कुटि में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस ० आर ० 11 नुत्तुकुटी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई, 84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उणित बाजार मृत्य से काम को उश्यमान श्रीतफल को लिए अन्तरित की गई हैं और मृत्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तर्क (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए त्य पाया बा प्रतिफल कि पाया की सिए त्या पाया वा प्रतिफल की सिए त्या पाया वा सिए त्या की सिए त्या पाया की सिए त्या पाया की सिए की सिए तहीं कि या गया की सिए सिका की बास्तियक कर से कि पत्र नहीं कि या गया की सिए

- (क) बन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीत कर दोने के अन्तारक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और√मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपानं में सुविधा के लिए।

1. श्रीमर्ता लयोला अम्माल

(अन्तरक)

2. श्रीमती आर० सुब्बालक्ष्मी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है के 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वादाः;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- श्रूष किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी क पाम जिल्लिन सा किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रथ्कत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

### सम्स्पी

भूमि श्रौर निर्माण—सुबैया मुद्दलियापुरम, तु तुकुटी । वस ० सं ० 705/84 ज

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

जतः अज. उक्त जिथिनियम की भारा 269-न को अनुसरण माँ, माँ, उक्त अधिनियम की भारा 269-न की उप्धारा (1) अं अधीन, निम्निलिखित् व्यक्तियों, अर्थात् :--26---6GI/85

दिनांक: 18-1-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, विनांक 22-1-85

निदेण सं० 71/जुलाई/84—अतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी संख्या वार्ड सं ० 21, सर्वे सं ० 494 ए/385 है, जो मीलविद्वान गांव, चिदम्पर नगर तुनुकुढि में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्राकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस ०आर ०श्रो ० मेलूर मे भारतीय रिजर्ट्र, करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई, 84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिता (अंतरितियों) के बीच एंसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वदेश से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री जी ० राजा शंकर

(अन्तरक)

2. डाक्टर कार्ल(राजन आर ० दमयन्ती अम्माल

′(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्यव्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण चिदम्परनगर, तूनुकुडि (दस सं०९ 1025/84)

> प्रेम मालिनी वासन \_ सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक :- 22/1/85

**प्रकार भार**े, **डॉ. एन** <sub>ये</sub> हुन्<sub>ये</sub> तान म क्रम्य

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वनः

## ALZO AZONA

## कार्याज्य, ब्रह्मयक जायकर जायुक्त (रिनरीक्स) अर्जन रेंज-1 मदास,

मद्रास, दिनांक 18 जनवरी 1985

निदेश सं० 73 /जुल /84 — अतः मुझे, प्रेम मालिनि बासन

बायकर मिर्गिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), को भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं वि एस । सं वि 1009/3 है, जो सिकनर-सैयन गाँव, बुनेलवेलि में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्वा में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय टी । एस । आरं । निश्नेलवेलि में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 9 जुलाई 1984

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान पितफन के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिसत्त से अभिक है और अन्तर्क (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पामा गया प्रतिफन, निम्नतिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किसित के वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त विधिनियम के अभीन कर धेने के बफ्तरक के शासित्य में कमी फड़ने वा उत्तर वजने में सुविधा है सिए; काँड़/धा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयु-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या भनकार अधिनियम, या भनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अधिरिती ब्वास प्रकट नहीं फिया गया भा वा किया असा आहिए वा किया में कृषिभा के किया

अतः अव, उपत अधिनियम की धारा 269-म को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तित्यों, अर्थात् ः—— (1) श्री एच० मीनाक्षी सुन्वरम अयर ।

(अन्तरक)

(2) श्री वी० आर० के० मूरधी

(अन्तरिती)

को यह सूचना वारों करके पूर्वेक्स संपत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेत्र ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का ते 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे.

स्पव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त क्षम्यों और पर्वो का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

भूमि श्रीरण्पिकतरमैयन गाँव प (दस० सं० 574/84)

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I, मद्रास

तारीइ: 18-1-1985

मोहर 🛭

# प्रथम बार्च, टी, एन, एस्.::-----

# बाय्कड विधिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के स्थीत सुवना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 मद्रास

मद्रास, विनांक 13फरवरी 1985

निदेश सं० 74/जुलाई/84-- अत: मुझे प्रेम मालिनी

वासम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० है तथा जो कन्छ। यपरी गाँव, जन्याकुमारी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जे० एस आर-1 तुनेलविलि में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16 जुलाई 1984 की

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभी यह विद्ञास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रहु प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निविचित उद्भवदेश से उक्त बंतरण लिचित में बास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) ब्लाइन वे हुई किसी बाव की बायस, उक्स बाधित्वम को ज्योन कड़ वोने के बन्दरक को बादिएन में कमी कड़ने वा उन्हों ब्यूने में सुविधा के लिय; ब्रुडि/वा
- (क) ऐसी किसी बाय वा किसी थम या अन्य अस्तिवाँ को, जिन्हें भारतीय आयकद अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा, छिपान में सविधा के किए;

जितक अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग को बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधात ह— (1) श्रीए० एन० चेल्लप्पाप्ताः

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एस०अलिकमनम्पी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त् संपत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

डक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप 🥾

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की सारीब है 45 दिन की संविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की संविध, जा भी कवृधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीब स 45 दिन के भीतर उक्त स्थान्त सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म स्थानित द्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए वा सकनेंगे।

स्वव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त कव्यों और वर्ष का, को उक्त विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ष होगा, को उस अध्याय में विधा ग्या है।

## मन्त्र्य

भूमि भ्रौर निर्माण कन्टीयपेरी गांव कन्याकुमारी (इस० सं० 617/84)

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक : 13-2-1985

मोहर 🖫

प्रकृष नाइं टी एन एस - - --

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत बर्डका

## कार्यानय, सहायक वायकर वायुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रेंज-[ मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 जनवरी, 1985

निदेश सं ० 76/ जुलाई /84--अतः मुझे प्रेम मालिनी वासन.

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिस्ताम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

मीर जिसकी सं० है जो, कोठेकानल में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० काठेकामल में भारतीय रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित भाजार भूल्य से कम के क्षयमान ध्रित्तिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रविश्वत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गका प्रतिफल, निम्निलिश्वत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में पास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) बुन्संद्रण वे हुई किसी बान की बान्छ, उनक बुधिनियम के अभीन कर दोने के बन्सरक के स्वयित्व में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; सुरि/वा
- (स) एसं किसी आदा मा िगी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्ह<sup>3</sup> भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था जिनाने में सुविभा के निए;

जतः अव, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त विधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) क्टूंडभीन, निम्निजि**द व्यक्तियों, वर्षात् म**— (1) श्री आंर विजया रकुनाद नान्डेमान

(अन्तरक)

(2) मैसर्स गे ट्रावलस प्राईवेट लिमिटेड ज

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के शिक्ष कार्यवाहियां करता हुं।

उस्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप 🖫 🖚

- (क) इस स्वनाको राजपत्र में प्रकाशन की सारी स से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 चिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकेंगे।

अनुसूची

भूमि कोठेंकानल, (दस० सं० 407/84)

> प्रेम मालिनो वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज I, मद्रास

िषनांक :~ 10−1−1985 मोहरु ध

## प्रकृत कर्षः ही. एव ् एव् ------

भागकार गीर्थानियम्, 1961 (1961 का 43) वर्षी भारा 269-म् (1) के नृथीन् सूचुना

## 

कार्यापय, तहायक जायकर जायकः (निहासक) प्रजन रेंज-1, मद्रास ,

मब्रास, दिनांक 29 जनवरी 1985

निवेश सं० 77/ जुलाई /84 → अतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित वाजार 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० सं० 40, है तथा जो कोडैशानल गांव, मयुरे में स्थित है (ओर इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है ), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्यालय एस० आर० ओ. कोडैशानल में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16 के अधीन 16 जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार सम्य, उसके रहयमान प्रतिफल सं, एसे रहयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय वाया नया प्रतिफल, विस्निविद्य स्थान से सकत बन्तरण विश्वत में वास्तिक स्थ से किया वहीं किया प्रा है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स बीधनियम के वधीन कर दोने के अन्तरक के सहित्य में कवी कर्द वा उच्चे वृषये में वृष्यिक के बिए; ब्रोड/वा
- (व) एसी किसी आय या किसी थन या जम्ब शास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया वा दा किया जावा वाहिये था, कियाने में सुविधा वे विद्र;

जतः जब, अबत विधिनियम की भारा 269-ग की जनुसरण भी, भी, सकत विधिनियम की भारा 269-च की उपभाग (1) को अभीन, निम्नतिचित व्यक्तियों, वर्षात क्र--- (1) मैसर्स दियाकराजर मिलस लिमिटेड

(भ्रन्तरकः)

(2) मैंसर्स कुरूमुत्तु फामंस लिमिटेड (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारने पूर्वोक्त सम्पर्टित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वविध बाद में स्पाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर प्रवेक्ति उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबद्ध किसी अन्य अयिक्त द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त बिधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया नया हैं।

## **अप्**रक्षी

भूमि और निर्माण एस० सं० 110, कोडँकानल गांव (बसतावेज सं० 363/84)

> त्रेम मालिनी वासन सक्षम त्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I मद्रास

दिनांक : 29-1-19**85** 

मोहर 🛭

प्रक्ष काइं.टी.एन.एस.-----

बावधार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन सूचना

## भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) भार्जन रेंज 1 मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेण सं० 80 /जुलाई /84--श्रतः मुझे, प्रेम मालिनी बासन

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परम्नात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे सं० 473/2 और 473 है, जो चट्टीनामकतपट्टी गांव दिन्डुकल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय जे० एम० प्रार० -I दिन्डुकल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मुख्य से कम को स्थ्यकान अपित्रक को लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्त बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्स्रह प्रतिशत से अभिक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) को बीच एसे अन्तरण को लिए तय पाया गया वित्रक निम्नसिवित उद्वेष्ट से उचत ब्लारण निवित्त में बास्तविक स्प से काँचत नहीं किया वया है :—

- (क) अन्तरण संहुई किसी बाय का शाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाव या किसी वन या वन्य वास्तिवाँ को, विक्टू जारतीय जावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के हवीचनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना वाहिए था, कियान में सुविधा ने निक्;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में , बैं , उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिकित व्यक्तियों , अर्थात् :—

(1) श्री डी॰ सीवा सुत्रमणयन

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रामभानि पिल्ली

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पृत्राचित संपत्ति के वर्षन के जिल् कार्यवाहियां कारता हो।

उक्त सम्मत्ति के श्रवंग के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 43 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचका की तानीका से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के एजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के बास निवित में किए था स्केंगे।

स्वच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त क्षक्षों भीर पर्वे का, को उक्त जीभीनयम् के काश्याय 20-क में परिभाविश ही, वहीं वर्ध कोणा को उस कश्याय में दिया गया ही।

# बन्ज्जी

भूमि और निर्माण सर्वे सं० 47/3/2 श्रार 473/2 चेट्टीना कतपट्टी गांव, विन्डुकल ।

प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्ता (निरीक्षण) श्रजैन रेंज I, मद्रास

दिनांक :- 10-1-1985

मुक्त नार्ष को , एन , एक , ---- /--- ----

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज -1 मन्नास

मद्रास, विनांक 13 फरवरी 19,85

निदेश सं० 81 जुलाई / 84 -- श्रातः मुझे प्रेम मालिनी वासन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/ रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० सर्वे सं० 230/1, है जो धार्टिकोम्पू गांध दिन्हुकल में स्थित है (और इससे उपादाद अनुमूची में और पूर्ण एप से विणित है ) रिनस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्यालय जे० एस० आर० दिन्हुकल में भारतीथ रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16 जुलाई 1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित यंजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यंशापक कि संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल; से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिभत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिक रूप के किथित नहीं किया गया है है

- (क) अस्तरण से। द्वार किसी जीव की बावत, उक्त अधिनियम: के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या बससे बचने में सुविधा के किए: ध्वीर/दा
- (६) एसी िशसी नाव मा किसी भन वा नम्य जास्तियों की, पिनहीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (19%2 का 14) ए। उत्तर अधिनियम, या भगजार अधिनियम, या भगजार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती ब्वारा प्रकट गही किया वव। भा वा किया जाना जाहिए मा दिख्या दे वृत्तिया की किय;

कतः अब , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (†) के अधीन निम्नितिश्वित व्यक्तियों अधीत :— (1) श्री टी॰ तिम्मया ।

(भ्रन्तरकः)

'2) श्रीमती बलम्माल ।

(भन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सभ्यतित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध के कोई भी बाक्षेप राज

- (क) इस स्वाधा के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अवधि या तुरसम्बन्धी व्यक्तियों वर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त स्थितत्वों में से किसी स्थितत द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख म 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबख्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

### नग्त्यी

भूमि और निर्माण दाटिकोम्पू गांव, दिन्हुकल लालूक (दस० सं० 1199/84)

> प्रेम मालिनी बासन सक्षम प्राधिकार्रः सहायक श्रायकर ग्रायुवत (निर्रःक्षण) श्रर्जन रेंज- I, मद्राम

तार्शाख : 13-2-1985

मोहर 🐠

प्ररूप बाइं.टी.एम.एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-! मद्रास

मद्रास, विनांक 17 जनवरी 1985

निदेश सं० 82 जुलाई/ 84 → अतः मुझे प्रेम मालिनी वासन

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,0000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वें सं० 272/2 हैं, जो औडिपट्टी गांव, जिन्नमनूर, पेरियकुलम में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीवर्ता अधिवारी के कार्यालय, एस० आर० ओ० जिन्नमनूर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 वर्ष 16) के अधीन जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कब के इच्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार कृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के कृत्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया क्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से इंदूर किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विभा के लिए; और/बा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ क्षेप्र चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुनिधा के लिए।

अतः अस, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निस्निसिक्त स्पित्तयों, अर्थात् ह—- 27—6GI/85

(1) श्रीमती मीनाम्बाल

(ग्रन्तरक)

(2) लक्ष्मी धम्माल

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकींगे।

स्परधीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नग्तुन्त

भूमि एस० सं० 272/2, औडिंपट्टी गांव चिन्तमनूर परियकुलम

(दस० सं० 1756/84)

प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 17-1-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 जनवरी 1985

निदेश सं० 83/ जुलाई 1984 -- ग्रतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें न्मके परचात 'जक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० वहि सं० 14, रो सं० 214 डी 3/14 है, तथा जो उदमपालयम गांव, कम्पमठकन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध धन्मुची में और पूर्ण रूप वर्णित है) ,रजिस्ट्रीकर्ता अधिवारी के कार्यालय, एस० आर० ओं वस्पम में भारतीय रजिस्ट्रीक्ररण श्रधिनिधम, (1908 का 16) के प्रधीन जुलाई 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द और मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे इष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उददेश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर नदोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ए'सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्री टी॰ तादुराज भार न्वार भन्य

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ए० के० सकनि कौन्डर

(भ्रन्तरिती)

को यह सुमना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेंकित व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति व्यक्ति;
- (श्व) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सर्कोंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याप में दिया गया है।

## नग्स्वी

भिम और निर्माण डोर सं० 214 डी 3/14, 214डी 4/14 भ्रासकार पालमय रोड़, उदमपुरम गांव कम्बम । (इस सं० 1886/84)

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

विनांक: 18-1-85

मोहर 🖫

## प्ररूप आई.डी.एन.एस.-----

(1) श्री पी० श्र⊹यन

(ग्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

(2) पी० जान मुस्तया

(भ्रन्तरिती)

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-!, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० 84 जुलाई 1984 -- श्रतः मुझे, प्रेम मालिनी बासन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह दिश्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

और जिसकी सं. विट सं० 2 ठोर सं० 11/ए / अब्ब्यू 2/32 है तथा जो मेलूर ठक्षन में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है ), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० ओ० मेलूर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्या से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्ये, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अपन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्धन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

भूमि और निर्माण मेलूर ठकन (दस सं० 1416/84)

> भेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मन्नास

दिनांक : 10-1-1985

मोहर .

## श्ररूप नाइं.टी.एन.एस<sub>.</sub>-----

नाथकर जा'धनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### ब्रार्व शरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, विनांक 28 जनवरी 1985

निवेश सं० 86/जुलाई/84--- ग्रतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाबार मुख्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जितकी सं० वार्ड न्० 17, श्रभरकारम रोड है तथा जो रामनन्दपुरम ठक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), राजस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यीलय एप० श्रार० 1, रामानन्द में राजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जुलाई, 1984

को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्वोंक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया। प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिक में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 1.1) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण बैं., मैं, बक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिंशित व्यक्तियों अर्थातः--

- (1) श्रीमती रानी डी० इन्त्रा देवी। (धन्तरक)
- (2) श्री भ्रार० विजयनाद दुरै। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त स्म्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी अ्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत अस्ति में किमां स्थिति द्वारा ;
- (श) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार सिस्तित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया

## नम्सूको

भूमि और निर्माण वार्ड सं० 17, अक्रिकारम रोड, रामानावप्रम । (यस्तावेज सं० 324/84)।

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज⊶I, मद्रास

तारीख : 28-1-1985

मोहरू

# प्रकप आई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, विनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं० 87/जुलाई,/1984--श्रतः मुझे, प्रेम मालिनी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह दिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 520/2 है तथा जो प्ररिचनधम गांव, कूनूर में स्थित है (और इनसे उपाबद प्रमुसूची में और पूर्ग कर से वर्णित है), रिनिस्ट्रो नि प्रधिनारी के कार्यालय, विस्दुनगर एन० भार० ओ० एम० 860/84 में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, जुलाई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिक्यों) और अंतरिती (अंतरितियों) के नीज एसे अंतरिक के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित कहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:— (1) श्री ग्रार० श्रीनिवासन और ग्रन्य।

(मन्तरक)

(2) श्री एस० प्रशोक ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि और निर्माण श्ररिचनधम गांव, कूनूर । (वस्तावेज सं० 860/84।)

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) मुर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 8-1-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, महास

मद्रास, दिनांक 3 कु जनवरी 1985

निदेश सं० 88/जुलाई/1984→न्म्रतः मुझे, प्रेम मालिनी बासन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 के 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/ रु. से अधिक हैं

25,000∕ रत. से अदिक**ह**\* और जिनकी संव सर्वे नंव 67, टीव एसव संव 58 है तया विरद्वागर में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रो इती भ्रविकारी के वार्यालय, विच्दुनगर (दस्तावेन सं० 1931/84 में रजिस्ट्रीकरण अधि-तियम, 1908 (1908 जा 16) के भ्रवीन, जुलाई, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफत के लिए अन्दरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वीक्त संपत्ति का बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी फिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीएम० वी० नागराजन और म्रन्य। (भ्रग्तरक)
- (2) श्रीमती लीलावती भ्रम्माल। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में काई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षकी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# जगसची

भूमि तथा निर्माण--राममूर्ति रोष्ठ, विग्दुनर, वेस्ट । टी॰ एस॰ नं॰ 58/8।

(दस्तावेज सं० 1931/84)।

प्रम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सङ्हायक भ्रायकर ायुक्त (निरीक्षसें) भ्रजन रेंज–1, मद्राम े

तारीख :कु 8-1-1985 मोहर: प्ररूप मार्ड. टी. एन. एस. - - -

श्रीमती एम० बसन्बरादेवी ग्रम्माल।

(मन्तरक)

नायकर निधिनियम्, 1961 (1961 का 43) कर्रे भारा 269 म्(1) के नभीन सुमना

श्रीमती विलियम्मे श्रान्वी।

(भन्तरिती)

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 जनवरी 1985

सं० 89/जूलै/84:—— झत मुझे, प्रेम मालिनी वासन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा है, की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/~ रु. से अधिक है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अंत-रितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल मिन्मिसिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीम, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अधीसु:-- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन की संबंध में कोई भी जाओप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरण :—-इसमी प्रयुक्त शब्दा और पदी का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क मी परिभाषित ही, बही अर्थ हारत, जो उस अध्याय मी दिया गया है ।

#### वन्त्र्यो

भूमि श्रौर निर्माण ठोर र्स० सी 189 ए, तिरू र मबुरे।

(दस सं० 1050/84)।

प्रेम मालिनी वासनः सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 8-1-1985

# प्रथम बाह्र , ब्रीह एत , प्रवाह ------

1. श्री के० लक्षमणन

(मन्तरक)

नामकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-ज (1) के अभीन सुचना

2. हाक्टर सुम्बरराज भौर भन्य।

(प्रन्तरिती)

भारत बंडकार

कार्यासय, सहायक मायकर भागुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज 1 मद्रास

मब्रास, विनांक 18 जनवरी 1985

सं० 91/जुलाई/84:—ग्रातः मुझे, प्रेम मालिनी वासन, बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), जो कि भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

भौर जिसकी संख्या सर्वे० र्स० 4, टी० एस० सं० 381, हैं जो कान्दी नगर, तरुलाकुलम, मदुरे में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद्ध में भौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्त्ती अधिकारी के कार्यालय, एस० भार० भो० सख्लाकुलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भधीन, सारीख जुलाई, 1984

को पूर्शकत सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह व्यावास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के बीच तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण ते हुई किसी बाद की धावतः, उक्त अधिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सर्विधा के लिए; जौर/वा
- (ब) एसी किसी आय या किसी पत्र या अन्य नास्तिकों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए था कियाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अभिनियम् की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निश्निलिखित व्यक्तियों अधीन, निश्निलिखित व्यक्तियों अधीन, को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए-√ कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख पं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रशेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के प्रकारित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम से अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं पर्थ होगा, जो उस अध्याय में किन्छ-गया है।

## वन्स्यो

भूमि भौर निर्माण सर्वे० सं० 4, टी० एस० सें० 381, गन्दि नगर, तल्लाकुलम, मदुरै।

(एस॰ सं॰ 2707/84)।

प्रेम मालिमी वासन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 18-1-1985

प्रकृप आइं.टी.एन.एस. -----

आसकर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

#### शारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 जनवरी 1985

सं० 92/जुलाई/84:—अत मुझे, प्रेम मालिनी वासन, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह निष्तास करने का कारण है कि स्थाबर सम्परित. जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं० 157, श्रार० एस० मं० 21/2, 3 है, जो सन्दमन्कलन गांव, मदुरै में स्थित है (श्रीर इससे उपाबज में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, एस० श्रार० श्री० मदुरै, दस० नं० 2769/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जुलाई, 1984।

(1908 को 16) के ग्रधान, तीरीख जुलीई, 1984। को पूर्वेक्ति संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के उपयान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास किसने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के मीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कम विम्निलिक्ति उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निक्ति में बास्तिबक कप के किया नहीं किया चना है?---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत, उक्त बिश्नियम के अभीन कर दोने के अन्सरक के हाबित्व में कभी करते या उसमें मण्डे में स्थिध के लिए; बॉर/या
- (म) एमी किसी बाय वा किसी भन या बन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योपनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गयः था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

सतः पत्र अकत विधिनियम कौ भारा 269-स कौ बन्दरक मो, मो, उकत अधिनियम की धारा 269-स की उपधारा (1) को बधीन, निध्नतिसित व्यक्तियों, अर्थातः :—— 28—6GI/85 भार० सुन्दरेसन ।

(भ्रन्तरक)

🗥 🛂 श्रीमती एस० 🔭 लकपामि ।

(भ्रन्तरिती)

की यह सुभना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के तिए कार्यज्ञाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के कास तिचित में किए जा सकेंगे।

स्वकाकरणः --इसमें प्रयुक्त सन्धां और पत्तों का, को उपव विभिन्नयम, के अभ्याय 20-क में प्रिशाणिक हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अभ्याव में विका गवा हैं।

## भ्रनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण प्लाट सं० 146, श्रार० एस० सं० 21/2, 3 सान्दमन्कलम गांव,, नल्लाकुलम, मदुरे। (दम सं० 2769/84)।

प्रेम वालिनी वासन, सक्षमप्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जनन्रेंज 1, मद्रास

तारीख: 7-1-1985

मोहर

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

1. श्री ग्रार० अलकरसामि।

(भन्तरक)

2. श्री चन्द्रशेकर।

(भ्रन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, 1 मद्राम

मद्रास, दिनांक 7 जनवरी 1985

सुं० 94/जुलाई/84:—-प्रतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या 82 है, जो सन्दमकलम गांव मदुरे में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, एस० श्रार० तल्लाकुलम में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन, दिनांक जुलाई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल से पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्षित में वास्त्रविक रूप से कथिस नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर किधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्ब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### जम्सूची

भूमि प्रौर निर्माण, नल्लाकुलम मदुरै नार्थ । बस सं० 2469/84।

> प्रेम मालिनी वासन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-1, मद्रास

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन नियम लिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 7-1-85

प्ररूप माइ. दी. एत. एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-व (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, मजास

मद्रास, दिनांक 18 जनवरी 1985

सं० 98/जुलाई, 1984:——ग्रतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणिस बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

म्रोर जिसकी संख्या टी० एस० मं० 48/2 म्रौर 148/1 है, जो कोलवालवावली लेन, कामरागर सालै, मदुरे, ठर्कृन में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपावद्ध भ्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० 1 मदुरै (दिसम्बर र्स० 3811/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख जुलाई, 1984।

को पृत्रेक्सि सम्पर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पृत्रेक्सि सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकॉ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच उसे, अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण कि गित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) मन्तरण वे हुई किसी मान की नामत कक्ष निध-नियम के नधीन कर दोने के अन्तरक की दादित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सियोः सीर/या
- (क) एसी किसी जाव या किसी थन बस्व जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, वर्धीत् हैं— 1. श्रीमती धरनादियम्माल ।

(भ्रन्तरक)

2. मैजर स्निदिम्श्रीया।

(प्रन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पर्तित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ⊱

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के प्रक लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

#### अनसची

भूमि और निर्माण टी० एस० नं० 148/2 और 148/1, कोतवालचाबिव सून, मदुरै टर्कुन । (दस सं० 3811/84)।

> प्रेम मालिनी ट्टबासन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निक्षिण) श्रर्जन रेंज 1-मद्रास

नारी**ख**ः 18--1--1985

मोहर

# श्रुक्ष्य **वाह**ै, दी. एन्. **एस**्न-----

माणकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की **धारा** 2**69-व (1) के बधीन स्वना** 

#### मारत सरकाड

# कार्यावय, सहायक वायकर वाय्क्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज 1 भद्रास,

मब्रास, विनाँक 13 फरवरी 1985

सं० 100/जुलाई/85:—-ग्रत मुझे, प्रेम मिलनी वासन, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हूं), की भारा 269-म्ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या सर्वे० नं० 10000/3 है, जो कीलकडुलूर गांव में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप में विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, एस० ग्रार० कम्पम दस० सं० 1929, 1930 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिष्धिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन, नारीख़ जुलाई, 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार गृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिम्नत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उल्ल अधि-नियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अरि/या
- (क) ऐसी किसी बाग या किसी भन या बन्य जास्तियों को जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

1. श्रीमती सेन्पकभ्माल।

(भ्रन्तरक)

2. श्री सदासिव सुब्रमणियम।

(भ्रन्तरिती

को यह सुधना जारी कारके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवादिया भागा हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस मुखना के राज्यक में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद के समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित ब्रुध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अक्षेत्रस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमं प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उसर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होग्य जो उस अध्याय में दिया

#### ञ्सूची

भूमि कीलकलूर सर्वे सं० 1000/3,

दस सं० 1929, 1930. 1953, 1959, 1947, 1949, 1950, 1960, 1946, 1948, 1962, श्रीर 1963।

> प्रेम मालिनी वासन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-1, मद्रास

बत:, अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :---

नारीख: 13-2-1985

प्ररूप नार्चं दी. एन . एसं . -----

बामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बभीन सुचना

#### नारत तरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निद्रीक्षण) ग्रर्थन रेंज-1, मद्रास

मद्राभ, विनांक 7 फरवरी 1985

र्स० 157/जुलाई/84:—-श्रत मुझे, प्रेम मालिनी वासन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मुल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी संख्या सर्वे संख्या 2, वार्ड सं० 28 है, जो मेल भ्रम्बासमुद्रम तिरूनेलवेलि में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, एस० भ्रार० सं० पलिति में भारीय रजिस्ट्रीकरण भ्रधितियम, 1908 (1908 का 16) श्रधीन, तारीख जुलाई, 1984

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से काथत कही किया क्या है के—

- (क) मन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत, उक्त मधिनियम के भधीन कार दोने के अन्तरक के सामित्व में कनी कारने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बार/वा
- (श) एसी किसी बाय या किसी धन या बृत्य बास्तिकः को बिन्ह भारतीय बायकः, अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर विधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ बन्दरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया धा या किया जाना जाहिए था, छिवाने में सविधा के बिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-क के अनुसरण मे, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित स्पिक्तियों, अर्थात् :—- 1. श्रीमती एम० एल० वसन्दकुमारी।

(श्रन्तरक)

2. श्रीमती जानकी ग्रम्माल।

(मन्तरिती)

का यह स्वना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-

उनत संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को शारास सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम निस्ति में किए जा सकीं।

स्पथ्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्क्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नमा ही।

# बग्त्यी

भूमि ग्रीर निर्माण सर्वे० सं० 2, बिड सं० 29, मेल भ्रम्बसमुद्रम।

(इस सं० 2946/84)।

प्रेम मालिनी वासन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मब्रास

नारीख: 7-2-1985

## प्रस्य मार्च, टॉ., एम्., एस्.------

नावकर सभितियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकाह

# कार्याजय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्वर्जन रेंज 1, मद्रास मद्रास, दिनांक 22 जनवरी 1985

सं० 158/जुलाई/84:— ध्रत मुझे, प्रेम मालिनी वासन, नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति विसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

25,000/- रह. से अधिक हैं
श्रीर जिसकी संख्या टी० एस० सं० 774/2, 774/1, 772/1,
772/2, है, जो सिविकिरिपट्टी गांव, पिलिन ठकन, में स्थित
है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है),
रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, एस० श्रार० पलिन
दिस सं० 696/84) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम,
1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जुलाई, 1984
फो प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के द्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्मे यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त संपित्स का उजित बाजार
सूक्य, उत्तके द्यमान प्रतिफल सं, एसे द्यमान प्रतिफल का
पन्तह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गवा है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त आँध-णियम के अधीन कर दोने भी अन्तरक के शियत्व में कमी कपुने या उससे वचने में सुविधा के सिए; जौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अम्सरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना वाहिए था कियाने में सुविधा वै लिए;

कतः जाप, उक्त जाधिनियम, कौ धारा 269-म कौ जनसरण मों, भी उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नोलिखित व्यक्तियाँ, अधीत् ह— 1. श्री टी० सी० रामकृष्णाणन ;

(भ्रन्तरक)

2. श्री के० पी० श्रार० एस० जयराम।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी कर्के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप है-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

# **प्र**नुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण टी० एस० सं० 774/2, 774/1, 772/1, 772/2, सिविकिरिप**ट्टी गांव**, पलनि ठर्कुन

(दस सं० 696/84)।

प्रेम मलिनी वासन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1, मद्रास,

तारीख: 22-1-1985

प्रकल नार्ड. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालब, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज 1, मद्राम

मद्रास, दिनांक 1 फरवरी, 1985

सं० 30/ग्रगस्त/84:—-ग्रत मुझे, प्रेम मालिनी वासन, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

ग्रीर जिसकी संख्या ग्रार० एस० सं० 38/3A1, 38/1B 381 ई, 38/16 ग्रीर 38/ग्राई सी/ग्रीर 39/2 ए 1 है, जो उच्च पट्टी गांव, लुमल्कलम में स्थित है (ग्रीर इससे उपा बद्ध में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, जे० एस० ग्रार० 1 मदुरै में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख ग्रगस्त, 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उमित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंबरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक की दासित्व में अभी अपने या उसने बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 ,1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा शक्य नहीं किया भया था किया प्राना चाहिए या क्षिपान में स्थित

अतः अअतः, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण तें, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थीत् :--- 1. श्री के० सेलवराजन।

(भ्रन्तरक)

2. ग्रारूणा पेपरम प्राइवेट लिमिटेख।

(भ्रन्तिशती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (₹) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख रे 45 दिन के भीतर उन्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार विकास में किया जा सकेग।

स्थव्हांकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण उच्च पट्टी गांव (दस सं० 4028 टू 4036/84'

> प्रेम मासिनी वासन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, मद्रास

तारीख: 1-2-1985

तारीखः

/ ------

प्ररूप बार्च : दौ : एन : एन :------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन समना

#### भारत तरकार

# कार्यालय, सहायक जायकर जामुक्त (निरीक्षण) श्वर्जन रेंज 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 फरवरी, 1985

सं० 32/धगस्त, 1984:---श्रतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे **इसमें** इसके पक्ष्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित धाजार म्रूय 25,000/- रत. से अधिक **ह**ै

ग्रौर जिसकी संब्या टीव एसव संव 1588 है, जो मदुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जे० एस० म्रार० मद्रै में भारतीय रिजस्ट्रीकरण म्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, श्रगस्त, 1984

को पूर्वीका संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत-रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंत-रण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाक्त, उस अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्सरक को दामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (u) एंसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय वायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम . 1957 (1957 का 27) के काकशार्थ भारति ही सक्तर गाउँट कार्य कार्या गाउँ थाया किया जाना चाहिए था, फियाने में सुविधा र्वीसिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनसरण वं, मं उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (१) को अधीन , निम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थात् :---

1. श्री एस० राममूर्ति।

(भ्रन्तरक)

श्री एम० रामसुब्रमणयम।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या नत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त म्यक्तियों में से किसी म्यक्ति व्वाराः
- (व) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की क्षारीब स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शन्दों और पर्वाका, को उवर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

प्रनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण मदुरै (दस मं० 423/84)।

> प्रेम मालिनी वासन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज 1, मद्रास

दिनांक: **8**~2~1985

मोहर

प्रस्य बाइं.टी.एन.एस.-----

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुवना

## शाहत सहकात्र

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 फरवरी, 1985

सं० 34/अगस्त, 1984—अतः मुझे, प्रेम मालीनी वासन, जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) पिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 25.000/- रु. से अधिक हैं ग्रीर जिसकी मंख्या टी० एस० 34 हैं, जो मदुरैं टकुन में स्थित हैं (ग्रांर इससे उपाबद्ध में ग्रांप पूर्ण कृप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर०-1 मदुरैं में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1984। को पूर्वों कुत सम्पत्ति के जिसका मृत्य से कम के ध्वयमान

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति कम उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यां) क बाच एसे अन्तरण के निए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण कि निम्लिखित में बास्तियक रूप में कथित को किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण म हुई किसी श्राय की बाधत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के सिए;

1. श्री एम० के० महमत मियान।

(अन्तरकः)

2. श्री मुह्मद हनिया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, यो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृशीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य ध्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, यही अर्थ दोगा, जो उस अध्याय में दिया प्या ही।

अनुसूर्च।

भूमि भ्रौर निर्माण मदुरै ठकुन र्ट। ० एस ० सं० 34 । (दस सं० 3554/84)।

> प्रेम मालिनी वासन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्तर आयुक्त (निर्दक्षण) अर्जन रेंज 1- मद्रास

तारीख: 8-2-1985

मोहर

# प्ररूप बाइं. टी. एस. एस. - - - ---

मायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

रायांलय. सहायक **आयकर आयुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज 1, मदास

मद्राम, दिनांक 8 फरवरी, 1985

निदेश सं. 36/अगस्त, 1984:—अत मुझे, प्रेम मालिनी बासन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूस्य 25,,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या टी० एस० सं० 1533 है, जो सेल्लूर, मदुर में स्थित है (श्रीर इससे उपायक में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० तल्लाकुलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ज्यसान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंदह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त बन्तरण लिखित में कास्तिक रूप से कथिस नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्ल में कभी करने या उससे उचने टें गृविभा के लिए: और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वाध प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

इत अब उक्त अधिनियम को भाग 269-ग के अनुसरण मं, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :-- 1. श्री आर० आरूमुक मुर्पालयार।

(अन्तरक)

2. श्री ४।० एस० सुन्दरम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकशन की तारीब से 45 दिन की जबकि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को ी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकी

स्यव्हीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को जस अध्याय में दिया नया है।

अनुसूची

भूमि भ्रौर निर्माण सेल्लूर मदुरे। टी० एस० सं० 1533। (इस सं० 2905/84)।

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, मद्रास

तारी**ख**: 8-2-1985

प्ररूप आर्दे.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी, 1985

सं ० 38-अगस्त 1984:——अत मुझे, प्रेम मालिनी वासन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

मौर जिसकी संख्या सर्वे. सं० 83/1, प्लाप्ट नं० सं० 12 है, जो मणिकिरि गांव, मवुरे, में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० तल्लाकुलम में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख अगस्त, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अर्न्तारती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा कोलिए;

अतः अबं, उक्त अविनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 1. श्रीमती जेमल यमि जयरामन।

(अन्तरक)

2. श्रीमती आर. पूर्णिमा।

(अन्तरिर्ताः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इससूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच लिखित में किए जा सकर्ग।

स्मष्टीकरण:—-इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है:

## अनुसूर्चाः

भूमि श्रौर निर्माण मणिकिरि गांव, मदुरै, (टी० एस० सं० एक3/1)

( दम सं० 3133/84)।

प्रेम मानिर्ना बामन, मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, मद्रास

तारीख: 7-2-1985

प्रकृष् नाइं.टी. एन. एस. ------

नासकर अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

## भारत सरकार

अधिनय, सहायक आयकार आमृत्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज 1 मद्रास मद्रास, दिनांक 11 फरवरी, 1985

सं० 39/आघट/84:—अत मुझे, प्रेम मालिनी वासन, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या सर्वे० सं० 45/2 है, जो संकोट गांव, मदुरा जार्जा, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद में श्रीर पूर्ण स्थ से वर्णित है), रजिस्ट्रांकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० तल्लाकुलम (दस ससं० 2223/84) में भारतीय अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृश्य, असके "स्थमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत सं पिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अंतरण विकित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) बन्तरण संहुद किसी भाग की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्स में कभी करने या उससे अचने में मृजिधा के सिए; और/या
- (ख) एसा किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. व्यिपानी में स्थिमा के लिए;

चतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भः, में, क्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) भृ वधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. वर्धात्:— 1. सकरि लिक्ठेटर, हाई कोर्ट, मद्रास

(अन्तरक)

2. श्री जी० रहमतुल्ला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना अपरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप ह—

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्पिक्तयों पर स्पाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्णों कर स्पिक्तयों में से किसी स्पिक्त दुवारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीसर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्यव्हीकरण :---इसमें प्रयुक्त सुन्धी और पतों का, जो उनत विश्वित्तयम् के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या ग्वा ही।

## अनुसूची

भूमि श्रीर निर्माण सेन्कोहै गांव, मदुरै नार्थ (वस सं० 2993/84।

> प्रेम मानिनो वासन, सक्षम प्राधिकःरी, सहायक आयक्रर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 11-2-1985

मोहर

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

1. श्री आर० कोपालमामि।

(अन्सरक)

2. श्री सि० चन्द्रम चैट्टीयार

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वेक्ति
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि और निर्माण ,तलाकुलम मदुर सर्वे क सं ० 21/5 (दस सं ० 2942/84)।

प्रेममालिनी धासन, मक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज-1. मद्रास

तारीख: 13-2-1985

मोहर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1 मब्रास

मद्राम, दिनांक 13 फरवरी, 1985

सं० 41/अगस्त/84:—अत मुझे, प्रेम मालिनी वासम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थ्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संख्या मर्वे० सं० 21/5 है, जो तल्लाकुलम, मदरैं में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनस्वि। में ग्रीर पूर्ण

प्रौर जिसकी संख्या मर्ने के सं 21/5 है, जो तहलाकुलम, मदुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपानद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकक्ता अधिकारी के कार्यालय, एस के आर के तहलाकुलम में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1980 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1984 को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे द्श्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एरों अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिश्चित व्यक्तियों, अर्थात :----

# त्रक्ष् वाही ही द्वा द्वा ----

श्री ए० कासिम मोहमद

(पन्तरक)

बायकर बीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाच

2. श्री ए० हमीब रहमान

(भ्रन्तरिती)

269-थ (1) के बधीन स्पना

## भारत तरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, 1 मद्रास

मद्रास, विनांक 11 फरवरी 1985

निदेश सं० 48/भगस्त/84—-भतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन,

न्नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्मे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000 ∕ - रः. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सर्वे सं० 7/23 है, जो मन्टबम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, एस० ग्रार० रामेस्वरम में रजिस्द्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के **प्र**धीन, तारीख ग्रगस्त 1984

का . एवा वित संपत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के दश्यमान इतिफरूर को लिए अंतरित की गई ही और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाबार मुख्य, उसके ६ ५५ मान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से प्रिथम है और जन्तरक (जन्तरकारें) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रीतफल, निस्ता समित उन्दोको वे अक्त बन्तरण निर्मित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है है---

- (क) बल्हुम् ६९ हुई फिबी बागकी बाद्यु, नीविन्दन के बंधीन कर दोने के बस्तुरक के गुनिस्न को कमी क्रपुत्रे वा बब्धे बचने में बुविवा के लिए; बौर/या
- (च) एंसी किसी नाथ ना किसी धन ना नन्न नास्तिका को चिन्हें भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनयम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वास प्रकट नहीं किया गया भा ना किना जाना चाहिए चा, क्रियाये में सुविधा न्हे सिए

को बहु सूचना बारी करके प्रवेक्त सभ्यक्ति के वर्षन के सिक् कार्यवाहियां करता हुं।

खबत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच व 45 विन की सर्वीभ या तृत्सम्बन्धी स्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, वां भी **जब्धि बाद** में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन कि तारी । से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षर के पास सिचित् में किए जासकों गे।

स्थव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, को सक्क विधिनियम के वध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा थी उस अध्याय में चुंचा 💕 📳

**प्र**नुसूची

भूमि श्रीर निर्माण--मन्ठबम सर्वे सं० 7/23 (दस: सं० 400/84)

> प्रेम मालिनी बासन सक्षम प्राधिकारी (सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1, मद्रास

**अ.त. क्षब, उक्त अधिनियम** की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) 📦 बधीन, निम्नलिहित व्यक्तियों, वधार्व ६---

नारीख । 11-2-1985 मोहर 🛭

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस, ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-1, मद्राम

मद्रास, दिनांक 12 फरवरी 1985

निवेश मं० 49/प्रगस्त/85—श्रतः मुझे, प्रेम मालिनी बामन,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निष्यास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. सं अधिक है

भौर जिसकी मं० सर्वे नं० 372/2, 374 श्रीर 30711 है, जो तेबलूर गांव में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, एस० श्रार० जत्तरपट्टी में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख अगस्त 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके छ्रयमान प्रतिफल को पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और असरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण कि बित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबल, उच्छ बिधिनियब के अधीन कर देने के बन्तरक को दाबित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या किसी आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री राजसेकरन

(ग्रन्तरक)

2. श्री पेरूमाल सामि

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के अर्थन के मंबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार।;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकी।

स्थळीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### असम्ब

भूमि तेवलूर गांव सर्वे सं० 372/2, 374 फ्रीर 307/1 (इस: सं० 377/84)

प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी 'सहायक क्रायकर क्रायुक्त (निरीक्षण) क्रार्जन रेंज-1, सद्रास

नारीख: 12-2-1985

मोहर 🗈

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मन्नास

मद्रास, दिनांक 11 फरवरी 1985

निदेश सं० 51/ग्रगस्त/84—-ग्रनः मुझे, प्रेम मालिनी थासन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

शौर जिसकी सं० सर्वे सं० 1166/2 है, जो विलपट्टी गांव में स्थित है (शौर इसमें उपाश्वद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० प्रार० कोटैकानला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिचत बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का नारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है:~~

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृत्रिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा केलिए;

अत: अब, उक्त अविनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिस्यों, अर्थात्:——

1. श्री एस० प्रमलराज

(अन्तरक)

2. मैं० नरिमल नस्लमेत (प्रा०) लिमि० (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवस सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इससूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबहुध किसी उन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच लिखित में किए जा सकर्ग।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त प्रयुक्त शब्दों अरि पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है:

## अनुसूची

भूमि और निर्माण विलपट्टी गांव, कोट्टैकामल तालुक सर्वे सं० 1166/2 (दस: सं० 447/84) 448/84)

प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्रतिधकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 11-2-1985

प्ररूप बाहाँ. टी. एन. एस∴------

भायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्वाना

#### भारत सरकार

कार्यात्तय, तहाबक वायकर वायुक्त (निरक्तिक) श्रर्जन रेज-1. मद्राम

मद्राम, दिनांक 12 फुरवरी 1,985

निदेश सं० 52/ग्रगस्त/84<del>--</del>श्रतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन

जाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सर्वे सं० 84, 83/2 श्रौर 82/1 है, जो कोर्ठकानल टाउन में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कोर्टकानल दस: सं० 477/84 में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त 84

को कृतेंक्स संस्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकास के सिए अम्बरित की गई है और मुन्ने यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकास से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकास का पंक्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के सिए तय पाया गया प्रति-का, विकासित उप्योचन से उक्त जन्मरण मिचित में वास्तिवक स्पार्म करिया निकास से सामा की स्थान से सामा सिता से सामा सिता से कार्या करा सिवास में वास्तिवक स्पार्म करिया नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाव्या, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक को दायित्य में कभी करने या उससे बचने में मृषिधा के लिए: और/मा
- (भ) एंग्री किसी बाव या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या भन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना च्याहिए था, हिपाने में मुडिभा के लिए;

अतः अव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :---

ा. श्रीमती नील सुन्नमण्यम

(अन्तरक)

2. श्री श्रीज कोबाल बिनाती

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्णन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उम्त सम्पत्तिं के अर्जन के सम्बन्ध भी कींद्र भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारींस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि साथ में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपद में प्रकाशन की तारीस रें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास निचान में किए जो सकेरों।

स्पष्णीकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

## अनुसूची

भूमि कोठेकानल टाउन सर्वे सं॰ 84, 83/2 और 82/1। (दत: सं॰ 477/84)

प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायः ग्रापकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीः मो**हर** ≟ प्रकाह मार्च उर्दे एक्, वस्त कराना

नानका मीप्रीनकर, 1961 (1961 का 43) की चारा 269-म (1) से वर्षात क्नना

#### THE PARTY

कार्याजय, तहायक भावकार वाक्तत (निद्धीकान)

धर्णन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, विमांक 12 फरवरी 1985

निवेश सं० 53/मगस्त/84—मतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन,

नावकर मीधनियम, 1961 (1961 का 43) हिंचसे इसमें इसके रस्याए 'स्वत मीधिययां कहा गया ही, की धाल 269-क के संबंध सक्षम माधिकारी को वह विकास कारने का नारण है कि स्थानर सम्बद्धि, विकास अधित वामार मून्य 25,000/-रा. वे सविक है

मौर जिसकी सं० टी॰ एस॰ नं॰ 806 है, को दिन्दुकल के स्थित है (भीर इससे उपायद्ध भनुसूनी में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भिक्षकारी के कार्याक्षम, जे॰ एस॰ भार०-1 दिन्दुकल में रजिस्ट्रीकरण भिक्षनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीक भगस्त 1984

को प्रोंबत संगति के अणित बाजार क्ष्य से कम के स्वकान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापुर्वोक्त बंग्यत्ति का उणित बाजार जूका उसके स्थामान प्रतिकल से, एसे स्थामान प्रतिकल का पन्नह प्रतिक्षत से निभक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पावा नवा प्रतिकल, निम्नितिस्त उद्देश्य से उस्त जन्तरण मिसित में बास्तविक क्ष्य से कृष्यत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरन से हुई किसी नाय की नायस, अक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के सन्तरक में दानित्य में कमी करने या उत्तर्ध वचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी नाय या किसी भन या नत्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनियम, वा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया नाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा खे निए;

जत. जय. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिश्त व्यक्तियों, अधीय ह—∞ 1. श्रीमती के० ककाम्बाल ग्रम्माल

(श्रन्तरक)

2. श्री एम० के० रहिल्ला

(भ्रन्तरित्ती)

को सह स्वा पारी करके पूर्वोक्त सम्मृति के अर्थन के लिए कार्यवास्त्रियां सक्ष्या हुई (a)

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीय है 45 विच की व्यक्ति या तत्वंतंत्री व्यक्तियों पूर स्वाद्य की शामील के 30 विश की व्यक्ति, को की कार्य बाद में सवाद्य होती हों, के भीतर प्रविद्य व्यक्तियों में से किसी क्योन्स स्थान्त;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिश के भीकर उक्त स्थाकर सम्पत्ति में हित-बहुध फिली व्यक्ति व्यक्तिया, अभोड्स्डाकारी के गांव लिखित में किए जा सकोंगे।

क्यूक्टीकड्रल: ---इतमें प्रस्ता क्ष्यों नीर पर्यों का, में उक्त जीभनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही नर्थ होगा जो उस नम्बास में दिवा मेंबा है।

# ग्रनु सूची

भूमि भौर निर्माण—दिन्दुकल टाउन टी० एक० नं• 806।

(दस: सं॰ 675 भार० 676/84)

त्रेम मालिमी बासन सक्षम प्राधिकारी } सहायक ग्रायकर त्रामुक्त (निरीक्षण) क्षर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 12-2-1985

मोहर 😘

प्ररूप आई.टी.एन.इत.---=--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन त्वना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नदास

मद्रास, दिनांक 11 फरवरी 1985

निदेश सं० 56/ग्रमस्त/84—-भ्रतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विववास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० टी० एस० सं० 360 है, जो दिन्दुकल में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालम, जे० एस० श्रार०-11 दिन्दुकल में रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, सारीख भगस्त, 84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यामान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि ग्रंथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्दोश्य से उच्या अंतरण सिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कमी करने था उसते बचने में तृषिभा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आब बा किसी धन वा जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आबकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिख;

अतः अन, उक्त निधिनियम की भारा 269-ग के नमुहरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निध्निचिसत व्यक्तियों, नर्भात् :—  श्री एस॰ मृहम्मद हचीणुल्खा श्रीर झन्यों।

(भन्तरक)

श्री जे० मोकन रेक्कराज

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, रही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्यागया है।

## भन्स्ची

भूमि——दिन्दुकल ——टी० एस० सं० 360। (दसः सं० 1297/84)

> प्रेम मालिनी वासन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्रक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

सारीबा: 11-2-1985

वस्य बाह्र .टी.एन.एड.-----

1 श्री सिं० वि० किरिद्दर सास्द्री

(भ्रन्तरक)

नायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीत सूचना

2. श्री द्यार० कासीविस्वनदन

(भ्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्राम,दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० 57/ग्रगस्त/84—श्रनः मुझे, प्रेम मालिनी वामन,

जायकर अभानवज, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियज' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षण प्राधिकारी की यह विक्यात करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार जल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं० टी० एस० पं० 1299, सब नं० 48 है, जो मेलबीरराक व प्रेम गांव तिनेलबेलि मे रिजिस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्न 1984

को पूर्वीक्ष्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है धार मृद्धा यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्ष्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल सं एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्व सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित मों वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है: ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी नाव मा किसी धन वा जन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए था, स्थिनों में कृषिभा के लिए;

जतः अव, उक्त निधिनियम की भारा 269-ग के अनुतरण में, में, उक्त निधिनियम की भारा 269-ण की उपभास (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इत सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वार अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वन्स्वी

भूमि और निर्माण मेलबीरराहं व प्रेम गाँव तिनेलवेलि। (टी॰एस॰नं॰ 1299, डोरनं॰ 487) डी॰आं॰ सी॰ नं॰713/84।

> प्रेम मालिनी वासन, तक्षन प्राधिकारी, तहाबक क्रायकर क्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीखः । 12-2-1985 नोहरः प्रकम बाहाँ, डी. एवं. एसं. - - - ----

भावकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाख 269-व (1) के नधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 फरवरी 1985

निदेश सं० 59/श्रगस्त/84--श्रतः मुझे, प्रेम मालिनी असन,

कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 259 का के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. ते अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं टी. एस० सं 713 है, जो लुनेलवेलि टाउन में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जे० एस० श्रार०—11 लुनेलवेलि में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त 1984

को पूर्वाक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान अविफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्स सम्पत्ति का उचित बाजार अकूत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिधित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्हत में वास्तविक रूप में किशत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुन् किसी आव की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए और/पा
- (च) एसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों को विन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्कत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना चाहिए था. छिवाने में सुविधा को हैसए;

बतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-गःकै अनुसरण में, जैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अभीतः निकालिणित व्यक्तियों, अर्थतः ज्लून 1. श्री एस० नारायण मूप्पर्ना

(भ्रन्तरक)

2. श्री जी० मुब्बैया

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके वृथींकत संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में क्लेक भी आक्षेप :--

- (क) इत सूचना के राजपत्र में त्रकासन की क्षारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी मंबीस बाद में समाप्त हांती हों, के भीतर प्रशेक्त ध्यक्तियों में से किसी स्थक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीका सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति इनारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्वक्षीकरण किर्म प्रमुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## बन्स्ची

भूमि श्रौर निर्माण—-लुनेलकेलि टाउन। टी० एस• स० 713।

(दम: सं० 1250/84)।

प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नदास

नारीख: 11-2-1985

प्ररूप आर्घ.टी.एग.एस.-----

आयुक्तर अधिनियम, 1961 (1961 कन 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 फरवरी 1985

मिदेश सं० 60/श्रगस्त/84—श्रतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन,

जायकर जिथीनयम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स 'के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० सर्वे सं० 3325/59, श्रार० एस० सं० 7441/1 है, जो बठबेरि, नागरकायिल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, एस० व श्रार०ठबेरि 76/84 में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख श्रगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उरयमान प्राप्तिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिकी (अंतरिएयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उज्वरिय से अक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त ग्रीधिनियम के अधीन कर दोने के गन्तरक के दामित्व में कनी करने या उससे गचने में सूर्विधा के लिए; गरि/या
- (ख) ऐसी किसी बाय वा किसी धन वा अन्य आस्तिनों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

वत: अब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (।) के अधीन निम्नीलिखित व्यक्तियों, अवित् :—

1. श्री श्रानन्दराम श्रय्यर

(भ्रन्तरक)

2. श्री सन्कर नटराज नयर

(भ्रन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 विन की जबिंध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिंध, को भी अविध बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियाँ में ते किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इत तूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हिल्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्कीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

## मनसर्घी

भूमि वठचेरि घ्रार० एस० नं० 744/1। (नं० 76/84)

> प्रेम मालिनी वासन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 12-2-1985

नोहर ए

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

अयमर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, रहाकक जायकर आयुक्त (निरक्षिण)

धर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनौक 11 मार्च 1985 निर्देश सं० नोटिस नं० 880/84-85--यतः, मुझे, आर००भारक्षाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जितका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 1029/ए० 1 है, तथा जो बेलगांब में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), रजिस्द्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख 16-7-1984

को पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के स्वनमान प्रतिफल के लिए रिजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बतराम में धारा 269 ए. बी. के अन्तर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मुल के पास रिजिस्ट्रीकृत किया गया है और मुक्ते यह व्यवसास

करें का नारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाग गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विस्ति में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बायत, उक्त अधिनियम के जधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आब या किसी धन या अन्य आस्तिकों को जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा केलिए;

अतः अब, उक्त अनिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)। के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६--- (1) श्री जावरचंद्र अलियास बथुलाल वर्दीचंद पोखाल, घर सं० 2170, पंगुल गली, बेलगम।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बानूभाई हगीभाई खोजा, गुरुवार पेठ, गेकाक, जिला बेसगाम।

(भन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोधत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्पन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इससूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच लिखित में किए जा सकरी।

स्पछि किरण: — इस में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है:

## बनुसूची

(दस्तावेज सं० 1555 ता० 16-7-1984) खुला जगह मालमारुति बहावण बलगांव में है। इसका क्षेत्र 24 गुंठा है। ग्रीर सर्वे नं०  $1029/\nabla$ 0 1।

जार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ज्ञायकर ज्ञायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 11-3-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आइं.टी.एन.एस. -----

नायकर निर्मितियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) के मधीन सूचना

## शारत सरुकार

कार्यालय, सङ्गयक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, अंगलूर

बंगलूर, दिनांक 11 मार्च 1985 निदेश सं० मोटिस नं० 881/84-85--ग्रतः मुझे, भार० भारद्वाज,

अस्य कि कि स्थाप कि स्याप कि स्थाप कि

और जिसकी सं० ब्लाक नं० 151 है, तथा जो हीरेमस्लीगवाड़ ग्राम में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 22-10-1984

को पूर्विकत तम्बीत के उचित बाजार मूल्य से कान के दश्यमान प्रतिकाल के सिए क्यारिती की गई और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यमापूर्विकत सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, एसे क्यामान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिकात से निषक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच इसे अन्तरण के लिए तय पामा नया प्रतिकाल निम्नतिविद्य उन्दर्भय से उक्त अन्तरण मिक्षित में बाल्सीक क्या के सीच सही कि मा गया है :---

- (च) नगतरण चं हुई किसी भाव की वावत , उपच नीधीनवस के भधीन कर वोने के नग्तरक खें कवित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; कौर/वा
- (क) ऐसी किसी बाब या किसी धन या बन्य आस्थियों कां, जिन्ह भारतीय अगय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृविधा के लिए;

वतः वदः, उक्त विधितियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में उक्त विधितियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्मलिखित व्यक्षिों, व्यक्ति ६—— (1) 1 श्री शिवपा पेरप्पा श्रंगडी, श्री नीलकंठप्पा सीवप्पा श्रंगडी 2. पता: सम्मीगटरी याम

 पता: मम्मीगट्टी ग्राम, तालुक धारनाइ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रामचन्द्र बसवेनलप्पा चानड़ी रामदेवर गुट्टी के पास, लाईन बाजार, धारवाड़ सिटी, धारवाड़।

(भन्तरिती)

को यह स्थना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिया कार्ववाहिकां करता हूं।

उनत सन्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेत्र :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब हैं 4.5 दिन की सबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वा की ताभील से 30 दिन की अवधि, को भी नवधि बाद में झमाध्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के अगस सिवित में किह का सकेंगे।

स्यक्षीकरण: -- इसमें प्रयुक्त बच्चों और पतों का, को समय अभिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, को उत अध्याय में दिया गया है।

**प्रनुसूर्य**ः

(दस्तावेक सं० 1001/84-85 ता० 22-10-84) खेत की जमीन है। इसका श्रेत्र 10.36 एकड़ है। हीरेक्स्लीगावाड़ ग्राम तालुक श्रीर जिला धारवाड़ में है।

> ग्रार० भारद्वाज स**क्षम** प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 11-3-1985

## प्रकल् बार्ड : टी : एन : एव :- - - - ::---

# भागकर मीधीनव्ज, 1961 (1961 का 43) भी भारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

## मार्क चर्च्यार

कार्यालय, सहाबक आवकर बाब्क्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगल्र

बंगलूर दिलांक 12 मार्च 1985

मिदेश सं० ं नोटिस नं० 882/8**4-85—--ग्रतः मुझे**, ब्रार० भारक्राज,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की घारा 269-च के अभीन तक्षम प्राधिकारी को बहु विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति ,जिसका उपित वाबार भूल्य 25,000/- रा. से अधिक **है** 

और जिसकी सं० 304/1 बी-2 है तथा जो कस्वा गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नरगुंद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधान दिनांक 25-7-1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उण्यति बाजार मूल्य से कम के धरयमान त्र**शितफल के लिए बन्तरित की गर्द** ही भार मुक्ते वह विकास कारने का कारण है कि ववापूर्वोक्त संपर्ति का उचित नावार नुस्य, उत्तके अपनान प्रतिकव से, एसे अस्यमान प्रतिकल का बम्ब्रह प्रसिवत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरितौ (जन्तरितिज्ञाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब नावा गबा प्रतिकान, निम्नतिवित्त उच्चदेव वे उपत जन्तरण बिचित में गास्तिनक रूप वे करियत नहीं किया पना है द्र---

- (क) अम्हारण वे हुई किसी भाग भरी गायक, जनस विधिनियम् के वधीय कर दोने के बन्तरक के सावित्य में कनी करने वा उससे वचने में सुनिधा के बिए; और/वा
- (क्रा) एंबी किसी जाय या किसी भन या जन्म जारिसकों को, चिन्हें भारतीय जाब-कर जीभनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर **जी**भनियम, 1957 (1957 का 2**7**)। के प्रमोचनार्थ बन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया यदा भा का किया जाना चाहिए भा कियाने में सविधा के किए:

अत: नच, उथल अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरम हो, मो, उक्त अभिनियम की धारा 269-व **को उपभार** (1) चे अधीतः जिल्लिसितं व्यक्तियों, वर्षात् हः---31--6GI/85

1. सीददनगोंडा श्रप्प नाइक नाइकर पता—कस्वा ताल्क नरग्द।

(श्रन्तर्क)

2. ईश्वरप्पा नीप्पन्ना कुंवार निवास कस्बा तालुक नरगुंद ।

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना कारी करके पूर्वोन्त अरुगत्ति के अर्जन के हिन्छ कार्यवाहियां करता हो।

उक्त राम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वालीप :---

- (क) इत सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीचा ते 45 दिन की अवधिया तत्सम्थन्भी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुचना के राजपुत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य भ्वक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्चीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जिभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा मो उस अभ्याव में दिया गवाहै।

# अभूज्ञी

(दस्तावेज सं० 268/84-85 दिनांक 25-7-1985) खेलकी जमीन है। इसका क्षेत्र 11 एकर्स 25 गुंठा और सर्वे नं 0.304/1 बी +2 कस्ब। ग्राम ताल्क नरगुंदा में है।

> ग्रार० भारद्वाज सक्षय प्राधिकार महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज अंगलूर

दिनांक 12-3-1985

मोहर 🕫

**সক্ষ**ার **স্ক**্রিকী নাম্প্র ক্ষার প্রচার

बायकर सींभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-चू (1) में ब्योग सूचना

#### नारत वरकार

कार्यासय, तहायक श्रायकर बावुक्त (विरक्तिक) ग्रजन रेंज, बंगलूर

अंगजूर, दिनोक 12 मार्च 1985

निदेश सं० नोटिस नं० 883/84-85--- मृतः मृते भार० भारताज

सायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें परचात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के बधीन सक्षम प्रिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्परित, जिसका उचित बाबार मूक्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 4/45 है तथा जो केशवापुर हुबली में स्थित है (और इससे उपाबक्ष प्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) राजस्ट्रीकर्ता प्रधिकार के कार्यालय हुबली में राजस्ट्रीकरण प्रधित्यम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 10-9-1984

को पूर्वीक्त लक्षाति के लिय काकार मृस्य में कम के क्याना प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाबार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में अस्तिस्त क्प में किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने कें सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या पन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

 श्री प्रलक्षाम ग्रासम श्रम्दुल गफूर कृंदगोल मामतर गार्राज्यम : श्रीमती मजमा ग्रम्दुल गफूर कंक्सोल हुवली ।

(भ्रन्तरक)

- (1) कुमारी बीबी जान स्वाना अभ्यार कंट्राक्टर
  - (2) नचीपायानु (नाप) प्रहसद हुसैन फरूकी दुवली।

( झन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुते ।

# उद्य प्रवित्त में अपनि के बंबंध में कोई की नाश्रीय ह----

- (क) इस त्या के रायपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 विश्व की नयीय या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की वविध, जी भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेंकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क)) इब सूचमा के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-नष्य किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पात विविद्या में किए वा सकी।

स्माचीकरणः — इसमें प्रयुक्त सब्दों और ददों का, जो उक्त अभिनिदम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया बया हैं।

#### weil.

(दस्तावेज सं० दिनांक जुला जगइ केशवापुर हुयली में है। इसका क्षेत्र 230/7/9 जौरस यार्ड है। इसका नं० सी० एस० 4/45 वार्ड नं० 1 है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (जिरीक्षण) श्रजीत रेंज, बंगलूर

दिनांक : 12-3-1985

मोहुर 😗

# इका बाह्ये की पुरान हुए व वस्त्राप्त

# नावसङ्घ निभारतिका, 1961 (1961 का 43) की प्रसा 269-न (1) के नवीन जुपना

#### बारत बहुन्तर

कार्यालय, सहायक शायकर जाणुक्त (निर्दाशक) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 13 फरबरी 1985

निदेश सं० सी० प्रार० 62/44490/84-85—ग्रतः मुझे, ग्रार० भारक्षाज

शायकार निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त निधिनियम' कहा नवा हैं), की धाय 269-व के सधीन सक्षय प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थानर सन्पत्ति, जिसका उचित वाकार मूल्य 25,000/- रा. से विधिक है

और जिसकी सं० 8 है तथा जो 11 मैन रोड, ग्रातमनंदा कालोनी, सुल्तानपाल्या, हेश्बाल पोस्ट, बेंगलूर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय गांधीनगर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 15-10-1984

को पूर्विभित्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रतिकास के लिए जंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विस्थास करने का कारण हैं कि यथापूर्वेक्त सम्बत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकास से, एसे दश्यमान प्रतिकास का कन्द्रह प्रतिश्वत से अभिक हैं और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकास, निम्नलिखित उद्देश्य से उजल अन्तरण निचित में बास्कायक कर से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आग की शावत, उक्त विभिन्द्य को अभीन अदु दोने के अन्तरक को दाबित्य में कमी करने मा उसके स्थाने में सुनिधा को निए; बीट्/मा
- (स) एसी किसी जाब या किसी घन या जन्म जास्तियों। को, जिन्हें भारतीय जाब-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घवन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा था या किया, जाना चाहिए था, छिपाने में जुनिया से सिक;

कतः अव, जनत निर्मानवन की भारा 269-न के सनुसरण को, जो जनत निर्मानवम की भारा 269-च की उपभारा (1) को जधीन निरम्मीनियस स्वतिस्थान, नर्मक ह—— श्रीमती के० के० तंगम्मा
 "श्र बना फारमस" सिगनायकनाहरिल पोस्ट
 केन्येंनाह्यल्लि, बेंगलूर, उत्तर तालुक ।

(ग्रन्तरक)

- .2. श्री एल० नरासिमेय्या
  - (2) एल० रामाचन्दा
  - (3) एल० गोपाल
  - (4) एल० रबीन्ब्रान आल आर रिसैंडिंग एट नं० 13, VI मैन रोड, प्यालेस गुट्टाहस्लि, बेंगलूर-3

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना बारी कारके वर्षोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिका कारता हु।

## उनत सम्परित के नर्पन के संबंध में कोई भी बाक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को अविधि मा तत्सम्बन्धी अविध्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी अविधित पुवारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्भ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अथाहस्ताक्षरी के पास निक्ति में बिएए आ सकेंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमों प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जॉ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-7 में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसुची

(दस्तावेज सं० 2171/84 दिनांक 15-10-84) सम्पत्ति है जिसका सं० 8 जो II मैन रोष्ट, ब्रात्मा नंदा कानोनी, सुलतानपाल्या, हेब्बाल, पोस्ट, बेगलूर में स्थित है।

> ग्रार० भारक्षाज, सक्षय प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुदत (निरीक्षण) श्रर्जन रेज बेंगलूर

दिनांक: 13-2-1985

मोहर 🛭

## प्रक्ष आहें. टी. एन. एस.: """"

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269--व (1) के अधीन स्वना

#### मारत सहकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, बंगलौर

बंगलौर, दिनांक 4 फरवरी 85 निवेश सं० सी० श्रार० 62/44841/84-85-- श्रतः मुझे, श्रार० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

अरेर जिसकी मं० 119 है, तथा जो बिन्नी मिल्स लेबर, एसोगिएसन हाउस बिल्डिंग को० आपरेटिव सोसाइटी प्रा० लि० II स्टेज, होसाहिल्ल एक्सटेंगन, बंगलीर में स्थित है (और इससे उपाबक्क अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 31-10-84 को पूर्वीवत संपत्ति के उज्जित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत के लिए बन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिकत से, एसे ख्रयमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किसत में वास्तिक रूप से का अधित नहीं किया गया है:——

- (क) सम्परण से हुई किसी नाम की वावल उसत नाँध-नियम के सभीन कार योगे के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे सभने में सुविभा के सिए; सर्र/श
- (क) ध्रेती कि वी नाम भा कि की भन ना नाम नारित्वनों को, चिन्हें भारतीय जानकर वीभीनयन, 1922 (1922 का 11) वर उन्त निभीनवम् वा भन कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ण न्सीरती ब्नाय प्रकट नहीं किया नवा भा ना किया जाना भोहिए भा स्थिपाने में नृतिभा के सिक्षः

शतः जन, उक्त निधिनियम की भारा 269-ग के अनुबरण में, में, उक्त निधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) मूं नधीन, निम्नविधित व्यक्तियाँ, वर्णात् ≝— (1) श्री रामास्त्रामी, नं० 37: 5, बोलुरपाल्या, बार्गांड रोड बंगलौर ।

(भ्रन्तरक)

(2) विशालाकक्षि एम० शेट्टि,
 नं० 1381, XIII क्रांस रोड,
 वेस्ट आफ कार्ड रोड,
 11 स्टेज, बंगलौर।

(ग्रन्तरिती ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

अक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की जनिथ, जो भी जनिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितनद्भ किती नन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याव 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विदा गया है।

## वन्त्र्यी

(दस्तावेज सं० 2547/84 ता 31-10-84)।
सम्पत्ति है जिसका सं० 119, जो बिन्नी मिल्स लेबर।
एसोसिएशन हाउस बिल्डिंग को० भाषरेटिव सोसाईटी लि०, II
स्टेज, होसाहरूल एक्सटेंगन, बंगलीर, में स्थित है।

म्रार० भारक्षाज सक्षम प्राधिकारी सङ्घायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, बंगलौर

तारीख: 4-2-85

मोहर 🖟

# प्रकल बाहै. टी. एन. एस. -----

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) नहीं भाद्वा 269-म (1) के नभीन सूचना

## श्रारत वरकार

कार्यातव, तहायक बावकर बावकत (निरीक्तक) प्रजीत रेंज बंगलीर

बंगलीर दिनांक 1 फरवरी 1985

निवेश सं० सी०थाए० 62/44505/84-85-- यतः मुझे ज्ञार० भारताज

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उनस निवित्तम' नहां गवा हैं), की धारा 269-ख नो अधीन सक्तम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मून्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 871 है तथा जो बिकामंगला II स्टेज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में ऑर पूर्णक्य से विणत है) । रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)के अधीन तारीख 12-9-84

को बुवेंकित संस्पत्ति के उचित बाजार मृत्य हं कह के दश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकार्त के कार्यालय शिवाजीनगर में धारा 269 ए. बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मृष्ट/के पास रिजस्ट्रीकृत किया गया है मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृवेंकित सम्मृत्ति का उचित बाजार कृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिचल से निधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और जंतरिसी (अन्तरित्यों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिकल, निम्निलीचत उच्चत्रेयों से उक्स अन्तरण लिचित में कार्यविक रूप से क्षित वहीं किया गया है है—

- (क) जन्तर्ज के हुई जिल्ही जान की नामश्च स्वयं अधि-नियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उत्तक नचने में बुविधा के जिए; और/वा
- (थ) ऐसी किथी नाम ना किसी पर मा नन्य नास्तिनों को, चिन्हों भारतीय नाम-कर निवित्तन, 1922 (1922 का 11) या उन्त निवित्तम, ना भन-कर निवित्तम, ना भन-कर निवित्तम, 1957 (1957 का 27) को प्रजोचनार्थ जन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था ना किया नाना चाहिए था, किपाने में सुनिधा के लिए;

बद्धः बद, उपत अभिनियम की भारा 269-ग के बनुदरक की, जो, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) छ अभीत, पिनलिविदा व्यक्तियों, अर्थात् झ—

(1) बिजवा राणि नं० 86-ए वेंगलराबनगर, हैदराबाद।

(श्रन्तरक)

(2) एम० एल० श्रकील, नं० 869 बिन्नमंगला, इंदिरा नगर II स्टेज, बंगलीर।

(ग्रन्तरिती)

सी यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन कें सम्बन्ध में खोद! भी आक्षेत्र :----

- (क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की नगिंध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नविथ, जो भी नविथ बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति इवारा;
- (व) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित-क्वथ किसी जन्य न्यक्ति व्वारा अधोहस्ताकारी के पास निवित्त में किए जा सकांगे।

स्पाका किरणः - इतने प्रवृक्त वान्यों और पर्यो का, जो उक्त जीभनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन सर्ची

(दस्तावेज सं० 1696/84 ताः सितम्बर, 84 सम्पत्ति है जिसका सं० 871, जो बिन्तमंगला II स्ट्रेज, बंगलौर में स्थित है।

श्चार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, बंगशीर

तारीख: 1-2-1985

मोहर 🛭

# हरूप बाह्येल टीज हर्ग प्रस्तु ----

नावकड मीपनियम, 1961 (1961 का 43) की पाडा 269-प (1) में नपीन सुमना

#### प्रारव बरकार

कार्नासन, सहानक नायकर नायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलुर, दिलांक 1 फरवरी 1985

निर्देश सं० सी० श्रार०-62/44515/84-85---यतः मुझे, श्रार० भारद्वाज,

नायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हो), की भारा 269-च के जभीन सक्षम प्रविधकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृल्य 25,000/-कः से विश्वक है

मौर जिसकी सं० 761 है, तथा जो सारिक्क I फेस जे०पी० नगर, वेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वेंगलूर, दक्षिण में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अभीन दिनांक 10-9-1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उपित बाकार मूल्य सं कम के स्वयान प्रितिक से लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विकास करने का कारण है कि सभापूर्वेक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, इसके स्वयान प्रतिकत से, एसे स्वयमान प्रतिकत का पन्त्रह प्रतिशत से किथक है और जन्तरक (जन्तरकों) और जन्तरिती (जन्तरितिशत) के बीच एसे जन्तरक के लिए तम् वामा प्रवा प्रतिकत, शिम्मुख्यित उद्विकों से उक्त जन्तरम जिल्ला के विद्या स्वाप्त के विद्या के विद्

- (क) बन्तकुन में सुद्धे किसी बाव की बावत्, स्वयत् क्रिक्तिम्मून के बच्चीन कर दोने के बन्दात्क के दासित्व में कसी करने वा अवसे अपने में ब्विधा के लिए; बॉर/वा
- (ण) पुर्ती किसी जाव वा किसी धन वा अन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जन्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) वो प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा किया जाना था, स्थिपाने में सुविधा के लिएइ

 श्री एम० एन० रगुनान, नं० 512 XIV क्रास, सार्यक्कि I फेस, जे०पी० नगर, बंगसूर।

(भन्तरक)

ए० अगर० गौसे गरीफ,
नं० 131, X 'ए' क्रास,
 गिरुस सार्यक्क जे० पी० नगर,
 बेंगलूर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपर्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (ह) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ता व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस स्पाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी मृन्य व्यक्ति द्वारा जभाहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए वा सकाँगे।

स्वक्षांकरणः---इतसे प्रयुक्त शब्दों मीर पदों का, जो उपतार्कः अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, यही अर्थ होगा को उस स्थ्याय में दिया भूबा है।

## ग्रन् सुची

(दस्तावेज सं० 3564/84, दिनांक 10-9-1984)

खाली जगह है जिसका सं० 761, जो सारिक्क I फेस, जे० पी० नगर, बेंगलूर में स्थित है।

> आर भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी, सहायक द्यायकर माजुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलुर

बतः वय उक्त वीभीन्यम की भाष 269-ग के बन्तरण वं, जो उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनौक 1-2-1985 मोहर ध त्ररूप आई.टी.एन. एस.-----

भावकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) कौ धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर भायुक्त (निरक्षिण) मर्ज न रेंज, बेंगलूर, बेंगलूर, दिनांक 31 जनवरी, 1985

निर्देश सं० सी० भार० 62 /44521/84-85---यतः मुझे षार० भारदाज,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रत. से अधिक **है** 

मौर जिसकी सं० 12/9(5) है, तथा जो XVI मैन रोड भ्रागडि, रोड, कार्ड रोड एक्सटेंशन, केंम्पापुरा, अग्रहारा विजयनगर, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता भिधकारी के कार्यालय, श्रीराम पुरम में रजिस्ट्रीकरण श्राधिनयम 1908 (1908का 16) के ग्रधीन दिनांक सितम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उदयमान प्रीतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्तेयह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल **ध्रयमान प्रति**फल के पन्द्रह प्रतिशत से नौर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित **छब्बोर**य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप ते कथित नहीं किया गया **ह**ै।:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त दायित्य में कमी करनेया उससे बचने में सुविधा अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के के लिए; और/या
- (स) एरेसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह<sup>र</sup> भारतीय अायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थायाकियाजानाचाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अन्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधान, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

1 श्री एन० सुक्रमार रेड्डि, नल्लेरी कालोनी, नं० 5-91, कल्लिकरें, पोस्ट वायलपाड तालुक, चित्तुर डिस्ट्रिक्टस (ए० पी०), ।

(भ्रम्तरक)

2. श्री जी० शिवाप्याः शंकरादेवर मट मनावत्तीपेट. बेंगलूर-2

(भन्तरियी)

को बहसूचना जारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के अर्थन को लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपर्िक अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की मविध, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितसबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

ल्बाक्याच्याः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियस, के अध्याम 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## **मनुसूची**

(दस्तावेण र् सं०-1813/84, दिनांक 3-9-84)

सम्पत्ति है जिसका सं० ँ 12/9(5), जो XVI मैन रोड, चार्गांड रोड कार्ड रोड, एक्सटेंशन केंग्पापुरा श्रक्राहारा विजयानगर बेंगलूर-40 में स्थित है।

> श्रार० भारताज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलर

दिनांक 31-1-1985

भोहर :

प्रस्प नाहाँ. टी., एन्. एस., ------

# नायकर निपीनयन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के न्धीन त्यान

#### भारत सरकात

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगसूर, दिनांक 4 फरवरी, 1985

निदेश सं० सी० प्रार० 62/45627/84-85—मतः सुझे, ग्रार• भारद्वाज,

बावकर सौंधनियम, 1961 (1961 का 43) (विवा इत्याँ इवने परवात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का काएण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० 380 है, तथा जो बी० एस० के० II स्टेज, बेंगलूर, में स्थित है (और इससे उपाबद अमुसूबी में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयानगर रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीम दिनांक 6-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रति-प्रतिफल के लिए अन्तारत की गई है और मुके यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (बन्तरकाँ) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निश्चित उद्देश्य से उक्त लिखत में वास्तविक रूप से वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।:——

- (क) शक्करण वे हुई किसी नाथ की नावत्, रामक बहुँगर में कमी बहुने ना उससे नचने में सुविधा स्थितिकृत की अधील क्षाप्त दोने की शुक्तरक की के सिन्; नीह/ना
- (व) इती किसी बाव या किसी धन या बन्च बात्सिनों को, जिन्हें भारतीय आयकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त विधिनियम, वा धनकर विधिनियम, वा धनकर विधिनियम, वा धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था. छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियां स्थात १——  श्री ए० एस० नंजाप्पा नं० 164/बी, 24 कास, VI ब्लाक, जयानगर, बेंगलूर

(अन्तरक)

 श्री के० जी० धन्याकुमार, नं० 13, III कास, III, ब्लाक, एल० ऐ० सी० कालोनी, जयानगर, बेंगलूर ।

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना, वारी करके पूर्वोक्स सम्परित के वर्षन के लिल कार्यवाहियां करता हूं।

## उक्त सम्मत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बालोप :----

- (क) इस सूचना के रावपत में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की वाणीभ मा तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वाणि, को बी वाणी बाद में सवाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितवहूम कि वी कन्य व्यक्ति ह्वारा नथोहस्ताक्ष्री के शर्व सिवित में किए जा सक्यो।

ल्लाकीकरणः ----इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, को जबस विधिनसम, को अध्यास 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा को उस अध्यास में दिसा नक्षा है।

## ग्रनुसुची

्दस्ताबेज सं० 1828/84 दि० 6-8-84). सम्पत्ति है जिसका सं० 380, जो जनाशंकिर II, स्टेब, बेंगसूर में स्थित है।  $(40 \times 60')$ ।

> न्नार० भारक्षाज, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलर

दिनांक 4-2-1985

नोहर:

प्ररूप साइ. टी. एन. एस. -----

# बाय्क र व्यथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

क्रायां नय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर दिनांक 8 फरवरी, 1985

निदेश सं ० 62/43778/84-85—अतः मुझे आर० भारद्वाज, शायकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्रापिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित काजार मूस्य 25,000/- रहे. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 574 है, तथा जो बिन्नामंगला II स्टेज, बेंगलूर, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूधी में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय शिवाजीनगर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन विनांक अगस्त, 1984

प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और गया गया है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा- पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उश्यमान प्रतिफल से, एसे उश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वरिय से अक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी कानि या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अस्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्याय प्रकट नहीं किया गया था विस्ता जाना चाहिए था, खिमाने कें सृतिथा के लिए;

श्रीमती बी० वेंकाटाम्मा,
 नं० 574, बिनामंगला, II स्टेज,
 बेंगलूर ।

(अन्तरक)

 श्रीमती वेदावती जे० शोट्ट, नं० 2, दोड्डाकटाप्पा, रोड, Цक्तास, ग्रलसूर , बेंगलूर ।

(अन्तरिती)

3. अंतरक

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्तिहै)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्वाचीकरण: ---इसमें प्रमुक्त कब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नगसर्च

(दस्तावेज सं० 1532/84, दिनांक श्रगस्त, 84)

सम्पत्ति जिसका सं० 574, जो बिन्नार्मगला  $\Pi$ , स्टेज, बैगलुर में स्थित है।

ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, केंगलूर

दिनांक: 8-2-1985

मोह्य ध

# प्ररूप आई.टी.एन्.एस. ------

लायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

## भारत सहकारु

कार्यालय, महायक अायकार आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 29 जनवरी, 1985

निवेश मं० सी० श्रार० 62/43846/84-85—श्रतः मुझे श्रार० भारताज

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है"), की आरा 269-च के सभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार भृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं ० टी० एस० 179-3ए, 175-रे, प्रार० एस० नं ० 1188/3ए 1189 ं। है, तथा जो कस्बा बजार, विलेज, बंगलूर तालुक में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, मंगलूर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 22-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निद्वास भरने का कारण है कि भथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार भूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया भवा भितिफल निम्निलिस उद्वेदय से उक्त अन्तरण निर्मृतियह में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत अक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के सन्तरक से बासिस्य में कभी करने या उत्तर बचने में सुविका के जिल्, और/बा
- (क्ष) एरेसी किसी आय या धन या अन्य , कास्तियाँ की . जिन्हों भारतीय अपय-कर अधिनियस , 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस , या अल-कर अधिनियस , या अल-कर अधिनियस , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था . क्रिपान में स्विभा की जिए;

• जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा २69-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

1. श्री भटकालि जमात्तुल मुसलिमीन, रेप्रेमेंटेड बाइ

<mark>ರಾಜ್ (ಹಾ</mark>ರ್ಯ)ಸಂಯಾನ**ಚಿ**ಯಾಲಿ ಕಾಂಶಲಿಯ ಪ್ರಕಾಣ ಸಾವಾಸ್ತಿ ನಿರ್ವಹಿಸಲಾಗಿ ಕಾಲಿ ನಿರ್ಮಿ

- (1) श्री ग्रलेय मोहम्मद, जफार,
- (2) श्री भैक फरीद '
- (3) श्री भोनिशाम, श्रव्हुल रहमान, मोहम्मद श्रली रोड, मंगलूरा

(भ्रन्तरक)

- 2. श्री एस० एम० सय्यद ग्रब्दुल्ला,
  - (2) श्रीमती हजीरा, सैयद, ग्रब्दुरुला भटकालि बाजार, जे० ए.स० रोड, मंगलूर ।

(भ्रन्तरिती)

को वह सुचना बार्री कारके वृथाँक्त सम्परित के अर्थन के अर्थन के अर्थन

## उक्त बम्मरित के वर्जन के सम्बन्ध में नोहों भी बाधोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी विक्षि वाद में समाप्त होती हो, के मीतर प्रविक्ष स्थायकारों में से किसी स्थित हुवारा।
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्स स्थावर सम्मत्ति में दितवस्य किसी बन्य स्थापत द्यार मधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकीये।

स्वक्रीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वक्ष हैं।

## न्यसङ्घी

(दस्तावेज सं० 750/84 दिनांक 22-8-84)

सम्पत्ति है जिसका सं० टि० एस० 179/3ए 175/1 ग्रार० एस० नं० 1188/3ए 1187/1, जो कस्बा बजार विलेज मंगलूर तालुक में स्थित है।

> स्राट्य भारवाज, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलर

दिनांक : 29-1-1985

# मक्य मार्च हो , यन , एव , -----

नायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) चे अभीन सुवना

## प्रारत प्रकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निर्रीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 13 फरवरी 1985

निर्देश सं० सी० श्रार० 62/43757/84-85—श्रतः मुझे, श्रार० भारद्वाज

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रः से अधिक है

और जिसकी सं० 7, 8 और 13 पिष्चम भाग है, तथा जो मांतीबीरेय्या लेन, चिकपेट कास, बेंगलूर, सिटी में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 23-8-84

को पूर्विक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गांधीनगर में धारा 269 ए.बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी सम्मूख रिजस्ट्रीकृत किया गया है और मुक्ते यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिश्वित उद्दोष्य से उक्त अन्त,रण लिश्वित में वास्ति विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त श्रीधनिवयं के स्थीन कर दोने के अन्तरक के दादित्व में कभी करने वा उन्हों बचने में सुविधा में दिए; सोर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य ओस्तियों को, धिन्हें भारतीय आव-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या जबल अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्रिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सदिवा के स्विद्ध

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-न के अन्यरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. (1) श्रीभद्राप्पा,
  - ('2) श्रीमती पुट्टानायाम्मा, शातावारैय्या लेन चिकपेट क्रास, बेंगलूर।

(भ्रन्तरक)

- (1) श्रीमती पाणि बाई, नं० 7, म्राकोट श्रीनिवासाचार स्ट्रीट वेंगलुर।
  - (2) श्री मोहनलाल मेटल मरचैन्ट्स, पोरणन श्राफ नं० 7 और 8, शांताबीरैय्या लेन, चिकपेट,फास; बेंगलूर।

(भ्रन्तरिती)

ेकों यह सूचना वादी करके पृत्रोंकत सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

# अवत सम्परित के वर्षन में अध्यान्य में ऋदे मी नासोप ह—

- (क) इस स्वान के राष्युव को प्रकावन की तारीय ते 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों प सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्साक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

लक्कीकरणः -- इसमें प्रयुक्त वश्यों और दशों का, को उक्क विभीन्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

## **मन्त्रकी**

(दस्तावेज, सं० 1899/84, दिनांक 23-8-84) सम्पत्ति है जिसका न्यू सं० 7, 8 और 13, जो शांतावीरैय्या क्षेन चिकपेट कास, बेंगलूर में स्थित है (पश्चिम भाग)।

> श्चार० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंजः ⊇ेंगलर

विनांक : 13-2-1985

मोहर 🤢

शुक्षम् वार्वः टी. एन्. एव . ------

बायकर विभिन्न प्रति (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के ब्रुधीन स्पना

#### भारत वरकार

कार्यां जय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रभन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, दिनांक 13 फरवरी, 1985

निदेश सं० सी० श्रार० 62/43698/84-85—श्रत: मुझे, श्रार० भारक्षाज,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 रा. से अधिक है

और जिसका मं० 2 है, तथा जो HI कास ए स्ट्रीट, जयाभारती नगर, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध मनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वणित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय शिवाजीनगर, में रजिस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16 के मधीन दिनांक 6-8-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिता (अंतरितियों) के नीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्ते अंतरण लिखित में नास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बालहरू है हुई किसी बाव की बावत, उपत बाधिनयम के अधीन कर देने के बन्तरक के बाधित्य में कभी करने या उत्तरों बचने में सविधा के सिए; बार/बा
- (क) ऐसे किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती इवार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम कृति धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, सक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) कृषभीन, निम्नसिक्ति व्यक्तियमों, वर्षात :---  टी० विशालाकक्षि, नं० 176, II क्रास, विवेकानगर बेंगलूर।

(ग्रन्तरक)

2. श्री कें पी० जान,

2. श्रीमती सारम्मा जान नं 17, एम० इ० जी० ग्राफिसर्स, कालीनी बानसवाहि रोड बेंगलूर-33

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मृत्ति के अर्जन के शिव कार्यनाहियां सुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वासेष :---

- (क) इस ब्वा के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीब बें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धि व्यक्तियों पर स्वान की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्नारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए वा सकोंगे।

स्वकाकिरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्नों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

# अनुसूची

(बस्तावेज सं० 1348/84 दिनांक 6-8-1984) सम्पत्तिहै जिसकी सं० 2, जो III क्रास 'ए', स्ट्रीट जया-भारती नगर, बेंगल्र में स्थित है।

> श्रार० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक 13-2-1985 मोहर : प्ररूप आहें. टी. एत. एस. - - -

नायकर मिनियन, 1961 (1961 का 43) की धाड़ा धारा 269-च (1) के अभीन स्थाना

#### भारत तरका

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (नि,रीक्षण)

श्रर्जन रेज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 13 फरवरी 1985

निदेश सं० सी० श्रार० 62/43748/84-85--श्रतः मुक्षे, श्रार० भारद्वाज

नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वांस करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उभित बाजार उप 25.,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 7, 8 और 13 (पूर्व भाग) है, तथा जो शांताबीरय्या लेन बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबड़ श्रनुसूची में और पूर्णरूप से विणत है) रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 23-8-84

को पूर्विक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गान्धीनगर में धारा 269 ए. बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मूख/के पास रिजस्ट्रीकृत किया गया है मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्विक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान मान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्वत उच्चेश्य से उक्त अंतरण लिश्वित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण ते हुए किसी अब की बाबत, उक्क बिधिनियम की ब्धीन कर दोने की बन्तरक की क्षित्य में कमी करने वा उत्तसे क्वने में बृधिधा के सिए; बाए/बा
- (ख) ऐसी किसी आथ या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गय था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सृविधर के लिए;

जतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ∷---

- 1. (1) श्रीभद्राप्पा,
  - (2) श्रीमती, पुट्टानायम्मा णांताबीरैय्या लेन, चिकपेट कास, बेंगलूर ।

(भ्रन्तरक)

श्रीमती भागाराय देवी और दिनेश (पुत्र),
 शांताबीरैंथ्या लैन
 शांताक्षा, बेंगलुर ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सप्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षंप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों अपर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति ब्लाग कथाहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

## अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1682/84, दिनांक 23-8-84) सम्पत्ति है जिसका न्यु, नं० 7, 8 और 13, जो शांतावीरैय्या लेन, बेंगलूर सिटी में स्थित है। (पूर्व भाग)।

> श्चार० भारद्वाजं सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

मोहर :

दिनांक: 13-2-85

# प्रस्थ बाइ . टी. एन. एस. -----

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वधीन स्चना

#### भारत सहकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्तः (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, बेंगसूर

वेंगलूर, दिनांक 16 फरवरी 1985 🚦

निदेश सं० सी० स्रार० 62/43563/84-85—स्रतः, मुझे, स्रार० भारद्वाज ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 4 एंड 4/1 है, तथा जो III कास, गांधीनगर, बेंगलूर में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से बणित हैं) में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 6-7-1984

को पूर्णायत सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गांधीनगर में धारा 269 ए. बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी सम्मूख के पास रिजस्ट्रीकृत किया गया है मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्ध्यमान प्रतिफल से, एसे द्ध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नितिखत उद्घेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सास्त्यक रूप से किथा नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; बौड/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, छिपाने में सुविया के लिए;

अतः अस, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरणः में, में, उक्तः अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :--  मैसर्स पंचाशीला बिल्डर्स, नं० 4/1 और 4, III कास, गांधी नगर, बेंगलूर-9।

(ग्रन्तरक)

 मैसर्स पंचाशीला अपार्टमेन्ट्स, को-आपरेटिव हार्जासग सोसायटी लिमिटेड नं० 4,और 4/1, III कास, गांधीनगर, बेंगलूर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम निर्मालत में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण:---इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनस्ची

(दस्तावेज सं० 1088/84, दिनांक 6-7-1984) सम्पत्ति है जिसकी सं० 4 और 4/1, जो III क्रास, गांधी नगर बेंगलूर-9 में स्थित है।

> श्चारं० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक 16-2-1985 मोहरः प्ररूप. बार्ष. टी. प्न. एस्. - - - - -

जायकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-घ (1) के अधीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्स (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, दिनांक 14 फरवरी 1985

निदेश सं० सी० ग्रार० 62/45607/84-85—ग्रतः मुझे, ग्रार० भारद्वाज,

अगयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 399/8 है, तथा जो XVI -ए-कास III ब्लाक जयानगर बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है) रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 12-7-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयानगर में धीरा 269 ए.बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी सम्मुख राजिस्ट्रीकृत टक्या गया है मुक्ते यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्विक्स संपरित का उपित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से **धुइं किसी आ**य की बाबत, उक्त अधितियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने या उससे बचने में सुविधा के जिए; और/या
- (ख) एरेसी कैसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (192? का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गता था या किया जाना चाहिए था, स्थिपान में सिक्धा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिक व्यक्तियों, वर्षाष्ट्र के 1. श्री ओ० स्रमातुल्ला खान टरीन नं० 399/4 111 ब्लाक, जयानगर, बेंगलूर -11 ।

(ग्रन्तरक)

 (1) वै० रफीक ग्रहमद,
 (2) श्री वै० फैयाज ग्रहमद न० 52, II मैन, न्युत्तरगुपेट, वेंगलूर-2,

(ग्रन्तरिती)

3. भ्रंन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहयां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आसपे :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से फिक्की व्यक्ति इवारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकती।

स्वव्हीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, है अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अभ्याय में दिया गया है।

#### बनसर्ची

(दस्तावेज सं० 1407/84 दिनांक 12-7-84) खाली जगह है जिसका सं० 399/8, जो XVI ए-क्लास III ब्लाक; जयानगर, बेंगलूर में स्थित है।

> न्नार० भारहाज सक्षम प्राधिकारी महायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलुर

दिनांक 14-2-1985 मोहर :

# प्ररूप बाइ .टी.एन.एस.-----

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांलय, सहायक आयक्त आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर बंगलुर, दिनांक 7 फरवरी 1985

निदेश सं० सी० ग्रार० 62/43687/84-85—- श्रतः मुझे, ग्रार० भारद्वाज

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अभिक हैं -

और जिसकी सं० 913 है, तथा जो कन्नेनाहली बंगलूर बिक्षण तालुक में स्थित है (और इससे उपाबद ध्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय बंगलूर दक्षिण तालुक में रिजस्ट्रीकरण अधियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 30-7-84

को पूर्वोक्त सम्पिटन के उचित बाजार मृत्य में कम के स्थमान इतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पिटत का उचित बाजार बृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेषय से उक्त अंतरण लिखित में बान्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है ए—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाम की गावत, उक्त अभिनियम के अभीत कार दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी कारने या उससे अचने में खूबिभा के मिए; और√या
- (क) ऐसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

जतः ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण गें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थातः—— बि० विट्ठाल भेट्टि
नं० 186. VI, कास,
[गांधी नगर, बंगलूर।

(भ्रन्तरक)

 श्री डी० ग्रार ्री बालाकृष्ण, नं० 20, IV, ब्लाक III, कास, के० पी० वेस्ट एक्सटेंशन. बंगलूर ।

(भ्रम्तरिती)

को यह सुमना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है ते 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में संमाप्त होती हो, के भीतर प्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (त) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीं ता से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त मों हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

## वनुस्यी

[दस्तावेज सं० 2726/84 दिनांक 30-7-84] सम्पत्ति है जिसका सं० 913, जो कन्नेनाहल्ली, बंगलूर, दक्षिण तालुक में स्थित है ।

> श्चार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्चायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन बंगलूर

दिनांक : 7-2-1985

मोहर 🔞

पर्य बार् की. प्र. ध्र .....

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के सधीन सुचना

## मार्थ स्पूक्रर

कार्यासय, सहायक अध्यक्तर जायुक्त (निरोक्षण)

धर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 7 फरवरी, 1985

निदेश सं० सी० श्रार० 62/43572/84-85—ग्रतः मुझे, श्रार० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 11 है, तथा जो चर्च स्ट्रीट, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध प्रमुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारों के कार्यालय णिवाजी नगर में रिजस्ट्री-करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 6-7-1984

को पूर्वेषित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान भीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निभ्नोसित्त उद्देश्य से उस्त अन्तरण निधित में पास्त्-विक स्थ से काचिल नहीं किया का है के

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय वा किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वाच प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिथा के लिए;

 श्री अन्नाहम के० श्रन्नाहम, नं० 12, घर्च स्ट्रीट, बेंगलूर ।

(भ्रन्तरक)

 मैसर्स रायल, फिलिप्स नं० 12 चर्च स्ट्रीट, बंगलूर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## **पण्या सम्प**रित को अर्थन को सम्बन्ध में को**र्ड मी आर्थ**प ह—-

- (क) इस स्वान के राजधन में प्रकासन की तारीय से 45 दिन की नवीध या तत्मप्रतन्धी स्पन्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अविभि, जा भी अविध बाद में समान्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी स्पृतिय द्वादा :
- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकार्यन की तारीस है 45 दिन के भीतर स्थान सम्पत्ति में दिन-नव्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षद्री जो पक्ष लिखिय में किए था सकींगे।

स्थब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

[दस्तावेज सं० 1066/84 दिनांक 6-7-1984[ सब सम्पत्ति है जिसकी सं० 11, जो चर्च स्ट्रीट बंगलूर में स्थित है।

> ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, शंगलूर

दिनांक 7-2-1985 मोहर #

# प्रकण बाह् .टी.एन एस .------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुजना

## धारत सरकार

# क्श्रयांसव, सहायक जायकह जायकत (निरक्षिण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 13 फरवरी 1985

निदेण सं० सी० आए० 62, 43685, 84-85--अतः मुझे आर० भारद्वाज

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उजत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/रड. सं अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० 183 है, तथा जो 11 कास, 1 ब्लाक, मठवाहल्लि, लेआउट, बेंगलूर, में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विशित है) र जिस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 16) के अधीन दिनांक 16-7-1984

को पूर्वाक्त सम्पङ्क्त्रकं उपित बाजार मृत्य सं कम के स्थमान प्रतिकत के लिए रिजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बँगलूर उत्तर तालुक में धारा 269 ए.बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के पाम रिजस्ट्रीकृत किया गया है मुझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापृथां क्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, इसके रूष्यमान प्रतिकल से, एसे रूप्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में अस्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुउई किसी आय की बाबस, उक्त किमिनियम के अधीन कर दान के अंतरक के दायित में कमी करने के उससे बचने में सुविधा के तिए; जौर/स
- ेका एमी किसी अब या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या विश्या जाना चाहिए था फिपान में भीकरा के लिए।

अब्दुल करीम,
नं० 183, 11 क्रास, I ब्लाक,
मठदाहलि, लेआउट, बेंगलूर।

(अन्तरक)

श्री मोहम्मद, जियाउद्दीन,
नं० 18, बौले, स्ट्रीट,
अलसूर, बेंगलूर,
रप्रासेंटेड, बैं०: श्री टि० अहमद, बाषा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सुमाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य न्यिक्त द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीक रण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## बन्स्की

(दस्तावेज, सं० 1195,84, दिनांक 16-7-1984) सम्पत्ति है जिसका सं० 183,जो 11 कास, I, ब्लाक, मठदाहल्लि; लेआउट, बेंगलुर, में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) ले तभीवा, निम्निसिसिस व्यक्तियों, वृक्तिव्यक्त

दिनांक 13-2-1985 मोहर :

# प्रस्य बाइं टी पुन् एस् . ----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प्(1) के अधीन स्वना

## मारत् सरकार

कार्यालय, सञ्चायक आयकार आय्वत (नियाधिण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 14 फरवरी 1985

निवेण सं० सी० आर० 62,45605,84-85—अतः मुझे आर० भारद्वाज,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/~ रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 19 है, तथा जो जनगंकरी II, स्टेज, वेंगलूर में स्थित है, (ग्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है)), रजिल्ट्रीफरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 28-7-1984

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे मह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित दाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एमे दरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंधरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए क्षय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वदेश्य सं उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रुप से किश्त नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की आयत, जब्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी अपने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/भा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना भाष्टिये था, कियाने में सुविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीत, निम्निबिश्ति व्यक्तियों, वर्धीत् --- श्री जि०पी० हरीण,

नं० 26-ए, एम० एम० इन्डस्ट्रीयल, इस्टेट,

एडियूर, जयानगर, वेस्ट,

बेंगलूर।

(अन्सरक)

श्री पी० डी० रवीन्बा,
 नं० 1/1, प्यालेस रोड,
 बसंता नगर, बेंगलूर ।

(अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हो।

चवल संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षप हु--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, से भी नर पूर्वोक्त अर्तिकत्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दभ किसी अन्य व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सुकोंचे।

स्वष्टोकरण: ---इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, वो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, वो उस अध्याय में दिया गया है।

# वन्स्ची

(दस्तावेज सं० 1676,84, दिनोंक 28-7-84) सम्पत्ति है जिसका सं० 19, जो बनाशंकरि, II स्टेज, बेंगलूर, में स्थित है।

> आर० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक 14-2-1985 भोहर : प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-य (1) के अधीन स्चना

## भारत प्रकार

# कायलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजंनरेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 14 फरवरी 1985

निदेश सं ० सि० आर० 62, 43695, 84-85—अतः मृशे आर० भारताज,

कामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को गहुं विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्मत्ति, जिसका उचित आजार मृज्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 58/1 है, तथा जो चिक्कामन्डया, मन्डया तालुक में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1984

को पूर्वीक्स संपत्ति के उचित बाजार मून्य से कम को दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्मित्ति का उचित बाजार मूल्या, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (जन्तरकों) और मन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरच जिलित में बास्तविक रूप से किंतित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बीपानवृत्त के धूपीन कह वान के बृत्सहरू के बावित्य में कनी करने वा उबके नवन में सुविधा के लिए; बार/मा
- (ण) एसी किसी नाम ना किसी भग ना नन्य नास्तिन। का, जिन्हों भारतीय नाम-कर निभिन्दम, 1922 (1922 का 11) या उन्ति निभिन्यम, या भन-कर निभिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था ना किया जाना भाहिए था, जियाने में सुविभा के लिए;

मतः नव, उक्त मिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, विम्नितिबित व्यक्तियों, अर्थातः :---

श्री सी० बी० बोरेय्या,
 चिक्कामन्ड्या ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती के० एस० लक्ष्मी देवम्मा, श्रीर चार, कुछ लोग, डी० नं० 1596, विध्यानगर, मंख्या, ।

(अन्तरिती)

का यह सुणना नारी कारके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उपत संपत्ति की अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप ६--

- (क) इस सूचना के ट्राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 । दन के भीतर उचत स्थावर संपत्ति में हिलबद्ध किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए आ सक्तिया।

स्पष्टीकरण .-- इसमें प्रमुगत धन्दों और पर्दों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया प्रमाहरू।

## अनुसुधी

(दस्तावेज सं० 1185,84, दिनांक जुलाई, 1984) सम्पत्ति है, जिसका सं० 581,1, जो चिनकामक्डया मन्डया, तालुक में स्थित है।

> आर० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

विनांक 14-2-85 मोहर: प्ररूप बाइ े. टी. एन. एस.-----

बायकर मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बधीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 4 फरवरी 1985

निदेश सं० सी० आर०  $62_l$   $44824_l$  84-85, — अतः मुसे आर० भारद्वाज ,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- हुइ. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 347-27 है, तथा जो II ब्लाक, I स्टेज, बनाशंकरि, बेंगलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 31-10-1984

को पूर्विकत संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दिश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पुन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की सकत, उक्त अधिनियभ के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; अदि/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन था अन्य आस्तियों कर्त, जिन्ही भारतीय प्रायान अधितेयम, 1992 (1922 का 11) या उवत अधिनियम, या गन-कर अधिनियम, 1907 (1967 का 27) के प्रयोजनाथ अंतरिती क्वारा अकट नहीं किया गया धा या किया जाना अहिए ा, खिएमों में गुरिका के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थांत :—  श्रीमती कान्ताम्मा, नं० 38-2-I फ्लोर, बसवनगुडि, बेंगलूर ।

(अस्तरक)

श्री जे० एन० मूर्ति,
नं० 643, XI, मैन, ,
एच० ए० एल० II, स्टेज,
इंदिरा नगर, बेंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहन्ताक्षरी के पास लिखित म किए जा सकर्ग।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुस**ची**

(दस्तावेज सं० 3007/84, दिनांक 31-10-1984) सम्पत्तिहै जिसका सं० 347-27, जो  $I^{I}$ , व्लाक, I स्टेज, बनाशंकरि, बेंगलूर में स्थित ।

आर० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक 4-2-1985 मो**हर** 4 🛶 प्ररूप आईं.टो.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-प(1) के अधीन स्चमा

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 7 फरवरी 1985

निदेश सं० सी० आर० 62,45431,84-85—अतः मुझे आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया  $\mathbf{g}^3$ ), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  $\mathbf{g}^3$  कि संधावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक  $\mathbf{g}^3$ 

ग्रीर जिसकी सं० 723 है, तथा जो एच० ए० एल० II, स्टेज एक्सटेंगन, बेंगलूर, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजी नगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का

16) के अधीन दिनांक 20-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को , जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया है। या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निय्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् डि—  श्री एस० वेणुगोपाल, नं० 897 ए, V ब्लाक, राजाजिनग्र, वेंगंलूर-10 ।

(अम्तरक)

 श्री एस० एम० अहमद, नं० 1, 1, बेनसन ऋस रोड, सिविल स्टेशन, बेंगलूर-46

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी कर्के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ब) इस सूचना को लागा में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया प्रेशा है।

## बन्स्ची

[दिस्तावेज सं० 2441/84 दिनांक 20-11-84] सम्पत्ति है जिसकी सं० 723, जो एच० ए० एल० II स्टेज एक्सटेंशन, बेंगलूर, में स्थित है।

> आर० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंग्लूर

दिनांक: 7-2-1985

मोहरः

# ধৰৰ প্ৰাৰ্থত ক্ৰীত মুৰত মুৰত ৯ ৯ ৯ ৯৯৯

# नायकर निभित्तियन, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-न (1) के सभीत स्वता

## धारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 14 फरवरी, 1985

निदेशू सं ं सी० आर० 62, 44613, 84-85—अतः मुझे आर० भारद्वाज,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. में अधिक है

स्रोर जिसकी सं० 426 है, तथा जो V, ब्लाक, राजाजि नगर बंगलूरमें स्थित है स्रोर इसमे उपावद्ध अनुसूची में स्रोर जो पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजिज-नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)) के अधीन दिनांक 10-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास मूक्ते यह विश्वास मूक्ते यह विश्वास मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण ते हुइं किथी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करणे या उससे बचने में स्विधा के लिए और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या अनकर अभिनियम, या अनकर अभिनियम, या अनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिसी इवाध प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था ख्रियाने में सुविधा के लिए;

मत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ॥——  1. श्री डी० पांडुरंगा, मोहि, नं० 426, V क्लाक, राजाजि नगर, बेंगलूर।

(अन्तरक)

श्रीमती भाग्यालक्ष्मी,
 नं० 426, V ब्लाक,
 राजाजिनगर, बेंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्षन् के संबंध में कोई भी बाक्षेप ध--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारी के की 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित के बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्याध अभाहस्ताक्षरी के पास निकित में किए का सकों गे।

स्पव्हीकरण — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हा, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में -दिया गया है।

# **प्रनुसूची**

[दस्तावेज सं० 1778/84 दिनांक 10-7-84]

सम्पत्ति है जिसकी सं० 426, जो राजाजिनगर, बेंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज्ञ सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक: 14-2-1985

मोहर 🛭

श्रक्ष नाष्ट्रै. टी. एन्. एस.------

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन,सूचना

## नारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 16 फरवरी; 1985

निदेश सं० सि० आर० 62,44344,84-85— अतः मुझे आर० भारहाज,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार 'उक्त अधिनियम' कहां गया है), की धारा 269-च के बभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 8, 1/21 है, तथा जो X, मैंम, I कास, आर० वी० एक्सटेंशन, बेंगलूर, में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 3-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और रिजस्ट्रीकृत किया गया है मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विध्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ज्लारण वे हुई जिली बाब की वावता, बचल बीविवयत के बचीन कर दोने के बन्तरक ले दायिएवं में कमी करने या सससे वचने में सुविधा के सिए; बीट/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर निधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत निधिनियम, या धन-कर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया निया था वा किना जाना चाहिए जा, डिमाने में सुनिशा के सिए;

 मैसर्स जी० जनार्धना रेड्डि और कं० नं० 8, 1, 21, X मैन, I ऋास, आर० वी० एक्सटेंशन, बेंगलूर।

(अन्तरक)

श्री के० कृष्णप्पा ग्रीर
 श्री के० के० नागेन्द्रा प्रसाद,
 नं० 9, शेषादि, रोड, बेंगलूर-9।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वित सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन् के संबंध में कोई भी बाओप :--

- (क) इस सूचना के हावपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हित- ब्रुथ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थलीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों आहे, पृथीं का, आहे उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, यहीं अर्थ हागर जो उस अध्याय में कियों ग्या है।

# अनुसूची

(वस्तावेज सं० 1397,84 विनांक 3-8-84) सब सम्पत्ति है जिसकी सं० 8, 1,21, जो X, मैन, I कास, आर० बी० एक्सटेंगन, बेंगलूर में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलर

बतः भवः, उक्त अधिनियमं की भारा 269-म के अनुसरक कों, जी उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

दिनांक : 16-2-1985

मोहर:

# प्रकप बार्च. टी. एम. एस. ------

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

## माहर बरकार

# कार्यासक, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 14 फरवरी, 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3325/II—अतः मुझे, जी० के० पंडया

आयकार जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परिवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

श्रीर जिसकी सं 1303, बोम्बे मार्केट आर्ट सिल्क को श्रो० (दुकान श्रीर गोडाउन) है तथा जो सोसायटी, उमरबाग सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विश्वत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकर्यण अधिनियम 37ईईके अधीन मई, 84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मृझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का उन्तर प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की वाबत उत्तर अधि-नियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तरे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अंतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 मा को, अनुसरण में, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269 मा की उपधारा (1) के कार्क निम्नितिखित व्यक्तियों, बर्धात् ः——
34 —6GI/85

- (1) बोम्बे मार्किट आर्ट सिल्क को० ग्रोप० (वुकान भौरं गोडाउन) सोसायटी,उमरबाग, सूरत। (अन्सरक)
- (2) अग्रवील उमेशचन्द्र, जे० मारेवारी बाजार, बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं. 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य कित द्वारा अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थळीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, वो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में विया नवा है।

# **जन्**स्ची

आयकर आयुक्त अधिनयम की धारा अनुसारका 37 ईई का फार्म पर कार्यालय में मई, 84 में पेश किया गया है।

जी० के० पण्डया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षफ) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक: 14-2-85

मोहर :

प्रकप बाहै. दी. एम्. एस.-----

नायकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) को अधीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।।, हैण्डलूम हाउस

अहमदाबाद, दिनांक 14 फरवरी 1985

निवेश सं० पी० आर० नं० 3326/Ш—अतः मुझे, जी० के० पंड्या,

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका अचित बाजार मृत्य 75.000/- रा. से अधिक हैं।

भीर जिसकी सं० 1006, बोम्बे मारकेट आर्ट सिल्क को भी० (बुकान भीर गोडाउन) सोसायटी उमरबाग है तथा जो उमरबाग, सूरत में स्थित है (भीर इससे उपाबड अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विजत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजट्रीकरण अधिनियम, 37ईई का 16 के अधीन, दिनांक मई 1984

को प्रोंक्श सम्पत्ति के उक्ति बाजार मन्य से कम के स्वयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथाप्रवेक्ति सम्बक्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलियित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से क्षिथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपानी में सविश्वा के लिए:

पतः अज्ञ उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्सरण भें में, उक्त अधिनियम की धारा-269-ए की उपधारा (1) कें धीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---- (1) बोम्बे मारकेट आर्ट सिल्क को० म्रो० (दुकान भौर गौडाउन) सोसायटी, उमरवाग सूरत ।

(अन्तरक)

(2) मे॰ आई॰ सी॰ गांध क्रीम बिल्डिंग प्रा॰ लि॰ गांधी कोलोनी । अश्वीनकुमार मार्ग, सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अपंग के लिए लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, खो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्तीकरण: --इसमें प्रयुक्त सक्यों मौर पवाँ का, जो उक्त विधिनयम के बच्चाव 20-क में परिभाविष्ट है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नन्स्ची

आयकर अधिनियम की धारा अनुसार का 37ईई का फार्म इस कार्यालय में मई 84 में पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक :

14-2-85

मोहर 🛭

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 14 फरवरी 1985

निदेश सं०पी० आर० नं० 3327/II—अतः मुझे, जी० के० पण्डया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं 1207, बोम्बे मारिकट आर्ट मिल्क को० श्रो० (दुकान श्रीर गोडाउन) सोमायटी, उमरबाग, सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय. अहमदा- बाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 37ईई के अधीन मई, 84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिकल से, एसे द्रश्यमान प्रतिकल से, एसे द्रश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरिरयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्विषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर दिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- (1) बोम्बे मारकेट आर्ट सिल्क को० आ० (दुकान श्रीर गोडाउन) सोसायटी, उमरवाग, सूरत। (अन्तरक)
- (2) श्री अग्रवाल पवन जुगल 54, राधे मार्किट रिंग-रोड, सूरत-2

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

## यनुस्ची

आयकर अधिनियम की धारा के अनुसार का फार्म (37ईई) पर कार्यानय में दिनांक 19-5-84 को पेश किया गया।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्रर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

विनांक: 14-2-1985

मोहर 🖫

प्ररूप **बाह**्य टी. एव. एव.----------

बाबकड अधिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-छ (1) के अधीन सुचना

## नाइत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रें ज-II, अहमदाबाव अहमदाबाद, दिनाक 14 फरवरी 1985

निदेश सं० पी०आर० नं० 3328/II/84-85--अतः मुह्री, जी० के० पंडया

सहायक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया गया है), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00000/-रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० 702, बाम्बे मारकीट आर्ट भौर सित्क है तथा जो को०श्रो० (दूकान श्रोर गोदाम) सोसाइटी, उमरबाग सूरत में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रोर पूर्णरूप से वर्णित है) । रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 84

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्ममान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, जिम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाव की बावत स्वर्ध निधिनयम के अधीन काउ दोने के बन्तरक वे वायित्य में कमी कारने या उससे बचने में सुविक्ष के 'सए; जौर/या
- (च) ऐसी किसी जाय वा किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा खे सिए।

शतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) ■ अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों,, वर्धात् ः— (1) बाम्बे मारकीट आर्ट भौर सिल्क (दुकान भौर गोडाउन) सोसाइटी, उमरबाग सुरत।

(अन्तरक)

(2) मे॰ एच॰ लालचन्द ट्रेडर्स, 134, ऱायाणली, स्वदेशी मारकीट, बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारिकरके प्रवेक्ति सम्मति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त संपत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी बाक्षेप 🛶

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस क्षे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स क्यून्तियों में से किसी इस्थिक्स द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकने।

स्वयक्तिरण: — इसमें प्रयुक्त सम्बाँ और पदाँका, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

## **अम्स्**ची

आयकर अधिनियम की धारा के अनुसार का 37ईई का फार्म यह कार्यालय में मई 84 को पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमवाबाद

सारीच : 14-2-1985

मोहर 🕽

प्रकर्ष बाइ .टी.एव.एस. -----

**भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की** भारा 269-व (1) के सभीन स्वना

## नारत सरकार

सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज- $\Pi$ , अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 14 फरवरी 1985

निदेश सं० पी०आर० नं० 3329/II/84-85- अतः मुझे, जी० के० पंडया

.ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ्डको परकात् 'उम्तः अधिनियम' कहा गया ह"), की भारा 269-स के मधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का अरण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित माबार मुम्प 1,00,000/- रत. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 402, बाम्बे मारकीट आर्ट श्रौर सिल्क (दुकान लया गोडाउन) सोसाइटी, उमरबाडा, सूरत में स्थित है। (भीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रुप से वर्णित है ), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 84 को पूर्वोक्त संपत्ति के अधिकत बाजार मृल्य से कम के बश्यमान धरिककल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्णास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूच्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक ही और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण सिक्षित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व म कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए वरि/या
- (था) एोसी किसी जाय वा किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या मन्-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, क्रियाने में सुविधा के किए:

बत्र अब उक्त विभिनियम की भारा 269-म के वनुसरक में, मैं, उक्स अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, बर्धात् ह---

(1) बाम्बे मारकीट आर्ट सिल्क को० आ० (दुकान भौर गोडाउन) सोसाइटी उमरबाडा, सूरत ।

(अन्तरक)

(2) श्री बन्सीलाल माहनलाल पटेल राच्छावा रोड, मातावाडी गांव-करंज जिला-सुरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपीत्त के अर्जन के लिक् लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ले 4.5 विन की अविधियातस्यम्बन्धीव्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त म्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 🕹 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्तीकरण:---इसमं प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## धनुसूची

आयकर अधिनियम की धाराके अनुरूप का 37ईई का फामें है यह कार्यीलय में दिनांक 19-5-84 को पेश किया गया है।

> जी०के० पंडवा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 14-2-1985

मोहर 👙

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.-----

# आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत बहुकानु

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रें ज-II अहमदाबाद अहमदाबाद दिनांक 14 फरवरी 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3330/II 84-85 अतः मुझे, जी० के० पंदया

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या हैं), की भारा 269-269- ये अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसको सं० 407, बाम्बे मारकीट आर्ट सिल्क की अा० है। तथा जो (दुकान श्रीर गोडाउन) सोसाइटी, उमरवाग, सूरत में स्थित है (श्रीर उससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याणय अहमवाबाद में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 37ई के श्रधीन

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य मृत्य. उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ए'से द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए नय नया चया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित अस्तिक रूप मे कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाम की बाबत उक्त जीध-नियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए; और/या

अंशः। जन्न, उक्त बोधनियम की भारा 269-म के अनुसरक मों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिश्वत व्यक्तियों अर्थात् ह--- (1) सम्सि मारकेट की० ओ० खार्ट ग्रण्ड सिल्क (दुकान श्रीर गोडाउन, ) सोसाइटी उमरबाडा, सुरस ।

(अन्तरक)

(2). श्री कान्तीलाल मगन लाल जरीवाला
24, श्री रंग सोसाइटी,
मालावाडी,
वराच्छा रोड,
गांव-करंज'
जि०-सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रिया शरंत करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हित्तक्र्य बस्भ किसी अन्य स्थावत द्वारा अधोहस्त्युक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनत कृषिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ हाँगा को उस अध्याय में दिया यग है।

## अनुसूची

आयकर अधिनियम की घारा के अनुसार फार्म सं० 37ईई , का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 19-5-84 में पेश किया गया है।

> जी०के० पं**बया** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (नरीक्षण) अर्जन रेज-1<sup>I</sup> अहमदाबाद

तारीख: 14-2-1985

मोहर ः

# प्रकल भार्यः, टी., एन., एस.,------

# नामकर मिनिन्न, 1961 (1961 का 43) की पाउँ 269-म (1) जे मभीन सूचना

## धारक सरमान

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 14 फरवरी 1985

निर्वेश सं० पी० आर० नं० 3331/II-84-85---अतः मुझे, पी० के० पडंगा

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त इधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, भिष्णका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 401-बाम्बे मार्केट आर्ट एल्ड सिल्क को. आप. (शाप्स एण्ड वेयरहाऊसेस) सोसाइटी उगरवाड़ा—सूरत है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से दिणत है) तथा फार्म 37 ईई निम्न हस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में दिनांक मई, 1984 को प्रस्तुत किया गया है

- (क्ध) काखरण वे सूर्य रिक्सी जाय की शक्त उपस अधि-नियम के अभीत कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कती करने वा सबसे अभने में सृविशा के बिए; बेस्ट/सा
- (थ) एथी किसी अथ या किसी अब या बन्य अपिनार्थ को, चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त् अधिनियम, यां धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधीषनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया पाना चाहिए था. दिस्पाने में स्विधा के निए;

जतः जब, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान्:--- (1) बाम्बे मार्केट आर्ट सिल्क का . आप . (शाप्स एण्ड देयर हाउसेस सोसाइटी) उमरवाड़ा , सूरता

(अंतरक)

(2) श्रीमंती दक्षावेन बन्सी लाल पटेल बरछा रोड, मटावाडी, गांव-करंज

(अंतरिती)

नदे वह सूचना चारी करके पूर्वों कर सम्परित के अर्थन् के किस् कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उक्त सम्परित के जर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन। की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय ब्वाडा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

लब्बांकरण:--- इसमें प्रयुक्त काक्यों और पदों का, वा उसक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं कर्ष होंगा को उस कथ्याय में दिमा नया है।

# अनुस्ची

फार्म नं. 37 ईई निम्न हस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में दिनांक मई 1984 को प्रस्तुत किया गया है।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II अहमदाबाध

तारीख: 14-2-1985

मोहर:

प्रकृप भाई, टी, एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्थान

#### भारत बरकार

कार्यालयः, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रें ज-11 अहमदाबाद

अहमदाबाव दिनांक 14 फरवरी, 1985

निवेश सं० पी० आर० नं० 3332/।।+84-85--- अतः मृशे जी० के० पंडया

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00000/- रुपये से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० जमीन-ईन्द्राड, ता-कडी जि०-महसानों में स्थित है (धौर इससे उपाबद अनुसूची में धौर पूर्णरूप से विजत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कडी, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन सारीख 13-7-84

कर पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्ग) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया इतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की जावत उक्त अधि-जिथितियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के वाक्तिय में कभी करने या उससे क्षमें में सुविधा के लिए; अरि/या
- (क) एची किसी जाय या भन या अप्य जास्तियों की, जिल्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री वरवा दाजी,
श्री जनसी पालजी
श्री मालजी सांका भाई
श्रीमती जेटी बहुन सांका भाई
श्री चेला भाई जैसिंह भाई
श्री प्रभात भाई जैसिंह भाई
श्री प्रभात भाई जैसिंह भाई
श्री प्रभात भाई जैसिंह भाई
श्री हरजी भाई जैसिंह भाई
खाहरजी भाई जैसिंह भाई
खाहरजी भाई जैसिंह भाई
खासणा, साठ कडी,

(अन्तरक)

(2) श्री जै० बी० मेटल कारपोरेशन, 28/30, जय विल्डिंग, दूसरी सुनार गली, अस्बई-4।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करको पुर्वोक्त सम्पत्ति को कर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी अरक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो अकत अधिनियम के अध्याय 20-क में, परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, भो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

अमीन जी गांव इंदौर ता० कडी, जिला महूसाणा वें स्थित है। सब रजिस्ट्रार, कडी में 1470 नं० पर दिनांक 13-7-84 में रजिस्टर्ड की गई है। जिसकी कीमत रु० 95717 -है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- , अहमदाबाद

तारीख : 14-2-1985 मोहर ध

जतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के जन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, अर्थात् हिल्ल

# इस्य बाइं. टी. प्न. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक अयकर आयक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-II,हेन्डलूम हाऊस धाश्रम रोड, धहमदाबाद धहमदाबाव, दिनांक 14 फरवरी 1985

निवेश सं० पी० झार० नं० 3333/II— झतः मुझे, जी० के० पंडया,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात (उक्त अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-जा की अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ह" कि स्थायर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

मौर जिसकी सं० जमीन घोलका है तथा जो घोलिका में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध मनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, धोलका में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 27-7-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण के बिचत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गुरा है:--

- (क) जन्तरण वे हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उपसी अचने में 'सित्रिथा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, अधिनयम, अधिनयम, अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना वाहिए था कियाने में मुविभा के लिए;

श्रतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, में. 'इक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीत. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 35—6GI/85

श्री ईसामियां रहीम मियां कादरी
श्री महमूद मियां जमालमियां
श्री महमूद मियां जमालमियां
श्रीमती संमुली बेगम कमालमियां
श्रीमती हमीनाबानू कमाल मियां
श्रीमती साईत बानू कमालमियां
श्री बना मियां जमाल मियां
मालाप नजदीक घोलका,
ता० घोलका,
 जिला श्रहमदाबाद।

(घन्तरक)

2. श्री सेठ हसनभ्राली भ्रासुलभ्राली धालकायाला चैरिटी ट्रस्ट वा ट्रस्टी सेठ सलीमभाई नजरभ्राली नसीर धोलका, ग्राल—एेस० सी० रोड़, खार, बम्बई।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्र्वेक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कर्यवाहियां करता हूं।

## उथत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति दवारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंद बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी अ पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यक्कीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों सौर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जमीन जो घौलका, ता० घौलका जि० महमदाबाद में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, घौलका में 1346 नंबर पर दिनांक 16-7-84 में रजिस्टर्ड की गई है। जिसकी कीमत 2,02,500/- रुपये है।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज- , म्रहसदाबाद

तारीख: 14-2-1985

<sup>)</sup> मोहर:

प्ररूप वार्ड, टी. एन, एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-व (1) के वधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-II, महमवाश्राद

श्रहमदाबाद, दिनांक 16 फरवरी 1985

निवेश सं० पी० भार० नं० 3334/II-84-85 भतः मुझ, जी० के० पंडया,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रजात 'उसत अभिनियम', कहा गया हैं), की भारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह दिश्रवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य एक लाखा रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० दूकान नं० 506, बाम्बे मार्किट सिल्क को० भ्रो० है तथा जो (दूकान भीर गोडाङन) सोसायटी उमरवाडा सूरत में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, भ्रह्मदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 37-ईई के श्रधीन तारीख 19-5-1984

क्यं पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथ्धा पूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रूरयमान प्रतिफल से एसे रूरयमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकात अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्स अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिक्य में कमी करने या उससे अपने में सुविधा कों लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिही इंजारा प्रकट नहीं जिल्हा गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अक्षः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्यरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :---  मै० बाम्बे मार्केट म्रार्ट सिल्क को० मा० (दूकान भीर गोडाइन) सोसायटी, उमरवाडा, सूरत।

(मन्तरक)

2. श्रीमती हेमलता सरन मानीकचंद जैन के०/ग्रा० एम० एम० सिल्क मिल्स, 1/1064 ग्राउण्ड फ्लोर, सुरत टैक्सटाईल्स मिल मार्केट, रिंग रोड, सुरत।

(अन्तरिती)

कौ यह सूचना चारी करके पृश्नाँकत सम्मित्त के वर्णन के तिए कार्थवाहियाँ करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीन से 30 दिन की व्यक्ति को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्कान के राजपक में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध फिसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंचे।

स्थल्यीकरणः इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, वो सन्द अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिना गमा है :

# अनुसूची

भायकर भ्रधिनियम की धारा के श्रनुसार फार्म नंबर 37-ईई यह कार्यालय में दिनांक 19-5-84 में पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, महमंदाबाद

तारीख: 16-2-1985

मोहर :

**शक्य नार्ध**्य दर्शे , एन , पुत्र , काल ना सन्दर्भ

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बभीन सुजना

## भारत सहकार

# कार्यासय्, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

**भ**हमवाबाव, दिनांक 16 फरवरी 1985

निवेश सं० पी० झार० नं० 3335/Ш——श्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० दुकान नं० 405, बोम्बे मार्केट मार्ट सिल्क को० भ्रो० (दुकान भीर गोडाउन) सोसायटी उमरवाडा, है तथा जो सुरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, भ्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण भ्रिधिनयम, 37-ईई के भ्राधीन, दिनांक 19-5-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति को उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गर्द है और म्फ़ें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वायतः, उच्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उच्च वच्चने में हुर्जिश के तियः; बौर्/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, स्थिपार भें सुनिधा के जेलए;

बत् बब, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्ननिचित व्यक्तियों, अर्थात् ध—  मै० बाम्बे मार्केट मार्ट सिल्क को० म्रो० (दुकान श्रौर गार्डेन) सोसायटी, उमरवाड़ा, सुरत।

(भ्रन्तरक)

 शाह हर्षकुमार मनसुखलाल न्यू मटागुणरान कापड भंडार, पांयकुवा के बाहर, महमदाबाद।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन कें लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उक्त ग्रम्पत्ति को वर्जन को संबंध में कोई भी जाकीप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख क्षें 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 विन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य स्थिवत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सर्वोंगे।

स्यव्यक्तिरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विमा गया हैं।

# प्रनुसूची

ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा के ग्रनुसार का फार्म नंबर 37-ईई। यह कार्यीलय में दिनांक 19-5-84 को पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 16-2-1985

मोहर 🕄

# प्ररूप आहें हो एन एस प्रान्तान

# नायकर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंजाा-, अहमधाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 5-2-85

निवेश नं ०पी ० आर०नं ० 3308/2—अतः मुझे, जी ० के ० पंड्या

नायकर अधिनयम, 1961 (1961, का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

धौर जिसकी संख्या 175 और 176 है तथा जो अंकलेक्वर में स्थित है (और इससे उपाबन अनुसूची में घौर पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्रंकलेक्वर में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 21-7-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूप्यमान प्रतिफल के तिए **अ**न्तरित की गष्ट् मुभ्ते विष्वास यह करने कारण कि सम्पत्ति का उच्ति बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत सं अधिक है और अंत-रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंत-रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं गया € 5---

- (क) अन्तरण भे हुइं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग्य के अन्सरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिमित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री शंकरलाल हीराचन्द चाक्सी चाक्सी बाजार, श्रंकलेश्वर ।

(अन्तरभः)

2. मंगलासरन मोटनलाल तिवेदी श्रीर अन्य 1. अजय भवन समीप नं ० 6, दूसरा मझला, जवाहर नगर, गोरेगांव, बम्बई-52 (पिषचम)।

(मन्तरिवी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु"।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाक लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# नन्स् ची

मिलकत जौ यंकलेख्वर, ता० श्रंकलेख्वर में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, श्रंकलेख्वर में 1708 से 1712 नंबर तक दिनांक 21-7-84 में रिजस्टर्ड की गई है।

> जी ० के . पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- ,अहमदाबाद

दिनांक : 5-2-85

मोहर 🛭

प्रकम नाष<sup>®</sup>ः ठी त पुत्र<sub>े</sub> पुत्र<sub>ावन-व्य</sub>---

भायकर जिथितियम्, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-म् (1) के जभीत सूचना

भाइत संस्काह

कार्यास्य, तहायक मावकारः वायुक्तः (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 5-2-85

निदेश नं ०पी ० आर ० नं ० 3309/2——अतः मुझे, जी ० के ० पंड्या

अस्यक्ट सिमिनयम, 1961 (1961 का 43) (विते इसमें इसमें इसमें अपन्ता (जनत अधिनियम कहा गया है), करे भारा 269-थ के अभीन तकम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मति, जिसका उपित वाजार मस्य 25,000/- का से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या सर्वे नं ० 108, 109/1, 109/2 है तथा जो गांव ड्रंगरी, दिनांक भरुच, जिला भरुच में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, भरुच में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जलाई, 84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रदूषिक के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास अरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अंतरितमों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप में किथत नहीं किया गया है:—

- (क) नंध्द्रेण से क्ष्म किसी नान को नान्ता, अवस्थ निधीनमून के भूधीन कर दोने को नंतहक को दावित्व में कभी करने या उसने नचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (क) एसी किसी भाव या किसी धन या अन्य बास्तिकों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गढ़ा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) **अधिनेय, निकासिय व्यक्तियों, वर्षात्**र—  श्री मोहम्मद मूसा इसमाइल गोदन, नानी डूंगरी, ता भश्च, जिला भश्चं।

(अन्तरक)

 श्री हाजी इक्काहीम आदमवली गांव—कंथारिया, दिनांक भरुच, जिला भरुच।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पृत्रोंक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 🚈

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक हैं
  45 दिन की अविधि या तत्स्मन्थी व्यक्तियों पर
  सूचना की ताशीन से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रवार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमं प्रयूक्त शब्दों और पदों का, आ उभत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्यास गो दिया गया है

## अनुसूची

जमीन जो इंगरी, ता० भरूच में स्थित है। सब रिजस्ट्रार भरूच में 1333 नंबर पर दिनांक जुलाई 1984 में रिजस्टर्ड किया गया है।

> जी ० के • पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 **बह**मदाबाद

दिनांक :- 5-2-198**5** 

मोहर 🖺

प्रकृप आइ. टी. एन . एस . -------

# नावकर निभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुभना

## भारत तरकार

कार्यात्तय, सहायक बायकर आयुक्त (निश्लीका) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाव , विनांक 19 जनवरी 1985

निदेशाण्सं ० पी ० आर० नं ० 3310/॥ — अतः मुझें जी ० के ० पंडया :

नायकर शिंधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उनत निर्धानयम' कहा गया है), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकौरी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० नौर्य नंबर 1749/2 ग्रीर 3 है तथा जो नवागाम विस्तार में ता० चौरासं। जि० सूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्च। में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्री- करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 6 जुलाई 1984 को

को पूर्वों कत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमानं प्रित्तकत को लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह भ्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में मास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीत कर दोने औं बन्तरक खें खबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; बॉट/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आपा आहा आहिए था, कियाने में सुविधा के दिवए;

भतः जब, उक्त निधिनियम की थारा 269-य के अनुसरण में, में, उक्त निधीननम की भारा 269-म की उपभाश (1) के अभीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, जमति हु--- (1) श्री सिजीन चंद्र जमनादास ग्रीर अन्य भागीदार छत्तीवालाकी चाल अध्निकुमार मार्ग, सूरत

(अग्तरक)

(2) गोरर्धन भाई घनअभाई घडीया **ग्रो**र अभ्य भागीदार विरकमनगर, सोसायटी नं**व**र 2 सूरत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निष्

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियां हों से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास्क्र जिस्ता में किए जा सकेंगा

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयावत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होना, जो उस मुख्याम में विमा जवा है।

## वनसंब

मिलकत जो नवागाम, जि० सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार सूरत में 5721 नंबर पर दिनांक 16 जुलाई 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> जी ० के ० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, अहमदाबाब

दिनांक :- 19-1-1985 मोह्र्डु ⊌ प्रस्प बाइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चेता

#### भारत संस्कार

कार्यास्य, सहायक मायकर भायका (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11 अहमदाबाद

अहमदाबाय, दिनांक 5 फरवरी 1985

निदेश सं० पी० आर० नंम्बर  $3311/I^{\text{I}}$ —अतः मृह्यें जी० के० पंड्या,

कायकर कि सिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूस्य, 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं ० दुकान नं ० जी ० 23/7 सूरत टैक्सटाईल मारकेट हैं। तथा जो रींग रोड़ सूरत में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबढ़ अनुसूत्री में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का फा6) के अधीन दिनांक 17 जुलाई 1984

को पूर्वीक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दूरवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि संथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिवास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोस्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरम से हुई किसी बाव की वावस , उपस मृथिनियम के अभीन कर बने के बन्दरक के बनियम में कनी करने ना उससे बचने में कृतिभा के सिए; और/या
- (क) देसे किसी बाय का किसी क्य मा जन्म आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर श्रीभनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या क्षेत्र कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्याय प्रकट नहीं किया गया था या किया काना कान्निए था, क्रियाने में सुविधा के किए;

जत: अनः उक्त अभिनियम की भारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-ज की उपभारा (1) को अधीन, निम्नतिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री राजेशकुमार केसरीमल शाह कजरपुरा, भरुच

(अन्तरक)

(2) श्री नरटरिलाल गोरधन वास टरलालका डी ० 609 ग्रेल सी ० अपार्टमेंट की ग्रो ० टा सोसायटी रीगंरोड़ सुरत ।

(भ्रन्तरिती)

को मह सूचना चारी करके पूर्वोक्तः सम्पत्ति के मर्चन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

वनत सम्मत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविष मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नविष, जो भी जविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे:

स्याधिकरण: इसमें प्रयुक्त सन्दों जीर पर्यों का, थां उचक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहूी कर्य होगा जो उस अध्याय में धिया गया है।

#### रतमा की

मिलकत जो रींगरोड़, सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार सूरत में 5796 नंबर पर दिनांक 17-7-84 को रजिस्टर्ड की गई है।

> जी ० के ० पंडया सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज ।। अहमदाबाद

दिनांक:- 5-2-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बार्ड .टी पन् प्रस ुनन्नरू

नायकर स्थिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के नथीन स्मृता

## भारत सरकार

फार्यासय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज 2 प्रहमधाबाद

घहमदाश्राष, दिनांक 19 जनवरी 1985

निदेश सं० पी० भ्रार० नंबर 3312/2--- भ्रतः मुझे जी० के० पंडया,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहेंचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० छळ्यू 1206, हैं। तथा जो सुरत टेक्स्टाईल मारकेट रींगरोड़ सुरत में स्थित है और इमसे उपाधक ग्रन्सुची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ती ग्रिधकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 18-7-84

को प्रवेकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथाप्यों कत संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित हैं गम्ति-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरभ से हुइं किसी आय की बावत, दक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तसों बचमें तो सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अत्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, क्रियान यो सृतिका और सिए;

श्रत: श्रव, उनत श्रीधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) ं के अधीन, विस्तितिक स्वित्वयों, अर्थात् ह—

(1) मैं० नगीन दास भूरपलदास की भागीदारी देपठीका भागीदार श्री जयन्तीलाल डाह्याभाई और अन्य भागदारों मोटी मटोल्ली, कस्तमपुरा,, सूरत ।:--

(भ्रन्तरक)

(2) मैं० इंन्ड्रीयन कोपौरेशन की पंठीका भागीदार श्री करक्षारचंद झवरेचंद और श्रन्य दी भागीदार सर्जन श्रपार्टमेंट को ओ रा० सोसायटी सूरत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृशाँकत सम्पर्तित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

जक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाओप :--

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन की जनिथ या तत्संगंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की जनिथ, जो भी जनिश भाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (■) इस स्थान के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख-सूँ 45 दिन है भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य प्रवित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकोंगे।

स्पाक्ष करण: — इसमें प्रयुक्त सन्दों नीर पृषी का, को उपत जिमिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं नधीं होगा जी उस अध्याय में विया गया है।

## जन्तु 🕶

भिजनन (दुकान) जो सूरत में स्थित है जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर 5825 है और जिसका दिनोक 18 जुलाई 1984 को सब रजिस्ट्रार सूरत में रजिस्टर्ड कि गई है।

> जी० कें० पंडया रक्षम प्राधिकारी सहोयस आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज श्रहमदाबाद

दिनांक :- 19-1-1985

मोहर :

## प्रकल् कार्द्री, टी. एन्. एस्.------

# भागकर मृथिनिमस, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म् (1) के मुधीन सूच्या

## भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज II ग्रहमधाबाद

श्रहमदाबाद दिनांक 19 जुनवरी 1985 निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3313/2---धतः मुझे जी०के० पंडया

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, विसका अधित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संब्दुकान नम्बर जुड 3257 सूरत टेक्स्टाईल हैं। तथा जो मारकेट रींगरोड़, सूरत में स्थित हैं (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरसें अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 23 जुलाई 1984 को

को प्रॉक्त संपत्ति के उपित बाकार बृह्य से कन के स्रमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि युभापुनोंकत सम्पत्ति का उपित बाजार धून्यं उसके स्रमान प्रतिफल से, एसे स्रमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम शवा गया भृतिफल निम्निकियात स्थ्या प्रसिक्त बंतरण विश्वास कर है स्थित मुझे किया पदा है है—

- (क) जन्तरण से हुन्द किसी आय की वानत, उक्त जिभीनयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके वचने में शुविधा की सिए; बांद्र/वा
- (थ) एंसी किसी बाब या किसी थन या बस्य बास्तियाँ को, जिन्ही भारतीय नावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशंकनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया धामा आहिए था कियाने के सुविधा के सिए;

जता जब उनत जिथिनियम की धारा 269-म के जनसर्थ में, में, उबत जिथिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखत व्यक्तियों, अर्थात् हि—— 36—6GI/85 (1) श्रीमती सरोज विजय शर्मा केअर ओफ काश्मीरीलाल पंजासीका पापट ओपो श्रटर्नी डील्डर्स सालिक्रश्न दोरमल यादीर, रेशभपाला मारकेट रींगरोड़, सूरत ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री परसोत्तम लाल टोरमल योदर शक्तिनगर उधना ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया जुरू करता हुं।

इक्त सम्मति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई मी नामोप क्-

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की जनिश या तत्संबंधी अपनिश्वमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूजों कर ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (व) इस शृक्ता के रावपत्र में प्रकाशन की तार्रीय वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी मन्य स्थानत द्वारा, वधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा क्वेंगे

स्वव्यक्तिरणः----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उन्स् अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं वर्ष होगा को उस कथ्याय में दिया सवा हैं।

## जन्स्ची

मिलकत जो उमरवाडा, ता चोर्यासी जि० सूरत मिं स्थित है (सब रजिस्ट्रार सूरत में 6024 नंबर पर दितांक 23 जुराई 1984 को रजिस्टर्ड की गई है जिसकी सर्वे नं 95-96 (मूरत म्रटानगर पालिका की हत में ), रींगरोड़ पर है।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2 ग्रहमदाबाध

1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 3 5

मोहर 🛭

# **स्ट्रम भाष**्य **टॉ**. पुर्य पुरा क्रान्टनान्य

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-न (1) के अभीन सूचना

## बार्ट संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिणं) श्रर्जन रेंज•ाा, श्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनोक 19 जनवरी 1985

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3314/2--श्रनः मुझे जी० के० पंड्या,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-व के सभीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने के कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्र 1,00,000/~ रु. से अधिक है

और जिसकी सं दुकान नं जी 3223 सूरत टेक्सटाईल मारकेट, हैं, तथा जो रींगरोड़ सूरत में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीवर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 18 जुलाई 1984 को

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित भाजार मुख्य से कम के दश्यमान गई लिए प्रतिफल के अन्तरित की विश्वास यह करने का. कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके रुरयमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिली (अंत-रितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गवा है :---

- (क्ट्रों) जनसरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त विभिन्नम के अभीन कर दोने के जनसरक जी दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; आर्ट्रिया
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

नतः अव, उन्त निधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) श्री रितलाल छगनलाल चनोरवाला, पेराडाईज श्रपार्टमेंट को० ओ० रा० सोसायटी दिवाली साग , सूरत ।

(प्रन्तरक)

(2) श्री ग्रॅंक्विनकुमार रामचद पटेल श्री पुसिल कुमार राजचद पटेल गांव कौसाड ता० चोर्यारसी जिला सुरत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारने पृत्रों क्त सम्पत्ति के जुर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

## उनत् बुरमितः के वर्षन् के सम्बन्ध् में कोई मी बाधोष् ध---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं से 45 दिन की अविध या तरसंबंधीं व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकरी

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

## वन्सूची

मिलकत (दुकान नं० 3223) जो उमरवाहा गांव, तहसील चौर्यारसी जि० सूरत में स्थित है सब रजिस्ट्रार सूरत में 5823 नम्बर पर दिनांक 18 जुलाई 1984 में रजिस्टर्ड किया गई है।

> जी० के० पंडया मक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज II ग्रहमदाबाद

दिनांक :- 19-1-1985

मोहर :

प्रस्य बाई ५ टी. एम. एस ् -----

नायक इ मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 च (1) के सधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज II श्रहमदाक्षाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 13 फरवरी 1985

निदेश स० पी० म्नार० न्० 3315/॥ म्रतः मुझे जी० के पंडया

नायकर जाँभनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्नात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं 1302, सौम्से भारकेट और शील्क को औं हैं तथा जो दुकान और गोषाउन सोसायटी उमरवाषा, सूरत में स्थित हैं (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, अहमाबाद में रिजस्ट्रीकरसें अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19 मई 1984

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और असरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया ग्या इतिफल निम्नतिचित उद्विध्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) बन्तरूज से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बीधिनयम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में क्रमी करने या उससे बच्चने में सुविधा के सिए। बाँड/बा
- (क) एसी किसी बाग या किसी अन या नत्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर निभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिनियम, या धनकर निभिनियम, या धनकर निभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ नन्तरिती बूबारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा ने निष्:

जतः जब ,~उक्त अधिनयम की भारा 269-ग के अमुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तिस्यों, अर्थात् ह—ः (1) मैसर्स मारकेट ग्रार्ट सल्क को० ग्रा० दुकान और गोंग्राउन सोसायटी उमरवाडा, सूरत।

(धन्तरक)

(2) मैं ० देवेन्द्र टेक्सटाईल मीरूस टीरालाल कोलीनी अश्रीन कुमार मार्ग, सुरक्ष

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थाना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के गर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी न्यित्यों पूर स्थान की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्षितियों में से किसी व्यक्ति धुवारा;
- (ख) इस राचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

# अन्दर्भी

श्रायसर श्रविनियम की बारा के श्रनुमारका 37 **ईई**० का फार्म यह कार्यालय में विनांक 19 मई 1984 को पेश किया गया है।

> जी० के० पडया सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज 1 श्रहमदाबाद

दिनांक :- 13-2-1985 **सोहर** ध प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

## भारत सरकार

कार्मालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2 अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 फरवरी 1985

निदेश सं० पी. आर० नं० 3316/॥—अतः मुझे जी० के० पंडया ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 703, सौम्से मारकेट श्रीर सिल्क को० श्रो० हैं तथा जो दुकान श्रीर गोडाउन ) सोसायटी उमरवाडा स्रस में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद हू रिजस्ट्रीकर्ता अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई 1985

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्मित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर चेने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिक्स, व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) सोम्से मारकेट आर्ट सिल्क को० श्रो० दुकान श्रीर गोडाउन सोसायटी , उमरवाडा सूरत ।

(अन्सरक)

(2) मैं० अवन्ती ओन्टर प्राइस महेश प्रमाराय गरेडीया 8/82 आर० ग्रो० किडवाई मार्ग, बम्बई 31,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--- .

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्स्ची

आयकर अधिनियम की धारा अनुसारका 37 ईई का वर्णेय यह कार्यालय में मई 1984 को पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2 अहमदाबाद

दिनांक :- 13-2-1985 मोहर भ्रक्ष बाह. टी. एम. एस.,-=---

बायक र ब्रॉडिंगियम, 1961 (1961 का 43) करी धारा 269-ए (1) के अधीन स्पना

#### भारत करकार्

कार्यासय, सहायक जायकर मायुक्त (निरीक्रण)

अर्जन रेंज 2 अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 13 फरवरी 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3317 /2—अतः मृद्धी जी०के०पंडेया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 296-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० 601, बाम्बे मारफेट थ्रौर सीलक को० आ० बुकान हैं तथा जो थ्रौर गोडाउन ससियाटी, उमरवाडा सूरत में स्थित है (श्रौर इससे उपाद्यद्ध अनुसूची - में घौर पूणं रूप से विणित है ) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन है विनांक मई 1984

को प्वेंक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफूल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उाचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितों (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुद्दै किसी आय की याजत, उक्त अधिनिवृत् के वृधीन कर दोने के अंतरक के बायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; बॉर√वा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना वाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त जिभिनियम की धारा 269-ग के अनुस्रण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्न्फि, जिस्सिक्सों अधीत् में— (.1) बाम्बे मारकेट आर्ट सिलक को० ग्रो० दुकान भीर गोडाउन सोसायटी उमरवाडा,

(अन्सरक)

(2) श्रीमती धर्ममीत कौर केयर श्रोफ कुलवीप सिंह पंजाबी ट्रेडर्स, जथ्यसंच कलीय मार्केट , रामपुर (एम० पी०)

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थनं के निएं कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी माभोप :----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहुस्ताक्षरी के पास लिकित में विये का सकर्गे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ द्वीगा, जो उस अध्याय में स्थित भवा है।

## मन्पूर्व

आयकर अधिनियम की धारा के अनुसरण का 37 ईई की फार्म पर कार्यालय में मई 1984 में पेश किया गया है।

> जी० के० पंष्टया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2 अहमदाबाद

विनाक :- 13-2-1985 मोहर

## प्रकृष बाइ . टी . एन . एक ज्ञान-पन्त सम्बद्धा

# भायकर जुधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

## बारत इरकाड

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अहमदाबाद, विनांक 13 फरवरी 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3318 /2—अतः मृही पी० के० पंड्या,

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार ब्रूब्य 25,00,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० 205, बाम्बे मारकेंट आई सिलक को० ग्री० (दुकान हैं तथा जो, ग्रीर गोडाउन ) सोसायटी, उमरवाडा, धुरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपावच अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई 1984 को

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाबार मूल्य से कम के क्यमनन प्रतिफल के लिए जंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपरित का उचित बाबार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का गम्द्रह प्रतिशात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (जंतरितिगों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कव निम्निचित उद्वेश्य से स्वत अन्तरण निचित में बास्तिब्क रूप से कथित नहीं किया गया है

- (स) जन्तरण ते हुई किली भाग की गायत, अवस विश्वित्व के ज्योग कर दोने के जन्तरक के वाहित्व में कभी कहने वा उससे व्यक्त में सुविया में हैंक्यू) मूहि/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का , विन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या अवकर अभिनियम, या अवकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना आहिए जा, कियाने में श्रीका विद्या की जिएत

चतः वन, उक्त विभिनयम, की भारा 269-ए के वन्तरण वे, वे, उक्त विभिनयम् की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अभीन, निम्नतिधित् व्यक्तियों, अर्थात् ह—- (1) बाम्बे मार्केट आर्ट सिलक को० मो० (दुकान भीर गोडाज्न ) सोसायटी, उमरवाडा, सूरत ।

(अन्तरक)

(2) में जयनारायण रामचद्र अण्ड क बेगम पुरा, बानपीठ, सुरत ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मह्ति औं वर्षन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

## बन्द राज्यीत्त के वर्षन के राज्यभ्य में कोई भी आक्षेप हन्न

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीब सें
  45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, को भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए बा सर्वोंगे।

## अनुसूची

आयकर अधिनियम की धारा के अनुसार 37 ईई की फार्म यह कार्यालय में मई 1984 को पेश किया गया है।

> जी० के० पडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 अहमदाबाद •

विनोक : 13-2-1985

मोहर् 🛭

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक बायकर सायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 फरवरी 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3319/2—अतः मुझे जी० के० पंडया,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी स० 1206, बाम्बे मार्केट ग्रौर सिल्क को० ग्रो० (दुकान ग्रौर गोडाउन हैं) तथा जो सोसायटी, उमरवाडा सूरत में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हमदाबाव में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 37 ईई का 16) के अधीन दिनांक मई 1984 को

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित ही गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सस्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिखत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं पाया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासिस्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा क्रो सिए; आटि/वा
- (क) एसी कियी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 127) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया या था या किया जाना चाहिए था, छिपान हो स्विभा के सिष्

बतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :— (1) बाम्बे मारकेट आर्ट सिज्क को० आ० (दुकान प्रौर गोडाउन ) सोसायटी , उमरवाडा, भूरत ,

(अन्तरक)

(2) मैं कायर टेक्स्टाईल रामनिवास कम्पाउड क विजय पुर, नवसारी, जिं वससाड

(अन्तरिती)

को सह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी ज्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्याय, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को खक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन सर्च

आयकर अधिनियम की धारा अनुसार का 37 ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 19 मई 1984 में पेश किया गया है।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 अहमदाबाद

दिनांक : 13-2-1985

मोहर :

प्ररूप बाइ रे.टी. एन ऱ्यास . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेजं 2, अहमवाबाद अहमदाबाद, दिनांक 13 फरवरी 1985

मिदेश सं० पी० आर० नं० 3320, II—अतः मुझे जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/न रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 802 बाम्बे मार्केट आर्ट सिल्क को० धो० (दुकान श्रीर गोडाउन), सोसायटी, हैं। तथा जो उमरवाडा स्रत में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्त्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाव, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 37 ई०ई० का 16) के अधीन दिनांक मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विहवास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दहयमान प्रतिफल से, एसे दहयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिहात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिक्तियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिखत उद्वेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूरिवधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) बाम्बे मार्केट आर्ट सिल्क को० श्रो०, (दुकान श्रीर गोडाउन) सोसायटी, उमरनाडा, सूरत

(अन्तरक)

(2) बाम्बे मार्केट आर्ट सिल्फ को० ग्रो० (दुकान ग्रीर गोडाउन), सोसायटी, उमरवाडा, सूरत

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त संपरि के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- ·(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य अथिकत स्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जिक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ हक्षेगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

आयकर अधिनियम की घारा अनुसारण का 37 ईई का फार्म पर कार्यालय में दिनाक 19 फरवरी में पेश किया गया है ।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण्.) अर्जन रेंज-2, अहमवाबाव

दिनौक :-- 13-2-1985 मोहर प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

भामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचमा

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निज्ञीक्षण)

अर्जन रेंज-2 अहमवाबाद अहमवाबाद, दिनोक 13 फरवरी 1985

निवेश सं० पी॰ आर० नं० 3321/॥—अतः मुझे, जी॰ के० पंडया

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० 304 बोम्बे मार्केट मार्ट एण्ड सिल्क को० आ० (दुकान मीर गोडाउन) सोसायटी हैं तथा जो उमरवाडा सूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में मीर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 37-ईई के अधीन दिनांक मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में अभी करने या उसके अचने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयन्त-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ना धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः जब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-व को जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, जर्थात् :—
37—6GI/85

(1) बाम्बे मार्केट आर्ट एण्ड सिल्क को-म्रो० (दुकान भौर गोडाउन) सोसायटी, उमरवाडा, सूरत ।

(असरक)

(2) मैं ० रमेश कुमार प्रेम कुमार 201-बी०, एम०पी० रोड़, सदांसुख कटरा, कलकत्ता

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर सम्पत्ति में हित- बस्थ किसी अन्य ब्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

आयकर अधिनियम की धारा अनुसार का 37-ईई का फार्म यह कार्यालय में मई 1984 में पेश किया गया है।

> जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

**दिनाँक**: 13-2-1985

महिर 🛭

प्रकप बाइं.टी.एन.एस------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,-2. अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 13 फरवरी 1985

विर्देश सं० पी० आर० नं० 3322,II— अतः मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक ही

भीर जिसकी सं० 204, बाम्बे मार्केट आर्ट सिल्क को०-म्रो० (दुकान भीर गोडाउन) सोसायटी, है तथा जो उमरवाडा सूरत में स्थित है (भीर इससे उपाधद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19 मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजनर मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ह है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सृतिभा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था ख्रिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की अधीन, निम्नलिशित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) बाम्बे मार्केट आर्ट एण्ड सिल्क को०-भ्रो० (दुकान श्रीप गोडाउन) सोसायटी, उमरवाडा, सूरत ।

(अन्तरक)

(2) मैं ० रमणलाल मोरारभाई जरीवाला रूम नं ० 13/14 दूसरा मंजला गोगेट, मेन्शन कीका स्ट्रीट बम्बई -2

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रक्राक्षन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनित्रम के अध्याय 20-क में परिभावित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नन्स्ची

आयकर अधिनियम की घारा अनुसार का 37 ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 19 मई 1984 को पेश किया गया है।

> जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, 2, अहमवाबाव

दिनांक : 13-2-1985

मोहर ः

प्ररूप आर्च.टी.एन.एस.------

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहत्यक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद अहमदाबाद,दिनांक 13 फरवरी 1985

निर्वेश सं० पी० आर० नं० 33232/II— अतः, मुझे जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं० 106, बाम्बे मार्केट आर्ट सिल्क को-मो० (दुकान मौर गोंडाउन) सोसायटी, उमरवाडा, सूरत, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबज अनुभूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 37-ईई अधीन दिनांक मई 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (श) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अविनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात् ु— (1) श्री विक्रमकपूर श्रीर श्री विकेशकपूर केयर श्रांक विमल एण्ड कं० 5/बी कृष्णा क्लाथ मार्केट चादनी चौक

(अन्तरक)

(2) बाम्बे मार्केट आर्ट सिल्क को-म्रो०, (दुकान श्रौर गोडाउन) सोसायटी, उमरवाडा, सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस पूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इससूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच तिखित में किए जा सकर्ग।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त ग्रन्थों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है:

## अमुसुची

आयकर अधिनियम की धारा अनुसार का 37-ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 19 मई 1984 को पेश किया गया है ।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ध्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

दिनांक : 13-2-1985

मोहर 🕾

प्ररूप शाह .टी. एन. एस-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-च (1) के जभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 अहमदाबाद, अहमदाबाद, दिनांक 14 फरवरी 1985

निदेश सं० पी० आर० नं०  $3324/^{II}$ —अतः, मुझे, जी० के० पंडया,

जायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसको सं० 1202, बाम्बे मारर्केट आर्ट एण्ड सिल्क को० भो० प० (दुकान श्रौर गोडाउन )सोसायटी उमरवाडा, सूरत में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है ) रिजस्कर्ता अधिकारी के कार्याक्षय ,अहमदाबाद, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 37 ईई के अधीन दिनांक मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्त्रित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने कर कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का अधित बाजार मूक्य इसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एमे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफास, निम्नीलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिक्षित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्म आस्तिमों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, (957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

मतः मतः, जक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, जक्त अधिनियम की भारा 269-श की उपभारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ८००० (1) बाम्बे मार्केट आर्ट एण्ड सिल्क को-ओ० वुकान और गोडाउन) सोसायटी, उमबरवाडा, सूरत ।

(अन्तरक)

(2) मैं० अनिल डाईग एण्ड प्रिटिंग वर्क्स, 49, उमरवाडा, सहारा गेंट के बाहर, सुरत ।

(अन्तरिती)

को बहु कुथ्यन आही करने पृथानित सम्मृतित को अर्थन के हैंबए कार्यवाहिया सुरूत करता हूं।

# उक्त सम्बन्धि के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेत्:--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत है 45 विन की अवधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 विन की अवधि, को भी अवधि नाइ में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वाम के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी क्ष्य व्यक्ति व्याप अभोहस्ताक्षरी के पास सिविस में किए वा सकेंगे।

स्पब्दीकरणः — इसमं प्रमुक्त शब्दों और नदों का, वो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह°, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह°।

#### वनसूची

आयकर अधिनियम की धारा के अनुसार का 37 ईई का फामें यह कार्यालय में पेश की गई है।

> जी० के० पंद्रमा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 अहमदाबाद

दिनांक : 14-2-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आर्ड्:टी.एन.एस.------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

#### भारत परकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 16 फरवरी 1985

निवेश सं० पी० आर० नं० 3336 /II— अतः मुझे, जी० के० पंड्या,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं). की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्तास करके का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० 1306, बाम्बे मार्केट आर्ट सिल्क को०-भ्रो० (दुकान भीर गोडाउन) सोसायटी है तथा जो उमरवाडा, सूरत में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुमूची में भीर पूर्ण रूप से बींगत है), रिजस्ट्रीकर्सी अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक 19 मई 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूज्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तर रण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या नच्य बास्तियों को, चिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में स्थिता के किसी;

बत्ध वद, उक्त विशिष्यम की भारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त विभिन्नम की भारा 269-व की उपभारा (1) के वैभीन, निस्तिसिक्त व्यक्तियों, बभात् हु---- (1) बाम्बे मार्केट आर्ट सिल्क को-म्रो० , (दुकान और गोडाउन) सोसायटी, उमरवाडा, सूरत ।

(अन्तरक)

(2) श्री जुगल की मोर बजाज ए 1/8 सुन्दर नगर, एस० पी० रोइ, मलाड (पश्चिम), बस्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सभ्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ल्पच्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

आयकर अधिनियम की धारा अनुसार का फार्म 37-ईई यह कार्यालय में विनांक 19 मई 1984 की पेश किया गया है ।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) वर्जन रेंज-2 अहमदाबाद

दिनांक : 16-2-1985

मोहर 🖫

प्ररूप गाइ. टी. एन. एस.-----

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्थान

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 16 फरवरी 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3337/II— अतः मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर भिंभित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 202 बाम्बे आर्ट सिल्क को० ग्रा० (दुकान ग्रीर गोडाउन) सोसायटी, उभरवाडा, सूरत में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यास्य अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 37ईई के अधीन दिनांक 19 मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-फल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विष्य से उक्त लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया ग्या है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, जक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन था अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्राप्तियों विद्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविभा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिचित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) बाम्बे मार्केंट आर्ट सिल्क को० भ्रा० (दुकान भ्रौर गोडाउन) सोसायटी, उमरवाडा, सूरत ।

(अन्तरक)

(2) श्री कमल किशोर पी० चान्डक केयर ग्राफ मै० जी० रमेश एंड कं० 60, गोडाउन स्ट्रीट, पहली मंजिल, महास ।

(अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उत्कत संपति को अर्जन के संबंध मो कोई भी आक्षेप :---

- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या सत्सेवंशी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिट में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीक रण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ डोगा, जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

## मन्स्ची

आयकर अधिनियम की धारा अनुसार का 37 ईई का फार्म इस कार्यालय में विनांक 19 मई 1984 को पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

विनांक : 16-2-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज 2 अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 16 फरवरी 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3338/II—अतः मुझे, जी० के० पंडया

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह<sup>®</sup>), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्नीर जिसकी सं० दुकान नं० 303 बाम्बे मार्केट आर्ट सिल्क को० ग्रा० (दुकान ग्रीर गोडाउन) सोसायटी, उभरवाडा, सूरत में स्थित है (आँर इससे उपाबद्ध अनुसूचि में ग्रीर पूर्णक्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीक्ती अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 378ई के अधीन 19 मई 1984

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पागा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा चे सिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सविभा के लिए;

अस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधरण (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) बाम्बे मार्केट आर्ट सिल्क को० म्रा० (दुकान भौर गोडाउन) सोसायटी, उमरवाडा, सूरत ।

(अन्तरक)

(2) मै० संजय टैक्स्टाईल्स, हंस विला बील्डींग , जापा बाजार, सुरत।

( अस्ति ()

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी साओप -----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविश्व या तत्सवधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविश्व, जो भी अविश्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित- बच्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा, अधोद्धस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया

## बक्र्युची

आयकर अधिनियम धारा अनुसार का फार्म 37 ईई इस कार्यालय में दिनांक 19 मई 1984 को पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज अहमदाबाय

**दिनांक** : 16-2-1985

प्रस्प बाई. टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नधीन स्चना

### भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॅज-П, अहमदाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 16 फरवरी 1985

निवेश नं ०पी ० आर० नं ० 3339/II---अतः मुझे, जी ० के ० पं**ड**या,

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम्र प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या दुकान नं० 502, बाम्बे मार्केट, (दुकान ग्रीर गोडाउन) आर्ट सिल्क को ब्राा ब सोसायटी उमरखाड़ा सूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपायक अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदायाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 37 ईई के अर्घान, दिनांक 31-5-84

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के इस्यभान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यें अंत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल कर पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियं को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना थाहिए था, छिनाने में सुविधा के सिए;

नतः जब, उक्त अधिनियम, की भारा 260-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री प्यार चन्द बनवारी लाल जी शाह एम ०-29, बोम्बे मार्केट आर्ट सिल्क को ० झा ० (दुकान झौर गोडाउन) सोसायटी, उमरवाडा, सूरत ।
- बाम्बे मार्केष्ट आर्ट सिल्क को ॰ घो ॰ (दुकान घोर गोडाउन) सोसायटी, उमरवाडा, सुरत ।

(अन्तरिती)

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों ।र सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि काद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकिश व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा स्कोंगे।

स्यष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया वसा है।

## अनुसूर्च।

आयकर अधिनियम की धारा अनुसार का फार्म 37 ईई यह कार्यालय में दिनांक 19-5-84 को पेश किया गया है।

> जी ० के ० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-11, अहमदाबाद

दिनांक् 19-2-1985 मोह्र ॥

# प्रकृष् वार्ड ,टी , एन् , एवं , -----

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा 269-च (1) के नचीन सूचना

#### भारत सरकार

# व्यायां नय , सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमवाबाद अहमदाबाद, दिनांक 16 फरवरी 1985

निदेश सं०पी ० आर०नं० 3340/II—अत: मुझे, जी ० के ० पंडया,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्र इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्परित, चिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या दुकान नं ० 1007, बोम्बे मार्केट, को ० ग्रॉ ० (दुकान ग्रौर गोडाउन) सोसायटी, उमरवाडा, सूरत में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 37 ईई के अधीन, दिनांक 19-5-84

का प्राक्त सम्मत्ति के उचित बाबार मूस्य से कम क स्थमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुझे यह विख्यास करने का कारण है कि यथाप्ताँक्त संपत्ति का उचित बाबार मून्य, उसके स्वमान प्रतिफल थे, एवे स्वमान प्रतिफल का पेक्ट प्रतिकत से विभक्त है और मंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (बन्तद्वितिवों) के बीध हो बन्चरण के बिए तब पाया ब्वा प्रति-कस निम्नतिवित उद्देश्य से स्थन अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किती बाव की बावक, स्वतः अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कनी करने वा उससे वचने में सुविधा के सिए; बार/मा
- (च) एवी किसी भाव ना किसी पत्र वा सन्य जास्तिनों की, जिन्हों भारतीय भाव-कर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनियम, या धन-का बृधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती ब्चारा प्रकट नहीं किया नवा या वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सविधा के लिए;

कतः कथः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग की उपधारा (1) अर्थे अधीन निम्नलिखित स्वक्तियों अर्थात् एक्क  बाम्बे गार्कोट आटं सिल्क को ० ग्रा ० (दुकान ग्रोर गोडाउन) सोसायटी, उमरवाडा, सूरत ।

(अन्तरकः)

2. मैं ० आई ० मा ० गांधी सिल्क मिल्म, गांधी कालोनी, अश्विन कुमार मार्ग, सूरत। (अन्तरिती)

को बहु सूचना धारी करके पूर्वों कर सम्परित को वर्जन के जिल् कार्यवाहियां करता हूं।

## यक्त कम्हित् के वर्षय के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्ऽ---

- (क) इत सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीचा ने 45 विन की जनमिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वरिष, जो भी जनभिवाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी अपनित व्यक्तिया;
- (क) इस सुबना के राजपत्र में प्रकाशन की वारी के 45 दिन के भांतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी सन्य स्थावत स्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास निवास में किए या सकींगे।

स्युक्तीकरणः -- इतमें प्रयुक्त यन्यों जार पश्चें का, वा उपल क्रिथिनियम, के जभ्याय 20-क में प्रिशादित हाँ, वहीं नर्थ होंगा जो उस कभ्याय के दिवा गया है।

## अनुसूची

आयकर अधिनियम की धारा अनुसार का फार्म 37 ईई, यह कार्यालय में दिनोक 19-5-84 को पेश किया गया है।

> जी०के०पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अ**हमदाबाद**

दिनांक: 16-2-1985

मोहर 🖫

प्ररूपः बाह्यः ही .एन .एस . ------

बावकर श्थितियन, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के सभी सूचना

## बाइयं सुरुक्त

कार्यांसय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 16 फण्बरी, 1985 निदेश सं०पी० आर०नं० 3341/II--अत: मुझे, जी० के०

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारल हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृस्य, 100,000/- रु. से अधिक हैं

मौर जिसकी संख्या 203, बाम्बे मार्केंट आर्ट सिल्क को ॰ मा ॰ (दुकानष्मौर गोडाउन) सोसायटी, उमरवाडा, सूरत में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, अधीन दिनांक 19-5-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित आजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तर प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिय नय पाया नया प्रतिफल निकातिचित उद्देश्य से उच्त अन्तरण मिचित में अस्तिक कप से कीशत नहीं किया गया है:--

- (क) जनारण वे हुइ किसी जाव की शावत, उक्त अभिनियस के अभीन कर दोने के जनारण को कवित्य में कनी करने या उक्तमें वचने में सुविधा स्त्री किहा; और क्रिंट का
- (क) ऐसी किसी जाय वा किसी धन या जन्म जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर जीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीधनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया एक। या किया अपना आहिए था, स्थिति में

 बोम्बे मार्केट आर्ट सिल्क को० झा० (दुकान और गोडाउन) सोसायटी, उमरवाडा, सूरत ।

(अन्तरक)

 बोम्बे मार्केष्ट आर्ट सिल्क को ०था ० (दुकान भीर गोडाउन) स्रोसायटी, उमरवाडा, सूरत ।

(अन्तरिती)

को वह सूचना चारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हुं।

उक्त सम्पौरत के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्र 🤃

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति युवारा
- (व) इब् ब्यन के राजपन में प्रकारन की तारीय वे 45 दिन के भीतर चक्त स्थान्य सम्मत्ति में हितनव्य किसी बन्य स्थानत ब्यारा अभोहस्ताक्षरी में पास सिवित में किए या सकीने ।

स्वृद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सक्यों और पर्ध का, जो उपर श्रीभनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., सही वर्ष होगा को उस ब्रध्याय में दिवा गया है।

# अनुसुची

आयकर अधिनियम की धारा का अनुसार फार्म नं ० 37 ईई यह कार्यालय में विनांक 19-5-84 को पेश किया गया है।

> जी ० के ० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

नेतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :---

विनांक: 16-2-1985

मोहर 🛭

# प्र**कम नाह**े<u>ं</u>टी, एन<u>.</u> एस<sub>ः वन्तर</sub> वन्तर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

## भारत बुरकार

# कार्यामय, सहायक नायकर नायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 16-2-85 निदेश नं०पी० आर०नं० 3342/II—अत: मृझे, जी०के० पंड्या

कायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया हु"), की भारा 269- ध के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या दुकान नं ० 1203, बोम्बे मार्केट आर्ट सिल्क को ० थ्रो ० है तथा जो (दुकान जौर गोडाउन),सोसायटी, उमरवाडा सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमवाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 37 ईई का 16 के भ्रधीन दिनांक 19-5-84

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कम निम्निलिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा से लिए।

श्रत: श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात्:—

 वाम्बे मार्केट आर्ट सिल्क को ० घो ० (पुकान घौर गोडाउन) सोसायटी, उमरवाडा, सुरत।

(अन्तरक)

श्री कमल कुमार जलान,
 192, शेख मेमम शेटी, दूसरा मंजला,
 श्रवेरी बाजार, बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति की अर्जन के सिह् कार्यवाहियां करता हुं।

**उन्त** सम्मत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप ::---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति यों भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मक्कीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### बन्स्ची

आयकर अधिनियम की धारा के अनुसार फार्म नं ० 37 ईई इस कार्यालय में दिनाक 19-5-84 को पेश किया गया है।

> जी ० के ० पंडया सक्षम अविकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-11, अहमदाबाद

तारीख: 16-2-85

मोहर 🗈

#### भारत सरकार

कार्यात्तय, सहायक भायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 16-2-85

निदेश नं ०पी ० आर०नं ० 3343/II—अत: मुझे, जी ० के ० पं**ड**या

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

25,000/- रह. से आधक हैं
श्रीर जिसकी संख्या दुकान नं ० 408, बोम्बे मार्कोट आर्ट सिल्क को ० श्री ० है तथा जो (दुकान श्रीर गोंडाउन), सोसायटी, उमरवाडा सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्च। में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 37 ईई के अधीन, दिनांक 19-5-84 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान श्रीतफल से एसे दश्यमान श्रीतफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के वीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रीतफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण तिचित से बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी बाब की बाब्स, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के बादित्व में कभी करने वा उद्यो दचने में बृदिधा के लिए; और/या
- (बा) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपानै में खुल्बभा के लिए;

अतः वयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधिन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात :— 1. बोम्बे मार्केट, आर्ट सिल्क को ० म्रो ० (दुकान म्रॅंर गोडाउन) सोसायटी, प्रभरवाडा, सूरत ।

(अन्तरक)

2. श्री हर्ष कुमार सालुभाईजरीवाला, लिधुप्योटी, महिधर पुरा, सुरत ।

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्षन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप उ---

- (क) इस सूचना के एकपत्र में प्रकाशन की तारी करें दें किन की अविभिन्न तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविभिन्न को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनाए;
- (क) इस स्वाम के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबहुध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शत लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पष्किरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त र् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### BERT ST

आयकर अधिनियम की धारा के अनुसार का फार्म 37 ईई इस कार्यालय में दिनांक 19-5-84 को पेण किया गया है ?

> जी ० के ० पंडया सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 16-2-85

मोहर 🖰

प्ररूप आहें दी, एन एस ,-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 18 फरवरी 1985

निदेश नं ०पी ० आर ० नं ० 3344/11—अतः मुझो, जी ० के ० पंडया,

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 4.3) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रोर जिसकी संख्या प्लैंट, संग्राम कालोनी, बड़ौदा है तथा जो बड़ौदा में स्थित है (श्रोर इसके उपाबद्ध अनुसूर्च: मेंप्योर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 23-7-84

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से. एमे दश्यमान प्रतिफल का प्रदूह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तिस में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) जुन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत उक्त बाधि-नियम के बधीन कर दीने के जन्तरक के दायित्व को कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वौ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया न्या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निष्

वतः वयः, उपत विधिनियमः, कौ वारा 269-व सं वन्सर्यः में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीनः, निम्नलिखित् व्यक्तियों, वर्धातः :-- मे ० नीलम अपार्टमेंट,
 88, संपत्तराय कालोनी, अलकापुरी,
 बड़ौदा।

(अन्तरक)

 मास्टर अमीत नरेन्द्र पटेल, मार्फत जयासरन एन ० पटेल, अलकापुरी, बड़ौसा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप र---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख सै 45 दिन की अविध या क्षत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सस्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्तीकरण: -- इसमी प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मी परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसूची

पत्र मा बड़ा साम स्थित है जिसका मूल्य 67500/- रूपये हैं सब रिजिस्ट्रार बड़ीदा में दिनांक 23-7-84 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

जी ० के ० पंडया सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2 अ**हमदाबाद** 

**चिनांक: 18-2-1985** 

मोहर 🧐

प्ररूप बार्ड , टी., एन., एस..-----

नायकर निधिनियस, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-थ (1) के स्थीन स्थान

#### मारत सरकार

कार्यांतय, सहायक आयकर आयक्त (निऱ्रीक्षण) अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 18 फरवरी 85

निदेश सं० पी० आर० नं० 3345/II—अतः मुझे जी० के० पंड्या,

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थानर संपरित, जिसका उचित् बाबार मृस्य 100,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं अस्याजी पुरा, बडौबा, है तथा जो सायामपुरा बडौबा, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वणित हैमे, रजिस्ट्रीकर्ता अधारी के कार्यालय, बडौदा के रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 13 जुलाई 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त समपित का उचित बाजार मूल्य, असके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह हितासत से अधिक है और जन्तरक (जन्तरकों) और जंतरिती (जन्तरितों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षण निम्निनिचित उद्वेषम से उक्त जन्तरण मिविव के वास्त्रिक्स कप से कि शिरा नहीं किया गया है।—

- (क) वन्तप्रम् ते दूरी किसी अपन की वान्त्, उन्तर विचित्तिन्त् के भूषीन कर दोने के बन्तुरक को वायिरक में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; शीर/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों काँ, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वी प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा था वा किया जाना वाहिए था, कियाने वें स्विभा के लिए;

जतः विव स्वतः जिथितियम की भारा 269-ण की जन्तरण में, भैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) भी अभीन विक्नि[लिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्र--- (1) मधुसदन श्रोच्छवलाल शाह 34 बुधेश्रेश्वर सोसायटी, आजवा रोड , बडौदा,

(अन्तरक)

(2मे श्री चन्दुलाल शाकरालाल सरदार संकरी उद्योगनगर को अप्रो० टी ० सोसायटी संयाजीगंज, वधौडा,

(अन्तरिती)

का वह बुक्ता बारी करके प्वॉक्स सम्मरित के वर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की नविभ मा तत्सम्बन्धी म्यक्तिकों पूर सूचना की तामीन से 30 दिन की मृथि, जो भी मंदिर पूर्वों कर म्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्यक्थ किसी जन्म व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्वक्रीकरणः — इत्रमें प्रवृक्ष धन्दों और वदों का, को उत्रह अधिनियम्, के अभ्याम् 20-क में परिभाषित् हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया प्रवाह हैं.!!

## मनुसूची

मकान जो सयाजीगंज बड़ौदा में स्थित हैं जिसकी किमत 82500 रुपये हैं, सब रजिस्ट्रार बड़ौदा में 3249 नंबर पर दिनांक 13 जुलाई 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त .(निरीक्षण) अर्जन रेंज 2 अहमदाबाद

विनांक: 18-2-1985

मोह्रर 🖫

# प्रकल नाहाँ , की⊴ एस , ६२००५

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर भागुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 18 फरवरी 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3346/II—अतः, मुझे, जी० के० पंडया,

कायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सयामी गंज, बड़ौदा है, तथा जो बड़ौदा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बडौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन श्रीतांक 10-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिश्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्दोश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किथ्त नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एनी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उस्त अधिनियम की धारा 269-म्घ के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म्म की उपधारा (1) के अधील, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  गं० स्व० मुरजीत सिंह श्रवणिसग श्रीगर, 80, संपलराव कालोनी, अलकापुरी, बडौदा ।

(अन्तरक)

 श्रीमति मंजुलाबेन, चन्दुभाई मथुराभाई पटेल, संपाणत राव कालोनी, बड़ौदा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

# जन्त्जा

मकान जो सयामीगंज, बड़ौदा, में स्थित है जिसका मूल्य 2,51,000/- रुपये हैं। सब रिजस्ट्री, बड़ौदा में 2447 नंबर पर दिनांक 10-7-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

जी० कें० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक 18-2-1985 **मोहर** ⊑

# प्रक्य बाह<sup>\*</sup>. टी. एन. एक.—

# भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) चे बभीन स्थान

#### भारक बहुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सहायक आयकरआयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 26 फरवरी, 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3347/II/-अतः मुझे जी०के० पंडया,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सस्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृज्य ए /-रा. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 405 बाम्बे मारकेट, है, तथा जो (दुकान श्रीर गोदाम), आर्ट सिल्क को०आप० सोसायटी, उमरवाडा, सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबब अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधि नियम, 37ईई० के अधीन दिनांक 19-5-1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उमित बाजार मृल्य से कम के दरयमान अन्तरित प्रतिकल के लिए की 6 मुभ्रे विश्वास करने का कारण कि मधापुर्वोक्त संपत्ति का उचित माजार मृत्य, उसके दश्यमान र्रितफल से, एरेसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिज्ञात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ए`से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित न्हीं किया गया है ।:----

- (क) जन्तरण वे हुई किसी आज की बावत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे अभने से सुविधा के जिए; और/वा
- (व) एसी किसी जाने वा किसी पन वा अन्य जास्तिनों को, जिन्हों भारतीय आय-कर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीविनयम, या धनकर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्ति हैं क्या प्रसंद नहीं किया भया था या किया जाना चाहिए था कियाने यो सुनिया के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, एक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) स्त्रै अधीन विकासनिधित व्यक्तियों, अर्थात :---  बोम्ब, मारकेट, आर्ट सिल्क को० आप० (दुकान ग्रीर गार्डन) सोसायटी, उमरवाडा, सूरत।

(अन्तरक)

 मै० कुमुमसटन जगदीश कुमार जरीवाला, 6/699, गलेमंडी, मोटी गोरी,

(अन्तरिती)

को यह तुमना पारी करके पूर्वों कर संपृत्ति में मर्चन के बिष् कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त संपृत्ति के वृर्वन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की जबिंध या तत्सभ्यन्थी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिंध, जो भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति होता है।
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी मन्य स्थावत द्वारा मधोहस्ताक्षरी को पाइस सिवित में किए का सुकोंगे।

स्वाकिरण: -इतमें प्रयुक्त सन्दों और प्दों का, को अक्ष अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा

#### वश्सुची

आयकर अधिनियम की धारा अनुसार का फार्म, 37ईई, यह कार्यालय में दिनांक 19-5-1984 को पेश किया गया है।

जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक: 26-2-1985

पारा 269-ज (†) के बचीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

ज अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 फरवरी 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3348/II/——अतः मुझे जी०के० पंडवा

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

गौर जिउकी मं० दुकान नं० 102, बोम्बे मारकीट, आर्ट सिष्क को०आप० है तथा जो (दुकान और गोडाउन) सोसायटी, उमरवाडा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकरण अधिकारी चे कार्यालव अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 37ईई के अधीन दिनांक 1985-94 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई भीर मृश्वे यह विश्वास करने का कारण है कि यशाप्तिभत्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत; उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हें शारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए:

- बोम्बे मारकेट आर्ट सिल्क को० आप०,
   (दुकान ग्रीर गोडाउन) सोमायटो उमरवाडा मुरत
   श्रम्तरक)
- उ. मै० कमल किशोर, जुगलिकशोर,
   6/1002, महायरपुरा, टेकरा,
   सूरत-3 ।

(अतरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

## उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छोकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नग्तुवा

आयकर अधिनियम, की धारा के अनुसार का फार्म 37ईई ईस कार्यालय में दिनांग 19-5-1984 की पेज किवा गया है। जिमका कुल क्षेत्र फल 775 चौ० फुट है।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

जत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) ≠ अभीय नियमिलिखित व्यक्तियों अर्थात् ≝—
39—6 GI/85

दिनांक 26-2-85

# प्ररूप आइ .ट. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-II अहमदावाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 फरवरी, 1985

निदेण मं० पी० आर्० नं०  $3349/\Pi/-84-83$ -अतः मुझे जी० के० पंडया.

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रहा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० वार्ड नं० 2 नार्थ नं० 1636, सूरत है, तथा जो सूरत में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप मे विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनिवम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विगांक 30-9-1994

को पूर्वेक्ति संपक्ष के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधेरा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  इी विजवासरन, जे० सलवंतराम की धर्म पत्नी सगरामपुरा, जैड्डा, गेरी, सूरन का कुल मुख्तयार, श्री दिर्युल कुमार सल्लृ भाई, देसाई, पूना

(अन्तरक)

 श्री शांती लाल जमनादास परीख,
 श्री रमेश चन्द शांतिलाल परीख,
 श्री निरंजन शांति लाल परीख,
 संगमपुरा, पुला मोदी का चकला मुरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध् या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्तित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:---इसमे प्रयुक्त सम्बाँ और पवाँ का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्त्वी

मिलकत जो सुरत में स्थित है जिसका वर्ष्ड नं० 2 घौर नार्थ नं० 1636 है। सब रिजस्ट्रार सुरत में 2715 नंबर पर दिनांक 30-7-84 में रिजस्टर्ड किया गया है जिसका मूल्य 214999j रुपये हैं।

र्जा० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी महायक आवकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्नजन रेंज II, अहमदाबाद

दिनांक 26-2-1985

प्ररूप बार्च.टी.एन.एस.------

# आयंकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, म्रहमदाबाद

म्रहमदाबा, दिनांक 26 फरवरी 1985

निदेश सं० पी० ग्रार० न० 3350/2—ग्रतः मुझे, जी० के० पडया

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं बोर्ड नं 6, नार्थ नं 2250 है तथा जो महीधरपुरा हवाड़ा शेरी, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 30-7-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपर्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्तर असके दृश्यमान प्रतिफल के पन्तर (अन्तरकों) और जन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बिक्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण तं हुई किसी बाय की बाबत, अक्त विभिन्नियम के विभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तते बचने में सुविभा के निष्; बार्-/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन अन्य जास्तियों की जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविभा के लिए;

ः बतः अव, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नितिष्ठित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री जयन्ती लाल चीमन लाल पारेख और श्रन्य , केयर श्राफ हरीकृष्ण नरीत्तम दास, हाजी खाना बाजार, सोनी फलीया, भरुच ।

(ग्रतरक)

(2) श्री लल्लूभाई श्रम्बा राम सोनी, श्री नरेन लल्लू भाई सोनी, मणिबाग सोसाइटी, सूरत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सृष्यना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मधिनियम, के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस सध्याय में दिसा नया हैं।

## अनुसूची

मिलिकयत जो सूरत में स्थित है जिसका बोर्ड नंठ० 6, और नार्य नं० 2250 है सब रजिस्ट्रार सूरत 6320 नं० पर दिनांक 30-7-84 में रजिस्टर्ड किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2 स्नहमदाबाद

तारीख: 26-2-1985

# प्रस्प बार्ड टी । एन् एस् ,-----

# नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-भ (1) के मधीन सुचना

#### मारत सरकार

# कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रिंज-2 श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद विनांके 26 फरवरी 1985

निदेश सं० जी० ग्रार० नं० 3351/2—ग्रतः मुझे जी० के० पंडया

नायकए अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन जो जास्को गांव में है तथा जो कालोल: पंचमहल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बांणत है) राजिस्ट्रीकर्ता घ्रधिकारी के कार्यालय कलोल में राजिस्ट्रीकरण घ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-7-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वरेय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तर्थिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आयकी बाबत, उक्त विभिन्दित के अभीन कर देने के अन्तरक के दाबित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आंस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-करं अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुनिभा के सिए;

शतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण गं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) डे ज्योन, निम्निचित्त व्यक्तियों, वर्धात् ः--- (1) श्री मेटल प्लास्टर, मैनेजिंग पार्टनर : श्री प्रफुल माई मनुभाई गांधी, 436, जी० श्राई० डी० सी०, मकरपुरा, बड़ौवा ।

(भ्रन्तरक)

(2) मैं० उपना इलेक्टस प्रा० लि०, मैंनेजिंग डाइरेक्टर: श्री निर न छोटेलाल वोरा, 12, संपत राम कालोनी, ग्रसकापुरी, बड़ौदा

(ग्रन्तरिती)

कायह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकत्ये।

स्पष्टोकरण :---इसमें प्रयुक्त शन्तों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा गया है।

#### नग्स्ची

मिलकियत जो जास्को गांव ता० कालोल, जिला पंच हाल में स्थित है जिसकी कुल कींमत 1,30,221/- रू० है सब रजिस्ट्रार, सूरत में 2043 नं०पर दिनांक 24-7-84 में रजिस्टर्ड की गई है जिसका परिणाम सर्वे नं० 321 और कुल क्षेत्रफल 15490 चौ० बारह

> जी० के० पांडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रें -2, श्रहमदाबाद

तारीख: 26-2-19**85** 

# प्रकप आहे. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

#### भारत चहन्यत

# कार्यांचय, तहायक आयकर मायुक्त (निरीक्तण)

श्चर्जन रेंज-2, ग्रहमदोबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 26 फरवरी 1985

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3352/2—श्रतः मुझे, जी० के० पंडया

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पच्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूस्व 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं गांव बासको, ता कालोल जिला पंचमहाल में है तथा जो बासको पंचमहाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ध्रमुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कालोल में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-7-84

को पूर्वीयत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का अन्द्रह प्रतिकात सेर अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण कि बिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण संहुदं किसी जाय की दावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के सन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्यांजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में तृतिथा खे किए;

सत: क्षत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिसित स्थिकतयों. अर्थात् डि— (1) श्री योगेश ओच्छद लाल गाह, मैनेजिंग डायरेक्टर श्री ओच्छव लाल सी० गास्एण्ड कम्पनी, राज महल रोड, बडौदा

(ग्रन्तरक)

(2) मैनेजिंग डायरेक्टर ग्राफ टेक्निक्स निडल्स, प्राइवेट लिमिटेड, 37, मनीजा सोसाइटी, जूना पादरा मार्ग, बड़ौदा

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के किए कार्यवाहियां करता हूं ।

उनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सक्चे।

स्वव्यक्तिकरण: — इसमें प्रयुक्त कन्यों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में विशा गया है।

मिलकियत जो गांव बासको ता० कालोल, जिलापंचम-हाल में स्थित है जिसका मूल्य 2,90,000/- हपये हैं और कुल क्षेत्रफल 3599 चौ० मीटर्स है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, ग्रहमधाबाद

तारीख: 26-2-1985

प्र**क्य आध**े, टी. एन. एस.-----

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन स्मान

## बारत बरकार

## कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेज-2, ग्रहमदरबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 27 फरवरी 1985

निदेश सं० जी० म्रार० नं० 3353/2—मतः, मुझे, जी० के० पंडया

मायकर मिश्रियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसमें पश्चात उक्त मिश्रियम कहा गया हैं) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका जीवत वाचार मृत्य 25,000/- रा. से मिथक हैं

और जिसकी श्रारं० एस० नं० 283/2 हैं तथा जो नानकवाड़ा, तथा ता० बलसाजों में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बलसाड में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, लारीख 5-7-84

को प्यंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निशिचित उद्देष्य से उच्त अन्तरण लिचित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्सरण तं हुई किसी बाव की पावत, उपल निधानम के नधीन कर दोने के जन्तरक के बाबित्य में कभी करने वा उससे अचने में सुविधा के लिए; नौर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी अन या अस्या अस्या को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय। या किया वाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उन्नत अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री वसन्त भाई कांतिभाई मोदी, वसंत टाकिंज के पास, बलसाड, जिला बलसाड

(ग्रन्तरक)

(2) श्री किरण कुमार ठाकोर लाल देसाई, हनुमान भागड़ा, बलसाड, जिला बलसाड ।

(भ्रन्तरिसी)

को बहु सुचना वारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के विज्ञ कार्यवाहियां करता हुं ।

उनत कम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी बाक्सेप :---

- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की बनिंभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तात्रीस से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृक्षारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सबस जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशः पदा है।

### प्रनुसुची

मिलिकयत जो नानकवाड़ा, जिला बलसाड में स्थित है जिसका सर्व नं 283/2 और 284/2 है और उसका मूल्य 12,5000/- ए० है सब रिजस्ट्रार, बलसाड में 3348 नं पर दिनांक 5-7-84 को रिजस्टर्ड की गई है ।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 ग्रहमदाबाद

तारी**ख** : 27-2-1985

प्ररूप वार्दं.टी.एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1861 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 27 फरवरी 1985

निदेश सं० पी० आर०नं० 3354,2—अतः मुझे, जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समाति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुक्त से अधिक है

मीर जिसकी सं० 466/1, 466,2 श्रीर 467, अज्ञामा है तथा जो ता० बलसाड में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, बलसाड में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-7-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है बौर अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उच्चस्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभग निम्मतिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री परागजी हरिभाई देसाई, कोसम्बा भागदा, जिला बलसाड ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुमन्त राय भानु भाई देसाई, आवारामा, ता० बलसाड ।

(बन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्ययाहियां सुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्किकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

## **अन्**स्ची

मिलकत जो म्रजरामा ता० बलसाड जिला बलसाड में स्थित है जिसकी संब्रै466/1,466/2,467 है सब रजिस्ट्रार बलसाड में 9391 नम्बर पर दिनांक 13-7-84 को रजिस्टर्ड की गई हैं।

> जी०के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज<sub>ट</sub>ा,अहमदाबाद

तारीख : 27-2-1985

प्ररूप नाइ. टी. एन. एस.------

कायकर क्रीभनियम, 1961 (19**61 का 43) की** धारा 269-व (1) के अभीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालयः सहायक बायकर आयुक्त (निरक्षिण) अजन रेज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 27 फरवरी 1985

निदेश सं० जी० आर० न० 3355,2—अतः, मुझे, जी० के० पंडया

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है). की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० आर० एस० न० 40 कबील किर है तथा जो ता० नवसारी, जिला बलसाड में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-7-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के शरमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके शरमान प्रतिफास से, एसे श्रथमान प्रतिफास का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है औए अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के सिए तय पाया गया प्रति-क्ष्म, जिन्नसिवित उद्देश्य में उक्त जन्तरण किवित में बाक्स-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइं किसी बाग की वावत, तक्त विधिनयम के वभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में केमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: बौद्ध/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का ११) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया नया या किय। जाना चारती र जिल्ला के स्विचा से सिक्

(1) श्री मोहन भाई छोट्भाई, श्रीमती भूलोगटन मोहन लाल, फुल मुक्तयार: श्री मगत भाई ललुनभाई पटेल।

(अन्तरक)

(2) श्री हेमडुत कुमार ठाकोरलाल देसाई, अमीन नगर को-आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी का प्रमुख : कबीलपोर, नथसारी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्क सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

# उपत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वास्रेष 🖫

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकर व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा
- (क) इस स्वता के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर सकत स्थावर सम्पत्ति में हित्ववृष् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाई विकित में किए जा सकींगे।

स्पक्तीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

## अनुसूची

मिलकियत जो कबीलपोर, ता० नवसारी, जिला बलसाड में स्थित है जिसका सर्वे न० 40 जो बिना खेती विषयक है। सब रजिस्ट्रार, नवसारी में 1919 नं०पर दिनांक 30-7-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उसत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिचित व्यक्तियों, अर्थातः :—

तारीखा: 27-2-1985

मोहर ः

# प्रकृष् बार्ष ्टी ्ष्य . एव . .....

नायकर निर्मित्यमं, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के न्धीन सुचना

## भारत बहुकाट

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 फरवरी 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3356,2—अतः मुझे, जी० के० पंडया

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

न्नौर जिसकी सं० साउथ की न्नोर पोडीयक; फर्स्ट फ्लोर है सथा जो मार्केट, उमरवाडा, सूरत में स्थित हैं (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में न्नौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण धिनियम, 37ईई के अधीन, तारीख

को बुर्वो को सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान वितिक के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करनों का कारण है कि यथापूर्वों क्ता सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिकृत की, एंसे स्वयमान प्रतिकृत की पन्तर प्रतिकृत की पन्तर प्रतिकृत की पन्तर प्रतिकृत की अनित्र है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिकृत, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि खित में बास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उच्छ अधि-नियम के अधीन कर बेने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (म) एसी जिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, फिणाने भें सुविधा के लिए;

नतः नव, उक्त अभिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन नियनितिसित व्यक्तियों, अर्थात्।:---40---6GI/85

(1) बम्बई मार्केट आर्ट सिफक को-आपरेटिय (दक्कन श्रौर गोडाउन), सोसाइटी उमरवाड़ा, सूरत।

(अन्तरक)

(2) मैं ॰ स्पेसिलिस्ट बेल्ज लि॰, रामपुरा, सुरत ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त सम्भारित की कर्जन की सम्बन्ध में कोई भी बाक्सेपः 🗝

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन को तारी अर्थ 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस मुक्ता के शंजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के यान लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वध्वीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, तहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। त्रवा है।

## वन्त्वी

आयकर अधिनियम की धारा के अनुसरण का फार्म पर कार्यालय दिनांक 3-5-84 को पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

**सारीख** : 27-2-1985

मोहर ः

# प्रचन् बाह्रे टी. एन. एस. ------

भायकर सीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सूचना

#### शाहर तरकार

कार्यात्तय, सहायक बायकर बाव्यक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, अहमवाबाद

प्रहमदाबाद, दिनांक 27 फरवरी 1985

निवेश सं० पी० श्रार० नं० 3357/2—श्रतः मुझे जी० के० पंडया

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (किसे इसकों इसकों परकात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की नार 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० बम्बई मार्केंट ग्रार्ट सिल्क को-ग्रापरेटिय हैं तथा जो (दुकान नं० और गोवाम) सोसायटी, ग्रमरवाड़ा सूरत में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वॉणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनय, 37 ईई० के ग्रधीन, तारीख 3-5-84

को पृथिक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पृथिक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) जीर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया/प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी शाम की वाबल, उध्यल अधिनियम के क्षीन कर होने को अन्तरक के बाबित्य में कमी करने या उसमें बचने में मुधिभा के लिए; बौर/या
- (व) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय जाय-कार स्थिनियम, 1927 (1922 का 11) वा उन्त अधिनियम, शा धन-कार अधिनियम, शा धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा भा या किया जाना वाहिए था. कियाने से स्वित्र के लिए;

बतः अष, उत्तर विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) क अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) बाम्बे मार्केट घार्ट सिल्क को-न्न्रापरेटिय (दुकान और गोवाम) सोसाइटी, उमरवाड़ा, सूरता।

(मन्सरक)

(2) मै० मार्ग सीटेक्स, केयर माफ : 12/374, राणी तालाष, मुख्य मार्ग, सुरत ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त तम्परित के अर्थन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

## बन्द संपत्ति के बर्बन के संबंध में कोई भी जाओंच :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सबिध या तत्संबंधी स्विस्तर्यों पर अपना की तामील से 30 दिन की नविध, जो भी नविध गय में तमाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों नक स्वित्यों में से किसी स्विधत स्वारा;
- (हा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार 📈 लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वकाकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्यों और पदों का, यो सनक राधिनियम, के अध्याय 20-क मी परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिस्स गया है।

#### मन्त्र प

श्रायकर अधिनियम की धारा के श्रनुसार फार्म 37 ईई कर कार्यालय में दिनांक 3-5-84 को पेश किया गया।

> जी० के० पंद्यया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज~2, ग्रहमदाबार

तारीख: 27-2-1985

# प्ररूप आहे.टी.एन.एस.-----

# भायकर मिथिनियस, 1961 (१º61 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, तहायक जायकर जायूक्त (निरीक्रण)

भर्जन रेंज-2, ग्रहमवाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 27 फरवरी 1985

निदेश सं० पी० भ्रार०नं० 3358/2—श्रतः मुझे, जी० के० पंडया

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० साउथ साईड मेजानाईन पलोर बम्बई मार्केट ग्रार्ट सिल्क को-ग्रापरेटिव (दुकान और गोदाम) सोसाइटी है तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रानुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 37 ईई० के ग्रधीन मई, 1984

का पूर्वित सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकत् के लिए जन्तरित की गई है जीर मुक्ते यह विश्वास करमें का कारण है कि यथाप्वांक्त संपत्ति का उचित वाबार कृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकास से एसे दश्यमान प्रतिकास का पत्रह प्रतिकात से विधिक है और जन्तरक (अन्तर्कों) और जन्त-रिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे जन्तरण के सिए त्य पाया गया प्रतिकात, निम्नांकिचित उद्देश्य से उद्देश अन्तरक सिनित् में वास्तरिक रूप से कर्मित अहाँ किया गया है है—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जीविभित्रज के अधीन कर्र दोने के जन्तरभ क राजित्य में क्जी करने का उद्यक्त व्यन में मृश्यिक। के जिए; बॉड/या
- (व) ऐसी किसी बाद या किसी धन वा जन्म आस्तियों को, दिन्हों भारतीय आवकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजवार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियानों में सुविधा के सिए;

बतः बब, उक्त विभिन्यम की भारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निणिसित व्यक्तियों, अथाद ए---- (1) बाम्बे मार्केट घार्ट सिल्क को–ग्रापरेटिय (दुकान और गोदाम) सोसाइटी, ग्रमरवाड़ा, सूरत

(प्रन्तरक)

(2) मै० गार्डेन सिल्क मित्रस प्राइवेट लिमिटेड, रामपुरा बुठकी, सूरत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु-।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की जारी है से 45 दिन की अविधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

स्म सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध सी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास ख़ित में किए जा सकर्णे।

स्पष्टीकरशा ं े इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

श्रायकर श्रधिनियम की धारा के श्रनुसार 37 ईई के फार्म पर कार्यालय में दिनांक 3-5-84 की पेश किया गया।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेज-2, ग्रहमुदाबाष

तारीख: 27-2-1985

महिर:

अक्य कार्ड . टी . एव . एस . --------

पायकर पश्चिमिकन, 1961 (1961 का 43) की छारा ३७३०४(१) के प्रजीत सुकता

अञ्चल करकार

कार्यात्तव, सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्भन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 27 फरवरी 1985

निदेश सं० जी० भ्रार० नं० 3359/2—श्रतः मुझे, जी० के० पंडया

बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर संपत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 45,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं ० वड़ीवाड़ी है तथा जो बड़ीदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 37 ईई ० के अधीन, जुलाई, 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूख्य से कम के स्वमुन्
प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और सूफे, यह विवृधाल करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति की निर्माण गाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, ऐसे द्रियमान कि का प्रमुख्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, ऐसे द्रियमान कि का प्रमुख्य, अंतरकों कि विवास की स्वास्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए कि गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विषय से उक्त उन्तरण कि स्वास्तरिक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण संह्यं किसी बाय की बाबत, उकत विधिनयम के बंधीन कर दोने की अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के सिए; बीर/बा
- (क) ऐसी किसी जाय वा किसी वन वा जाव बास्तिवाँ करें, जिन्हों भारतीय जाय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, या वन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया तथा वा या किया वाना वाहिए वा, किया से सविभा के शिक्टः

कतः अक, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती डारी बहुत ध्रम्बालाल पटेल,
 श्री राजम्कुमार ध्रम्बालाल पटेल,
 बड़ोदा

(भवतरक)

(2) श्री किरण कुमार गाह्या भाट्ट शाह श्रीमती भारती बहन किरण कुमार शाह भोर, जिला बड़ौदा ।

(म तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारी व के 45 दिन की जबिथ या तत्सम्बन्धी क्ये कित को जबिथ, जो भी कविथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजंपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कस्य व्यक्ति द्वारा कथा हुन्ताकरों के पास विस्त में किए वा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ' हैं, वहीं अर्थ होगा, ओ उस अध्याय में दिया रूपा है।

#### मन्त्रची

मलिक्यत को उरकन्ठ को-प्रापरेटिय हार्जास्ग सांसाइटी असकापुरी: बड़ौदा स्थित है जिसका प्लाट नं० 2 है और उनका कुल मूल्य 2,75,000/— ४० है सब रिजस्ट्रार बड़ौदा में 4854 नं० पर दिनांक जुलाई, 1984 में रिजस्टडं की गई है।

षीं के पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

तारीख: 27-2-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

नायकर निर्भातमम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नभीन सुचना

#### BILL TOWN

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिका)

ग्रर्जन रेंज−2, श्रहमदाबाद

महमदाबाद, दिनांक 28 फरवरी 1985

निदेश सठ पी० ग्रार० नठ० 3360/2—ग्रपः मुझे, जी० के० पंडया

और जिसकी सठ० कारेली बाग, आम्प्रपाली

भागकर शिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पृश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- स के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

ध्रौर जिसकी मं० कारेबीवण ग्रामपाली को-ग्रापरेटिव सोसाइटी है तथा जो ग्रजवा रोड, बड़ौदा में स्थित है (और इससे उपाबद ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्द्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 ग्रधीन, तारीख 20 जुलाई, 1984

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाचार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे क्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकॉ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्विध्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण सं क्ष्म किसी बाव की बावत उक्त अधि-निवृत के बंधीय कर दोने के अन्तरक के दावित्य वो कभी करने या उन्नसे बचने में सुविधा के लिए; अदि/या -
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य बास्तियों का, जिन्ही भारतीय नायकर वीभीनयन, 1922 (1922 का 11) या उक्त वीभीनयन, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ जन्दरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, ख्याने ने स्विभा के लिए;

बदाः जब, उक्त बिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरर में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (१) के अधीन, निम्मिजिकित व्यक्तियों, मुचांत् :---- (1) श्रीमती कमला बहुन जेठा लाल शाह, पार्वती नगर, श्राजया रोड, बड़ोदा ।

(ध्रन्तरक)

(2) श्री गृलाव राय भाई शकर, श्राम्त्र्याली सोसाइटी, कारेलीवाग, बड़ौदा।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना बारी करके पृशांकत सम्मत्ति के अर्थन के बिर कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्बद्धि के बर्धन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की बनिथ या तत्सम्बन्धी स्थानित में पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भी धर पूनों कर क्षास्तरों में से किमी स्थानित व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्र विद्या किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधाहस्ताक्षरों के पास निवित्त में किए जा सकींगे।

स्पव्हीक स्णः - इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

#### वन्त्वी

मलकियत जो भ्राम्प्र पाली सोसाइटी कारेलीबाग, बड़ौदा में स्थित है सब रजिस्ट्रार, बड़ौदा में 418 नं पर 20-7-84 को रजिस्टर्फ किया गया है

> णी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ध्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

ता**रीख**: 28-2-1985

प्रक्ष बाइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरक्षिक)
अर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

महमदाबाद, दिनांक 28 फरवरी 1985

निदेश सं० पी० भ्रार०तं० 3361/2—श्रतः मुझे, जी० के० पंडया

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25.000/- रु. से अधिक हैं

25.000/- स्त. स आधक हैं
और जिसकी सं० वासणा सैयद, 177 है तथा जो बड़ौदा में
स्थित हैं (और इससे उपाब द धनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 37 ईई० के अधीन, तारीख जुलाई, 1984
को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान
अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके स्थ्यमान अतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पंद्रहें
अतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के सिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नतिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचितों में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गवा है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के बार्डिंग्स में कभी करने या उन्तये क्यमें में बुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, डिपाने में सुविधा के लिए:

मत: जब, उक्त जिभिनियम, की धार 269-च के अनसरण में, में, उक्त जिभिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) को जभीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थार् ः— (1) श्री प्रवीण चन्द्र माणेकलाल भाह, बाजवाड़ा, खतीपाल, बड़ौदा

(प्रस्तरक)

(2) श्री हरीशश्रन्त्र नरसिंह भाई **चौहाम,** राजपूत फलिया, उदयपुर।

(मन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्मक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाओप :---

- (क) इस सूचना के राज्यात्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवयुष किसी अन्य त्र्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक ( है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **अनुसूची**

मिलिकियत जो वासगा सैयदकु में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, बड़ौदा में 5742 नं० पर दिनांक जुलाई, 1984 में रजिस्टई किया गया है

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

तारीख: 28-2-1985

मोहर 🗧

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्णन रेंज-2, प्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 28 फरवरी 1985

निदेश सं० पी० भार०नं० 3362/2—आतः मुझ्के जी० के० पंडया

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिक्पेप्डचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं श्राकोटा बड़ौदा है तथा जो बड़ौदा में स्थित है (और इससे उपाबध धनुसूची में और पूर्घ रूप से विणित हैं), राजस्ट्रीकर्ता श्राधकारी के कार्यालय, बड़ौदा में राजस्ट्रीकरण श्राधनियम, 1908 37 ईई० के श्रधीन, तारीख जुलाई, 1984

क्यो पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, एसे दश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पामा गमा प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नवत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोन की अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों, अधीत् :---

 डा० कानीभाई केशव लाल शाह, गौरंग ग्रपार्टमेंट, बड़ौदा ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ठाकोर भाई गांति लाल शाह, पादरा, पुनीत चौक, बड़ोदा

(मन्तरिती)

का ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वनुसूची

मलिकयत जो भाकोटा, बड़ौदा में स्थित है सब रिजस्ट्रार बड़ौदा में 5528 नं०पर जुलाई, 1984 में रिजस्टर्ड की गई है और जिसकी कीमत 2, 25,000/- रुपए है।

> णी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेंन रेंज-2, महमवाबाद

तारीख : 28-2-1985

मोहरः

# प्र**क्ष्य बाह**्य **को**ल पुरात पुरात वार्य

जायकार जिथितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के सभीन सुचना

#### सार्व सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्नर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 28 फरवरी 1985

निदेश सं० पी० झार, नं० 3363/2→-म्रातः मुझे, जी० के० पंडया

मायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत मिथिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० 863, 863/1, 869, बड़ीदा है तथा जो बड़ीदा में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण क्ष्य से बणित है), रजिंस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3~7~84

को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्षत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण किखित में वास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, व्रिणने में मृतिधा की किए:

मतः अक, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के नधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री हरिभाई फकीरखर पटेल, 32, झानस्य नगर सोसाइटी, जैतलपुर, बड़ीदा।

(प्रन्तरक)

(2) श्री सुरेश भाई चुन्नी भाई पटेल, गोती रोड, बड़ौदा।

(ग्रन्तरिती)

को बहु सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उन्तर शस्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी साक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं दें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितियों में स किसी व्यक्ति त्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र मं प्रकाशन की वारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्यव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मा किए का स्थान।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीधीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, यहां अर्थ हांगा का उस अध्याय में दिया गवा है।

नन्स्यी

मिल्सियत जो गोत्री बड़ौदा में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, बड़ौदा में 2894 नं पर ता॰ 3~7-184 को रजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया मक्षम प्राधिकारी सहायक स्नामकर स्नायक्त (निरीक्षण) स्नर्जन रेंज⊶2, सहमदाबाद

तारीख: 28-2-1985

मोप्टर ह

अ**रूप बाइ<sup>†</sup>.टी.एन.एस**. ------

जायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-थ (1) के जधीन मुखना

#### शारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेज-2, महमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिसांक 28 फरवरी 1985

निवेश सं० पी० म्नार० नं० 3364/2--- मृतः मृद्धे, जी० के० पंडाया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भाग 269-स के अधीन सक्षम प्रीधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित आजार मूल्य 25.000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं बोडली, िला बड़ीहा में है तथा जो बड़ीदा में स्थित है (भीर इससे उपायह अनुसूची में और पूर्ण रूप में सिंत है), रिक्टियो की भिरिशारी के कार्यालय, बोडरी बड़ीदा में स्थित है (और इससे उपायह अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिक्टियोजनी अधिवारी के कार्यालय, बड़ोदा में रिज-स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 वर्ग 16) के अधीन, तारीख 27-7-84

को पूर्वोच्न संपत्ति के स्तित राजार प्राप्य सं कम के द्रयमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोच्च संपत्ति का उचित बाजार मूला, उसके इद्यापान प्रतिफल सं एसे इद्यापान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिश्वत में अधिक है और उत्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरित (अन्तरिवधों) के तीम एसे सन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिपत्ति, निव्नितिष्ठ उद्योग्य से जरून कन कन्तरण विश्वत की लिए तय

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर पोनेके अन्तरक के वाबित्व में क्यी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; नौर/श्रः
- (का) एोसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को जिस्हें भारतीय कायकर अधिनियमं, 1922 (1) 20 कि (1) या एएए अधिनियमं, या धन-कर अधिनियमं, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिणाने में सुनिभग के लिए:

अनः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म की अन्मकण मों, मैं, उक्त अधिनियभ की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधान, निम्नितिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--41—6GI/85 (1) श्री महेन्द्र कुमार मं ... ताल पारीख मार्फत पाटक एण्ड कम्पनी, बोडली, जिला बड़ौदा ।

(भ्रन्तरक)

(2) वी बड़ीबा सेन्ट्रल की-श्रापरेटिय हैंक लिमिटेड, समाजीगंज, स्टेशन रोड, पोस्ट बाक्ल नं० 60, बड़ीबा।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वाँक्त संपत्तिः खे अर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पंत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की शमील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उत्तत स्थावर सम्पत्ति में हितमप्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सक्ती।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जन्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मिलक्यित जो बोडली, ता० षड़ौदा में स्थित है। सम्र रजिस्ट्रार, बड़ौदा 597 नं० पर दिनांव: 26-7-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षसें) श्रजंन रेंज-2, श्रहमदाबाद

तारीख : 28-2<sub>7</sub>1985

# प्रकृष्ट वार्ड . श्री . एव . एव . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

## पारत सरकार

# कार्यक्ष, सद्वापक जायकर आयुक्त (निरोक्तण)

प्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

श्रह्मदाबाद, दिनोक 28 फरवरी 1985 निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3365/2--श्रतः मुझे, जी० के० पंड्या

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पनवातः 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उनित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

सौर जिसकी सं० धाकोधा है तथा जो धाकोटा, जिला बड़ौधा में स्थित है (और इससे उपाबड़ धनुसूची में और पूर्ण रूप से धणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिवारी के वार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण ध्रधिनियम, 1908 (1808 का 16) के ध्रधीन, तारीख 4 जुलाई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में भासायिक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विभिन्नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने के उक्ष बणने में सृविधा के लिए; और/मा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों का, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनियम, शा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने यें स्विभा के लिए:

क्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (क्रेक के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रीमती प्रतिमा बहन क्रजेश कुमार देसाई, 6, राज नगर सोसाइटी, जूना पादरा रोड, ग्राकोटा, बड़ीदा।

(धन्दरक)

(2) श्री बालदृष्ण एस० साह, श्रहणोवय सोसाइटी, श्रलकापुरी, बडौदा।

(धन्तरिती)

को यह सुचता बारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के निष् कार्यवादियां कैरता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कुर्पन के संबंध में कोई भी नाक्षेप रू---

- (क) इत स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारिश्व से 45 दिन की अविधि या तत्से वेधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा; "
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पार्ष निविध में किये वा सकेंगे।

स्वष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ्यो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गथा है।

## अनुस्ची

मिलिक्यत जो भ्राकोटा, बड़ौदा में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, बड़ौदा में 3647 नं० पर दिनांक 4-7-84 में रजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंड्या सक्षम प्रयधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज-2, श्रहमदाबाष

तारीख: 28~2-1985

प्रकृत बाइ<sup>र</sup>् टी. धृतु एस. .....

बायकार जीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

## भारत सरकात

# कार्याज्य, सहायक भायकार नायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 2 फरवरी 1985 निर्देश सं० पी० आर० नं० 3600/23-I, 64-85 श्रार० नं० 3600---धतः मुझे, जी० के० पं**ड**य

बावकर मिश्रीनयम, 1961 (1961 का 43) (चिन्ने इसमें धुतके पृक्षणात् 'तुनत मिश्रीनयम' कहा नया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का शारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैट ब्लाझ नं० 12 सेकन्ड फ्लोर हैं तथा जो विरजू को-म्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी, श्राजाद सोसाइटी नजवीक, श्रह्मदबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रह्मदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 26-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (तरं) अन्तरम से शुर्क कियी बाध की बाबध, अन्तर अधिनियम के क्यीन कर दोने के तन्शरक के राधित्व में कभी अरने या उसरों बनाने में सृत्याम वे सिक्श जीकं/मा
- (च) एसी किसी आय का जिसी भन वा अन्य आस्तिकों को जिन्हों भारतीय जाय-कर अभिनियज, 1922 (1922 का 11) वा प्रका अभिनियज, या ध्रमकर अधिनियज, या ध्रमकर अधिनियज, 1957 (1957 का 27) के ब्रज्जें जार्थ अन्याध्रियों क्ष्यांचा प्रकार वहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, क्रियाने में व्यक्तियां के दिन्हा

जित्र जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-म को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास् (1) श्री मुकेश स्थाम लाल भाटिया, श्री जवाहर स्थाम लाल भाटिया, 9-बी, गोल्ड फोरन श्रपार्टमेंट्स, विजया रेस्टोरेन्ट के नजदीक, नवरंग पुरा, श्रहमदाबाद-9।

(भन्तरक)

(2) श्रीमती उपाबेन नटवर लाल ठक्यर, ब्लाक नं० 12, सेकण्ड फ्लोर, विरजू को-श्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी, (बीरजू श्रपार्टमेंट्स), श्राजाद सोसाइटी नजदी ; श्रम्यावाड़ी, श्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पृत्रांचित संपरित के अर्थन के लिए कार्यनाहियां कारता हुन्।

उन्ह क्रमरिश के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वासीह:--

- (क) इक त्वना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीय थे 45 विक् की सर्वाध वा तत्वन्तन्त्री व्यक्तियाँ प्र भूचना की तामील से 30 दिन की नवधि,, वो भी व्यक्तियाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तिया में से किसी स्वस्ति ब्वाराह
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितवह्थं किसी अन्य स्थावत द्वारा अभोहस्ताकड़ी चै पाझ निकास में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकर्ण ः—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मन्स्ची

पलीट नं ब्लास नं 12, सेकन्ड फ्लोर, विरजू को-भ्रापरेटिव हाउनिंग सोशाइटी (बीरजू भ्रपार्टमेंट्स), क्षेत्रफल -65 वर्ग थार्ड भ्राजाद सोशाइटी नजदीक, भ्रम्बाबाडी, म्रहमदबाद-15।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाब

तारीय: 2-2-1985

मोहर 😘

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस.,-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सहकार

कार्यात्तय, सहायत्त्र आयलार बायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांवः 1 फरवरी 1985 निदेश सं० पी० श्रार०नं० 3601—श्रतः मुझे, जी० के० पंडया

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- कप्ये से अधिक है

और जिपकी सं े गानान मिलिशियत देवको नन्दन मोनाइटीमें है तथा जो नवरंगपुरा ग्रहमदाबाद में - स्थित है (और इससे उपाबक प्रनुसूची में और पूर्व रूप से वर्णित है), एजिस्ट्रीएर्ना प्रविकारी के पार्यालग, ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण प्रविकास, 1908 (1908 का 16) के प्रवीन तारीख 18-7-1984

को पूर्वोक्त सम्भिति के उचित बाजार मूल्य से क म के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में क कमी करने या उससे अचने में स्विधा के नियम बार/या
- (वा) एरेसी किसी बाय या किसी भन या अस्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्ते अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था., छिपाने में गविभा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में में, उक्त अधिनियम कि धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) ध्रमनाली गोबरजी डाभी, वानिकी टाकीज के नजदीक, शोला रोष, घ्रहमदाबाद ।

(भ्रन्सरक)

(2) श्री भोगी लाल कंशव लाल शाह,
और श्री जयग कुमार भोगीलाल शाह,
बंगला नं० 1/बी,
देवकी नन्दन सोसाइटी,
नवरंगपुरा,
श्रहमदाबाद--9।

(भ्रन्तरिती)

का यह स्चना जारी करके पृत्रांनत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रृक करता हुने।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की नारीब सं №5 दिन की खबाँध या तत्सम्बन्धी स्यक्तियाँ एर स्थान की तामील से 30 दिन की जबधि, आ भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियाँ में से क्लिंग कित द्वारा;
- (क) इस सुबना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर जयत स्थावर सम्बद्धि में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् लिखित से किए का महीती:

स्थक्कीकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्वों और पूर्वों का, जो सक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## बन्स्ची

बंगला नं∘ 1/बी, देवकी नन्दन सोसाइटी, नवरंगपुरा, ग्रहसदाबाद जमीन नं∘ 315 वर्ग यार्ड मकान रजिस्ट्रेशन नं॰ 10269/18⊸7—84 ।

> जी० के० पहरा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर प्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, महमदाबाद

तारीखा : 1--2--1985

जो**हर**ः

प्ररूप आह्र.टी.एन.एस.-----

## भायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज् (1) के जभीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यालयं, सहायक जावकर जायुक्त (निरक्षिण)

भ्रजन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 1 फरवरी 1985

निदेश सं० गी० श्रार० सं० 3602----ग्रतः मुझा, जी० के० पं**ड**या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं ० मकान मिलिकियत अहमदाबाद में उस्मानपुरा टी० पी० एस० नं० 3 एप० पी० नं० 37, मिडल बलास की-आपरेटिव हार्जीना सोलाइटी लिमिटेड, फ्लोर नं० 225 जमीन 400 वर्ग यार्ड मय मकान में स्थित हैं (और इससे, उपाबड अनुसूची में और पूर्ण हप में वर्णित हैं), रिजस्द्रीवर्ण अधिनायम, 1908 (1908 ा 16) के अधीन, तारीख 10-7-84

- को पूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गर्ध है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उप्रदेश से उक्त अन्तरण जिस्ति में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :---
  - (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बज़ाने में सुविधा के सिए; और/बा
  - (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य कास्तियों कां, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 17) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती इयारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में के किए;

भतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनिय की भारा 269-श की अपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखिक व्यक्तियों, अर्थात् ह—

(1) श्री रजनी कांत रानालाल शाह, श्रीमती हंशाबन रजनीकांत शाह और श्रन्थ, 22-टी, मिडल क्लाम को-श्रापरेटिव हाउर्सिंग सोसाइटी उस्मान पुरा, श्रहमदाबाद-13।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भ्रम्तलाल दलीचन्द, श्रीमती विजया देवी भ्रम्तलाल, वी० नं० 22-टी, मिडल क्लास की-भ्रापरेटिव हार्जासन सोसाइटी, उस्मानपुरा, भ्रहमदाबाद-13।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के कर्जन के शिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्ति के अर्जन संबंध में कोई भी बाक्षेप १---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि शांध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुनारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् जिसित में किए का सकर्य।

स्वच्छीकरणः — इसमें प्रगुक्त शब्दों और पवों का, जो जनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बहु अर्थ होगा, जो जस अध्याय में दिया नया ही।

### मन्स्यी

मकान मिलक्षियत घमीडल क्लास को-ग्रापरेटिय साउसिंग सोसाइटी में, बी नं∘ 22 टी, उस्मानपुरा, श्रहमधाबाद अमीन नं∘ 400 वर्ग यार्ड भय मकान रिजस्ट्रेशन नं∘ 10558तारीख 10-7-84।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज−2, ग्रहमयाबाद

तारीख: 1-2-1985

## प्ररूप बाहै, टीं, एन्, एस, ----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-इ (1) के मुभीन सूचना

#### नारत राज्यार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
धर्जन रेंज-2, ध्रहमदाबाद
ध्रहमदाबाद, दिनांक 7 फरवरी 1985
निदेश सं० पी० ध्रार०नं० 3603--ध्रतः मुझे,
जी० के० पंड्या

वायकर विधिनियुम्, 1961 (1961 का 43) (ज़िस इसमें इसके परवात् 'उक्त मुधिनियन' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00000/-रु. से अधिक हैं

ओर जिनको सं० भाष नं० एक 17 माधुपुरा भाष एक है नवा जो वेवरहार्जनग कारपोरेयन, णाहीबाग, भ्रहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुभूनी में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के शायिलय, भ्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के भ्रधीन, तारीख 30-7-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के क्षयमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संगत्ति का उचित बाजार मून्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योध्यों से उच्त अन्तरण निविक्त के बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) अभ्यारण से शुर्व किसी आप की बान्तु, बक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्त्यक के बायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों स्विधा के लिए; श्रीह्न/वा
- (क) एसी किसी बाव वा किसी धन वा अन्य आस्तियों का जिल्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नृष्टी किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिविद्या व्यक्तियों, वर्धात ह— (1) श्री नारायण नाज दलसुख राम जोशी,
 13, उमिया विजय सोसाइटी,
 सेटलाइट रोड,
 जोधपुर, श्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भीखा लाल जमना वास वेंकर, भूपेन्द्र भीखालाल बेंकर एख० यू०एफ०, 4, अरोग्य पार्क सोसाइटी, गाहोबाग, ग्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सजाप्त इति हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवार;
- (ख) इस सूचना को राजपक में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी को पाइ लिखित में किए जा सकींगे।

स्पक्कीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त निभीनयम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विवा गवा हैं।

## वर्ष्ट्रा

माप नं० एफ० नं० 17, माधुपुरा, मार्केट माप एण्ड ध्यरहाउसिंग जो सोसाइटी, गाँहीबॉन, श्रहमदाबाद रजिस्ट्रेमन नं० 11467/30--7-84।

> जी० के० पंडया सक्षम प्रोधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

तारीख : 7-2-1985

मोहर 🛭

## प्रकप बाहाँ.टी.एन.एस. -----

## माधकर वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मुधीन सुमना

### शारत सहकात

कार्यासय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अजन जिंज--2, श्रहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक ६ फरवरी 1985

निदेश सं०पी०आर० ३७० ४----फ्राः मुझे, जी०के० पंडः, "

बायकर विधितियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षात् 'उक्त अधितियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वाल करने वल कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

भौर जिसकी सं० एफ० पी० नं० 927 जमीतः ग्रहमधाद्याद्य में हैतथा जो क्षेत्रफल 346 वर्ग मीटए में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण कर से धणित हैं), धिर्द्रतां अधिकारी के कार्यालय, ग्रहमधाद में घणित सारीक 10.00 (1908 कार्यालय, श्रहमधाद में घणित सारीक 10.00 प्रा

1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख 18-7-84
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान
प्रतिफल के लिए जंतरित की गर्ड है और मुक्ते यह विश्वास क
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्ते
उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह्
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती
(अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण किखित में
बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम से अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे समने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या कत्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ संतरिती द्वारा प्रकट नहीं , किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

बत्त अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरम में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीग, निम्नतिमित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती रभावेन रनछाड़लाल और ग्रन्य, बाला हनूमान, खाडीया, ग्रहमदाबाद । के०/ग्राफ बी० ए० पावागढ़ी, सी० ए० काशीधरकी पोल, बाला हनुमान खाडिया, ग्रहमदाबाद ।

(मन्तरक)

(2) श्री नारन भाई दयाल भाई, प्रमुख : मेहता अपार्टमेंट ओनंस एसोसिएशन, पलेट नं० 1, रजनीगंधा फलेट, वासना, ग्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

(4) मृ० चिराग कारपोरेशन
सेवण्ड पलोर,
पी० के० हाउस,
टाउन हालाँ नजदीक,
एम० जे० लादेश्वेरी के पीछे,
एलिस श्रिज, श्रहमदाद्याद ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में भ्रष्टोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करक पूर्वीयत सम्पन्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, शभोहस्ताक्षरी को पास सिकित में किए का सकेंगी।

स्पव्यक्तिरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को सध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## बभृत्यी

जमीन ग्रहमदाबाद में टी० पी० एस० क्षत्रफल 3, एफ० पी० नं० 927 एस० पी० नं० 3 पैकी क्षेत्रफल 346. वर्ग मीटर रजिस्ट्रेशन नं० 10939/ 18→7~84।

> जी० के० पं**ड्या** सक्षम प्राधिकारी सहायक **प्रा**यकर आयुक्त (निरीक्षण) . धर्जन रेंज- 2, प्रहमयाबाद

सारीखा : 6→2-1985

.माहर:

## इक्य गार्च. डॉ. एर. एस ------

नापकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) से अभीन स्वना

#### भारत करकार

कार्यासन, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज । अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 फरवरी 1984

निवेश सं० पी० आर० नं० 3605 .--- अतः मुझे जी० के० पंडया,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस्ते इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/~ रहा से अधिक है

प्रौर जिसकी से अहमदाबाद दी पि एस 3, एफ 0 पी 0 नं 0 145 सब प्लाट 5 हैं तथा जो ग्रोफिस सेकन्ड पसोर पर, 326 एण्ड 34 360 वर्ग फीट में स्थित है भौर इससे उपाबब अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से ग्रीणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 11 जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई और मुभ्ने यह विश्वास

करने का कारण है कि मथावृशेंक्स सम्पत्सि का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरमान प्रतिफल से, एसे दूरमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के छिए ध्रम पागा यथा प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उसह अट्रिण लिखिए में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइं किसी जाय की वाबत, उबत वीधीनवस के वधीन कर दोने से जन्तरक के दामित्व में कसी करने वा उत्तत्वे वचने में सुविधा के जिए; कोट्र/मा
- (थ) एंसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्ता अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) गरे अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थीन :--

 अमीता कोर्पोरेशन, भागीदार श्री राजेश शान्तीलाल परीख अमीवेला , हाईकोर्ट के सामने नवरंगपुरा, अहमदाबाद -7

(अन्तरक)

(2) श्रीराधा अन्टरप्राइजेस भागिदार रमेणचंद्र नारायण वास महेशवरी श्रीर अन्य श्री जी नीवास धना स्धारकी पोर्ल, लीप रोड, अहमदाबाद (अन्तरिती)

को यह स्वना वारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के किए कार्यप्राहियां शुरू करता हुई।

उक्त सम्पृत्ति को मर्जन को संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं ते 45 दिन की सप्ति या तत्सम्बन्धी स्विक्तयों पर स्वतः की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी सप्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रबेक्ट स्विक्तयों में से किसी स्विक्त द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- अव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के, पास निकित में किए जा सकींगे।

स्यव्यक्तिरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गक्षा हुँ।

## अन्स्ची

भ्रोफिस सेकन्ड फ्लोर पर भोन्नफल 326-34 360 बर्ग फीट टी० ती० एस० 3 , एफ० पी० 154 सब प्लाप्ट 5 रिजस्ट्रेगन नं० 10617 /11 जुलाई 1984

> जी ० के ० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, अहमसाबाद

दिनांक :-- 13-2-1985 मोहर 🖇

## प्रक्रम बार्ड . टी . एन . एस . -----

श्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अभीन स्थना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रैंज- 1 अहमदाबाद

अहमदाझाद, दिनांक 14 फरवरी 1985 निदेश सं०पी० आर० नं० 3606--- अन: मुझे जी० के० पंडया,

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं मील्कत वार्ड नं । 15 में सर्वे नं । 443 ए हैं तथा जो नालदा सोसायटी राजकोष्ट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से बिणत है) , रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोष्ट में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) अधीन दिनांक 42 जुलाई 1985

को पूर्णेक्स संपरित के उमित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान बितिफक्ष के सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उमित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त विभिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरफ को दावित्व में कभी करने या उत्तसे वचने में सुविधा को निष्ट; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी जन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रवट नहीं किया गया था या किया काला चाहिए था, जिल्याने में सुविधा को लिए:

बतः क्षतः, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) कै अभीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अभित् हन्स 42—6 GI/85

(1) श्री मुलेश रमेश भाई श्रीमती ज्योतिबेन मुलेशभाई श्री नरेश कुमार रमेश भाई श्रीमती अखीदाबेन नरेश कुमार आश्विद 44, नूतनगर कलावड रोड राजकोट

(अन्तरक)

(2) श्रीः प्रभदास नानजीभाई चोकसी रमेश प्रभुदास चोकसी प्लाट नं० 10 आनंदकुया नालदा, सोक्षायटी कुलावड रोड़ , राजकोट ,

(अन्तरिर्ता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित को अजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अजन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप .---

- (कं) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन की सनिध या तत्स्रंंीशी व्यक्तिकों पर स्थान की तामील से 30 दिल की सबिध, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींकण व्यक्तिमों से से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित मों किए जा ककोंने।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा; जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मभूस्ची

मीलकृत बोर्ड नं० 15 पर प्लाट नं० 10 नालंदा सोपायटो राजकोट रजिस्ट्रेशन नं० 2301 /24 जुलाई 1985

> जी० ६० पडमा नक्षम प्राधिकारो सहायक आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज- 1 'अइमदाबाद

विनांक : 14-2-1985

## १ - जन्म । १६ प्रतास । १९६० व्यक्तिक व्यक्ति । १९०० व्यक्ति । १९० व्यक्ति । १९०

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन मुचना

## भारत सरकार

कार्यात्तय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- 1 ,अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 14 मार्च 1985

निवेण मं० पी० आप० नं० 3607 — अतः मुझे ची० ४०पीया,

आयान्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-त्य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्नास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, चिसका उचित बाजार अल्प 1,00,000/~ रहा से अधिक हैं

ग्रीप जिसकी मं० पलैट तक्षशीला में पलैट नं० 422 सेकस्ट फ्लांग , है तथा जो गीरनार सीनेमा के सामने राजकोट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्वा में ग्रीर सूर्ण रूप से वॉणत है ), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1808 का 16 के अधीन) दिनांक 26 जून 1984

को पर्वेक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिक्स के लिए जन्तिरित को नई है जौर मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य हमके वश्यमान प्रतिकाल का पत्दत प्रतिकाल में अधिक ही और अन्तरक (अंसरकों) और अंनिल्ति (जन्तिर्विधों) के बीच ऐसे जन्तरण के लिए तब पावा गया प्रतिकल निम्निलिधित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित

- (क) अन्तरण से इर्इ किसी आय की बाबत, जक्त \अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्रायित्व में कमी करने या अससे बचन में श्विधा ले लिए; बॉर/बा
- (थ) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय जाब-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना कादिए था, कियान भे प्रविधा के लिए;

#त: जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा /१) के अधीन, निम्नलिक्तिस व्यक्तियों, अधीन -- (1) श्रो नरेन्द्र कुमार वृजनाल खंडराना एम० 22, गुजरात हाउसीग बोर्ड राजकोट

(अन्तरक)

(2) श्री छगन भाई नरसीभाई पटेल पलैट न० 422 तक्षणीला को० छो० सोमायटी डा० बील्डिंग सैकन्ड पलीर, गीरनार सीनेमा के सामने, राजकोट

(अन्तरिर्तः)

को शह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की जनभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनभियाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से जिल्ली व्यक्ति द्वारा;
- (स) इत सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अश्रोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीक एग: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, बड़ी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## जगसची

पलैट बोर्ड नं० 16 पर, ही बीव्हिंग पलैट नं० 422 नक्षर्याला को० ग्रो० सोसायटी राजकोट र्यजस्ट्रेशन नं० 4112 26 जून 1984 37 जी जुलाई 1984 में फाइल किया। जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन-रीज 1, अहमदाबाद

दिनांक : 14-2-1985

धोंकर

प्रस्त नाइ. टी. एन. एव. - - ----

भायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाय 269-भ (1) के नभीन स्चना,

## बारत बहुकार

कायनिय, सहायक बायकर आयुक्क (निरीक्षण) अर्जन रेंज , अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 16 फरवरी 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3608 — अतः मुझे जी० के०पंड्या,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परुचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० फ्लैंट नं ० जी ० 5 सामयेश्ववर फ्लैंटस हैं तथा जो टी ० पी ० एस ० — 3 एफ ० पी ० नं ० 723 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है ), रिजिस्ट्रीवर्ता अधिकारी वे कार्यालय अहमदाबाद में रिजिस्ट्रीवरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) का 16 के अधीन दिनाक 18 जुलाई 1984

को पूर्वेक्ति सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पल्दक प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरंत्र वे हुई किवी भाव की वासका, उत्तर अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दामित्य में कमी करने वा उससे अचने में शिविधा के जिल् वर्षाया
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी घर वा बन्य बास्तिकों को, जिन्हों भारतीय शाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाज-नार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था जिपाने में सुविधा के सिए;

नतः नतः उत्त विधिनियम की भारा 269-ग के जनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की नारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ अधीत् :---- (1) श्रीमती भावनाबेन रजनीकान्त चोकरी जी-2 समरथेण्यर फ्लैटस परीमल गार्डन के सामने , आबाड वाडी, अहमदाबाद -15

(अन्तर्कः)

(2) गांयल दास चेतन दास केवल राम फ्लैंट नं० जी० -5 समधेश्वर फ्लैंटस, परीमल गार्डन के सामने आंवबाडी,। अहमदांबाद

(अन्धरिती)

का यह मुचना जारी कारक पूर्वाक्त संपत्ति क अजन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

बनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप 🥫

- (क) इस स्वना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की जबिध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकोंगे।

स्थस्टोकरण — इसमी प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिव गया है।

#### धनसंची

फ्लट नं० जी० 5 , समयेश्वर फ्लैटम परीमल गाउँन के सामने , आंवाबाडी, अहमदाबाद रजिस्ट्रेशन न ० 9772/18 जुलाई 1984

> र्जा ० के ० पडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

दिनांक : 16-2-1985

मा'हर

## प्रकप वार्<sup>2</sup>. टी. एन. एस. -----

# बायकर मिधिनियस, 1961 (1961 का 43) की आब 269-म (1) के बचीन स्वमा

भारत मरकार

## आर्थालय, सहायक भायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 20 फरवरी 1985
निदेश सं०पी० आर० नं० 3609 — अतः मुझे जी०
के०'पंड्या

कायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विदेवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

म्रोर जिसकी सं ० जमीन अहमदाबाद में टी ० पी ० एस ० 4 एफ ० पी । तं ० 49/2 हैं तथा जो सब प्लाट नं ० डी (दिरियापु काजीपुर) क्षेत्रफल 1839 वर्ग यार्ड में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्ची में ग्रीर पूर्ण रुप से वर्णित हैं), रिजर्स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद 37 ईई में रिजर्स्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 वर्ग 16) के अधीन दिनांक 4 जुलाई 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित आजार यून्य, असके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रकृष्ट प्रतिशत से अभिक है और अंतरिक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से किया गया है:—

- (क) बन्तरण सं हुई किसी बाय की बावध अक्छ अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक कें बायित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा अंत्रिष्; और पा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गंवा था या किया जाना चाहिए था, कियाने भें ब्विधा के सिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधान, निम्निलिखत व्यक्तियों, अधित्:—— (1) राजीव चीन्भाई ग्रीर श्रीमती प्रभावेन चीनुभाई ग्रीर सगीर आदीत्य राजव भाई दक्षनालाके नजदीक गाहीवाग, अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) बलदेव भाई गाडाभाई चौधरी श्रीर श्री जगमराज मीसरीमल हुंडीया प्रमोटर प्रयाजिङ जय वर्धमान को ० श्री ० सोसायटी बी नं० १ राजकपूर सोसायटी शाहीबाग, अहमदाबाव

(अन्तरिती)

काँ वह सूचना बादी करके प्वाँक्य सम्मन्ति के वर्षन के लिख कार्यवाहिमां करता हूं।

## स्था बन्दरित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बांबोप:--

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारी था थे 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की कर्जधि, को भी अविध नाथ में समाप्त होती हो, के जीतर पूर्वोक्श स्थानित्यों में से किसी स्थानित द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियभ, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याप में दिया। भवा है।

#### वन्त्र

जमीन अहमदाबाद में टी० पी० एस 8 एफ पी० नं० 49/2 सब प्लाट डी (दरीयापुर काजीपुर) क्षेत्रफल 1839 वर्ग यार्ड 37 ईई दिनांक 4 जुलाई 1985 की फाइल किया।

> जी ० के ० पं**डया** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, **अहमदाबाद**

दिनांक :- 20-3-1985

मोहर 🤃

प्ररूप बाइ टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (१) ऋँ सभीन सुचना

### भारत सरकात

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, अहमदाबाद अहमदाबाद , दिनांक 21 फरवरी 1985

निदेश सं०पी० आर० नं० 3610/23-J/84-85---अत:, मुझो, जी० के० पंडया,

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 👱 1,00,000/- रा. से संधिक हैं

- श्रौर जिसकी सं० जमीन बोयल में ब्लाक नं० 653 हैं। तथा जो क्षेत्रफल 5965 वर्ग मीटर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्च। में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालद, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 24 जुलाई 1984
- को पुत्रीकत् सम्पोत्सं के अधित शाजार मृत्य से कम के अध्यमान् प्रतिफल के निर्वे अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास **करने का कारण है कि यथाप्जीवत सम्पत्ति का उचित** बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्यह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती 🕨 (अन्तरिंतियों) औं बीच एसे बन्तरण के लिए तथ पाया गया वित्रिक्ष, निय्नीनीचत उद्देश्य से उक्त वन्तरण निचित में बीस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है 🖫 —
  - (क) बन्तरण संहुइ किसी अाय की बाबत उक्त मधि-निवम के अधीन कर दोने ने नंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में तुर्विभा के लिए; भोर/बा
  - (क) एेसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया वाजा चाहिए था, सियाने में त्यिभा वी लिए;
- शतः जब, उसत अधितियत्र की भारा 269-ग के जनुसरण बै, मैं, इक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः---

 $\mathcal{T} = \mathcal{F}(\mathbf{e}_{0}, \widetilde{\mathbf{e}}_{0}) = (\mathbf{e}_{0}, \mathbf{e}_{0}) + \mathbf{e}_{0} + (\mathbf{e}_{0}, \mathbf{e}_{0}, \mathbf{$ 

(1) श्री। पटेल प्रहलाद भाई अम्बालाल ग्रीर अन्य कामेश्वर फ्लैटस, आंबाबाडी, अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) श्री नीरंजन लक्ष्मीप्रसाद ठाकर चेयरमेन अन्ततनगर को० श्रो० हा० सोसायटी बी ० नं ० 24 नं ०, सर्वोदय नगर, विभाग-I घाटली डीया अहमदाबाद

(अन्तर्रिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता 🗲 ।

उन्नत सम्पत्ति के अर्थन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों स्चनाकी तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योंकत व्यक्तियों में रो किसी व्यक्ति बुबारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बदुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पथ्टीकरणः-∼-क्रमभे प्रमुक्त जब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है। LILL ALL

#### नन्स्यी

जमीन गांव बोचल में तालुका हसकोर, क्षेत्रफल 5465 वर्ग मीटर ब्लाक नं० 653 पैकी रजिस्ट्रेशन नं० 11257 24 जुलाई 1984 ।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, अहमदाबाद

दिनांक :- 21-2-1985

प्रक्रम काई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जनरेंज, , ग्रहमदाबाद

• ग्रहमदाबाद, दिनांक 22 फरवरी, 1985

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3611/23-1/84-85--श्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

और जिसकी मं० जमीन वेजलपुर में, सीम सर्वे नं० 8/12/1, 842/2, 842/3, क्षेत्रफल, 88 गुंठा वर्ग यार्ड में स्थित हैं (और इससे उपावह अनुसूची में और जो पूर्ण म्प में वोणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 26-7-1984

को पूर्विकत सम्परित के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तया पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिश्तित में बास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोन के जन्तरक के दायित्व में केमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; बीर्/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उनत अधिनियम, या धन-अर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट गहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धोरा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 च की उपधारा (1) **डे बधी**न, निम्नलि**यित व्यक्तियां**, अथित :----  चतुरजी, वीसाजी और श्री वीसाजी उमरजी और श्रन्य गांव वेजलपुर, तालका सिची, श्रहमदाबाद,

(भ्रन्सरक)

 श्री दीपेन्द्र गोरधनदास चोकसी, श्रीमाली सोसायटी, नवरंजगपुरा बस स्टॉप के सामने, श्रहमदाबाद-9

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षंप ---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अपिथ या जन्मम्बन्धी व्यक्तियों पर । स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहरकाक्षरों के आस निस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दीकरण:- -दममें प्रयक्ति शब्दों और पदों की., श्री उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पिन्मिन हीं, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्सूची

जमीन बेजलपुर सीम में सर्वे नं 842/1, 842/2, 842/3, क्षेत्रफल 88 गुठा, 10648 वर्ग यार्ड है । रजिस्ट्रेशन नं 11416/26-7-84 ।

जी० कें पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

दिनांक 22-2-1985 माँहर ३ प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 22 फरवरी, 1985

निदेश मं० पी० ग्रार० नं० 3612/23-1/84-85—ग्रनः मझे, जी० के० पंडया

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उभित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी संव जमीत बोडफदेब, सीम में, सर्वे तं व 240/2, है, तथा जो क्षेत्र फल 0-39 गुंठा, 4719 वर्ग यार्ड में स्थित है (और इसमे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अश्रीन दिनांक 10-7-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के खर्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह बिश्वास करेंने का कारण है कि यथाप्याक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथन नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरक से हाई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्ध में कसी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/था
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--  श्री जयराप्त भाई, णिवाभाई, पटेल, पंचणील सोगायटी, के नजदीक, उस्मानपृश, ग्रहमदाबाद,

(ग्रन्तरक)

 मिलक भोहम्मद सवार श्रजीजखान, भिन्नेता प्रकाणभाई, ज्योति प्रसाद, किन्नर श्रपार्टमेन्ट, नवरंगपुरा, श्रहमदाबाद

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :~-

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अनीकि या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितनद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिनित में किए जा सकींगे।

## अनुस्ची

जमीन बोडकदांव सीम मों (तालका दस कोट), सर्वे नं 240/2 क्षंत्रफल 0-39 गृष्ठा 4719 वर्ग यार्ड रिजस्ट्रेशन नं 10584/10-7-84

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्राय्वत (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-! स्रहमदाबाद

दिनांक 22-2-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ' भारा 269-च (1) के अभीन सुचरू

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज,, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 22 फरवरी, 1985 ...

पनदेश सं० पी० ग्रार० नं० 3613/23-1/84-85---प्रतः मुक्तिको० के० पंड्या,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहे. में अधिक है

और जिसकी मं० जमीन श्रहमदाबाद, टी० पी० एस० 4, एफ० पी० 165 है, तथा जो क्षेत्रफल 469 वर्ग मीटर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में और जो पूर्ण रूप से विणित) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जुलाई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं कया गया है :—

- (क) जन्सरण ते हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्सरक के दाबिल्थ में कज़ी करने या उससे दचाने में सुविधा दायिल्य के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों के जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः जब, उक्स अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्स अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निमनलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री हीरा लाल जेठालाल, शाह 11 श्रश्चित सोसायटी, फतेहपुर के सामने पालडी, श्रहमदाबाद-7

(ग्रन्तरक)

 गैलेष घनश्याम भाई शाह की ओर से, द्वारकेश श्रपार्टमेट श्रन्तर्स एसोगिएशन, केन्नर/श्राफ श्रादर्भ रेडियो हाउस जफरीया मस्जिद के नजदीक रीलीफ रोड, श्रहमदाबाद

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 चिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त के विकर्ण में से किसी व्यक्ति दूवारा;
- (ह) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थान्द्रीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### शसम्ब

जमीत ग्रहमदाबाद में टी०पी० नं० 4 एफ० पी० नं० 165, क्षेत्रफल 469 वर्ग मीटर, रजिस्ट्रेगन, नं० 9278/ जुलाई, 1984 ।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

दिवांक 22-2-1985

## प्रकथ नाहै ही एन एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक ग्रायकरश्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 1, श्रहमदाबाद,

श्रहमदाबाद, दिनांक 26 फरवरी, 1985

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 3614/23 I/84-85—ग्रत: मुझे जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्ठास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं पांच दुकान पेरायल सीम में हैं, तथा जो 92-232 वर्ग मीटर में स्थित हैं (और इससे उपाबत प्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप में विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय में पेरायल में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक जुलाई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिकित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण सं हुइ किसी बाय की यावत, उक्त जिथितियम के जधीन कर दोने के जन्तरक औं दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अपनार्थ अस्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया थया था या किया जाना बाहिए था. धिपान से सुविधा के निए।

कतः अग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधान, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—— 43—601/85  श्री तोपनदास बदर्स, राजमहल रोच, वेरायव-362265 ।

(म्रन्तरक)

 गुरमुख दास जी वनराभ एण्ड, ब्रदर्स, सुनाप रोड गांधी चौक,। वेरायल-362265

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चमा जारी करके पूर्वोक्स संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जन्त संपत्ति के अर्जन के सब्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व ते 45 दिन की व्यविध या तत्संबंधी व्यविधयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवित्यों में से किसी व्यवित बुवारा;
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित्यब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहस्ताक्षरी के शक्त लिखित में किए जा सकरें।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित । हु , वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **अभृस्**ची

पांच दुकान, प्राउत्ड श्लोर, परक्षेत्र फल, 92-232 वर्ग मीटर वेरायल में।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेज-I, स्रहमदाबाद

दिनांक : 26-2-1985

माहर :

## प्ररूप नाई.टी.एन.एस.----

# आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर वाय्क्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज-। अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 फरवरी, 1985

सं० पां० आर० मं० 3615:/23 - 1/84-85 — अतः मुझी, जी० के पण्डया,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या जमीन मेमननगर में टी० पी० एस ऐफ० पी० नं० 95 हैं तथा जो क्षेत्रफल 400 वर्ग ग्याइं, तीर्थ नगर मोसायटी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-7-1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्हित में वास्तिविक मूप से अधित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बावत, उच्कर अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या
- (भ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग्य के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

 श्री दिलीप भाई जायपंजी 208, मस्जिद बन्दर रोड, बम्बई-7।

(अन्तरक)

Ť

 श्रीमती प्रेमलता गोपाल अग्रवाल 85/106, विजयनगर, नारनपुरा, अहमदाबाद-13।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी जन्य व्यक्ति व्याग अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थां उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### समस्य

जमीन मेमनगर में टी० पी० एस 1, एफ० पी० नंo 95 क्षेत्रफल 400 वर्ग यार्ड, तीर्थ नगर सोसायटी रिजस्ट्रेशन नंo 6451/5-7-1984।

जी० के० पण्डया सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज 1 अहमदाबाद

तारीखा: 25-2-1985

मोहुरु ः

## प्रकल भार्षे .टी . एन . एक . --------

## **बावकर व्योध**नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

#### नाउत पडकार

## कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 अहमदाबाद अहमवाबाद, दिनांक 25 फरवरी, 1985

सं० पी० आर० नं० 3616/23-2/84-85-अत: मुझे, जी० के० पण्डया,

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचार् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण ह° कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित <mark>बाजार मृज्य</mark> 25,000/- रु. से अधिक **ह**ै

श्रीर जिसकी सं० एफ० पी० अहमदाबाद में शेखपूर बोर्ड 2 है। तथा जो सर्वे० नं० 2109 क्षेत्रफल 303 वर्ग मीटर (1/4 भोर) में स्थित है। (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार म्स्य उसके रहथभान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकरें) और अन्तरिती (अन्तरिसियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास, निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी नाय की नावतः, उत्तर विधिनिक्स के वधीन कर धेने के बस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा वे सिए; और/वा
- (श्वा) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्ये, जिन्हें भारतीय बाय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 2**7**) के प्रयोजनार्थ अन्त्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था., स्थिपाने में सविधा के सिए;

अस: अरब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त जिथिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नमिवित व्यक्तियाँ 🖟 वर्गात् 🖫 —

- श्री नीरज श्याम किणोर तील्हीवाल, सोनारीका अपार्टमेंट,
- आवायाडी, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. रामिकशोर नन्दिकशोर टीर्ल्हावाला, की फ्रोर में सगीर पियेस चित्रा जमीन अपार्टमेंटस, आश्रम रोड, अहमदावाद।

(अन्तरिती)

कौ यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के अन्तिए। कार्यवा**हि**यां कारता हु<u>ो</u>।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अर्जाध, आंभी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर भ्यक्तियों मा से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकोंगे।

स्थवसीकरण :--इसमां प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा जो उस अध्यास में दिया गया Ro I.

## जगस्या

एच० पी० अहमदाबाद में शेखपुर बोई-2, सर्वे नं० 2109 क्षेत्रफल 303 वर्ग मोटर (1/4 शेर) राजिस्ट्रेशन नं० 1702(ज्लाई, 1984)

> जी० के० पण्डया, सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 अहमदाबाद

तारीख: 25-2-1985

मोहर 🗓

प्रस्थ नाई .टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

## मार्व वरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज J-, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 26 फरवरी, 1985

सं० पी० आर० नं० 3617/23~1-84-85--अतः मुझे, जी० के० पण्डया,

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के सधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रहा संविधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या एचं० पी० वेशवाल में प्लाट नं० 13 है तथा जो क्षेत्रफल 107 वर्ग यार्ड में स्थित है। (श्रौर इससे उपावड अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, वेशवल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई, 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से काम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पढ़ेह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्त-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अक्त अधि-निष्म के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्रियत्व में कमी करने या अससे अधने में स्विधा के लिए; और/बा
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने धें सुविधा के लिए;

बतः अस, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ण के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, रिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—  श्री हरिकशन दास मोतीलाल शाह, बकील कलीनिक के नजदीक, वेशवला

(अन्तरक)

2. श्री छोटा लाल पोपट लाल कामदार भौर अन्य ट्रस्टी कामदार फेमिली ट्रस्ट के फर्स्ट फ्लोर मनीष नगर शापिंग सेन्टर, जे०पी० रोड, अन्धेरी (वेस्ट) बम्बई-58

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रवास्त
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

## धनुसूची

मकान मीलकत वेशवल में, प्लाट नै० 13 क्षेत्रफल 107 वर्ग यार्ड, रजिस्ट्रेशन नं० 1895/जुलाई, 1984।

> जी० के० पण्डया सक्षम प्राधिकारी -सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 26-2-1985

मोहर 🖇

## त्रकत् शाही. टी., एस., एस. -------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धास 269-थ (1) में अधीन सुचना

## भारत सहकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 फरवरी, 1985 सं० पी० आर० नं० 3618-23-1/84-85--अतः मझे, जी० के० पण्डया,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ज ने अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक है

ष्रौर जिसकी संख्या एच० पी० अहमदाबाध में टी० पी० एस 3 एफ० पी० नं० 819 है । तथ फौसर्वे नं० जमी में क्षेत्रफल 524 वर्ग यार्ड + मकान में स्थित है (श्रौर इसम उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता आधकारी के कार्यालय, 3722, फाइल, में र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12−7−1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और बंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के निए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नसिवित उद्योग्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक कम से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) बन्तरण से हुए किसी बाव की बावत्, डक्त समिनियम के जभीन कर दोने के बन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविभा के निष्; और/या
- (क) एसी किसी नाथ या किसी भन या जस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, कियाने में मुविधा को किए;

बक्तः बन, उचत विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मॅं, जें उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत धु---  नवीन चन्द्र जोशी भाई शाह मीनेण नवीनचन्द्र शाह (एच० यू० एफ०) कमलेश नवीनचन्द्र शाह ,, हीमांशु नवीनचन्द्र शाह ,, जीनमती बीनचन्द्र शाह 43, प्रीतम नगर पालडी, अहमदााद।

(अन्तरक)

2 वीजीयोन बिल्डर्स प्रा० लिमिटेड 18, न्यू अल्कापुरी सोसायटी, बुलबार टेंफण अहमदाबाद – 15।

(अन्तरिती)

का यह स्वना वारी करके प्वोंक्त संपरित के वर्षन के किए कार्यशाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्माधीकरणः --- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो सबस् अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

### अनुसूची

जमीन अहमदाबाद में टी० पी० एस नं० 3' एफ० ि० नं० 819 सर्वे० नं० 42, जमीन क्षेत्रफल 5243 वर्ग या + मकान 3722 दिनांक 12-7-1984 को फाइल किया।

जी० कें० पण्डया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख: 26-2-1985

प्ररूप वार्ड, टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के जभीन सुचना

#### भारत सरकार

म्रर्जन रेंज-1, महमदाबाद

भ्रहमदाबाद दिनांक 26। फरवरी, 1985

सं० पी० द्यार० नं० 3619/23-1/84-85--- स्रतः मुझे, जी०के० पण्डया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गण हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर संपीता, जिसका उचित बाजार जन्य ,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिन्नों संख्या एच० पी० वेशपल में नया पटेल वाम है। तथा जो एरिया, वोर्ड 5, मी० एस० नं० 640 क्षतफल 35-76 वर्ग मीटर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, वेशयल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीक 30-7-1984।

को पृत्रों क्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन, निम्नित्सित उद्देश्य से उक्त स्न्तरण निवित में वास्त्यिक रूप से अधित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जान की नायत, उनक निधिनियम के नधीन कर दोने के अन्तरक को दामित्य में कमी करने मा उससे नचने में सुविधा के लिए; नौर/ना
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भने या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के निए।

बत: कंक, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ननुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीय, निम्नस्थित व्यक्तियों, अधीत हुन्स  श्री संविध्य मोहन लाल रामजी सागर सोनी डारालाल रामजी सागर की और से फुल मुख्तयार सोनी रामजी मुल जी सागर खडशाहन वैरायल

(भ्रन्तरक)

2. श्री मीछालाल नानजी सागर और मन्य किदनगर, शाहसाड, वैरावल

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के निष् कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मं से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों कींद्र पद्यों का, वो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में किया ग्या हैं।

#### जनसंची

एच० पी० वैरावल में, नथा पटुल वाङ्ग, एरिया, बोर्ड-5्रा सी० एस० नं० 640 क्षेत्रफल 35.76 वर्ग मीटर रजिस्ट्रणन नं० 2024/407-1984।

जी० के० पण्डया, सक्षम प्राधिकारज, सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रहमदाबाध

तारीख: 26-2-1985

माहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

ज्ञायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वाना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 फरवरी, 1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
और जिसकी संख्या मीलकत बोर्ड नं० 5/11 पर सी० एस
नं० 584 है तथा जो समालिया जिला जामनगर
में स्थित है (और इस उपाध्रद श्रनुसूची में और पूर्ण ह्य
से बणित है); रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय
संभालिया, जिला जामनगर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3--7-1984
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिलत बाजार मृत्य से कम के दूस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
प्रया, इसके दूर्यकरन प्रतिफल से, एसे दूस्यमान प्रतिफल का
पंद्र प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया
बचा प्रतिफल निम्नसिचित उद्योग्य से उन्त बंतरण मिणित
के बास्तिकक क्य रे किथत नहीं किया यहा है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाव की वावतः, उक्त किसीनवन से बभीन कर दोने के बंतरक के सामित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी थन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर जिथिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनयम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ जंतरिती व्जारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सविधा की निए;

जतः जस, उक्त अधिनियम की धारा 269-त के जनुसरण को, को, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) वै अधीन, निस्त्रीसचित व्यक्तियों, वर्षात् क्र--- मैसर्स अशं अोरल मिल्स स्टेशनरोड,
मंभालिया जिला, जामनगर,
भागीदार बन्दाबन धनजीभाई

 रनछोडदाम पनजीभाई
 अरिवन्द कुमार रनपोडदाम
एरिकगोर बृन्दाबनदाम
 देवेन्द्र बृन्दाबनदाम
विनोदराय बृन्दाबनदास
मुकेश चन्द्रकान्त
 चेतन कुमार अरिवन्द कुमार
स्टागन रोड, संभालिया
जिला जामनगर

(ग्रन्तरकः)

 श्री गिरीण कुमार जानकीदास नयायश, संभातिया।

(भ्रन्तिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्स सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

## उक्त बंगीत्त के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वार्क्षण:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ कर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो और अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोह,स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

## अभूस्ची

मीलकत खम्मालिया में बोर्ड नं० 5/11 सी० एस० नं० 584 रजिस्ट्रेशन नं० 1006/दिनांक 3-7-1984।

> जी० के० पण्डया, मक्षम प्राधिकारी, महायक स्त्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रोज-1, ग्रहमदाबाद

तारीख: 28-2-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

ब्रहमदाबाद, दिनांत 28 फरवरी, 1985

सं० पी० श्रार० नं० 3621/23--1/84--85---श्रतः मुझे, जी० के० पण्डया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 1,00,000/- रत. से अधिक हैं और जिसकी संख्या खंभालिया सी० एस० नं० 10-11-12, सीट नं 70 है। तथा जो सी० एन० नं 584 बोर्ड नं० 5/11 खंभालिया, में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध म्रनसूची में पर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी कार्यालय, संभालिया जिला जामनगर, रमें रजिस्द्रीकरण भ्रधिनियम; 1908 (1908 का 16 के भ्रधीन, 3-7-84 को पूर्वेक्ति सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के उदयमान क्ते लिए अन्तिरत की विश्वास करने यह का कारण कि यथा पर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य. उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे सम्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उददोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थत् :----

- मैं सं श्रणोतः मील्य स्टेशन रौड, खेभालिया, जिला जामनगर। भागीदार 1. बन्दावन धनजीभाई
  - 2. रनपोप घनजीवाई
  - 4. हरफीकोर धन्दावनदास
  - 5. देवेन्द्र यन्दायनदास
  - 6. पिनोदाम बन्दायनदाम
  - 7. मुकेश चन्द्रकान्त
  - वेतन कुमार अध्वनी कुमार चव्हाण संभालिया जिला जामनगर।

(भ्रन्तरकः)

2. श्री नरोत्तम प्रशाजीवन दास जीवन दास भरतकृमार प्रासें जीवन दास द्वुप्रीप्रगज मंभालिया जिला जामनगर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्त के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्ि के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हक्षेगा जो उस उध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

खम्भालिया बोर्ड नं० 5/11 14 से 29 (6) सी० एस . नं० 584 रजिस्ट्रेगन नं० 1005/3--7-1984।

> जी० के० पण्डया, / नक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायक्षर स्नायुक्त निरीक्षण स्रर्जन रोज स्नहमदाबाद

तारीख: 28-2-84

प्ररूप आई.टी.एन.एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-ा श्रहमदाबाद

म्रह्मदाबाद, दिनांक 28 फरवरी, 1985

सं० पी० श्रार०-नं० 3642-23-1/84-85---श्रतः मुझे, जी० के० पण्डया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-त के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या मलिकत बेडी रोड पर सी० एस० नं० 45/जी/5 है। तथा जो जामनगर में स्थित है (और इससे उपाबड ध्रानुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीक्स प्रिधवारी के कार्यालय, जामनगर में रजिस्ट्रीक्स प्रिधवारी के कार्यालय, जामनगर में रजिस्ट्रीक्स प्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 10-7-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और ऐसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के भिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बेश्य से उक्त अन्तरण निधित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्घारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:——
44—6GI/85

 जथयशीवन दाफोर लाल पदमाना रेखान डाफोर लाल पडगामा णलोरा पार्क, बरोडा।

(भ्रन्तरः)

 मंगल बेन मुलराज राष्ट्रीया ग्राम पंचायत रोड,
 वोरा एरिया,,
 गोरेगांव, अम्बई।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताग्रख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मीलकत बेडी रोड पर, सी० एस० नं०  $45/\overline{\text{जी}}/15$  रजिस्ट्रेशन नं० 1058/10 - 7 - 19841

, जी० के० पण्डया, सक्षम, प्राधिवारी, सहायक श्रायकार श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज 1 श्रहमदाबद

तारीख: 28-2-85

प्ररूप बार्ष . टी. एन . एस . ------

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ.(1) को अधीन स्थाना

#### भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुत्रर (निरीक्सण) धर्जन रेंज-1 ग्रहमदाबाद

महमदाबाद दिनांक 28 फरवरी, 1985

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इतके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित दाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

भीर जिसकी संख्या वार्ड नं 15, युर्बे नं 405, है नथा जो प्लाट नं 10, राजकोट में स्थित है (और इससे उपावद्ध भनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी राजकोट में रिजस्ट्रोकरण श्रधिनियम, 1908 के कार्यालय, (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 7-7-1984

की पूर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ट हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजिल बाजार मूल्य, असके स्वयमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिक उच्चेक्यों से उका अन्तरण लिनित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी कार की वाबत, उक्त अधिनियम के अधिन कर दाने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसने अवने में सृविधा के लिए; नौर/या
- .(ब) ऐसी किसी आय या किसो धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के निए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध को उपधारा (1) के अधीन, निस्निसित व्यक्तियों, अर्थाल् :---  मैं सर्स पटेल कंस्ट्रकशन कम्पनीज के० ग्रा० पटेल डेरी फार्म, प्रहलाद फ्लोर, राजकोट।

(ग्रन्तरक)

 श्री दिलीप श्रमृतलाल धानक महेण श्रमृतलाल धानक नवीन श्रमृतलाल धानक दिलीप काटेज, श्रीकृष्ण नगर, वेशवल।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पति को शर्लन को गर्शन मी कोट भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्रत स्थावर सम्पत्ति में हिलबहुब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभारभाधारी के पार के जिस्सा में किए ना सकेंगे।

स्थव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अन्स्यी

मीलकत बोर्ड नं० 15 पर, सर्वे नं० 405 प्लाट नं० 10, रजिस्ट्रेशन नं० 44/7–7–1984।

जी० के० पण्डया, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज-1,श्रहमदाबाद

तारीख: 28—2—1985

मोहर 🗯

प्रकृप बार्च .टी .एन . एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की धारा 2/69-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज-1 ग्रहमदश्बीद

अहमदाबाद दिनांक 28 फरवरी 1985

सं० पी० **भा**र० नं० 3624-23-1/84-85,-भतः मुझे, जी० के० पण्डया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समात्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00.000/- रु. से अधिक है

1,00,000/- रत. से अधिक हैं। ग्रीर जिसकी संख्या मीलकत बांकानेर में, दानापीठ है तथा जो जिला राजकोट में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बांकानेर जिला राजकोट में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्राधीन, तारीख 4-7-84 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गैंद है और मुभ्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशतः से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।
- श्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ♣, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) ♣ अधान, निम्नलिश्रित व्यक्तियों, अर्थात् :—

 रतीरा तिलोक चन्द पटेल रेस डीलक्स प्रपार्टमेंट,
 654 प्रल्ट्रामाउन्ट रोड,
 बम्बई-26।
 वन्दना राजेन्द्र पटेल
 फुल मुखत्यार श्री चम्पक लाल रतीलाल मनीयार चन्चनाथ रोड,
 राजकोट।

(भ्रन्तरक)

 बांकानेर तालुका खरीव बेचान सरकारी संघ, बांकानेर जिला राजकोट

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना नारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वमुस्ची

्मीलकत बांकानेर में रजिस्ट्रेशन नें० 1331/4-7-1984 जी० कें० पण्डया, संभम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्णन रेंज-1,श्रहमदाबाद।

तारीख: 28-2-1985

## प्ररूप बाह्न, टी., एव., एव., ज्ल्यान्यान्य

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्थान

## भारत सहकार

## कार्यान्य, शहायक नायकर नायक (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-1, धहमदाबाद

महमदाबाद, दिनांक 28 फरवरी, 1985

सं० पी० भ्रार० नं० 362523-1/84-85:--भ्रतः मुझे, जी० के० पण्डमा.

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (ज़िस इसमें इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या मीलकत 37 करनपुरा में है। तथा जो-राजकोट में स्थित है।(श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय, राजकोट, में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिन यम; 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, तारीख 4-4-198!

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि बंधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और , अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पांचा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि खित में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है दे——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के बायिस्थ में कभी करने या उससे नचने में स्विधा के लिए; और/वा
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

अत अब, उक्स अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्स अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) से अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात ह  मैसर्स स्वस्तिक बिल्डर्स भागीदार श्री मधुकर भाई कान्ती लाल जानी 37-करनपुरा राजकोट।

(झन्तरक)

 होटेल समरथ भागीदार श्री फरंशन जी भाई डोसाभाई 37 करनपुरा, राजकोट।

(श्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45' दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किया जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदों का, ओ उन्से अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया है।

## नगसची

मीलकत 37 करनपुरा में रिजस्ट्रेशन नं० 2213/ 4-4-84, 37 जी जुलाई, 1984 में मिला।

> जी० के० पण्डया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)। श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदावाद 🗸

तारी**ख**: 28-2-85

प्ररूप आई.टी.एन्.एस.-----

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च् (1) के व्यक्ति सूचना

## भारत चुडुकाड

## कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 28 फरवरी, 1985

सं० पी० **ग्रा**र० नं० 3626-1 23-1/84-85-ग्रतः मुझे, जी० के० पण्डया,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का काइण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बोजार मुख्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
श्रीर जिसकी संख्या रोड, सी० 17 पर, उद्योगनगर है
तथा जो जामनगर में स्थित है (श्रीर इससे उपावद श्रनुसूची
में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी के
कार्यालय, जामनगर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908
(1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 30-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम क रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्इ हैं और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण हैं कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) मृत्यरण से हुइ किसी बाय की बाब्द, सब्ब मृत्रियम से मृत्रीम कर दोने से संतरक के शांवित्य में कमी कड़ने या उत्तर बृत्रने में सृत्रिया के जिए; महिद्र/बा
- (व) एसी किसी बाय या किसी वृत वा बन्य बास्तियों को, विन्हें भारतीय शायकार स्थिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या भन-कर स्थिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीर्थ शन्तरिती द्वारा प्रशट नहीं किया गवा था या किया जाना जाहिए था, छिपान में स्विभा के जिए;

भृतः भग्, उनत अधिनियमः भी भारा 269-म के अनुसरण में, में, उनत अधिनियम की भारा 269-म की उपभारः (1) के अधीन, निम्मिनियम क्षेत्रियों अधीन, किम्मिनियम  भार० रेखा भारती इण्डस्ट्रीज, हीरा गौरी बृजलाल, टाउन हाल के नजवीक, जामनगर।

(भ्रन्तरक)

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना बादी कारके पूर्वीक्य सम्मित के अर्जन के सिए कार्यमाहियां करता हूं।

उक्त सम्मित् के लर्बन के सम्बन्ध में काई, भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के सम्पन में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि को भी नविभ बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वेदित व्यक्तियों में से दिल्ही व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपुत्र में प्रकाशन की तारीस से
  45 दिन के भीतर जक्त स्थानर सम्पर्ति में हितनक्षे
  किसी अन्य स्थानित बुवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
  लिसित में किए जा सकेंगे।

स्थाबिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को शब्स बिक्तिसम के अध्याय 20-क में परिभाविद्र हैं, यही अर्थ होगा आ उस अध्याय में दिमा समा है।

#### मनसर्च

गैंड उद्योग नगर में सी०-17 जामनगर, रजिस्ट्रेशन नं० 1502/30-7-1984।

> जी० के० पण्डया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज-1- भ्रहमदाबाद

तारीख: 28-2-1985

मोहर

श्रुक्य वाद्यं , टी<u>. पुत्र , पुत्र , -----</u>

नायकार जिथितियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के जभीत सुन्नता

## तारत परकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज धहमवाबाद,

मह्मदाबाद, दिनांक 28 फरवरी, 1985

सं० पी० भार० नं० 3627-1 23-1/84-85--भ्रतः मुझे, जी० के० पण्डया,

बायकर अधिकियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के मधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० बिल्डिंग बोरा बाजार में देशर गेरी है तथा जो 'बाबा मेंगन' भावनगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध मनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री कर्त्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, भावनगर में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 31-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विद्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित - बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिहात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण शिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त अभि-नियम की अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व के अभी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; बीर/या
- (ह) ऐसी किसी नाय या किसी भन या जन्य नास्तियों की, जिन्हें भारतीय नाय-कर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिन्यम, या भन-कर निभिन्यम, या भन-कर निभिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था स्निपान में सुनिभा के निएक

अतः अव, उन्त विधिनियम की धारा 269-ग व वन्तर्थ में, में, उपत अधिनियम की धारा 269-ग की स्पधारा (1) के वधीत, निम्नसिवित व्यक्तियों। वर्षोद्ध ४-०  श्रीमती लताबेन प्रेम शंकर शुक्ल कैलाश फ्लैट नं० 1175, ग्रीबापाडी, भावनगर।
 श्रीमती वसुमतीबेन छगन लाल तिपेडी तखतेंग्वर प्लाट नं० 2129, भावनगर,
 ग्रानिल कुमार दलपत राम पण्डया, खम्भाली मफतलाल केशवलाल 70, एल० झार० जी० शास्त्रीनगर, भावनगर।

(मन्तरक)

2. मैसर्स रवी कारपोरेशन भागीवार पटेल श्रशोक कुमार नगीनवास पटेल अयोशक कुमार नगीनवास पटेल जयश्रीबेन भागोक कुमार पटेल हेमाबेन नगीनवास पटेल हेनाबेन नगीनवास पटेल हन्दुमती इन्ब्रकुमार, 24, एम० श्रार० जी० शास्त्रीनगर। भावनगर।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूना किस सम्पित्स के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर क्ष्मिना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्धभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोइस्ताअरी के पास निवित में किए बा सकोंगे।

स्वाक्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुरे अर्थ होगा, जो उत्त अध्याय में दिया भवा है।

## श्रम्बर्

बिल्डिंग बोरा बाजार में, देशार शेरी, 'बाबा मेंशन' रजिस्ट्रेशन नं० 2906/31-7-1984।

जी० के० पण्डया, प्रसम प्राधिकारी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, भ्रहमदाबाद ।

तारीख: 28-2-1985

मोहर

प्रक्रम नार्षः दौः एनः एसः,------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन स्चेना

### भारत चढ्रकार

कार्यालय, सहायक जावकर जायुक्त (निरीक्षण)

**ध**र्जन रेंज-1 अहमदाबाद

**प्रहमदाबाद, दिनां**क 28 फरवरी 1985

सं०पी० **धा**र० नं० 3628:/23-1/84-85--- श्रत मुझे, जी० के० पण्डया,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) '(जिसे इसमें इसमें इसमें पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या जमीन शारपुर में जिला राजकोट है तथा जो गांव में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबब श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, एस० ग्रार० गोइल, राजकोट, में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम; 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 31~3-1984

को पूर्वे विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफान के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वे क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफान में, एसे द्रश्यमान प्रतिफान का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितीं) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफान, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निविद्य में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की वाचत, उत्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के निए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्यों की, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अंतिरिती द्वारा प्रकट नहीं कि दा न्या धा भा किया असा पाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अत. अव. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् ६ श्री हीराभाई मेघाभाई शारपुर, जिला राजकोट।

(म्रन्तरक)

 फीर्ज ब्रदर्स (इण्डिया) प्राइवेट लिमिटेड प्राफिस का पता - रिजस्ट्रेड अफीस
 फैला शबाडी, पोस्ट बोक्स नं० 161, राजकोट-360001।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विशा गया है।

#### नम्स्या

ं ग्रीन खेती की जमीन जो शारपुर में स्थित है सर्वे ० नं० 248 जिला राजकोट।

> जी० के० पण्डया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेंन रेंज-1 भ्रहमदाबाद

तारीख: 28-2-1985

मोहर 🗓,

## प्रस्म भार्षं .टी . एत . एस . ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

## मारत पडकाड

## कार्यासय, सहायक नायकर आयुक्तः (निरीक्रण)

मर्जन रेंज-1, महमदाबाद

ग्रहमदाबाद, विनांक 28 फरवरी, 1985

सं० पी० **धा**र० नं० 3629-23-1/84-85:--धात: मुझे, जी० के० पण्डया,

मायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थापर संपत्ति, जिसका उधित बाबार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

ग्रीर जिसकी संख्या खेती की जमीन म्यू० लिमिट के बाहर, जाम-नगर है तथा जो सर्वे नं० 559 गुरूकुल पैट्रोल पभ्प के सामने स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय, जामनगर में रजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीम, तारीख 5-7-1984

को पूर्वित सम्परित के उचित बाजार मृह्य से कम के ६६यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्यात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्हत अधिनियम के अधीन अर दोने के अन्तरक के बायत्थ में कमी करने या उससे यचने में सृविधा के बिए; और/या
  - (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में स्थिका के लिए;

अतः अब, उठत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मो., मौ., उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाब्र्—  श्री भावन भाई लधा भाई नाका ग्रस्पताल रोड, भंगल बाग के नजदीक, जामनगर।

(ग्रन्तर्क)

2. श्री गोबिन्द लाल भगवान जी परमार प्रताप विलास के नजदीक, जामनगर।

(भ्रन्तरिती)

क्षांयह सूचना वारीकारको प्वानित सम्परित **सं वर्णन को विर** कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

## बक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के दास ज् लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शुब्दों आर पर्दों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, बही अर्थ होगा, ओ उस अध्याय में दिया गया है।

## श्रनुसूची

खेती की जमीन जामनगर में, म्युनिसिपल लिमिट के बाहर, सर्वे०नं० 539, रजिस्ट्रेशन नं० 2328/5-7-1984।

जी० के० पण्डया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

तारीख: 28-2-1985

प्रकम बाइ . स्त्री . एन . एवं ..-----

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

## शारत वरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बायकत (निरक्षिण) धर्जन रेज-1, अहमवाबाद

ग्रहंमदाबाद, दिनाँक 28 फरवरी, 1985

सं० पी० भार० नं० 3630/23-1/84-86-मतः मुझे, जी० के० पण्डया,

नायकर निधीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की जारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या बिल्डिंग, शीट नं० 1 पर नया नगर, हाई स्कूल के सामने, है तथा जो श्री सदन जामनगर में स्थित है (ग्रीर इससे जपाबद्ध धनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता धविनारी के कार्यालय, जामनगर में रजिस्ट्रीकरण धविनियम 1908 (1908 का 16) के धवीन तारीख 9-7-1984

को प्रोंक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृष्य से कन के इस्यवाल प्रतिफल के लिए अन्तरित की गढ़ है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित क्यार मृत्य उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे बस्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकत अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के सिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्वेदन से स्कत बंतरण निचित्त में मास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है

- (क) बन्तरण से हुई किसी शाय की बावता, जनक जीवनिवार से अधीत कार दोने की जन्तरक की क्षत्रित्य में कमी कारते या उदको स्थले में कृतिया की तिहा; जीर/वा
- (च) एती किसी नाम ना किसी वन ना नत्य नारितयों को जिन्हें भारतीय नामकार निविद्यम, 1922 (1922 का 11) या सक्त निविद्यम, या वन-कर निविद्यम, या वन-कर निविद्यम, या वन-कर निविद्यम, 1957 (1957 का 27) चे प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रफट नहीं किया गया ना मा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिव्य के निए;

जतः अन, उक्त जीधनियम की धारा 269-म के अनुसरण माँ माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री नवीनभाई नवलभाई पटेल ग्रनिलभाई नवलमाई पटेल
 हिन्दू कालोनी, स्टेडियम के सामने, नवरंगपुरा, श्रहमदाबाद।

(म्रन्तरक)

 श्री हसमुखभाई जेठालाल पटेल महावीर प्राप्टीकल स्टोर्स, रनजीत रोड, जामनगर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्टित को अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हुः।

उक्त सम्पत्ति को धर्चन को संबंध में काहे भी भाकोप :---

- (क) इस तूचना को राजपत्र भी प्रकाशन की तारींच के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासींस से 30 दिन की वविधि, को धी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में मुकाबन को तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा मधोहस्ताक्षर कि पास निवित्त में किए जा सकांगे।

स्वच्छितरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, बहुी अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा नया है।

## नम्स्यी

बिल्डिंग मीट नं० 1 पर, नयानगर हाई स्फूल के सामने, स्थित है रजिस्ट्रेगन नं० 2365/9-7-84 जामनगर।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, ग्रह्मदाबाद

**सारीख:** 28-2-1985

मोहर 🌶

4 h

## 

बायकर बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) कई भारा 269-थ (1) के बधीन सुभना

#### भारत सरकार

## कार्याजय, सहायक अायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 फरवरी, 1985

ें सं० पी० अवर०नं० 3631/23 - 1/84 - 85 - 3631/23 जी० के० पण्डया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उच्नत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ष्मीर जिसकी संख्या जमीन पेजलपुर सीम में सर्वे ० नं ० 1108 है तथा जो मत्याग्रह छावनी क्षेत्रफल 600 वर्ग यार्ड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजत है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908, (1908 का 16) के के अधीन, तारीख 17-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से क्रम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिति (अंतरितियों) के बीज एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निक्षित उच्चेकों से उच्च अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया है ---

- (क) भन्तरण से हुई निश्मी काय की अध्यक्त. उभक्त अधिनियम को अभीत एक तीने के जनस्य ही दायित्य में कामी कारते ता उपक्षे अभिने में सकित के निहा; अदि/का
- (स) ऐसी किसी आय या किसी घन सा अन्य आरिशयों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा श्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चरिएए था, स्थिनने में स्विधा के सिए:

जतः जव, उक्त अधिनियम की धारा 260-म के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिहित व्यक्तियों, अधीन :---  श्रीमती लिलिताबेन सोमाभाई पटेल 3-बी, मोती सागर सोसायटी, शांतीबन बस स्टाप के नजदीक, नारायण नगर रोड, पालड़ी, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. श्री सौरभभाई मवनीसलाल ब्रह्मभट्ट बी० नं० 4, जीवन सौरभ सोसायटी, नारायण नगर रोड, पालडी, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

का यह सूचना बारी करको प्रशिक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामीज से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाड़ लिखित में किए सा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्सं अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

जमीन पेजलपुर सीम में सर्वे सं० 1148 सत्याग्रह छावनी सेक्टर नं० 5, प्लाट नं० 8, क्षेत्रफल 60 वर्ग यार्ड रिजस्ट्रेशन नं० 10629/11-7-84।

जी ० के ० पण्डया, सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1,अहमदाबाद

तारीख: 28-2-1985

भोहर :

## प्रकप आहें हैं हो एन है एस हम्मनन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 फरवरी, 1985

सं० पी०आर०नं० 3632/23-1/84-85--अत: मुझे, जी० के० पण्डया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या जमीन घोड़ासर गांव सीम में है तथा जो सर्वे ० नं ० 175 क्षेत्रफल 7260 वर्ग यार्ड में स्थित है (ग्रांस इससे उपाबद्ध अनुसूच में ग्रांस पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्य, 37 ईई फील्ड किया में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के अधीन, मारीख 20-7-1984

- ^ को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक हप से किथत नहीं किया ग्या है :--
  - (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
  - (स) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने भे मृत्रिया के तिए।

अतः अचे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अवत अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचिक्त अधिकायों, अर्थात्—  सेठ पदमकान्त अन्हैया लाल शाह 15/2, सील्बर अर्च पीतील रोल 66 एल, जगमोहन दाल रोड, बम्बई-6।

(अन्तरक)

सूर्य कान्त केशवजी पटेल
 77/10, जी० आर० डी० सी० इस्टेट,
 पटवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप 🖳

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से \$5 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिलिस में किए जो सकरी।

स्पच्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जर्मीन गात्र घोड़ायर सीम में सर्वे ० नं ० 175, क्षेत्रफल 7260 वर्ग यार्ड, 37 ईई दिनांक 20-7-1984 को फाइल किया।

> . जी ०के **०पण्डया** सक्षम प्राधिकारी, - सहायक आयकण आयुक्त (निर्रा**क्षण**) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

नारी**ज**: 28−2→1985

भोहर .

प्ररूप आर्इ.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांकः 28 फश्वरी, 1985

स ० पी ० आर ० न ० 3633/23-1/84-85-- अतः मुझे, जी ० के ० पण्डया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या जमीन गांव घोड़ासर में सीम सर्वे नं 0 175 है तथा जो क्षेत्रफल 19360 वर्ग यार्ड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्चा में भ्रीर पूर्ण रूप से विणत है); रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, 37 ईई फील्ड किया में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-7-1984

को पूर्विवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; . और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के तिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निन्धित व्यक्तियों, अर्थात् :---  सेठ पदमकान्त क्रम्हैयालाल माह (एच० पू० एफ०)
 15/2 मील्चर आर्य पीलीत रोल 66 एल, जगमोहन रोड, बम्बई -6।

(अन्तरक)

2. श्री नरेशभाई परसोतमदास पेटल 2, बृन्दाबन कालोनी, राम बाग, मनीनगर, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त प्रक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्तित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अम्सूची

जमीन गांव घोड़ासर सीम में सर्वे नं० 175 क्षेत्रफल ! 19360 वर्ग यार्ड, 37 रर दिनांग 20-7-84 को फाइल किया है।

> जी ० के ० पण्डया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख: 28-2-1985

प्रस्प आइ.टी.एन, एस.\_----

शायकर जीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) के मभीन सुवना

## भारत ररकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोषाल, दिनांक 8 फरवरी, 1985

निदेश सं० ग्राई०ए०सी०/ग्रर्जन/भोपाल/5622--- ग्रतः मुझे यीरेन्द्र कुमार वरनवाल,

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जित इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट नं० 4 व 3 का भाग ख० नं० 30 है, तथा जो गोविन्दपुरा, भोषाल में स्थित है (और इससे उपाधन अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से बाणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भोषाल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित कि गई है और मुक्ते यह विश्वास कृत किया गया है और मुक्ते यह विश्वास कृत किया गया है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि अथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्ते) और अन्तरिती (अन्तरितियों) है बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्हिति वित्य ये उक्त अल्परण निविद्य में वास्तविक रूप से काथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के सधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उत्तसे वचने में सृविधा के सिए; और/या
- (व) श्री किसी नाम या किसी भन या नन्य जास्तियों को, जिन्ही भारतीय भाय-कर विभिन्नयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर विभिन्नयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट महीं किया गया था या किया जाना खाहिए था, ख्याने में सूर्विभा के लिए;

बतः अस, उक्त वाँभीनयम की भारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त वाधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के बधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, व्यक्ति क्र---  श्री जगदीश प्रसाद बंगल पिता श्री दाऊदयाल सहाब, निवासी हलालपुरा, भोपाल ।

(श्रन्तरक)

 मेसर्स कमला होटल, एण्ड प्रोपटीज, प्रा० लि० गोविन्दपुरा, भोपाल, द्वारा, मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री जे० पी० बैसल, पुत्र श्री दाऊदयाल निवासी हलालपुरा, भोपाल ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्के पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सिध् कार्यवाहियां शुरू करता हुटुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्रवेक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो जक्त श्रीभिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ श्रोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## ग्रनुसूची

ण्लाट नं० 4 व 3 का भाग ख० नं० 30, गोविन्दपुरो, भोषाल में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण श्रन्तिरती द्वारा, सत्थापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

> वी० कु० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक फ्रायकर फ्रायुक्त (निरीक्षण) फ्रजैंन रोज, भोपाल

दिनांक , 8-2-1985 मोहर ७

## CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

## New Delhi, the 14th March 1985

No. 2/5/85-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints S/Shri M. L. Juneja and V. D. Nimval, permanent Personal Assistants in the Central Vigilance Commission as Section Personal Assistants in the scale of pay Rs, 650—1040 in officiating capacity with effect from 1st February 1985 (FN) until further orders.

#### The 16th March 1985

No. 2/4/84-Admu—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shii T. C. Chopra, Assistant Engineer (Elect.) of the Central Public Works Department as Assistant Technical Examiner (Elect.) in this Commission in the scale of pay of Rs. 650--1200/- plus special pay of Rs. 75/- p.m. in an officiating capacity with effect from the forenoon of 1st March, 1985 until further orders.

No. 2/8/85-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Smt. Lapari Neogi (Indian Postal Service) as Commissioner for Departmental Inquiries in the Central Vigilance Commission in an officiating capacity in the scale of pay of Rs. 1500—50—1800—100—2000 with a special pay of Rs. 300/- PM with effect from the forencon of 1st March 1985, until further orders.

No. 2/3/85-Admn—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shii R. P. Marwaha, permanent P.A. in the Central Vigilance Commission, as Sr. P.A. in the scale of pay Rs. 650—1040 in officiating capacity on ad-hoc basis for a period of 90 days with effect from 13-3-1985 (F.N.) or till Shri S. L. Garg, Sr. P.A. resumes Juty whichever is earlier.

K. L. MALHOTRA Under Secy. (Admn.) for Central Vigilance Commissioner

#### MINISTRY OF HOME AFFAIRS

#### DTE. OF COORDINATION POLICE COMPUTERS

New Delhi-110 066, the 13th March 1985

No. 34/5/81-Admn/DCPC.—Consequent upon his promotion as Deputy Commandant in the Border Security Force, Shri A. K. Suri, Junior Staff Officer in the Directorate of Coordination Police Computers, New Delhi, on deputation from Border Security Force relinquished charge of the post of Junior Staff Officer in this Directorate with effect from the afternoon of the 29th December 1984.

N. C. PADHI Director, DCPC

#### BUREAU OF POLICE RESEARCH & DEVELOPMENT

New Delhi-110001, the 16th March 1985

No. 3/33/80-Adm.H.—Shri Subhas Kumar De, Deputy Superintendent of Police Calcutta on deputation to the Central Detective Training School, Calcutta relinquished charge of the post of Deputy Superintendent of Police Central Detective Training School, Calcutta on 18-2-1985 (forenoon).

2. On the relinquishment of the charge of the post of Dy. S.P. CDTS, Calcutta, the services of Shri S. K. De, are placed at the disposal of the Commissioner of Police, Calcutta with effect from the forenoon of 18th February 1985.

S. K. MALLIK Director General

## DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R. CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 15th March 1985

No. A-20023/4/80-AD.V.—The services of Shri S. Vanavamalai, Public Prosecutor, Central Burcan of Investigation, on repatrifation, are placed at the disposal of Govt. of Tamiliadu w.e.f. the afternoon of 28th February 1985.

No. A-20023/5/80-AD.V.—Services of Shri P. C. Bandhopadhyay, Public Prosecutor, CBI Jabalpur are placed at the disposal of Director General of Police, Madhya Pradesh, on repatriation, with effect from 28th February 1985 afternoon.

#### The 16th March 1985

No. 3/19/85-Ad.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoint Shri G. K. Hiremath us Public Prosecutor in C.B.I. on deputation with effect from the afternoon of 28-2-1985 and until further orders.

Shri G. K. Hiremath is posted in CBI Bangalore Branch.

R. S. NAGPAL Administrative Officer (E) CBI

#### DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-3, the 12th March 1985

No. O.II-1997/84-Estt.—The President is pleased to appoint on deputation Shri R. Bashyam, an officer of Indian Audit and Accounts Service as Deputy Financial Adviser in the CRPF.

2. Shri R. Bushyam took over charge of the post of Dy. Financial Adviser, Directorate General, C.R.P.F. on the forenoon of 6th March 1985.

M. P. IAKHMOLA Assistant Director (Estt.)

## DIRECTORATE GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 11th March 1985

No. E-32015(3)/4/85-Pers.I.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Chadha, on promotion as Deputy Commandant CISF Unit, HFCI, Durgapur with effect from the forenoon of 21st February 1985 on purely ad-hoc basis and temporary for a period up to 26-3-85 or till such time regular appointments are made whichever is earlier.

## The 13th March 1985

No. E-32015(3)/1/85-Pers.I.—The President is pleased to appoint Shii K. S. Ahluwalin, on promotion as Deputy Commandant CISF Unit, HFCL Namrup with effect from the forenoon of 21st February 1985 on purely ad-hoc basis and tempoary for a period up to 26-3-1985 or till such time regular appointments are made whichever is earlier.

No. E-32015(3)/3/85-Pers.I.—The President is pleased to appoint Shri L. N. Mohla, on promotion as Deputy Commandant CISF Unit, Cochin Shipyard, Ltd., with effect from the forenoon of 17th February 1985 on purely ad-hoc basis and temporary for a period up to 26-3-1985 or till such regular appointments are made whichever is earlier.

Sd./- ILLEGIBLE Director General/CISF

## MINISTRY OF FINANCE (DEPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS SECURITY PAPER MILL

ESTABLISHMENT OFFICE

Hoshangabad, the 18th February 1985 ORDER

No. 2743.—Whereas, Smr. Radhabai, Sataiwali was served with a Charge sheet vide memorandum No EST/53/Link/455 dated 26-7-1984 for the misconduct of her remaining continuously absent from duty without any intimation or southon of leave with effect train 2.5 1984, which

was sent by Registered Post to her permanent home address and last known address and which has been returned by the Post-Office with the remarks "the addressee is not here and gone out hence returned to the senders".

And whereas, an enquiry was ordered vide order No. Est/23/Link/926 dated 30-11-1984 to inquire into the charges framed against Smt. Radhabai and this document has also been returned by the Post Office undelivered. The said Smt. Radhabai did not attend the enquiry proceedings inspite of giving her several opportunities. All the dicuments sent by the Enquiry Officer have also been returned by the Post-Office.

And whereas the Inquiry Officer conducted the inquiry ex-parte and submitted his report dated 15-2-1985 holding Smt. Radhabai guilty of the charges.

And whereas, the undersigned, after carefully considering the inquiry report and all the documents connected with the case has agreed with the result of the inquiry and has come to the conclusion that the said Smt. Radhabai, Safaiwali is not a fit person to be retained in the Government Services.

Therefore, now the undersigned in exercise of powers conferred on him under Rule 19 of C.C.S. (C.C.A.) Rules of 1965 hereby removes the said Smt. Radhabai, Safaiwali, from the service of Security Paper Mill, Hoshangabad with immediate effect,

S. R. PATHAK General Manager

#### BOMBAY MINT DIARY

Bombay, the 11th March 1985

#### ORDER

No. 328.—On the recommendations of the D.P.C. (Group 'B') in its meeting held on 28-11-84, the General Manager, India Govt. Mint, Bombay is pleased to promote Shri S. D. Damle, Asstt Assay Superintendent to officiate as Assay Superintendent (o officiate as Assay Superintendent for official samples as Assay Supe

This ad-hoc promotion will not entitle Shri Damle to any claim on seniority, confirmation, future promotion etc.

V. RAMAMURTI Chief Accounts Admn. Officer for General Manager

## INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE D.A.C.R.

New Delhi-2, the 14h March 1985

No. Admn. I/O.O. No. 70—Consequent on his attaining the age of superannuation, Sh. Lakshmi Narain, a permanent Audit Officer of this office, will be retiring from the service of the Govt. of India with effect from the afternoon of 31st March 1985. His date of birth is 21st March 1927.

Sd./ILLEGIBLE

Dy. Director of Audit (Admn.)

## OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT) II BIHAR

## (LOCAL FUND AUDIT)

Ranchi-2, the 14th March 1985

No. L.A. Admn. I-Estt. I-4387.—The Accountant General (Audit) II Bihar has been pleased to promote Shri A. P. Tiwary. Asstt. Audit Officer of Local Audit Wing to Officiate as an Audit Officer in the Scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 1-3-85 (A.N.) until further orders.

#### The 16th March 1985

No. L.A.Admu.I-Estt.I-4427.—The Accountant General (Audit) J1 Bihar has been pleased to promote Shri M. P. Trivedi, Assistant Audit Officer of Local Audit Wing to officiate as an Audit Officer in the Scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 w.e.f. 13-3-85 until further orders.

D. MUKHERJEE Examiner of Local Accounts, Bihar

# DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110066, the 11th March 1985

No. AN-I/1172/1/III.—The President is pleased to appoint Shri Hans Raj, an officer of the Indian Defence Accounts Service to officiate in the Senior Administrative Grade (Level-II) (Scale Rs. 2250—125/2—2500) of that Service with effect from 11-2-1985 (forenoon), until further orders.

#### The 13th March 1985

No. AN/I/1908/5/I.—Shri L. D. Gambhir, IDAS, on attaining the age of 58 years on 10-1-1985 (his date of birth being 10-1-1927) as been transferred to the pension Estalishment with effect from 31-1-1985 (AN) and has accordingly been struck off strength of Defence Accounts Department with effect from 1-2-1985 (FN) in terms of FR 56(a).

A. K. GHOSH

Addl. Controller General of Defence Accounts (AN)

#### MINISTRY OF COMMERCE

## OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS

New Delhi, the 12th March 1985

IMPORT & EXPORT TRADE CONTROL
(ESTABLISHMENT)

No. 6/1435/83-ADMN(G)/1458.—On attaining the age of superannuation, Sh. H. C. Batra, Controller of Imports & Exports in this office retired from Government service with effect from the afternoon of the 28-2-1985.

M. P. ISAAC

Dy. Chief Controller of Imports & Exports For Chief Controller of Imports & Exports

## MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 11th March 1985

No. A-19018 (740)/84-Adm. (G).—The Development Commissioner (Small Scale Industries) is pleased to appoint Shri Santosh Kumar Tewari as Assistant Editor (Hindi) at the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries) New Delhi with effect from the forenoon of 23-2-1985 until further orders,

C. C. ROY Dy, Director (Admn.)

## MINISTRY OF STEEL AND MINES (DEPARTMENT OF MINES)

#### INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 14th March 1985

No. A. 19012(117)/77-Estt A.—Shri R. Manian, officiating Assistant Administrative Officer, Indian Bureau of Mines, has relinquished the charge of the said post, with effect from 15-2-85 (Afternoon) on his proceeding on deputation to the Department of Patent Information System, Nagpur.

P. P. WADHI
Administrative Officer
for Controller General
Indian Bureau of Mines

## MINISTRY OF SCIENCE & TECHNOLOGY INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 15th March 1985

No. E(I) 6172.—Director General of Meterology regrets to notify sudden demise of Shri Thomas Abraham, an officer of Indian Meteorological Service Group 'B' (Gazetted) who expired on 4-2-1985. He was posted as Assistant Meteorologist in the Meteorological Centre, Trivandram.

K. MUKHERJEE Meteorologist (Establishment) for Director General of Meteorology

#### DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Deihi-1, the 16th March 1985

No. 4(27)/84-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Milansar Ather Ahmed as Programme Executive at ATR. Dharwad in a temporary capacity with effect from 19th February, 1985 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-1200.

H. C. JAYAL Dy. Director of Administration for Director General

## MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING

#### FILMS DIVISION

Bombay-26, the 14th March 1985

No. 6/97/54-Est. I.—Consequent on attaining the age of superannuation Shri Prem Vaidya, relinquished charge of the post of Producer in Films Division, Bombay in the afternoon of 28th February, 1985.

No. 6/62/56-Est. I.—Consequent on attaining the age of superannuation Shri M. V. Devidasan, relinquished charge of the Post of Layout Artist in Films Division, Bombay in the afternoon of 28th February, 1985.

N. N. SHARMA Administrative Officer for Director of Administration

## SWASTHYA SEWA MAHANIRDESEALYA

New Delhi, the 15th March 1985

No. A. 31014/1/84-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint the following Homoeopathic Physicians working in the Central Government Health

Scheme under the Directorate General of Health Services in a substantive capacity with effect from the date indicated against each:

Sl. Name of Physician No.	 Date of confirmation
1. Dr. I.M. Merchant	24-12-1983
2. Dr. (Smt.) Lakshmi Venkataramanan	24-12-1983
3. Dr. (Kum.) R.D. Tondon	24-5-1984
4. Dr. (Kum.) Madhur Bhatnagar.	24-5-1984
5. Dr. R.S. Ukey	24-5-1984
6. Dr. (Smt.) Raj Rani Grover	24-5-1984
7. Dr. (Kum.) Ashalata Krishna Aphale	24-5-1984
8. Dr S. Lyngdoh	24-5-1984
9. Dr. (Smt.) Raj Laxmi Raheja	24-5-1984
10. Dr. Mylaram Yadaiah	- 24-5-1984
11. Dr. Samantrai Soren	24-5-1984
12. Dr. Guru Prasad Bhar	24-5-1984
13. Dr. (Smt.) Manjula Pandoy	24-5-1984
14. Dr. (Smt.) Sandhya Ray	24-5-1984

G.N. SREEKUMARAN Deputy Director Admn. (CGHS.I)

## MINISTRY OF AGRICULTURE & RURAL DEVELOPMENT

## DEPARTMENT OF AGRICULTURE & COOPERATION DIRECTORATE OF EXTENSION

New Delhi, the 1st March 1985

No. F.2-12/84-Estt.I. - Shri S. L. Dhir, who was appointed to officiate as Assistant Administrative Officer on ad hoc basis vide this Directorate notification No. 2-12/84-Estt. I dated 14-11-1934, is reverted to his regular post of Superintendent (Grade I) with effect from forenoon of 1st March, 1985.

No. F.2-12/84-Estt.I.—Shri P. B. Dutta, who was appointed to officiate as Assistant Exhibition Officer (Visual) on ad hoc basis vide this Directorate notification No. 2-12/84-Estt. I dated 14-11-1984. is reverted to his Egular post of Artist (Senior) with effect from forenoon of 1st March, 1985.

R. G. BANERJEE Director of Administration

## DIRECTORATE OF OILSEEDS DEVELOPMENT Hyderabad-500 029, the 8th March 1985

No. F. G.-16/76-Estt.—The Director. Directorate of Oil seeds Development is pleased to appoint Sri Uday Mohan Lal substantively to the permanent post of Assistant Director (Dev.) in the Directorate of Oilseeds Development, Hyderabad w.c.f. 1-11-1983.

M. D. WASNIK
Director

# (DEPARTMENT OF RURAL DEVFLOPMENT) DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 19th March 1985

No. A-31014/4/84·A. I.—The Agricultural Marketing Adviser to Govt. of India is pleased to appoint Shri R. B. Gupta substitutely to the permanent post of Statistical

Officer in the Directorate of Marketing and Inspection with effect from 17-8-1984.

The lien of Shri R. B. Gupta in the lower post, if any, shall stand terminated with effect from the date of his confirmation in the post of Statistical Officer.

## The 20th March 1985

No. A. 19025/14/84-A. III.—The resignation tendered by Sh. J. P. Meena, Assistant Marketing Officer in this Directorate has been accepted by the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India and he has been relieved on 2-3-85 (A.N.),

J. KRISHNA Director of Administration

# BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 15th March 1985

No. PA/73(10)/83/R-IV|267.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Dr. Jammihal Ravindra Shrinivas as Resident Medical Officer in Medical Division of the Bhabha Atomic Research Centre in a temporary capacity with effect from the forenoon of 8th March, 1985 for a period of three years.

N. L. VENKATESWARAN Dy. Establishment Officer

# DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY NARORA ATOMIC POWER PROJECT

Narora Township, the 14th March 1985

No. NAPP/Rectt/11(6)/85|S|3247.—Project Director, Narora Atomic Power Project, hereby appoints Shri Govind Singh, a permanent Assistant Accountant and officiating Assit. Accounts Officer to officiate as Accounts Officer-II on ad-hoc basis in the pay scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 in the Norora Atomic Power Project with effect from the forenoon of January 14, 1985 to February 28, 1985 vice Shri M. Srinivasan, Accounts Officer-II proceeded on leave.

R. K. BALI Chief Administrative Officer

# DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES Bombay-400 001, the 12th March 1985

Ref. DPS/2/1(26)/83-Adm.|6981.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri P.N.U. Nair, a permanant Purchase Assistant, as an Assistant Purchase Officer on an ad-hoc basis from 3-10-84 (FN) to 1-3-85 (FN) and on a regular basis with effect from 1-3-85 (FN) until further orders in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-FB-40-1200 in the same Directorate.

## The 13th March 1985

Ref. DPS/2/1(25)/83-Adm./7000.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Enregy appoints Shri R. K. Iver, a permanent Purchase Assistant, officiate as an Assistant Purchase Officer on a regular basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from 1-3-85 (FN) until further orders in the same Directorate.

## The 15th March 1985

Ref. No. DPS 41/2/85-Adm. 911.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri P. C. Mathai, a permanent Store Keeper, to 46—6GI/85

officiate as an Asstt. Stores Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from 17-12 1984 (FN) to 18-1-1985 (AN) in the same Directorate vice Shri V. B. Prabhu, Asstt. Stores Officer, promoted as Stores Officer (ad-hoc).

P. GOPALAN Administrative Officer

# OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi-66, the 16th February 1985

No. A. 32013/9/84-EA.—The Director General of Civil Aviation is pleased to post Shri A. Krishnamurthy, Deputy Director, Bombay as, Regional Control of Aerodromes, Bombay Region with immediate effect and until further orders. This office Notification No. A. 32013/9/83-EA. dated 10th January, 1985 may be treated as cancelled.

G. B. LAL Asstt. Dir. of Admn. for Dir. Genl. of Civil Aviation

## New Delhi, the 13th March 1985

No. A. 38012/1/85-EW.—Shri K. Kuppuswamy, Flectrical and Mechanical Officer, Office of the Regional Director, Madras Region, retired from Govt. service on 30th November, 1984, on attaining the age of superannuation.

G. B. LAL Asstt. Dir. of Admn.

## New Delhi, the 14th March 1985

No. A. 19011/75/80-EI.—On attaining the annuation, Shri A. N. Mukherjee, Director of Airworthiness, Civil Aviation Department, Calcutta Airport, retired from Government service on 31-1-85 (AN).

V. JAYACHANDRAN Asstt. Dir. of Admn.

## FOREST RESEARCH INSTITUTE & COLLEGES

Dehra Dun, the 13th March 1985

No. 16/434/84-Ests-1.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the President, Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun in pleased to appoint Shri R. Muthusami as Assistant Lecturer-in Engineering and Surveying, Central Forest Rangers College, Chandrapur (M.P.) under F. R. I. & Colleges, Dehra Dun, with effect from the forenoon of 6-2-1985, in a temporay capacity under further orders.

J. N. SAXENA Registrar, Forest Research Institute & Colleges

# MINISTRY OF INDUSTRY & COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

# COMPANY LAW BOARD OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Everest Creamics Corpn. Limited

Bombay, the 6th March 1985

No. 670/12180/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Everest Creamics Corpn Limited, Enless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Adltyapur Rubber Products Privite Limited

#### Bombay, the 6th March 1985

No. 691/1993/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Adityapur Rubber Products Private Limited, nuless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

## Bombay, the 6th March 1985

No. 16138/445(2) Liqu.—Notice in hereby given pursuant to Section 445 (2) of the Companies Act, 1956 that M/s. Crestel Marketing Pvt. 14d has been ordered to be wound up by an order dated 8-8-84 passed by the High Court of Mahatashtra and that the Official Liquidator attached to the High Court of Mahatashtra has been appointed as the Official Liquidator of the company.

O. P. JAIN Add). Registrar of Companies, Maharashtra, Bombay In the matter of the Companies Act, 1956 and of Jammu and Kashmir Brothers Corporation Private Limited

### Srinagar, the 13th March 1985

No. Pc/256/534.--Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Jammu & Kashmir Brothers Corporation Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

S. K. SEXANA Registrar of Companies, J&K

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Mfs. India Trading (Holdings) Limited

#### Shillong, the 15th March 1985

Notification No. Tech/R/560(5)/1257/5381.—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s India Trading (Hoblings) I imited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

Sd. ILLEGIBLE
Registrar of Companies,
Assam, Meghalaya, Manipur, Tripura, Nagaland,
Arunachal Pradesh & Mizoram, Shillong.

#### FORM LT.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

. Bhopal, the 8th February 1985

Ref. No. JAC/Acqn/Bpl/5622.—Whereas, k, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 4 & 3 (Part thereof) Kh. No. 30 situated at Govindpura, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 f. 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhopal in July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforexad property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evanion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Jagdish Prasad Bansal S/o Sh. Daudayal Saheb, R/o Halalpura, Bhopal.

(Transferor)

(2) M/s. Kamla Hotel & Properties (P) Ltd., Govindpura, Bhopal, Thro Managing Director Shri J. P. Bansal, S/o Daudayal, R/o Halalpura, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 4 & 3 (Part thereof) Kh. No. 30 is situated at Govindputa, Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income 'lax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

11 ne : 8 2-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th February 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl./5624.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. House (Shop) situated at Devendra Nagar, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur in July, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

M/s. Naresh Textiles,
 R. S. Shukia Road, Raipur,
 Thro' Partner Shri Samandasji & Dilalmal,
 R/o Civil Lines, Raipur.

(Transferor)

(2) (Minor) Sandipkumar S/o Shri Askaran Bothra— Guardian & Mishrilal Bothra, R/o Halwai I inc, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One shop is situated at Devendra Nagar, Raipur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Ploor Mills, Phopal

Date: 8-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th February 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl./5625.—Whereas ,I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Ariple storeyed bldg, bearing Mun. No. 15/96 situated at Jawahar Nagar Ward, Raipur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur in July, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any memorys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) o rthe said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

(1) Smt. Sitabai W/o Shri Ramchand Sathija, R/o 302, 3rd floor, Commander-in-chief Road, Madras.

(Transferor)

(2) Smt. Shcela Devi Gupta Wd/o Prakash Kumar, R/o Phul Chowk, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a periou of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Triple storeyed building bearing Mun. No. 15/96 is situated at Jawahar Nagat Ward, Raipur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 8-2-1985

Smt. Sitabai W/o late Sh. Ramehand Sathija R/o 302, 3rd floor, Commander-in-chief Road, Madras.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th February 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./5626.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Triple storeyed building bearing Mun. No. 15/96 situated at Jawahar Nagar Ward, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Raipur in July, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cept of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(2) Shri Prakash Kumar Dashora, Phul Chowk, Raipur,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person intertsted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Triple storeyed building bearing No. 15/96 is situated at Javahar Nagar, Raipur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWALZ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 8-2-1985

Scal:

#### FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK
KANPUR-208 012

Kanpur, the 14th March 1985

Ref. No. M-1353/84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 60, 24 situated at Marva Faizabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saharan Pur under registration No. 6541 dated 6-7-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to beliefe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Pohu Mal Pisar Kundo Mal Vill.—Behat Faizaḥad, Saharan Pur.

(Transferor)

(2) Shri Jagdev Singh & others 6-Gautam Nagar, New Delhi-49.

(Transferec)

(3) --do--

(Persons in occupation of the property)

(4) —do—

(Person whom the undersigned knows to be interested in property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same measuring as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agri. land with Garden No. 60, 24, 86, 92, 93, 84/1 gil Vill—Marva Pargana—Faizabad—Saharanpur.

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 14-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur, the 25th January 1985

Ref. No. K-151/84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 166 situated at Kakadeo Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 11940 dated 7-7-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Savitri Devi, W/o Late Sri Anand Kumar Gupta, R/o 111A/397, Ashok Nagar, Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Brindaban Behari Lal, Soo Sri Dharam Chand & Sri Radha Kishan Agarwal, Soo Sri Jeewal Lal, 111/156 Harsh Nagar, Kanpur.

(Transferee)

(3) —do-

(Persons in occupation of the property)

(4) —do—
(Person whom the undersigned knows to be interested in property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the the of publication of this notice in the Official Gazett or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION !—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 166, Block-H, Kakadeo, Kanpur,

J. P. HILORI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 25-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. I ANIN PARK
KANPUR-208 012

Kanpur, the 25th January 1985

Ref. No. K-152/84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value 'xcceding Rs. 25,000/- and bearing No. \%/304 situated at Chandrikadevi Road, Kanpur

\*6/304 situated at Chandrikadevi Road, Kanpur, and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 11821 dated 5-7-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922.

  (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax-Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the guid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—47—6GI/85

(1) Shri Naveli Sharan Garg, S/o 1. Kanhanyafal Garg, R/o 7/22, Tilak Nakar, Kanpur,

(Transferor)

(2) Shri Mathur Yaishya Janhit Bhawan Samiti, Through Shri Satish Chandra Gupta, Secretary, 84/82, G. T. Road, Kanpur.

(Transferee)

(3) --do-- (Persons in occupation of the property)

(4) —do—
(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 86/304, Raipurwa Chandrika Devi Road, Kanpur.

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kaupur

Date: 25-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GÖVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK
KANPUR-208 012

Kanpur, the 25th January 1985

Ref. No. K-165/84-85.—Whereas, J. J. P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No. 105/6930 sticated at Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 12079 dated 9-7-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-iax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

tyow, incretore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. Rckha Rani, w/o Sri Rameshwar Prasad, 6/25, Parbati Bagla Road, Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Moti Lal & Tikam Chand Sons of Sri Khoob Chand, R/o 122/333, Shastri Nagar, Kanpur.

(Transferee)

(3) -do--

(Persons in occupation of the property)

(4) —do---

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 105/693-0 at Bhannapurwa, Kanpur.

J. P. HILORI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 25-1-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur, the 25th January 1985

Ref. No. 166/84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 235 situated a Bicek C. Sekim No. 2 Kanpur (and reason fully described in the Sabadule apparent bearets).

No. 235 situated a Bicck C Sekim No. 2 Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act. 1908 (16 o) 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration I o. 12276 dat.d 11-784 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the onsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Rum Stoop Balic S/o Sh. Dolat Ram R/o 87/110, Bhannanapura—Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Kodhari Products, 24/19 Mall Road, Kanpur, Through M. M. Kodhari 16/72 Civil Line, Kanpur,

(Transferee)

(3) —do—

(Persons in occupation of the property)

(4) —do—

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the society of notice on the respective persons, whichever period expires late.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 235/Block P Skim No. 2, Kanpur.

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Pange, Kampur

Date: 25-1-1985

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE.
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK
KANPUR-208 012

Kanpur, the 25th January 1985

Ref. No. K-167/74-75.—Whereas, I, J. P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

113/126 situated at Swarup Nagar, Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 12297 dated 11-7-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afor said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating hte reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ram Kumar Nigam, S/o Sii Gur Dayal, R/o 113/126, Swarup Nagar, Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Panna Lal Gupta, S/o Sri Badri Prasad Gupta and others, R/o 74/224, Dhankutti, Kanpur.

(Transferee) .

(3) —do—

(Persons in occupation of the property)

(4) ---do--

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 113/126, Swarup Nagar, Kanpur.

J. P. HILORI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 25-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur, the 25th January 1985

Ref. No. K-170/84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

bearing No. No. 127/21/234 situated at Juhi Ka'an Koupus (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 12351 dated 13-7-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said, Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Rama Devi Jaiswal, w/o Sri Ram Sagar Jaiswal, C/o 8/44, Arya Nagar, Kanpur.

(Transferor)

(2) Smt. Vedwati Gupta, w/o Sri Babu Ram Gupta, R/o 128/96, F-Block, Kidwai Nagar, Kanpur.

(Transferee)

(3) —do—

(Persons in occupation of the property)

(4) -do-

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 127/21/243 situated at Juhi Kalan, Kanpur.

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 25-1-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur, the 25th January 1985

Ref. No. K-171/84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 48/151 situated at Generalganj, Kahpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 12356 dated 7-7-84 for an apparent consideration which is tess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer has agreed to between the partles has not been truly extend in

as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

(1) Shri Lakhan Lal, S/o Shri Fundan Lal, R/o 48/187 Generalganj, Kanpur.

(Transferor)

(2) M/s. Puttan Lal Dalal Through 517 Kessina Kumar Kapoor, Partner, R/o 22/73, Phulkhana, Kanpur.

('Transferee)

(3) --do-

(Persons in occupation of the property)

(4) --do--(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 48/151, Generalganj, Kanpur.

J. P. HILORI Competent Authority inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 25-1-1985

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

## FORM I.T.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCIIAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP, LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur, the 25th January 1985

Ref. No. K-173/84-85.—Whereas, I, J. P. IIILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 44/435 situated at Nai Sarak, Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have here therefored and registered under the Projects of Act.

has been transferred and registered under the Registration Act.

has been transferred and registered under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 12445 dated 9-7-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1967);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate Proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Mohd, Moin Khan S/o Shri Hazi Ahmad Khan, R/o 40/221, Naya Chowk .Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Niyaz Ahmad S/o Sri Imam Bux, Srnt. Shaghunisa W/o Sri Niyaz Ahmad, 44/435, Nai Sarak, Kanpur.

(Transferee)

(3) —do— (Persons in occupation of the property)

(4) →do— (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 44/435, Nai Sarak, Kanpur .

J. P. HILORI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 25-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur, the 25th January 1985

Ref. No. K-177/84-85.—Whereas, J. J. P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

and bearing No.

105/502-A situated at Anand Bagh, Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 12402 dated 9-7-84 for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sah Nath Pakah, the Toperad et hear Bagh, Kaupur.

(Transferor)

(2) Smt. Ishwaci Devi, w.'o Sri Gurankh Dass, R/o 124 B/239, Govind Nagar, Kanpur.

(Transferec)

(3) ·--do --

(Persons in occupation of the property)

(4) - do -

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires lates;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 105/502-A. Anand Bagh, Kanpur.

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range. Kanpur

Date: 25-1-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur, the 25th January 1985

Ref. No. K-178/84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsefter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 128/K/548 situated at Kidwai Nagar, Kanpur (and more fully described in the Schedule aunexed hereto) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 11750 dated 4-7-84 for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect 57 any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferres for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

No, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

48—6GI/85

(1) Shri Chaman Jal Shahni, S/o Late Lala Karam Chand Sahni, R/o 127/530, Block W/I, Juhi, Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Tirath Kam Bhawnani, Dashrath Dass Bhawnani, S/o Sri Shaman Dass, R/o 107/181, Nehru Nagar, Kamput.

(Transferce)

(3) -do--

(Persons in occupation of the property)

(4) —do—
(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections. if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 128/K/548/122 at Kidwai Nagar, Kanpur.

J. P. HILORI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 25-1-1985

#### FORM I.T.N.S. --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION PANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR, OPP LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 25th January 1985

Ref. No. M-183/84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/-and bearing No

84/78 sinusted at Factory Arya Juhi (and more fully described in the Schedule annexed hersto), has been transferred and registered under the Registering Officer at Kanpur under registration No. 11933 dated 7-7-1984 for an apprarent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have ceased to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the pattern has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

(1) Smt. Jeendo Rani, Karun Kumari R/o A-16, Jungpura X-tation, Delhi, Amrit Lata R/o 7G Ring Park-Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Prem Chand Jain, Pardeep Kuumar Jain, Others R/o 53/8 Naya Gang, Kanpur.

(Transferce)

(3) Prem Chand Jain, Pardeep Kuumar, Jain, Others R/o 53/8 Naya Gang Kanpur

(Persons in occupation of the property)

(4) Prem Chand Jain, Pardeep Kuumar Jain, Others R/o 53/8 Naya Gang, Kanpur.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Ifata No. 84/78 Factory Aciya Juhi Kurd Kanpur.

J. P. HILORI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rauge, Kanpur.

Date: 25-1-1985

NUTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR, OPP, LANIN PARK KANPUR-208 012

> Kanpur-208 012, the 16th February 1985

Ref. No. A-540/84-85.—Whereas, 1,

Ref. No. A-540/84-85.—Whereas, 1, J. P. HILORI, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovabl property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Kh. No. 6 situated at Mayasara, Azmabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Mathura under registration No. 6/20 dated 28-9-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weulth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Smt. Rama Devi W/o Mathra Prasad, R/o Govind Nagar, Mathura.

(Transferor)

(2) M/s. Brij Raj Calendering Works, Mathura through Partner Shri Nawan Kumar & Kanhiya Lal S/o Kishan Lal, R/o Bampier Nagar, Mathura.

· (Transferee)

(3) —do——

(4) --- do---

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (n) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHMOULE

Agricultural Land No. 6, at Village Sarai Azmabad-Dist. Mathura.

> J. P. HILLOŘI Compelent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaind property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the ing persons, namely :-

Date : 16/2/1985

11944

#### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE. 106/282, KANCIIAN BHAWAN GANDIU NAGAR, OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 16th February 1985

Ref. No. A-547/84-85.--Whereas, I, J P. HILORI, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. 2749 situated at Naraich Area

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Industrial Area under registration No. 4724 dated 20-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

, (1) Shri Sita Ram Kayan, S/o Ganpat Roy R/o Maudhoo Kiisto, Distt. Lane, Calcutta. (Transferor)

(2) Sh. Jagdish Pd. S/o late Shri Prabhoo Lal. Deen Dayal S/o late Shri Prabhoo Lal, R/o 4/346 Gali Puroian, Kutoherry Ghat, Area.

(Transferee)

(3) Shri Jagdish Pd. S/o late Shri Prabhoo Lal, Deen Dayal S/o late Shri Prabhoo Lal, R/o 4/346 Gali Purbian, Kutcherry Ghat, Area.

(Persons in occupation of the property) (4) Shri Jagdish Pd. S/o late Shri Prabhoo Lal,
Deen Dayat S o late Shri Prabhoo Lal,
R/o 4/346 Gali Purbian,
Kutcherry Ghat, Area.

(Persons whom the undersigned knows to

be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terrus and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Khasra No. 2749 Mauya Haraich Teh, Etmadpur Distt. Agra,

> J. P. HILORI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur.

Date: 16-2-1985

Scal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AGT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 106/282. KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR, OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 16th February 1985



Ref. No. A-582/84-85.-Whereas,

J P. HILORI, IRS, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No.situated at Shop Fatehabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Fatchabad under registration No. 3892 dated 28-8-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; agd∕ot
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2850 of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Smt. Ram Beti W/o Gopi Chand, R/o Boli Road, Kasba Fatchabad Dist-Agra.

(Transferor)

(2) Dr. Susheel Kumar Gurta S/o Narendra Deo, R/o Kashba Fatehabad Agra.

(Transferee)

(3) Dr. Susheel Kumar Gupta S/o Narendra Deo, R/o Kashba Fatehabad Agra.

(Persons in occupation of the property)

(4) Dr., Susheel Kumar Gupta S/o Narendra Deo, R/o Kashba Fatehabad Agra.

(Persons whom the undersigned knows to

be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One shop at Agra Bab Marg Kasba Fatchabad Agra.

J. P. HILORI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur.

Date: 16-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR, OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 16th February 1985

Ref. No. 595/84-85.--Whereas, I, J. P. HILORI, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 32 situated at Maya Tehra Teh. Kheragarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kheragarh under registration No. 2132 dated 27-7-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property ad aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely—

(1) Shri Gyan Singh & Rajveer Singh, & Ram Veer Singh S/o Shri Ram Singh,
R/o Vill. Tehra, Teh. Kheragarh,
Distt. Agra.

(Transferor)

(2) Smt. Indra Agarwal, W/o Shri Harish Chand Agarwal & Shri Kishan Goel S/o Shri Ramjee Lal, R/o Kutcheri Ghat—Agra.

(Transferee)

(3) Smt. Indra Agarwal W/o Shri Harish Chand Agarwal & Shri Kishan Goel S/o Shri Ramjee Lal, R/o Kutcheri Ghat—Agra.

R/o Kutcheri Ghat—Agra.

(Persons in occupation of the property)

(4) Smt. Indra Agarwal,

W/o Shri Harish Chand Agarwal &

Shri Kishan Gocl S/o Shri Ramjee Lal,

R/o Kutcheri Ghat Agra

R/o Kutcheri Ghat—Agra.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural Land at Vill. Gehra Distt.-Agra,

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date | 16-2-1985 Seal #

透り 遊

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION \*RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR, QPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 16th February 1985

Ref. No. A-612/84-85.—Whereas, I,

J P. HILORI, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. 241 situated at Kurai Koal (and more fully described in the Schedule annexed hereto) 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Aligarh under registration No. 6059/27/84 dated 27-7-84 at Aligarh under registration No. 6059/27/84 dated 27-7-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfers for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act. to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Avinash Singh W/o Shri Balwant Singh, Village Dirauta Bishwa Nath Pur—Tch. Anoop Shahar—Bulandshahr.

  (Transferor)
- (2) Agroba Sahkari Awas Samiti Ltd., 13/346, Mamu Bhanja—Aligarh, Through : Shri Raj Pal Sharma—Masuda Bad—Aligarh. (Transferee)
- (3) Agroha Sahkari Awas Samiti Ltd., 13/346, Mamu Bhanja—Aligarh, Through: Shri Raj Pal Sharma—Masuda Bad—Aligarh.
- (Persons in occupation of the property)
  (4) Agroha Sahkari Awas Samiti Ltd.,
  13/346, Mamu Bhanja—Aligarh,
  Through: Shri Raj Pal Sharma—Masuda Bad—

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land No. 241- 'ख' (Area—3 Bigha, 15 Biswa) situated at Vill—Kuarsi—Tah—Koal—Aligarh.

J. P. HILORI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur.

Date: 16-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE. 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR, OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 16th February 1985

Ref. No. A-618/84-85.—Whereas, I,
J. P. HILORI, IRS,
being the competent authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act) have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1.00,000/- and bearing
No. 785 situated at Mohrajpur Bilhour
(apd more fully described in Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Bilhour under registration No. 1640 dated 9-7-84.
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesald property and I have reason
to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Bisanu Rao S/o Shri Keshav Rao, R/o Tetjaganj Mahrajpur Pet, Bilhaur Distt, Kanpur,

(Transferor)

(2) M/s. Kanpur Dye Casting & Chemicals Pvt. Ltd. 573, Block N, New Alipur, Calcutta,

(Transferee)

(3) M/s. Kanpur Dye Casting & Chemicals Pvt. Ltd. 573, Block N, New Alipur, Calcutta.

(Persons in occupation of the property)

(4) M/s. Kanpur Dye Casting & Chemicals Pvt. Ltd. 573. Block N. New Alipur. Calcutta.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said preserty may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural Land No. 785 et vill, Mahrajpur Pargana Bilhaur Distt. Kanpur,

J. P. HILORI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur.

Date: 16-2-1985

\_\_\_\_

#### FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE. 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR, OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

> Kanpur-208 012, the 16th February 1985

Ref. No. A-632/84-85.—Whereas, I,

J. P. HILORI, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing
No. 27/2 situated at Pathna Belanganj

No. 27/2 situated at Pathna Belanganj (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra under the registration No. 18340 dated 22-8-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- is) racilitating the reduction or avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
49—6G1/85

(1) Smt. Nirmala Sariu W/o Dr. late Maha Nath Sariu Pathwari Balangani, Agra. (Transferor)

(2) Shri Padam Chand Jain, S/o Shri Banarasi Das Jain, Sushil Kumar S/o Padam Chand Jain, 27/2, Belan Ganj Pathwari—Agra.

(Transferce)

(3) Shri Padam Chand Jain,
S/o Shri Banarasi Das Jain,
Sushil Kumar S/o Padam Chand Jain,
27/2, Belan Ganj Pathwari—Agra.
be interested in the property

(4) Shri Padam Chand Jain
S/o Shri Banarasi Das Jain,
Sushil Kumar S/o Padam Chand Jain.
27'2, Belen Ganj Pathwaii—Agra.

Persons whom the undersigned knows to
(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Property No. 27/2, 27/1, situated at Pathwarl—Belan Ganj—Agra.

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 16-2-1985

Scal :

(1) Shri Riyasat Hussain S/o Saddiq Hussain R/o Chham Chham Gali Agra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BIAWAN GANDHI NAGAR, OPP. LAZIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 16th February 1985

Ref. No. A-635/84-85.—Whereas, I,
J. P. HILORI, IRS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that
the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No.———situated at Mauya Mau, Mustkil, Agra
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and registered under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer
at Agra under registration No. 18301 dated 27-7-84
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and 'I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice vader subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Agra Cantonment Sahkari Avas Samiti Ltd. Agra. through Shri Mahaveer Pd. Upadhyay (Secy).

(Transferee)

- (3) Agra Cantonment Sahkari Avas, Samiti Ltd, Agra. through Shri Mahaveer Pd. Upadhyay (Secy). (Persons in occupation of the property)
- (4) Agra Cantonment Sahkati Avas. Samiti Ltd. Agra through Shri Mahavcer Pd. Upadhyay (Secy).

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land at Maiya Mau Musktel-Agra.

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 16-2-1985

Seal

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 14th March 1985

Ref. No. ASR/84-85/171.—Whereas, 1, S. C. KAPIL, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property situated at Mission Road, Pathankot. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Competent Authority at S. R. Pathankot on July 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Suresh KumarS/o Shri Mansa Ram,r/o Pathankot, Distt. Gurdaspur.

(Transferor)

(2) Dr. Mrs. Swaran Mahajan w/o Dr. S. K. Mahajan, 115-16, Garden Colony, near Ramlila Grounds, Mission Road. Pathankot.

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One property No. 115-16 Garden Colony, Ramlila Grounds, Mission Road, Pathankot, as mentioned in sale deed No. 793 dt. 3-7-84 of registering authority, Pathankot.

S. C. KAPIL, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-3-1985

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 4th March 1985

Ref. No. ASR/84-85/172,---Whereas, I, S. C. KAPIL, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. One property situated at Batala Road, Amritsar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on July, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferror to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) fucilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Harnant Kaur wd/o, Sh. Karam Singh,
   Jorian Kothi, Batala Road, Amritsar.
   (Transferor)
- (2) S/Shri Kiratpal Singh, Rajwinder Singh, ss/o Sh. Amarjit Singh, Sh. Amarjit Singh S/o Sh. Tara Singh, Smt. Raghbir Kaur W/o Sh. Amar Jit Singh, Vijay Nagar, Batala Road, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said propert may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on abe respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this restice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One property situated at Batala Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 2711 dt. 11-7-84 of registering authority, Amritsar.

S. C. KAPIL, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 4-3-1985.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 4th March 1985

Ref. No. ASR/84-85/173.—Whereas, I, S. C. KAPIL, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property situated at Batala Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed horeto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at S. R. Amritsar in July, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(ac) facilitating the reduction of evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

 Smt. Harnant Kaur wd/o. Sh. Karam Singh,
 Jaurian Kothi, Batala Road, Amritsar.

(Transferor)

- (2) Shri Amarjit Singh S/o Shri Tara Singh, Smt. Raghbir Kaur W/o Shri Amarjit Singh, 170 Vijay Nagar, Batala Road, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any,
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the anid property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One property situated at Batala Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 2219 dt. 11-7-84 of registering authority, Amritsar.

S. C. KAPIL, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Now. therefore, in pursuance of Section 269°C of the sulf Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

Date: 4-3-1985,

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KALATHIPARAMBU COCHINE-682016

Cochin, the 4th March 1985

Ref. No. L.C. 726/84-85.—Whereas, I, MRS. S. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-bearing Sy. No. as per schedule at Vijayapuram

(and more fully described in the Schedule annexed herto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Kottayam on 6-7-1985

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri A. I. Tomas, Aryattuparambil House, Lalbahadur Sastri Road, Kottayam.

(Transferor)

(2) Sri V. C. Joseph, Smt. Ancy Joseph, Vettoor House, L.B.S. Road, Kottayam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

24.937½ cents of land with a building in Sy. No. 18/10 of Vijayapuram village, registered in SRO., Kottayam, vide Doc. No. 1858/84 dated 6-7-1985.

MRS. S. CHAUDHURI, Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 4-3-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KALATHIPARAMBU
COCHINE-682016

Cochin, the 14th February 1985

Ref. No. L.C. 725/84-85.—Whereas, I.

B. RAVIBALAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Sy. No. as per scheduled situated at Mayelikkara (and more fully described in the schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Mayelikkara on 30-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property so aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of the sai

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Maggie John, W/o Dr. M. V. John, Alintethekkathil Bungalow, Mavelikkara.

(Transferor)

(1) Smt. Sosamma Nainan, W/o P. C. Nainan, Dr. Biju Nainan, S/o Sri P. C. Nainan, Polachirackal Veedu—Punnamoodu—Mavelikkara.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netics in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the!

Chapter.

#### THE SCHEDULE

23 cents of land and a building in Sy. No. 141/1B, 141/1C/2 141/1E/1 and 141/1E2 of Mavelikkara Village. Village.

B. RAVIBALAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sast Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely

Date: 14-2-1985

Scal:

## FORM J.T.N.S.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961, (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, KALATHIPARAMBU ROAD, COCHIN-662 016

Cochin, the 11th February 1985

Ref. No. L.C. 721/84-85.—Whereas, I. B. RAVIBALAN. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. as per schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

has been transferred under the registration rice, 1908) in the office of the registering officer at Ernakulam on 13-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Mrs. Saradamma Kizhakke Thottakkattu Veedu Karithala Desom—Frnakulam.

(Transferor)

 Dr. T. R. Bhaskara Kumar, Z. Smt. T. R. Lakshmi Devi, 3. Smt. K. Latha & 4. K. Geetha. C/o Dr. T. R. Bhaskara Kumar, Sundt. Govt. Hospital, Palluruthy.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said properfy may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE .

1/4th share in 7 cents of land in Sy. No. 716/3 & 1557/3 of Ernakulam Village, registered in SRO, Ernakulam, as per document No. 2267 dated 13-7-1984.

B. RAVIBALAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernskylam

Date: 11-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION 'RANGE, KALATHIPARAMBU ROAD, COCHIN-662 016

Cochin, the 11th February 1985

Ref. No. L.C. 722/84-85.—Whereas, I, B. RAVIBALAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

bearing Sy, No. as per schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ernakulam on 29-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay our under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-atx Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—.

50-6GT/85

(1) Mrs. Parvathi Amma, Kizhakkethottakkattu Vcedu Karithala Desom—Ernakulam.

(Transferor)

 I. Dr. T. R. Bhaskara Kumar,
 Smt. T. R. Lakshmi Devi, 3, K, Latha & 4,
 K. Geetha, C/o Dr. T. R. Bhaskarakumar, Supdt. Govt. Hospital, Palluruthy.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/4th share in 7 cents of land in Sy. No. 716/3 & 1557/3 of Ernakulam village, registered in SRO, Ernakulam, vide document No. 2754 dated 23-8-1984.

B. RAVIBALAN.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Agguisition Range, Etnakulam

Date: :1-2-1985

Scal:

#### POPM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE, KALATHIPARAMBU ROAD. COCHIN-662016

Cochin, the 11th February 1985

Ref. No. L.C. 723/84-85.—Whereas, I, B. RAVIBALAN,

B. RAVIBALAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

bearing Sy. No. as per schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ernakulam on 29-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly staed in hes said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitaing the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Jayasankar Kizhakke Thottakkattu Veettil Karithala Desom—Ernakulam.

(Transferor)

(2) 1. Dr. T. R. Bhaskara Kumar,
2. Smt. T. R. Lakshmi Devi.
3. Smt. K. Latha and 4. K. Geetha,
C/o T. R. Bhaskara Kumar, Govt. Hospital,
Palluruthy.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons,
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in 7 cents of land in Sy. No. 716/3 & 1557/3 of Ernakulam Village, registered in SRO, Ernakulam vide document No. 2755 dated 27-8-1984.

B. RAVIBALAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 11-2-1985

#### FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, COCHIN-662 016

Cochin-662 016, the 8th Fabruary 1985

Ref. No. L.C. 724/84-85.—Whereas, I, B. RAVIBALAN,

being the Competent Authority under Section 269-B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Sy. No. as per schedule situated at Ernakulam
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ernakulam on 11-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparents consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act., I hereby maiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Miss Sylaja Kizhakkethottakkettu House Karithala—Ernakulam.

(Transferor)

(2) 1. Dr. T. R. Bhaskara Kumar, 2. Smt. Γ. R Lakshmi Devi, 3. Smt. K. Latha 4. K. Geetha, C/o Dr. T. R. Bhaskara Kumar Supdt. Govt. Hospital, Palluruthy.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and exxpressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/4th share in 7 cents of land in Sy. No. 716/3 & 1557/3 of Ernakulam village, registered in SRO, Ernakulam, as per document No. 2935, dated 11-9-1984.

B. RAVIBALAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ernakularn

Dated: 8-2-1985

#### FORM ITNE-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 12th February 1985

Ref No. IAC/Acq/62/23/84-85.—Whereas I, M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 5.2 on 2nd. Floor of building on Plot No. P-2 situated in Laxminagar. Mouza, Ajni Nagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Pangpur on 31-7-1984, [fig. 17] for an apparent consideration which is Jess than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any inverse arising free. the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Laxmi Keshav Griha Nirman Sahkari Sanstha Ltd. Nagpur.

(Transferor)

(2) Shri Ramchandra Vishnuji, Parnskar P.T.S. Road, Laxminagar, Nagpur,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 5,2 on 2nd Floor of the building on Plot No. P-2 situated in Laxmiragar, Mouza, Aini, Nagpur.

M. C. IOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Nagpur

Date: 12-2-1985

Scal 1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE

3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGRUR

Nagpur, the 12th February 1983

Ref. No. IAC-Acq/63/23/84-85.--Whereas, I, M. C. JOSHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs\_25,000/- and bearing

A house on Plot No. 28/2 situated in Awadntwadi,

Yeotmal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Yestmal on 23-7-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betand that the consideration for such transfer as agreed to bet-ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating or other assets which have not been or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

- Shri Sadashiv Shankarao Deshnande,
   Shri Shripad
   Shri Vishru
   Shri Sharad Chandra,
   Shri Suresh Wada Deshnande,

  - ull r/o Mouza Mahagaon Kasba Tay Ner Dist. Yestmal.

('[ransferor]

(2) Smt. Shebhatai r/o Shantinand Mankar Awadntwadi, Yestmal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A house on Plot No. 28/2 situated in Awadntwadi,

M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Nagpur

Date: 12-2-1985

#### FORM ITMS

(1) Mahadeo Şansthan, Wadali, Amraoti.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Rajeshwai Trading Co. Ambapeth, Amraoti,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 14th December 1984

Ref. No. 1AC-Acq/56/21/84-85.—Whereas, I. M. C. JOSHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. 3 ND.1/1 10.7 acres of agriculture land situated at mouza wadali. 'Jah. & Distt, Amroati

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Amravati on 26-7-1984,

persons, namely :-

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor, andjor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following y be made in writing to the undersigned :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

10.7 Acres of agricultural land side S. No. 1/1 situated t Mouza Wadali, Tah. & Distt. Amraoti.

M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Nagpur

Date: 14-12-1984

------

#### FORM ITNS-

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE 3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 14th November 1984

No. IAC-Acg/48119/84-85.—Whereas, I. M. C. JOSHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 3 out of House No. 102 on Nazul Plot No. 95 Dn No. 8, Farmland C. No. 90 Canal Road. Ramdaspeth,

Nacmir.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Nagpur on 13-7-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Smt. Pushpaben Jayantilal Shah R/o Lumbheshwar Pole, Relief Road, Ahmedabad (Gujarat).
  - Shri Ashwin Kumar S/o Jayantilal Shah R/o AS Ayojan Nagar, Flat, Paldi, Ahmedabad (Gujarat).

3. Shri Sanat S/o Jayantilal Snah R/o 27, Nilkanth Nazar, Bhaiuch (Gujarat). 4. Shri Shrenik S/o Jayantilal Shah R/o

 Shii Shient 5/0 Jayanthal Shah R/0 Lambhashwar Pole, Relief Road, Ahmedabad, (Gujarat).
 No. 1, 2 & 4 through Authorise Agent, Shri Sanat 5/0 lavanthal Shah R/0 27, Nilkanth Nagar, Bharuch, Gujarat.

(Transferor)

(2) Smt. Framilaben W/o Shri Mahesh Shah, R/o Chindwada Road, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning mas given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 3 out of house bearing M. H. No. 102 constructed on Southern portion of Nazul plot No. 95 situated in Division 8, C. No. 20, Ward No. 72 on Canal Road Ramdaspeth, Nagpur, Sold Flat admeasuring a total area of 762.00 sq. ft.

M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Nagpur

Date: 14-11-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 14th November 1984

No. JAC-Acq/49/19/84-85.—Whereas, I. M. C. JOSHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 3 out of house No. 102 on Nazul plot No. 95 Dn. No. 8 Farmland C No. 20, Canal Road, Ramdaspeth

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nagour on 13-7-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following process as a small results. following persons, namely:

(1) 1. Smt. Pushpaben Jayantilal Shah R/o

Smt. Pushbaben Jayanthal Shah R/o
 Lambeshwar Pole, Ahmedabad.
 Shri Ashwin Kumar Jayanthal Shah R/o
 AJ, Ayojan Nagar, Ahmedabad.
 Shri Sanat Jayanthal Shah R/o
 Shri Shrerik Jayanthal Shah R/o
 Ahmedabad.

Ahmedabad. 1, 2 & 4 through Authorise Agent Shri Sanat Jayanulal Shah R/o 27 Nilkant Nagar, Bharuch (Gujarat).

(Transferor)

(2) Smt, Hansaben Maganlal Chhoda, R/o Chirdwada Road, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (s) by any of the aforosaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoxable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 2 out of house No. 102 constructed on Nazul Plot No. 95 situated on division 8, C. No. 20, Wd. No. 72, Canal Road, Farmland, Nagpur. Sold Flat No. 2 admeasure ing 1350 sq. ft.

> M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
> Acquisition Range, Norphy

Date: 14-11-1984

(1) M/s Halwasiya Properties (P) Ltd. Halwasiya Court. Hazratganj, Lucknow. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Deepashree Mohan.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE 57. RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 26th July 1984

G.I.R. No. 19/37EE/Acq.--- Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Office No. 21, 22, 23 & 24 situated at 11, M. G. Marg,

Habibulla Compound, Lucknow,

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Lucknew on 25-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the shid Act, to the following persons, namely :-

51-6GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice n the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office Nos. 21, 22, 23 and 24 on the VI floor measuring 425 sq. ft. in the Commerce House, situated at 11, MG. Marg, Habibulla Compound, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow under GIR No. 95/37EE/Acq. dated 25-7-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 26-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Halwasiya Court, Hazratgani, Lucknow. (Transferor)

(2) Miss Mitali Mohan.

(1) M/s Halwasiya Properties (P) Ltd.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 26th July 1984

G.I.R. No. 20/37EE/Acq -- Whereas, 1,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Office No. 21, 22 23 & 24 situated at 11, M.G. Road, Habibulla Compound, Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the I.T. Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Lucknow on 25-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gafietic.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office Nos. 21, 22, 23 and 24 on the VI floor, measuring 125 sq. ft. in the Commerce House, situated at 11, M.G. Mare, Habibulla Compound, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, I acknow under GIR No. 96/37EE/Acq., Inted 25-7-84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Pate: 26-7-1984

M/s Halwasiya Properties (P) Ltd., Halwasiya Court, Hazratganj, Lucknow.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Master Manas Mohan

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57. RAM TIRTH MARG. LUCKNOW

Lucknow, the 26th July 1984

G.I.R. No. 21/37FE/Acq.--Whereas, f. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Office Nos. 21, 22, 23 & 24 sittated at 11, M.G. Marg, Habibulla Compourd, Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under and the agreement is registered U/S 269AB of the I.T. Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

I ucknow on 25-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more tha fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Office Nos. 21, 22, 23 and 24 on the VI floor, measuring Once Nos. 31, 22, 25 and 24 of the VI door, sheasting 125 sq. ft. in the Commerce House, situated at 11, M.G. Maig, Habibulla Compound, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow under GIR No. 97/37EE/Acq., dated 25-7-84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under subsection (1 of Section 269D of the said Act to the following persons, namely .-

Date: 26-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE; 57. RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 13th March 1985

G.I.R. No. A-165/Acq.-Whereas, I, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Arazi land situated at Mohalla Viharman Nagla, Distt.

Bareilly.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

under the Registration Act, 1908 16 of 1908) in the Office of the Registering Officer/Registrar/SubRegistrar at

bareilly in July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability. of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising, from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Shri Harish Chandra Bhatia.

Shri Vasudev Bhatia.
 Shri Darshan Lal Bhatia.

4. Smt Budhwanti,

(Transferor)

(2) 1. Smt. Asha Agarwal.

2. Snit. Veena Agarwal. 3. Smt. Shobha Agarwal.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Arazi land measuring 89 3/9 sq. yards situated at ohalle—Viharman Nagla, Pargana, Tehsil and Distt. Mohalla—Viharman Nagla, Pargana, Tehsil a Bareilly (as mentioned in 37G Form No. 5430) and Distt.
)) registered by the Registering Authority, Bareilly on July 1984.

> Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under subsection (1 of Section 269D of the said Act to the following ு⊷ons, namely ..

Date: 13-3-1985

(1) Shri Chau.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Arya Nagar Sahkari Avas Samiti Ltd., Moradabad, through Resident, Shri Ram Mohan, and Shri Vijai Sharker Misea

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE 57. RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 12th March 1985

G.I.R. No A-166/Acq.---Whereas, I.

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Arazi No. 939-A and No. 940 situated at Village-

Lankri Fazalpur. Moradabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

has been transferred under the Registration Act, 1908 16 of 1908) in the Office of the Registering Officer/Registrar/SubRegistrar at \*Moradabad in July 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than the fair market value of such apparent consideration and that the

filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and∕•r

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Conzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Galiette.

The terms and expressions used herein as EVPLANATION: are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Arazi, No. 939-A measuring 0-50 decimals, No. 940 measuring 0-52 decimals; total 1-02 Jecimals, situated at Village-Lankri Fazalpur, Moradabad, (as mentioned in 37G Form No. 4983) legistered by the Registering Authority, Moradabad in July 1984.

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 12-3-1985

(1) Smt. Amiya Dovi Chaudhary.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 15th March 1985 -

G. I. R. No. K-149/Acq.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

House No. 136 (old) 140 (new) situated at Azad Square, South Malaka, Allahabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at Allahabad on 13-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpotes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persone, namely :--

(2) 1. Shri Kunja Behari Dhar 2. Smt. Sudha Rani Dhar.

(Transferee)

(3) Vendor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 136 (old) 140 (new) with land area 138.4 Sq. yards with all fittings, fixtures etc. situated at Azad Square. South Malaka, Allahabad, registered by the Registering Authority, All habad on 13-7-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Lucknow

Date: 15-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
57, RAM TIRTH MARG,
LUCKNOW

Lucknow, the 12th March 1985

G.I.R. No. M-213/Acq,—Whereas, I, A, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 130/6-Ka with land situated at Jagdish Chandra Bose Marg, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow on July, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which, ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under subsection (1 of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Gurmeet Kaur.

(Transferor)

(2) Smt. Manorama Gupta.

(Transferee)

(3) Vendee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 130/6-Ka with land measuring 2234 sq. ft. situated at Jagdish Chandra Bose Marg. Lucknow (as mentioned in 37G Form No. 8334) registered by the Registering Authority, Lucknow on July, 1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Lucknow

Date: 12-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 15th March 1985

G. I. R. No. R-243/Acq.--Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 134

situated at Azad Square, South Malaka, Housing Scheme,

Allahaba

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Allahabad on 13-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Amiya Devi Chaudhary.

(Transferor)

(2) Shri Raj Kumar Agarwal.

Transferee)

(3) Vendor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days fr mothe date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 134 built on a portion of plot No. 24, having an area of 147 sq. yds. with 4 room situated at Azad Square, South Malaka, Housing Scheme, Allahabad registered by the Registering Authority, Allahabad on 13-7-1984.

A. PRASAD

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tur

Acquisition Range
Lucknov.

Date: 15-3-1985

PART III—SEC. 11

#### . FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, , , A LUCKNOW

Lucknow, the 13th March 1985

G. I. R. No. V-78/Acq.---Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and

bearing No.

One house with land

situated at Kanjari Sarai, Moradabad

(and more fully described in the Schedule annnexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Moradabad on July, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following parsons pages 1 ing persons, namely :-52 -- 6GI/85

(1) 1. Shri Setya Matain Chaujar
2. Shri Pratap Naram Chaujar
Through Guardian, Sri Satya Narain Chaujar
3. Shri Iqbal Narain Chaujar
Through Guardian, Sri Satya Narain Chaujar
4. Shri Tel Narain Chaujar
Through Guardian, Sri Satya Narain Chaujar
5. Shri Shiy Naraja Chaujar
Through Grandian, Sri Satya Narain Chaujar
Through Grandian, Sri Satya Narain Chaujar

Through Guardian, Sri Satya Narain Chaujar (Transferor)

(2) Shri Vishwa Nath Kapoor.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One house with land measuring 333.67 sq. mtrs. situated at Kanjari Sarai, Moradabad (as mentioned in 37G Form No., 5012) registered by the Registering Authority, Morabada on July, 1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Lucknow

Date: 13-3-1985

Scal:

L

(Transferee)

#### FORM ITNS-

(1) Smt. Divya Rajalakshmi Rana.
Through Power of Attorney,
Shri Nainu Shamsher Jung Bahadur Rana.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Modi Rubber Ltd., Modi Nagar, U. P. Through Shri K. K. Gupta, Manager Finance

#### **GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 12th March 1985

G. I. R. No. M-214/Acq.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

A double storeyed Bungalow

situated at Ayarpata, Mallital, Nainital

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering/Officer/Registrar/Sub-Registrar of

Registrar at Nainital on 2-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A double storeyed Bungalow comprised of 9 rooms with land measuring 10964 sq. mtrs. having covered area of bungalow and out houses—8580 sq. ft., situated at Ayarpata, Mallital, Nainital, registered by the Registering Authority, Nainital, on 2-8-1984, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed.

A. PRASAD,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax
Acquisition Range
Lucknow

Now therefore, in pulsuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-3-1985

Scal :

 $\overline{\Box}:\overline{\Box}$ 

#### FORM ITNS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1985

Ref. No. AC-70/Acq. R.-IV/Cal/84-85,—Whereas, I, SANKAR K. BANTRIEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per Schedule situated at Scrampore, Hooghly (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1906) in the office of Registering Officer

at Calcutta on 16-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be flisclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269B of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Ambala Sarabhai Enterprises Ltd.
—Wadi Wadi Barada

(Transferor)

(2) M/s. OPCE Innovations Ltd.
Sharti Sadan Mirzapur Road Ahmedabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property withlin 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land: 14 Bighas of land with structures.

Address: Mouja-Mahesh, P. S. Serampore, Dt. Hooghly Deed No. 8287 of 1984.

SANKAR K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
54, Rafi Ahmed Kidwi Road
Acquisition Range-IV
Calcutta 700 016.

Date : 14-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMETAX.

## ACQUISITION RANGE-IV CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1985

Ref. No. AC-71/Acqn R-IV/Cal/84-85.Whereas, I, SANKAR K. BANERJEE. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- add bearing No. as per Schedule situated at Sodeper, 24-Pargenas (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the kegis ration Act, 1908 (16 or 1906) in the office of Registering Officer at. Calcutta in 4-7-1984 for an annurrent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument. of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or res moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax. Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely the

- (1) Shri Somenath Mukhopadhaya 2, Burma Shell P. S. Khardah Dt-24-Paraganas. (Transferor)
- (2) Sri Nityananda Chakraborty-10/2Devi Niwas Road, Calcutta-74.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned »

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: -The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land 3 cottahs 8 chittaks of land with structures-Sodepur, P. S. Khardah, Dt. 24-Parganas Deed No. 7680 of

> SANKAR K. BANERIEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax 54, Rafi Ahmad Kidwai Road Acquisition Range-IV Calcutta 700 016.

Date: 14-3-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-IV CALCUTTA

Calcuta, the 14th March 1985

Ref. No. AC 73/Acqn. R. 4V/Cal/84 85.—Whereas, 1, SANHAR K. BANERIFE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No or per Schedule situated at Kuroong, Darjeeling (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred order the Regis ration Act, 1908 (16 of 1906) in the office of Registering Officer at Calcutta on 24-7-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/as
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

- (1) M/s Coventry Tea & Engg. Co. (P) Ltd.-23, Ganesh Chandra Ave., Calcutta-13. (Transferor)
- (2) M/s. Tiru Tea (P) Ltd. 9, Lala Lajpat Rai Sarani, Calcutta-20, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land:

Address: 673 acres of land with structures etc.

Deed No.: Castleton (Gouri Shankar) Tea Estate,

Kurscong, Dt. Darjeeling.

37-1-F-6/R-JV 84-85

SANKAR K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
54, Rafi Ahmad Kidwai Road
Calcutta 700 016.

Date: 14-3-1985

\*

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II CALCUTTA

Galcutta, the 31st January 1985

Ref. No. AC-100/R-II-/Cal/84-85.—Whereas, I, SANKAR K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 19-B, situated at Alipore Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1906) in the office of Registering Officer at Competent Authority on 30-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shubham Properties of 23A, Netaji Subhas Road, 5th floor, Room No. 5, Calcutta-700 001.

(Transferor)

(2) 1. Sushil Kumar Jhanwar, 2. Lalit Kumar Jhanwar, C/o. Sunil Chemicals, 89. Netaji Subhas Road, C alcutta-700 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Capter.

#### THE SCHEDULE

One Flat measuring 1000 Sft. situated at 19-B, Alipore Road. Calcutta-27, Unit-F, on 4th floor. Registered before the Competent Authority vide Sl. No. 14 dated 30-7-1984.

SANKAR K. BANERJEE

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
54, Rafi Ahmad Kidwai Road
Calcutta 700 016.

Date : 31-1-1985 Seal :

#### FORM ITNS ...

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (1) Shubham Properties of 23A, Netaji subhas Road, 5th floor, Room No. 5, Calcutta-700 001,

#### (Transferor)

(2) Prodosh Kumar Chatterjee of 62, Brahma Samaj Road, Calcutta.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II CALCUTTA

Calcutta, the 31st January 1985

Ref. No. AC-102/R-II/Cal/84-85.—Whereas, I, SANKAR k. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No. 19B situated at Alipore Road, Calcutta-27 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1906) in the office of Registering Officer at Competent Authority on 30-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons,
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

#### THE SCHEDULF

One Flat measuring 1230 Sft. situated at 19B, Alipore Road, Calcutta-27, Unit-B, on 3rd floor. Registered before the Competent Authority vide Sl. No. 13 dated 30-7-1984.

SANKAR K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
54, Rafl Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 31-1-1985

SOUT:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BHUB \NESWAR-9

Bhubaneswar-9, the 1st March 1985

Ref. No. IAC/Acq./CTC-1/84-85 2171-72.—Whereas I, R. C. SETHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

3759 situated at Tulasipue

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1906) in the office, of Registering Officer at Calcutta on 23 7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

(1) Shri Kishore Chandra Das, S. o. Shiri Niranjan Dasi

(Transferor)

Designer Virmani (2) Padmaja D/o. Shri Kishore Chandra Das, Plot No. 122, Surjanagar-Bhubaneswar Bhubaneswar New Capital, Dist. Puri (Orissa).

(Transferce)

(3) Shrimati Meeta Kanungo D/o Shri Surendrana'h Kanungo, Rausapatna-New Colony, PS-Bakharabad, Puri Ghat, Dist. Cuttack (Orissa). (Pison in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

District-Cuttack, P. S. No. 195, Pregana - Cuttack Haveli No. 1566 B - Registry Part-II, Khewant No. 1, Mouza Tulsipur, Khata No., Khasada No. 722-Area A.140 dec. out of 8-248 dec. and Building thereon having holding No. 547 in ward No. 1 of Cuttack Municipality.

R. C. SUTHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range Bhub massar-9

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 16th February 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/1091/37EE/7812/84-85.--Whereas, I,

ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

Flat No. 2B on the first floor of the building S. No. 47/30C Parvati, Plot No. 8, Arnyashwar Road, Pune-9.

situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1906) in the office of Registering Officer
1.A.C., Acqn, Range, Pune on Nov. 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to-between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee, for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the Acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of said Act, to the following persons, namely:— 53---6GI/85

(1) M/s. Bhalchandra Land Developers, 2051 Sadashiv Peth, Punc-30.

(Transferor)

(2) Shri Madhav Shripad Gupchup, 488 Kasba Peth, Pune-11.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 2B on the first floor of the building S. No. 47/30C Parvati Plot No. 8, Arnyashwar Road, Pune-9. (Area 570 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 7812/84-85 in the month of November 1984).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tag Acquisition Range Sakseria Bhawan 106/107, Koregoan Park Pune-411 001,

Date . 16-2-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 13th February 1985

Ref. No. 1AC ACQ/CA-5/1092/37EE/11235 of 84-85.— Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 25,000/- and bearing Office No. 305, 3rd floor, J. K. Chamber, Vashi.

situated at New Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune on Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration herefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration by such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Now, increpore, in pursuance of Section 2000, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section 11) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

M/s. J. K. Enterprises, Kamer Bldg,, (2nd floor) 38, Cawasji Patel Street, Fort, Bombay-400 001.

(Transferor)

(2) Mrs. Vaishali Sule, F-2/1 Sector-7, Vashi Shopping Centre, New Bombay-400 703.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office No. 305, third floor, J. K. Chamber, Plot No. 76 Sector 17, Vashi, New Bombay. ('Area-510 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 11235 in the month of Oct. 1984.)

ANIL KUMAR Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Sakseria Bhavan 106/107, Koregoan Park Pune-411 001

Date: 13-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 16th February 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/1093/4966/1984-85.--Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improvable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 5 in A1 Building at Chintaman Nagar, S. No. 128, 1 Aundh, Pune-7.

situated at Pune

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cen of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly tated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the ledien become the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the lissue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Nikhil Enterprises, 14 Bombay Poona Road, Near Bajaj Auto Show Room Wakadewadi, Shivajinagar,

(Transferor)

(2) Master Aditya C. Joshi & Master Divya C Joshi, C/o Deepak P. Joshi, 5 Chittranjan, R. B. Mchta Road, Ghatkopar, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be madd in writing to the unersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 5 in Al Building at Chintaman Nagar, S. No. 128/A No. 128/A Aundh, Pune-7. (Area 960 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 4966/84-85 in the month of lune 1984.) 1984).

> ANJL KUMAP Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. 106/107, Koregoan Paik Pune-411 601

Date: 16-2-1985

#### FORM ITNS \_\_\_

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  M/s. Akshay Construction Co. 1/2 "C" Shanti Bhavan, Dr. R. P. Road, Bombay-80.

(Transferor)

(2) Shri Subhash Pralhad Kavitkar, 1383 Shukrawar Peth, Punc-2.

(Transferee)

1

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 16th February 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/1094|5528|1984-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 15, 5th Floor, C.T.S. No. 1494, Sadashiv Peth,

Pune.

situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C., Acqn. Range, Pune on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

•

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or wich ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 15, 5th Floor, C.T.S. No. 1494 Sadashiv Peth, Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 5528/84-85 in the month of July 1984.)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Sakseria Bhawan
106/107, Koregoan Park
Pune-411 001.

Date: 16-2-1985

Scal:

#### FORM I.T N.S. --

(1) Shri Nikant Bhaskar Kadu, 242/A 2 Kasba Peth, Pune-2.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 (1) 1. Mrs. Prasbina Nandkishore Rojekar,
 2. Shri Nandkishore Shridhar Rojekar,
 "Pakhar" Apartments, 70/3-B Erandwana Karve Road, Punc-4. (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 16th February 1985

Ref. No. IAC ACQ. CΛ-5/1095/37FF/5255-84-85.—

Whereas, I, ANIL KUMAR,

the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 25, S. No. 137/4, of Village Rothrnd.

situated at Pune

(and more fully described in the schedule annexed hereto).

tand more thing described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the heart in on A.1 1908 (16 of 1908) in the office of the Fairt time Office of 1508. I.A.C., Again Prime of July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the contrada attention and I have reason to believe that the fair market water of the property as aforestaid exceeds the apparent consideration develop by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income acising from the transferor and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incomestax A.J. 1922 (11 cf 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Art. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the affresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely !—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of reblication of this notice to the Official Graphic or a period of 30 days from the advice of none on the respective persons. schoolieves period expires later;
- (b) by any other person satzrested in the said immoveble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 25, S. No. 137/4 of Village Kothrud.  $(\Lambda rea - - )$ .

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 5255/84-85 in the month of July 1984.)

ANII. KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Sakseria Bhavan 106/107, Koregoan Park Pune-411 001

Date: 16-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GUVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 16th February 1985

IAC ACQ/CA-5/1096/37EE/6002/84-85.-Ref. No. Whereas, I,

ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 2, Final Plot No. 473, C. S. No. 97 B/1 Gultakadi,

Pune.

situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

J.A.C., Acqn. Range Pune on Aug. 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Mr. S. V. Bumb & Others, 1235 Bhavani Peth, Pune-2.

(Transferor)

(2) M/s. Laddha Mantri, 1482 Sadashiv Road, 304, White House. Punc-30.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Plot No. 2, Final Plot No. 473, C. S. No. 97 B/1 Gultekadi, Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C.. Acquisition Range, Pune, under document No. 6002/1984-85 in the month of August 1984.)

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Sakseria Bhavan 106/107, Koregoan Part. Pune-411 001.

Date: 16-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-I'AY ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 16th February 1985

Ref. No. 1AC ACQ/CA-5/1097|37EE|9712|84-85.-Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Shivam Building, Off. Rajaji Road, Near Madhvi Society, Domoivli (E) situated at Dombivli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at LAC. Acen. Range Publicon September, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferi and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) J. Narain Patel & Co. 4, Umiya Uiwa, Madeklal Estate, Ghatkopar, Bombay-86.

(Transferor)

(2) M. I. Kolvekar, C/ Satish Pundlik Bandodkar, Patkar Building, 1st Floor Kopar Road, Shastrinagar, Near Santoshi Mato Temple, Dombivli (W).

(Fransferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shivam Building, Off. Rajaji Road, Near Madavi Society, Dombivli (E). (Area 520 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9712/84-85 in the month of September, 1984.)

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Cor missioner of Income-tax Acquisition Range, Poona Sakseria Bhavan 106/107, Koregaon Park Pune-411 001

Date: 16-2-1985

(1) M/s. Gandalal Kalyanji and Co., Navghai Road, J. Vasan Dist. Thans,

) Fransferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Devender transhinath Dhuri and Mrs. Sudhe reashinath Dhuri, Navghar, Near Vasai Rd., Station, Post Juna, 7-Vasai, Dist. Thane,

(Transferce)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-IAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 13th February 1985

Ref. No. IAC/ACO/CA-5/1098/37EE/12019/84-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have teason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 8, 2nd floor, H. No. 61 (Old) village Novghar, Post Vasai Rd., T-Vasai Dist. Thane situated at Vasai, Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range Pune (a. Nov., 1984) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the nublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 8, Second floor, H. No. 61 (Old) Navghar, Post vasai Rd., T-Vasai, a set formed (Area-660 sq.ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the L.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 12010 in the month of Nov., 1984)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Sankseria Bhavan
106/107, Koregoan Park
Pune-411 001

Date: 13-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE TNCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 16th February 1985

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/1099/37EE/6960/84-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 502 (Alongwith terrace) on Fifth floor, in 'Narayan Chambers' at 555/1, 2 & 4 Narayan Peth, Pune-30

situated at Pune

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn Range, Pune October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-54--6GI/85

(1) "Doshi Promoters" (Narayandas Kvaldas HUF) Kartan R. N. Doshi, 555 Narayan Peth, Pune-30. (Transferor)

(2) Shri Piwse Chandrakant Narayanrao, 426/1, Narayan Peth, Pune-30.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULF

Flat No. 502 (Alongwith terrace) on fifth floor, in "Narayan Chambers" at 555/1, 2 & 4 Narayan Peth, Pune-30.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 6960/84-85 in the month of October, 1984).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Sankseria Bhavan 106/107, Koregoan Park Punc-411,001

Date : 16-2-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 16th February 1985

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE/5280|84-85.—
Whereas, I, ANIL KUMAR,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
Flat No.8 on the 2nd floor in Konark Apartments at 175
Dhole Patil Road, Pune-1 situated at Pune
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registration Act 1908 aparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
iffteen per cent of such apparent consideration and the the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Karja Builders, 2' Hermes Nest, 844, Dastur Meher Road, Pune-1.

(Transferor)

(2) Shri Kalpesh S. Shah 10, Floriana Society, Boat Club Society,

{Transferee}

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 8 on the 2nd floor in Konark Apartments at 175 Dhole Patil Road, Puncl, (Area 960 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune. under document No. 5280/84-85 in the month of July, 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Sakseria Bhavan
106/107, Koregoan Park
Pune-411 001

Date: 16-2-1985

#### FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 16th February 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/1101/5258/1191/84-85.--

Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Residential Flat located at Flat No. 9, 3rd floor, Konnrk Apartments, 175 Dhole Patil Road, Pune-1 situated at Pune (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on July, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly tated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said set, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (h) facilitating the concesiment of any income or any moneys or other seests which have not been or which sught to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

 Karia Builders, 2 Hermes Nest, 844, D. M. Road, Pune-1.

(Transferor)

(2) Buckau Wolf India Ltd. Rtgd. Office 16 Nirmal, Nariman Point, Bombay-21. Chief Place of business Pimpri, Pune-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential flat located at flat No. 9, 3rd floor, Konark Apartments, 175 Dhole Patil Road, Pune-1. (Area 617 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 5258/84-85 in the month of July, 1984).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Sakseria Bhavan 106/107, Koregoan Park Pune-411 001

Date: 16-2-1985

Scal:

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 18th February 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/6151/1102/84-85.— Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'). have reason to believe that the immovable property having a fair market value avacading property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 5, Area about 735 sq. ft., Plot No. 35, S. No. 1291 Ideal colony, Kothrud, Pune-29.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Λcqn. Range Pune on 8 Sept 1984

to believe that the fair market value of the apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Shri S. Y. Chopde, Prop. Chopde Englineers & Contractors, 1622 Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferor)

(2) Mrs. S. D. Waichal, 841 (New) Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writting to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 5, Area aout 735 sq.ft., Plot No. 35, S. No. 129 Ideal Colony, Kothrud, Punc-29. (Area 3920 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 6151/84-85 in the month of September, 1984).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Sankseria Bhavan 106/107, Koregoan Park Pune-411 001

Date: 18-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONUR OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 18th February 1985

Ref. No. JAC ACQ/CA-5/37EE/530/84-85.—Whereas I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 308, Plot No. 4, 5, 11 & 21, Vasai Road, Dist Thane situated at Thane (and more fully theoretical in the Selection and the selection of the selection of the selection of the selection of the selection and the selection of the sele

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.A.C., Acqn. Range, Pune on August, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of gransfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limitity of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manualy ;-

1) M/s. Rashmi Builders 23, Dongarshi Road, 83, Malabar Hill, Bombay-6.

(Transferor)

(2) Mrs. Kiran Chatrath 6, Rock Villa, 8, Palli Hill Road, Bombay-52.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given. in that Chapter:-

#### THE SCHEDULE .

Flat No. 308, Plot No. 4, 5, 11 S. 21, Varsai Road, Dist. Thane (Area—

(Property as described in th agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under Cocument No. 530/84-85 in the month of August, 1984).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Sakseria Bhavan 106/107, Koregaon Park, Pune-411 001

Date: 18-2-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE ,

Pune, the 16th February 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/5257/1104/84-85.—ANIL KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Residential flat located at Flat No. 17, 3rd floor, Konark Apartments, 175 Dhole Patil Road. Pune-1 suated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.A.C., Acqn. Range, Pune on July, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Karia Builders, 2 Hermes Nest, 844, D. M. Road, Punc-1.

(Transferor)

(2) Buckau Wolf India Ltd. Regd. office 16 Nirman, Nariman Point, Bomay-21. Chief, place of business at Pimpri, Pune-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Residential flat located in Flat No. 17, 3rd floor, Konark Apartments, 175 Dhole Patil Road, Pune-1. (Area 570 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 5257/84-85 in the month of July, 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority/
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Sakseria Bhavan
106/107, Koregoan Park
Punc-411 001

Date: 16-2-1984

Scal:

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS. SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Punc, the 18th Fibruary 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37G/799/1221[84-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe the tention of the property having a fair market value exceeding immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Land bearing S. No. 308-B admeasuring 4.35 hectares situated at village Talegaon, Tal. Igatpuri, Dist. Nasik situated at

Igatpuri, Nasik

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Igatpuri on July, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) M/s. Bombay Forgings Pvt. 1td. Mahindra Spicer Bldg. 15 I. N. Heredia Marg, Ballard Eastate, Bombay-39.

(Transferor)

(2) M/s. Christine Hoden (I) Pvt. Ltd. Mahindra Spicer Bldg., 15 J. N. Heredia Marg, Ballard Eastate, Bombay-39.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) By any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of hte said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land bearing Survey No. 308-B admeasuring 4.35 hectares situated at Village Talegaon, Tal. Igatpuri, Dist Nasik.

(Property as described in the sale deed Registered in the office of the Sub-Registrar Igatpuri, Nasik, under document No. 799 in the month of July, 1984).

ANIL KUMAR Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poons
Sankseria Bhavan 106/107, Goregoan Park, Punc-411 001

Date: 18-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 22nd February 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37FE/5226/84-85/1109.--Whereas, I. ANIL KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Open Plot S. V. No. 27, Plot No. 21, at Dahanukar Colony, Kothrud, Pune-29 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C., Acqn. Range, Pune on July, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Mrs. Neelabai Laxman Sane, 1058, Shukrawar Peth. Subash Nagar, Punc-2.

(Transferor)

(2) Mr. Satish Narayan Vaishampayan, 477/A Parvati, "Sourabha", Punc-411 009.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Open Plot S. V. No. 27 Plot No. 21 at Dahanukar Colony Kothrud, Pune-29.

(Area-

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 5226/84-85 in the month of July, 1984).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Sakseria Bhayan 106/107, Koregoan Park Pune-411 001

Date: 22-2-1985

 Dr. Mrs. Shakuntala Narayan Rajwade, Coo V. S. Ghate, 326 Shanwar Peth. Pune 30.

(Transferor)

(2) United Builders, 326 Shanwar Peth. Pune-30.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 20th February 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/6206/1984-85/1108.— Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land Plot No. 65 out of survey No. 134-1-A Hissa No. 91 of Village Bhamburda (Shivajinagar bearing a city survey

No. 2712-A/1/65 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Sept. 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922.

(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

and for

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetty.

FixPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land plot No. 65 out of survey No. 134-1-A hissa 9 of village Bhamburda (Shivajinagar) bearing a City survey No. 6296/84-85 in the month of September 1984).

(Arc. 5443 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 6206/84-85 in the month of September 1984)

ANII. KIIMAR

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona
Sakseria Bhavan,
106/107, Koregaon Park,
Pune-411 001

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the same of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—55—6GI/85

Act, 1957 (27 of 1957);

Date: 20-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 259D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 20th February 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37FE/6115/Pune/1107—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and-bearing No.

and bearing No. Flat No. 2, Ground floor—660 sq. ft. built up Survey No. 25, Hissa No. 20, Plot No. 44, Happy Colony, Kothrud, Punc-29 situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 1.A.C., Acqn. Range, Pune on Sept. 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  audior
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 D. S. Kulkarni & Co. Ravi Building, Block No. 12, Near Alka Talkies, 8/2 Sadashiv Pcth, Pune 30.

(Transferor)

(2) Mrs. Vibhavari Vinayak Nesarikar, C/o Shri G. K. Mahajau, 21, Surana Building, Capt Chaphekar Marg, Mukund Nagar, Pune-37.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 2, Ground floor—600 sq. ft. built up Survey No. 25, Hissa No. 20, Plot No. 44, Happy Colony, Kothrud, Pune-29.

(Area—)
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the IA.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 6115/84-85 in the month of Sept. 1984)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona
Sakseria Bhavan,
106/107, Koregaon Park,
Pune-411 001

Date: 20 2-1985

Seal:

12.66

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 20th February 4985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/12534/Thane/1106.—Whereas, I, ANIL KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 401-402 Kitty Villa, Station Road, Bhayandar (W) situated at

Bhayandar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Sept. 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have cason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(1) M/s Shiv Shakti Builder, Opp. Congress |(I) Office, Station Road, Bhavandar (West).

(Transferor)

(2) M1. George Gomes & Usha Gomes, Joseph Gomes, 301. 302 Mathura Nagar, Bhayandar (E).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of sem the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer p
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

## THE SCHEDULE

401-402 Kitty Villa, Station Rood, Bhayandar (W). (Area 818 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 12534 in the month of December 1984)

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona Sakseria Bhavan, 106/107, Koregaon Park, Pune-411 001

Date: 20-2-1985

· Seal :

(1) M/s Makwana Bros. & Co. 441 Somwar Peth, Pune-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sml Indumati Ramchandta Vaval, Shri Rajendra R Vaval & Sudhir R Vaval, 368 New Rasta Peth, Pune-11.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 20th February 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/6071/84-85/1105.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (percinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing I-lat No. 308 situated on 3rd floor at H. No. 2416 East Street (General Thimayya Road) Pune-1 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at LA.C., Acqn. Range, Pune on Sept. 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 308 situated on 31d floor at H. No. 2416 East Street, (General Thimayya Road) Pune-1 Area of the flat i.e. 785 sq. ft.

(Proferry as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 6071/84-85 in the month of Sept. 1984)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Poonn
Sakseria Bhavan,
106/107, Koregaon Park,
Pune-411 001

- rate : 20-2-1985

Scal:

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE,

## HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th February 1985

RAC No. 419/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-Rs. 25,000/- and bearing No House situated at Ramachandrapuram, E.G. Dt.

House situated at Ramachandrapuram, E.G. Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (15 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ramachandrapuram on 7/84

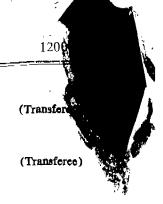
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namly:—

43

- (1) Sri E. Kasi Viswanatham, s/o Seshayyam, Ramachandrapuram, E.G. Dt.
- (2) Sri K. China Rama Rao, partner Sri Kishore Talkies, Ramachandraputam. E.G. Dt.



Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period at 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 10-1-10 situated at Ramachandrapuram, E.G. Dt registered by the S.R.O., Ramachandrapuram, vide document No. 2305/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date : 12-2-1985



OTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th February 1985

RAC No. 420/84-85,--- Whereas, I, M. JFGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House situated at Narsapuram E.G. Dr.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Narsapur on 7/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfere as agreed to between the parties has not been truly state in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:-

(1) Sri Y. Satyavedam, GPA Sri K. Wil.on, 11th Ward. Narsapuram, W.G. Dt.

(Transferor)

(2) Sri Nandigama Venkata Krishna Kishore, Velivennu, Narsapuram D. No. 9-11-14, E.G. Dt.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said promay be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House property bearing D. No. 9-11-14 at Narsapuram Municipal area E.G. Dt., registered by the S.R.O., Narsapur vide document No. 1030/84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-2-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE,

## HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th February 1985

RAM No. 421/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269R of the Income-tay Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House situated at Vizing (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag on 7/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. Y. Leela Babu, w/o Y. Babu,
 D. No. 50-101-2E, Rajendranagar, Virokhapatnam,

(2) Smt. P. Madhura Meenakshi w/o P. S. Ramakrishna, D. No. 50-18-72, Visakhapatnam. (Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XNA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House property bearing D. No. 50-101-2E at Resulavaripalem, Vizag registered by the SR.O. Vizag vide document No. 8764/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-2-1985

#### FORM JTNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

## HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th February 1985

RAC No. 422/84/85.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing House situated at Gandhinagar. Sirkakulam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1903) in the office of the Registering Officer at Srikakulam on 7/84

for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following processors approximately account to the said Act, to the s persons, namely :-

 Sri K. Venkata Lakshmi Narasa Kameswaramma, w/o Venkata Siva Prasada Rao, Srikakulam.

(Transferor)

(2) Smt. F. Yasoda w.o Dr. Viswanadham, Gandhinagar,D. No. 7-3-98, Srikakulam.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House property bearing No. 7-3-98 situated at Gandhinagar, Srikakulam Town registered by the S.R.O., Srikakulam vide document No. 2007/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1985

RAC. No. 423/84-85.—Whereas, I, M. IEGAN MOHAN, RAC. No. 423/84-85.—Whereas, I, M. IEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
House situated at Danavaipeta Rajahmundry

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Rajahmundry on 8/84

j

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
  - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other asects which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. P. Vijayalaxmi, w/o Bharathudu, Danavaipeta, 46-7-47, Vizag.

(Transferor)

(2) Dr. A. Venkata Rao, M.D., 46-12-21/A. Danavaipeta, Rajahmundry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House property bearing D. No. 24/317 situated at Danavaipeta, Rajahmundry registered by the S.R.O., Rajahmundry vide document No. 6602/84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

56--6GI/85

Date: 12-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1985

RAC. No. 424/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Rajahmundry

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajahmundry on 11/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuage of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aloresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. B. Seshamamba, w/o Ramanujaiah, Gandhipuram No. 2, Rajahmundry.

(Transferor)

(2) Sri V. Jeevatharam, s/o Vasumal, D. No. 13-113, G.P. Nagar, Rajahmundry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing D. No. 13-113, G.P. Nagar, Rajahmundry registered by the S.R.O., Rajahmundry vide document No. 9692/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Hyderabad (A.P.)

Date: 12-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1985

RAC. No. 425/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land situated at Kakinada Tq., E.G. Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kakinada on 8/84

for an apparent consideration which is less than the fair-market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—60—516GI/84

(1) Sri Kodisetty Babu, 8/0 Narasimham, Kakinada.

(Transferor)

(2) Subbaraya Solvent Oil Extractions Ltd., Sarpavaram, Kakinada 533 009.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have been the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land admeasuring 2-29 acres situated at Kakinada Tq., E.G. 19t., registered by the S.R.O., Kakinada vide 3 separate sale deeds bearing document Nos. 7537, 7538, 7511/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 12-3-1985

Scal:

#### FORM I.T.N.S.

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1985

Ref. No. 426/84-85.--Whereas, I. M. JEGAN MOHAN, Rel. No. 426/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. land situated at Jayanthipuram, Jaggaiahpet (and more fully described in the schedule approved bareto).

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaggaiahpet on 7/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Bability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Smt. Adothu Piki. W/O Krishna. Jayanthipuram, Jaggaiahpet Tq., Krishna Dist.

(Transferor)

(2) The Andhra Cement Company I.td., Jaggaiahpet, Rep. by V.B.R. Suryam, General Manager (Project)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land admeasuring 18-63 acres situated at Jayanthipuram, Jaggaiahpet taluk registered by the Sub-Registrar, Jaggaiahpet, vide document No. 2470, 2471, 2475 and 2791/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, / Hyderabad (A.P.)

Date: 12-3-1985 Seal:

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th March 1985

Ref. No. 427/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. site situated at Patamata, Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vijayawada on 7/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Talasila Ramesh, S/O Venkata Krishnaiah, Penamakui, Vijayawada Tq.

(Transferor)

(2) Smt Bommareddy See'ha Mahalakshmi, W/O Ramakrishna Reddy, Chandramoulipuram, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant site admeasuring 284 sq. yards situated at Patamata, Vijayawada, registered by the Sub-Registrar, Vijayawada, vide document No. 5100/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/S Aruna Builders, Vijayawada.

(Transferor)

 Smt. Maddula Satyavathi, W/O Panduranga Rao, Mogalrajpuram, Vijayawada.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th March 1985

Ref. No. 428/84-85.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

house situated at Mogalrajapuram, Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at VIA on 7/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reducction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XAX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat admeasuring 800 sq. ft, situated at Mogalrajpuram, Vijayawada registered by the sub.-Registrar, Vijayawada vide document No. 4661/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 14-3-1985.

ŗ

## FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th March 1985

Ref. No. 429/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Patamata, VJA (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 9/84

Vijayawada on 9/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which aught to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-iax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 296D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Bandi Lakshmi Devi, W/O Bandi Venkatasubbaiah, Gayathrinager, Patamata, Vijayawada.

----

(Transferor)

(2) Smt. Nimmagadda Bhagavathi, W/O N. V. Krishna Rao, Sitaramapuram, Vijayawada-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Building admeasuring 1050 sft. plinth situated at Patamata, Vijayawada registered by the S.R.O., Vijayawada vide document No. 6132/84.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 14-3-1985,

## FORM ITNS ----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th March 1985

Ref. No. 430/84-85.—Whereas, 1,, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Patamama, Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 7/84 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Smt. Uppalapati Swaroopa Rani, W/O Ramalingeswara Rao, Patamata, Vijayawada.

(Transferor)

1

'n.

Smt. Vemuri Aruna Kumari, W/O Rama Rao, Patamata, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Building admeasuring 1030 sft plinth situated at Patamata, Vijayawada, registered by the S.R.O. Vijayawada vide document No. 4881/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incomediax
> Acquisition Range,
> Hyderabad (A.P.)

Date: 14-3-1985.

Scal:

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th March 1985

Ref. No. 431/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Patamata, Vijayawada (and more fully described in the Scheduled annexed hereto),

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 9/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
57—6GI/85

 Shri Thalasila Scetharama Prasad, S/o Chandrayya, Penakakur Village, Vijayawada Taluk.

(Transferor)

(2) Shri Mehai Singh Narasingh, S/o Thulasiram Mohan Singh, Brahmana Veedhi, Vijayawada-1.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant site and house admeasuring total area of 250 sq. yds. and 1130 sq. ft. plinth situated at Patamata. Vijayawada, registered by the S.R.O., Vijayawada vide document No. 6577/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 14-3-1985.

#### FORM I.T.N.S.--

Shri Kanakamedala Bhushaiah, (1)S/O Kotayya, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Shri Muddiraboyina Venkateswara Rao, S/O Rosaiah, Janda Sandu, Sivalayam St., Vijayawada-1.

(Transferce)

Ž

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th March 1985

Ref. No. 432/84-85.—Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-and bearing No. House situated at Patamata, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 9/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used breein as are defined in Chapter XXA of the said Act, <shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) faciltating the reduction or evasion of the liability

of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Building situated at Patamata, Vijayawada admeasuring total area of 255 sft. yards and 1100 sft. plinth registered by the S.R.O. Vijayawada, vide document No. 1772/84.

THE SCHEDULE

M. JEGAN MOHAN 🖊 Competent Authority Frepecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 14-3-1985. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th March 1985

Rcf. No. 433/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House situated at Patamata Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Vijayawada in August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(1) Attluri Vijayalakshml, W/o Subhaschandra Bose Choutpalli Village, Gudivada Tq.

(Transferor)

(2) Vemuri Annapoornax, W/o Subhaschandra Bose Chaparala Narasayya Vedhi. Seethanagaram, Vijayawada.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

THE SCHEDULE

Building admeasuring total area of 288 sq. yds. and 1092 eft, plinth, situated at Patamata, Vijavawada, rogistered by the S.R.O. Vijayawada, vide document No. 5172/84.

> M. JEGAN MOHAN
> Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Hyderabad (A.P.)

Date: 14-3-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th March 1985

Ref. Uo. 434/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fall market volume and the property having a fall market volume as the said Act. property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Site situated at Kelanagar Patamata, VJA, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vijayawada on July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparnt consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the redunction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Nadendla Krishna Kumari. W/o Kutumba Rao, Kalanagar, Patamata, Vijayawada,

(Transferor) Veeramachineni Venkata Punnamamba. W/o Venkata Gangadhara Rao. Suryaraopet. Vijayawada.

(Transferee)

1

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undtrsigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XAX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant site admeasuring total area of 815 sq. yards situated at Kalanagar, Patamata, Vijayawada, registered by the S.R.O. Vijaywada vide document No. 1384/84.

> M. JEGAN MOHAN / Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

THE RESERVE TO SERVE THE PARTY OF THE PARTY

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 14-3-1985

eal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## Arundalpeta, Guntur,

(Transferor)

(2) N. S. B. V. Chowdary, 6-1-51A, Survaraopet, Jawahar Street Kakinada,

(1) Kota Gopalakrishna Gupta, S/o Lakshmaiah Setty.

(Transferec)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th March 1985

Ref. No. 435/84-85.—Whereas. I.
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

Ē

and bearing
House situated at Suryaraopet,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
at Kakinada in August, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than said exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

House admeasuring 1700 sft. situated at survaraopet, Kakinada, registered by the S.R.O. Kakinada vide document No. 7193/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 14-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (1) Sri T. L. Adinarayana Setty & Others, 15-2-708, Siddiambar Bazar, Hyderabad.

(Transferor)

٦

(2) Smt. Gomati Devi, W/o Pivaralal Agarwal, 7-1-215/D/1, Ameerpet, Hyderabad.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1985

Ref. No. RAC. No. 1028/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House situated at Sastrynagar Yousufguda. Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Khairatabad in July 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 8-4-368/M/180, situated at Sastrynagar-Yousufguda, Hyderbad admeasuring 1000 sq. yds, of land area and 840 sft., plinth area registered by the S.R.O., Khairatabad vide document No. 1585/84.

M. JEGAN MOHAN /
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-3-1985

\_\_\_\_\_\_

## FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

(1) Sri K. Satyanaray, Hayathnagar, R.R. District.

(Transferor)

(2) Sri G. Rami Reddy & Other, Bairumalguda, Hayathnagar, R.R. District. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1985

Ref. No. RAC. No. 1029/84-85.--Whereas, I.

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot situated at Saidabad, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Offictr at Hyderabad in July, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrucment of transferred with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 92 in Vinayanagar Colony, Saidabad Hyderabad admeasuring 947 sq. yds. registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 3896/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-3-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## M/s Kamath Builders, B.-3, Bindu Shopping, Centre, Tilak Roadm Santacruz, Bombay-400 054. (Transferor)

(2) Sri Tahsin Shamshuddin, 16-6-171, Osmanpura, Hyderabad.

(Transferee)

7

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1985

Ref No. RAC. No. 1030/84-85.—Whereas, 1. M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat situated at Gandhinagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Offictr at Hyderabad in October, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifte in per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument mansfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. B-6, Ind floor in 1-1-524/A, Gandhinagar, Hyderabad area 697 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5236/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date : 12-3-1985 Seal :

(1) Dr. K. V. Chaulapathi, Principal, Rangaraya Medical College, Kakinada,

(Transferor)

(2) Smt. N. Srilakshmi H. No. 27/A, A.P.H.B., Saidabad, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-IAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1985

Ref. No. RAC. No. 1031/84-85.—Whereas. I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and hearing

House situated at Saidabad, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Azampura in July, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
58—6GI/85

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

H. No. 16-2-835/37, Saidabad Colony. Hyderabad admeasuring 325 sq. mts. of land area and 1000 sft, plinth area registered by the S.R.O., Azampura vide document No. 2493/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-3-1985

(1) Sri M. Gopala Krishna, 8-3-903/5-A Nagarjunanagar Colony, Hyderabad.

(2) Smt. Munni Devi Jain Chowdharv. 16-11-19/2/1/1, Saleemnagar Colony,

Hyderabad.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## "GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1985

Ref. No. RAC, No. 1032/84-85,- Whereas, I M. JEGAN MOHAN.
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1964 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House situated at Dharam Karan Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Offictr at Hyderabad in September 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

- in I facilitating the two ction or evanion of the liability of the transferor to pay far under the said act, in respect of any lucous a shing from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 7-1-30, at Dharam Karan Road, Hyderabad admeasuring 1890 sft., and land area 400 sq. mts, registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 4634/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 209C of the said Act, I hereby miting promedium for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the war! Act. to the following persons, namely:—

Date : 12-3-1985 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1985

Ref. No. RAC. No. 1033/84-85.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

House situated at Ameerpet, Hyderahad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad in September, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, usually:--

- (1) Sri M. Gopal Krishna & Others, 8-3-903/5-A. Nagarjunanagar Colony, Hyderabad.
- (2) Smt. Kanta Devi Agarwal, 7-1-30, Dhoram Karan Road, Amcerpet, Hyderabad.

  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Fortion of H. No. 7-1-30, situated at Ameerpet. Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 4635/84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 12-3-1985 Seat :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1985

Ref. No. RAC. No. 1034/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

That situated at Golkanda X Roads, Hyderabad (and more fully described in the Schedule anuexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Chikkadpally, October, 1984 at Chikkadpatly, October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparnt consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parts has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the redunction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

 M/s Tirumala Tower Construction. Rep. by Sri M. S. Chandraiah, Golkonda Cross Roads, Hyderabad.

(2) Sri H. Vasudca Narayana, Flat No. 35, Tirumala Tower Constructions. Golkonda Cross Roads, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein an arc defined in Chapter XAX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 35 in Tirumala Tower Constructions, Golkonda X Roads, Hyderabad, admeasuring 1160 sft., registered by the S.R.O., Chikkadpally vide document No. 748/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-3-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1985

RAC No. 1035/84-85.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat situated at Domalguda, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikkadapally on 7/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Eskay Associates, Partner Sri V. V. Karnath, 1-2-24, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mr. Manmohan Reddy S/o Shri M. Patel Reddy, B-2, Raghavendra Krupa, 1-2-593/3/1, Domalguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

Flat B-2, in Raghavendrakıupa, 1-2-593/3/1, Domalguda, Hyderabad registered by the SRO, Chikkadpally vide document No. 558/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 12-3-1985

Seal: 🕏

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1985

RAC No. 1036/84-85.---Whereas, I. M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Girmainet, Warrangal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Warrangal on 7-/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri T. Sundaram & Others, GPA Sri M. Ramayya, 16-360-A, Khammam Road, Vidyanagar Colony, Warrangal.

(Transferor)

(2) Smt. M. Pitchamma, W/o M. Ramaiah, 16-360-A, Vidyanagar Colony, Khammam Road, Warrangal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admensuring 2000 sq. yds. situated at Girmaipet, Warrangal, registered by the S.R.O., Warrangal vide document No. 1396/84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 12-3-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1985

RAC No. 1037/84-85.—Whereas, I, M., JEGAN MOHAN,

being the Cmpetent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fsir market value exceeding Rs. Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Reti Bowli, Hyderabad

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on 7/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269O of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) M/s. Reliable Construction Co., Rep. by its partner Sri Naseer, 10-2-347/3, Asilnagar,, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mrs. Khairunnisa, W/o Mr. Riyasat Ali, 13-1-531, Dilawar Gunj, Mangalbat, Hyderabad.

身質的調査 メル

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House property No. 9-4-86/68, at Salarjung Colony, Reti-Bowli, Hyderabad registered by the SRO, Khairatabad vide document No. 1530/84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 12-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1985

RAC No. 1038/84-85.—Whereas, I,
M., JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25 000/s and bearing No.

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Red Hill, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on 7/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Tayyaba Begum W/o Shri Zaimul Abudin, 11-5-327/1, Red Hills, Hyderabad.

EE - A

(Transferor)

(2) Sri Mir Azizullah Shah Qard, H. No. 11-5-321/1 Red Hills, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons,
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House property bearing No. 11-5-389 to 392 at Red Hills, Hyderabad registered by the SRO, Khairatabad vide document No. 1587/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, we the following persons, namely:—

Date: 12-3-1985

Scul

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1985

RAC No. 1019/84-85.—Whereas, J, M<sub>1</sub> JEGAN MOHAN,

ticing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot situated at Masab Tunk, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on 7/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
59—6GI/85

Smt. C. Sarojini,
 W/o Shri C. K. Naidu,
 B-47, F/3, Vijayanagar Colony,
 Hyderabad.

(Transferor)

 Sri V. Suresh Kamath, S/o Shri V. S. Kamath, 37, Marredpally, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot A. in M. No. 10-5-22, Masab Tank, Hyderabad admeasuring 456 sq. yds. registered by the SRO, Khairatabad vide document No. 1518/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 12-3-1985

## FORM 1.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1985

RAC. No. 1040/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot situated at Masab Tank. Hyderabad

Plot situated at Masab Tank. Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on 7/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfet with the object of :—

- (a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpous of the Indan Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section '69C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the equisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Sri Rainesh Gii Goswami,
 S/o Shri Mehan Girji Goswami,
 1-2-41/1, Gagan Mahal Road,
 Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Mohini S. Kamath, W/o Sridhar N. Kamath, 1-2-24, Domalguda, Hyderabad.

(Transferee)

Đ

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaslette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 10-5-22, (Plot-B) situated at Masab Tank, Hyderabad admeasuring 600 sq. yds. registered by the SRO, Khairatabad vide document No. 1717/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 12-3

Scal:

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1985

RAC No. 1041/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing Flat situated at Somajiguda. Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 7/84

for an apparent consideration which is less than the fuir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Land Mark Builders, 6-2-930, Khairatabad, Hyderabad.

(2) Sri M. A. V. Kamran, 6-3-579, Opp: Billa Parishad, Khairatabad, Hyderabad.

(Transferce)

(Transfer or)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Apartment No. 104 in Shivas Glen, 6-3-986 to 996, Kapadia Lane, Somajiguda, Hyderabad together with Garage No. 15 registered by the SRO, Hyderabad vide document No. 3937/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 12-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1985

RAC. No. 1042/84-85,---Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat situated at Somajiguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 7/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, ir respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely ;---

(1) Sri Sachdev Hariram Hotchand, 3-A, Fairy Lake Apartments, Somajiguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Uma Devi Chalasani, 6-3-907/12 (3-B) Fairy Lake Apartments, Raj Bhavan Road, Somajiguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat in Fairy lake Apartments, Somajiguda, Hyderabad admeasuring 1400 sft. registered by the SRO, Hyderabad vide document No. 3932/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 12-3-1985

Scal:

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1985

Ref. No. 1043/84-85.—Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Plat situated at Red Hills, Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderatud on 7/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparnt consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(4) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Bhagyanagar Construction Co., Rep. by Sri Laxmiprasad, 11-4-656, Red Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri M. G. K. Murthy, S/o Shri M. V. Ramamurthy, 9 MIGH, Mehdipatnam Colony, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undtraigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XAX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 206 in IInd floor of 11-4-656, Red Hills, Hyderahad registered by the SRO, Hyderabad vide document No. 3786/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 12-3-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1985

RAC. No. 1044/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-Flat situated at Red Hills, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderahad on 7/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-rection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Bhagyanagar Construction Co., 11-4-656, Red Hills, Hyderabad.

(Transferor)

Smt. Usha Malladi,
 W/o Sri K. R. Malladi,
 MIGH, Mehdipatnam Colony,
 Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 202 in floor No. II, Block A, in 11-4-656/1, Red Hills, Hyderabad admeasuring 1218 sft., registered by the SRO, Hyderabad vide document No. 3784/84,

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 12-3-1985

Seal

The track that

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Manju Malladi,W/o Sri V. Malladi,R/o 9 MIGH, Mehdipatnam Colony,

Red Hills Hyderabad.

Hyderabad.

(Transferor)

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1985

RAC. No. 1045/84-85,-Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

M. IEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat situated at Red Hills, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the the Competent Authority at Registering Officer at Hyderabad on 7/84 (or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated ni the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(1) M/s. Bhagya Mukundlal, Construction Co., Rep. by Sri Mukundlal M. No. 11-4-1-6561, Red Hills,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax. Act. 1957 (27 of 1957);

المكار

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

#### THE SCHEDULE

Flat No. 102 Block No. A, admeasuring 1218 sft. registered by the SRO, Hyderabad vide document No. 3785/84,

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisitoin Range Hyderabad (A.P.)

Date: 12-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1985

RAC No. 1046/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

rand bearing No.
Flat situated at Red Hills, Hyderabad,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
of the Competent Authority
Registering Officer at Hyderabad on 7/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;-

(1) M/s. Bhagyanagar Construction Co. Rep. by Sri Mukund Lal Agarwal, 11-4-/6561, Red Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri R. Srinivasa, S/o Sri R. Ramachar, Road No. 5, Jubilee Hills, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

#### THE SCHEDULE

Flat No. 309 in Block No. B, IIIrd floor of 11-4-656/1, Rcd Hills, Hyderabad admeasuring 816 sft, registered by the SRO. Khairatabad vide document No. 1653/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority
> Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisitoin Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 12-3-1985

#### FORM TINS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

## ACOUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1985

RAC. No. 1047/84-85.-- Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

and bearing Flat situated at Punjagutta, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of of the Registering Officer at Hyderabad on July 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the (ransfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely in-

(1) M/s. Virgo Construction Co., Rep. by Sri B. N. Reddy, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor).

(2) Smt. Latha Swamy, W/o Sti M. K. Swamy, 6-1-69/2-B, Saifabad, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of thet said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of that said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 17, Block No. F, in Virgo Apartments, Punjagutta, Hyderabad admeasuring 600 sft. registered by the SRO, Hyderabad vide document No. 3803/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 12-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION: RANGE INDERARAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1985

RAC No. 1048/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat situated at Puniaputta. Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in

the office of the Registering Officer at Hyderaabd on July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (6) of Section 269D of the said Act, to the following persons chamely:— M/s. Virgo Construction Co., Rep. by Sri B. N. Reddy, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. C. V. M. Meenakshi, W/o Sri C. Suryanarayana, 6-3-595/9, Padmavathinagar, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice, in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 93 in Block No. F. 3rd floor of Virgo Construction Co., Punjagutta, Hyderabad admeasuring 600 sft., registered by the SRO, Hyderabad vide document No. 3804/84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 12-3-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IIYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12thc March 1985

Ref. No. RAC No. 1049/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000 (a and bearing No.

Rs. 25,000/- and bearing No. Flat situated at Punjugutta, Hyderabad

(and more fully described in the schedule annexed here o), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of of the Registering Officer at Hyderabad on July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair macket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Virgo Construction Co., Rep. by Sri B. N. Reddy, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Kum. S. Meena, D/e Sri S. K. Ranganathan, Flat No. 240-D, Virgo Complex, Punjagutta, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. 40 in Block-D-fifth floor of Virgo Constructions, Punjagutta Hyderabad admeasuring 800 sft., registered 'by the SRO, Hyderabad vide document No. 3806/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisitein Range
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad the 12th March 1985

RAC No. 1050/84-85,—Whereas, I, M. JEGAN MOIJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat situated at Punjagutta, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 7/84

market value of the aforesaid property and I have reason to for an apparent consideration which is less than the fair believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Virgo Construction Co., Rep. by Sri B. N. Reddy, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri G. Appi Reddy, S/o Sri G. Venkat Reddy, R/o Tub adu village, Chilakaluripeta, Tq. Guntur Dt.,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1 at Virgo Construction Co., Punjagutta, Hyderabad admeasuring 790 sft., registered by the SRO, Hyderabad vide document No. 3805/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisitoin Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 12-3-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad (A.P.) the 12th March 1985

Ref. No. RAC No. 1051/84-85.-Whereas, I M. JEGAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

No. Flat situated at Punjagutta, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed recistered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 7/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration theretor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s. Virgo Construction Co., Rep. by Sri B. N. Reddy, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri M. P. Purushotham, R/o 18/31, Srinagar, Thirumalgiri, Secunderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (a) by any of the aloresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons windhever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- FARIAMATION: -The terms and expressions used herein as one defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 47, Block No. D, 6th floor of Virgo Complex, Punjagutta, Hyderabad admeasuring 800 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 3807/84.

> M, JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad

Date: 12-3-1985

(1) M/s. Virgo Construction Co., Rep. by Sri B. N. Reddy, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri K. Ramesh, 6-3-609/109, Anandnagar, Hyderabad.

('Fransferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA ICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, OFFICE OF

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad (A.P.) the 12th March 1985

Rcf. No. RAC. No. 1052/84-85.--Whereas, I M. JEGAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No. Flat situated at Punjagutta Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on 7/84

at Hyderabad on 1/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid executes the apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent consideration for such that the co and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette o ra period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXILANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 29 in Block D, 4th floor of Punjagutta, Hyderabad admeasuring 790 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 3808/84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad

Date: 12-3-1985 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in thate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad (A.P.) the 12th March 1985

Ref. No. RAC. No. 1053/84-85. -Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a 'fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Flat situated at Marredpally Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Marredpally on 7/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the eapparent consideration therefor by more than consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respective of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 M/s. Fashions Builders, 10-2-267/132, West Macredpally, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri Sved Khaja Kamaluddin, 5-9-1037, Hyderguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

e j

Flat No. 1 B-Block, 10-2-267, Marredpally, Secunderabad admeasuring 916 sft., registered by the S.R.O., Marredpally vide document No. 1736/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 12-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad (A.P.) the 12th Merch 1985

Ref. No. RAC. No. 1054/84-85.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot situated at S. P. Road Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Secunderabad on 7/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of in

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Sri V. M. Somasundaram, 126, M. G. Road. Secunderabad,

(Transferor)

(2) Sr. N. Sivaiah, and Others, 3-3-687, Rangaraj Bazar, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable projectly, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Open plot admeasuring 710 sq. yds. situated at S. P. Road, Secunderabad registered by the S.R.O., Secunderabad vide document No. 335/84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 12-3-1985

(1) Dri C. Ramakrishna Reddy, Secunderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. V. M. Financial & Leasing Co., Rep. by its Proprietor Smt. V. Sharda, 1-2-54/4, Gaganmahal Road, Domalguda, Hyderabad.

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad (A.P.) the 12th March 1985

Ref. No. RAC. No. 1055/84-85,--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immersable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Office situated at Kabra Complex M.G. Rd., Sec'bad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Registering Officer at Secunderabad on 7/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office No. 216 in IInd floor of 2-2-132 to 139, Kabra Complex, Secunderabad registered by the S.R.O., Secunderabad vide document No. 327/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

61—6**G**1/85

Date: 12-3-1985

#### FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

#### Hyderabad (A.P.) the 12th March 1985

Ref. No. RAC. No. 1056/84-85,—Whereas, I, M. JEGAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Flat situated at S. P. Rd., Secunderabad
(and more fully described in the scheduled annexed hereto).

(and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Marredpally on 7/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Bhanodaya Biulders, 1218, Jubilee Hills, Hyderabad.

(2) Smt. B. Sujatha Devi, 3-4-633/23, Narayanaguda, Hyderabad.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE.

Flat No. 14 in 2-11-30, S.P. Road, Secunderabad admeasuring 842 sft., registered by the S.R.O., Marredpally vide document No. 1666/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of ncome-tax Acquisition Range, Hyderabad

Date: 12-3-1985

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad (A.P.) the 12th March 1985

Ref. No. RAC. No. 1057/84-85.-Whereas, I. M. JEGAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Office situated at Raniguni Secunderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 7/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration. and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Babu Khan Builders, 5-4-86 to 92, Ranigun, Secunderabad.

(Transferor)

T.S

(2) Sri Mohammed Ahmed Ali Khan, Office No. 633, 5-4-86 to 92, Raniguni, Secunderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intertsted in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office Room No. 633, at Raniguni, Secunderabad admeasuring 384 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 3702/84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad

Date: 12-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad (A.P.) the 12th March 1985

Ref. No. RAC. No. 1058/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

MOHAN
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. House situated at Ashoknagar Hyderabad
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian

has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 7/84 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Dr. M. Venkata Rao, H. No. 1-10-7, Ashoknagar, Hyderabad.

(2) Smt. Parasi Devi and Others, 1-10-7, Ashoknagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person intertsted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 1-10-7 at Ashoknagar, Hyderabad admeasuring 748 sq.yds. of land area registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 3996/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad

Date: 12-3-1985

(1) M/s. Progressive Builders, 3-6-309, Basheerbagh, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri V. Rama Krishna, Flat No. 43, Skylark Apartments, Basheerbagh, Hyderabad. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad (A.P.) the 12th March 1985

Ref. No. RAC. No. 1059/84-85,--Whereas, I, M. JEGAN

MOHAN
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the
unmovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Flat situated at Basheerbagh Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the 'office of the
Registering Officer
at Chikkadpally on 7/84

at Chikkadpally on 7/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 43 in A Block at 3-6-309, Basheerbagh, Hyderabad admeasuring 1635 sft., regisetred by the S.R.O., Chik-kadpally vide document No. 559/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad

Date: 12-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad (A.P.) the 12th Murch 1985

Ref. No. RAC. No. 1060/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat situated at Himayathnagar Hyderabad has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer (and more fully described in the schedule annexed hereto),

at Chikkadpally on 7/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section 1(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Banjara Construction Co., Rep. by Zainab Khatoon, Road No. 12, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Nahid Mahboob Khatoon, Flat No. 102. 3-6-782, Himayathnagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102 in 5th floor of 3-6-782 at Himeyathnagar, Hyderabad admeasuring 487 sft., registered by the S.R.O., Chikkadpally vide document No. 548/84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad

Date: 12-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

#### Hyderabad, the 12th March 1985

Ref. No. RAC. No. 1061/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereiaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House situated at Basheerbagh, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 7/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, is
  respect of any income arising from the transfer,
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Afzalunnisa G. Ahmed W/o Ghousuddin Ahmed, 3-5-874/13, Hyderguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smy, Razia Sultana, W/o Khaja Moinuddin, 3-5-807/1/C, Hyderguda, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat in M. No. 5-9-60 situated at Basheerbagh, Hyderabad admeasuring 1435 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide Document No. 3970/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 12-3-1985

!.

turb a

#### FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

#### Hyderabad, the 12th March 1985

Ref. No. RAC. No. 1062/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat situated at King Koth/, Hyderabad

Flat situated at King Kothl, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the

Registering Officer at Hyderabad on 7/84

for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Pushpa Sancheti W/o Subash Sancheti, 3-6-168/4, Hyderguda, Hyderabad.

(Transferor)

 Dr. Md. Hussain Moosa s/o J. Moosa, 4-1-872, Tilak Road, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall havt the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 105 at 3-5-784/15/1, King Kothi, Hyderabad admeasuring 766 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 4013/84.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 12-3-1985

47

#### FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smi. Mahboobunnisa Begum, 9/8 Ram anthapur, Uppal Road, R.R. Dt,

(Transferor)

(2) Sri Y. S. Prakash Reddy and Others, Opp. Laxmi Talkies, Pulivendla, Cuddapah Dt.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A,P.)

#### Hyderabad, the 12th March 1985

Ref. No. RAC, No. 1063/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House situated at Hyderguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Hyderabad on 7/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay fax under the said Act, in respect of any income arising from the trnasfer; which ought to be disclosed by the transferee for and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the indian income-tax. Act, 1922-(11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-ta-Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 3-5-855/6 at Hyderguda, Hyderabad admeasur-307 sq. yards of land and structure registered by the S.R.O., Chikkadpally vide Document No. 536/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-62-6GI/85

Date: 12-3-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1985

Ref. No. RAC. 'No. 1064/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Land situated at Kalluru Kurnool (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 7/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri T. K. Besayya and Others, 40/436/A, Eswarnagar, Kurnool.

(Transferor)

(2) M/s. Sri Guru Raghavendra Traders, Sri K. Guruvaiah, 18/100 A-29, Shroff Bazar, Kurnool.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 0 days from the service of notice on the respective persons whichever period expides later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at Kalluru village, Kurnool admeasuring 1 acre registered by the S.R.O., Kurnool vide Document No. 4433/1

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 12-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1985

Rof. No. RAC. No. 1065/84-85.—Whereus, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)', have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Narayanaguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 7/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aformulated exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferres for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Sri Ch. Venkata Ratnam S/o Late Hanumaiah, 3-5-115, Narayanaguda, Hyderabad.

(Transferor)

 Sri V. Satyanarayana Reddy, 3-5-115, Narayanaguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 3-5-115, Narayanaguda, Hyderabad admeasuring 1200 sq. yards 6085 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide Document No. 4004/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-3-1985

Seal ·

FORM LT.N.S.-

(1) M/s, A. J. Builders, 3-5-121/E Eden Garden, King Kothi, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. M. Hussaini S/o S. R. Hussaini, 5-8-548/G, Abid Road, Hyderabad.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1985

Ref. No. RAC. No. 1066/84-85,—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Flat situated at Eden Bagh, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 7/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other a sets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 4 in 3-5-121/E, Eden Bagh, Hyderabad admeasuring 1100 aft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide Document No. 4040/84.

M. IEGAN MOHAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 12-3-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1985

Ref. No. RAC. No. 1067/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing Flat situated at Himayathnagar. Hyderabad

Flat situated at Himayathnagar. Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 7/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partiry has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Westh-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Saradav Construction Ltd., 3-6-200, Himayathungar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) D. S. Lakshmi, 1-2-412/6/A, Domalguda, Hyderabad.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 205, in H. No. 3-6-200, Himayathnagar, Hyderabad admeasuring 1000 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide Document No. 3695/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 12-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Saradav Construction Pvt. Ltd., 3-6-200, Himayathnagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Uma Vijaya Gopal, B-13/F-3, Vignanapuri Colony, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March '.985

Ref. No. RAC. No. 1068/84-85,--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat situated at Himayathnagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Paristering Officer at Registering Officer at Hyderabad on 7/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties Thas not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following porsons, namely:---

Objections, if any, to the acquisition of the said property ( may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intersted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102 at 3-6-200, Himayathnagar, Hyderabad admeasuring 1302 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide Document No. 3968/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authorit Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-3-1985

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

Sri M. N. Laxminarsaiah and 12 Others. Rep. by Sri M. N. Padma Rao, Atwal, Secundrabad.

(Transferor)

(2) M/s. Sri Venkateswara Industrial Estate, Rep. by Sri Ratanlal Jain, 23-6-58/5/6, Horibowli, Hyderabad.

Mind Mark

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RAMGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1985

Ref. No. RAC. No. 1069/84-85.--Whereas, I. M. JEGAN

MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land and situated at Jeedimetla R. R. Dt., (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 7/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than officers per cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land admeasuring 57-75 acres situated at Jeedimetla, Medchal Tq., registered by the S.R.O., Medchal vide document No. 4077/84.

THE SCHEDULE

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad  $(\Lambda.P.)$ 

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 12-3-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (Λ,P.)

Hyderabad, the 12th March 1985

Ref. No. RAC. No. 1070/84-85.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and bearing
Flot situated at Himayathnagar, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the
Registering Officer at
Hyderabad on 7/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of transfer with trans

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issued of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——

(1) M/s. Saradaw Construction (P) Ltd., 3-6-200, Himayathnagar, Hyderabad.

\*(Transferor)

(2) Smt. Chonsia Khatoon, 20-4-318/3, Khilwat, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 302 in 3-6-200 at Hiayathnagar, Hyderabad admeasuring 1403, sft. registered by S.R.O., Hyderabad vide document No, 3967/84,

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Juspecting Assistant Commissioner of Income-fax
Acquisition Range.
Hyderabad (A.P.)

Date: 12-3-1985

Seal -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1985

Ref. No. RAC. No. 1071/84-85.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 '- and bearing

Flat situated at Himayathnagar, Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad in 7/84.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

  andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—63—6GI/85

(1) M/s. Saradaw Construction (P) Ltd. 3-6-200, Himayathnagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Ashok Kumar Dhir & Others, 3-6-200/501, 5th floor, Arunodaya Apartments, Himayathnagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 301 in H. No. 3-6-200 at Himayathnagar, Hyderabad admeasuring 1600 sft., registered by the S. R. O., Hyderabad vide document No. 3966/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1985

Ref. No. RAC. No. 1072/84-85.—Wheeras, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat situated at Himayathnagar, Hyderabad.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in 7/84.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s, Saradaw Construction (P) Ltd., 3-6 200, Himayathnagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Vittal Rao, Flat No. 405 in 3-6-200, Himayathnagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression und herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 405 in 3-6-200, Himayathnagar, Hyderabad adnicasuring 1000 sft., registered by the S. R. O., Hyderabad vide document No. 3965/84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1985

Rer. No. RAC. No. 1073/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat situated at Himayathnagar, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Ac,t 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad in 7/84.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (110of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

(1) M/s. Saradaw Construction (P) Ltd., 3-6-200, Himayathnagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Syed Magdoom S/o. Late Syed Ali, 16-8-244, Malakpet, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undresigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  the service of notice on the respective persons,
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 503 in 3-6-200, Himayathnagar, Hyderabad admeasuring 1153 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 3963/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-3-1985

(1) M/s. Saradaw Construction (P) Ltd., 3-6-200, Himayathnagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Seetha Lalwani, Flat No. 403, In M. No. 3-6-200, Himayathnagor, Hyderabad.

(Transferee),

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-SIONER OF INCOME-TAX

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1985

Ref. No. RAC. No. 1074/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

M. IEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. situated at Himayathnagar, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as nor deed registered under the India.

has been transferred as per deed registered under the Index Registration Ac,t 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in 7/84. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore have more said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any nioneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 403 in 3-6-200 at Himayathnagar, Hyderabad admeasuring 1100 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 3964/84.

> M. JEGAN MOHAN. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

#### \* GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1985

Ref. No. RAC. No. 1075/84-85,—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the heing the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Lingoiguda. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer.

Registering Officer at Hyderabad in 7/84.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, thereore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Hyderabad Pao Forms, Rep. by Kamaluddin Razvi & Others, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Ch. Balakrishnaiah & Others, Kalwakurthi, Mahboobnagar Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person is prested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1-86, Lingojiguda, R. R. Dt., registered by the S. R. O., Hyderabad-East vide document No. 7588/84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

## INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1985

Ref. No. RAC. No. 1076/84-85.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land situated at Karmanghat, Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Induca Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad East in 7/84. for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid proparty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the mid instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the sad/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the image of this notice under sub-section (4) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:-

Sri A. V. Surender Pao, 2-1-1385, Lalapet. Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri S. Pandari Arutla and Others, Ibrahimpatnam Tq.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in 🛷 it Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land situated at Karmanghat village, Hyderabad admeasuring 1 acre registered by the S.R.O., Hyderabad-East vide document No. 8529/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-3-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1985

Ref. No. RAC. No. 1077/84-85.-Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

House situated at King Koti, Hyderabad.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred as per deed registered under the In. Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in 7/84. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; 300 M and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section \$59D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) Sri Syed Khaja Azmatullah Hussaini, 20-5-123, Quazipura, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Md. Madar, 3-5-782/51, King Koti, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 3-5-782/52/1/9, King Koti, Hyderabad admeasuring 340 sq. yds. of land area registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 3879/84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE (NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### 5-2-123 and 124, Jambagh Road, Hyderabad.

(1) Sri Naresh V. Desh Pandi,

(Transferor)

(2) Sri Akula Seshaiah & Others, 5-2-123, 124 and 125, Jambagh, Hyderabad.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1985

Ref. No. RAC. No. 1078/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding House situated at Jambagh, Hyderabad.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Ind Registration' Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad in 7/84.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of \ notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 5-2-123, 124 and 125 situated at Jambagh, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 3929/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissionel of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1985

Ref. No. RAC. No. 1079/84-85.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House situated at Himayathnagar, Hyderabad.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad in 7/84.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—64—6GI/85

Sri K. Krishna Chari
 S/o Shri Ranga Chari
 Doctor By GPA Sri K. Sampath Kumar
 3-6-467, Himayathnagar
 Hyderabad

(Transferor)

(2) Sint. Ayesha Siddiqui Begum 3-6-492, Hardicar Bagh, Himayathnagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House property bearing No. 3-6-492, Himayathnagar, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 3751/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III.
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-3-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1985

Ref. No. RAC. No. 1080/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Re 25 000% and heaving No.

Rs. 25,000/- and bearing No.
Land situated at Kodur Tq., Cuddapah Dt.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer
at Chityel in 7/84.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquimition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sri N. Seshayhalam & Others,
 Waddels Road,
 Madras-600 010.

(Transferor)

(2) Sri E. Pradcep Kumar & Others S/o E. Sadasiva Reddy, No. 4, New Kundan Bagh, Begumpet, Hyderabad-500 016.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

118.52 acres of land situated at Vasudevapuram village, Kodur Tq., Cuddapah Dt., registered by the S.R.O.. Chitvel, Cuddapah Dt., registered vide document No. 1100/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 12-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1985

Ref. No. RAS. No. 1081/84-85, --- Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House situated at Amberpet, Hyderabad-East. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad-East in 7/84.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Sri V. Madhusudhan Reddy and Others, 3-5-110/B, Narayanaguda, Hyderabad,

(Transferor)

 M/s. Prasanth Enterprises, Pedda Amberpet, R. R. Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 6-67, Amberpet, Hyderabad registered by the S.O.R., Hyderabad-East vide document No. 7550/84, 8820/84, 9268/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-3-1985

Scal:



## FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1985

Ref. No. RAC. No. 1082/84-85,--Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Narayanaguda, Hyderabad. (and more rully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1903 (15 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in 7/84.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent conderation and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, to respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269Q of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Kumari Naheed Khatoon D/o. Dr. Md. Jaffar Ali Khan, 3-6-782, Himayathnagar, Hydorabad.

(Transferor)

(2) Smt. G. Subhashini W/o. Shri G. Narsing Rao Smt. G. Amrutha, W/o Shri G. Subash Shrimati Uma Rani W/o Shri B. Narsing Rao, 3-5-7 05, Narayanaguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 3-5-705, at Narayanaguda, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 3709/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-3-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT , COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th March 1985

RAC No. 1083/84-85.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (horeinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

and bearing No. Land situated at Pedda Amberpet Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 7/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

- (1) Sri M. Achaiah & Others, R/o Torsor,
  - (Transferor)
- (2) M/s. United Teachers Co-Operative Housing Society, Rep. by Sri D. Rami Reddy, Pedda Amberpet, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land admeasuring 16-03 acers situated at Pedda Ambernet, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad-East vide document No. 7504/84.

M. JEGAN MOHAN, Competent Λuthority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Dated: 12-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th March 1985

Ref. No. 108484-85.—Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. bearing No. land situated at Medacherla Kodad Taluk

Kodad Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodad on 7/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with she object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the siability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Land admeasuring 36-00 acres situated at Medacherla, Kodad Taluk, registered by the S.R.O. Kodad, vide document No. S. 3315, 3316, 3099, 3094, 3145, 3307, 3308, 3309/84.

M. JEGAN MOHAN. Competent Authority

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) G. Ch. Koti Reddy & Others, Medacherla.

(Transferor)

(2) M/s. Suvarana Cements Ltd. 6-3-661/4/3, Somajiguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Dated: 14-3-85 <u>a</u> 111 **建位为图7/段图图题** 

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th March 1985

Ref. No. 1085/84-85.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and

bearing No. lands situated at Dondapdu & Revuru, Kodad Tq. (and more fully described in the Schedule annexed beyeto). has ben transferred as rer deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodad on 7/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) K. Rami Reddy & others, Dondapadu, Kodada Tq. Nalgonda District.

. (Transferor)

(2) M/s. Sri Vishnu Cements Ltd., 1-10-1/15, Ashok Nagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Lands admeasuring 49-32 acres situated at Dondapadu'and Revuru of Kodada Taluk, registered by the S.R.O. Kodad vide document Nos. 3312, 3268, 3269, 3108, 3109, 3110, 3111, 3137, 3142/84.

M. JEGAN MOHAN, Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 14-3-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th March 1985

Ref. No. 1086/84-85.—Wereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. lands situated at Ramapuram Kodad Taluk

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has ben transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodad on 7/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more then fifteen per cent of such apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

G. Vecra Reddy & Others, Ramapuram, Kodad Taluk. Nalgonda Dist.

(Transferor)

(2) M/s., Priyadarshini Cements Ltd. 115, Srinagar Colony, Hyderabad-873.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Lands admeasuring 59-38 acres situated at Ramapuram, Kodad Tq. registered by the S.R.O. Kodad, vide document Nos. 3123, 3154, 3155, 3129, 3132, 3134, 3097, 3085, 3086, 3087, 3088, 3100, 3101, 3104, 3105, 3114, 3509, 3471/ 84.

> M. JEGAN MOHAN. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Dated: 14-3-85

### FORM IINS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

A-10, Satya Apartments, Masab Tank, Hyderabad. (Tran

(1) M/s. Maan Constructions Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Ranjit Narayan & Other, 2-2-647/273/A, Srinivasanagar Housing Colony, Bagh Amberpet, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th March 1985

RAC No. 144/37EE/IAC-Acq.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

M. JEGAN MOHAN
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and

bearing No. Flat situated at Begumpet

Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has ben transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 7/84 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

65 -6GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, [1918] sauidxa poinad haraqqiqm
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as we defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11 located on the 2nd floor of Sharon Apartments, Begumpet, Hyderabad admeasuring 1' 10' sft. as mentioned in the agreement to sale registered in the Office of the I.A.C., Acq. Range, Hyderabad vide Sl. No. 636/84.

M. JEGAN MOHAN.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Dated: 15-3-1984

(1) Land Mark Builders, 6-2-930, Khairatbad, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri K. Ravindra, Plot No. 266-A, Jubilee Hills, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hderabad, the 15th March 1985

RAC. IAC/ACQ/37EF/145.—Wheras, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have teason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/s. property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

bearing No. Flat situated at Hyderabad tand more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acq. Hyderabad on 5/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid screeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(b) facilitating the concealment of any income or any

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property Apartment No. 204 in Shibas Glen, Hyderabad area as mnetioned in the agreement to sale 1310 sft. registered in the Office of the I.A.C., Acquisition Range, Hyderabad vide \$1. No. 639/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-lax Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Dated: 1 -3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hderabad, the 15th March 1985

RAC. No. IAC/ACQ/37EE/146.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and

bearing No. Flat situated at Red Hills Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the offlice of the Registering Officer at IAC, Acq. Hyderabad on 5/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the sobject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1932) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Bhagyanagar Construction Co., 11-4-656/1, Red Hills, Nampally, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri M. Madhava Rao, 6-26-9, 2nd lane, Salipet, Guntur,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same uncaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 711 in VIIth floor B-Block situated at Red Hills, Hyderabad area 1321 sft., as mentioned in the agreement to sale registered in the office of the LA.C., Acquisition, Range, Hyderabad vide Sl. No. 641/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Anthonics
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Dated: 15-3-1985

Scal:

(1) Bhagyanagar Construction Co. 11-4-656/1/, Red Hills, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri M. Raghuvcer Reddy, 1-8-435, Chikkadpally, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hderabad, the 15th March 1985

RAC No. IAC/Acq/37EE/147.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000' and bearing No. Flat situated at Red Hills Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acq. Hyderabad on 5/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act- or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from th, date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same mennig as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 204 in IInd floor of A-Block at Red Hills, Hyderabad area 919 sft. as mentioned in the agreement to sale registered in the Office of the I.A.C., Acq. Range, Hyderabad vide Sl. No. 642/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income dix
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 15-3-1985

(1) Bhagyanagar Construction Co. 11-4-656/1, Red Hills, Hyderabad.

(2) Sri T. S. Prabhakar, C/o Sundaram Motors,

M. G. Road, Secunderabad.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hderabad, the 15th March 1985

RAC. No. IAC/ACQ/37EE/148.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat situated at Red Hills Hyderabad (and more fully described in the Schedule appeared basels).

Rs. 25,000/- and bearing No. Flat situated at Red Hills Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acq. Hyderabad on 5/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(1) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Lecome-tux Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of all days from the date of publication of this notice at the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 404 in JVth floor of Block-A at Red Hills, Hyderabad area 919 sft. as mentioned in the agreement to sale registered in the Office of the I.A.C. Acq. Range, Hyderabad vide Sl. No. 643/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Disted: 15-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hdcrabad, the 15th March 1985

RAC. No. IAC/Acq./37EE/149.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and

bearing No. Flat situated at Masab Tank Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto). (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acq. Hyderabad on 5/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mrs. Harriet Ronkar Lynton, C/o Venugopal & Chenoy C.As., Tilak Road, Hyderabad.

(Transfetor)

(2) Sri Ravi Kapoor & Smt. Shoba Kapoor, 72, Pali Hill, Bandra, Bombay-400 054.

(Transferce)

Objections, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the seid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Flat No. 308 and 309 in 10-3-307 at Masab Tank, Hyderabad area 7760 sft., as mentioned in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acq. Runge, Hyderabad vide St. No. 646/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad

Dated: 15-3-1985

Scal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 15th March 1985

RAC. No. IAC/ACQ/37EE/150.—Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Office situated at Park Lane,

Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registerd under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acq. Hyderabad on 5/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to believe the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any. moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)?

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely !--

(1) Natraj Construction Co. 116, Park Lane, Secunderabad,

(Transferor)

(2) Sri B. Vardha Reddy, and Other, R/o 24-143, Anandbagh, Malkajgiri, Hyderabad-47.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressons used hereis as are defined in Chapter XXV of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office No. 610 on 6th floor of Chenoy Trade Centre, 116 Park Lane, Secunderabad area 635 sft. as mentioned in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Hyderabad vide Sl. No. 647/84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad.

Dated: 15-3-1985

(1) M/s. Mehta Towers, 1-1-293/4, Ashoknagar, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri A. Hanumantha Rao, Dy. G.P.M. A.P.S.R.T.C., Karimnagar,

(Transferee)

GOVFRNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.) may be made in writing to the undersigned :--

Hyderabad, the 15th March 1985

RAC No. 1AC/ACQ/37EE/151.—Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immov-able property, having a fair market value exceeding Rs.

Rs. 25,000/- and bearing No. Flat situated at Ashoknagar Hyderabad (and more fully described in the Scheduled annexed hereto). has been transferred as per deed registerd under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acq. Hyderabad on 5/84 Registering Officer at IAC, Acq. Hyderabad on 5/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reas a to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ment of transfer with the object of(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

. Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 406 in 4th floor at Ashoknagar, Hyderabad area 921 sft., as mentioned in the agreement to sole registered in the Office of the I.A.C., Acq. Range, Hyderabad vide Sl. No.

THE SCHEDULE

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :aforesaid property by the issue of this notice under sub-

Dated: 15-3-1985

No. 648/84.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 15th March, 1985

RAC. No. IAC/ACQ/37EE/152.—Whereas, I. M. JEGAN MQHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat situated at Red Hills

Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registerd under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acq. Hyderabad on 5/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said. Act to the following persons, namely:—
66—601/85

(1) M/s. Bhagyanagar Construction Co. 11-4-656|1, Red Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri M. Raghuveer Reddy, Rep. by Sri M. Buchi Reddy, 1-8-435, Chikkadpally, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said mmoxable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 204 in 11nd floor of Red Hills, Hyderabad area 919 sft., as mentioned in the agreement to sale registered in the Office of the 1.A.C., Acq Range, vide Sl. No. 650/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated: 15 3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 15th March 1985

RAC. No. IAC/ACQ/37EE/153.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Flat situated at Domalguda

Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registerd under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at, IAC, Acq. Hyderabad on 5/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and /or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any mosteys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 259C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under supsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Eskay Associates, 1-2-24, Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)
(2) Sri K. Jayaraman, Scientist 'C', Type IV/,
47 Lab Quarters, Kanchenbagh, Hyderdiad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (ta) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- other person interested (b) by may immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 506 in 1-2-24, Domalguda, Hyderabad area 600 sft., as mentioned in agreement to sale registered in the Office of the I.A.C., Acq. Range, Hyderabad vide Sl. No. 651/84.

> M.'\_JEGAN MOHAM\ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisision Range, Hyderabad.

Dated: 15-3-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 15th March 1985

RAC. No. IAC/ACQ/37EE/154.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing bearing No. Flat situated at Ramkote Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registerd under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acq. Hyderabad on 5/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the itability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Triveni Builders, 4-2-1069, Ramkote, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Rukmani W. Nissar, W/o Sri Hirji B. Nissar, 4-3-163, Hanuman Tekdi, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 107 in Vaibhav Apartments, 4-2-1069, Ramkote, Hyderabad area 1109 sft., as mentioned in the agreement to sale registered in the Office of the I.A.C., Acq. Range, Hyderabad vide Sl. No. 659/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated: 15-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 15th March 1985

RAC No. IAC/ACQ/37-EE/155.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market vlaue exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Office situated at Bashcerbagh, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

r,

IAC, Acq. Hyd. on 5/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen par cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partransfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following sersons, namely :---

Babu Khan Constructions, 5-9-58/1-15, Basheerbagh, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. lifath Zakia w/o Sri Mohd. Qutubuddin, 5-9-58/1-15, Bashcerbagh, Hyderabad.

35

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning us given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office No. 169 at Bashcerbagh Hyderabad area sft. & 324 sft, as mentioned in the agreement to sale registered in the Office of the I.A.C., Acq. Range, Hyderabad vide Sl. No. 666/84 & 667/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 15-3 1985

1

#### FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

ASSISTANT COMMIS-OFFICE OF THE INSPECTING SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE. HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 15th March 1985

RAP No. IAC/ACQ/37-EE/156.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the moonie-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immorphism of the models are reserved in the second of the se market value able property, having a fair Rs. 25.000/- and bearing exceeding

No. Flat situated at Ashoknagar, Hyderabad (and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer at IAC, Acq. Hyd. on 5.84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exeeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said intrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C or the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

M/s. Melna Towers, 1-1-293/4, Ashoknagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri 1. Chakrapani, 5-5-475/31, Mukhramjahi Road, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 108 in 1-1-293/4, Ashoknagar, Hyderabad area 1168 sft., a, mentioned in the agreement to sale registered in the Office of the I.A.C., Acq. Range, Hyderabad vide Sl. No. 675/84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 15-3-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 15th March 1985

RAC No. IAC/ACQ/37-EE/57.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the improvable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat situated at Red Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC, Acq. Hvd. on 5/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have, not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:— (1) M/s. Bhagyanagar Construction Co., 11-4-656/1, Red Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. P. Sivaroopa Rani. Flat No. G-4, in ground floor, 11-4-656/1, Red Hills, Nampally, Hyderabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given? in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. G-4 in ground floor of Nampally, Hyderabad area 919 sft., as mentioned in agreement to sale registered in the office of the IAC., Acq. Range, Hyderabad vide Serial No. 668/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 15-3-1985 Seal:

FORM I.T.N.S .-

NOMICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE. HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 15th March 1985

RAC. No. IAC/ACQ/37-EE/158.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat situated at Red Hills, Hyderabad

No. Flat situated at Red Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acq, Hyd. on 5/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

M/s. Bhagyanagar Construction Co., 11-4-656/1, Red Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri K. S. Rao, S.B.I. Colony, No. 85, New Bakaram,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. G-4 in 11-4-656/!, Red Hills, Hyderabad area 973 sft., as mentioned in the agreement to sale registered in the office of the IAC.. Acq Range, Hyderabad vide Sl. No. 669/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 15-3-1985

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 15th March 1985

RAC No. IAC/ACQ/37EE/159.—Whereas, J. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Flat situated at Secunderabad, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (15 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acq. Hyd. on 5.784 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration. more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

(1) M/s. Innovation Associates, 142/C, P-G. Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Mr. Dayanand Seidal,H. No. 5930, St. Francis St.,9-2-225, 226, Regimental Bazar, Secunderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 202 in 142/C, Penderghast Road, Secunderabad area 2300 sft., as mentioned in the agreement to sale registered in the office of the IA.C. Acq. Range, Hyderabad vide Sl. No. 673/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range. Hyderabad (AP)

Date: 15-3 1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDFRABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 15th March 1985

RAC No. IAC/ACQ/37EE/160.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat situated at King Kothi, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at IAC, Acq, Hyd. on 5/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen, per cent of such apparent consideration. more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating or other assets which have not been or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

67.—6GT/85

(1)Smt. Pushpa Sancheti, 3-6-168/4, Hyderguda, Hyderabad

(Transferor)

(2) Dr. Hashim Moosa, 4-3-872, Tilak Road, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

TOTAL CONTRACTOR

## THE SCHEDULE

Flat No. 105 in Kushal Apartments, 3-5-784/15/1, King Kothi, Hyderabad area 1100 sft., as mentioned in agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acq. Range. Hyderabad vide Sl. No. 674/84

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (AP)

Data 1 15-3-1985

(1) Gitanjali Constructions, A. O. C. Centre, Secunderabad

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (AP.)

Hyderabad (A.P.), the 15th March 1985

RAC No. IAC/ACQ/37-EE/161.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the competent authority under Section 259B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat situated at West Marredpally, Sec.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

12094

IAC, Acq. Hvd. on 5/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other seasts which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(2) Smt. T. Padmasini w/o late Sri S. Tatadri, 16, General Carinppa Marg, Kirkee, Punc-411003.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said-Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 6 in 2nd floor of West Marredpally Secunderabad area 950 sft., as mentioned in the agreement to sale registered in the Office of the 1 A.C., Acquisition Range, Hyderabad vide Sl. No. 540/84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 15-3-1985

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th March 1985

Ref. No. A.P. No./5766.--Whereus, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rg. 25 000l- and bearing

Rs. 25,000]- and bearing
No. as per schedule situated at Jalandhar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Jalandhar on July, 1984

Jalandhar on July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Kanwar Bhan Kapoor
 Radha Krishan,
 R/o 72—Green Park, Jagadhri Road,
 Ambala Cautt.

(Transferor)

(2) Shri Virendar Pal Singh & Inder Pal Singh Ss/o Sh. Gurbachan Singh and Gurcharan Singh sho Sunder Singh and Jagjit Kaur W/o Gurbachan Singh, R/o 122-L, Model Town, Jalandhar.

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property Kothl No. 122-L situated in Model Town, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 1359 of July, 1984 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Jalandhar

Date: 15-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th March 1985

Ref. No. A.P. No./5767.--Wheeras, I,

Ref. No. A.P. No./5/6/.--wheeras, 1,

J. L. GIRDHAR,
being the Competent Authority
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of
1961), (hereinafter referred to as the 'said Act',) have
reason to believe that the immovable property, having a
fair market value exceeding Rs. 25,000/-. and bearing

No. as per schedule situated at Basti Danishmandan, Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act. 1961, in he office of the Competent Authority at Jalandhar on July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid pro-

perty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-uon therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betwen the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following nemons, namely :---

(1) Shri Kulbir Singh S/o Batten Singh, R/o Basti Danishmandan, Talandhar.

(Transferor)

(2) Shrimati Phino W/o Atma Singh R/o Village Vai poi Tehsil Taran Taran, Distt. Amritsa.

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property) (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property House area 1-11 Mls, situated in Basti Danishmandan Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 1197 of July, 1984 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-3-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th March 1985

Ref. No. A.P. No./5768 .- Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value erceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Basti Danishmandan, Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on July, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) racilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the tollowing persons, namely :---

(1) Shri Kulbir Singh S/o Batten Singh, R/o Basti Danishmandan, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Rattan Singh S/o Atma Singh R/o V. Vai Poi Teh. Taran Taran, Distt. Amritsar.

(3) As S. No. 2 above (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetts of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date the publication of this notice in the Offi Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning is given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property house area 1K-12 Mls. situated in Basti Danishmandan, Jalandhar and persons as menioned in the registered sale deed No. 1198 of July, 1984 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-3-1985

Scal:

## FORM I.T.N.S.-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME, TAX

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th March 1985

Rcf. No. A.P. No./5769.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Basti Danishmandan, Jalan-

dhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on July, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparnt consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Ind an Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) Shri Kulbir Singh S/o Batten Singh, R/o Basti Danishmandan, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Atma Singh s/o Bishan Singh, R/o V. Val Pol Tch. Taran Taran, Distt. Amritsar.

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gastette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property House area 1-11 Mls, situated in Basti Danishmandan Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 1222 of July, 1984 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-3-1985

### FORM I.T.N.S .-

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th March 1985

Ref. No. AP. No. '5770.~-Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

movable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule at Basti Danishmandan, Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shii Kulbir Singh
 Batten Singh,
 R/o Basti Danishmandan,
 Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shrimati Amar Kaur W/o Jag Singh R/o V. Vai Poi Teh. Taran Taran, Distt. Amritsar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property House area 1K-i1M -146 Sq. ft. situated in Basti Danishmandan, Jalandhar and persons as mentioned in the Registered sale deed No. 1221 of July, 1984 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Jalandhar

Date: 15-3-1985

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th March 1985

Ref. No. A.P. No./5771.--Whereas, I.

3. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Basti Danishmandan, Julan-

dhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Jalandhar on July, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitaing the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- meneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

 Shri Kulbir Siugh S/o Batten Singh, R/o Basti Danishmandan, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Jag Singh S/o Rur Singh R/o V. Vai Poi Teh. Faran Taran, Distt. Amritsa.

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereig as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property house area 1K-12 Mls. situated in Basti Danishmandan, Jalandhar and persons as menioned in the registered sale deed No. 1280 of July, 1984 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range.
Jalandhar

Date: 15-3-1985

Seal :

٨

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE. JALANDIIAR

Jalandhar, the 15th March 1985

Ref. No. A.P. No./5772.-- Wheeras, I,

J. L. GIRDHAR, being the Competent being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at the Competent Authority,

Jalandhar on July, 1984 Jalandhar on July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for, which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-68---6GI/85

17.

(1) Shri Ram Kumar S/o Mela Rain, R/o 26-Adarsh Nagar, Jalandhar. through Mukhtiar Roop Krishan.

(Transferor)

(2) Shri Paramjit Kumar R/o 201-Gurteg Bahadur Nagar, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property House No. 136 situated at Gurteg Bahadur Nagar, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 1334 of July, 1984 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-3-1985

Scal:

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th March 1985

Ref. No. A.P. No./5774,—Whereas, I, J. L. GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Islandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Islandhar on July, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, mannely;—

(1) Shri Gulzar Singh Gatcha S/o Lakha Singh Mukhtiar of Ajit Kaur Wd.o Gurbachan Singh, R/o 92-Master Tara Singh Nagar, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Dalbir Singh Sandhu S/o Chanau Singh R/o EH 211/92-A, Master Tara Singh Nagar, Jalandhar.

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property House No. EH-211 (91-92) Portion situated in Master Tara Singh Nagar, Ialandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 1510 of July, 1984 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Jalandhar

Date: 15-3-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th March 1985

Ref. No. A.P. No./5773.—Whereus, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on July, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparnt consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reducction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Gulzar Singh Garcha S/o Lakha Singh Mukhtiar of Ajit Kaur Wd/o Gurbachan Singh, R/o 92-Master Tara Singh Nagar, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shrimati Manjit Kaur W/o Sh. Dalbir Singh Sandhu, EH-211/92-A, Master Tura Singh Nagar, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### JE SCHEDULE

Property House No. EH-211 (91-92) Portion situated in Master Tara Singh Nagar, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 1465 of July, 1984 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. I. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range,
Jalandhar

Date: 15-3-1985

Scal:

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th March 1985

Ref. No. A.P. No./5775.—Whereas, I. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No, as per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in that proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Shri Gulzar Singh Garcha S/o Lakha Singh Mukhtiar of Ajit Kaur Wd/o Gurbachan Singh, R/o 92-Master Tara Singh Nagar, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Dalbir Singh Sandhu S/o Chanan Singh EH-211/92-A, Master Tara Singh Nagar,

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person intertsted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property House No. EH-211 (91-92) Portion situated in Master Tara Singh Nagar Jalandhar and persons as tioned in the registered sale deed No. 1675 of July, 1984 of the Registering Authority, Jalandhar

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-3-1985

么

1

++

(Transferor)

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 15th March 1985

Ref. No. Raj./IAC (Acq.)/2542.--Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to belive that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Plot No. 9A situated at Kota
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto)
has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Kets on 9.7.1984 Kota on 9-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Shri Sunder Lal S/o Shri Chand Mal, R/o Kota.

Smt. Vimla Devi W/o Shri P. L. Jain & Shri Nirmal Kumar Sethi S/o Shri Kishan Lal ji Sethi, R./o Kota.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 dasy from the service of notice on the respective persons, whichever period expires lated;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 9-A situated in Talwardi Scheme, Kota and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Kota vide Registration No. 1020 dt. 9-7-84.

> MOHAN SINGH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range, Jaipur

Date: 15-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 15th March 1985

Ref. No. Raj./IAC (Acq.)/2543.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. H. No. 1/875 situated at Ajmer (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ajmer on 20-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of:—

- (a) favilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Banwarilal S/o Kesar Dassji Bhatia, R/o Malviya Nagar, Jaipur, Now at Bapu Nagar, Ajmer.

(Transferor)

(2) Smt. Krishna Garg W/o Shri Amarchand, R/o Chatai Mohalla, Kaiser Ganj, Ajmer.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Western portion of the property bearing AMC No. 1/875 situated at Makarwali Road, Christian Gani, Ajmer, and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Ajmer vide Registration No. 2686 dated 20-7-84.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Jaipur

13

Date: 15-3-1985

3

#### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, **JAIPUR**

Jaipur, the 15th March 1985

Ref. No. Raj./IAC (Acq.)/2544.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. Rs. 1,00,000/- and bearing No. H. No. 1/874 situated at Ajmer (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Officer at

Ajmer on 20-7-84

Ajmer on 20-7-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Shri Banwarilal S/o Kesar Dassji Bhatia, R/o Malviya Nagar, Jaipur, Now at Ajmer.

(Transferor)

(2) Shri Amar Chand S/o Shri Sri Kishin, R/o Kaiserganj, Chattia Mohalla, Almer.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 dasy from the service of notice on the respective persons, whichever period expires lated;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Middle portion of the property bearing AMC No. 1/874 situated at Makarwali Road, Christian Ganj, Ajmer and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Ajmer vide Registration No. 2687 dated 20-7-84.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 15-3-1985

Seal:

'n,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, **JAIPUR** 

Jaipur, the 15th March 1985

Ref. No. Raj./IAC (Acq.)/2547.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred w as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. House No. 529/1 situated at Ajmer

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Ajmer on 21-7-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, f, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;-

(1) Shri Ram Singh Rathore S/o Shri Amar Singh, R/o Shentipura, Christian Ganj, Ajmer.

(Transferor)

(2) Shri Dharmendra Singh S/o Shri Ram Singh Rathore, R/o Shantipura, Christian Ganj, Aimer.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of House No. 529/1 situated in Christian Ganj, Ajmer and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Aimer vide Registration No. 2692 dated 21-7-84.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Jelour

Date : 15-3-1985 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, **JAIPUR** 

Jaipur, the 15th March 1985

Ref. No. Raj./IAC (Acq.)/2548.—Whereas, I, MOHAN SINGH, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No. Plot No. 57/2C situated at Udaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Udaipur on 4-7-84 Udaipur on 4-7-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following paragraphs. ing persons, namely :-69—6GI/85

(1) Smt. Kusum Priyadorshini W/o Late Dr. Jagmohan ji Sharma, 4/6 Junta House, Panaji, Goa. & Kumari Anupama Jai Sharma.

(Transferor)

(1) Shti Lakshman Singh S/o Shri Bhanwar Lal ji, Smt. Pushpa W/o Shri Lakshman Singh ji & Dariyav Singh S/o Shri Bhanwar Lal ji, Karmawat, 26-D, Panchvati,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 57/2C situated in Fatehpura, Udaipur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Udaipur vide Registration No. 1451 dt. 4-7-84.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range.

Date: 15-3-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 15th March 1985

Ref. No. Raj./IAC (Acq.)/2549.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00.000/- and bearing
No. Plot No. 57/2D situated at Fatehpura
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Udaipur on 4-7-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of the said

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in tursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiat: proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section (1916) to the aid Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Kusum Priyadarshini Anupam Jai D/o Shri Jagmohan ji Sharma, 4/6 Junta House, Panaji, Goa.

(Transferor)

(2) Shri Bhopal, Prem Kumar, Mahendra Kumar S/o Badumal ji Hemanani, Udaipur, Bhopalpura.

(Transferce)

Objections, if any, to the asquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 57/2D situated in New Fatehpura and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Udaipur vide Registration No. 1453 dt. 4-7-84.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Japur

Date: 15-3-1985

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 15th March 1985

Ref. No. Raj./IAC (Acq.)/2550.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 57/2C situated at Fatchpura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Udaipur on 4-7-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the anofresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respectof of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atcreased property by the rasse of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 Smt. Kusum Priyadershini Anupam Jaj Sharma D/o Dr. Jagmoban ji Sharma, 4/6 Juhta House, Panaji, Goa.

(Transferor)

(2) Shri Dariyav Singh S/o Bhanwarlalji Karnawat, R/o Rajnagar.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 57/2C situated in Udaipur Fatehpura and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar--Udaipur vide Registration No. 1452 dt. 4-7-84.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition RangeJaipur

Date : 15/3/1985 Senf :

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 15th March 1985

Ref. No. Raj/IAC(Λcq.)/2551.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot No. 57/2A situated at Fatehpura

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Udaipur on 4-7-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons mattely:——

 Smt. Kusum Priyadarshini Anupam Jai Sharma
 D/o Dr. Jagmohan ji Sharma, 4/6 Junta House, Panaji, Goa.

(Transferor)

(2) Smt. Pushpa W/o Lakshman Singhji Karnawat R/o 60D, Panchvati, Udoipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION\*:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 57/2A situated in Udaipur Fatehpura and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar---Udaipur vide Registration No. 1450 dated 4-7-84.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometage
Acquisition Range,
Jaipur

Date : 15-3-1985

,5

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 15th March 1985

Ref. No. Raj./IAC (Acq.)/2552.—Whereas, I,

MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No, Shop situated at Bhinmal (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Bhinmal on 16-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Jhamku Devi W/o Sukhraj Oswal, Bhinmal.

(Transferor)

(2) Svs. Mangilal, Suresh, Ramesh, Naresh, Rajesh, S/o Tikuchand Jogani, Bhinmal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE.

Shop situated in Ganesh Chowk Bazar and more fully escribed in the sale deed registered by the Sub-Registrar, described in the sale deed registered by the Su Bhinmal vide Registration No. 840 dated 16-7-84.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 15-3-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX ACQUISITION RANGE, **JAIPUR** 

Jaipur, the 15th March 1985

Ref. No. Raj./IAC (Acq.)/2553.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property bridge as fair parket value exceeding Ref. 1,00000/s property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

no. Plot No. 8 situated at Udaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Udaipur on 25-7-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparnt consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

market in the first

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Shri Mukesh Rai S/o Bansilalji Rai, Fatehpura, Udaipur.

(Transferor)

٠£,

(2) Shri Ranapratap, Ashok Kumar, Suresh Kumar S/o Mohanlal ji Malik, Fatehpura, Udaipur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 8 situated in Sector No. 5, Hiranmagni, Udaipur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar—Udaiput vide Registration No. 1633 dt. 25-7-84.

> MOHAN SINGH · Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Jaiour

Date: 15-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
JAIPUR

Jaipur, the 15th March 1985

Ref. No. Raj./IAC (Acq.)/2554.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Plot No. 8 situated at Udaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 4-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

4 7 .

(1) Smt. Chaucer Devi W/o Shri Goverdhan Lal ji, Amhalalji, Sampatlal ji, Badri Prasad ji, Rajkumar S/o Goverdhanlalji Sharma, 8-Hajareshwar Colony, Udaipur.

(Transferor)

(2) Shri Nanalal,
Roop Lal,
Sagarmal,
S/o Khemrajji &
Khemraj
S/o Prithviraj ji,
8A-Hajareshwar Colony,
Udaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within forty five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 8 situated at Hajareshwar Colony, Udaipur and more fuly described in the sale deed registered by the Sub-Registrar—Udaipur vide Registration No. 1458 dt. 4-7-84.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Jaipur

Date: 15-3-1985

#### FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 15th March 1985

Rcf. No. Raj./IAC (Acq.)/2556.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair maket value, exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 27-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Woulth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeasid property by the issue for this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) M/s. Jay Marwar Co. Pvt. Ltd. Jodhpur.

(Transferor)

(2) Navin Graha Nirman Sahakari Samiti Ltd. Jodhpur,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons,
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Lands near Ratanada Circuit House, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar—Jodhpur vide Registered on dated 27-7-1984.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 15-3-1985 .

Scal :

#### FORM TINS-

(1) Shri Sumer Chand S/o Teiraj ji Bhandari, R/o Jodhpur Bal Niketan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mool Chand S/o Meramchand Oswal, R/o Jodhpur, Mohanpura.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 15th March 1985

Ref. No. Raj./IAC (Acq.)/2557.--Whereas, I,

MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bealing No. Plot No. 42 situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Johnur on 30-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property- as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said treatment of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or eyasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (t, facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 or 1957);

1

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House Property on Plot No. 42 situated in Aject Colony, Ratanada, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar—Jodhpur vide Registration No. 2119 dt. 30-7-1984.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range,

Now, therefore, in pursuance of Section 2690. Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following namely:-70---6GI/85

Date: 15-3-1985

Scal:

1-00 1900 4

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 15th March 1985

Ref. No. Raj./JAC (Acq.)/2558.—Whereas, J, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Plot No. 42 situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 30-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay the under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Sumer Chand
 S/o Tejraj ji Bhandari,
 R/o Jodhpur Bal Niketan.

(Transferor)

(2) Smt. Chuki Devi W/o Moolchand ji Oswal Hundia R/o Jodhpur, Mohanpura.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property on Plot No. 42 situated in Ajeet Colony, Ratanada. Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar—Jodhpur vide Registration No. 2118 Dt. 20-7-84.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,

Date : 15-3-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 15th March 1985

Ref. No. Raj./IAC (Acq.)/2559.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

as the salt Act I have reason to believe that the inmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Shop Plot Nohra No. 92 situated at Sriganganagar (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Sriganganagar on 17-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Sri Manoj Kumar S/o Daulat Ram Jat, Village-Sahuwala, Tehsil-Sriganganagar.

(Transferor)

(2) Shri Maniram S/o Shri Hemraj Jat, Village—Sahuwala, Tehsil—Sriganganagar.

(Transferce)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 dasy from the service of notice on the respective persons, whichever period expires lated;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Shop Plot Nohta No. 92 situated in Lokkar Mandi Sriganganagar and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar—Sriganganagar, vide Registration No. 1302 dt. 17-7-1984.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Jaipur

Date: 15-3-1985

(1) Sri Manoj Kumar S/o Daulat Ram Jat, Village—Sahuwala, Tohsil—Sriganganagar,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Yashpal S/o Maniram Jat, Village—Sahuwala, Tehsil-Sriganganagar.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

#### ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 15th March 1985

Ref. No. Raj./IAC (Acq.)/2560.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop Plot No. 92 situated at Sriganganagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sriganganagar on 17-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be discussed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a). by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 daws from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop Plot Nohia No. 92 situated in Lokkar Mandi, Sriganganagar and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar-Sriganganagar, vide Registration No. 1301 dt. 17-7-1984.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaiour

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 15-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 18th January 1985

Ref. No. 70/July/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

T. S. No. 3536, 2537 situated at Subbiahmudalivarpuram, Tuticorin (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer S. R.H. Tuticorin (Doc. No. 705/84) in July. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration (or such templar as agreed to better

and that the consideration for such transfer as agreed to betwen the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Smt. T. Layola Ammal W/o Shri Thomas Fernando, R/o 112, Ramanadarvilai Street, Tuticorin. TUTICORIN.

(Transferor)

 (2) Smt. R. Subbulakshmi W/o Shri Ramakrishnan, R/o 51/10, Subbiah Mudaliyarpuram,
 Tuticorin, TUTICORIN.

(Traneferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice, in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building at Subbiahmudaliyarpuram, Tuticorin. (Doc. No. 705/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600 006

Date : 18-1-1985 Seal :

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 22nd January 1985

Ref. No. 71/July/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Ward No. 21, Survey No. 494A/3B5 situated at Mecnavittan village, Chidambara Nagar, Melur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Meiur S.R.O. Doc. No. 1025/84 on July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Sri G. Raja Sankar S/o Shri Ganesa Nagar, R/o 88-A, South Raja Road, Tuticorin.
- (2) Dr. Kalirajan & Thamayanthi Ammal, R/o 213, Sagabhavanam New Colony, Tuticorin.

(Traneferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land & Building at Ward No. 21 Chidambara Nagar. Survey No. 494A/3B5, Mecnavittan Village. Doc. No. 1025/84.

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tage
Acquisition Range-I,
Madras-600 006

Date : 22-1-1985.

#### FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 18th January 1935

Ref. No. 73/July/84.—Whereas, I, PRFMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

T. S. No. 1009/3 situated at Sikkanarasiyan village, Tirunel-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at D.S.R. Tirunclyeli (Doc. No. 574/84) in July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the redunction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely :--

(1) Shri H. Meenakshisundaram Aiyer 5/5 Late P.S. Harthiata Aiyer, and others, Rajagopala Sannathi Street, Sikkanarasiyan village, Tirunelveli Dist.

(Transferor)

(2) Shri V. R. K. Murthy S/o Late G. Ramakrishna Aiyer, Door No. 46. Sivapuram, West Veeraragavapuram, Tirunelveli Dist.

(Trancferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at Sikkanarasiyan village. (Doc. No. 574/84)

> PREMA MAJ INI VASAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Madras-600 006

Date: 18-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th February 1985

Ref. No. 74/July/84.—Whereas, J. PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,00/- and bearing

situated at Kandiyaperi village,

Kanniyakumari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at J. S. R.-J. Tirunelveli (Doc. No. 617/84) in July, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons memely:-

(1) Shri A. N. Chellappa S/o Shri A. Narayana Nadar, R/o 44A, Ettuthohai Street, Vannarpet, Vellaikovil village, Tirunelveli Dist.

(Transferor)

(2) Smt. S. Alagiyanambi S/o Shri Subramaniya Pillai, R/o Kulasegarapattanam, Tiruchendur Taluk, Tirunelveli District.

(Traneferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at Kandiyaperi village, Kanniyakumari, (Doc. No. 617/84)

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Madras-600 006

Date : 13-2-1985

Scal:



NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-J.

#### MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th January 1985

Ref. No. 76/July/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immedable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

and bearing No.

Land situated at Kodaikanal
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer
S. R. Kodaikanal (Doc. No. 407/84) in July, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more tha
fifteen per cent of such apparent consideration and that the said exceeds the apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Srì R, Vijaya Ragunatha Thondaiman S/o Shri Ramachandra Tondaiman, Convent Road, KODAIKANAL

(Transferor)

(2) M/s. Gay Travels Pvt. Ltd., 61, Nungambakkam High Road, Madras-600 034. rep. by its Director B. Sivanthi Adityan.

(Traneferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at Kodaikanal. (Doc. No. 407/84).

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under subsection (1 of Section 269D of the said Act to the following persons, namely .--

71-6GI/85

Date: 10-1-1985

#### FORM TINS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-1. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th January 1985

Rcf. No. 77/July 84.—Whereas, I, PREMA MAI INI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (Aereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 110, Kodaikanal village situated at Kodaikanal.

Madurat (and more fully described in the Schedule ancayed hereto), has been transferred under registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Kodarkanal S.R.O. Doc. No. 363-84 on July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afotesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) M. s. Thiogorojar Mills Limited, Kappalur, Madurai-626715.

(Iransferor)

(2) M/s. Karumuthu Farms Limited, M/s. Thiagaraja Mills, Premises. Kappalur, Madurai-626715.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Case to or a period of 30 days from the related or notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

I and & Building at S. No. 110, Kodaikanal village. Loc. No. 363/84

> PREMA MALINI VASAN
> Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-L Madras-600 006

Date: 29-1-1985

(1) Sri D. Siva Subramanyan S/o Sri Duriaswamy Pillai, 49, G6-Ashok Nagar, Dindigul.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Ramasamy Pillai. S/o Sri Perumal Pillai. Chetty Naickenpatty village, Dindigul,

(Traneferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th January 1985

Ref., No. 80/July/84.—Whereas, J. FREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 2093 of one facome-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoving to as the said Act.), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 473/2 & S. No. 473/2, Door No. 1 situated at Chetty Naickenpatty village, Didigul (and more fally described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under one Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Dandford 1.5 R . . . . . No. 1173/84 in July 1984 Daidigul 18 R. r. Lee. No. 1173/84 in July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument. the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .--

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gale by

EXPLANATION: -- The terms and expressions used nerom us are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer;

### THE SCHEDULE

Land & Building at Door No. 1, Survey No. 473/2 & S. No. 473 2, Chetty Naickenpatty village, Dindigul.

(b) meditating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 369C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquesition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 10-1-1985 Seal:

12128

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th February 1985

Rcf. No. 81/July/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to belive that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 230/1 situated at Thadikkombu village, Dindigul (and more fully described in the schedule annexed has been transferred under the Registratioon Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R.-II, Dindigul (Doc. No. 1199/84) in July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforeside accounts. market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been tally stated in the goal instruween the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Shri T. Thimmiah, S/o Shri Thirupathi Cownder, and Vermanampatti, Agaram village. Shri T. Elangovan, S/o Shri Thambidurai Chettiar, Kottipulli Village.

(Transferor)

(2) Smt. Balammal, W/o Shri Raghava Chettiar, Vermanampatti. Agaram village.

(Traneferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires lated;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at Thadikkombu village, Diadigal Taluk. (Doc. No. 1199/84)

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 13-2-1985

14GTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 17th January 1985

Ref. No. 82/July/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing S. No. 272/2 situated at Odaipatty village, Chinnamanur,

(and more fully described in the Sched le annexed hereto)

has been transferred under the Registratioon Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Act 1908 (16 of Chinnamanur S.R.O. Doc. No. 1756/84 in July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by most than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. Meenambal, W/o Sri G. Ganesan Achariar, Koyaputhur Town, Thillai Nagar.

(Transferor)

(2) Smt. Lakshiammal W/o Sri Keppanna Gounder, Odaipatty village, Uthamapalayam Taluk, Chinnamanur, Periyakulam.

(Traneferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at S. No. 272/2, Odaipatty village. Chinnamanur, Periyakulam. Doc. No. 1756/84.

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Madras-600 006

Date: 17-1-1985

Scal:

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 18th January 1985

Ref. No. 83/July/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing Ward N. 14 & D. Noo. 214D3/14 214D3/14 situated at A karpalayam Road, Uthamapuram Village, Cumpum Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registratioon Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Cumbum S.R.O. Doc. No. 1886/84 in July, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more tuan fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I kereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons na nely :--

(1) Sri T. Thathuraj & 4 others, S/o Sri Thimaya Gounder, Cumbum.

(Transferor)

(2) Sri A. K. Sakthi Gounder & Sri S. Sivanesan, Cumbum.

(Traneferee)

Ł

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land & Building at Ward No. 14 and Door Nos. 214D3/14, 214D4/14, Askarpalayam Road, Uthamapuram village, Cumbum Town, Doc. No. 1886/84.

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Madras-600 006

Date: 18-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th January 1985

Ref. No. 84/July/84.—Whereas, I, PRFMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act. 1967 (1.3 of 1961) (herein fter referred to as the 'said Act)', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Ward No. 2, Door No. 11/A/W2/32 situated at Melur Town (and more fully described in the Schedule aniexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer at Melur S.R.O. Doc. No. 1416/84 in July, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparant consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (8) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in tespect of any meanic mising from the transfer: **431/**₹
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which outsit to be di closed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initials properly for the application at the aforesaid properly by the risue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sri P. Akkayan, S/o Sri K. R. Perumal, Door No. 26, Naicker Road, Melur Town,

(Transferor)

(2) Sri P. John Muthaia, S/o Sri Manthirakali. Door No. 11A/W2/32, Gandhi Nagar, Melur Town.

(Traneferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

I and & Building at Ward No. 2, & Door No. 11A/W2/32, Melur Town. Doc. No. 1416/84.

> PREMA MALII 1 VASAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Pance-I. Madras-600 006

Date: 10-1-1985

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

GFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madrus-600 006, the 28th January 1905

Ref. No. 86/July/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Waard No. 17, Agraharam Road situated at Ramanathapuram Town

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at Ramnad S.R.O.-I Doc. No. 324/84 in July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such ransfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any invome or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the and Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Rani Srimathi D. Indira Devi W/o Late Ramanatha Sedubathy, Palace. Ramanathapuram.

(Transferor)

(2) Sri R. Vijayanatha Durai, S/o Late Rajah Thiru B. Rajarajeswana Sethubathy. Palace, Ramanathapuram.

(Transferee)

4

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land & Building at Ward No. 17, Agraharam Road, Ramanathapuram. Doc. No. 324/84

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600 006

Date : 28-1-1985

Scal:

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th January 1985

Ref. No. 87/July/84.—Whereas, I. PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing
S. No. 520/2 situated at Arichanatham village, Cunnoor,
West Ramanathapuram

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registratioon Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Virudhunagar S.R.O. Doc, No. 860/84 (Virudhunagar SRO)

m July, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

72-6GI/85

- (1) Sri R. Srinivasan & others, Arichanatham village, Pudupatty, Virudhunagar Taluk.
- (Transferor)
- Sri S. Ashok,
   S/o Sri Sankaralinga Nadar,
   M/s. Bhoopathy Match Industries,
   Virudhunagar,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expresisons used herein as are dened in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land & Building at S. No. 520/2 at Arichanatham village, Kunnoor. Doc. No. 860/84.

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600 006

Date : 8-1-1985

#### FORM 1.T.N.S.--

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th January 1985

Ref. No. 88/July/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the imanovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S. No. 18, Door No. 67, TS No. 58/P situated at Virudhunagar West, Ramanathapuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registratioon Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Virudhunagar S.R.O. Doc. No. 1931/84 in July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aloresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Sri S. V. Nagarajan & others, S/o Sri Veerana Nadar, Virudhunagar,

 Smt. R. I celavathiammal, W/o Sri Ramalinga Nadar Ramamurthy Road, Virudhunagar. (Transferor)

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaffette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land & building S. No. 18, Ramamurthy Road, Door No. 67, TS No. 58/P, Virudhunagar West, Doc. No. 1931/84

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600 006

Date: 8-1-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 Smt. M. Vasuntharadevi Ammal, W/o Late T. Manivasagam, C-189A, Thiru Nagar, Madurai.

(Transferor)

 Smt. M. Valliyamai Achi, W/o Sri P. L. Muthiah, Kuzipatai, Thirumayam Taluk, Pudukotai.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th January 1985

Ref. No. 89/July/84.--Whereas, I.

PREMA MALÍNI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinuster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

S. No. 116, Door No. C-189A situated at Third Nagar,

Madurai

Malad (W). Rombay-64, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Thiruparankundram S.R.O. Doc. No. 1050/84 in July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair marker value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the raid Act, shall have the same meaning as given in that Chanter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. 10 respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Land and building at S. No. 116, Door No. C-189A, Thiru Nagar, Madurai, (Doc. No. 1050/84)

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date : 8-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 18th January 1985

Ref. No. 91/July/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Door No. 4, T.S. No. 381 situated at Gandhi Nagar, Tallakulam, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

has been transferred under the Registratioon Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tallakulam S.R.O. Doc. No. 2707/84 in July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri K. Lakshmanan, S/o Late L. Krishna Iyer, Dhavlaruvaen Service, Enclave, New Delhi-110 010.
 Sri K. Anadha Swaroon, S/o Late L. Krishna Iyer, 4, Azath Street, Gandhi Nagar, Madurai. (Transferor)
 Dr. Sundarraj, Dr, Sarojini Devi & others, 3/622 A3, Bagavat Singh Road, Paramakudi, Ramanathapuram.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of , 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said-immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land & Building at Door No. 4, T. S. No. 381, Gaandhi Nagar, Tallakulam, Madurai.
Doc. No. 2707/84

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I.
Madras-600 006

Date: 18-1-1985

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Sri R. Sundaresan,
 S/o Sh. Ramalinga Athithan,
 Central Bus Stand Road,
 Madurai-1.
 Smt. M. Lakshmi @ CT. Lakshri

(Transferor)

(2) Smt. M. Lakshmi @ CT. Lakshmi, W/o Sri V. Chidambaram, 36, Meyyappanambalam Street, New Town, Karaikudi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-1,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th January 1985

Ref. No. 92/July/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 146, R. S. No. 21/2, 3 situated at Santhammangalam village, Madurai North, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tailakulam S.R.O., Madurai, Doc. No. 2769/84 in July,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & Tiled Shed at Plot No. 146, R. S. No. 21/2, 3, Santhamangalam village, Tallakulam, Madurai, Doc. No. 2769/84.

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I.
Madras-600 006

Date: 7-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th January 1985

Ref. No. 94/July/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 82, part SLC (5) No. 434 situated at Santhamangalam village, Madurai North Taluk, Tallakulam (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tallakulam S.R.O. Doc. No. 2469/84 in July. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
  - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri R. Alagarsamy, S/o Sri Ramasamy, 41, Katrapalayam, Madurai.

(Transferor)

Sri Chandrasekar,
 S/o Sri K. Subramaniam,
 II, Jesupatham Nagar,
 Guduvancherry,
 Chingleput,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein \*a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at S. No. 82 part S.L.C. (5), House No. 434, Madurai North Taluk, Tallakulam, Madurai. Doc. No. 2469/84

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I.
Madras-600 006

Date: 7-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 18th January 1985

Ref. No. 98/July/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Ward 32, TS No. 148/2 & 148/1 situated at Kothavalchavadi I ane, Kamarajar Salai, Madurai Town (and more fully described in the Schedule annexed hareto), has been transferred under the Registratioon Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madurai J.S.R.-1, Doc. No. 3811/84 in July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proporty as afarassid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following remons. namely:—
73--616G1/84

 Smt. Varthaniammal, W/o Late Kuppusamy Iyer, 11, Police Station Lane, (Kothavalchavadi Lane), Madurai.

(Transferor)

(2) Minor Kiruthimpriya, Minor Subhashini Devi, D/o Sri V. Ram Prasad, 42/1, Samratpet, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION;—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land & Building at Ward No. 32, T. S. No. 148/2 & 148/1, Kothavalchavadi Lane, Kamarajar Salai, Madurai Town, Doc. No. 3811/84.

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600 006

Date: 18-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th February 1985

Ref. No. 100/July/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Survey No. 1000/3 situated at Kilakoodaloor, village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registratioon Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Cumbum (Doc. Nos. 1929, 1930, 1953, 1959, 1947, 1949, 1950, 1960, 1946, 1948, 1962 and 1963/84) in July. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely:—

 Smt. Shenbagammal, W/o Rajakannu Pillai, Shri R. Murugan, S/o Rajakannu Pillai, KAMBAM.

(Transferor) va Subramanian,

 Shri Sathasiva Subramanian, S/o Sithambaram Aiyer, KAMBAM,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at Kilakoodalur village. Survey No. 1000/3.

(Doc. No. 1929, 1930, 1953, 1959, 1947, 1949, 1950, 1960, 1946, 1948, 1962 and 1963/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600 006

Date: 13-2-1985,

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANCE OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, ASSISTANT. COMMIS-MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th February 1985

Ref. No. 157/Iuly/84.—Whereas, 1, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

Door No. 2, Ward No. 28 situated at Melambasamudram,
Tirunelveli District

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Palani S.R.O., Doc. No. 2946/84 in July, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appearent consideration therefor by more than fifteen per cept of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the nability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

73--6GI/85

(1) Smt. M. L. Vasantha Kumari, W/o Sri N. Vijayasankaran, 10/73, Perumal Kilaratha Street, Palayamkottai. Tirunclveli Dist.

(Transferor)

(2) Smt. V. Janaki Ammal, W/o Sri K. Velayudham, No. 9, Agathiar Keelatheru, Melambasamudram. Palani Dist.

(Transfere)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chaster.

## THE SCHEDULE

Land & Building at Door No. 2, Ward No. 28, Metarabasamudram, Tirunelveli Dist.

Doc. No. 2946/84

PREMA MALINI VASAN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 7-2-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 22nd January 1935

Ref. No. 158/July/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Ts. No. 774/2, 774/1, 772/1, 772/2 situated at Sivagiripatty villago, Palani Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registratioon Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Palani S.R.O. Doc. No. 696/84 in July. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid the statement of the property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid the statement of the property and I have reason to be statement of the property and I have reason to be statement of the property and I have reason to be statement of the property and I have reason to be statement of the property as aforesaid property and I have reason to be statement of the property as a statement of the property as a statement of the property and I have reason to be statement of the property as a statement of the property and I have reason to be statement of the property as a statement of said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any meome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Sri T. C. Ramakrishnan, S/o Sri T. Chinnasamy Naidu, Railway Road, Dindigul.

(Transferor)

(2) Sci K. P. R. S. Jayaram, Palani Town.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Charter.

## THE SCHEDULE

Land & building at TS. Nos. 774/2 772/2. Sivagiripatty village, Palani Town. 774/2, 774/1, 772/1.

Doc. No. 696/84

PREMA MALINI VASAN J Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I Madras-600 006

Date : 22-1-1985 Seal :

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Shri K. Selvarajan,
 S/o P. M. Karpur Nadar,
 69A, South Masi Street,
 MADURAI,

(2) Aruna Papers Private Ltd., K. Balakrishnan (Chairman) S/o Kondasamy Naidu.

S/o Kondasamy Naidu. 245, Netaji Road. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st February 1985

Ref. No. 30/Aug/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing Rs. S. No. 38/3A1, 38/1B, 381E, 381F & 381C and 39/2A1 situated at Uchappatti village, Thirumangalam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at D.S.R.I, Madurai (Doc. No. 4028/84 to 4036/84) in August, 1984

August, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent o fsuch apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1), of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at Uchapatti village. (Doc. Nos. 4028 to 4036/84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600 006

Date: 1-2-1985,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006"

Madras-600 006, the 8th February 1985

Ref. No. 32/Aug/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

T. S. 1588 situated at Madurai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R.-I, Madurai (Doc. No. 4123/84) in August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument to transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri S. Ramamurthy, S/o Subramania Aiyer, 11, Kamarajpet, 5th Street, BANGALORE.

(Transferor)

 Shri M. D. Ramasubramaniyam, S/o K. S. Duraiswamy, 109, West Perumal Maistry Street, MADURAI-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building at Madurai, T. S. No. 1588, (Doc. No. 4123/84)

PREMA MAIINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Madras-600 606

Date: 8-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th February 1985

Ref. No. 34/Aug/84.—Whereas. I PREMA MALINI VASAN. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

T. S. No. 34 situated at Madurai Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registratioon Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at D.S.R. I/Madurai (Doc. No. 3554/84) in August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under subsection (1 of Section 269D of the said Act to the following persons, namely.—

(1) Shri M. K. Mohamed Mian alias M. K. Miahan, S/o M. Kadher Mohideen Rawter, 80 & 81, Townhall Road, MADURAI.

(2) Shri Mohamed Hanifa, S/o Kalimuthu Mohamed, 73, South Masi Street, MADURAJ-1. (Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at Madurai Town, T. S. No. 34. (Doc. No. 3554/84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I.
Madras-600 006

Date : 8-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th February 1985

Ref. No. 36/Aug/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and becaring

and becaring

1. S. No. 1533 situated at Sellur, Madurai
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registratioon Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
S. R. Falfakulam (Doc. No. 2905/84) in August. 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri R. Arumuga Mudaliyar, S/o Ramasany Mudaliyar and others, 6, Suyarajyapuram, 4th Street, Schur, MADURAL.

(Transferor)

(2) Shri E. S. Sundaram, S/o E. R. Scenivasan, 19, Thirumaliyarpadithur, MADURAI-1.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of potice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gafiette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at Sellut, Madurai, T. S. No. 1533. (Doc. No. 2905/84)

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-to-Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following versons, mamely :-

Date: 8-2-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. MADRAS-600 006

Madras 600 006, the 7th February 1985

Ref. No. 38/Aug/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 73/1, Plot No. 12 situated at Managiri village,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Tallakulam (Doc. No. 3133/84) in August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Smt. Jeyalakshmi Jeyaraman, W/o Jeyaraman, P-42, Santhamangalam, MADURAL.

(Transferor)

(2) Smt. R. Poornima, W/o Ravaindran and R. Manjula Santhosh, 64, New Bangalow Colony, Thirumagal Nagar, MADURAI,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Land at Managiri village, Madurai. T. S. No. 73/1, (Doc. No. 3133/84).

> PREMA MALINI VASAN
> Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 7-2-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006

Madray-500 006, the 11th February 1985

Ref. No. 39/Aug/84.—Whereas; I. PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 45/2 situated at Sengottai village, Madurai North (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Tallakulam (Doc. No. 2993/84) in August, 1984 for an apparent consideration which is less then the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) incilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Official Liquidator.

High Court, Madras,

Kuralagam 1st Floor,

First Block,

Esplanades,

MADRAS-600 001.

(Transferor)

(2) Shri G. Rahmathulla, S/o M. Gulam Mohideen, Ivarmer, Kalimangalam P.O. MADURAI-20.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning afven in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Senkottai village, Madurai North. (Doc. No. 2993/84),

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 11-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600,006, the 13th February 1985 Ref. No. 41/Aug/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 '- and bearing Survey No. 21/5 situated at Thallakulam, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed (hereto has been transferred under the registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Tallakulam (Doc. No. 2942/84) in August. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the lubility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following bersons namely:—

74-6GI/85

(1) Shri R. Gopalsamy, Door No. 39, Akampadiyal St., Aranthanki Town, Aranthanki Taluk, Pudukottai Dist,

(Transferor)

(2) Shri C, Chandran Chettiar, 44A, Lakshmipuram, New Street, MADURAI.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (s) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoxable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Tallakulam, Madurai, S. No. 21/5. (Doc. No. 2942/84)

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Madras-600 006

Date: 13-2-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th February 1985

Ref. No. 48/Aug/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Survey No. 7/23 situated at Mandapam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Rameswaram (Doc. No. 400/84) in August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of ;-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri A. Kassim Mohamed, Nadu Theru, MANDAPAM.

(Transferor)

(2) Shri A, Habib Rahman, Bank of Madurai, Township, NEIVELL.

(Transferee)

#### THE SCHEDULE

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building at Mandapam, Survey No. 7/23. (Doc. No. 400/84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1.
Madras-600 006

Date: 11-2-1985

Seal;

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

### ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th February 1985

Ref. No. 49/August/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
No. 372/2, 374, and 307/1 situated at Thevaloor village
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at

nas been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Chatrapatti (Doc. No. 377/84) on August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
   and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Rajasekaran,
 S/o Bankarsuamy Naidu,
 Perumalhayakan Valasu.

(Transferor)

(2) Shri Perumalsamy, S/o. Perumalsamy Naidu, Krishnarayapuram.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at Thevaloor village. S. No. 372/2, 374 and 307/1. (Doc. No. 377/84).

PREMA MALINI VASAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600 006

Date: 12-2-1985.

## , NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th February 1985

Rcf. No. 51/August/84, -Whereas, I, PREMA MALINI VASAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

No. Survey No. 1166/2 situated at Vilpatty Village, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been mansferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the registering Officer at S.R. Kodaikanal (Doc. No. 447/84) and 448/84 on August 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the followng persons, namely :---

(1) Sri S. Amalrai. S/o Samikkannu, Kodaikkanal and M. A. Anand S/o. Mariasing Mudaliar, 3/5. Srinivasapuram, Kodaikanal.

(Transferor)

(2) M/s. Nariman Nallaseth (P. Ltd.), Tamarind Lane, Rajabagadur Compound, Appollow Street, Bombay-23.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. \* shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at Vilpatty village, Kodaikanal Taluk. Survey No. 1166/2 (Doc. No. 447/84) (448/84).

> PREMA MALINI VASAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Madras-600 006

Date: 11-2-1985.

Seal-

NOTICE UNDER SECTION 269U(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th February 1985

Ref. No. 52/August/84.—Whereas, I, PREMA MALINI

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and bearing S. No. 84, 83/2, and 82/1 situated at Kodaikanal Town (and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred

under the Registeration Act, 1903 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

of the registering Officer at Kodaikanal (Doc. No. 477/84) on August 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Neela Subramaniam, W/o. Subramaniam, 50, 30th Cross Road, Joy Nagar, Bangalore.

(Transferor)

(2) Brij Gopal Binani, j S/o. Gopal Binani, Calcutta,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 48 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period eexpires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at Kodaikanal Town. S. No. 84, 83/2 and 82/1. (Doc. No. 477/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600 006

Date: 12-2-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006; the 12th February 1985

Ref. No. 53/August/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing
No. T.S. 806 situated at Dindigul
and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908, (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
Dindigul D.S.R.I. (Doc. No. 675/84 and 676/84) on August

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mor than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferero to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. K. Ekambal Ammal, W/o. Kalimuthu Asari, Naickarpatti, Pallapatti, Karur Taluk and Sri A. Kalimuthu, S/o. S. Atumugam Achari, Pappanaickenpatti, Pallapatti, Karur Taluk.

(Transferor)

(2) Shri M. K. Rahila, W/o. Kather Mohideen and others, Marakayar Street, Pallapatti, Karur Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at Dindigul Town. T.S. No. 806. (Doc. Nos. 675 and 676/84).

PREMA MALINI VASAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600 006

Date: 12-2-1985.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th February 1985

Ref. No. 56/August/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. T.S. No. 360 situated at Dindigul

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

V.S.R. II Dindigul (Doc. No. 1297/84),

on August 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri S. Mohamed Habiullah and others Therapuram Road, Arayakuruchi, Karur Taluk.

(Transferor)

(2) Shri J. Mohanarengaraj, S/o. Janakiram Naidu, Karur Taluk, Vankal Village, Palaiyoor.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 daws from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at Dindigul Town-T.S. No. 360. (Doc. No. 1297/84).

PREMA MAL!NI VASAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600 006

Date: 11-2-1985.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th February 1985

Ref. No. 57/August/84.—Whereas I, PREMA MALINI VASAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 7961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
No. T.S. 1299, Door No. 48 situated at Melaveeraraghavapuram village, Tirunelveii (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at J.S.R.I., Tirunelveii (Doc. No. 713/84), on August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(v) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Cr V, Giridhara Sastry, S/o, late C. N: Viswanatha Sastry, Sri Sringeri Mutt, Stingeri −577139, Karnataka State.

(Transferor)

(2) Shri R. Kasiviswanathan, S/o. Late Sri A S K Rama Iyer, No 4/389, Bazaar, Pattambi, Kerala State.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at Molaveeraraghavapuram Village, Tiruneveli. T.S. No. 1299. Door No. 48. (Doc. No. 713/84).

PREMA MALINI VASAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income to Acquisition Range-1, Madras-600 006

Date: 12-2-1985. Seal:

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri S. Narayana Moopanar, S/o Sankara Moopanar 14, Pugalenthi Street, Tiranglyeli Town.

(Transferor)

(2) Shri G. Subbiah, S/o Shri Gomathi Moopanar, 69-B. Pugafenthi Street, Tingnelveh Town.

(Transferce)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 11th February 1985

Ref. No. 59/Aug/84.--Whereas, I, PRFMA MALINI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing T.S. No. 713 situated at Tirunelyeli Town

T.S. No. 713 situated at Tirunelveli Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R. II. Tirunelveli (Doc. No. 1250/84) on August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Land and building at Trunolveli Town, 1.S. No. 713, (Doc. No. 1250/84)

PRFMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1,
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—75-6GI/85

Date: 11-2-1985

Sen

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 13th February 1985

Ref. No. 60/August/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Survey No. 3325/59 R.S. No. 7441/1 situated at Vadaseri,

Nagarcoil

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Vadasery (I No. 76/84) on August 1984

for an apparent consideration which is less than the fair fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1927) or the said. Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Anantharama Aiyer, S/o Veeramani Aiyer, Vadaseri, Parvathipuram.

(Transferor)

(2) Shri Sankara Nataraju Aiyer, and Padmanabha Aiyer, for Pramana Society, Vadaseri, Nagarcoil Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land at Vadaseri, R. S. No. 744/1. (Doc. No. 76/84). (I No. 7/84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux
Acquisition Range-I,
Madras-600 006

Date: 13-2-1985

(1) Shri Jawarachand alias Bathulal Vardvichand, Porwal, House No. 2170, Pangul galli, Belgaum.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 11th March 1985

C. R. No. 62/880/84-85/ACQ/B.-Whereas, I, R. BIJARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Survey No. 1029/AI situated at Malamaruti extension.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Belgaum under document No. 1555 on 16-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the par-tics has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :---

(2) Shri Babubhai Habibabhai Khoja, Guruwarpeth, GOKAK Dist: Belgaum.

(Traneferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Registered Document No. 1555 dated 16-7 1984.1

24 Ghuntas of open land situated at Malamaruti extension, Belgaum under survey No. 1029/AL.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 11-3-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961. (43- OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 11th March 1985

C. R. No. 62/881/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Ira, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,0000/- and bearing a Block No. 151 shinted at Hiremalligawad. Taluka and District, DHARWAD (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dharwad under document No. 1001/dt. 22-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the conceatment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D/of the said Act, to the followpersons, namely ;-

(1) 1. Shri Shivappa Perappa Angadi, Shri Neelakantappa Shivappa Angadi, r/o Mammigatti Village, Tal: Dharwad. Transferoi (s)

(2) Shri Ramachandra Basavanneppa Chavadi, Line Bazar, Near to Ramadevar Gudi, Dharwad City, Dharwad,

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Registered Document No. 1001/84-85 dated 22-10-1984]

This is an Agricultural land situated at Hiremalligawad village, Taluka & District: Dharwad measuring 10.36 Acres.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 11-3-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### FFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 12th March 1985

C.R. No. 62/882/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAI, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'maid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/and bearing R.S. No. 304/1B + 2 situated at Kasaba village Nargond

Taluka

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nargund under document No. 268/84-85 dt. 25-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons, namely: -

(1) Siddanagauda Appu Naik Naikar R /o Kasaba Taluka Nargond.

Transferor(s)

(2) Eswarappa Tippanna Kumbag, R/o Kasaba Tal Nargond.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

lRegistered Document No. 268/84-85 dated 25-7-1984] Agricultural land situated at Kasaba village Taluka Nargond under survey No. 304/1B + 2 measuring 4 acres 25 Gunthas.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 12-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTTION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 12th March 1985

C.R. No. 62/883/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,009/-and bearing No.

and bearing No. C.T.S. No. 4/45 W. No. I situated at Hubli Keshawapus (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office competent authority under Section 269AB, in nis office

at Hubli on 10-9-1984

for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree fer the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Aptab Alam s/o Abdul Gaffar Kundagol M. G. Shri Najmo W/o Abdul Abdul Gaffar Gundagal Dt. Hubli.

Transferor(s)

(2) (1) Bibijan w/o Qwaja Akbar Contractor
(2) Najamabanu D/o Ahmed Hoonr Farooki
at Hubli,

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—'The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 1862 dated 10-9-1984] Open plot C.S. No. 4/45 Ward No. 1 situated at Hubli, measuring 230-7/9 Chavans yard.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date: 12-3-1985

Seal;

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 13th February 1985

C.R. No. 62/44490/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. 8, situated at II main Road, Atmananda Colony, Sulthan-palya, Hebbal Post, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at with the competent authority under Section 269AB, in his

office at

Gandhinagar on 15-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Shrimathi K. K. Thangamma, 'Aruna Farms' Siganayakanahalli P.O., Kenchenahalli, Bangalore North Tq.

Transferor(s)

(2) (1) Shri L. Narasimhaiah

(2) L. Ramachandra
(3) L. Gopal
(4) L. Ravindran
All are residing at
No. 13, VI Main Road, Palace Gattaballi, Bangalore-3.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same measuring as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2171/84-85 dated 15-10-84].

Property bearing No. 8, situated at II Main Road, Atmananda Colony, Sulthanpalya, Hebbal Post, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following paragraphy. ing persons, namely :-

Date: 13-2-1985.

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 4th February 1985

C.R. No. 62/44841/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax; Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein-in-after referred to as the 'said Act'), have reusen to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

and bearing No.
119, stuated at Binny Mills Labour Association House Building Co-op. Society P. Ltd., If Stage, Hosahally Extn., Bangalore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sriramputam on 31-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to following persons, namely:—

 Shri Ramaswamy, No. 37:5, Cholurpalya, Magadi Road, Bangalore.

(Transferor)

(2) Chrimathi Vishalakshi M. Shetty, No. 1381, XIII Cross Road, West of Chord Road, IJ Stage, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter X&A of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2547/84-85 dated 31-10-84]

Property bearing No. 119, situated at Binny Mills Labour Association House building Co-op, Society Ltd., II Stage, Hosahally Extension, Bangalore,

R. BHARDWAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date: 4-2-1985

 Shrimathi Vijaya Rani, No. 86-A, Vengalraonagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri M. L. Abrol, No. 869, Binamangala, Indiranagar, Il Stage, Bangalore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 1st February 1985

C.R. No. 62/44505/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.006/- and bearing 871, situated at Binnamangala II stage, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar on 12-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

76--6GI/85

may be made in writing to the undersigned:

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Registered Document No. 1696/84-85 dated Sept. 84]

Sije No. 871, situated at Binnamangala II Stage, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date: 1-2-1985

#### FORM ITNS----

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 1st February 1985

C.R. No. 62/44515/84-85/ACQ/B.—Whereas, 1, R. BHARDWA). Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax. Acquisition Range, Bangalore Leing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing

and bearing
761. situated at Sarakki 1 phase, J. P. Nagar, Bangalore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Bangalore South Tq. on 10/9/1984

for an apparent consideration which is less than the air market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfermand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons pamely persons pamely persons pamely persons persons pamely persons persons

 Shi S. N. Raghunath, No. 512, XIV, Cross, Sarakki I Phase, J. P. Nagar, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri A. R. Gouse Shariff, No. 131, X 'A' Cross, I Phase, Sarakki, J. P. Nagar, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3564/84-85 dated 10/9/84]

Vacant site No. 761, situated at Sarakki I Phase,, J. P. Nagar, Bangalore,

R. BHARDWAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date: 1-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISTITON RANGE-II BANGALORL-560001

Bangalore, the 31st January 1985

C.R. No. 62/44521/84-85/ACQ/B.—Whereas, 1, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12/9(5), situated at XVI Main road, Magadi Road Chord Road Extension, K. P. Agrahara, Vijayanagar, B'lore,

No. 12/9(5), situated at XVI Main road, Magadi Road Chord Road Extension, K. P. Agrahara, Vijavanagar, Blore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Strampura on Sept. 1984

for an apparent consideration which is tess than the fan market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilizating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) N. Sukumara Reddy, Nulleri Colony, No. 5-91, kallikerei Post, Vayalpad Taluk, Chittor Dist. (A.P.).

(Transferor)

(2) G. Shiyappa, Shankardevar Mutt, Manayarthapet, B'lore-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this actics in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

hyperatrinos: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1813+84-85 dated 3rd Sept., 84]

Site No. 12/9(5), situated at XVI Moin Road, Magadi Road, Chord Road Extension, Kempapura Agrahara, Vijayanagar, B'lore-40.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date 31-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 4th February 1985

C.R. No.  $62/45627/84-85/\Lambda CQ/B$ .—Whereas, I, R, BHARDWAJ,

heigh the Competent Authority under Section 269B of the Indome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to a the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000'-and bearing

No. 380, situated at BSK II Stage, B'lore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar on 6-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri A. S. Nanjappa, No. 164/B, 24th Cross, VI Vlock, Jayanagar, B'lore.

(Transferor)

(2) Shri K. G. Dhanyakumar, No. 13, 111 Cross, 111 Block, LTC Colony, Jayanagar, B'lore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this actice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1828/84-85 dated 6/8/84]. Site No. 380 of Banashankari II Stage, B'lore, (40'X60').



R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Naw, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 8th February 1985

C.R. No. 62/43778/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing
No. 574, situated at Binnamangala II Stage, B'lore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto); has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration (Officer at

of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar on Aug 1984

for an apparent consideration which is less than he fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;---

(1) Sri B. Venkatanna, 574, Binnamangala II Stage, B'lore.

(Transferor)

- (2) Vedavathi J. Shetty, 2, Doddakatappa Road, H Cross, Ulsoor, Blorc.
- (3) Vendor, (Person(s) in occupation of the property),

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter,

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1532/84-85 dated Aug, 1984]. House No. 574, situated at Binnamangala II Stage, Blorc.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 8-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Bangalore, the 29th January 1985

C.R. No. 62/43846/84-85/ACQ/B.---Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax \(\text{ct}\), 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said \(\text{Act'}\)) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing
No. TS.179-3A, 175-1, RS. No. 1188/3A, 1187/1, situated at Kasba Bagaar Villag:

M'lore. Tq.. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at M'lore on 22-8-1984

for an apparent consideration which is less than the tail market value of the aforesail property and I have reason to believe that the tale taarket value of the property as aforeanid exceeds the apparent consideration therefor by more the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -

(1) Bhat Kali Jamathul Muslimeeu, Repd. by (1) M1. Alauy Md. Jafar, 2. Mr. Sheik Fareed, 3. Mr. Mohtisham Abdul Rehman, Md Ali Road, M'lore.

(Transferor)

S. M. Sayyad Abdulla,
 Smt. Hajira Syed Abdulla,
 Bhat Kali Bazaar, J. M. Road, Mlore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 750/84-85 dated 22/8/1984]. Property bearing TS. No. 179-3A, 175/1, RS. No. 1188/3A, 1187/1, situated at Kasba Bazaar village, M1ore Tq.

R, BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 29-1-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 13th February 1985

C.R. No. 62/43757, 84-85/ACQ/B. --Whereas; I. R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Nos. 7, 8 & 13 (Western Portion), situated at Stanthaveeriah

Lane, Chickpet Cross, B'lore City.

(and more fully described in the Schedule armexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Gandhinagar on 23/8/1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :---

- ia) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay bux under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the somecalment of any income or any snoneys or other assets which have not been . which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Bhadrappa. Smt. Puttathayanua, Shanthaveeriah Lane, Chickpet Cross, B'lore. (Transferor)
- (2) Smt. Pani Bai, No. 7. Arcot Srinivasachar Street, Blore, Sri Mohaulal, Metal Merchant, Portion of Nos. 7 & 8, Shanthaveeriah Lane. Chickpet Cross, B'lore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1899/84-85 dated 23/8/84]. Western Portion of Premises bearing New Nos. 7, 8, and 13, situated at Shanthaveeriah Lane, chickpet Cross, Blore,

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 13-2-1985

#### FORM NO. I.T.N.S .--

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 13th February 1985

62/43698/84-85/ACQ/B.—Whereas, J, C.R. No. R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No. 2,

situated at III Cross 'A' Street, Jayabharatinagar, B'lore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar on 6/8/1984

for an apparent consideration which is loss than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the **ebject of**:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Vishalakshi, T. No. 176, II Cross, Vivekanagar, B'lore.

(Transferor)

 (2) K. P. Johu,
 2. Smt. Saranna Johu,
 No. 17, MEG Officers Colony, Banaswadi Road, B'lore-33.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisit n of the said property may be made in writing to the und svigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a reriod of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interest d in the said immorphism able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chap er XXA of the said Act, shall have the some meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

iRegistered Document No. 1348/84-85 dated 6/8/841. Site bearing No. 2, situated at III cross 'A' Street, Jayabharati Nagar, B'lore.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Committioner of Income-tax Acquisition Range. Bangalore

Date: 13-2-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 13th February 1985

C.R. No. 62/43748/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing

Nos. 7, 8 & 13, (Eastern Portion) situated at Shanthaveeriah

Lane, B'lore.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on 23-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer;

7

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Sri Bhadrappa, 2. Smt. Puttathayanna,

Shanthaveeriah Lane, Chickpet Cross, B'lore,

(Transferor)

(2) Bhawarai Devi & her minor Son Ninosh. Shanthaveerigh Lane, II Cross, B'lore,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1682/84-85 dated 23/8/84]. Eastern portion of premises bearing New Nos. 7, 8 & 13, situated at Shanthaveeriah Lane, B'lore City.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Asatt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

77---6GI/85

Date: 13-2-1985

### FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 16th February 1985

C.R. No. 62/43563/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 4 & 4/1, situated at III Cross, Gandhinagar, B'lore-9,

No. 4 & 4/1, situated at III Cross, Gandhinagar, B'lore-9, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on 6-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Panchosheela Builders, No. 4 & 4/1, III Cross, Gandhinagar- B'lore-9.

(Transferor)

(2) M/s. Panchasheela Apartment Co-op. Housing Housing Society Ltd., No. 4 & 4/1, 111 Cross, Gandhinagar Blore-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1088/84-85 dated 6-7-1984]. Flat bearing No. 4 & 4/1, situated at III Cross, Gandhinagar Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 16-2-1985

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 14th February 1985

C.R. No. 62/45607/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under section 269B of the being the Competent Authority under section 2020 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 399/8, situated at XVI-A Cross, III block, Jayanagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar on 12-7-1984

Jayanagar on 12-7-1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stattd in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) O. Amannlla Khan Tareeu, No. 399//4, III block, Jayanagar-B'lore-11 (Transferor)

 1. Ratique Ahmed,
 2. Sri Y. Faiyary Ahmed,
 No. 52, Π Main, New Tharagupet, B'lore. (Transferee)

(3) Transferor. (Person(s) in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property Mr. T. K. Sholapurwala.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

ENPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1407/84-85 dated 12-7-84]. Vacant site bearing No. 399/8, situated at XVI A-Cross, III Block, Jayanagar, B'lore.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 14-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 7th February 1985

C.R. No. 62/43687/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

25,000/- and bearing No.

913, situated at Kamenahalli, B'lore South Tq.
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
B'lore South Tq. on 30-7-1984
for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) B. Vital Shetty, No. 186, VI Cross, Gandhinagar, B'lore. (Transferor)

(2) D. R. Balakrishna, No. 20, IV Block, III Cross, K. P. West Extn. B'lore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2726/84-85 deled 30/7/84]. Site No. 913, situated at Kamenahalli, B'lore South Tq.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 7-2-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 7th February 1985

R. No. 62/43572/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Cmpetent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 11, situated at Church Street, B'lore, tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar on 6-7-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any. moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Abraham K. Abraham, No. 12, Church Street, B'lore,

(Transferor)

(2) Mrs. Rachel Philips. No. 12, Church Street, Blore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herem as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Registered Document No. 1066/84-85 dated 6-7-1984].

All that property bearing No. 11, situated at Church Street, B'lore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid properly by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, numely :-

Date: 7-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 13th February 1985

C.R. No. 62/43685/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. 183, situated at XI Cross, I Block, Matadahally layout,

B'lore.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

1908) in the office of the Registering Officer
B'lore North Tq. on 16/7/1984,
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:—

 Abdul Karcem, No. 183, 11-Cross, I Block, Matadahally Layout, B'lore.

(Transferor)

(2) Mohd Ziauddin,No. 18, Bowle Street,Vlsoor, B'Iore.Repd. by Sri T. Ahmed Basha.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1195/84-85 dated 16-7-1984].

Property bearing No. 183, situated at 11 cross, I Block, Matadahally Layout, B'lore.

R. BHARDWAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 13-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISTION RANGE, BÂNGALORE-560 001

Bangalore, the 14th February 1985

R. No. 62/45605/84-85/ACQ B --- Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 19,

No. 19, situated Banushankari II Stage, B'lore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Jayanagar on 28-7-1984

at Jayanagar on 28-7-1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri J. P. Harish, No. 26A, M. M. Industrial Estate, Yediur, Jayanagar West, B'lore.

(Transferor)

(2) Shri P. D. Ravindra, No. 1/1, Palace Road, Vasanthanagar,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person intested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1676/84-85 Dated 28-7-84). Site bearing No. 19, situated at Banshankari II stage, Bangalore

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 14-2-1985

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 14th February 1985

C. R. No. 62/43695/84-85/ACQ/B—Whereas, I, R. BHAROWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

581/1, situated at Chikkamandya, Mandya Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) ni the office of the Registering Officer

at Mandya in July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said/Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri C. B. Boraiah, Chikkamandya,

(Transferor)

(2) Shrimati K. S. Laxmidevana & 4 Others, D. No. 1596, Vidyanagar, Mandya.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1185/84-85 Dated July, 84)
Property bearing No. 581/1, situated at Chikkamandya, Mandya.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date: 14-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 4th February 1985

C. R. No. 62/44824/84-85/ACQ/B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 347-27,

No. 341-21, situated at II Block, I Stage. Banashankari, B'lore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavanagudi on 31-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notict under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
78—6GI/85

(1) Shrimati Kanthama, No. 38-2, I floor, Basavanagudi, B'lore.

('fransferor)

(2) Shri J. N. Murthy, No. 643, 11th Main, HAL II Stage, Indiranagar, Blore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3007/84-85 Dated 31-10-84).

Property bearing No. 347-27, situated at II Block, I Stage, Banashankari, Bangalore.

R. BHARDW, \(\)\
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Incometax
Acquisition Range
Bangalore

Date: 4-2-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 7th February 1985

C. R. No. 62/45431/84-85/ACQ/B - - Whereas, I, R. BHARDWAJ,

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 723,

situated at HAL II Stage Extn. B'lore-38.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar on 20-11-1984

at Shivajinagar on 20-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, un respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—.

(1) Shri S. Venugopal, No. 897/A, V Block, Rajajinagar, B'lore-10

(Transferor)

(2) Shri S. M. Ahmed, No. 1/1, Benson Cross Road, Civil Station, B'lore-46.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2441/84-85 Dated 20-11-84).

Site No. 723, Situated at H.A.L. II Stage Extension, Bangalore-38.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-----Bangalore

Date : 7-2-1985

Seal

16

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 14th February 1985

R. No. 62/44613/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 426

situated at V Block, Rajajinagar, Blorc. (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Rajajinagar on 10-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent .consideration and that the consideration for such transfer as agreed to retween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesatd property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri D. Panduranga Setty, No. 426, V Block, Rajajinagar, B'lore.

(Transferor)

(2) Shrimati Bhagyalakshmi, No. 426, V Block, Rajajinagar, B'lore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Registered Document No. 1778/84-85 Dated 10-7-84).

Property bearing No. 426, situated at Rajajinagar, B'lore.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 14-2-1985

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-506 001, the 16th February 1985

Ref. No. C.R. No. 62/44344/84-85/ACQ/B-Whereas, I. R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. 8, 1/21 situated at 10th Main, I Cross, Rajmahal Vilas

Extension, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under

the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer, at Gandhingar, Bangalore. Under Document No. 1397/84-85, dated 3-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under sub-Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:---

(1) M/s. G. Janardhana Reddy and Co., 8, 1/21, 10th Main, I Cross, Rajmahal Vilas Extension. Bangalore-560 080.

(Transferor)

(2) Mr. K. Krishnasa and Mr. K. K. Nagendra Prasad, No. 9, Seshadri Boad, Bangalore-9.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1397/84-85 Dated 3-8-1984)

All that piece and parcel of the land with standing building situated at No. 8, 1/21 10th Main 1st Cross, Rajmahal Vilas Extension, Bangalore.

> BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 16-2-1985 Scal:

47

### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME- . TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD- 380 009

Ahmedabad-380 009, the 14th February 1985

Ref. No. P.R. No. 3325 Acq. 23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 1303, Bombay Market Art Silk Co.op. (Shops & Ware Houses) Socy., Umarwada, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in May. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27) of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Bombay Market Art Silk Co.op,, (Shops & Ware Houses) Socy,, Umarwada, Surat.

(Transferor)

4

(2) Agrawal Umeshchandra Jagdish Prasad & Ors., C/o M/s Jagdish Prasad & Ors., 66/66-A, Morwani Bazar, Bombay-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the Office of the und. signed in May, 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 14-2-1985.

FORM I.T.N.S.

(1) Bombay Market Art Silk Co.op,, (Shops & Wares Houses) Socy.,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s I. C. Gandhi Crimping Pvl. Ltd., Gandhi Colony, Ashwinikumar Road, Surat.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD- 380 009

Ahmedabad-380 009, the 14th February 1985

Ref. No. P.R. No. 3326 Acq. 23/II/84-85,---Whereas. I, G. K. PANDYA,

G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1006. Bombay Market Art Silk Co.op. (Shops & Ware Houses) Socy., Umarwada, Surat (and more fully described in the schedule annexed hereto) Form No. 37EE is submitted in the office of the has been transferred

has been transferred

undersigned in May, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the property as aforesaid exceeds the
apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 195);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the aid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the Office of the undersigned in May, 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-2-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD- 380 009

Ahmedabad-380 009, the 14th February 1985

Ref. No. P.R. No. 3327 Acq. 23/II/84-85.—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000

No. 1207, Bombay Market Art Silk Co-op. (Shops & Ware Houses), Socy., Umarwada, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), Form No. 37EE is submitted in the office of the

undersigned in May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subrection (1) of Section 269D of the said Act, to the following sersons. namely :---

(1) Bombay Market Art Silk Co.op., (Shops & Ware Houses) Socy. Surat.

(2) Agrawal Pawan Jugal, 54, Radhe Market, Ring Road, Surat.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

### THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in May, 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 14-2-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Bombay Market Art Silk Co.op, (Shops & Ware Houses) Socy. Umarwada, Surat.

(Transferor)

(2) 'M/s H. Lachand Traders, 134, Radha Gully, Swadeshi Market, Bombay.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-JI, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD- 380 009

Ahmedabad-380 009, the 14th February 1985

Ref. No. P.R. No. 3328 Acq. 23/II/84-85.--Whereas, I. G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred

to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 702. Bombay Market Art Silk Co.op (Shops & Ware

Houses) Socy. Umarwada. Surat.
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
Form No. 37EE submitted
in the office of the

undersigned in May, 1984 for an apparent consideration which is less market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the Office of the undersigned in May, 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority ✓

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 14-2-1985.

(1) Bombay Market Art Silk Co.op., (Shops & Ware Houses) Socy., Umarwada, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Bansilal Mohanlal Patel, Varachha Road, Matawadi, Village Karani, District Surat.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING, ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD- 380 009

Ahmedabad-380 009, the 14th February 1985

Ref. No. P.R. No. 3329 Acq. 23/II/84-85.—Whereas, I. G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 100,000 and bearing No. 402, Bombay Market Art Silk Co.op (Shops & Ware Houses) Socy., Umarwada, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in May. 1984

undersigned in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette. able property, within 45 days from the

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Form No. 37EE is submitted in the Office of the undersigned in May, 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabert

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-79--6GI/85

Date: 14-2-1985.

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) Bombay Market Art Silk Co-op. (Shops & Ware Houses) Socy., Umarwada, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM

HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD- 380 009

Ahmedabad-380 009, the 14th February 1985

Ref. No. P.R. No. 3330 Acq. 23/Π/84-85,—Whereas, J. G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable able property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing No. 407, Bombay Market Art Silk Co.op (Shops & Ware Houses) Socy., Umarwada, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto). Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid G. K. PANDYA,

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (2) Kantilal Maganlal Jariwala, 24, Shree Rang Socy., Matwadi, Varchha Road, Village Karanj.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the . publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereis are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the Office of the undersigned in May, 1984

> G. K. PANDYA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Personal Competent Authority Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269C of the said Act, to the following personne personness. persons namely :-

Date: 14-3-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 19th February 1985

Ref. No. P.R. No. 3331 Acq. 23/II/84-85.--Whereas, I G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the imbeing the Competent movable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

exceeding Rs, 100,000 and bearing No, 401, Bombay Market Art Silk Co.op. (Shops & Ward Houses) Socy, Umarwada, Surat (and more fully described in the Scheduled annexed hereto),

Form No. 37EE is submitted in the office of the

form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforcsaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Scetion 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Bombay Market Art Silk Co.op,. (Shops & Ware Houses) Socy., Ùmarwada, Surat.

(Transferor)

(2) Smt. Daxaben Bansilal Patel. Varachha Road, Matawadi, Village Karanj.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 daws from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the Office of the undersigned in May, 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 14-2-1985,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 14th February 1985

Ref. No. P.R. No. 332 Acq. 23/II/84-85.—Whereas, I. G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/bearing No. land at Indrad Tal. Kadi, Dist. Mehsana, at Kadi on 13-7-1984

as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/bearing No. land at Indrad Tal. Kadi, Dist. Mehsana, at Kadi on 13-7-1984 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Refor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Varva Daji,
 Village Chadasan,
 Tal. Kadi, District Mehsana.

(Transferor)

(2) M/s. P. B. Metal Corporation, Partnership concerned 28-30 Jay Bldg., Second Sutar Gali, Bombay-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A document has been regd. by S. R. Kadi in respect of land at village Indrad Tal. Kadi District Mehsana for an amount of Rs. 95,217.39.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 5-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM

HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009 Ahmedabad-380 009, the 14th February 1985

Ref. No. P.R. No. 3333 Acq. 23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing property having a fair market value according Rs. 26,000/property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. Land at Dholka

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Dholka on 27-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to marker value of the aloresaid property, and I have reason we believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income using from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Isamiya Rahimmiya Kadri & Ors. Nr. Malay Pirjada Wada, Dholak.

(Transferor)

(2) Hasanali Abdulaali Sheth, Dholkavala Chariti Trust, Trustee Sheth Hatimbhal Nazarali, Dholka, District Ahmedabad

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

An instrument has been regd, for an amount of 2,02,500 by S. R. Dholka in respect of land at Dholka.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 19-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Bombay Market Art Silk Co.op., (Shops & Ware Houses) Socy., Umarwada, Surat.

(Transfer

(2) Smt. Hemlata Manikchand Jain, C/o M. M. Silk Mills. L. 1064 Ground Floor, Surat Textile Market, Ring Road, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Ahmedabad-380 009, the 16th February 1985

Ref. No. P.R. No. 3334 Acq. 23/II/84-85.—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing

exceeding Rs 100,000 and bearing
Pedhi (Shop) No. 506, Bombay Market Art Silk Co.op
(Shops & Ware Houses), Socy. Umarwada, Surat (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), (Form No. 37EE is submitted) in the office of the undersigned in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chief of instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the Office of the undersigned in May, 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 16-2-1985

(1) Bombay Market Art Silk and Co.op., (Shops & Ware Houses) Socy., Umarwada, Surat.

(Transferor)

(2) Shah Harshadkumar Mansukhlal. New Maha Gujarat Kapad Bhandar, O/s Panch Kuva, Ahmedabad.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 196 1 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-38009

Ahmedabad-380 009, the 16th February 1985

Ref. No. P.R. No. 3335 Acq. 23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269D of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs 100,000 and bearing No. 405, Pdhi No. 405 Bombay Market, Art Silk Co.op. (Shops & Ware Houses) Socy. Umarwada, Surat. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in May 1984

undersigned in May, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be discuosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said poperty may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the Office of the undersigned in May, 1984 .

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 16-2-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1985

Ref. No. P.R. No. 3308 Acq. 23/II/84-85.—Whereas, I G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing

S. No. 175 & 176 Ankleshwar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act 1980 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ankleshwar on 21-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparnt consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the redunction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

 Thakorlal Hirachand Chokshi, Chokshi Bazar, Ankleshwar,

(Transferor)

(2) Mangalaben Mohanlal Trivedi & Ors., 1-Ajay Bhavan Block No. 6, 2nd Floor, Jawaharnagar, Goregav, Bombay-52 (West)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

The property is situated at Ankleshwar. The document is regd. at S.R. Ankleshwar vide No. 1708 to 1712 dated 21-7-1984,

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 15-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD; AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1985

Ref. No. P.R. No. 3309/II/Acq./23.—Whereas. I. G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing S. No. 108, 109/1, 109/2/village, Dungori Tel. Bharuch. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at Bharuch in July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer us agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

80—6GI/85

(1) Mohmed Musa Asmal Gotan, At Nani Dungari, Tal, Bharuch.

(Transferor)

(2) Haji Ibrahim Adam Vali, At Kantharia, Tal. Bharuch,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The land is situated as Dungari Tal., Bharuch. The document is regd, at S.R. Bharuch vide No. 1333 July, 1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 5-2-1985

Scal:

.....

FORM ITN9-

- (1) Shri Bipinchandra Jamnadas & Others-Chhatriwalani Chal-Ashwinkumar Road, Surat,
- (2) Shri Gordhandas Dhanjibhai Godia & Ors. Trikam Nagar Socy. No. 2-Surat.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 19th January 1985

Ref. No. P.R. No. 3310 Acq. 23/II/84-85.—Whereas, I G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a rain market value exceeding Rs. 100,000/and bearing

Nondh No. 1749/2 & 3 situated at Navagam Vistar—Surat—Plot No. 7—27.3790 sq.mtr. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act 1980 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Surat on 16-7-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market alue of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay but under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ud/ar
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the tramferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I byreby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under submetion (1) of Section 269D of the said Act, to the following nemous. namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. That S.R. Surat vide No. 5721 Dt. 16-7-84. The document is read.

> G. K. PAND $\overline{YA}$ Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 19-1-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 5th February 1985

Ref. No. P. R. No. 3311 Acq. 23/84-85.-Whereas, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Shop No. G 2317 situated at Surat Textile Market—

Ring Road-Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act 1980 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 17-7-84

for an apparent consideration which is less than the fuir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under missection (1) of Section 269D of the soid Act, to the following persons namely:-

(1) Shri Rajeshkumar Keshrimal Shah-Kabirpura-Bharuch,

(Transferor)

(2) Shri Narharilal Gordhandas Harlalka D.609, L.B. Appartment Co.op. Hsg. Ring Road—Surat. Socv.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The property is situated at Ring Road, Surat. The document is regd. at S.R. Surat vide No. 5796 Dt. 17-7-84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Daller : 5-2-1935

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s. Nagindas Bhukhaldas Jariwala's R.F. Jayantilal Dahyabhai & Ors. Moto Moholo Rustampura—Surat.

(Transferor)

¢,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 19th January 1985

Ref. No. P.R. No. 3312 Acq.23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,00/and bearing

No. Shop No. W. 1206 at Surat Textile situated at Market-Ring Road-Surat

(and more fully described in the schedule annexed hereio), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) M/s. Indian Corporation-Partner: Kasturchand Zaverchand 9-Surgeon Aptt. Co.op. 'Hsg. Socy. Surat. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immersable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Property is situated at Surat. The document is regd. at S.R. Surat vide No. 5825 Dt. 18-7-84.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269(D) of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 19-1-85

### FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 19th January 1985

Ref. No. P.R. No. 3313 Acq. 23/II/84-85.—Whereas, I G. K. PANDYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter returned to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Shop No. Z.3257 situated at Textile Market—Ring Road.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred onder the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 23-7-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneye or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Saroj Vijay Varma
   K. Balkrishna Tormal Podar
   Reshamwala Market—Ring Road—Surat
   (Transferor)
- (2) Shri Purshottam Tormal Podar—Shakti Nagar Udhana or C/o Shop No. Z.3257 at Surat Textile Market Ring Road—Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genetic or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Property is situated at Umarwada—Surat, The document is regd, at S.R. Surat vide No. 6024 Dt. 23-7-84 S. No. 95—96C.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 19-1-85

Sear

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 19th January 1985

Ref. No. P.R. No. 3314 Acq. 23/II/84-85.—Wherens, I

G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property baving a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Shop No. G.3223 situated at Surat Textile Market—Ring Road—Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have been town found up for the Registration Act 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act 1903 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Surat on 18-7-84

persons, namely :-

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

(1) Shri Ratilal Chhaganlal Chanorwala—Paradise Aptt. Co.op. Hsg. Socy. Diwali bag—Surat.

(Transferor) (2) Shri Ashwinkumar Ramchandra Patel, Pravinkumar Ramchandra Patel At Kosad Tal, Choryashi-Surat. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 0 days from the service of notice on the respective persons whichever period expides later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

The property is situated at Umarwada Tal, Choryashi Surat. The Document is regd. at S.R. Surat vide No. 5823 Dt. 18-7-84,

> G. K. PANDYA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 19-1 1985

(1) Bombay Market Art Silk Co.op; (Shops & Warehouses) Socy, Umarwada-Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Devendra Textile Mills Hiralal Colony-Ashwinnikumar Road-Surat. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ASSISTANT

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,

AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 13th February 1985

Ref. No. P.R. No. 3315 Acq. 23/II/84-85.—Whereas, I G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 249B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable

as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100 000/- and bearing No. 1302 Bombay Market Art Silk Co.op. (Shops & Warehouses) Socy. Umarwada—Surat. (and more fully described in the Schedule amound hereto), Form No. 37EF is sobmitted in the office of the sat undersigned on May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the eforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: 226 01
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisitoin of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immev-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gasette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in May, 84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 13-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I/II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 13th February 1985

Ref. No. P. R. No. 3316-Acq.23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'asid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000 bearing No. 703 Bombay Market Art Silk Co.op. (Shope & Warchouses) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) Socy. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned on May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not beth truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Bombay Market Art Silk Co.op. (Shops & Warehouses) Socy., Umarwada, Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Awanti Enterprise, Mahesh Prataprai Garadia, 8/82, R. A K.idwai Road, Bombay-400 031.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the Office of the undersigned in May, 1984.

G. K., PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I/II
Ahmedabad

Date: 13-2-1985

Son! :

11.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Bombay Market Art Silk Co.op. (Shops & Warehouses) Socy. Umarwada, Surat.

(Transferor)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I/II,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmebadad-380 009, the 13th February 1985

Ref. No. P. R. No. 3317-Acq.23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- bearing No. 601, Bombay Market Art Silk Co-op. (Shops & Warehouses)

Socy., Umarwada, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned on May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(2) Smt. Parmjit Kaur, C/o Kuldeepsigh, Punjab Traders, Wholesale Cloth Market, Raipur, M.P. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persone, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the Office of the undersigned in May, 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I/II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

81-64GI/85

Date: 13-2-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I/II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 13th February 1985

Ref. No. P. R. No. 3318-Acq.23/II/84-85.--Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000 bearing No. 205, Bombay Market Art Silk Co.op. (Shops & Warehouses) Socy., Umarwada, Surat (and more fully described in the Schedule annaxed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908 1/16 of 1908) in the office of the registering officer at the Competent Authority

Form No. 37EE is submitted in the Office of the undersigned in May, 1984

for an apparent consideration which is less than, the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the nutrous s of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Bombay Market Art Silk Co-op. Hsg., (Shops & Warehouses) Socy. Umarwada, Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Jaynarayan Ramchandra & Co. Begampura, Danipith,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intertsted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein again are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the Office of the undersigned in May, 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I/II Ahmedabad

Date: 13-2-1985

ICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) NOTICE

### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Bombay Market Art Silk Co.op. (Shops & Warehouses) Socy.

(Transferor)

(2) M/s. Keyyar Textiles, Ram Niwas Compound, Vijalpur, Navsari, Dist. Valsad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-1/II,
2ND FLOOR, HANDI OOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 13th February 1985

Ref. No. P. R. No. 3319-Acq.23/II/84-85.—Whereas, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No.

1206, Bombay Market Art Silk Co.op., (Shops & Warehouses)

Socy., Umarwada, Surat

stand more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 #16 of 1908) in the office of the registering officer at Form No. 37EE is submitted in the Office of the undersigned in May, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used become are defined in Chapter NNA on the sound Act, shall have the control of the in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said set, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the Office of the undersigned in May, 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-2-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I/II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedahad-380 009, the 13th February 1985

Ref. No. P. R. No. 3320-Acq.23/II/84-85.--Whereas, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have leason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 bearing No. 802, Bombay Market Art Silk Co.op., (Shops & Warehouses),

Socy., Umarwada, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Form No. 37EE is submitted in the Office of the undersigned on May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparents consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Bombay Market Art Silk Co.op. (Shops & Warehouses) Socy. Umarwada, Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Parashmal Mahendrakumar C/o Shah Pukhraj Nemichand, 135/37, Zaveri Bazar, Sonawala Bldg., 3rd Floor, Bombay-400 002.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said EXPLANATION :-Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the Office of the undersigned in May, 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I/II Ahmedabad 🗻

Date: 13-2-1985

## FORM ITM

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR

HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 13th February 1985

Ref. No. P. R. No. 3321-Acq.23/II/84-85.—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000

exceeding Rs. 100,000 bearing No. 304, Bombay Market Art Silk Co.op. (Shops & Warchouses), Socy., situated at Umarwada, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), Form No. 37EE is submitted in the office of the

undersigned on May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to , believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Bombay Market Art Silk Co.op. (Shops & Warehouses) Socy. Umarwada, Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Rameshkumar Premkumar, 201-B, M. G. Road, Sodasukh Kotia, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chaptes

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the Office of the undersigned in May, 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

> > برافقان سأنتا

Date: 13-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I/II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 13th February 1985

P.R. No. 3322-Acq.23/11/84-85.—Whoreas, I, Ref. No. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 100,000 bearing No. 204. Bombay Market Art Silk Co.op (Shops & Warehouses).

Socy., Umarwada, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), Form No. 37EE is submitted in the office of the

undersigned on May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Bombay Market Art Silk Co.op. (Shops & Warehouses) Socy. Umarwada, Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Ramanlal Morarbhai Jariwala, Room 13/14, 2nd Floor Go Gate, Mension, Kilka Street, Bombay-2.

(Transferce)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a speriod of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the seid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the Office of the undersigned in May, 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I/II Ahmedabad

Date: 13-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I/II, 2ND FLOOR, HANDI OOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 13th February 1985

Ref. No. P. R. No. 3323-Acq.23/II/84-85.--Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. 106, Bombay Market Art Silk Co.op. (Shops & Warehouses), Socy., Umarwada, Surat

(and more fully described in the schedule annexed hereto) Form No. 37EE is submitted in the office of the

7.

undersigned of May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fail market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as a c said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between to parties has truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons namely :--

(1) Bombay Market Art Silk Co.op. (Shops & Warehouses) Socy. Umarwada, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Vikramkapur & Shri Vikeshkapoor, C/o M/s. Vimal & Co., 50/B, Krishna Cloth Market, Chandni Chawk, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period / 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the Office of the undersigned in May, 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
> Acquisition Range-I/II Ahmedabad

Date: 13-2-1985

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I/II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 13th February 1985

Ref. No. P. R. No. 3324-Acq. $23/\Pi/84$ -85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 bearing No. 1202, Bombay Market Art Silk Co.op. (Shops & Warehouses)

1202, Bombay Market Art Silk Co.op. (Shops & Warehouses) Socy., Umarwada, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), Form No. 37EE is submitted in the office of the

undersigned on May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be discussed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. the following persons, namely;—

(1) Bombay Market Art Silk Co.op. (Shops & Warehouses) Socy. Umarwada, Surat.

(Transferor)

M/s. Anil Dycing & Printing Works,
 Umarwada Outside,
 Sahara Gate, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date or publication of this notice in the Officil Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any ether person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein asare defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in May, 1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I-II
Ahmedabad

Date: 13-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I/II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, **AHMEDABAD** 

Ahmedabad-380 009, the 13th February 1985

Ref. No. P. R. No. 3336-Acq.23/II/84-85.-Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable properly having a fair market value

exceeding Rs. 100,000 bearing No.

1306, Bombay Market Art Silk Co-op. (Shops & Warehouses) Socy., situated at Umarwada, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned on May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purusuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons namely:υ2---6GI/85

(1) Bombay Market Art Silk Co.op. (Shops & Warehouses) Socy. Umarwada, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Jugalkishore Bajaj, A-1/8, Sunder Nagar, S. V. Road, Malad (West), Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period M 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the Office of the undersigned in May, 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 13-2-1985

Scal:

(1) Bombay Market Art Silk Co.op. (Shops & Warehouses) Socy. Umarwada, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Kamal Kishor B. Chandak, C/o M/s. B. Ramesh & Co., 60, Godown Street, 1st Floor,

(Transferee)

7

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

Ahmedabad-380 009, the 16th February 1985

Ref. No. P. R. No. 3337-Acq.23/II/84-85.—Whereas, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 bearing No. 202, Bombay Market Art Silk Co.op. (Shops & Warehouses) Socy., situated at Umarwada, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned on May 1984

undersigned on May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more then fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty five days from the date of publication of this notice in the official gazette of a period of 30 days from the service of notices on the persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within forty five days from the date of publication of this notice in the official gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in May, 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority4
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 16-2-85

Scal:

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

UFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1/II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 16th February 1985

Ref. No. P. R. No. 3338-Acq.23/II/84-85.—Wherens, L. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and bearing No.

303, Bombay Market Art Silk Co.op. (Shops & Warehouses), Socy., Umarwada, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned on May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern per cent of such apparent consideration and that the Afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been owhich ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Bombay Market Art Silk Co.op. Umarwada, Surat. (Shops & Warehouses) Socy. Umarwada, Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Sanjay Textiles, Hans Villa Bldg., Zampa Bazar, Surat.

(Transfereo)

Objections if any, to the acquisition of the said property may. be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in May, 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I/II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 16-2-85

## FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

# AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 15th February 1985

Ref. No. P.R. No. 5339 Acq.23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing No. No. 502—Bombay Market Art Silk Co.op (Shops & Ware Houses) Socy, Umarwada—Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), Form No. 37EE is submitted, undersigned on 31-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Weelth-inx Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Bombay Market Art Silk Co.op. (Shops & Ware Houses) Socy Ltd. Umarwada—Surat.

(Transferor)

(2) Shri Pyarchand Bhanwarilalji Shah, M. 29—Bombay Market—Surat Umarwada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in May 1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 16-2-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 16th February 1985

Ref. No. P.R. No. 3349 Acq. 23/II/84-85.—Whereas, I. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-

property having a fair market value exceeding R and bearing
No. 1007—Bombay Market Art Silk
Co. op (Shops & Ware Houses) Socy.
situated at Umarwada.—Surat
Form No. 37EE is submitted in the offic eof the

undersigned in May 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Bombay Market Art Silk Co.op. (Shops & Ware Houses) Socy. Ùmarwada—Surat,

(Transferor)

(2) M/s I.C. Gandhi Silk Mills-Gandhi Colony, Ashwinikumar Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Form No. 37LE is submitted in the office of the undersigned in May 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 16-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME.
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 16th February 1985

Ref. No. P.R. No. 3341 Acq.23/II/84-85.—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing

No. 203—Bombay Market Art Silk Co.op. (Shops & Ware Houses) Socy.—Umarwada Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) Form No. 37EE is submitted in the offic eof the undersioned in May 1984.

undersigned in May 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following perons, namely:—

(1) Bombay Market Art Silk Co.op. (Shops & Ware Houses) Socy. Umarwada—Surat.

(Transferor)

(2) Morarbhai Kaidas Jariwala & Ors. Limbu Sheri -Mahidharpura, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in May 1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II. Abmedabad

Date: 16-2-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 16th February 1985

Ref. No. P.R. 3342 Acq 23/II/84-85.--Whereas, I G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. 1203 Bombay Market Art Silk

Co. op (Shops & Ware Houses) Socy.—Umarwada Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), Form No. 37EE is submitted

in the office of the undersigned in May 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the - transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purusance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Bombay Market Art Silk Co.op (Shops & Ware Houses) Socy. Umarwada—Surat,

(Transferor)

(2) Shri Kamalkumar Jalan 192—Shaikh Memon Street 2nd Floor—Zaveri Bazar, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in May 1984.

O. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 16-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 16th February 1985

Ref. No. P.R. 3343 Acq. 23/11/84-85.—Whereas, I G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop (Pedhi) No. 408-Bombay Market Art Silk Co.op (Shops & Ware Houses) Socy.

transfer with the object of :-

Umarwada-Sucat, Form No. 37EE is submitted (and more fully described in the Schedule annexed hereto), in the office of the undersigned in May 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-taz Act, 1957 (27 of 1957)1

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Bombay Market Art Silk Co.op. (Shops & Ware Houses) Socy. Surat.

(Transferor)

(2) Shri Harshadkumar Babubhai Jariwala Limbu Sheri—Mahidharpura—Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in May 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 16-2-1985

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-389 009, the 18th February 1985

Ref. No. P.R. 3344 Acq. 23/II/84-85.—Whereas, I.G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section'

269B of the Income-tax Act, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat at Sampatrao Colony.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), in the office of the undersigned Baroda on 23-7-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such appearent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s Neelam Aptt. 88, Sampatrao Colony--Alkapuri Baroda.

(Transferor)

(2) Jayaben N. Patel C/o Amit Narendra Patel
1st Floor—Neelam Aptt. 88—Sampatrao Colony,
Alkapuri—Baroda.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as green in that Chapter

# THE SCHEDULE

A sale deed has been regd, for an amt of Rs. 67,500 by S.R. Baroda in respect of flat in Neclam Antt.-Baroda.

स्कृत । ए जिल्ला

G. K. PANDYA Competent Authority

Irapecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

18-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad 380 009, the 18th February 1985

Ref. No. P.R. No. 3345 Acq.23/II/84-85.—Whereas, I.G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'suid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Sayajipura—Buroda,

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1998, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Baroda on 13.7-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transrefor to pay tax und the said Act; in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Madhuben Ochhavial Shah-Dudheshwar Socy.--Ajwa Road, - Baroda.

(Transferor)

(2) Chandrakant Shankarlal Shah—Sardar Sankari Udyognagar Co.op. Socy. Sayajiganj—Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shell have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

sale deed has been regd. for an amt. of Rs. 32,500 by S.R. Baroda in respect of building at Sayajipura,

> G. K. PANDYT Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceeding for the acquisition of the accusated property by the issue of this notice under sub-section. (1) of Section 269D of the said Act, to the following nemons, namely:

Date: 18-2-1985

#### PORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

# GOVERNMENT OF IMDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 18th February 1985

Ref. No. P.R. 3346 Acg. 23/11/84-85,---Whereas, I G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), has reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and Searing

No. Bldg. at Sayajiganj, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

Form 37EE submitted

in the office of the undersigned at Baroda on 10-7-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of may income arising from the transfer)
- (b) facilitating the concealment of any income or any snoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Surjitsiph Shravansing Shrigar 80---Sampatrao Colony--Alkapuri--

(Transferor)

(2) Smt. Manjulaben Chandubhai 80-Sampatrao Colony-Alkapuri -Baroda

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- '(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A sale deed has been regd, for an amt, of Rs. 2.31,000/-by S.R. Baroda in respect of bldg, at Sayajiganj—Baroda,

G K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 18-2-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th February 1985

Ref. No. P.R. 3347 Acq. 23/II/84-85.—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 100,000/- and bearing

No. Pedhi (Shop) No. 305 at Bombay Market Art Silk Co.on.—Surat.

Market Art Silk Co.op.—Surat. Form No. 37EE is submitted

(and more fully described in the schedule annexed hereto), in the office of the undersigned in May 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Bombay Market Art Silk Co.op. (Shops & Ware Houses) Socy. Surat,

(Transferor)

(1) M/9 Kusumben Jagdishkumar Jariwala 6/699—Galemandi - Moti Sheri— Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

# THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in May 1984.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 26-2-1985

Scal :

(1) Bombay Market Art Silk (Shops & Ware Houses) Socy. Umarwada—Surat.

(Transferor)

(2) M/s Kamalkishor Jugal Kishor 6/1002—Madhirpura Tekra

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 003, the 26th February 1985

Ref. No. P.R. No. 3348 Acq 23/II/84-85.—Whereas, I G. K. PANDY A, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Pedhi No. (Shop No.) 102 at Bombay Market Art Siik Co.op (Shops & Ware Houses) Socy. Ltd. Umarwada—Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), Form No. 37EE is submitted in the Office of the undersigned in May 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/ar

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in May 1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 26-2-1985 Seal:

26at

(1) Vijyaben Balvantram, Sagrampura—Zunda Sheri— Surat.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shantial Jamnadas Parikh & Ors. Begampura—Bhulamodi No Chaklo Surat.

(fransferee)

OFFICE OF THE INSPECTING. ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th February 1985

Ref. No. P.R. No. 3349 Acq 23/II/84-85.—Whereas, I G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding

Rs. 100,000/- and bearing
Wd. No. 2—Nondh No. 1636 situated at Surat,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at
Surat on 30-7-1984
Panipat under Paristration No. 1644 detect 28.6 1984

Panipat under Registration No. 1644 dated 28-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property \_ may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The document is regd. at S.R. Surat vide No. 2715 dt. 30-7-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquistion Range II, Ahmedebad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 26-2-1985

Seal:

J- Paragon

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th February 1985

Ref. No. P.R. No. 3350 Acq. 23/II/84-85,---Whereas, I G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Ward No. 6—Nondh No. 2250 situated at Mahidharaura—Havada Sheri--Surat (and more fully described in the Scheduled annexed hereto),

has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 30-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Jayantilal Chimanlal Parekh & Ors. C/o Hari Krishna Narottandas Haji Khana Bazar Soni Falia---Bharuch.

(Transferor)

(2) Lallubhai Ambalal Soni-Naren Lallubhai Soni---Mani Bag Socy. Gotalavadi---Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given In that Chapter.

# THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The accument is regd. at S.R. Surat vide No. 6320 Dt. 30-7-1984.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 26-2-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th February 1985

Ref. No. P.R. No. 3351 Acq. 23/II/84-85.—Whereas, I G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-Tax Act, (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing

No. Land at Baska Tal. Kalol,

Dist. Panchamahal,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kalol on 24-7-1984

for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferr and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to be the following persons, namely:—

 Shri Prafulbhai Manubhai Gandhi-Managing Partner of Mettle Plast 436—GIDC—Makarpura —Baroda.

(Transferor)

(2) Shri Niranjan Chhotalal Vora, Managing Director of Dyna Flat Pvt. Ltd. 12—Sampatrao Colony—Alkapuri—Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotta

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A sale deed has been referred by S.R. Kalol for an amt. of Rs. 1,30,221 in respect of land at Basko Tal. Kalol Dist. Penchamahals.

G. K. PANDYA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 26-2-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th February 1985

.Ref. No. P.R. No. 3352 Acq. 23/11/84-85 --- Whereas, I.G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair mraket value exceeding Rs. 100,000/- and bearing

No. Baska Tal. Halol,

Dist. Panchamanals.

and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Italol on 16-7-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—84—6GI/85

(1) Shiri Yogesh Ochhavlaf Shah— Managing Director of M/s Ochhavlaf C. Shah & Co. Chemicals, Raimahaf Road, Baroda.

(Transferor)

 Managine Director of Technix Needles (India) P. Ltd. 37. Manisha Socy.—Old Padra Rd. Baroda,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. for an amt of Rs. 2.90,000/-in respect of property, at Baroda which is regd. by S.R. Kalol.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II. Ahmedabar

Date: 26-2-1985

Seal; .

#### FURM ITNS

Nr. Vasant Talkies - · Valsad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 27th February 1985

Ref. No. P.R. No. 3353 Acq. 23/11/84-85.—Whereas, I K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 100,000/- and bearing No. R.S. No. 283/2 situated at Nanakwada-

Tal. Valsad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Valsad on 5-7-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Kirankumar Thakorbhai Desai Hanuman Bhagada— Valsad

(1) Vasantbhai Kantilal Modi --

(Transferce)

7

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The property is situated at Nanakwada. The document is read, at S.R. Valsad vide No. 3348 dt. 5-7-1984.

G K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II. Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-

Date: 27-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM RQAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 27th February 1985

Ref. No. P.R. No. 3354 Acq. 23/84-85.—Whereas, I G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 100,000/- and bearing
No. 466/1, 466/2 and 467 situated at Abrama, Tal. Valsad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at Valsad on 13-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1951);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Paragii Haribhai Desai—Kosamba hBagada—Tal, Valsad.

(Transferor)

(2) Shri Sumantrai Bhanabhai Desai—At baramAa Tal. Valsad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expans. Aion:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

The property is situated at Abrama. The document is regd. at S.R. Valsad vide No. 3391 Dt. 23-7-84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 27-2-1985

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 27th February 1985

Ref. No. P.R. No. 3355 Acq. 23/II/84-85.—Whereas, I G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 100,000/- and bearing No. R.S. No. 40 situated at Kabilpor Tal. Navsari Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on 30-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) inclitating the reduction of evision of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any inco e ariging from the transfer: \$#.1 /nc
- (b) facilitating the consealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Mohanbhai Chhotubhai Patel & Ors. Navsari Co Amish Nagar Co-op. Hsg. Socy. Kabilpor—Tal. Navsari.

(Transferor)

(2) Shri Hemantkumar Thakorbhai Desai-President of Amish Nagar Co.op. Hsg. Socy. Kabilpor—Tal. Navsari.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned : -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used neroin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The property is situated at Kabilpor. The document is regd. at S.R. Navsari vide No. 1919 Dt. 30-7-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 27-2-1985

(1) Bombay Market Art Silk Co.op. Socy. Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. Special Weaves Ltd. Ranpura—Surat.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 27th February 1985

Ref. No. P.R. No. 3356 Acq. 23/II/84-85.—Whereas, I. G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing

No. South Side Podium Floor at Bombay Market—Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the undersigned on May, 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the particly has not been truly stated in the sain instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from this transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immonable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office the undersigned in May, 1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 27-2-1985

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 27th February 1985

Ref. No. P.R. No. 3357 Acq. 23/II/84-85.—Whereas, I G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing
No. Bombay Market Art Silk—Surat Mezznine Floor—Surat (and more fully described in the Schedule annexed Form No. 37EE is submitted

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the undersigned in May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evision of the limbility of the transferor to pay tax under the mill Ast, is respect of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) Bombay Market Art Silk Co.op. (Shops & Ware Houses) Socy. Ltd. Umarwada—Surat.

(Transferor)

(2) M/s Marg Septex C/o 12/374—Rani Talav, Main Road—Surat.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in May, 84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 27-2-1985

## FORM I.T.N.S.—

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 27th February 1985

Ref. No. P.R. No. 3358 Acq. 23/II/84-85.—Whereas, I G. K. PANDYA being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-

and bearing No.
South side Mazzamine Floor of Bombay Market—Surat
Form No. 37EE submitted
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the undersigned on May, 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee, for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore is pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Bombay Market Art Silk Socy. Umarwada—Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Garden Silk Mills Pvt. Ltd. Rampura Tunki—Surat. (Transferee)

Objection if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the data of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein are defined in Chapter XXA of the said Actashall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in May, 84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistan' Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 27-2-1985

Scal

FORM ITNS ....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 27th February 1985

Ref. No. P.R. No. 3359 Acq. 23/II/84-85.—Whereas, I G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceding Rs. 100,000/-and bearing No.

Vadi Vadi—Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on July, 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the afir market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely:---

 Shri Rajeshkumar Ambalal Patel—Dahiben Ambalal Patel Sardarbhuvan Khancho—Baroda.

(Transferor)

(2) Shri Kirankumar Dahyabhai Shah—Bhartiben Kirankumar Shah C/o Rajeshkumar Ambalai Shah, Sardar Bhuvan Khancho, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. by S.R. Baroda for an amt. of Rs. 2,75,000/- in respect of land at Utkanth Socy.—Alkapurl area Baroda.

O. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Ahmedabad

 $\pm i (i,j)$ 

Date: 27-2-1985

## FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVÈRNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONR OF INCOME-TAX,

> COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II.

2ND FLOOR, HADLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 28th Febraury 1985

Ref. No. P.R. No. 3360 Acq. 23/II/84-85.—Whereas, I G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act')
have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 100,000/- and bearing
No. Bldg. at Kareli Bag
(cond-mark fully described in the Scheduled approved hereto)

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred as per registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Baroda on 20-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

85-6GI/85

- (1) Shri Gulabrai Bhaishankar Pandya 4-Amrapali Socy. Karcli Baroda. (Transferor)
- (2) Smt. Kamlaben Jethalal Shah Bunglow No. 32-Karelibag—Baroda. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said propers. may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SHCEDULE

A sale deed has been regd. by S.R. Baroda in respect of bldg, at Karelibag—Baroda for an amt, of Rs. 2,00,000/-.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 28-2-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1691)

# (1) Shri Pravinchandra M. Shah Bawieda-Khatri Pole Baroda.

(Transferor)

(2) Shri Harishchandra Narsinh Chauhan Rajput Falia-Chhataudepur—Dist. Baroda.

(Transfere:)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HADLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 28th Febraury 1985

Ref. No. P.R. No. 3361 Acq. 23/II/84-85.—Whereas, I G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Bldg. at Saiyad Vasna.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on July, 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apaprent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evesion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) lacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

tions, if any, to the acquisition of the said property be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. by S.R. Baroda for an amt, of Rs. 2,00,001 /- in respect of bldg. at Salvad Vasna-Baroda.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

riow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely :---

Date: 28-2-85

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HADLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 28th February 1985

Ref. No. P.R. No. 3362 Acq. 23/II/84-85.—Whereas, I G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Bldg. at Akota-Baroda

(and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Baroda on July, 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Dr. Kantibhai Keshavlal Shah Ganrang Aptt.— Shrinagar—Baroda.

(Transferor)

(2) Shri Thakorbbai Shantilal Thakkar—Associated Co.op. Socy. 4—Charbbar Socy. Akota—Baroda,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. by S.R. Baroda for an amt. of Rs. 2,25,000/- in respect of bldg. at Akota Baroda.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 28-2-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II,

2ND FLOOR, HADLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Abmedabad-380 009, the 28th February 1985

Ref. No. P.R. No. 3336 Acq. 23/II/84-85.—Whereas, I G. K. PANDYA

bing the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No Land at Gotri-Baroda

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Baroda on 3-7-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration to such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the paid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Haribhai Fakirbhai Patel 32—Anandnagar Socy. Jetalpur—Baroda. (Transferor)

(2) Shri Surshbhai Chunibhai Patel---11---Amravati Socy. Gotri Rd.---Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd, by S.R. Baroda for an amt, of Rs. 1,30,000 in respect of land at Gotri-Baroda.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 28-2-85

#### FORM ITNS....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HADLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 28th February 1985

Ref. No. P.R. No. 3364 Acq. 23/II/84-85.—Whereas, I G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-and bearing

No. Bldg. at Bodeli

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sankheda on July, 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax xunder the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any monove or other assets which have not been es which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1997);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Mahendrakumar Shankarlal Pathak Bodeli—Tal, Sankheda Dist: Baroda.

(Transferor)

(2) The Baroda Central Co-op. Bank Ltd. Baroda.

(Transfer€)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made to writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons,
  whichever period expires later;
- (b) by any ether person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. by S.R. Sankheda for an amt. of Rs. 3.47.000/- in respect of bldg. at Bodeli.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 28-2-85

(1) Smt. Pratimaben Vrajeshkumar Desai 6—Rajnagar Socy.—Old Padra Road,

Akota Baroda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Balkrishna Shankarlal Shah-Arunodaya Socy. -Alkapuri—Baroda.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-11 2ND FLOOR, HADLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 28th February 1985

Ref. No. P.R. No. 3365 Acq. 23/II/84-85.—Whereas, I G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing

No. Land at Akota (and more fully described in the Setable 2009).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Baroda on 4-7-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

and/or

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given EXPLANATION :in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. by S.R. Baroda for an amount of Rs. 1,28,000/- in respect of land at Akota Baroda.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the saue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 28-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 2nd February 1985

Ref. No. P. R. No. 3600 Acq 23/I/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to use the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and bearing No.

Flat Block No. 12-2nd Floor-Birju Co. op. H. Socy.

situated at Nr. Azad Socy. Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedahad

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been traly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Kukesh Shyamlal Bhatia, Shri Jawahar Shyamlal Bhatiya, 9-B, Gold Coin Apartment, Nr. Vijya Restaurant, Navrangpura—A'bad-9.

(Transferor)

(2) Smt. Ushaben Natwarlal Thakkar, Block No. 12—2nd Floor, Birju Co-op. Hsg. Socy. (Birju Aptt.). Nr. Azad Socy. Ambawadi Abmedabad-II.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat Block No. 12-2nd Floor. Birju Co-op. H. Socy. (Birju Aptt.) Adm. 65 sq. yd. Nr. Azad Socy. Ambawadi— A'bad-15.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 2-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 1st February 1985

Ref. No. P. R. No. 3601 Acq. 23/I/84-85.—Whereas, I. G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs.

able property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing House Property in Devki Nandan Socy. Navrangpura—A'bad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at A'bad on 18-7-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Amthaji Gobarji Dabhi, Bhuvangdev Soey, Near Water Tank, Sola Road—A'bad.

(Transferor)

(2) Shri Bhogilal Keshaylal Shah & Shri Jayeshkumar Bhogilal Shah, B. No. 1/B—Devki Nandan Socy. Navrangpura—A'bad-9.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

B. No. 1/B Devkinandan Socy. Navrangpura—A'bad—Land 315 sq. yd.+Bldg. R. No. 10269 Dt: 18-7-84.

G. K. PANDY A
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 1-2-1985

Scal:

## NCTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONITE OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 1st February 1985

Ref. No. P. R. No. 3602 Acq. 23/1/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 100,,000 and bearing House Property at A'bad Usmanpura TPS, 3 F.P. No. 37-The Middle Class Co. op. H. Socy. Ltd. Plot No. 225 land

adm. 400 sq. yd.+Bldg.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 10-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Waelth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

86--6G1/85

(1) Shri Rajnikant Shanalal Shah & Ors., Smt. Hansaben Rajnikant Shah, 22-T, The Middle Class Co-op, H. Socy. Usmanpura, A'bad-13.

(2) Shri Amratlal Dalichand, Smt. Vijyadevi Amratlal, B. No. 22, T. The Middle Class Co-op. H. Socy.. Usmanpura, A'bad-13.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House Property in the Middle Class Co-op. H. Socv. B. No. 22. T Usmanpura A'bad Land 400 sq. yd+Bld. R. No. 10558, Dt : 10-7-1984.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 1-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2nd Floor, Handloom House, Ashram Road AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th February 1985

Ref. No. P. R. No. 3603 Acq. 23/I/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authrity under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Shop No. 17 Madhupura Shop & warehousing Corp. Shahlbar, a Abad

bag - A'bad.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at A'bad, on 30-7-84

or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following versons, namely:—

\ (1) Shri Narayanlal Dalsukhram Joshi, 13-Umiya Viljay Socy. Satelight Rd. - Jodhpur - A'bad. 15.

(Transferor)

(2) Bhikhalal Jamnadas Banker - HUF Bhupendra Bhikhalal Banker - HUF 4-Aragya Park Socy, Shahibag - A'bad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. F. 17 Madhupura Market Shops & watchousing Co. op. Socy. Shahibag - A'bad, R. No. 11467 Dt: 30-7-84.

G. K. PANDYA
Competent Author
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 7-2-1985

Seal

## FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I 2nd Floor, Handloom House, Ashram Road AHMEDABAD-380 009

> Ahmedabad-380 009, the 6th February 1985

Ref. No. P. R. No. 3604 Acq. 23/I/84-85.--Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding Rs. 100,000 bearing No.
Land at A'bad. T.P.S. 3 F. P. No. 927 - Adm. 346 sq. mtr.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad. on 18-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair, market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcanid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which enght to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (\$7 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Rambhaben Ranchhodlal & ors. Bala Hanuman Khadia -A'bad. C/o. B. A. Pavagadhi - C.A. -Kaviswar - Ni-Pole.

(Transferor)

(2) Shri Naranbhai Dayalbhai President of Mehta Apartment owner's Asson. Flat No. 1-Rajni Gandba Flats -Vasna - A'bad.

(Transferce)

(4) M/s Chirag Corporation-2nd Floor P. K. House Nr. Town Hall Behind M. J. Library - EB. A'bad. (Person whom the under signed knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Yand at Ahmedahad TPS, 3 FP No. 927 S. P. No. 3 paiki Adm. 346.40 sq. mtr. R. No. 10939 Dt: 18-7-84.

> G. K. PANDYA Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad.

Date: 6-2-1985

Scal:

(1) Amita Corporation Partner -Rajesh Shantilal Parikh Amibela Opp: High Cout -Navrangpura - A'bad.-9,

(2) Shri Radha Enteprrises,

(Transferor)

Maheswari

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I 2nd Floor, Handloom House, Ashram Road AHMEDABAD-380 009

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Partner - Rameshehandra Narayandas

& Ors Shreeji Niwas -Dhana Suthar Pole -Relief Road - A'bad. 1.

Ahmedabad-380 009, the 13th February 1985

Ref. No. P. R. No. 3605 Acq. 23/I/84-85.—Whereas, 1, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and bearing

Abad TPC. 3 F.P. No. 154 S.P. 5 office on 2nd Floor Adm. 326+34=360 sq. ft. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at A'bad on 11-7-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

and/er:

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Office on 2nd Floor Adm. 326-34-360 sq. ft. TPS. 3 F.P. No. 154 sub Plot 5 R. No. 10617 Dt ; 11-7-1984.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-I Ahmedabad.

Date: 13-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 14th February 1985

Ref. No. P. R. No. 3606 Acq. 23/I/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No.

Property at ward No. 15 S. No. 443A-Nalanda Secv. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred.

has been transferred

under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the registering Officer

at Rajkot on 24-7-1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such apparent consideration. and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Mukesh Rameshbhai

Smt. Jyotiben Mukeshbhai

Nareshkumar Rameshbhai Smt. Arvindaben Nareshkumar 'Ashabind' 44-Nutan Nagar -Kalavad Road - Rajkot.

(Transferor)

(2) 1. Prabhudas Nanjibhai Chokshi 2. Ramesh Prabhudas Chokshi Plot No. 16 - 'Anand Krupa' Nalanda Socy, Kalawad Road, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

# THE SCHEDULE

Property at ward No. 15 Plot No. 10 Nalanda Socy. Rajkot R. No. 2301 Dt: 24-7-84.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad.

Date: 14-2-1985

Scal:



4

#### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

, Ahmedabad-380 009, the 14th February 1985

Ref. No. P. R. No. 3607 Acq. 23/I/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 \( \lambda \) and bearing No. Flat at Texshila, Flat No. 422, 2nd Floor op: Girnar

Cinema, Rajkot

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 26-6-84.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration there for by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Narendrkumar Vrajlal Chandarana M. 22 Gujarat Housing Board -Rajkot.

(Transferor)

(2) Chhaganbhai Narshibhai Patel Flat No. 422-Taxshalla Co.op. Socy.'D' Bldg. Hod floor Opp : Ğirnar Cinema - Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- .(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat at ward No. 16 'D' - Bldg. Flat No. 422, Taxshila Co. op. Socy. Rajkot R. No. 4112 Dt: 2616/84 37G July, 84.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad.

Date: 14-2-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

PART III\_Sec. 1]

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 16th February 1985

Ref. No. P. R. No. 3608 Acq. 23/I/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 100,000/- and bearing No. Flat No. G. 5-Samtheswar Flats T.P.S. 3 F.P. No. 723 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer

at A bad on 18-7-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Bhavnaben Ranjikant Chokshi G. S. Samtheswar Flats, Opp: Parimal Garden - Ambawadi -Ahmedabad-15.

(Transferor)

(2) Gopaldas Chetandas Kevalram Flat No. G. 5 Samtheswar Flats -Opp: Parimal Garden Ambawadi 4 A'bad-15.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expides later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. G. 5 Samtheswr Flats Opp : Parimal Garden - Ambawadi A'bad R. No. 9772 Dt: 18-7-84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad,

Date: 16-2-1985

NGTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 20th February 1985

Ref. No. P. R. No. 3609 Acq. 23/I/84-85.---Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said "Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No.
Land at A'bad T.P.S. 8 F.P. No. 49/2 Part Sub Plot No. D (Dariapur-Kazipur) Adm. 1839 sq. yd. (and more fully described in the schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

A bad on 4-7-84 for an aparent consideration which is les sthan the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as afreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Rajiv Chinubhai & Smt. Prabhaben Chinubhai & Minor Aditya Rajivbhai Nr. Dafnala - Shahibag - A'bad.

(Transferor)

(2) Shri Baldevhai Gandabhai Chaudhari & Shri Ugamraj Mishrimal Hundia (Promotors of proposed Jay Vardman Co. op. H. Socy. B. No. 9 - Ramakpur Socy. Shanibag - A'bad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Ahmedabad T. P. S. F.P. No. 49/2 Sub Plot D (Dariapur Kazipur) Adm. 1839 sq. yd. 37EE filed on 4-7-84.

G. K. PANDYA Competent Authority 'Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad.

Date: 20-2-1985

.1.

# FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 21st February 1985

Ref. No. P. R. No. 3610 Acg. 23/I/84-85.---Whereas, J. G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269AB of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovas the said Act), nave reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No.
Land at Bopal Block No. 653 Adm. 5465 sq. mtr.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

A'bad on 24-7-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-87—6GI/85

(1) Shri Patel Prahladbhai Ambalal & ors. Kameshwar Flats - Ambawadi - A'bad.

(Transferor)

(2) Shri Nitanjan Laxmiprasad Thakkar Chairman - Anant Nagar Co.op. H. Socy. B. No. 24-A Sarvodeya Nagar Vibhag-I Ghatlodiya A'bad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the mid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land at village Bopal Tal. Daskroi Adm. 5465 sq. mtr. Block No. 653 palki R. No. 11257 Dt. 24-7-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad.

Date: 21-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nd February 1985

Ref. No. P. R. No. 3611 Acg. 23/I/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43, of 1961) (hereniafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

movable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Land at Vejalpur sim S. No. 842/1, 842/2 842/3 Adm. 88 Guntha 10648 sq. yd.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 26-7-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- th) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namely:—

Shri Chaturji Vishaji
 Shri Vishaji Umarji
 Ors. at Village: Vejalpur
 Tal. City. A'bad.

(Transferor)

(2) Shri Dependra Gordhandas Chokshi Shreemali Socy. Opp: Navrangpura Bus Stop Ahmedabad-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said properation was be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land at Vejalpur sim S. No. 842/1, 842/2, 842/3 Adm. 88 Guntha 10648 sg. yd. R. No. 11416 Dt. 26-7-84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-1
Ahmedabad.

Date: 22-2-1985

G. K. PANDYA,

#### FORM ITNS

(1) Shri Jayrambhai Shivabhai Patel Nr. Panchsheel Socy. Usmanpura - A'bad.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Malik Mahmadsabir Azizkhan 2. Mehta Prakashbhai Jyotiprasad 1. Kinnar Appartments - Navrangpura - A'bad.

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later; .

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

> (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ahmedabad-380 009, the 22nd February 1985

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. P. R. No. 3612 Acq. 23/I/84-85.—Whereas, I,

G. K. PANDYA.
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 bearing No.
Land at Bodakdev sim S. No. 240/2 Adm. 0-39G-4719 sq. yd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at A'bad on 10-7-84

officer at A'bad on 10-7-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability and/or

of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be discussed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Land at Bodakdev Sim (Tal. Dascroi) S. No. 240/2 Adm. 0-39G-4719 sq. yd. R. No. 10584 Dt : 10-7-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following ocrsons, namely:-

Date: 22-2-1985 Seal ;

# FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST. SIONER OF INCOME-TAX ASSISTANT COMMIS-

> ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 22nd February 1985

Ref. No. P. R. No. 3613 Acq. 23/I/84-85.—Whereas, I G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 100,000/-

and tearing No.

LLand at A'bad T.P.S. 4 F.P. 165 Adm. 469 sq. mtr.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

A'bad on July, 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the porties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer;

1-10 (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Hiralal Jethalal Shah 11-Ashwin Socy. Opp: Fatehpur-Paldi-A'bad-7.

(Transferor)

(2) Shri Shailesh Ghanshyambhai Shah For-Dwarkesh Appartment Owner's Asson. C/o Ddarsh Radoi House-Nr. Zakaria Masjid-Relief Road-A'bad.

(Transferce)

(3) Shri Ghanshyambhai Hargovandas Shah 'Krushnakunj'—Kashmira Socy. Narayan Nagar Road—Paldi—A'bad-7.

(Person whom the under signed knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at A'bad TPS. 4 F.P. No. 165 Adm. 469 sq. mtr. R. No. 9278 July, 84.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 22-2-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380'009.

Ahmedabad, the 26th February 1985

Ref. No. P. R. No. 3614 Acq. 23/I/84-85.—Whereas, I G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act., 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 5 Shops at Verayal Sim-92-232 sq. mtr. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Veraval on July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Topandas Brothers— Raj Mahal Road-Veraval-362 265

(Transferor)

(2) Guiumukhdas Jivatram & Ors. Subhash Road—Gandhi Chowk—Veraval-362 265. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as gives in that Chapter.

# THE SCHEDULE

5 Shops on G.F. Adm. 92-232 sq. mtr. at Veraval.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 26-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 25th February 1985

Ref. No. P. R. No. 3615 Acq. 23/I/84-85.—Whereas, I G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/bearing No.
Land at Memnagar TPS, 1 F.P. No. 95 Adm. 400 sq. yd.—

Tirth Nagar Socy. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) i Registering Officer at A'bad on 5-7-1984 in the office of the

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evaples of the of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following versions, namely:-

Shri Dilipohai Jadavji— 207-Masjid Bandar Road, Bombay-8.

(Transferor)

(2) Smt. Premlata Gopal Agrawal— 85/106—Vijay Nagar— Naranpura—A'bad-13.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publica-tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land at Memnagar TPS. 1 FP No. 95 Adm. 400 sq. yd. Tirth Nagar Socy. R. No. 6451 Dt : 5-7-84.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 25-2-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 25th February 1985

Ref. No. P.R. No. 3616 Acq. 23/I/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100.000/- and bearing

H.P. at A'bad Shahpur Wd. 2 S. No. 2109 Adm. 303 sq. mtr. (1/4 share)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the A'bad on July, 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Niraj Shyamkishor Delhiwala Sonarika Apartment, Ambawadi, Ahmedabad-15.

(Transferor)

(2) Shri Ramkishor Nandkishor Delhiwala, for Minor Vivek— Chitra Amit Appartment— Ashram Road—Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons,
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

# THE SCHEDULE

H.P. at Ahmedabad—Shaikhpur—Wd. 2 S. No. 2109 Adm. 303 sq. mtr. (1/4 share) R. No. 1702 Dt : July, 84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 25-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 26th February 1985

Ref. No. P. R. No. 3617 Acq. 23/I/84-85.—Whereas, I G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing No. H.P. at Veraval Plot No. 13 Adm. 107 sq. yd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Veraval on July, 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Harkishandas Motilal Shah, Near Vakil Clinic, Veraval.

(Transferor)

(2) Shri Chhotalal Popatlal Kamdar & ors. Trustee of—Kamdar Family Trust— 1st Floor—Manish Nagar Shopping Centre J.P. Road—Audheri (West)—Bombay-58.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a neriod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

House Property at Veraval Plot No. 13 Adm. 107 sq. yd. R. No. 1895 Dt. July, 84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I Ahmedabad

Date: 26-2-1985

#### FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOMETAX ACE, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF TIDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 26th February 1985

Ref. No. P. R. No. 3618 Acq. 23/I/84-85.—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.000,000/- and bearing

H.P. at A'bad TPS, 3 F.P. No. 819 S. No. 42 Land adm, 524 gg, vd. +Bldg.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 37EE filed on 12-7-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by

more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor and transferor has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said. Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the oldowing remains, namely:—88—6GI/85

(1) 1. Navinchandra Jeshingbhai Shah

Monesh Navinchandra Shah (HUF)
 Kamlesh Navinchandra Shah (HUF)

4. Himanshu Navinchandra Shah (HUF)

 Jinmati Navinchandra Shah 43—Pritam Nagar—Paldi, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Vision Builders Pvt. Ltd. 18—New Alkapuri Socy. Gulbai Tekra—A'bad-15.

(Transferec)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires lates;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land at A'bad TPS. 3 FP No. 819 S. No. 42 Land adm. 524 sq. yd+Bldg. thereon 37EE filed on 12-7-1984.

實際 上

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I. Ahmedabad

Date: 26-2-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 1, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 26th February 1985

Ref. No. P.R. No. 3619 Acq. 23/I/84-85.-Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing

H.P. at Veraval Nawa Patelwada—area—Wd. 5 C.S. No. 640

Adm. 35.76 sq. mtr. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Veraval on 30-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Soni Mohanlal Ramji Sagar Shri Soni Dahyalal Ramji Sagar by P. of A.H.—Soni Ramji Mulji Sagai Khad-Khad — Veraval.

(Transferor)

(1) Shri Bhikhalal Nanji Sagar & Ors. Krishna Nagar—Khad Khad— Veraval.

(Transferee)

Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—



- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H.P. at Veraval-Nava Patel Wada-area Wd. 5-C.S. No. 640 Adm. 35.76 sq. mtr. R. No. 2024 Dt : 30-7-84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 26-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D 61) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 28th February 1985

Ref. No. P.R. No. 3620 Acq.23/I/84-85.--Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding 100,000/- and bearing

Property at Ward No. 5/11 C.S. No. 584 at Khambhaliya

Dist : Jamnagar

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and registered under the registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khambhaliya Distt, Jamnagar on 3-7-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trunsfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) M/s. Ashok Oil Mill-Station Road-Khambhaliya Dist: Jamnagar.

#### Partners:

(Transferor)

- Vrandavan Dhanjibhai
- Ranchhoddas Dhanjibhai
- Arvind Kumar Ranchhoddas:
  Harkishor Vrandavandas
  Devendra Vrandavandas
  Vinodray Vrandavandas
  Mukesh Chandrakant

- Chetankumar Arvindkumai Station Road--Khambhaliva-

Dist: Jamnagar.

(2) Shri Girishkumar Pranjivandas Datani Navapara, Khambhaliya.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforcacid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires lated;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at Khambhaliya Ward No. 5/11 C.S. No. 584 R. No. 1006 Dt. 3-7-84.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I, Ahmedabad

Date : 28-2-1985 Seal :

#### FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 28th February 1985

Ref. No. P. R. No. 3621 Acq. 23/I/84-85.--Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable tax and the control of the cont property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and bearing Khambhaliya C.S. No. 10-11-12 Sheen No. 70 C.S. No. 584 Wd. No. 5/11—Khambhaliya (and more fully described in the Schedule annexed hereto), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Khambhaliya D. Jamuagar on 3-7-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

- (1) M/s. Ashok Oil Mill-Station Road—Khambhaliya—Dist: Jamnagar. Partners:

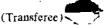
  - Vrandavan Dhanjibhai Rance koddas Dhanjibhai Arvidakumar Ranchhoddas

  - 4. Harkishor Virandavandas 5. Devendra Vrandavandas 6. Vinodray Vrandavandas 7. Mukesh Chandrakant

  - Chetankumar Arvindkumar Bachha Khambhaliya Dist : Jamuagar.

(Transferor)

(2) Shri Narottam Pranjivandas Shii Bharatkumar Pranjiyandas Datani Khambhaliya Dist : Jamuagar.



Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Khambhaliya Wd. No. 5/11 [14 to 20(6)] CS. No. 584, R. No. 1005 Dt : 3-7-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 28-2-1985

Scal:

Lashwantiben Thakorlal Vadgama
 Rekhaben Thakurlal Vadgama
 Ellora Park -- Baroda.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Manglaben Mulraj Radia Grampanchayat Road,8 Vora House—Goregany, Bombay.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 28th February 1985

Ref. No. P. R. No. 3622 Acq. 23/1/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 100 000/- and bearing Property at Bedi Road CS No. 45/G/5—Jamnagar

Property at Bedi Road CS No. 45.7G./5—Jamnagar and more fully described in the Schedule annexed herotomas been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jamnagar on 10-7-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the eard property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION. - The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at Bedi Road C.S. No. 45/G 15 R. No. 1058 Dt: 10-7-84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-2-1985

FORM NO. I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 28th February 1985

Ref. No. P. R. No. 3623.Acq.23/I/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable propery, having a fair market value exceeding Rs, 100.000/- and bearing

Rs. 100.000/- and bearing
Wd. No. 15 S. No. 405 situated at Plot No. 10—Rajkot,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).
has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Rajkot on 7-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trasfer:

  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/s. Patel Construction Co. C/o Patel Dairy Farm Prahlad Road—Rajkot.

(Transferor)

 Dilip Amratlal Dhanak
 Mahesh Amratlal Dhanak
 Navin Amratlal Dhanak
 Dilip Cottage, Shree Krishnanagar—Veraval.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at Wd. No. 15 S. No. 405 Plot No. 10 R. No. 4349 Dt. 7-7-84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 28-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 28th February 1985

Rof. No. P. R. No 3624.Acq.23/I/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 100,000/- and bearing

No. Property at Wankaner Danapith situated at Dist. Rajkot. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred as per registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dist. Rajkot on 4-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent -consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) 1. Indira Trilokchand Patel-Rac Delux Appartment—664—Fltramount Road—Bombay-26.

2. Vandna Rajendra Patel---Power of Attorney-Shri Champaklal Ratilal Maniar— Panchnath Road—Rajkot.

(Transferor)

(2) Wankauer Taluka Sharid Vechan Sankari Sangh Wankaner Dist. Rajkot.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used hereis as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at Wankaner R. No. 1331 Dt. 4-7-84.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 28-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-1
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 28th February 1985

Ref. No. P.R. No. 3625.Acq.23/I/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-and bearing

No. Property at 37—Karanpara situated at Rajkot.. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 4-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partirs has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) accilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in espect of any income arising from the transfer:

(b) 'acilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Satwik Builders, Partner—Madhukarbhai Kantilal Jani. 37—Katanpara—Rajkot.

(Transferor)

(2) Hotel Samrat, Partner—Karsanjibhai Docabhai 37—Karanpara—Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter

THE SCHEDULE

Property at 37—Karanpara R. No. 2213 Dt. 4-4-84 37-G reed. July, 1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, herefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I haveby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection () of Section 269(D) of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-2-1985

FORM TINS --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACF, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMFDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 28th February 1985

Ref. No. P.R. No. 3626.Acq.23/1/84-85.—Whereas, J. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269E of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/rand learing No. Shed at C-17 Udworng.it -language.

No. Shed at C-17 Udworing at January at (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Januagar on 30-7-84.

for an apparent consideration which is less than the fail market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, to respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax. Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
89—6GI/85

(1) D. Re'lla' Bharn Industic --Hing Comp Nyoday a N. I we Hall -Jamusan.

(Transferer)

 Asha Laterprises Co. Co. owner—Nilesh Favindra Opp. Jain Temple Januagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be well, or entropy to the nesteral cases.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which aver period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this paties in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULT

Shed at Udyognagar C-17 amnagar R.1 No. 1502 Dt. 30-7-1984.

6. K. PANDYA
Commetent Authority
for the Acquisition Pance-1. Ahme labout

Deta: 28-2-1985

a displacement and with the property of the second

# NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 28th February 1985

Ref. No. P.R. No. 3627.Acq.23/I/84-85.-Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-and bearing

No. Bldg. at Vozar Desai Sheri situated at Baba Mansion

Bhavnagar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferered and registered under the Registration Act. 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Bhavnagar on 31-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) 1. Smt. Lataben Premshankar Shukla Kailash Plot No. 1175-Ambawadi Bhavnagar.

Smt. Vasumatiben Chhaganlal Trivedi— 'Udd' Takhtshwar Plot—No. 2129 Bhavnagar.

3. Anilkumar Dalpatram Pandya
4. Khambhati Mafatlal Keshavlal—
20—L.I.G. Shashtri Nagar—Bhavnagar.

DATE: (Transferor) (2) M/s. Ravi Corporation-

**Partners** 

TO THE STATE OF TH

Patel Ashokkumar Nagindas.
 Patel Jayshreebken Ashokkumar

3. Patel Hemaben Nagindas

 Patel Indumati Indukumar 24-M.I.G. Shastrinagar-Bhavnagar

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice. in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Bldg. at Vora Bazar, Desai Sheri-Baba Mension'- R. No. 2906 Dt. 31-7-84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 28-2-1985

Şeal :

(1) Shri Hirabhai Mepabhal Shahpur Dist. Rajkot,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 28th February 1985

Ref. No. P.R. No. 3628.Acq.23/I/84-85.--Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-and bearing

No. Land at village Shahpur Dist. Rajkot

Rajkot on 3-3-84-37G recd. July 1984 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely: --

(2) Forge Brothers (India) Pvt. Ltd. Regd. Office-5th Kailashwadi, Post Box No. 161 Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as good in that Chapter

THE SCHEDULE

Non-Agricultural Iandat Shanpur S. No. 248 Dist. Rajkot.

414,

G, K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedatand.

Date: 28-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGLA 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 000 the 28th February 1985

Ref. No. P.R. No. 3629 Acq 23 1/84 85 - Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competer Actional mades Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereins her referred to as the haid Act I have reason to being a that the namovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 - and bearing Land Agri./S Municipal Limit Jamuaga. S. No. 559—Opp. Gokul Petrol Pump. (and more fully described in the 901 1 1 mexed hereto), has been transferred as particles of the Registering Officer at Jamuaga on 5-7-1984

for an approant constitution time, the trace the fair market value of the efforced place to and I have reason to believe that the no reader after at the property as information of the mitten per treat of meh apparent consideration and that the consideration for such market as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the habitiof the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concadingui of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) for the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in presuance of Section 269C of the said Act, I hereby mittee proceedings for the acquisition of the aforement property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2001 of the said Act to the following persons, manning

(1) Shri Bhavanbhai Ladhabhai Nakam Frospital Road—Nr. Mangalbag, Jamnagar.

(Transferor)

(2) Shri Govindlal Bhagwanji Parmar Nr. Pratap Vilas, Jamnagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the eforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by ony other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land at Jamnagar O/s. Municipal Limit. S. No. 519 R. No. 2328 Dt. 54-84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 28-2 1985

# FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

. ACQUISITÍON RANGE-I D FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 28th February 1985

Ref. No. P.R. No. 3630.Acq.2371/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (bereinaster referred to as the said Act), have reason to believe that the inmovable 'property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and maring

Bldg, at Sheet No. 1 Opp. Naya Nagar High School Shree Sadan & Janmagar.

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jampagar on 9-7-84.

for an apparent possideration which is less than the pair market value of the aforesaid property, and I have person to believe that the fair nurket value of the property as aforsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per done of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been indy stated in the said instrument of than left with the object of [--].

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- th) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sail Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

therefore, in pursuance of Section 269C of the said hereby initiate proceedings for the acquisition of the 1 property by the issue of this notice under sub1) of Section 269D of the said Act, to the following namely:—

1. Navinbhai Navalbhai
 2. Anilohai Navalbhai Patel
 3-Hindu Colony—Opp. Stadium—Navrangpura—A'bad. 9.

(Transferor)

(2) \*Hasmukhlal Jethalal Patel— Manayi: Ortical Stores Ramji Road Immaga...

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this potice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Bldg, at Sheet No. 1 Opp. Nava Nagar High School R. No. 2365 Dt. 9-7-84 Jamnagar.

G. K. PANDYA
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-I, Anmedaliad.

Date: 28-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 28th February 1985

Ref. No. P.R. No. 3631/Acq.23/I/84-85.—Whereas, 1, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property baving a fair market value exceeding exceeding Rs. 100,000/- and bearing Land at Vejalpur Sim S. No. 1148 situated at Satyagarh Chhavni Adm, 600 sq. yd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908, (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 11-7-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Smt. Lalitaben Somabhai Patel 3-B Moti Sagar Socy. Nr. Shantivan Bust Stop Narayan Nagar Rd. Paldi—A'bad.

(Transferor)

(2) Shri Saurabhbhai Navnitlal Brahambhatt B. No. 4—Jivan Saurabh Socy. Narayan Nagar Rd. Paldi—A'bad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

Land at Vejalpur sim S. No. 1148 Satyagarh Chhaynt Sector No. 5 Plot No. 8 Adm. 600 sq. yd. R. No. 10629 Df.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 28-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-ACT, 1961 (43 OF 1961)

OVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 28th February 1985

Ref. No. P. R. No. 3632/Acq.23/I/84-85.--Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-and bearing No. Land at Village Ghodasar sim S. No. 175 Adm. 7260sq. Yd. (and more fully) described in the Schedule annexed hereto.). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 37EE filed on 20-7-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: BERLALDE SEED & LOCALIST COLOR

(b) facilitating the concealment to any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Sheth Padmakant Kanajyalal Shah 15-2 Silver Archa—'Pitit Hall' 66-L Jagmohandas Marg-Bombay.

(Transferor)

(2) Shri Suryakant Koshavit Patel 77/1D-G.I.D.C. Estate-Vatva,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here are defined in Chapter XXA of the Act, shall have the same meaning as used herein as in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land at village Ghodasar sim S. No. 175 adm. 7260 sq. yd. 37EF filed on 20-7-84.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad,

Date: 28-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, **AHMEDABAD** 

Ahmedabad-380 009, the 28th February 1985

Ref. No. P.R. No. 3633Acq./23/1/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 100,000 bearing No. Land at village Ghodasar sim S. No. 175 Adm. 19360

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office

at 37EE filed on 20-7-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

(1) Sheth Padmakant Kananyalal Shah (HUr). 15/2 Silver Arch-Pitit Hall, 66L-Jagmohandas Road- Bonings.

offganstlyra i

(2 Shri Nareshbhai Parshottamdas Patel, 2-Vrandavan Colony. Ram Bag---Maninagar----A'bad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said a mean may be made in writing to the unriersigned :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person intercated in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Carette.

EXPLANATION: The terms and expression used herein are defined in Chapter XNA of the Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

yd. 37EE filed on 20-7-84.

Land at village Ghodasar sim S. No. 175 Adm. 19360 -

G. K. PASDY Compet in Authorit Inspecting Assistant Commissioner of Jacone-tax Acquisition R. ne. 1 Ahmedabast

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-2-1985

Scal:

PRINTED BY THE MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA FRISS, FARIDABAD AND PUBLICATIONS, DELHI, 1985

